

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग I--- खण्ड 1 PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं०. 76] No. 76] नई बिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इ.स. भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंद्रालय

(प्रायास ध्यापार नियंत्रण)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

सार्वेजनिक सूचना सं. 2-प्राई दी सी (पी एन)/90-93

विवय :--- प्रक्रिया पुस्तक, 1990--- 93 (वाण्ड-- 2)

फाइल संख्या एच बी: /1/1/90--93.--इस सार्वजिनिक के उपायन्य में प्रक्रिया प्रस्तक, 1990-93 (खण्ड-2) वी गई है।

क्षेत्रेन्द्र सामा, मुख्य नियंत्रक, प्राधात-निर्मात

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

New Delhi, the 30th March, 1990 PUBLIC NOTICE NO. 2-ITC(PN) 90-93

Procedures, 1990—93 Subject:—Hand Book of (Volume (I).

File No. HB[J]1]99-92,-The Hand Book of Procedures, 1990-93 (volume II) is contained in the Annexure to this Public Notice.

> TRIENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports & Exports.

आयात और निर्यात (नियंत्रण अधिनियम)

30 प्रप्रेल, 1979 तक धया-संशोधित श्रामात ग्रौर निर्मात निर्मेत्रण ग्राधिनियम, 1947

यह अधिनियम भायात एवं निर्यात को निषिक्क कर ने या नियंत्रित करने के लिए है, चूंकि भायात और निर्यात को निषिक्क, प्रतिबंधित या अन्यथा नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है ।

दसलिए एसदुवारा यह अधिनियम बनाया जाता है :--

- 1. मंक्षिप्त नाम, व्याप्ति, प्रारम्भ और श्रवधि :--
- (1) यह ग्रधिनियम, भायात और निर्यात (नियंत्रण) भ्रधि-नियम, 1947 कहलाएगा ।
- (2) यह सम्पूर्ण भारत में लागू होगा । यह 25 मार्च 1947 से लागू होगा ।
- 2. परिभाषा :---इस मधिनियम में जब तक संदर्भ में श्रन्यथा रूप से भावश्यक न हो :---
- (क) "न्याय प्राधिकारी" का मर्थ है खण्ड 4ट के मन्तर्गत या उसमें विशिष्टिकृत प्राधिकारी;
- (ख) "मपील प्राधिकारी" का मर्थ है, खण्ड-4-ढ में उल्लिखित प्राधिकारी;
- (ग) "मुख्य नियंत्रक" का भर्ष है, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात;
- (घ) "नियंत्रण झादेश" का अर्थ है इस अधिनियम के भन्तर्गत बनाया गया या बनाया गया समझा आने वाला नियंत्रण झादेण;
- (अ) ''सीमा शुल्क केन्द्र'' का श्रर्थ वही है जो सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 में उसके लिए दिया हुआ है;
- (च) "उप-मुख्य नियंत्रक" का अर्थ है, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात;
- (छ) "श्रायात" और "नियित्त" का भर्य है समुद्री जहाज, स्थल वाहन या हवाई जहाज द्वारा कमणः भारत में सामान लाना या बाहर भेजना;
- ज) "प्राधिकार-पत्न" का अर्थ है एक ऐसा पत्न जिसमें लाइसेंसधारी को प्राधिकृत किया गया हो कि उस को प्रदान किए गए लाइसेंस के मद्दे उक्त पत्न में नामांकित किसी अन्य व्यक्ति को सामान के आभात करने की अनुमित दी जाए;

- (म) "लाइसेंस" का मर्थ है प्रदान किया गया एक लाइसेंस और इसमें किसी भी नियंत्रण भादेश के भग्तगैंत जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी परिमिट भी गामिल है;
- (ञा) "निर्धारित" का मर्थ है इस मधिनियम के अन्तर्गत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित नियम;
- (ट) ''मान्यताप्राप्त ग्राभिकरण' का ग्रथं है वह श्राभिकरण जिसको ग्रायातित माल के विसरण का कार्य मुख्य नियंत्रक, द्वारा मौंपा गया हो ।
- 3. आयात और निर्यात को निषेध या प्रतिबंधित करने का अधिकार:——(1) केन्द्रीय सरकार राज्यल में आदेश प्रकाशित करके निम्नलिखित सभी मामलों में या इन मामलों की विशेष श्रेणियों में यदि कोई हो तो ऐसे अपवादों के अधीन निषेध करने, प्रतिबंधित करने या अन्यथा रूप से नियंत्रित करने के लिए शर्ते बना सकती है जो उस आदेश द्वारा या उसके अधीन बनाई जाएं :——
 - (क) उल्लिखित प्रकार के माल का तट से मायात या निर्यात करना या पोत भण्डार के रूप में उसका लदान;
 - (ख) यि उल्लिखित प्रकार का माल जहाज या बाहन जिसमें वह ले जाया जा रहा है उसमें से उतारे बिना भारत से बाहर ले जाया जा रहा हो तो उसे भारत के किसी पर्मन या स्थान पर लाना ।
- (2) जिस माल पर उप-धारा (1) के प्रधीन कोई आदेश लागू होता हो उसका आयात या निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11 के अधीन निषिद्ध माना जाएगा और उस पर तद्नुमार उपर्युक्त अधिनियम के सभी उपबन्ध लागू होंगे ।
- (3) उपर्युक्त श्रिधिनियम में उलि जित अन्य बातों के बाय-जूद भी केन्द्रीय सरकार राजपन्न में आदेण प्रकाशित करके भारत में श्रायातित किसी भी सामान या किसी विशेष श्रेणी के सामान की निकासी को रोक सकती है, प्रतिबन्धित कर सकती है या उस पर शर्ते लगा सकती है चाहे वह सामान घरेलू खपत के लिए हो या विवेश को अदान के लिए।
- 4. वर्तमान आदेशों का जारी रहना :--भारत सुरक्षा नियमावली के नियम 84 के अधीन या आपात उपबन्ध अध्यादेश (1946 का वर्तमान आदेश, 1946 का 20 को जारी रखना) के

भधीन और इस भिधिनियम के लागू होने से तुरन्त पहले लागू उन्त नियम के भधीन जारी किए गए सभी भादेश जिस सीमा तक वे इस भिधिनियम के उपबन्धों से भसंगत नहीं हैं उस सीमा तक लागू रहेंगे और उन्हें इस भिधिनियम के भ्रन्तर्गत माना जाएगा ।

- (4क) लाइसेंस के लिए प्रावेचन करने और उसे जारी करने अथवा उसका नवीकरण करने की फीस:—केन्द्रीय सरकार आदेश जारी करके, उस आदेश में यदि किसी व्यक्ति या किसी श्रेणी के व्यक्तियों के सम्बन्ध में कोई छूट दी गई हो तो उसे छोड़कर शेप मामलों में किसी आवेदन-पन्न के लिए या इस अधिनियम के अधीन दिये गए अथवा इस अधिनियम के अधीन जारी किए गए या नवी-करण किए गए लाइसेंस के लिए फीस बमूल कर सकती है।
- (40) प्रवेश और निरोक्षण करने के प्राधिकार:—इस बारे में मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया हुआ कोई व्यक्ति या उसके प्रधान कार्य करने बाला कोई प्रधिकारी जो उप-मुख्य नियंत्रक के पद से कम का न हो (उसे इसके बाद इस ग्रधि-नियम में "प्राधिकृत व्यक्ति" कहा जाएगा) वह किसी भी उचित समय पर ऐसे किसी भी स्थान में प्रवेश कर सकता है जहां :—
- (1) ऐसा श्रायातित माल या सामग्री हो जिसे इस श्रधि-नियम के श्रधीन जब्त किया जा सकता हो, या
- (2) लेखा पुस्तकें या दूसरा कोई दस्तावेज या चीजे, जो उसकी राय में, इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगे या उससे संबद्ध होंगे उन्हें छिपाकर रखने का सन्देह है तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों और चीजों का निरीक्षण कर सकता है और यदि उचित समग्ने तो उन लेखा पुस्तकों या दस्तावेजों की नकल या उनसे उद्धरण ले सकता है ।
- (4ग) तलाशी सेने का श्राधिकार :---यदि प्राधिशृत व्यक्ति को किसी कारणवश ही विश्वास हो जाए कि :---
 - (1) कोई भाषातित माल या सामग्री, जिसे इस मिध-नियम के भधीन जब्त किया जा सकता है, या
 - (2) कोई लेखा. पुस्तक, या दूसरे पस्तावेज या चीजें जो उसकी राय में, इस अधिनयम के अधीन कार्रवार्ड करने के लिए उपयोगी होगी या उससे संबंध रखती होगी, किसी जगह छिपाकर रखी हों, तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों या चीजों की जलाशी लेने के लिए ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है।

(4ष) आयातित माल या सामग्री को जब्त करहें का श्राधकार:—(1) यदि प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश यह विश्वास हो जाए कि इस अधिनियम के अधीन किसी आयातित माल या सामग्री को जब्त करना जरूरी है तो वह उस माल और सामग्री यदि वे किसी पैकेज या कागज या बर्तन में हो तो उन्हें भी और यदि आयातित माल या सामग्री किसी दूसरे माल और सामग्री में मिला कर रखी हो तो उस माल या सामग्री को भी जब्त कर सकता है;

किन्तु यदि ऐसे माल या सामग्री को जब्त करना व्यावहारिक न हो, तो प्राधिकृत व्यक्ति माल या सामग्री के मालिक को भादेश दे सकता है कि वह उस की पूर्वानुमति के बिना उस माल या सामग्री को न हटाए, न भ्रलग करे या उसे भ्रन्यथा न निपटाए।

(2) यदि उपधारा (1) के प्रधीन किसी माल या सामग्री को जब्त किया गया हो और उस माल या सामग्री को जब्त करने के छः महीने के भीतर धारा 4ठ के भ्रन्तर्गत उनकी जब्ती का काई नोटिस नहीं दिया गया हो तो जिस व्यक्ति से उस माल या सामग्री को जब्त किया गया है उस व्यक्ति को यह माल और सामग्री वापस की जाएगी ।

किन्तु मुख्य नियसक उपर्युक्त छः महीने की अवधि को पर्याप्त कारण होने पर ज्यादा से ज्यादा 6 महीने और बढ़ा सकता है।

- (3) प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे किसी भी वस्तावेजों या चीजों को जब्त कर सकता है जो उसकी राय में इस प्रधिनियम के प्रधीन कारवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे सबंधित होंगी।
- (4) जिस व्यक्ति से उपधारा (3) के ब्रधीन किसी पस्तावेज को जब्त िया जाएगा उस ब्यक्ति को प्राधिहत व्यक्ति की उपस्थिति में उम दस्तावेजों की प्रतिलिपियां बनाने या उनसे उद्धरण लेने की बनुमति दी जाएगी ।
- (5) जो व्यक्ति उपधारा (3) के श्रधीन जब्त लिए गए यस्तावेज या दूसरी चीजों का कानूनी हकदार है उसे यदि प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा उन बस्तावेज या चीजों को श्रपने पास रख लेने पर किसी कारण से श्रापत्ति हो तो उसे श्रपनी आपित्त का कारण बनाते हुए उस बस्तावेजों और चीजों को लौटाने के लिए केन्द्रीय सरकार से श्रावेदन करना होगा ।
- (6) केन्द्रीय सरकार उपधारा (5) के अधीन भावेदन मिलने पर भावेदक को भ्रपनी बात कहने का भवसर हैकी और उस पर जो भावेश देना उचित समझेगी वह भादेश देगी ।
 - (7) अहां कही--
 - (क) किसी क्यक्ति ने कोई दस्तावेज पेश या अस्तुत किया

- हो मथवा किसी व्यक्ति की भ्रभिरक्षा या नियंत्रण से इस भ्रधिनियम या योड़े समय के लिए लागू किसी दूसरे कानून के भ्रधीन कोई दस्तावेज जब्त किया गया हो, भ्रथवा
- (ख) इस स्रिधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के सम्बन्ध में अपराध के किसी आरोप की जांच करते समय भारत से बाहर किसी स्थान से (ऐसे प्राधि-कारी या व्यक्ति द्वारा निर्धारित ढंग से विधिषत् अधिप्रमाणित) कोई दस्तावेज प्राप्त हुआ हो ।

और जिस व्यक्ति ने यह दस्तावेज पेश किया हो या जिस व्यक्ति से वह दस्तावेज जब्त किया हो उस व्यक्ति के खिलाफ अथवा उसके साथ जिस व्यक्ति पर मुकदमा चल रहा हो या कार्याई की जा रही हो उस व्यक्ति के खिलाफ वह दस्तावेज प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जाए तो यथास्थित अवालत या न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी, उस समय लागू किसी भी दूसरे कानून में उसके विपरीत की गई व्यवस्था के बावजूद भी :—

- (1) जब तक मन्यथा प्रमाणित न हो जाए यह मानेगा कि हस्ताक्षर और हस्तलेख किसी खास व्यक्ति का है, खास व्यक्ति के हाथ का लिखा प्रतीत होता है या जिसके बारे में प्रवालत या न्याय करने वाला प्राधिकारी उचित कारणों से यह समझेगा कि वह हस्ताक्षर और हस्तलेख किसी खास व्यक्ति का है; उस खास व्यक्ति की भ्रपनी लिखावट में है और जो दुस्तावेज लिखा या साक्ष्यांकित किया गया है उसके मामले में यह मानेगा कि जिस व्यक्ति द्वारा वह लिखा या साक्ष्यांकित होता है उसी व्यक्ति ने उसका निष्पादन और साक्ष्यांकन किया है,
- (2) यि ऐसा यस्तावेज भन्यथा रूप से साक्ष्य में स्वीकार्य होतो स्टाम्प लगेन होने पर भी उसे साक्ष्य में स्वीकार करेगा।
- (48) वाहनों को रोकने सौर कब्जे में लेने का सिकार :—
 यदि किसी प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवर्ग सन्देह
 हो कि किसी ऐसे भायातित माल या सामग्री को, जो उसे श्रिष्ठनियम के मधीन जब्त हो सकती है, ले जाने के लिए कोई वाहन
 या जानवर इस्तेमाल किया जा रहा है या इस्तेमाल किया जाने
 वाला है और उस प्रकार माल या सामग्री ले जाने से इस श्रिष्ठनियम के किसी उपबन्ध का उस्लंघन हो रहा है या होने वाला
 है तो यह किसी भी समय ऐसे वाहन या जानवर को रोक सकता
 है प्रथवा यदि वह वाहन हवाई जहाज हो तो उसे जमीन पर उतारने
 को मजबूर कर सकता है; और
 - (क) उस वाहन या उसके किसी भाग की छानर्बान कर सकता है भयवा तलार्था केंसकता है;

- (ख) वाहत में या जानवर पर रखे भाल या सामग्री की जांच कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है;
- (ग) यदि किसी बाहुन या जानवर को रोकना जरूरी हो तो वह उसके लिए सभी प्रकार के कानूनी तरीके भपना सकता है यदि कोई कानूनी तरीके विफल हो जाएं तो बाहुन या जानवर पर गोली चला सकता है ।

और यदि उसे इस बात का यकीम हो जाए कि इस मधि-नियम के किसी उपबन्ध या किसी नियंत्रण मादेश मथवा किसी लाइसेंस या प्राधिकार-पत्न की मतीं का उल्लंघन करने के लिए ऐसे वाहन या जानवर को कब्जे में लेना मायश्यक है तो वह उसे कब्जे में ले सकता है।

स्पष्टीकरण :—इस धारा में जहां भी बाहन शब्द भाता है वहां उसमें यदि संदर्भ से भन्यथा श्रभिप्रेत न हो तो हवाई जहाज, गाड़ी और जलयान शामिल है।

- (4च) तलाशो मौर जन्ती वण्ड प्रक्रिया, संहिता 1973 के मनुसार किए जायेंगे:—इस प्रधिनियम के प्रधीन जो भी तलाशी ली जाएगी और जन्ती की जाएगी उस पर तलाशी और जन्ती के सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के उपबन्ध, जहां तक हो सकें, लागू होंगे ।
- (4छ) अधिग्रहण: कोई भी आयातित माल या सामग्री जिसके सम्बन्ध में:---
 - (क) जिस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्न के मधीन भायात किया गया है उसमें उस माल या सामग्री के उपयोग या जितरण के सम्बन्ध में उल्लिखित किसी गर्त का, या
 - (ख) उक्त माल या सामग्री के उपयोग या वितरण के सम्बन्ध में जिन शर्ती पर वे किसी मान्यताशप्त एजेंसी से या उसके माध्यम से प्राप्त हुए हैं उनमें से किसी शर्त का, या
 - (ग) नियंत्रण के आदेश में उस माल या सामग्री की बिकी के बारे में उल्लिखित किसी निर्वेश का,

उल्लंधन किया गया हो, या किया जा रहा हो या करने जी कंणिश की गई हो तो उस माल या सामग्री को और साथ ही जिस पैकेज, कर्वारंग या बर्तन में वे थे उस पैकेज, कर्वारंग या बर्तन का श्रधिग्रहण कर लिया जाएगा और यदि वह माल या सामग्री किसी दूसरे माल था सामग्री के साथ एस तरह मिलाकर रखी हो जिससे उन्हें ग्रासानी से श्रलग नहीं किया जा सकता हो तो उस दूसरे माश या सामग्री का भी श्रधिग्रहण कर लिया जाएगा; किन्तु यदि यह प्रमाणित हो जाए और न्याय निर्णय करने वाले प्राधिकारी इस बारे में संतुष्ट हो कि इस मिधिनियम के प्रधीन जिस माल या सामग्री का प्रधिग्रहण किया जा सकता है यह माल और सामग्री किसी व्यापार या उद्योग के लिए नहीं है बिल्क निजी उपयोग के लिए श्रायात किया गया था/की गई थी और वह उस व्यक्ति का नहीं जिसके किसी कार्य या चूक के कारण उसका मिधिग्रहण किया गया है और उसने यह कार्य या चूक उस व्यक्ति की जानकारी या सहमति के बिना की है जिसका कि यह माल या सामग्री है, तो न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी मिधिग्रहण का मादेश नहीं देगा; लेकिन जिस व्यक्ति के किसी कार्य या चूक के कारण उस माल या सामग्री का मिधिग्रहण किया जा रहा था उस व्यक्ति पर इस मिधिनियम के प्रधीन कोई दूसरी कार्यवाई की जाएगी

4ज. बाहन का म्रधिमहण :— इस मिधिनियम के मिधीन जिस मायातिल माल या सामग्री का मिधिप्रहण किया जा सकता है उस माल या सामग्री को ले जाने के लिए जो वाहन या जानवर इस्तेमाल किया गया था, किया जा रहा है या करने की कोशिश की गई, उस बाहन या जानवर का मिधिप्रहण कर लिया जाएगा, लेकिन यदि बाहन या जानवर का मिधिप्रहण कर लिया जाएगा, लेकिन यदि बाहन या जानवर का मालिक यह प्रमाणित करे कि स्वयं मालिक या उसके एजेंट को अथवा उस बाहन या जानवर के प्रभारी ध्यक्ति की जानकारी या सहमित के बिना उसका इस्तेमाल इस काम के लिए किया गया था, किया जा रहा म्रथवा किया जाने वाला था, और उनमें प्रत्येक व्यक्ति ने वाहन या जानवर का इस तरह इस्तेमाल होने के विरुद्ध सभी उचित पूर्वोपाय किए हैं, तो उस वाहन या जानवर का मिधिप्रहण नहीं किया जाएगा,

किन्तु माल या यातियों को ले जाने के लिए इस्तेमाल किए गए किराए के जानवर के मामले में वाहन या जानवर के मालिक को बाहन या जानवर के मिश्रिष्ठ के बदले में, उस बाहन से जो भायातित माल या सामग्री ले जाई गई, ले जाई जा रही थी; या ले जाने की कोशिश की गई उसके मूल्य तक के वराबर जुर्मीना देने का विकल्प होगा।

4स. (1) जुमनि की देयता:--जो .व्यक्ति

- (क) ितसी लाइसेंस या प्राधिकार-पत्न के ध्र<mark>धीन आयातित</mark> किसी माल या सामग्री का उपयोग या इस्तेमाल उग लाइसेंप या प्राधिकार-पत्न की शर्तों के भनुसार न करके श्रन्यथा करता है; या
- (ख) मान्यताप्राप्त एजेंसो द्वारा आयातित माल या सामग्री विए जाने पर उसका उपयोग भौर इस्तेमाल, जिस प्रयोजन से उसे वह माल या सामग्री दी गई थी उस प्रयोजन के लिए प्रयोग न करके किसी प्रन्य प्रयोजन के लिए प्रयोग करा है या करवाता है, या.
- (ग) निम्नलिखिन की प्राप्त करने के लिए घोषणा-पत दे दिया हो :—

ऐसा घोषणा-पत्न देता है भौर उस घोषणा-पत्न में कोई गलत वा झूठा बयान पाया जाए :----

- (1) किसी माल या सामग्री के भायात करने का लाइसेंस या प्राधिकार-पत्न लेने के लिए, या
- (2) उस लाइसेंस या प्राधिकार-पक्ष में कोई संबद्धीली करवाने के लिए, या
- (3) किसी भी भ्रायातित माल के आबटन को प्राप्त करने के लिए, या
- (ष) जिस लाइसेंस श्रथवा प्राधिकार-पत्न के अनुसरण में माल श्रथवा सामग्री का भ्रायात किया गया था उसकी शर्तों का उल्लंघन करते हुए भ्रायातित माल सामग्री खरीदता है, उसे बेचता है भ्रथवा उसे भ्रम्यथा रूप से दे देता है, भ्रथवा उसे खरीदने, बेचने श्रथवा श्रन्यथा रूप से देने की भ्रनुमति देता है; या
- (क) मान्यता प्राप्त एजेंसी द्वारा किए गए श्राबंटन की शर्तों का उल्लंघन करके कोई ग्रायातित माल ग्रथवा सामग्री खरीवता है, बेचता है श्रथवा ग्रम्यथा रूप से दे देता है श्रथवा उसे खरीदने, बेचने ग्रथवा ग्रन्यचा रूप से दे देने की श्रनुमति देता है;
- (च) जिस माल प्रथम सामग्री का प्रायात किसी लाइसेंस अथवा प्राधिकारपत्न के अन्तर्गत किया गया है प्रथमा जो किसी मान्यता प्राप्त एजेंसी से प्रथमा उसके माध्यम से प्राप्त किया गया है, उस माल या सामग्री के बेचने के बारे में जारी किए गए नियंत्रण धादेश के प्रन्तर्गत दिए गए किसी निर्देश का उस्लंबन करता है,

तो बाहे ऐसे माल का श्रधिग्रहण किया गया हो श्रथवा नहीं या चाहे ऐसा माल श्रधिग्रहण के लिए उपलब्ध हो या नहीं; उस माल श्रथवा सामग्री के पांच गुना श्रयवा एक हजार रुपए इसमें से जो भी श्रिष्ठिक हो, तक अर्थ दण्ड दिया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:--इस घारा में "मूल्य" का धर्य वही लिया आएगा जो धर्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है।

(2) यदि कोई व्यक्ति ऐसे किसी कार्य को रोकने या न करने के लिए उकसाता है जिस कार्य को करने या न करने पर किसी व्यक्ति पर उपधारा (1) के भन्तर्गत जुर्माना विया जा सकता है या ऐसा कार्य करने की कोशिश करता है तो जाहे ऐसे माल का अधिग्रहण किया गया हो अथवा न किया गया हो या उसका प्रधिग्रहण किया जा सकता हो या न किया जा सकता हो, इस प्रकार उक्ताने या उक्ताने का प्रयास करने वाल व्यक्ति को जिस माल प्रथा सामग्री के बारे में उक्ताया गया है, प्रथवा उक्ताने वा प्रयास किया गया है, उस माल या सामग्री के मूल्य के ग्रीध कतम

पांच गुना तक प्रथवा एक हजार रुपए, इनमें से जो प्रधिक हो तक का प्रथं दण्ड दिया जाएगा ।

(3) यदि उपधारा (1) ग्रथमा उपधारा (2) के ग्रन्सर्गत किया गया जुर्माना नहीं दिया जाता है तो उसे लगान के बकाया के हुए में बसूल किया जाएगा :

किन्तु उपधारा (1) श्रथवा उपधारा (2) के श्रन्तगैत जिस व्यक्ति पर जुर्माना किया गया है उस व्यक्ति की निजी धनराणि को अथवा उसे कर्ज दी गई रकम को न्याय निर्णय प्राधिकारी श्रादेश जारी करके कुर्क कर सकता है और इस कुर्की की कार्रवाई उसी प्रकार होगी जैसे सिविज न्यायालय द्वारा की गई कुर्की में की जाती है ।

4जा. ध्रम्य दण्ड में हस्तकोप किए बिना ग्रधिग्रहण या ग्रयं वण्ड :---

इस अधिनियम के अन्तर्गत विए गए अधिग्रहण अथवा जुर्माने के कारण इस अधिनियम के उपबन्धों अथवा उस समय लागू विसी अन्य कानून के अन्तर्गत दिए जाने वाले दण्ड पर कोई प्रतिकूल अभाव नहीं पड़ेगा ।

4ट. श्याय निर्णय :---इस अधिनियम के अन्तर्गत ---

- (क) मुख्य नियंत्रक अथवा जिन मामलों में वह अपने सामान्य अथवा विशिष्ट श्रादेणों के अन्तर्गत अपर मुख्य नियंत्रक को यह अधिकार दे उनमें अपर मुख्य नियंत्रक;
- (ख) इस बारे में निर्धारित सीमा के श्रन्यर केन्द्रीय सरकार राजपत्न में श्रिधिसूचना जारी करके कम से कम उप मुख्य नियंत्रक के स्तर के श्रिधिकारी को प्राधिकृत करती है वह श्रिधिग्रहण करने का निर्णय करेगा श्रथवा श्रर्थ दण्ड देगा।
- - (1) वे कारण सूचित न किए जाएं जिनके भाधार पर ऐसे माल, सामग्री, वाहनं भाषता जानवर का अधिग्रहण करने ग्रथवा उसे ग्रथवण्ड देने का प्रस्ताब है;
 - (2) लिखित नोटिस देकर उसे नोटिस में निर्विष्ट समय के भीतर उसमें उस्लिखित ग्रधिग्रहण ग्रथना ग्रथी दण्ड के विषद्ध ग्रपना लिखित ग्रभिनेवन का समुचित अवसर न दिया जाए और यदि वह चाहे तो उसे मौखिक रूप से ग्रम्यावेदन यरने का ग्रवसर भी दिया जाएगा।

- 43. ध्रपील :— ६२ ध्रधिनियम के ध्रन्तर्गत किए गए निणय मा विए गए ध्रावेशों से यदि कोई व्यक्ति व्यथित हों तो निम्नलिखित स्थितियों में वह भ्रपील कर सहता है :—
 - (क) जिन मामलों में मुख्य नियंक्षक भ्रथवा अपर मुख्य नियंत्रक श्रथवा केन्द्रीय सरकार ने निर्णय दिया हो श्रवका भ्रादेश जारी किया हो;
 - (ख) जिन मामलों में अपर मुख्य नियंक्षक से मीचे के स्तर के प्रधिकारी ने निर्णय लिया हो उन मामलों में मुख्य नियंत्रक को, अथवा जिस मामले में वह ऐसा निर्देश दे उसमें अपर मुख्य नियंत्रक को अपील कर सकता है।

उम व्यक्ति को भपनी श्रपील, श्रादेश प्राप्त होने से 45 दिन के भीतर करनी होगी :

किन्तु अपील प्राधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि अपील-कर्ता पर्याप्त कारणों से उक्त 45 दिनों के अन्वर अपील दायर न कर सका, तो इस प्रकार की अपील दायर करने के लिए वह 45 दिन का समय और दे सकता है:

किन्तु अर्थ दण्ड के आवेशों के विरुद्ध की जाने वाली अपील पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा अब तक कि अपीलकर्ता अर्थ दण्ड की रक्ष्म जमा नहीं करता :

किन्तु यदि प्रपील प्राधिकारी के विचार में धर्थ दण्ड की रक्ष जमा कराने से श्रपीलकर्ता को ध्रकारण परेणानी होगी तो वह श्रपने विवेकाधिकार से, बगैर किसी गर्ल के ध्रथवा गर्स के साथ उसे जुर्मीने की राशि जमा कराने से मुक्त कर सकता है।

(2) यदि अपील कर्ता चाहे तो अपील प्राधिकारी उसे सुनवाई का उचित मी हा देकर और आवश्यक पूछताछ करने के बाद पिछले आदेशों की पुष्टि कर सकता है, उनमें परिवर्तन कर सकता है अथवा निर्णय बदल सकता है, या अपील के खिलाफ आदेश दे सकता है, अथवा नर्ज बदल सकता है, या अपील के खिलाफ आदेश दे सकता है, अथवा नह जैसा उचित समझे और यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त साक्ष्य लेकर अपने निर्देशों सहित मामले को फिर से न्याय अथवा निर्णय के लिए लौटा सकता है:

िकन्तु जुर्मीने को बढ़ाने या लगाने या प्रधिक मूल्य के माल भयवा सामग्री का प्रधिग्रहण करने के प्रावेश इस धारा के ग्रंतर्गत तब तक जारी नहीं किए जाएंगे अब तक कि प्रपीलकर्ता को भपने बचाव में लिखित ग्रंभिवेदन देने तथा यदि वह चाहे तो सुनवाई का मबसर न विया जाए ।

46. मुख्य नियन्त्रक को पुनरीक्षण के अधिकार: --- मुख्य नियंत्रक स्वयं या अन्यथा किसी भी ऐसी कार्रवाई के अभिलेख मंगवाकर जिसमें अधीनस्थ अधिकारी ने अधिग्रहण अथवा अर्थ दण्ड का आयेश दिया हो, और जिसके विख्य कोई अपील नहीं की गई हो, उस आदेश या निर्णय की सरयता, वैधता या औजित्य के बारे में स्थयं को संतुष्ट करने के लिए उनकी जांच कर सकता है और उस पर जैसा उच्चित समझे वैसा श्रादेश जारी कर सकता है:

िन्तु इस झारा के भधीन किसी निणय या भादेश में इस प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा जिसमें किसी व्यक्ति पर उसका प्रतिकृत प्रभाव पड़े जब तक कि उस व्यक्ति को :---

- (क) ऐसे निर्णय या आदेश दिए जाने की तारीख में दो वर्ष के अन्दर निर्णय या आदेश बसलने के विकड़ कारण बताओ नोटिस न दिया जाए, और
- (ख) बचाव में भपनी सफाई देने का उचित मौका न दिया जाए और यदि वह सुनवाई चाहता है तो उसकी सुनवाई न की जाए।

4ण. न्याय निर्णय और अन्य प्राधिकारियों के अधिकार :—
(1) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या किसी अपील को सुनने वाले या पुनिविचार करने का अपने अधिकारों का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को निम्नलिखित मामलों में मुकहमे सुनते समय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन मिविल न्यायालय के सभी अधिकार प्राप्त होंगे, अर्थान :——

- (क) गवाहों को बलाने और उनकी हाजिरी सुनिश्चित बर्ने में;
- (ख) विसी बस्तावेज को खोजने और देश बराने में;
- (ग) किसी न्यायालय श्रथवा कार्यालय से सार्वजनिक श्रभि-लेख या उनकी प्रति मांगने में;
- (घ) शपथ-पद्म पर साध्य प्रस्तुत करने पर;
- (क्र) गवाहों ौर दस्कावेज की जांच के लिए कमीकन भेजने में।
- (2) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रध्येक प्राधिकारी को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 345 और 346 के उद्देश्यों के लिए सिविल न्यायालय समझा जाएगा ।
- (3) इस नियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारों को ऐसे अन्तिम आदेश जसा कि वह उचिन समझे, देने का अधिकार होगा, और वह किसी भी निर्णय या आदेश को पर्यान कारण होने पर स्थिगत करने के लिए आदेश दे सकता है।

4त. मृत्यु या दिवालिया होने की स्थिति में कार्रवाई का श्वालु रहना:----

- (1) यदि न्याय निर्णय करने वाले भाधकारी ने जुर्माना कर दिया हो और :--
- (क) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विकद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष कोई अपील न की गई हो और अपील दाखिल किए जाने की अविधि समाप्त

होने से पहले भ्रापी करने के हकदार व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए, सा

(ख) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विकट अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर भण्या गई हो लेकिन अपील पर निर्णय होने से पहले अपीलकर्ता की मृत्युहो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए,

तो उस व्यक्ति के बदले में, जैसा भी मामला हो, उसके कानूनी प्रितिनिधि या सरकारी समनुदेशिती या सरकारी रिसीवर को प्रपील प्राधिकारों के समक्ष अपील दायर करने या अपील पर कार्रवाई जारी एखने का कानूनी अधिकार होगा और जैसा भी मामला हो, ऐसी अपील पर यथा संभव 45 धारा के उपबन्ध लागू होंगे या लागू होते रहेंगे।

- (2) उपधारा (1) के प्रधीन सरकारी प्रतिनिधि या मरकारी रिसीवर के प्रधिकारों का प्रयोग, जैसा भी मामला हो, प्रेसिडेंसी टाउन्स इन्सीलवन्सी एक्ट, 1909 या प्रोविणियल इन्सोल्वेन्सी एक्ट, 1920 के उपबन्ध के श्रानुसार किया जाएगा।
- 5. श्रण्ड: —यदि कोई व्यक्ति इस ग्रधिनियम के ग्रधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश से या इन आदेशों के ग्रधीन मंजूर किए गए लाइमेंस की शतों का या ऐसे प्राधिकार जिसके ग्रधीन मान्यताप्राप्त ग्रभिकरण के माध्यम से उसे ग्रायातित माल प्राप्त हुगा था, से सम्बद्ध शतों का उल्लंघन वरें। या उल्लंघन करने का प्रयत्न करें या उल्लंघन करने में सहायता करें तो वह सीमा शहक ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के उपबन्धों के ग्रधीन ग्रधिग्रहण या दण्ड पर विपरीत प्रभाव डाले बिना ही निम्नलिखित श्रनुसार होगा :—
 - (क) जिस सामान के जम्बन्ध में इन प्रकार का उल्लंघन किया गया हो या उल्लंघन करने में सहायता की गई हो यदि उस सामान का मूल्य 10 लाख रुपए से प्रधिक हो तो सात साल तक की कैंद्र और जुर्माने का भी दण्ड दिया जा सकता है; तथा
 - (ख) किसी ग्रन्थ मामले में तीन साल तक की कैंद और जुर्माने की मजा भी दी जा सकती है।

किन्तु इसके विरुद्ध विशेष और पर्याप्त कारणों के अभाव में जिनका न्यायालय के निर्णय में उब्लेख किया जाएगा यह कैंद्र छ: महीने से कम नहीं होगी।

5क. न्याय प्राधिकारी और श्रपील प्राधिकारी द्वारा दिए गए श्रावेश का उल्लंबन करने पर जुर्माना :—यदि कोई व्यक्ति इस श्रिधिनयम के श्रधीन किसी न्यायिक श्रिशिकारी या श्रपील प्राधिकारी द्वारा किया गया जुर्माना श्रदा नहीं करता या श्रिधि-नियम के श्रधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी निवेण या अधिश का उस्लंभन करता है, तो न्यायालय में दौष सिद्ध हो जाने पर उसे 2 वर्ष तक की कैंद्र या जुर्माने की सजा दी जा सकती है या उसे यह दोनों दण्ड दिए जा सकते हैं।

5 खा. लेखन या गणना की गलितयां ठी कः करना:—— किसी निर्णय या भादेश में लेखन या गणना की गलितयां या संयोगवश हुई किसी भूल- चूक के कारण कोई भशुद्धि हो गई हो, तो निर्णय या भादेश देने वाला प्राधिकारी उसे किसी भी समय स्वयं या व्यथित व्यक्ति द्वारा भावेदन करने पर ठीक कर सकता है।

परन्तु यदि इस धारा के प्रधीन किए जाने वाले सुधार से किसी व्यक्ति पर प्रतिकृष प्रभाव पड़ता हो, तो ऐसे व्यक्ति को इस विषय में प्रतिवेदन करने का उचित ग्रवसर विए बगैर इस प्रकार का सुधार नहीं किया जाएगा और यह सुधार उस निर्णय या आदेश के दिए जाने की तारीख से 2 वर्ष क्यतीत होने के बाद नहीं किया जाएगा।

- 6. अपराधों का संज्ञान : केवल केन्द्रीय सरकार द्वारा इस बारे में, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई लिखित णिकायत के अलावा कोई भी न्यायालय, धारा 5 के अधीन षण्डनीय किसी भी अपराध की सुनवाई नहीं करेगा और प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट या प्रथम श्रेणी मैजिस्ट्रेट से निम्न न्यायालय ऐसे किसी अपराध की जांच नहीं कर सकेगा।
- 7. इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश को किसी न्यायाक्षय में चुनौती नहीं दी जा सकेगी और नहीं किसी व्यक्ति के विरुद्ध इस अधिनियम के अधीन सद्भाव-पूर्वक किए गए या करने का इरादा रखें गए किसी काम के विरुद्ध या इसके अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश के

विरुद्ध कोई मुक्षद्मा, धामियोजन या धन्य कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकेगी।

- 8. नियम बनाने का अधिकार :-- (1) केन्द्रीय सरकार राजपत्न में अधिसूचना निकास कर इस श्रिधिनियम के उपबन्ध लागू करने के लिए नियम बना सकती है।
 - (2) इन नियमों में निम्नलिखित सभी मामलों या किसी भी मामले की व्यवस्था विशेष रूप से और पूर्वोक्त अधिकार की व्यापकता को व्यान में रखे बिना की जा सकती है; अर्थातु:—
- (क) भारत से वाहर किसी स्थान से किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरीके से प्राप्त कोई भी दस्तावेज मधिप्रमाणित माना आएगा
 - (ख) कोई श्रान्य विषय जिसका विधान करना श्रानिवार्य या जिसका विधान किया जाए ।
- (3) इस मिधिनियम के मिधीन केन्द्रीय सर हार द्वारा बनाए गए प्रत्येक नियम बनाए जाने के यथा मी ह्व बाद संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष तब प्रस्तुत किए जाने चाहिए जब सदन की सल्लावधि एक सल्ल में या दो या दो से श्रिधिक भनुवर्ती सलों में कुल मिलाकर 3 दिन हो और यदि ऐसे सल के तत्काल बाद के सल या पूर्वोक्त भनुवर्ती सलों के समाप्त होने से पहले दोनों सदन उस नियम में कोई परिणोधन करने की स्वीकृति दे दें या दोनों सदनों की राय हो कि नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो उसके बाद जैसा भी मामला हो या तो संणोधित निगम लागू होगा या बिल्कुल लागू नहीं होगा; परन्तु इस प्रकार के संणोधन या निषेध से ऐसे नियम के श्रिधीन पहले से की गई किसी बात की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

आयात (नियंत्रक) आवेश 1955

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

मायात (नियंत्रण) मारोग, 1955 (17/55) दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 (30 मार्च, 1990 तक यथा संगोधित)

केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा भारत में और पाण्डीचेरी राज्य में लागू आयात और निर्यात (नियंत्रग) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 और 4क के द्वारा प्रदत्त श्रिधशारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश वेता है, अथित:——

ग्रावेश

- 1. मंक्षिप्त नाम, और लागू होने की तारीख:
- (1) यह म्रादेश मायात (नियंत्रण) म्रादेश, 1955 कहा जाएमा ।
- (2) यह सत्काल लागू होगा।
- परिभाषा : इस मादेश में, जब तक संदर्भ में घन्यथा अपेक्षिस न हो तब तक:——
 - (क) "ग्रधिनियम से श्रायात और निर्यात नियंत्रण ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 18) श्रीभिन्नेत है;
 - (कक) "ल(इसेंस के लिए म्रावेदन मैं मायात व्यापार नियंत्रण नियमावली के मधीन दिया गया कोई भी मावेदन सम्मिलत है ;
 - (ककक) "लाइसेंस में इस भादेश के श्रधीन जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी परिमट सम्मिलित है;
 - (ख) "लाइर्नेसधारी से वह व्यक्ति ग्रभिप्रेत है जिसे इस ग्रादेण के ग्रधीन लाइसेंग या सीमा णुल्क निकासी परिमिट विया गया है;
 - (ग) "लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी" से यह प्राधिकारी
 अभिप्रेत है जो इस अदिश के अधोन लाइसेंस या
 सोमा शुल्क निकासी परिमट देने के लिए सक्षम हो;
 - (घ) "एक प्राधिकृत भ्रधिकारी का ग्रर्थ है मुख्य नियं-तक, भ्रायात-निर्यात द्वारा प्राधिकृत भ्रधिकारी, जो उप-मृख्य नियंत्रक, भ्रायात-नियंति के रैंक मे कम का न हो।
 - (क) "अनुसूची से इस आदेश को अनुसूची अभिप्रेस है;
- (च) "मूल्य से वह अर्घ ग्रभिन्नेत है जो ग्रर्थ सीमः णूलक श्रिधिनयन, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है। 947 GI/90—2.

- (छ) इस भ्रावेश में प्रयुक्त शब्द और ग्रिभिव्यक्तियां, जो कि परिभाषित नहीं है, परन्तु अधिनियम में जिन्हें परिभाषित किया गया है, का क्रमशः वही अर्थ होगा जो मूल रूप से उनके लिए प्रधिनियम में दिया गया है।
- 3. शुष्ठ माल के आयात पर रोक :---(1) इस ब्रादेश में को गई व्यवस्था को छोड़कर, कोई भी व्यक्ति केन्द्रीय सरकार या अनुसूची 2 में निर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा विए गए लाइसेंग या मीमा शुल्क निकासी परमिट के अधीन या उसके अनुसार अधात किए जाने वाले माल को छोड़कर अनुसूची 1 में निर्दिष्ट माल का आयात नहीं करेगा।
- (2) यदि किसी मामले भे, यह पता चल जाए कि लाइसेंस के प्रधीन प्रायातित माल लाइसेंस में दिए गए क्योरे के प्रवान प्रायातित माल लाइसेंस में दिए गए क्योरे के प्रवान प्रायातित माल लाइसेंस के प्रधीन माल प्रायात किया गया है उसके जारी होने की तारीख से पहले माल जहाज से रवाना हो चुका था, तो उस प्रायात के बारे में सीमा शहक प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के प्रधीन लाइसेंसधारी के विषक्ष को जाने वाली किसी भी कार्रवाई पर कोई प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना यह समझा जाएगा कि लाइसेंस का उपयोग उक्त माल के प्रायात के लिए कर लिया गया है।
- (3) यदि किसी मामले में यह पता चल जाए कि लाइसेंस के प्रधीन श्रायातित माल सभी बातों में निम्नलिखित मनुसार प्रचीत :--
 - (1) लाइसेंस में दिए गए माल के विवरण या मूल्य के प्रनुसार, या
 - (2) लाइसेंस पर लागू होने वाली या लाइसेंस में दिए गए ऐसे माल सं संबंधित प्रन्य मतीं के प्रनृ-सार नहीं है।

तो ऐसे माल का अयात वर्जित समझा जाएगा।

3-क. यदि ध्रायातक उम लाइसेंस को माल के आ जाने पर प्रस्तृत न कर सके जो उसे प्रदान किया गया था, तो सीमा णुल्क ध्रिधकारी ध्रपने विवेक पर ध्रायातक को माल छुड़ाने को अनुमति दे सकता है, वधर्तों कि आयातक इस आधाय का एक बाण्ड अथवा जमानत-पत्न निष्पादित करें कि उसके पास ध्रायात किए गए माल का वैध लाइरोंस है, जिसे वह यथोचित सीमा शृल्क अधिकारी द्वारा निर्धारित

समय में प्रस्तुत कर देगा भीर यदि वह ऐसा करने में भममर्थ रहा तो वह संबंधित माल के भ्रप्राधिकृत भ्रायात के लिए सीमा गृहक श्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के भ्रधीन उसके विश्व हो सकते वाली कार्रवाई पर प्रतिकृत प्रभाव उने बिना बाण्ड का अमानत-पत्न में उल्लिखित धनराशि यथांचित सीमा गृहक प्राधिकारी को देगा।

- लाइसँस के लिए ग्रावेदन-शुस्कः ---(1) लाइसँस के लिए प्रत्येक ग्रावेदन-पन्न लाइसँस देने वाले उचित प्राधिकारी के प्रस्कृत विया जाएगा।
- (2) प्रत्येक ग्रायेदन के लिए ग्रनुसूर्चा 3 में उस्मिखिल फीस उसा प्रकार दी जाएगी जिस प्रकार ग्रनुसूर्चा में कहा गया है लेकिन ऐसे श्रायेदन के बारे में कोई फीस नहीं दो जाएगी, जी निम्मिलिखित द्वारा दिया गया हो.....
 - (क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के किसी विभाग या कार्यालय द्वारा:
 - (ख) किसी स्थानीय प्रधिवारण द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के क्रायात के लिए;
 - (ग्) किमी शिक्षा मंस्था, धर्मार्थ संस्था या मणीतरी संस्था द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के श्रायान के लिए;

एक बार प्राप्त हुई फीस निम्निखित को छोड़कर िमी भी मोमले में वापमां नहीं की जाएगी:---

- (1) जब निर्धारित राणि से श्रधिक फीस जमा की गई हों;
- (2) जब फीस तो जमा की गई हो पश्न्तु श्रावेदन-पन्न न दिया गया हैं;
- (3) जब फीस गलतो से जमा कर दी गई हो लेकिन आविदक को लाइसेंस फीस को श्रदायगी के लिए इन्ट दो गई हो:

नोट: मुक्ष्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात को को गई प्रपील के लिए जमा को गई फीस किसी भी परिस्थिति में लौटाई नहीं जाएगी।

- 5. लाइसेंसों की शतें:—(1) लाइसेंस देने वाले प्रा-धिकारो इस श्रादेश के श्रधीन लाइसेंस जारी करते समय नीचे दी गई एक या एक से श्रधिक शर्ती पर लाइसेंस जारी कर सकते हैं:—
 - (1) यह कि लाइसेंस में उल्लिखित माल लाइसेंस देने बाले प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट तरीके के अलावा किसो प्रन्य तरीके से निपटाया नहीं आएगा या लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किए गए व्यक्ति की लिखित स्वीकृत के बिना उसका प्रन्यथा उपयोग नहीं किया जाएगा;

- (2) यह कि लाइसेंस के ग्रधीन माल के भ्रायात के बाद लाइसेंस में दिए गए निर्देशों के भ्रनुसार निर्धारित मृत्य से भ्रधिक मूरुय पर न तो बेचा जाएगा भ्रोर न हो निर्दारन किया जाएगा;
- (3) यह कि लाइसस के लिए भावेषक एक बाण्ड भरेगा जिसमें वह यह बचन देगा कि मैं उन शर्तों का भनुपालन करूंगा जिन पर मुझे लाइसेंस दिया जा रहा है।
- इस घादेश के भधीन जारी किया गया लाइसेंस प्रनुसूची 5 में दी गई शतौं के भधीन होगा।
- 3. प्रवान किया जाने वाला प्रत्येक लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के भी प्रधीन समझा जाएंगा :—
 - (1) कोई भी व्यक्ति लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी या इस बारे में ऐसे प्राधिकारी द्वारा जिसे प्रधिकार प्रदान किए जाएं उस व्यक्ति की लिखित स्वीकृति के जिना किसी प्रस्थ व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं करेगा और न ही उसे हस्तांतरण द्वारा प्राप्त करेगा।
 - (2) यह माल जिसके आयात के लिए लाइसेंस विया गया है, आयात के समय और इसके बाद जब तक कि सीमा गुल्क कार्यालय से उसे छुड़ा न लिया जाए, लाइसेंस धारी की सम्पत्ति होगी। परन्तु इस उप-खण्ड की मद (1) और (2) की शर्त भारत के राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम और केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण और स्वामित्वाधीन इस प्रकार की अन्य संस्थाओं और एजेन्सियों को जिन्हें आयात सरणीय के करने का काम सौंपा गया है, को जारी किए गए लाइसेंस पर लागू नहीं होगी।

आगे यह भी सर्त होगी कि इस उपखंद की मद (1) और (2) के अन्तर्गत शर्तें निम्निलिखित के सम्बन्ध में भी लागू नहीं होगी (क) पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ताओं को बेचने के लिए माल के आयात के लिए पान्न निर्यात सदनों, ब्यापार सदनों या स्टार क्यापार सदनों को जारी किए गए लाइसेंस, (ख) बास्तविक उपयोक्ताओं को माल बेचने के लिए केन्द्रीय या राज्य सरकार के स्वामित्व की या इन के द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र की एजैन्सियों को जारी किए गए लाइसेंस, (ग) पंजीकृत निर्यातकों एजैन्सियों को जारी किए गए लाइसेंस, (ग) पंजीकृत निर्यातकों

के लिए आयात नीति के तहत पंजीकृत निर्यातकों को जारी किए स्त्रतन्त्र रूप से हस्तान्तरणीय आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस और अतिरिक्त लाइसेंस, और (घ) इस सम्बन्ध में विशेष रूप से जारी किए जाने वाले आयात (नियंत्रण) आदेश के तहत स्टाक और बिकी के लिए और वास्तविक उपयोक्ता शर्त के बिना खुलें सामान्य लाइसेंस के तहत अनुमेय आयात।

- (3) जिस माल के झायात के लिए लाइसेंस दिया गया है वह माल यदि लाइसेंस में झन्यथा उल्लिखित न हो तो डिस्पोजल के माल से इतर नया माल होगा ।
- 4. इस आदेश के अधीन प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसी भन्य मर्ते भी हो सकती हैं जो अधिनियम या इस आदेश से असंगत नहीं हों और जिन्हें लाइसेंस प्राधिकारी ठीक समझे।
- ''(4कः) श्रीद्योगिकी हस्तान्तरण सम्बन्धी भारत—संयुक्त राज्य अमेरिका समझौता जापन की शर्तानुसार यदि कोई व्यक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका से माल का आयात करता है तो उसे ऐसे आपन की शर्तानुसार जारी किए गए आयात प्रमाण पत्न में विनिर्विष्ट सभी शर्तों और आश्वासनों का, और इस माल के आयातकर्ता द्वारा भारत सरकार के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार को विए गए ऐसे ग्रन्य आश्वासनों का भी अनुपालन करना होगा।''
- 4(ख) लाइसेंस में सम्मिलित बल बिना मुख्य नियं-व्रक्त, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की लिखित अनुमित के श्रायात नहीं किया पाएगा।
- 5. लाइसेस धारक केन्द्रीय सरकार द्वारा लगाई या लगाई जाने वाली सभी मर्लो का पालन करेगा।
- 6. साइसेंस मंजूर म करना:——(1) केन्द्रीय सरकार या मायात-निर्यात के मुख्य नियंद्रक या प्राधिकृत अधिकारी निम्नलिखित स्थितियों में लाइसेंस देने से इन्कार कर सकते हैं या लाइसेंस देने वाले किसी अन्य प्राधिकारी को लाइसेंस प्रदान न करने के लिए कह सकते हैं:——
 - (क) यि इस उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा उपलब्ध न हो;
 - (खा) यदि भावेदक को लाइसेस देना राज्य के हितों के विरुद्ध हो;
 - (ग) यदि सामग्री का भाषात और वितरण किसी विशेष या विशेषज्ञ एजेंसी या किसी भन्य माध्यम से सरणीबद्ध करने का निश्चय किया गया हो;
 - (घ) यदि ग्रावेदक किसी भागीवार फर्म में साझीदार या प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी का निर्देशक हो जिसके सम्बन्ध में फिलहाल खण्ड 8, 8क ग्रथवा 8ख के ग्रभीन कोई कार्रवाई की जा रही हो;

- (घघ) यदि धावेदन पर फिलहाल खण्ड--8, 8क भथना 8ख के भधीन कार्यवाही की जा रही है;
- (क) यदि आवेदक ऐसी भागीवारी फर्म या लिमिटेड कम्पनी है, तो उसका कोई साझी या पूर्णकालिक निदेशक अथवा संचालक, जैसी भी स्थिति हो, जिसके विकद्ध खण्ड 8, 8क या अब के अक्षीन कार्रवाई की जा रही है;
- (च) यदि सीमाणुल्क ग्रिधिनियम, 1962 के अधीन ग्रावेदक से जो राशि जमा करने के लिए कहा गया है या उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन उस पर जो जुर्माना किया गया है, वह तीन महीने से दिया नहीं गया है; और
- (छ) यदि मावेदक म्रक्षिनियम के मन्तर्गत अंतिम रूप से उस पर लगाए गए जुर्माने का भुगतान करने मे मसमर्थ रहता है।
- (2) उप-खण्ड (1) के धन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करने से इन्कार कर देने पर उस धन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकृष प्रभाव नहीं पड़ेगा जो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित धामात नीति और लागू कियाविधि के ध्रधीन की जाएगी;
- 7. लाइसेंस में संशोधन:— लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी स्वयं या लाइसेंसधारी द्वारा भावेधनपत्र दिए जाने पर इस भादेश के मधीन दिए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो लाइसेंस को इस मधिनियम या इस मावेश या उस समय लागू किसी कानून के उपबंधों के मनुसार बनाने के लिए या लाइसेंस की किसी मशुद्धि या सुटि को सुधारने के लिए मावश्यक हो, लेकिन लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी लाइसेंसधारी के मनुरोध पर लाइसेंस में जो भी संशोधन करेंगा वह मायास व्यापार नियंत्रण विनियमावली के मनुसार ही करेंगा।
- 8. माल बायात करने से, लाइसेंस प्राप्त करने से या बायातित माल के ब्रावंटन से वंखित करने का अधिकार :---
- (1) केन्द्रीय सरकार या प्रायात और निर्यात के मुख्य नियलक या प्राधिकृत प्रधिकारी किसी लाइसेंसधारी या प्रायातक या किसी प्रन्य व्यक्ति को सभी से या निम्निलिखत में से प्राप्त एक प्रथीत् माल का प्रायात करने या लाइसेंस प्राप्त करने या प्रायातित माल को भारतीय राज्य व्यापार निगम या इसके समान किसी प्रन्य एजेन्सी के माध्यम से या सीधे घावंटन के लिए बंचित कर सकते हैं और उसके विश्व इस सम्बन्ध में की जाने वाली किसी धन्य कार्याई पर प्रतिकृत धनर डाले बिना यह भादेश वे सकते हैं कि कोई लाइसेंस या प्रायातित माल का प्राबंटन नहीं किया जाएगा भीर उसे इस प्रावेश के भन्तमंत एक निश्चित श्रवधि के लिए माल का ध्रायात करने की धनुमति नहीं वी जाएगी।

- (क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्न किसी भी समय इस श्रादेश के उपबन्धों के श्रन्मार न पाया जाए; या
- (ख) यदि ऐसं भ्रावेदन-पत्न में कोई कथन मिथ्या कपटपूर्णया भ्रामक हों; या
- (ग) यदि यह पता लगे कि उसने ग्रपने ग्रावेदन-पत्न के समर्थन में किसो ऐसे प्रलेख का उपयोग किया है जो मिथ्या या जालो है या जिसमें तथ्यों को तंड़ा-मरोड़ा गया है; या
- (घ) यदि उसने, किसो भो समय, श्रायात लाइसेंस में काई हेरफेर किया हो या बिना लाइसेंस के माल श्रायात किया हो या श्रपने व्यापार के सिल-सिले में या लाइसेंस प्राप्त करने के किसी श्रष्ट तरीके या धोखाघड़ों के कार्य में शामिल हो कर या किसो लाइसेंसधारी को कुछ प्रलोभन देकर या श्रन्यथा काई लाइसेस प्राप्त करने की कोशिश करता पाया गया हो; या
- (क) यदि किसी तरफ से उसके किसी एजेंग्ट या कर्मचारी ने लाइसेंस प्राप्त करने में कोई भ्रष्ट तरीका प्रपनाया हो या धोखाधड़ी के किसी काम में शामिल हुआ हो; या
- (च) यदि उसने लाइसेन्स या लाइसेन्स के लिए आवे-दन पत्र में दी गई या उसके साथ लगी णतीं का पालन नहीं किया हो या उल्लंघन किया हो या उल्लंघन करने के लिए किसी को प्रेरित किया हो; या
- (छ) यदि उसने सीमा णुल्क, माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा से सम्बद्ध किसी कान्न को भंग (किसी नियम, भादेश या विनियम सहित) किया हैं।; या
- (ज) यदि उसने श्रायात श्रौर निर्यात के मुख्य नियंत्रक या लाइसेन्स देने वाले किसी श्रन्य प्राधिकारी द्वारा मांगी गई कोई सूदना न वी हो या कोई दस्तावेज प्रस्तुत न किया हो; या
- (झ) यदि वह डी० जी०टी० डी० श्रथवा किसी ग्रन्य संबंधित प्रयोजक प्राधिकारी को नियमित रूप से उत्पादन विवरण प्रस्तुत करने में ग्रसमर्थ हो या;
- (ङा) यदि वह भ्रायातित माल के संबंध में वितरण पर नियं-स्रण, जहां पर नियंस्रण लाग हो, करने में भ्रममर्थ हो ।
- (2) केन्दीय सरकार श्रयवा मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात या श्राधिकृत भ्रष्ठिकारी विशिष्ट लिखित भ्रादेश द्वारा :--
 - (क) विवर्जित कर सकता है---
 - (1) उस व्यक्ति को जिसके संबंध में विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी कार्यकलाप निरोध श्रधिनियम, 1974 (1974 का

- 52) (इसके बाद 1974--- ग्राधिनियम कहा गया है) के ग्राधीन कारावास का श्रादेश लागू किया गया हो; या
- (2) उस नाझीदार फर्म या प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साझीदार या पूर्णकालिक निवेशक अथवा प्रबंध संचालक हो, को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम अथवा किसी ग्रन्य ऐसे ही अभिकरण के माध्यम से लाइसेन्स अथवा श्रायातित माल का श्राबंटन प्राप्त करने से; और
- (ख) ऐसे व्यक्ति साझीदार फर्म या कम्पनी के विश्व जो ग्रन्थ कार्रवाई की जा सकती है इस पर प्रतिकृत प्रभाव डासे बिना वह निदेश वे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति साझीदार फर्म या कम्पनी को ऐसे विशेष ग्रादेश में निविष्ट ग्रवधि के लिए माल के ग्रायात की ग्रनुमति नहीं दी जाएगी श्रीर लाइसेंस ग्रथवा ग्रायातित माल का श्राबटन प्रदान नहीं किया जाएगा

णर्त यह होगी कि ऐसे व्यक्ति, या जैसा भी मामला हो, साझी-दार फर्म या कम्पनी जिसका वह व्यक्ति साझीवार या पूर्ण-कालिक संचालक या प्रबंध संचालक हो, के सम्बन्ध में ऐसा विणिष्ट भावेण तथ लागू नहीं होगा जब कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कारावास का ग्रावेण :---

- (1) वह कारावास का ब्रादेश हो जिसके लिए ब्रधि-नियम, 1974 के खण्ड-9 या खण्ड 12-क के परन्तुक लागू न होते हों इस कारण वह कारावास का ब्रादेश इस ब्रधिनियम के खण्ड 8 के ब्रन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने ने पहले रह कर दिया गया हो; ब्रथवा
- (2) वह काराबाग का म्रावेश हो जिसके लिए स्रिधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के परन्तुक लागू होते हों
 इस कारण वह काराबास का भ्रावेश खण्ड- 9
 के उपखण्ड (3) के भन्तर्गत पुनरीक्षा के लिए
 समय की समाप्ति से पहले या पुनरीक्षा के
 श्राधार पर या उस श्रिधिनियम के खण्ड- 9
 के उप-खण्ड (2) के साथ पढ़ें जाने वाले खण्ड- 8
 के भन्तर्गत मलाहकार बोर्ड की रिपार्ट पर रह
 कर दिया गया हो, भ्रयना
- (3) बह कारावास का भ्राटेश हो जिसके लिए ग्रिधि-नियम, 1974 के खण्ड 12 (क) के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आवेश उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत

प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की समाध्ति से पहले या प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12क के उप-खण्ड (6) के साथ पढ़ें जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाह-कार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रह कर दिया गया हों; या

- (4) सक्षम अधिकारी क्षेत्र की अदालत द्वारा वह कारावास का आदेश हटा दिया गया हो।
- (3) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयातनिर्यात या प्राधिकृत अधिकारी एक आयातक अथवा लाइसंसधारी अथवा अन्य किसी भी व्यक्ति को भारतीय राज्य
 व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम या
 इससे मिलते जुलते किसी अन्य अभिकरण के माध्यम से
 किसी भी माल का आयात करने अथवा लाइसंस प्राप्त
 करने अथवा भायातित माल का आबंटन करने से रोक
 सकती है और इस मामले में ऐसे व्यक्ति के विद्यु की जाने
 वाली अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त यह निर्देश दे सकती
 है कि ऐसे व्यक्ति को न तो कोई लाइसेंस और न ही
 आयातित माल का आबंटन प्रदान किया जाएगा और इस
 आदेश के अन्तर्गत विशिष्टिकृत अवधि के लिए ऐसे व्यक्ति
 को किसी भी माल का आयात करने के लिए अनुमति नहीं
 दी जाएगी यदि केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात
 निर्यात या प्राधिकृत अधिकारी के विचार में,
 - (क) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति; या
 - (ख) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, साझीदार फर्म अथवा एक लिमिटेड कम्पनी हो या उसके साझी-दार अथवा पूर्ण कालिक निदेशक अथवा प्रबंध संचालक हो;
 - (ग) जहां, जैसा भी मामला हो, ऐसा लाइसेंसधारी, आयासक अथवा अन्य व्यक्ति साझीदार फर्म में साझीदार हो अथवा लिमिटेड कम्पनी, साझेदारी की फर्म या साझेदारी की लिमिटेड कम्पनी में पूर्ण कालिक मिदेशक अथवा प्रबन्ध संचालक हो
 - (1) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य ध्यक्ति अथवा ऐसा साझीदार अथवा पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबन्धक संचालक अथवा ऐसी साझीदार फर्म अथवा लि० कम्पनी जैसा भी मामला हो, प्रदान किये गये किसी भी आयात लाइसेंस का बिना किसी उचिन कारण के इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा हो अथवा पूर्णरूप से इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा है; अथवा

(2) निर्यात (नियत्नण) आदेश, 1977क की धारा 7 क उप-धारा (3) की कन्डिका (1) में निर्विष्ट कोई कार्य किया है।

8क. माल का आयात करने, लाइसेंसों की मंजूरी या आयातित माल के आवंदन को स्थिगित करने के अधिकार :--

केन्द्रीय सरकार का आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी भी व्यक्ति द्वारा माल का आयात अथवा लाइसेंस की मंजूरी या भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेन्सी के माध्यम से लाइसेंसधारी को या आयातक को या किसी अन्य व्यक्ति को आयातित माल का आवंटन तब तक के लिए रोक सकते हैं जब तक कि उसके विरुद्ध खण्ड 8 में दिए गए एक या इससे अधिक आरोपों की जांच का निर्णय न हो जाए । लेकिन इससे उसके विरुद्ध की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकृल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइसेन्स की मंजूरी या आयातित माल का आबंटन सामान्य रूप से 12 महीने स अधिक अवधि के लिए स्थगित नहीं किया जाएगा;

किन्तु स्थान का ऐसा प्रादेश वापित लिए जाने पर उप-युक्त प्राधिकारी जो गर्ते, पावन्दियां या सीमाएं निर्धारित करना उचित समझे, उन शर्ती, पावन्दियों ग्रीर सीमाग्रों के ग्रधीन स्थान की ग्रवधि के लिए विदेशी मुझा की स्थिति, स्वदेशी उत्पादन ग्रीर ग्रन्थ संगत कारणों की ध्यान में रखते हुए नाइमेंस या ग्राथातिन माल का ग्राबंटन कर सकता है।

8ख. लाइसेंस के लिए प्रावेदन या प्रायातित माल के प्रावंटन की स्थागत करने के प्रधिकार:---

जब किसी लाइपेन्जधारी या प्रायानक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध खण्ड 8 में उल्लिखित किसी आरोप की जांच चल रही हो और केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक या प्राधिकृत अधिकारी इन बात से संतुष्ट हों कि उकन आरोप के बारे में और व्यक्ति या प्रायानित माल का आबंटन करना लाक हिन में नहीं है आवेश में उल्लिखित किसी भी बात के बावजूद ऐसे व्यक्ति से लाइपेन्स के लिए प्राप्त आवंदन पर निर्णय को स्थिनित कर सकते हैं या भारतिय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इपके समान किसी अन्य एजेन्सी को ऐसे व्यक्ति को आयानित माल का आवंटन विना किसी कारण बनाए और इप वारे में की नीने यानी किसी प्रत्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकृत प्रभाव खाले बिना स्थानित रखने के लिए आदेश दे सकते हैं:---

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइमेन्स की मंजूरी या श्राबंटन सामान्य रूप से 6 महीने से अधिक समय के लिए स्थानत नहीं किया जाएगा।

8ग. खण्ड 8 या 8क के श्रधीन की गई कार्रवाई का प्रचार

- (1) यदि केन्द्रिय सरकार के विचार से जिस व्यक्ति या व्यक्तियों के विकद्ध खण्ड 8 या 8-क के प्रधीन कार्रवाई की गई है उसके या उसके नाम तथा प्रन्य सम्बद्ध विचरण लोक, हित को ध्यान में रखते हुए प्रकाणित करना करें। या लाभप्रव हैं तो वह ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम तथा इस प्रकार का विचरण जिस तरीके से चाहें प्रकाणित कर सकती है प्रथवा प्रकाणित करवा सकती है।
- (2) यदि अपील दायर न की गई हो तो जब तक अपील प्राधिकारी के पात अपील दायर करने की अबधि समाप्त न हो जाए तब तक और यदि अपील दायर की गई हो तो जब तक अपील पर निणय न हो जाए तब तक इस संबंध में की गई इस प्रकार की किसी भी कार्रवाही के बारे में उप-खण्ड (1) के अधीन कुछ भी प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

च्याख्या :--- किसी फर्ग, कम्पनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के बारे में यदि केन्द्रिय सरकार की राय में मामले की परिस्थितियां उचित ठहरें तो जसा भी मामला हो, फर्म के साझीबार के नाम, कम्पनी के निदेशकों, प्रबन्ध एजेन्टों, सचिवों, और खर्जाचियों या प्रबन्धकों के नाम या संस्था के सदस्यों के नाम प्रकाशित किए जा सकते हैं।

- 9. **साइसेंस रह किया जाना** ——(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति या इस सम्बन्ध में प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आवेण के अन्तर्गत दिए गए किसी भी लाइसेंस को निम्नलिखित परिस्थितियों में रह कर सकता या उसे निष्प्रभावों बना सकता है:——
 - (क) यदि लाइसेंक्ष भूल से या गलतो से जारो किया गया हो याधोखेबाजो श्रथवा तथ्यों को गलत थयान करके प्राप्त किया गया हो;
 - (ख) यदि लाइसेंस इस प्रादेश के उपबन्धों या नियमों के विपरीत प्रदान किया गया हो ;
 - (ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की किसी णर्स का उल्लंघन किया हो ;
 - (घ) यदि केन्द्रोय सरकार या सम्बद्ध प्रधिकारी को यह विश्वास हो कि जिस प्रयोजन के लिए लाइसेंस दिया गया या उससे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा;
 - (ञ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाणृत्क के किसी कानून या समान श्रायात-निर्यात सम्बन्धी विसी नियम और विनियम या विदेशी मुद्रा सम्बन्धी किसी विनियम का उलंघन किया हो ।
- (2) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्मात अथवा इस सम्बन्ध में अन्य कोई प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विणिष्ट ग्रादेश क्षारा इस आदेश के अन्तर्गत निम्न-

जिखित को प्रदान किए गए किसो भी लाइसेंस को श्रप्रभावी कर सकता है:---

- (क) एक व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में प्रधिमियम, 1974 के श्रन्तर्गत कारावास का भावेश लागू किया गया हो, भथवा
- (ख) एक साझोदार फर्म प्रथवा प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को जिसका बढ् व्यक्ति सामोदार श्रथका पूर्णकालिक निदेशक या प्रजन्ध संचालक, जैसा भो मामला हो।

णर्त यह होगो कि ऐसा विशिष्ट आदेश उस व्यक्ति के सम्बन्ध में या उस साझेदारी की फर्म या कम्पनी के स्म्बन्ध से लागू नहीं होगा जिसका व व्यक्ति साझोदार या पूर्णशालिक निदेशक श्रथवा प्रबन्ध संचालक हो जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया ऐसा कारावास श्रादेश :--

- (1) वह कारावाम का आदेश हो जिसके लिए 1974 श्रीधिनियम के खण्ड 9 या खण्ड 12क के परन्तुक लागून होते हो इस कारण वह कारावास का श्रादेश इस अधिनियम के खण्डों के अन्तर्गत स्लाहकार बोर्ड को रिपोर्ट पर या स्लाहनार वोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या स्लाहनार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रह कर दिया गया हो; अथवा
- (2) वह कारावास का म्रादेश हो जिसके लिए म्रधिनियम,
 1974 के खण्ड 9 के परम्तुक लागू होते हो इस
 कारण वह कारावास का म्रादेश खण्ड 9 के उप खण्ड
 (3) के म्रन्सर्गत पुनरीक्षा के लिए समय की समाध्ति स
 पहले या पुनरीक्षा के म्राधार पर या उस म्रधिनियम
 के खण्ड 9 के उप खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वालं खण्ड 8 के म्रन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर
 रह कर विया गया हो, या
- (3) वह कारावास का आदेश हो जिस के लिए अधिनियम
 1974 के खण्ड 12-क के परन्तुक लागू होते हों इस
 कारण वह कारावास का आदेश उस खण्ड के उपखण्ड
 (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की
 समाप्ति से पहले या प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या
 उस अधिनियम के खण्ड 22-क के उप खण्ड (6) के
 साथ पठित खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की
 रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (4) गक्षम श्रिष्ठिकारी क्षत्र की ग्रदालत द्वारा वह कारा-नाम का श्रादेश हटा दिया गया हो।
- (3) बहु कारायास का भादेण हो जिन्हों निए मधिनियम अथवा इस मामले में कोई भी प्राधिकृत अधि गरी लिखित रूप में विशिष्ट श्रादेण द्वारा इस स्रादेण के स्रधीन जारी किए गए किसी भी लाइसेंस को स्रप्रभावित घोषित कर साता है अथवा रद्द कर सकता है जब कि ऐसे लाइसेंस को रद्द करने की

प्रिक्रिया उपधारा(1) के प्रन्तर्गत की गई हो, लेकिन फिर भी ऐसा प्रत्येक विशिष्ट घादेश ऐसे मामले में रह् कर दिया जाएगा जिसमें लाइमेंस रह करने का फैसला ऐसी प्रिक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद किया गया हो।

- 10. सुनवाई का अवसर दिया जाना:--(1) सुनवाई का उचित अवसर विए बगैर किसी लाइसेंस्थारी या विसी आयातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध धारा 7 या धारा 8 या उपधारा 8-क की उपधारा (1) या उपधारा (3) या धारा 9-क की उपधारा (1) के अन्तर्गत कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।
- (2) यदि कोई व्यक्ति धारा 8 या धारा 8 (क) की उपधारा (1) या उप-धारा (3) या धारा 9 की उप-धारा (1) के प्रधीन उसके विरुद्ध की गई किसी कार्रवाई से व्यथित हो तो वह की गई कार्रवाई की स्वना दिए जाने की तारीख से 45 दिन के भीतर इस प्रवार की कार्रवाई के विरुद्ध प्रपील दायर कर मवता है। यह अपील उस प्रधिकारी के पास धायर की जाएगी जिसकी नियुषत अपील सुनने के लिए प्राधिकृत अधिकारी के रूपमें संस्कारी राजपस में अधिमूचित की गई हो।
- (3) उप-७०ड (2) में निक्षिट प्राधिकारी आवेदक को उसकी इच्छा पर मुनवाई के लिए उचित अयमर श्रवान करने के परधात और आगे अपनी इच्छानुपार कोई आवश्यक पूछताछ करने के परधात आपेत अपील के विरद्ध की गई कार्रवाई की पृष्टि करने हुए उसमें आफोधन करते हुए या उसकी अतिलोमित करने हुए ऐसा आदेश दे सकता है जो वह उचित समझे या यदि वह आवश्यक समझे तो अतिरिवत सम्ध्य अप्त करने के बाद एसे निर्देश के साथ मामले को नई कार्रवाई या कार्यवाही के लिए वापस भेज सकता है, जिन्हें वह उधित समझे

बगर्से कि धारा 8 के प्रन्तर्गत जिस स्रवधि के लिए साबेदक वंजित किया गया है उसमें वृद्धि करने के लिए काई आदेश इस धारा की उपधारा के श्रन्तर्गत तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसको यदि वह ऐसा जाहता है श्रपने पक्ष में सुनवाई के लिए प्रतिवेदन करने का श्रवसर प्रकान न विया गया हो।

10क. श्रायातित माल के मुख्य, किस्म श्रावि की धोषणा:--

चाहे णुल्क लगता हो अथवा नहीं, किसी भी मामान का किसी भी सीमा शुल्क एतन पर आयात करने पर, इस प्रकार के सामान का मालिक अपनी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार प्रविष्टि बिल का नियमानुसार निर्धा-रित किए गए प्रलेख में इस प्रकार के सामान के मूल्य, किस्म तथा गुण के बारे में विवरण देना और इस प्रकार के प्रविष्टि बिल या प्रलेखों में नीचे की ओर चिए गए भ्यौरों के सत्य होने की घोषणा करेगा।

10क. द्यापातक-निर्मातक (आई. ई.सी) कोड संख्या के इत्य में घोषणा:—

किसी भी मीमा भुटक पत्तर पर किसी भी माल का आयात या उमा निर्यात करने समय आयातक या निर्यात क/अयात एवं प्रिविष्टि बिल अथवा सीमा भुटक अधिनियम 1962 (1962 का 52) और आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम (1947 का 18 के तहत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेजों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उक्तो आवंदित 'आयातक-निर्यातक कोड संख्या" का अभिलेख करेगा और ऐसे प्रविष्टि बिल अथवा दस्तावें के अन्त में इस प्रकार के लिए किए गए अभिलेख की सच्चाई के समर्थन में घोषणा देगा। जहां पर आयातक या निर्यातक को इस प्रकार की आयातनिर्यात कोड संख्या प्राप्त करने से छट प्राप्त है वहां वह इस प्रकार की छूट प्रदान करने वाले मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात प्राधिकारी का नाम बनायेगा।

- 10%. श्रामिति माल का उपयोग:——(1) भारतीय व्यापार निगम द्वारा या मान्यता प्राप्त किसं। श्रान्य एजेन्सी द्वारा किए गए अबंटन या वितरण के दौरान प्राप्त किए गए किसी भी श्रामितित माल का उपयोग कोई भी व्यक्ति केवल उसी तर्क के श्रीर उसी उद्देश्य के लिए करेगा जिसकी उसने श्राबंटन या वितरण के लिए श्रुपने आवेदनपत्न में या ऐस श्रावंदनपत्न की पुष्टि में दिए गए दस्तावंज में घोषणा की हो।
- (2) धारा 10(ग) के उगबन्धों के श्रधीन कोई भी व्यक्ति लाइसेंन के मद्दे श्रायात किए गएमाल को, श्रायात व्यापार के नियंत्रण श्रधिनयम के श्रधीन जारी किए गए प्राधिकार पत्न के बल पर तब तक न तो उपयोग करेगा न बेवेगा जब तक कि ऐ। प्राधिकारपत्न में ऐसा करने की शर्त न हों।

10म कुछ मामालों में प्रापातित मान की बिकों के लिए निर्वेश देने का प्रधिकार:---

(1) जिस मामले में माल का आयात करने पर या उनके बाद किसी समय भी, मामले की सुनवाई के लिए लाइनेट आरी को उचित अवसर प्रदान करने के वाद मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यान या प्राधिकृत अधिकारी इस बात से मन्तुष्ट हो जाए कि ऐसे माल का उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा मकता है अथवा नहीं किया जाना चाहिए क्लिके लिए वह आयात किया गया था तो वह अविष द्वारा माल के आयात को (यदि माल का अयात खुले सामान्य लाइसेटन अथवा विशेष सामान्य लाइसेटम के अन्तर्गत किया हो) अथवा लाइसेट्सधारी को या ऐसे माल को या अधिकतर नियंत्रण में रहने वाले किमी अन्य व्यक्ति को ऐसे माल का ऐसे समय के

भीतर, ऐसी कीमत पर श्रौर ऐसे तरीके में बेचने का निर्देश दे सकता है जो उस निर्देश में उल्लिखिन हो।

- (2) उप खंड (1) के सधीन निर्धारित किये जाने बाने मूल्य में जामान के उतारने तक की कुल कीमत खुड़ाई श्रीर ढुलाई तथा इस संबंध में मामले की परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात या श्राधिकृत श्रिधकारी द्वारा जो भी श्रामंगिक खर्चे उचित समझे जाएं, शामिल किए जाएंगे।
- (2-क) यदि माल का आयात भारतीय राज्य ज्यापार निगम, भारतीय खिनज और धातु व्यापार निगम या गरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन इसी प्रकार के किन्हीं अत्य संस्थानों या एजेन्सियों या किसी अन्य मान्यताप्राप्त एजेन्सी की मार्फन किया गया हो और इन प्रकार प्रायान किया गया सामान किसी व्यक्ति को आवंदित किया गया हो नो ऐसे व्यक्ति को भी भुनवाई का अवसर दिया जाएगा।
- (3) जिस लाइसेन्नधारी या व्यक्ति को खण्ड (1) के ब्रश्नीन कोई निर्देश दिया जाए, उसे उन निर्देश का पालन करना हो।।।

10. (घ) किसी घोषणा पत्त, विवरणपत्त, या वस्तावेश पर हस्ताक्षर करने ग्राविकी मनाही:--

- (1) यदि किसी व्यक्ति को यह ज्ञात हो या उनके पास यह मानने का पर्याप्त श्राधार हो कि किसी घोषणा; वक्तव्य या प्रलेख में कोई बयान गलत दिया गया है तो वह कोई लाइसेन्स प्राप्त करने या किसी प्रकार का सामान श्रायात करने के प्रलेख नहीं देगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करेगा श्रौर न ही किसी दूसरे से ऐसी घोषणा करवा-येगा या वक्तव्य नहीं दिलवाएगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करवाएगा श्रौर न उन्हें इस्तेमाल करेगा श्रौर न ही किसी को इस्तेमाल करेगा श्रौर न ही
- (2) लाइसेन्स प्राप्त करने या कोई माल श्रायात करने के लिए कोई भी व्यक्ति कोई भ्रव्ट तरोका या कपटपूर्ण पद्धति नहीं श्रपनाएगा।

10ड. मुख्य नियंत्रक/भ्रापर मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधन करने का श्रधिकार :---

मस्य नियन्त्रक श्रथवा श्रार मुख्य नियंत्रक श्रानो इच्छा-नृभार या श्रन्यथा रूप में किसी भी ऐसी कार्रवाई के रिकार्ड को मंगवा सकता है और जांच पड़ताल कर सकता है जिनमें उसके श्रधीनस्थ किसी भी श्रधिकारी द्वारा धारा 8 की उप-धारा (1) श्रथवा उप-धारा (3) के श्रन्तगत विवर्जिन करने या धारा 9 की उप धारा (1) के प्रन्तगंत लाइसेन्स गृह करने की कार्रवाई की गई हो प्रधवा उसे पूर्ण किया गया हो (जो भी कुछ इसका परिणाम हो) भीर ऐसी कार्रवाई के सही होने, वैधानिकता प्रथवा घौनित्य के लिए उसको संतुष्ट करने के प्रयोजनाथ कोई धाणि प्रस्तुत न की गई हा और उस कार्रवाई पर ऐसे ग्रावेण दे सकता है जो वह ठीक समझे।

बणर्ते कि इस उप-धारा के अन्तर्गत की गई कोई भी कार्रवाई इस सीमा तक परिवर्तित नहीं होगी कि वह किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकृतप्रभाव डाले जब तक कि वह व्यक्ति——

- (1) ऐसी कार्रवाई की जाने की तिथि से दो वर्ष की श्रविध के भीतर यह कारण प्रशित करने का एक नोटिस प्राप्त न कर ने कि ऐसी कार्रवाही परिवर्तित क्यों न कर दी जाए; और
- (2) जब तक कि उसे प्रतिवेदन देने का उचित प्रवसर प्रदान न किया गया हो और यदि वह ऐसा चाहे तो बवाब के लिए सुगवाई का सुग्रवनर न दिया गया हो।
- 11. बचाव खण्ड:--(1) इस ग्रादेश में मे कोई भी बात निम्नलिखित किमी भी माल के श्रायात पर लागू नहीं होगी:--
 - (क) रक्षा कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण या स्वामित्व के अधीन एजेंसियों/ उपक्रमीं द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुएं।
 - (ख) ब्रापूर्ति मंत्रालय के क्रय संगठन के ब्रिभिकरण अर्थात् लन्दन स्थित इण्डियः सप्लाई मिशन और वाधिगटन स्थित इन्डिया सप्लाई मिशन की मार्फन केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार, सांविधिक निगम, सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टाक कम्पनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम बारा धायान किया जाने वाला सामान;
 - (ग) केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी साविधिक निगम या सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टाक कम्पनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम द्वारा श्रायात किया जाने वाला ऐसा सामान जिसके बारे में आदेश महा-निदेशालय पूर्ति और निपटान, नई दिल्ली की मार्फत दिये जाते हों,
 - (घ) बाहनान्तरण द्वारा या श्राय।तित श्रौर श्रा पहुंचने पर पोत भंडार के रूप में या श्रन्य प्रकार से भारत में बाहर परन्तु नेपाल, तिश्वत श्रौर भूटान को छोड़कर किसी देश को पुनः निर्यात क लिए बान्डिड या श्रायासित श्रौर श्रा पहुंचने पर यथापूर्वीक्त पुनः निर्यात के लिए बान्डिड

माल प्रन्तु बाद में राजनियक कर्मचारियों, भारत में कानसुलर प्रधिकारियों ग्रौर संयुक्त राष्ट्र संघ के कर्मचारियों ग्रौर उसकी विशेष एजेन्सियों को रिहा किया गया माल जिन्हें क्रमणः वित्त मंत्रालय (डी० ग्रार०) ग्रधिमूचना सं० 3 दिनांक 8 जनवरी, 1957 ग्रौर संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार तथा प्रतिरक्षण) ग्रधिनियम, 1947 के ग्रधीन णुल्क का भुगतान करने से छूट है;

- (धध) अनुमोधित कर मुक्त दुकानों पर बिकी के लिए पहुंचने पर भाषातित भीर बान्डिड चाहे वह स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में भुगतान के महे बाहर जाने वाले या भाने वाले याक्रियों के लिए हों;
- (क) ऐसा सामान जो बाक द्वारा या प्रन्यथा रूप से भारत के रास्ते से भेजा जा रहा हो या उसे नेपाल, तिब्बत और भ्दान को छोड़कर बाक द्वारा या ग्रन्यथा रूप से भारत से बाहर किसी ग्रन्य देश को पुनः प्रेषित किया जा रहा हो, परन्तु गर्तं यह है कि ऐसा सामान भारत में जब तक रहे तब तक वह डाक/सीमा शुल्क प्राधिकारियों के कब्जे में रहे;
- (च) शुल्क में छट या शुल्क की पूर्णरूप से या आधिक रूप से वापसी का दावा करते हुए नेपाल, तिन्बत ब्रौर भटान को भारत के रास्ते से वायुमार्गद्वारा श्रफगानिस्तान को यास्थल मार्गसे भारत से बाहर किसी अन्य देश की भंजा जाने माल, परन्तु शर्तं यह है कि सामान का भ्रायात किसी ऐसे देश द्वारा स्वयं या उसकी सरकार की ग्रोर से किया गया हो जिसकी सीमा भारत से लगती हो या श्रायातकर्ता यह वचन दे कि वह निश्चित अवधि के भीतर यह प्रमाणपत्न प्रस्तुत कर देगा कि इत प्रकार का सामान भारत की सीमा से बाहर चला गया है ग्रीर यदि ऐसा न द्वया तो वह यथोचित सीमा-शुल्क प्रा-धिकारी द्वारा इस सामान के बारे में जो भी जुर्माना किया जाएगा वह जुर्माना भरेगा, इसके घलावा यह शर्न भी होगी कि उस सामान में कोई ऐसी वस्तुएं न हों जो निर्यात व्यापार नियंक्षण विनियमायली के भिधकार क्षेत्र से बाहर हो;
- (छ) यात्री श्रसबाब के रूप में किसी व्यक्ति द्वारा उस समय लागू श्रसबाब नियमावली के अन्तर्गत स्वीकार्य सीमा तक श्रायात किया जा सकता है परन्तु इस सामान में श्रनुसूची~ 1 के शीर्ष सं० 29.01/45 के श्रन्तर्गत श्रामे वाशी 1/2 पींड पाउडर की 500 गोलियां या 100 एम्प्यूल्स से श्रधिक कुनैन शामिल नहीं है।

परन्तु किसी पर्यटक द्वारा किए जाने वाले स्रायात के मामले में गर्त यह है कि जिन मूल्यवान वस्तुओं को पर्यटक असवाब नियमावली 1978 के नियम 7 के अनुसार पुनः निर्यात करना अनिवायं हो उसे भारत छोड़ने पर पुनः निर्यात किया जाएगा और ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि वे वस्तुएं ऐसी हैं जिनका सीमा गुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) के अधीन आयात निषेध है;

इसके भ्रलावा जिन बस्तुओं पर इस उप-पैरा के भन्तगैत छूट धी गई है, यह छूट इस गर्त के भ्रधीन होगी कि ऐसी वस्तुभों को बेचा नहीं जाएगा, बिकी के लिए विज्ञापित नहीं किया जाएगा या दुकान पर प्रविश्त नहीं किया जाएगा, जब तक कि (क) टी० वी० सैटों के मामले में, जो ऐसे व्यक्ति या यात्री या कर्मीदल के सदस्य द्वारा छुड़ाए जाने की तिथि से कम से कम 5 वर्षों की भ्रवधि तक प्रयोग में न लाया गया हो अथवा (ख) अन्य वस्तुभों के मामले में जब तक कि उनका बाजार भाव उनकी खरीद के नए बाजार भाव की तुलना में नए की तुलना में घट कर 50% किया जा सकता यह आयातक के जीवन काल तक रहेगा और ना ही उपहार में दे सकता है।

- (छछ) किमी व्यक्ति द्वारा डाक के जरिए निजी प्रयोग के लिए श्रायात किया गया सामान या किसी संस्थान अथवा श्रस्पताल द्वारा श्रपने प्रयोग के लिए श्रायात किया गया सामान, परन्तु जिसमें निम्नलिखित नामान शामिल नहीं हैं ~-
 - (1) अनुपूची 1 की शीर्ष संख्या 12.05/10 के अन्तर्गत आने वाले बनस्पित बीजों के डाक पार्सल जिनका बजन एक पौंड से अधिक हो ।
 - (2) अनुसूचि-1 की णोर्थ संख्या-01.01/06 के श्रन्सगैत श्राने वाली मधुमिक्खयां।
- (3) श्रत्सूची-1 की शीर्थ संख्या 09.01/10 के अन्तर्गत ग्राने वाली चाय ।
- (4) पुस्तकों, पित्रकाएं. जर्नल भीर साहित्य जिनको फिलहाल लागु भ्रायात नीति के भ्रतुसार भ्रायात करने की मनाही हो ।
- (5) माल, जिसका ग्रायान लागू श्रायात नीति के श्रन्तगैत सरणीबद्ध हैं ।
- (6) नगीले पेय-पदार्थ
- (7) धारनेयास्त्र श्रीर गोला बारूद ।
- (8) उपभोग इलैक्ट्रोनिक मर्दे जिनका मुख्य पांच सौ रुपए मे प्रधिक हो (श्रवण सहायक और जीवन रक्षक उपकरण, उपस्कर एवं साधित और उसके पुजीं को छोड़कर)।

अशर्ने कि एक समय में यथा पृत्रोंक्स श्रायातित माल का आगत-वीमा-भाड़ा मृख्य 1250 रुपए से श्रधिक न होगा।

- हिष्पणी:--- उपहार में प्राप्त वस्तुओं के ग्रलावा, ग्रन्य वस्तुओं के म्ह्य की ग्रवायगी रिजर्ज बैंक ग्राफ इण्डिया की ग्रनमृति के प्राधिकृत व्यापारियों के जरिए विदेशी मुद्रा में की जा गरिशी।
 - (ज) मुख्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात द्वारा सीमा शुल्क प्राधिकारियों के लिए जारी किए गए किसी कार्यकारी श्रन्देश के श्रन्तर्गत श्राने वाली वस्तुएं।
 - (म) राजनयिकों, कांसुलरों अधिकारियों और भारत में व्यापार आयुक्तों द्वारा या उनकी श्रोर से श्रायात किया गया सामान जिस पर उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की दिनांक 8 जनवरी, 1957 की श्रीध किरना संख्या 3 के अनुसार सीमा शहक अया नहीं करना पड़ता ।
 - (ञा) किसी ऐसे देश से श्रायात किया गया सामान जिसे पुनः भ्रायात करने पर सीमा शल्क श्रधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) की घारा 20 के श्रधीन भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की तारीख 16 मई, 1957 की सीमा शत्क श्रधिमुचना सं० 113, तारीख 25 मार्च, 1958 की प्रधिम्चना मं० 103, 11-10-1958 की प्रधिसूचना सं० 260 ग्रौर 261, 25-10-1958 की ग्रधिमुचना सं॰ 269, 270, 271, 273, 274, 275, भौर 276 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 2-3-1976 की प्रधिसूचना सं > 204 प्रथवा यथासंशोधित ग्रधिसूचना सं > 174, दिनांक 24-9-1966 या भारत सरकार, वित मंत्रालय (राजस्व एवं बीमा विभाग) की प्रधिसूचना सं० 103, दिनांक 16-5-1978 ग्रथवा ग्रधिसूचना सं० 80 दिनांक 29-8-1970 के श्रात्पार सीमा शुरुक नहीं देना होता है 🕒
 - (ट) भारत में या विदेशों में निर्मित ऐसी वस्तुयों के पुर्जे जो विनिर्मातायों को परेषिती से मरम्मत करने और पुनः निर्यात करने के लिए प्राप्त हुए हों, परन्तु सर्त यह है कि :--
 - (1) सीमा णुल्क प्राधिकारियों को सम्बद्ध मामले की सत्यता पर विण्यास हो; भ्रौर
 - (2) तारीख 9-12-1961 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं 132 के अधीन पुनः आयात करने पर सीमा-शुल्क की श्रदायगी ने छूट प्रान्त वस्तुओं से इतर वस्तुओं के मामले में श्रायातकर्ता सम्बद्ध पत्तन पर श्रायात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी के पास यह बंध-पद्म प्रस्तुत करें कि इस प्रकार

श्रायात की गई वस्तुएं मरम्मा करते के बाद छ महीते के भीतर पुता निर्यात कर दो। जाएंगी।

- (ठ) संयुक्त राष्ट्र मंघ के प्रविकारियों श्रीर उनकी विशय एजेंकियों द्वारा श्रायात किया जाने वाला सामान जिस पर संयुक्त राष्ट्र संय (विशेषाधिकार भीर प्रति-रक्षण) श्रधिनियम, 1947 के प्रनुगर मीमा शुक्क की छट हैं।
- (ड) निजी गाड़ियों के श्रह्मायी श्रायात संबंधी सीमा-शुरुक समझौते के श्रनुष्छे: 1 में परिभाषित गाड़ियां गा उक्त समझौते के श्रनुष्छे: 4 में उल्लिखित उनके पुर्जे, जिन पर भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की श्रिधिपूचना संख्या 53-कत, दिनों के 1 मई, 1977 द्वारा उत्तरीनर या संशोधित श्रिधि मूचना संव 296 दिनों के 2 श्रगम्त, 1976, के श्रनमार सीमा शुरुक की छुट है, परन्तु शर्न यह है कि--
 - (1) इस प्रकार की गाड़ियां या उन के पुर्जे उक्त प्रिष्ठ-सूचना में वी गई अवधि या सीमा शृलक प्राधिकारियों द्वारा बढ़ाई गई अवधि के भीतर पुनः निर्यात कर दिए जाएं।
 - (2) इस प्रकार की गाड़ियां या उन के पूजों के बारे में अस्थायी बाहन आयात अनुज्ञापत या परागमन मनुज्ञा-पत्र के उपबन्धों या उक्त अधिपूचना के उपबन्धों का उन्लंघन न किया जाए;

अन्यथा इस प्रकार की गाड़ियों और संघटक पुनौं पर इस आदेश में विए गए उपबन्ध लागू होंने और इस प्रकार की गाड़ियों या संबदकों को ऐसी वस्तुएं माना जाएगा , जिनका सीमा शुक्त अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अनुसार आयात करने की मनाही है ।

परन्तु भर्त यह है कि इन अपवादों में दी गई किसी भी बात से किसी वस्तु या किसी ऐसी अन्य मनाहो या विनियमावली पर कोई विपरीत प्रभाव नशीं पड़ेगा जो ऐसी वस्तुओं को स्रायात किए जाने के समय लाग् हों।

(क) कोई ऐसा सामान जो नेपाल की सरकार द्वारा जारी किए गए आयात लाइसेंस में सामिल हो और आयात क ययोचित सीमा-सुलक प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपक्ष में अनुत्र्चित बैंक में यथोचित सोना सुलक प्राधिकारी को इस सम्बन्ध में जमानत वे कि वह सम्पूर्ण नाल या उसके किसी भाग के सम्बन्ध में सुलक और आयात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्धों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया जुमीना चुकाएगा जिसके नेपाल राज्य में दाखिल होने की अनुमति नहीं है ।

- (ण) भारतीय निर्माता को या अन्यथा रूप से केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा मरम्मत के लिए माल और जो विदेशों में स्थित केन्द्रीय या राज्य सरकारों के किसी अन्य कार्यालयों को पुन निर्यात किया जाना हो ।
- (2) इस आदेश का कोई भी उपबन्ध भारतीय खाद्य निगम द्वारा भागात किए जाने वाले खाद्याश पर लागू नहीं होगा बशर्ते कि मिकासी के समय भागातक सीमा शुरुक प्राधिकारियों को यह बोबणा-पन्न प्रस्तुत कर दें कि सम्बद्ध भागात के लिए केन्द्रीय सरकार ने स्वीकृति दे दी हैं!
- (3) इस म्रावेश में दिया गया कोई भी उपबन्ध मुक्त दी जाने वाली ऐसी किसी सामग्री तथा खाद्य सामग्री के ग्रायात पर आग्रू नहीं होगा जो संयुक्त राष्ट्र संघ ग्रारा धनुमोदित एजेंसियों

- द्वारा मुपत उपहार के रूप में सम्लाई की जाती है श्रौर जिन पर वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) की 21 जून, 1975 की श्रिधसूचना संख्या-जी० एस० श्रार०-766 के श्रशीन सीमा मुक्क की छूट प्राप्त है।
- (4) धारा 5, धारा 8-क, धारा 8-ग और धारा 10-ग को छोड़कर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस धयवा विशेष सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी माल का श्रायात इस श्रादेश में दिए गए के श्रनुतार लागू नहीं होगा।
- 12. निरसनः अनुपूची 4 में दी गई अधिपूचना में निहित भावेश एतवृद्धारा निरस्त किए जाते हैं :---

परन्तु किए गए किसी भी कार्य या की गई किसी भी कार्रवाई को जिसमें उक्त प्रावेशों के अधीन की गई नियुक्ति या जारो किया गया लाइसेंस भी शामिल है, इस आदेश के अनुरूप उपबन्तों के भधीन किया गया कार्य या की गई कार्रवाई माना जाएगा ।

ग्रनुसूची-1

(खण्ड-3 देखें)

मोट:—कालम (1) में प्रत्येक शीर्षक संख्या सीमा गुरूक (संशोधित) वर मधिनियम, 1985 (1985 का 8) की मनुसूची से संबंधित मध्याय मौर शीर्ष संख्या के प्रमुक्ष्य है, तथा कालम (2) की प्रत्येक प्रविष्टि का वहीं प्रर्थ भौर सीमा है जो उनत पहली मनुसूची के तबनुक्यी मध्याय मौर शीर्षक की है।

	सन्भाग 1	(1)	(2)
	जीवित यशुः पशु उत्पाव श्रव्याय—1 जीवित प्राणी	02.06	शूकर, भेड़, वकरी, घोडे, गधे, टट्टू या खण्चर गोजातीय प्राणियों का ताजा, द्वतशीतित या डिमगीतित खाव
मीर्ष सं०	वस्तु का वर्णन		भ्रवशिष्ट
(1)	(2)	02.07	शीर्ष सं० 01.05 के फुक्कुट का ताजा द्रतशीतित या हिमशीतित मांस भौर
01.01	जीवित घोड़े, गधे, टट्टू ग्रौर खण् य र		खारा भवशिष्ट
01.02	जीवित गोजासीय प्राणी	02.08	प्रन्य ताजा द्वृतशीतित या हिमगीतित
01.03	— शुद्ध नस्ल के प्रजनन प्राणी		मांस भौर खाद्य मांस भवशिष्ट
01.04	जीवित भेड़ <mark>धौर बकरिया</mark> ं	02.09	शूकर की लीन मांस रहित वसा धौर
01.05	जीवित कुक्कुट भ्रथीत गैलस डाम- स्टिकस जाति के सुर्गे, बत्तख, ह्य, गीध भौर गिनि मुर्गे		कुक्कुट (वसा ग्रपरिष्कृत) ताजा, द्रुतशीतित, हिमशीतित, लवणित, लवण जल में रखी गुष्कित या धूमित
01.06	भ्रन्य जीवित प्राणी	02.10	लवणित, लवण जल में रखा, शुष्कित या धूमित मांस श्रीर खाद्य मांस श्रव- शिष्ट खाद्य श्राटा ग्रीर मांस या मोस
	षध्याय-2		भविशष्ट का भवचूर्ण
	भास ग्रीर खाद्य मांस ग्रवशिष्ट		
02.01	ताजा या बुतशीतित गोजातीय प्राणियों का मौस		
02.02	गोजातीय प्राणी का हिमशीतित मांस		अध्याय 3
02.03	गूकर का साजा, दुत्तगीतित या हि म		स्वैशियम, मोलस्क तथा अन्य जलीय अपुष्टबंशी
	शीतित मांस	03.01	जीवित मछिलयो
02.04	भेड़ या मकरी का लाजा, द्रक्षणीतिल या हिमगीतित मांस	03.02	ताजी या हुतशीतित मछली जिनमें शीर्ष सं ०३.०४ के अन्तर्गत स्राने
02.05	बोड़े, गक्षे, टट्टू या खच्चर का ताजा, इतशीतित या हिमशीतित मांम		आ भी फिलेट मछली भौर अ न्य मछली मांस नहीं है ।

णाग I-्-खंड 1]	भारत के र ७५त : यशेधा^रण		2Í	
(1)	(2)	(1)	(2)	
03.03	मछली, हिमशीतित, जिनमें शीर्ष मं० 03.04 के अन्तर्गत स्नाने वाली फिश फिलेट श्रीर अन्य मछली मांत शामिल नहीं है मछली के टुकडे श्रीर अन्य मछली का मांग (चाहे कीमा हो या नहीं) ताजे,	04.03	छाछ, वही, जमा दूध भीर कीम, योगहटं, के /फिर भ्रौर भ्रन्य किण्यित या श्रम्लिय दूध या कीम, चाहे वह सांद्रित हो या नहीं, उसमें चीनी या भ्रन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं या वह सुरुचित हो या नहीं या उसमें फल या कोको	
03.05	बूसशीतित या हिमशीतित शुष्कित, लवणिस या लवण जल में रखी मछली, ध्मित मछली, चाहे बह धमन प्रक्रिया से पहले या उसके दौरान पकाई गई हो या नहीं; मनुष्य के उपभोग के लिए उपयृश्त मछली भोजन जीवित, ताजी, ब्रुतशीतित, हिम-शीतिस,	04.04	छेने का पानी चाहै वह सांद्रित हो या नहीं या उसमें चीनी या प्रस्य मधुरण पवार्ष मिला हो या नहीं; ऐसे उत्पाद जिनमें प्राकृतिक दुक्ष संघटक प्रन्तिकट हो चाहे उनमें चीने या प्रन्य मधुरण पदार्थ मिला हो या नहीं, जो प्रन्यत्न विनिर्दिष्ट या ग्रन्सिक्ट नहीं है	
	मुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी केस्टेशिया, चाहे कवच हो या नहीं, कवच में, वाष्प में या पानी में	04.05	मक्खन और भ्रन्य वसा और दूध व्युस्पन तेल पनीर और दही	
	उ वाल कर पकाई गई कस्टेशिया, पाहे	04.06	पनीर और दही	
	द्भुतगीतित, हिमगीतित, गुष्कित, लय- णित, या लघण जल में रखी हों या	04.07	पक्षियों के झण्डे, छिलके सहित ताजे परिरक्षित या पकाए हुए	
03.07	नहीं जीवित, ताजी, दुत्तशोतित, हिमशीतित, गुष्कित, ल्वणित या लत्रण जल में रखी, मोलस्क, घाहे वे कवन में हों या नहीं, केस्टेशिया भीर मालस्क जीवित, ताजी, दुतशीतित, हिमशीतित, शुष्कित, लवणित या लवण जल में रखी से भिन्न, हो	04.08	पक्षियों के अपके और अपकों का पीतन फिलके रहित, ताजे, शुष्कित, भार द्वारा या पानी में उनाल कर पका गए, सांचों में बाले गए हिमशीति या अन्यथा परिरक्षित चाहे उना चीनी या अन्य मधुरण पदार्थ मिला हं या नहीं	
		04.09	प्राकृतिक मधु	
	् प्रश्र्याय—4 रक्षियों के प्रण्डे, प्राकृतिक मधु, प्राणियों से प्रत्याद जो अभ्यत्न विनिद्धित्व या सम्मिलित	04.10	प्राणियों से उत्पन्न खाद्य उत्पाद जो अन्यक्न विनिधिष्ट या अन्सर्विष्ट नहीं है	
04.01	दुग्ध भीर कीम जो न तो सांद्रित हों		भव्याय 5	
	न ही उपमें चीनी या भ्रन्य मधुरण च्दार्थ मिला हो		। उत्पन्न उत्पाद, जो ग्रम्यक विनिविध्य या विद्या नहीं है	
04.02	दुष्ध भौर क्षाम, याहे सोद्वित हो या विसमें चीनी या भ्रन्य मधुरण पदार्थ मिला हो	05.0i	मानव-बास, शकर्मित, चाहे धुले हुए या मिमाणित हों या नहीं, मानव बामों के सपक्षिष्ट	

(1)	(2)	(1)	(2)
05.02	सुझर, गूकर या जंगली सूमर के गूक या बाल; बैंजर के बाल और अुण बनाने के लिए भ्रन्य बाल, ऐसे गूक या बालों के भ्रप-गिष्ट		हों किन्सु जिन्हें काटकर भाकार न दिया गया हो उनके भपशिष्ट और चूर्ण
		05.09	प्राणियों से उत्पन्न प्राष्ट्रतिक स्पंज
05.03	धोड़े के बाल और घोड़े के बालों के श्रपशिष्ट चाहे वे श्राधारिक पदाय सहित या उसके बिना किसी परत के रूप में रखे गए हों या नहीं	05.10	एम्बरग्निस, कस्टोरियम, सिवट और कस्तूरी; कन्षे रीटीज, पित्त, चाहे सुखाया गया हो या नहीं; ग्रंषि और प्राणियों के ग्रन्य उत्पाद जो
05.04	(मछली से भिन्न) प्राणियों की कांतें, मूत्राशय और भामाशय, चाहे वे संपूर्ण हों या टुकड़ों में		ताजे, दुतशीतित, हिमशीतित या अन्यथा अनन्तिम रूप से परिरक्षित भैषजिक उत्पाद तैयार करने में उपयोग किए जाते हैं
05.05	पिक्षयों के पंखों या कोमल-पिच्छों सहित उनके घर्म और प्रन्य भाग, पंख और पंखों (चाहे उनके किनारों का कर्तन किया गया हो या नहीं) और कोमल पिच्छों के भाग; जो परिरक्षण के लिए साफ करने, विसंक्रमण या भ्रभिक्रियाकरण के भ्रतिरिक्त और क्रमित नहीं किए गए	05.11	प्राणियों से उत्पन्न ऐसे उत्पाद, जो अन्यथा विनिधिष्ट या अन्तर्विष्ट नहीं है अध्याय 1 या 3 के अन्तर्गत धाने वाले मृत प्राणी जो मानव उपमोग के लिए अयोग्य है
	हैं; पंखा या पंखों के भागों के भूणें और प्रापशिष्ट		अ नस्पति उत्पाद
0.5.06	हिंदुयां और श्रृंग कोड, जो झकर्मित, निर्वेसीकृत, केवल सैमार (किन्तु जिन्हें काटकर श्राकार न दिया गया हो) भ्रम्ल से श्रिकियिस मा श्रजिल	प्रकार की ची	ज्ञभ्याय6 प्रोर ग्रन्थ पौथे, शल्ककंद और जहाँ घोर जसी जिंकाटे गए फूल घोर ग्रलंकृत पर्ण समूह
	टिनक्टत हों, इन उत्पादों का चूर्ण और भपशिष्ट	06.01	णस्ककंद, संद, गांठदार मूल, धन- कंद, शिखर और प्रकन्द, जो प्रसुप्त, बढ़ोत्तरी या पुष्प श्रवस्था में है शीर्ष
05.07	हाथी वांत, कच्छप कवच, हैबलास्थि और हैबलास्थि बाल, सींग, श्रुंगार, खुर, नाखून, नखर और चौंच, जो		सं० 1-2,12 के झन्तर्गत झाने वाली जड़ों से मिश्र चिकोरी पौधे और जड़ें
	भ्रकमित और केबल तैयार हो किन्सु जिन्हें काटकर आकार न दिया गया हो; इन उत्पादों के वूर्ण और ध्रपशिष्ट	06.02	भ्रन्य जीवित पौधे (जिनके भन्तर्गत उनकी जड़ें भी हैं), कटिंग और स्लिपेंं; छक्षक जलांडक
05.08	मूंगा और वसी ही सामग्री जो, भकमंत या केवल तैयार हों किन्सु अन्यथा कमित क हों, मोसस्य, केस्टेशिया या एकाईनोडमें के कवच और पगु- हक्की, जो भकमित और केवल तैयार	06.03	ताजा, शुष्कित, रंजित, विरंजित, संसेचित या अन्यया इस प्रकार के शाटे गए फूल और कलियां, जो पुष्प गुच्छों के लिए या अलंकरण प्रयोजनों के लिए उपयुक्त हैं

(1)	(2)	(1)	(2)
06 04	ताजा, शुष्कित, रंजित, विरंजित संसेचित या अन्यया निर्मित पर्ग		उपयोग के लिए उस भ्रवस्था में श्रनुपयुक्त हैं।
	समूह, शाखाएं और पौद्यों के ग्रन्य भाग, पुष्प या पुष्प कलियों के बिना और घास, मोस और लाइकेन, जो इस प्रकार का माल	07.12	णुष्कित यनस्पति जो स्मावृत, कटी हुई, स्लाइस की हुई, तोड़ी हुई या चूरा की हुई हो, किन्तु और निर्मित न हों।
	है जो पुष्प गुष्छों या श्रलंकरण प्रयोजनों के लिए उपयुक्त है।	07.13	छिलके वाली शुष्कित फलीदार वन- स्पति, चाहे वह छिलकेदार हो
	अध्याय—7		या बिना छिलके के, चाहे विभक्त की हुई हो या बिना विभक्त की
	ाच वमस्पतियां तथा कुछ जड़े श्रौर करव		ना दुइ हा या विना विनन्त का हुई।
07.01	नाजे या द्रुतगीतित भालू	07.14	ताजा या णुष्कित मैनिओक, भ्ररारूट,
07.02	नाजे या द्रुतशीतित टमाटर		सालेप, जैस्सलम आरटीचीक्स,
07.03	ताजी या द्रुतशीतित प्याज, शैलट, लहसुन, लीक और ग्रन्य लणुनी वनस्पतियां।		शकरकन्दी और वैसी ही जड़ें और कंद, जिनमें स्टार्च और इन्सुलिन की मात्रा श्रधिक हो, जो चाहे
07.04	ताजी या द्वुतशीतित बन्दगोभी, फूलगोभी, कोहीराबी, केल और उसी प्रकार के खाद्य द्वेसिका		स्लाइस किए हुए हो या नहीं, चाहे गुटीका के रूप में हों या नहीं, साबुदाने का पिच।
07.05	ताजा या द्रुतशीतित सला द (लैक्टका सैटीया) और कामनी (साइकोरियम एस पी पी)		मध्याय—-8
07.06	ताजा या द्रुतशीतित गाजर, शल-	श्राच फल ब	गैर गिरी फल, निम्बुकुल फल या तरबूज के छिलके
	जम, सलाद, चुकन्दर सैलसिफाई, सेलेरिएक, मूली और ऐसी ही खाद्य जड़ें।	08,01	तरकून का छलक ताज या शुष्कित नारियल, आर्जाल नट और काजू, चाहे वे छिलके
07.07	ताजे या द्रुसशीतित खीरे और		सहित हों या छिलके रहित।
	घेरकिन ।	08.02	ताजे या शुष्कित नारियक्ष, गिरी
07.08	ताजी या द्रुतपीतित छिलके वाली या छिलके के बिना फलीद्यार वन-		फल, चाहे वे छि लके सहित हों या छिलके रहित।
07.09	स्पतियाँ ताजी या द्रुतणीतित श्रन्य वन-	08.03	केले, जिसके श्रन्तर्गत कदली भी हैं, ताजे या मुख्कित
0.00	स्पतियां।	08.04	छुहारा, अंजीर, ग्र नन्नास, एवोका-
07.10	हिमगीतित वनस्पतियां (बिना पकाई गई या भाप या पानी		श्रोस, भ्रमरूद, श्राम और मैगो- स्टीन, ताजे या गुष्कित।
	में उबाल कर पकाई गई)।	08.05	निम्युकुल फल, ताजे या शुब्कित
07.11	वनस्पतियां जो (उदाहरणार्थं,	08.06	अगूर ताजे या भुष्कित
	सल्फर डाइग्राक्साइड गैस में या लदण जल में, गन्धक जल में या ग्रन्य परिरक्षित घोल में) ग्रनन्तिम	08.07	खरबूजा (जिसमें तरबूज सम्मि- <i>-</i> नित है) और पपीते, ताजे
	कत्य पारराकत वाल म) अनान्तम रूप से परिरक्षित है किन्सु नुरत्त	08.08	सेब, नाणपाती और क्विंस ताजे

(1)	(2)	(1)	(2)
03.09	खुबानी, चेरी, भाष्ट्र (जिसमें नेक्टेराइन, सम्मिलित है) प्लम	09.06	दालर्जानी और दालचीनी वृक्ष-
	और स्लो, ताजे	09.07	फूल लींग (पूर्णफल, लींग धी र
08.10	ध्रन्य फल, ताजे	03.07	टहनियां)
		09.08	ायफल, आ वि र्क्षा श्रीर इलायची
8:11	फल और गिरी, बिना पक्षाए गए या बाष्प द्वारा या जल में	09.09	शतपृष्पा, बेडियन, सौंफ, धनिया,
	जबालकर पकाए गए हिम्मीतिस,		जीरा, भजवायन या जुनिपर के
	चाहे उसमें भतिरिक्त चीनी या		र्ब ज
	म्रन्य मधुरित सामग्री हो या नहीं	09.10	श्रदरक, केसर, हल्दी, (कुरकुमा),
8.12	फल और गिरीं जो भ्रनन्तिम रूप		ग्रजवायन, तेजपात, करी भौर भ्रम्थ
, o	से परिरक्षित हैं (उदाहरणार्थ		म भा ले
	सल्फरडाइझाक्साइड गैस से सत्रण		
	ञल में गंधक जल में या धन्य		पच्याय 10
	परिरक्षक घोलों में) किन्तु उस		धास्य
	भवस्था में तुरन्त उपभोग के लिए	10.01	गेहुं धौ र मे <i>स</i> लीन
	भ्रनुपयुक्त हैं	10.01	गष्ट्र अर्थ मसलात इयूरम गेहूं
8.13	फल, मुष्कित जो मीर्घ सं		—- अस्य
	08.01 से 08.06 से भिन्न हैं,	10.02	राई
	इस प्रध्याय में के गिरी या	10,03	লী
	शुष्कित फलों का मिश्रण।	10,04	जर्ष
8.14	निम्बुकुल फल या तरबूज के	10.05	मकका (मकई)
	छिलके (जिसके भ्रन्तर्गत ताजे तरबूज भी हैं) ताजे, हिमशीतित,	10.06	পাসন
	संपूर्ण मा हु ताज, हिमसातित, शुडिकत या सवण जस में, गंधक	10.07	अनाः घरी
	जल में या धन्य परिरक्षक घीलों	10.08	कट, ज्वार और कैनेरी बीज तथा
	में परिरक्षित		ग्रन्य धान्य
	श्रध्याय 9		
	काफी धाय, मेट घौर मसाले		भ्रष्याय—— १ १
9.01	काफी, चाहे भुनी हुई या कैफीन मुक्त की हुई हो या नहीं, काफी	•	के उत्पाद , माल्ट धौर स्टार्च, इमुलिन क्लूटेम
	की भूसी और छिलके, काफी के	11.01	गेहं या मैज़िलन भ्राटा
	वे धनुकल्प जिसमें किसी भी धनृ-	11.02	गेहुं या मैसलिन के माटे ने सन्न किसी
	पात में काफी है		धान्य का श्राटा
9.02	सा ए	11.03	-⊸धान्य दलिया, चूर्ण भौर पैक्षेट्य
9.03	ਸਟ	11.04	धन्यथा कमित द्यान्य मन्न (उदाहरणार्थ
9.04	पाइपर दश के काली मिर्चे;		ंछलका चनारा हुप्रा, बेल्लित, फ्लेक्ड
	कैपसिकम वंश या पाइमेंटा वंश		नोरी जैसा बनाया गया, स्लाइस किया
	के शुष्कित या सं दलित ग्रथ वा		गया या कुचला गया) शीर्ष सं०10.06
	पिसे फल।		के भावल, धान्य के श्रंकुरों, साबूत,
	वैनिला		बेल्लित, पत्नकित या निसे हुए

শাদা 1ছাত :] -=	भारत का र	ापन्न ^त घटमश्रारण —	25
(1)	(2)	(1)	(2)
11 05	आटा, चूर्णग्रीर ग्रास् के पत्रक	12.11	इस प्रकार के पीछे ग्रीर पीघों के
11.06	र्णार्थ सं० 07.13 के अन्तर्गत आने		भाग (जिनके भन्तर्गत की ज और फल
	वाली श्रुष्कित फलीदार वनस्पतियों शीर्ष		भी हैं) जो प्रथमतः सुगंधित सामर्पः,
	सं 07.14 की गब्दाने या हो		श्रीषधियों मा कीटनाणी, फफूंदी
	कंदमूलों का श्राटा भीर श्रवचर्ण,		नाशी या वैसे ही प्रयोजनों के लिए
	श्र ध्याय 8 के उत्पादों का श्राटा		प्रयोग में लाए जाते हैं, चाहे वे ताजे
	ग्र बभू र्ण श्रौर चूर्ण		या भुष्कित हों, चाहे कटे हुए, दले
11.07	माल्ट चाहे भुना हुआ हो या नहीं		हुए या चूर्णित हो या नहीं
		12.12	दालचीनी की फलियां, समुद्री गैवाल
11.08	स्टार्च, इन्किन		भीर भ्रत्य शैवाल, चीनी चुकंदर श्रीर
11.09	नेहें स्पूटेन, चाहे शुष्कित हो या		गक्ना, ताजा मा गुष्कित चाहे पिसी
	नहीं	•	हुई हो या नहीं, बुणफल धौर गिरियां
			श्रीर श्रन्य वनस्पति-उत्पाद (िनके
	सध्याय 1 2		अन्तर्गत साइकोरियम इण्टाइयस सेटी- वस प्रकार की विना भूनी कासनी
सिलाइन. धौर से	लोत्पादक फल, प्रकीर्थ झम्म, सीज और		की जड़ें भी हैं) उस किस्म की जो
	या त्रीवधीय पीधे, पुत्राल भ्रीर चारा		प्रथमनः मानव के उपयोग में आते
			हैं श्रौर किसी श्रन्य शीर्ष के श्रन्तर्गत
12.04	सोयाबी चा ट्टेहों या नही		नहीं हैं
12.02	मूंगफली, विना भुनी हुई या श्रन्थशा	12.13	प्रतिमित धान्य पृत्राल भौ र भूमी,
	बिना पकाई गई, बाहे छिलके छतारी	14.13	जारे काटी हुई, पिसीक्षुई, संपीड़ित
	हुई हो या टूटी हुई हो या नहीं		या गुटिना के रूप में हो या न हो
12.03	श् व ापर _।	12.14	स्त्री ^{क्र} न का शलजभ, मंगोल्डस , चा रे
12.04	श्रवसी, चाहे टूटी हुई हो या नहीं		्रमी हैं, सुर्खी द्याम, रिजका
12,05	रैप या कोल्जा बीज, चाहे टूटे हुए		(ग्ररूफाल्फा), क्लोबर
	रा ना नारका नाक, नात दूट हुए हों मा नहीं		वेनफोइन, चारा काले,
	W		त्यूपाइन्स सैच और वैसे ही हरे चारे
12.06	सुरममुखी विज, चाहे दटे हुए हों		के उत्पाद, भाहे वे गृहिकास्रीं के
	मा नहीं		ग्यामें हों था नही
12 07	थ्रन्य तिल हन ग्रौर तेलोत्पाद के		
	फल च <i>ा</i> हे वे टूटे हों <i>या नहीं</i>		भ्रष्ट ाय 1 3
12.08	सरसों को छोड़कर, तिलहन या सेलो∻		
	त्याद की फलों का प्राटा थ्रीर प्रयक्ष	लाका, गाव, र	रेजिन ग्रीरग्रन्थ बनस्पति एस ग्रीर सार
		13.01	ला ख, प्राकृतिक गींव, र ि न, गींव
12,09	इस प्रकार के बीज, फल श्रीर बीजाणु		रेजित स्रौर गुलमेंहवी
	जो बोने के लिए उपयोग में लाए ज.ते हैं	13.02	वनस्पति रस श्रीर सार, पैक्ट क
			पदार्थ, पैनर्ट.नेट श्रौर पक्टेट; एगारथ
0.1.2	हाप मांकु, ताजे या मुध्कित, चाहे		एगार श्रीर श्रन्थ श्लेप्सक तथा गाहा
	पिसे हों या न हों, चूर्ण हो या न हो		परिने वाले पदार्थ चाहे थे उपान्तरित
	मा गुढिका; त्युपुलिन के रूप में तों		हों या न हों, जो बनस्पति दा र्यों से िक्स-के कर न्थ
947 GI /904.	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •		निकाले गए हों

(1)	(2)	(1)	(2)
श्राध्याय14 ध्रमस्पति संग्रयम सामग्री, बमस्पति उत्पाद, जो श्रम्यव्र बिशिष्टकृत या सस्मिलित नहीं है 14.01 ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उप-		15.03	ण्कर वसा स्टिग्रिन, ण्कर वसा तेल, ओलिओस्टिएरिस, ओलियो तेल और चर्बी तेल, जो पायसीकृत या मिश्रित या भ्रन्यथा निर्मित नहीं है
14.01	योग मुख्यतः संग्रयत से लिए किया जाता है (उदाहरणार्थ बास, रैटेन, नलकूल, सरपत, झोसिर, रैफिया, साफ किया हुआ, विरंजित या रंगा हुआ धान्य पुत्राल और चूना छाल)	15.04	मछली या समुद्री स्ततपायी की वसा और तेल तथा उनके टुकड़े, परिष्कृत हों या न हों, किस्तु रासायमिक रूप से रूपांतरित न हों
14.0 2	ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उपयोग मुख्यतः भराई करने या पेड़ लगाने के लिए किया जाता है (उदाहरणार्थ कैपॉक वनस्पति	15.05	ऊन ग्रीज और उससे ब्युत्पन्न धसा पदार्थ (इसके ग्रन्तर्गत लेनोलिन भी है)
	ह (उपाहरणाच कारा कारा का समर्थनकारी सामग्री सहित या रहित परतों में रखी गई हो या, न रखी गई हो	15.06	ध्रस्य पमु वसा और तेल तथा उसके अंग परिष्कृत हों या न हों, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हो
14.03	ऐसी वनस्पति सामग्री जिसका उपयोग मुख्यतः झाड्र्या बुशों में किया जाता है (उदाहरणार्थ बूमकार्न, प्रीसावा, कच-ग्रास और	15.07	सोयाबीन तेल और उसके अंश, परिष्कृत हों या न हों, किन्तु पासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
14.04	ईस्टले) हैकों या बण्डलों में हो या न हो । ऐसे वनस्पति उत्पाद जो ग्रन्यत विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं	15.08	मूंगफली का तेल और उसका भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों
हैं ग्रनुभाग3 प्राणी या बनस्पति वसा भौर तेल तथा उनके विदलन		15.09	जैतून का तेल और उसके भाग, चाहे परिष्कृत हों था नहीं, किन्सु रासायनिक रूप से रूपांतरित म हों
उत्पाद, निर्दिति खाद्य वना, प्राणी ग्रीर चनस्पति मोम ग्रध्याय15		15.10	केवल जतून से मिभिप्राप्त भन्य तेल और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु
प्राणी या वसस्पति यसा भौर तेल तथा उनके विदलन उत्पाद; तैयार खाद्य बसा; प्राणी भौर वनस्पति मोम			रासायनिक रूप से रूपांतरित
15.01	शूकर वसा; भ्रन्य परिष्कृत शूकर वसा या कुक्कुट बसा, दाव कर या विलायक निष्कर्षित हो या न हो		न हों जिसके झन्तर्गत शीर्ष सं० 15.09 के झन्तर्गत झामे वाले तेल और उनके भागों के साथ इन तेलों या इनके भागों में मिश्रण है
15.02	गोजातीय पणुओं, भेड़ों, या बकरियों की कच्ची या परिष्कृत बसा, दाब कर या बिलायक 'नस्कर्षित हों या न डों	15.11	ताड़ का तेल और उसके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों

(1)	(2)	(1)	(2)
15. 12 15. 13	सूरजमुखी का बीज, कुसुम या बिनौले का तेल और उनके भाग, काहे परिष्कृत हों या नहीं किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों नारियल (खोपरा) ताड़ की गिरी		छोड़कर जो शीर्ष सं० 15.16 के अन्तर्गत आते हैं; इस अध्याय के अन्तर्गत आने वाले प्राणी या वनस्पति बसा या तेलों के श्रथवा विभिन्न वसा या तेलों के भागों के अखाद्य मिश्रण या विनिर्मितियां, जो अन्यस्न विनिर्देण्ट या
	या याबसूका तेल और उनके भाग, चाहे परिष्क्षत हो या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों	1.5. 19	सम्मिलित नहीं हैं ब्रोडोंगिया मोनोक्षाबोंक्षिसलिक वया ग्रम्य परिष्करण द्वारा तैयार
15.14	तीरिया, कोल्जा या सरसी का तेल और उनके भाग, चाहे		भ्रमत तेल श्रीद्योगिक वसा एल्कोहल
	परिष्कृत हों या नहीं, किन्तु रासायनिक रूप से रूपांतरित न हों ।	F5.20	ग्लिसराल (ग्लिनरील) चाहे यह णुद्ध हों या नहीं; ग्लिसराल जल ग्लीर ग्लिसराल लाई
15.15	प्रत्य प्रवाध्यणील वनस्पति वसा और तेल (जिनके प्रत्यगैत जो- जोबा का तेल है) और उनके भाग, चाहे परिष्कृत हों या नहीं	15.21	वनस्पति मोम (ट्राइन्सिसराइड से भिन्न) मतुमोम, ग्रन्य कीट मोम भीर स्पमेपैटो, चाहे परिष्कृत या रंगी हो या नहीं
15.16	किन्तु रासायनिक रूप से रूपां- तरित न हों प्राणि या वनस्पति बसा और तेल	15.22	डेग्रास, वसा पदार्थी या प्राणी या वनस्पति मोमों के ग्रभिक्रियण से उत्पन्न भवशिष्ट
10110	और उनके भाग, भागतः या		ब्रनुभाग1
	पूर्णतः हाइड्रोजनीकृत, अंतः एस्टरीकृत, पुनः एस्टरीकृत या		, सुपेय स्पिरिट ग्रीर सिरका सम्बास् ग्रीर सम्बाक् ग्रमुकक्ष्प से विनिर्मित
	इलेइ क्रिनक्कत चाहे परिष्कृत हो या नहीं, किन्तु और निर्मित न किए		ग्रध्याय16
15.17	गए हों मार्जरीन; इस मध्याय के भ्रन्तर्गत	मांस मछलो, भ्रथवा	कस्टेशियल या घन्य जलीय घपुष्ठवंशी निमितिया
••••	द्याने वाली प्राणी या वनस्पति वया या तेलों के प्रथवा विभिन्न वसा या तेलों के भागों के खाद्य मिश्रण या विनिर्मितियां, प्रीर्ष संo	16.01	मान, मांताबणिष्ट या रक्त के मासेज श्रीर वैसे ही उत्पाद, इक उत्पादों पर श्राधारित खाद्य निर्मितियां
	15.1 6 के श्र न्तर्गत झामें वाली खाद्य वसा या तेलों या उनके भागों से भिन्न	16.02	न्नस्य निर्मित या परिरक्षित मांस मांसावशिष्ट या रक्त
16.18	प्राणी या वनस्पति वसा और तस और उनके भाग, क्वाधित, घाक्सी- कृत निर्जलीकृत, गंधिककृत, धुमिस,	16 03	मास का सार और रम; मळना पा करटेणियन मोलस्क या शन्य जलीय अपृष्ठवंशी;
	कृत गणलाकुत, प्रवासकृत, बूग्स्त, निर्वात या अग्निम गैस में उष्मा द्वारा बहुलीकृत या अन्यथा रासा- यनिक रूप से रूपोत्तरित उनको	16,01	िर्मित या परिरक्षित म छ ली; म छ र्था के श्रण्डे से निर्मित के <mark>बियर</mark> भौर उसके श्रमुकल्प

(1)	(2)	(1)	(2)
16.05	कैस्टेशियन मोलस्क और अन्य जलीय अपूष्ठवासी		निर्मितियां, जिसमें कोको चूर्ण वा श्रनुपात भार के श्रनुसार 50
चीमी ः	अध्याय— 17 और चीनी को कन्छे स्थानरो		प्रतिशत से कम है जो फ्रन्यत्न विनिदिष्ट या सम्मिलित नहीं है शीव सं० 04.01 से 04.04
17.01	गन्ना चीनी या चुकस्दर चीमी ग्रीर रासायनिक रूप से मुद्ध किया		के सामान का खाद्य निर्मितियां जिनमें कोकी चूर्ण नहीं हों
	गया सुकीम, ठोस रूप में	19.02	पँस्टा, पना हुआ। या भरा हुआ। हो या न हो (मांस या प्रन्थ
17.02	ठीस रूपमें भ्रन्य चीनी जिसके प्रस्तर्गत रासायिमक रूप से शुद्ध लेक्टीज, मास्टीस, ग्लूकीज भीर फल गर्करा भी हैं। भीनी कर्		पदार्थ सहित) या अन्यथा निर्मित जसे कि मोटी संबई, मंकरोनी, नूडल, लासगने स्नूची, रावियाली के लोनी, कीमा पुलाव निर्मित हो
	गर्वेत जिसमें मिलाए हुए सुरुचिके या रंगकारी ऋन्य द्रव्य नहीं है,		यान हो।
	कृत्रिम मधु, उसमें प्राकृतिक मधु मिश्रित हों या न हों, करामेल	19,03	टेपिक्रो स्राप्त्रं स्टाच से निर्मित उसके अनुकल्प पत्न स्थाने, मोती, र्छाट क रूप से या वैसे ही अपी
17.03	चीनी के निष्कर्षण या परिष्करण से परिणामी मोलेस	,	छाट क रूप में या वस हा है। में
17.04	भीनी की कन्फीक्शनरी (जिसक अन्गेतत सफेद भाकलेट भी है) जिसमें कोको नहीं हं	19.04	मकता (कार्न से भिन्न धान्य या धान्य से उत्पाद को फुलाकर या भूनकर प्राप्त) (उवाहरणाय कार्स पन्नक), दानों क रूप मे
	अध्याय- 18		पहले से पान हुआ। या झन्यथ्रा निर्मित
v 7.	को और कॉ.कें≀ से निर्मितियाँ	19 05	ागामत डबलरोटी, पेस्ट्री, केस, बिस्कुट
18.01	कोको की बीन साबूत या टूटी हुई बच्चीया भुनी हुई	10 00	भार अन्य बे ःर का सामान उशमें क्रोको हो या न हो, कम्बुनियन
8.02	कोको खोल, भूसी, छिलका ग्रीर श्रन्य कोको श्रपशिष्ट		बे कर ऐसी खाली सम्पू टि काएं जो भेषजिक उपयोग के लिए उपयुक्⊤
8.03	कोंको पेस्ट निर्वेसीकृत हो या न हां		र्हा सीलिंग बे कर राइस पेपर ग्रीर वसं ही उत्पाद ।
8 04	कोको मक्खन, बसा श्रोर तल		
.05	कोको चर्ण जिन्में चीनी या ग्रन्य		यध्य _. य-2 0
	मघुरण द्रक्य नहीं हैं	बनस्पतियों,	फलों, गिरी फलों या पीचों से मध्य
8 . 0·6	चाःचेट श्रीर श्रन्य खाश्च निर्मितियां जिनमें कोको है।		भागों की निर्मितियां
	अध्याम- 1 9	20.01	बनस्पतियों, फल,गि रोफल और पौधों के अन्य खाद्य भाग किर का
भारत, आहे या स्टार्च यूध निमितियाँ वेस्ट्री			या ऐसिडिक अस्त द्वारा निर्मित
जाम्य, आ	व पा स्टाम बूध । नामातया पस्ट्रा बनाने बाफे उत्पाद	00.80	या परिरक्षित टमाटर,सिरका या एमिटिक अम्ल
9.01	माल्ट का सार, श्राटा श्रवजूण स्टार्ज या माल्ट के सार की खान	20.92	टमाटरासरका या ए। माटक अस्त से भिन्न रूप में निर्मित या परि- रक्षित

(1)	(2)	(1)	(2)
20.03	स्वतः स्रोर कुतुरमता (खुम्भी), मिरका या एसीटिन श्रम्ल से भिन्न रूप में निर्मित या परिरक्षित श्रम्य वनस्पतियों, जो सिरका या	21.02	यांस्ट (सिक्रय या निष्क्रिय), अन्य एकल-कार्याय सूक्ष्म जीव मशक किन्तु इसमें शीर्ष सं० 30.02 के प्रधीन भाने वाली वस्सीन नहीं
	ऐसोदिक धम्ल, हिमर्ग क्षित से भिन्न का में तिमित या परिरक्षित हैं	21.03	हैं) निर्मित बेकिय पाउ ड र सास और उसके लिए निर्मित
20.05	ध्रन्य बनस्पतिया, जो सिरके यो ऐसीटिक ध्रम्ल से भिन्न किसी वस्स् से निर्मित या परिरक्षित की गई है, हिस्गीतित नहीं	21.00	तियां मिश्रित मसाले और श्रन स्वादवर्धक, सरसों का खाटा और चूर्ण तथा निर्मित सरसों
20.96	ह, हिसेशासित पहा चोतों में परिरक्षित फल, गिरीफल, फल का छित ीस भौर पौक्षों के धत्य भाग (सृष्कित, ग्रास सा	21.04	्सूप भौर सास तथा उनके लिए निर्मितियां, सुमागीकृत मिश्र खाद्य तथा खाद्य निर्मितियां
20.97	किन्टलित) जैस, फल को जैलो, मामलेड, फल	21.05	भाइस कीम भीर मन्य खाद्य वर्फ चाहे इसमें कोको शामिल हों यान हीं
	या गिरीफल पुरी श्रीर फल या गिरीफल पै न्ड . जो पकाई गई निर्मितियों हैं, या झन्य मीठा पदार्थ वाहे उन में चीनी मि लाया गया है	21.06	उस र्में को का मिला हो या नहीं खाच निर्मि तियां जो भ्रत्यत्न विनिर्धि ष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
	या नहीं		ग्रम्पाय—-22 सूर्वेय, स्त्रिट श्रौर सिरंका
20.08	फल, पिरीफल और नौबो के झन्य खाध भाग, सन्यया निर्मित या परिरक्षित, चाहे उन्में घीणी या सन्य मंद्रा पदार्थ या स्थिपिट मित्राई गई हो या नहीं मोर जो गहीं विनिधिष्ट या सम्मिलित नहीं है	22.01	जुपय, स्त्रद कार सरका जल, जिसके क्रन्तमंत प्राकृतिक या कृतिम् खनिक कल श्रीर वातित जल भा है, जिनमें खीनी या भ्रत्य मधुरित पदार्थ नहीं मिला हुआ है ग्रीर त हो वह सुकृषित है बर्फ ग्रीर हिम
20.09	फ़तों के रम(जिसमें प्रेग्र मास्ट भी हैं) भीर वनस्पतियों के रस, जो भकिण्यत हैं भीर जिलमें स्पिरिट मिली हुई नहीं है, बाहे उनमें चीनी या भ्रम्य मधुरित प्यार्थ मिला हुआ है या नहीं	22.02	जल, जिनके अन्तर्गत खनिज जल भीर वातित जल भी है, जिनमें बीनीया अन्य मधुरित पदार्थ मिला हुआ है या वह मुरूचित है और अन्य में एस्कोह्ली सुपेय, जिसमें लीर्ष सं० 20.09 के अन्तर्गत फल और वनस्पति के रस नहीं है
	मध्याय	22.03	माल्ट सं बनी वीयर
21.91	नाफी, चाम आ मेट के सार, या क्षीर संद्र भीर इन उत्पादों के बाधार से या काफी, चाय या नेक के श्राधार से बनो निर्मितिया	22.04	ताजे अंगूद की घराब, जिसके मन्दर्गत पौष्टिक घराब भी है, गीर्ष स० 20.09 के मन्तर्गत माने वालों से भिक्त मंगूर मसत
	भूमी हुई कासमी और भूमी हुई कासनी के भ्रम्भ अनुकल्प और उनके सार, सत भीर सोड	22,05	वरमूथ मौर ताजे अंगूरों का गराव जो पौघों या सुगंधित पदार्थों से सुक्षित है ।

1)	(2)	(1)	(2)
22.06	अन्य वि:ण्वित मुपेय (उदाहरणार्थ साइडर, पैरीमाड) प्रस्तिता की दृष्टि से 80 किसी या	23.05	सूंगफलातेल के निष्कर्षण से प्राप्त खर्ला ग्रीर भन्य ठाम मवशिष्ट, चु.हे बहु पिना हुई या बहु पेक्षेट
	उससे यक्षिक का अविकृतीकृत एषिल ऐपकोहल, ए थिल ऐस्कोह ल स्रोर श्रस्य स्पिप्टिं, विकतीकृत किसी भी सोद्रता की	23.06	के रूप में है या नहीं शीर्ष संब 23.04 या 23.05 के घल्लगेंन घाने वाले से भिन्न वन- स्पति यमा या तेल के निष्कार्षण
22.08	प्रबलता की वृष्टि से 70 विश्वा या उमसे कम सांद्रता का श्रवि- कसीकृत एथिल ऐलकोहल स्पिरिट,		रं प्राप्त खला श्रीर श्रन्य ठांस श्रवणिष्ट, माहे बहु पेलेट के रूप में हो या न हों
	लिकर प्रन्य स्पिरिट्अस सुपेय;	23,07	शरा य सी; भग ल
	सुपेयों के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त	23.08	पशु-साद्य के रूप में जपयीन किए
	होने घाला योगिक एल्कोहो ला निर्मितियां		वनस्पति पदार्थ स्रोर बनस्पति भ्रमभाष्ट , बनस्पति अवशिष्ट भोर
22.09	एसं.टिक श्रम्ल से प्राप्त सिपका भौर सिपके के मण्डल्प		उपोस्पाद, जो झन्यल विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
	•	23.09	पशु-खाद्य के उनयोग को निर्मिन तियां
	घध्याय 2 3		घटवाय २ ४
बाध उद्योगी	के प्रवशिष्ट ग्रीर अवशिष्ट, निर्मित पशु-चारा	- T	् भीर विनिर्मित तम्बाक् के अनुक्य
23.01	मांस, मांस प्रविशिष्ट , मछली या कस्टेशिया, मोतस्क या ध न्य अलीय	24. 01	. श्रवितिर्मि त तस्याक्, तस्याक् का उ च्छिप्ट
	व्यष्ठवंशी का श्राटा, चूर्ण मीर डलिया, जो मानव उपनोग के श्रायोग्य हैं; निःसाष	24.02	तम्बाक्या तस्वाक् के धनुकस्य के सिगार, चुषट सिगरिक्षोम धीर सिगरेट
23,02	धान्य या फलियोंदार पौधों की छीलन, कुटाई या घन्य प्रकिया से प्राप्त चोकर, कटे हुए टुकड़े प्रीर भन्य प्रविषण्ट, चाह थे पेलेटों के रूप में है या नहीं	24.03	भ्रन्य विनिधित तस्वाक् श्रीर विनिश् भित तस्वाक् भ्रमुकस्प, "समांगीकृत" या "पुनरंचित" तस्वाक्; तस्वाक् सार भीर मत
23,03	सटार्थविनिर्माण के ग्रविकट ग्रांश		षमुभाग 5
	तत्समान प्रविभाष्ट चुक्तन्दर की		चनिज उत्पाद
	लुगदी, चीनो विनिर्माण से प्राप्त कोई ध्रार प्रन्य ध्राणिष्ट निस्वन		स्ट्याय 2 5
	सौर भासवन तलाछट तथा जप- लिट, चाह्ने वे पेसेट के का में	सस्क, गम्धक	, भिट्टी झौर परमर, प्लास्टर सामग्री, भूना स्रीर सीमेंट
23.04	हो या न हो सोयाबीन तेल के निष्कर्षण से प्राप्त अली प्रीर प्रस्य ठोस प्रव- शिष्ट चाहे यह पिसी हुई या पेलेट के क्य में है या नहीं	25.91	नमक (जिसके अध्वर्धत देखा नमक जीर विकृतीहत नमक है) भीर शुद्ध भीखिमा पर्ने राइड, जाहे अलीय बोल में हो या नहीं; समुद्री जल

(भाग —िकां ा) ————————————————————————————————————	सारत कर <i>।</i>	न्त्र णतः : संगाधारम क ्षाः ====================================	<u>31</u>
(1)	(2)	(1)	(2)
25 02 25,03	अंभजित लोहा पाइराइट सभी प्रकार का गंधक जो उर्दे- पातित गंधक, श्रमक्षेपित गंधक भीर कोलाइडी गन्ध्रक ने भिन्न है	25 13	सावां, एमरी, प्राप्तितंत पृणीबंद, प्राकृतिक गानेंट और श्रन्य प्राकृतिक श्रपचर्षक, चाह उष्मा श्रीभिकियित हो या नहीं
25,04 25,05	प्राकृतिक ग्रेकाइट सभी प्रकार की प्राकृतिक रेत, चाहे वह रंजित हो या नहीं, जो प्रध्याय 26 की धातुवाली रेत से भिन्न है।	25.14	स्पेट भाहें उनका स्थूल भप में समाकर्तन किया गया हो या नहीं ग्रथवा उन्हें ग्रारी द्वारा या ग्रन्थथा ग्रामाताकार की शक्त (जिसके श्रन्तगत वगकार भी है) मैं क्यांकों या स्लैंबों में केवल
25.06	स्फटिक (प्राकृतिक रैत से भिन्न), क्वार्टजाट, चोहे उनका स्थल क्ष्म से समाकार्तन किया गया है। या नहीं, श्रयचा उन्हें श्रारो द्वारा या श्रन्यथा श्रायत की शक्ल में जिसके श्रन्तगैत वर्गाकार भी हैं) क्रांकों में या स्लैबें (टुकड़ों) में केवल काटा गया है ।	2 5 , 18	काटा गया हो संगमधनष्ट, दृक्टाइन, एकासिन और अंत्य नैशिषयमी स्मारकीय या भवन के 2.5 या जैससे अधिक गुरुत्व के स्पष्ट विनिधिष्ट गुरुत्व के प्रत्य और ऐलावास्टर आहे उनका स्थूल रूप में समाकतन किया गया हो या नहीं अथवा उन्हें
25,07 25,08	कैंग्रोलिन और कश्रोलिन वार्ला मिट्टी चाहे वह निस्तापित हो या नहीं श्रन्य मिट्टी (जिसके श्रन्सर्गत वीर्ष		न्नारी द्वारा या श्रन्यया श्रायाताकार की शक्त में (शिसके श्रन्तर्गत वर्गाकार भी है) ब्लाकों या स्लीबों में केवल काटा गया हो
	सं० 68.06 के श्रन्तगंत श्राने वाली बिस्तारित मिट्टी है) एण्ड्रालूसाइट, कायनाइट श्रीर सिलीमनाइट वाहे यह निस्तापित हो या नहीं मलाइट, शमाट या डाइनाज मिट्टी	23,16	ग्रनाईट, पाफिरी, वेनाल्ट, बलुझा पत्थर श्रार श्रन्य स्मारकीय या भवन के पत्थर खाहे उनका स्थूल रूप ने समार्तन किया गया हो या नहीं श्रथमा उन्हे श्रारी द्वारा
25,09 25,10	चाक प्राकृतिक कैस्थियम फासफैट, प्राकृतिक		या प्रत्यया श्रायाताकार की शक्त में (जिसके ग्रन्सर्गत वर्गाकार भी है) क्ष्यकों या स्लबों में केवल काटा
	ऐल्यूमिनम्, कैल्णियम फार्स्फेट श्रीर फास्फोटिक चाघ	25,17	गया हो । उस प्रकार की गुटिका, बजरी हूटा
25,11	शीर्ष सं० 28.16 के अन्तर्गत गाने वाले वैरियम शानसाइड से भिन्न प्राकृतिक वैरियम सल्फेट (बराईटीज) प्राकृतिक वैरियम कार्बोनेट (विदेशाइट) चाहे निस्पापित हो या नहीं	2000	हुन्ना या संबलित परथर जो सामा- न्यता कंकरीट के मिलाब के लिए, मड़क पक्की करने के लिए या रेल के लिए उपयोग में लाया जाता है या अन्य मिट्टी या न्नन्य गिटियां
25.12	सिलिसियस फासिल धवलूणें (जदाहरणार्थ, कीजेलगर, द्वियोलाइट, झौर डाइटोमाइट) और 1 या उससे सम से अपेक्षित गुरुत्व की वैसी ही सिलिकाम्य सिट्टी, काहे निस्तापिल ही मां भी		समुद्री कंकड़ और फिनट काहे नाप श्रिभिक्तियन हो या नहीं धातु मल का मैंकैडन मंदूर या वैसे ही भौद्योगिक श्रिपणिष्ट काहे उनभें शार्ष के प्रथम भाग में उल्लिखित सामग्री सुमाविष्ट हो या नहीं; टार्ड

(1)	(2)	(1)	(2)
5 1 June 19 1 June 19 1	मैंके डम शीर्ष गं० 25.15 या	25, 34	एस्बेस्डास
	25.16 के अन्तर्गत आने वाले पत्थरों की कणिकाएं, शक्तलन,	25.25	श्रश्रक िममे श्रन्तर्गत विभाटन अभ्रक है; अश्रक श्राणिष्ट
	चुर्ण चाह्रे वे ताप ग्रक्षिकियित हों या सहीं ।	25.26	प्राकृतिक स्टिएटाइट, चाहे आरी द्वारा चीर कर अन्यथा आसाताकार
25. јн	डोनोमाइट चाहे वे निस्ताणित हो या नहीं स्यूल रूप से समाकर्तिन या धारी द्वारा या अन्यथा धायात कार की सकत में (जिसके		(जिसके श्रन्तर्गत वर्गाकार है) आकृति के ग्लाक या स्लैकों में समाकतित या मास काटा गया हो या न काटा हो टैस्क ।
	श्रन्तर्गत वर्गाकार भी है) ब्लाकों या स्लैबों में केवल काटा गया	25+27	प्राकृतिक कायोलाइट; प्राकृतिक कायोलाइट
	डीलोमाइट संपीड़ित डीलोमाइट (जिसके घ्रन्तर्गेत टाई डीलोमाइट 8)	25, 28	प्राकृतिक बोरेड और उसके साम्ब (निस्ताबित हों या न हों), किस्तु इतके अस्तर्गत प्राकृतिक बादन
25.19	प्राकृतिक मैग्नीणियम कार्येनिट (मैग्नेमाइट) प्यूज हुन्ना मैग्नीणिया मृत तापिस (सिटरित) मैग्नीणिया चाह्ने उसमें सिटर्न से पहले		से श्रातम किए गए बोरेड नहीं हैं प्राइन्तिक बोरिक अम्ल स्मिमें शृष्क वजन के प्राधार पर संगणित एच ₈ बीक्रो ₈ का 85 प्रतिषत श्रधिक नहीं हैं ।
	द्सरे श्राक्साइक्ट की कम मात्राएं मिलाई गई हो या नहीं, अन्य मैंग्नेशियम श्राक्साइक्ट चाहे वह शुद्ध हो या	25.29	फैस्पेपार, त्यू गाइट नेफलिन घोर नेफलिन साइनाइट फुल्फ्रोर-स्पार
25.20	नहीं जिप्समः ऐन हाइड्राइट प्लास्टर	25,30	खनिश पदार्थ, जो श्रन्थत विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
20.20	(जिसमें निस्तापित जिप्सम या कौल्सियम सल्फेट ग्रस्तींबष्ट है)		सस्याय—- 2 6
	्चाहे रंगे गए हों या नहीं और चाहे		घयल्क, धातुमल, और भस्म
	वेहबरक यामदक की श्रल्प मास्ना लगी हो या नहीं	26.01	लौह ध्रमस्त ग्रीर ाांद्र जिल्ले श्रन्तर्गन भजित लोहा पाइरा इट भी है ।
25 21	चुना पत्थर भलकल; चूना पत्थर स्रोर इस प्रकार का अन्य कैल्झियमी पत्थर जो चूना या सीमेंट के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त होता है।	26.,02	मैननी। श्रयस्य और सांब्र जिनके श्रन्तर्गत गुण्य भार के श्रनुसार संगणित 20 प्रतिशत या श्रविक माक्षा में मैगनीज सहित मैगनीजस्य
25.22	णीय 'सं० 28,25 के घन्तर्गत धाने वाले कैलिंगयम श्राक्ताइड धौर	0.7. 0.9	सीह स्रवस्य धीर संद्र है । नांबा स्रवस्त श्रीर संद
	हाडब्राक्लाइड से भिन्न जिला बुझा चुना और हाइब्राइलिक चुना ।	26.03 26.04	नावा अवस्त आर नाव निकल अयस्त और नाव कोबाल्ट अयस्त और सांद
25,23	पोर्टनैण्ड मीमेंट ऐसुमिनी सीमेंट (''सीमेंट फोंड्'') धातुमल सीमेंट,	26.06	गुरुप् मिनियम श्रथसक ग्रौर सांब
	सुपर सरफोट सीमेंट ग्रीर वैसे ही हाडग्रालिक सीमेंट चाहे वह रंगा	26.07 26.08	सीना श्रयस्क श्रीर सांद्र अता अपस्क श्रीर सांद्र
	गया हो या जिल्लारके कप में हो या नदीं	26;09 26;10	टिन श्रयस्क श्रीर सांद्र कोमियस श्रयस्क श्रीर सांद्र

(1)	(2)	(1)	(2)
26.11 26.12 26.13	टंस्स्टेन ध्रयस्त धौर गांद्र । यूरेनियम या थोरियम ध्रयस्क धौर सांद्र । मालिक्डेनम ध्रयस्क धौर सांद्र ।	27,06	कोयले लिग्नाइट या पीट से म्रासिवत टार श्रौर श्रन्य खनिज टार, चाहे निर्जलीकृत श्रथया भागतः श्रासिवत हो या न हो जिसके श्रन्तर्गत पुनर्गठित टार भी है ।
26.14 26.15 26.16 26.17	टाइटेनियम प्रयस्क ग्रौर सांद्र । नायोबियम, टैटेलय, वेनेडियम या जर्कोनियम ग्रयस्क ग्रौर सांद्र बहुमूल्य धातु अयस्क ग्रौर सांद्र । ग्रन्य ग्रयस्क ग्रौर सांद्र ।	27.07 27.08	उच्च तापमान कोलतार के ध्रासंघन के तेल ध्रीर ध्रन्य उत्पाद; बैसे ही उत्पाद जिसमें ऐरोमैटिक रचकों का भार ध्रन–ऐरोमैटिक रचकों से घ्रधिक है। कोलतार या ध्रन्य खनिज टायर
26.18 26.19	लोहे या इस्पात के विनिर्माण से वानेवार धातु मल (धातुमल रेत) लोहे या इस्पात के विनिर्माण से (वानेदार धातुमल से भिन्न धातुमल) ड्रांस स्केलिंग घौर ग्रन्य ग्रपशिष्ट ।	27.09 27.10	मे ग्रभिप्राप्त पिच श्रौर पिच कोक । पेट्रोलियम तेल ग्रौर बिटुमेनी खनिजों से ग्रभिप्राप्त तेल, कच्चा तेल । कच्चे तेल से भिन्न पेट्रोलियम तेल
26. 20 26. 21	भस्म और श्रवशिष्ट (लोहे या इस्पात के विनिर्माण से भिन्न) जिनमें धातु या धात्वि इ यौगिक हैं। श्रन्य धातुमल श्रौर भस्म, जिनके श्रन्तर्गत समुद्री शैवाल भस्म (केल्प) भी है।		तथा बिटुमनी खनिजों से प्रभि- प्राप्त तेल, ऐसी निर्मितियां जो ग्रन्यत्न विनिदिष्ट या मिम्मिलित नहीं हैं ग्रौर जिनमें पेट्रोलियम तेल या बिटुमनी खनिजों से श्रभिप्राप्त तेल भार के ग्रनुमार 7 प्रतिशत या ग्रिधि हैं, परन्तु यह तब जब ये तेल उन निर्मि- तियों के मूल रकक हों
	निज तेल घौर उसके ग्रासवन के उत्पाद, मनी पदार्थ, खनिज मोम	27. 11	पेट्रोलियम गैन और श्रन्य गैसीय हाइड्रोकार्बन
27.01 27.02	कोयला; कोयले से विनिर्मित कोयले के गोले, ऋण्डाभ और इसी प्रकार के ठोस ईंधन । लिग्नाईट, चाहे संगीड़ित हो या न	27 12	पेट्रोलियम जैली, पैराफीन मोम माइकोकिस्टली पेट्रोलियम मोस, स्त्रीक मोस, श्रोजोकेराइट, लिग्नाइट प्रोस, पीट, मोप, श्रन्य खनिज मोस मौर वैसे ही उत्पाद जो संस्लेषण या प्रत्य प्रक्रियाश्रों द्वारा श्रभिप्राप्त किए जाते हैं, चाहे रंगीन हों या न
27 03	हो, जैट को छोड़कर। पीट (जिपके ग्रन्तर्गत पीट लिटर भी है) चाहे संगीड़ित हो या न हो ।	07.10	
27.04	कोयने लिग्नाइट या पीट का को ह श्रौर श्रद्ध को ह घाहे संपीड़ित हो या न हो, रिटार्ट कार्बन ।	27 13	पेट्रोनियम कोक, पेट्रोलियम बिटुमेन और पेट्रोनियम नेलों या बिटुमनी खनिजों से ऋभिप्राप्त तेलों के अन्य धनशिष्ट ।
27.05	पेट्रोलियम गैसों धौर धन्य गैसीय हाईड्रो ार्बन से भिन्न, कोयला गैस, जलीय गैस उत्पादक गैस घो ए बसी ही गैसें ।	27 [4	प्राकृति विदुमेन धौर एम्काल्ट, बिटुमनी या तेज शेल धौर टार रेन; एस्कल्टाइट खौर एस्काल्टी बद्दार्ने
947 GI/90—5.			

(1)	(2)	(1)	(2)
27.15	प्राकृतिक एस्फास्ट, प्रकृतिः बिटुमेन,	28, 10	बोरोन के प्राक्साइड ; बोरिक श्रम्ल
	पेट्रोलियम बिटुमेन, खनिज टार या खनिज टार पिच पर श्राधारित	28.11	अन्य भ्रकार्बनिक अम्ल धौर भ्र न्य
	विटुमेनी मिश्रण (उदाहरणार्थ		श्रधातु के श्रकार्बनिक श्राक्सीजन यौगिक्ष
	बिटुमेनी मेस्टिक, क्ट- बै क)		यागिक
27.16	विद्युत ऊर्जा		हैलोजन या ग्रधातु सल्फर यौगिक
	ग्रनुभाग 6	28,12	श्रघातु के हैलाईड आंर हैलाईड आक्माईड
रसायनिक सम्बद्ध उद्योगों के उत्पाद		28,13	श्रधातु के सल्फाईड, बाणिज्यिक फास्फोरस टाइसल्फाईड
	ग्रह्माय 28	IV.	अकार्वनिक बेस और धातु के
श्रकार्यनिक रसायत, बहुमूल्य धातुप्रीं, दुर्लम मृतिका धातुमीं रेडियोएक्टिय तत्वों या श्राइसोधोरीं			आक्साईड हाईडोक्साईड और पयोक्साईड
	हार्बितिक और स्रकार्बितिक यौगिक	28,14	श्रमोमिया, निर्जलिए या जलिय घोल में
	1. एसायन तस्व	28,15	पाल प सोडियम हाईड्रोक्साईड (काल्टिक
28.01	फ्लूओरिन, क्लोरिन, क्रोमाइन ग्रौर ग्रायोडीन		सोडा) : पोटाशियम हाड्रोक्सार्डड (कास्टिक पोटाश) : सोडियम या
28.02	मल्कर उर्द्धपालित या भ्रवक्षेपित कोला-		पोटाशियम का पैरो क्साईड
	इडल सल्फर	28.16	मैंग्निशियम के हाड्रोक्साईड आर
28.03	कार्बन (कार्बन-कज्जल ग्रौर श्रन्य प्रकार का कार्बन जिसे कहीं भी		पैरोक्साईड : स्टोमटियम या बैरियम के आक्साईड, राईडोक्साईड आंर पेरोक्साइड
	विर्नि दि ध्ट या सम्मिलित नहीं किया गया है)	28.17	परायसाइड जिंह क्रा≆साइड; जिंह पैरोक्साइड
28.04	हाइड्रोजन, विरिलत गैस ग्रौर श्रन्य ग्रधातु	28.18	ए≈पुमिनियम श्राक्साइड (जिसके श्रन्तर्गेत कृत्निम कोरंडम भी हैं); एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड
28.05	क्षार या क्षारीय मृत्तिका धातुएं दुर्लेभ मृतिका धातु सैकेण्डियम ग्रौर यट्टियम, चाहे श्रन्तर्मिश्रित या श्रन्त-	28.19	कोमियम श्राव्याइड ग्रौर हाइड्रो- व्याइड
	र्मिश्रातु हैं या नहीं; पारा	28.20	मैगनीज आक्याइड
- ग्रधात् ग्र	ों के प्रकार्वनिक श्रम्ल ग्रौर शकार्वनिक	28.21	लोह् ग्रा∓माइड श्रौर हाइड्रोक्साइड,
	श्राक्सीजन योशिक		मृत्तिका रंग जिनमें एफ इ ₂ ओ ₃ के रूप में मूल्यांकित संयुक्त लोह, भार के
28.06	हाइड्रोजन क्लोराइड (हाइड्रोक्लोरिक		भ्रनुसार, 70 प्रतिशत या भ्रधिक है
	ग्रम्ल) : क्लोरोसल्फ्यूरिक भ्रम्ल	28,22	कोबाल्ट आक्साइड धौर हाइ-
28.07	सल्फ्यूरिक श्रम्ल; श्रोलियम		ड्रोक्साइड; वाणिज्यिक कोबास्ट श्रावसाइड
28.08	नाइद्रिक श्रम्ल, सल्फोनाइद्गिक श्रम्ल	28.23	टिटैनियस आक्साइड
28.09	डाइफोस्फोरस पेण्टाक्माइड, फोस-	<u></u>	
	फोरिक भ्रम्ल श्रौर पोलीफोसफोरिक ग्रम्ल	28,24	सीसा श्राक्साइड; लाल सीमा श्रौर नारंगी सीसा

(1)	(2)	(1)	(2)
28.25	हाइड्रोजाइन ग्रौर हाइड्रोन्सीलगाइन ग्रौर उनके ग्राह्यनिक लवण;	28.39	सिलिकेट ; नाणिज्यिक क्षार धातुं सिलिकेट
	श्रन्य श्रक्ताबीनिक वेस; श्रन्य धा तु श्राक्साइड, हाइड्रोक्साइड श्रीर	28.40	वंरिट ; परश्राक्सोबोरेट (परबोरेट)
	जीपताइड, हार्युगपताइड जीर पैरोक्साइड	28.41	ग्राक्सोधातु या पराक्सोधातु श्रम्लों के लवण
	V. ग्रकार्ब(नक श्रम्लों ग्रौर धातुश्रों के लवण	28.42	भ्रकार्बनिक ग्रम्ल या परभाक्सी ग्रम्स
28.26	पराक्सी लवणक्लोरा इड ; फ्लोरो- सिलिकेट, फ्लोरोएल्यूर्मिनिट्स ग्री र अन्य संमिश्रत फ्लोरिन ल व ण		के ग्रन्य लवण जिसके श्रन्तर्गत ऐजा इड नहीं है
28.27	क्लोराइड, क्लोराइड भ्रावसाइड		VI. प्रकीण
28.27	न्याराइड, प्याराइड आवसाइड; भ्रौर क्लोराइड हाइड्रोक्साइड; भ्रोमाइड श्रौर श्रोमाइड श्राक्साइड; श्रायोडाइड भ्रौर श्रायोडाइड श्राक्सा- इड	28.43	कोलाइडी बहुमूल्य घातुएं, बहुमूल्य धातुम्रों के श्रकार्बेनिक या कार्बेनिक गीगिक, चाहे उन्हें रासायनिक रूप से परिभाषित किया गया हो या नहीं; बहुमूल्य घानुम्रों के गीगिक
28,28	हाइपोक्लोराइट, वाणिज्यिक कैल्शियम हाइपोक्लोराइट, क्लोराइट, हाइपोक्रोमाइट	28.44	रेडियोऐक्टिय रासायनिक तत्व भौर रेडियोऐक्टिव श्राइसोटोप (जिसके श्रन्तर्गत विखण्डनीय या उर्वरक
28.29	क्लोरेट ग्रौर परवलोरेट, क्रोमेट ग्रौर परक्रोमेट, ग्रायोङेट ग्रौर परश्रायो- डेट		रासायनिक तत्व भ्रौर भ्राइसोटाप है) श्रौर उनके थौगिक; इन उत्पादों को भ्रताविष्ट करने वाले मिश्रण श्रौर स्रवशिष्ट
28.30	स [्] फाइड; पालीमल्फाइड	28.45	शीर्थ सं० 28.44 से भिन्न ग्राइ-
28.31	डाइथाम्रोनेट भौर स≅फोम्राक्सीलेट		सोटोन, ऐसे आइसोटोपों के श्रहार्ब- निह या कार्बनिक यौगिक, चाहे
28.32	≀ल्फाइट; योयोसल्फेट		रावायां कि स्वा मं परिभाषित हो
28.33	मल्फेट; फिटकरी, पर-ग्राक्सोल्फेंट (परमल्फेट)	10	या नहीं
28.34	नाइट्राइट, नाइट्रेट	28.46	दुर्लभ मृदा धातु के यद्रियम के, सेके- व्डियन के या इन धातुओं के मिश्रणों के श्र ार्वनिक या कार्बनिक यौगिक
28.35	फास्फिनेट (हाइपोफास्फाइट), फास्फो- नेट (फाइस्फाइट), फास्फेट घौर पोलीफास्फेट	28.17	र्ष्णाता गर्यस्याइड,चाहे यूरिया से ठोस बनाए गए हो या नहीं
29.36	कार्बोनेट; परभाक्सो हार्बोनेट (पर- कार्बोनेट); वाणिज्यिक श्रमोनियम कार्बोनेट, जिसमें श्रमोनियम कार्बोनेट	28.48	फास्काइड, चाह्र रासायनिक रूप से परिभाषित हो या नहीं जिनके श्रन्तर्गत फेरोफास्फोट नहीं है
	भी है	28.49	कारबाइड, चाहे रासायनि⊹ रूप से परिभाषिस है या नहीं
28.37	ाइनाइड, साइनाइड भ्राक्साइड भीर सम्मिश्र साइनाइड	28.50	हाइड्राइड, नाइट्राइड, एजाइड, सिनी- साइड ग्रीर बोराइड, चाहे रासाय-
28.38	फल्मिनेट, साइनेट श्रौर थायोसाइनेट		निकरूप मे परिभाषित हैं या नहीं

			
(1)	(2)	(1)	(2)
28.51	श्रन्य श्रकार्बनिक यौगिक (जिसके श्रन्तर्गत श्रासुत या चालकता जल श्रौर उसी प्रकार की शुद्धता का	ł	से परिभाषित है या नहीं) स्रीर उनके हैना जेने दिक्ता, ल्कोने दिक्क्षा, नाइट्रॉन हुन या नाइट्रोसे दिक्क्षा च्युत्नाद ।
	जल है); द्वव वायु (चाहें विरल गैंसे हटाई गई हो या नहीं), संगीड़ित वायु, सम्मिश्रण, बहुमूल्य धातुग्रों के सम्मिश्रण से भिन्न ।	29.10	तो। मागो वाले रिग सहित इपाक्साइड, इपाक्सी घलकोहल, इपाक्सी फिनोल और इपाक्सी ईथर और उनके हैलो- जेनेटिकृत, सल्फोनेटिकृत , नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटिकृत ब्युत्याद
	ब्रह्माय 29	29,11	एसीटाल और हेमीएसीटाल, चाहे प्रन्य
	कार्वनिक एसायन		भ्रावसीजन फलन सहित हो या नहीं,
29.01	अस∴इक्लि <i>ः ह।</i> इष्ट्रो कार्बन		भौर उनके हैलोजेनीकृत, सल्फोनेटिकृत-
29.02	माइक्लिक हा इड्रो कार्बन		नः इट्रोकृतं या नाइट्रोसेटीकृत व्युरनाद ।
29.03	हाइ ड्रोका र्यन के हैलोजेनेटिकत व्युत्पाव	5 एस्बिहाइअ-फस	- त मिश्र
29.04	ह(इड्डोकार्बन के सल्फोलेटिकन, नायह ट्रीकृत या नाइट्रोलेटिकृत व्युत्पाद चा वह हैलाजेनेटिकृत हों	29.12	एल्डिहाइड, चाहे ग्रन्य ग्राक्सीजन फना सहित हो या नहीं, एल्डिहाइड, पैराफोरमल्डिहाइड के चक्रीय बहुलक।
नाइड्रे (टेक्ट	त्रप्रौर उनके हैलोजनेटिकृत, सल्कोनेटिकृत, त या नाइट्रोसेटिकृत व्युत्पाद	29.13	-णीर्ष सं० 29,12 के उत्पादों के हैजोजनीकुन, सल्फोनेटीकुन, नाइट्रो- कुन या नाइट्रोसैटीकुत व्युस्पाद
29.05	एसाइक्लिक श्रस्कोहल श्रौर उनके हैलोजेनेटिकृत सल्फोनेटिकृत, नाइट्रो-	6 केटोन-फलम कि	मेश ग्रीर विवलीन-फलन मिश्र
	कृत या नाइद्रोसेटिक्कत ष्युत्थास	29.14	कीटोन ग्राँर क्विनोल, चाहे ग्रन्य- श्राक्सीजन फलन सहित हो या नहीं
29 V _J	साइक्लिक अल्कोहल और उनके हैकोजनटिकृत सल्कोकेटिकृत, नाइट्रां-		मीर उनके हैलोजनोक्कत, सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद
	क्वा या गाइट्रोनेटिकृत श्वृत्पाद	7—- कार्बिसिलिक प्रम्ल इ	गौर जनके एमहाइक्राइक, हैनाइक,
3 फिमेल्स, श्रौर नाइद्रेटिकृत	जनके हालोजनेटिकृत सल्कोनोटिकृत, व्युत्पाव		ग्रौर परआक्सी भ्रम्ल ग्रौर उनके सल्फोनेटीकृत, नाइद्रोस्टिया नाइद्रो- व
29.07	फेनील; फेनॉल-प्रस्कोहल		वं ः देशिक्तिक, मोनोक्तार्बोग्रन्त्री-
29.08	पिताल या फिनाल श्रस्कोहन के हैताजे नेटिक्वत सल्कोनेटि <i>कु</i> ं, नाइ टो ट्रोहत या नाइट्रोसेटिकुत ब्युत्यद के		लिक अन्त और उनके एनहाइड्राइड हैनाइड, परआक्साइड और परमाक्सी अन्त उनके हैलोजनोकृत , सल्फो- नेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रोसेटीकृत
परभावसा एसीटाल स	होहल, परआक्साइड, ईथर परआक्साइड, इड, तीन सबस्यीयबलय सहित इपोक्साइड, तथा हैमिसिटल और उनके हैलोजन टिक्नत इड़त नाइड्रोइत या नाइड्रोसेटिकृत ब्युत्पाद	29 16	ब्युत्भाद । असंतृप्त एसिनिशक मोर्ना काबौँ क्सीलिक भ्रम्ल, घकीय मोनोकाबौँ क्सीलिक भ्रम्ल, उनके एनहाइकुाइड
29.09	ईथर, ईथर अल्कोत्त्र, ईथरफि तल, ईथर श्रहकोहल फिताल, श्रहकोहल पर- आक्साइड, ईथर परश्राक्साइड, केटीन परश्राक्साइड (चाहे रासायनिक कर	,	नेतालक अन्ल, उनक एनहाइड्राइड हैलाइड, परम्राक्साइड भीर परम्राक्सो घम्ल; उनके हैलोजैनीकृत, सल्फो नेटीकृत, नाइट्रोकृत भीर नाइट्र सेटीकृत व्युत्पाद ।

(1)	(2)	(1)	(2)
9.17	पालीकार्बोक्सीलिक श्रम्ल, उनके	29.29	भ्रन्य नाइट्रोजन फलन सहित यौँगिक
	एनह(इड्राइड, हैल(इड, परश्रावसाइड	10. कार्ब-अकार	र्वनिक यौगिक, विश्वमचकीय यौगिक, स्यूचितक
	भीर परधाक्सी भ्रम्ल, उनके हैलोजेनी	अस्ल और उनके लग्नण तथा सफोनोमाइड	
	कृत, सल्फोनेटोकृत, नाष्ट्रीकृत या नाष-	, , ,	
	द्रोसेटी इत्त व्यूत्पाद ।	29.30	कार्क-गंधक यौगिक
	एसिक्लिक पाली कार्बोक्सीलिक अस्ल, उसके पालकारणाल केरणाल पाल		
	उनके एन हाइड्राइ ड, हैलाइड पर- ग्राक्साइड, परश्राक्सी ध म्ल श्रीर	29.31	श्रन्य कार्ब -ग्र कार्बनिक यौगिक
	जनके व्युत्पाद ।	29.32	केवल ग्राक्सीजन विषम- <mark>ग्रणु (ग्रणुग्र</mark> ी)
22.12	•		सहित वि षमचक्रीय यौगिक ।
29.18	भ्रतिरिक्त भाक्सीजन फलन सहित कार्बोक्सिलिक भ्रम्ल भीर उनके एन	29.33	केवल नाइट्रोजन विषय-ग्रणु (ग्रणुगों)
	काषावसायक अन्य आर उनके एव हा द्वादड, है लाइड, परधावसा द ड श्रीर	29.33	सहित विश्वमचक्रीय यौगिक स्युक्तिक
	परभ्राक्सी भ्रम्ल, उनके हैलोजेनीकृत		ध्रम्ल ध्रीर उनके लक्षण
	सल्फोनेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइ-		
	द्रोसेटीकृत व्युत्पाद ।	29.34	भ्रन्य विषमचकीय यौगिक
8. ग्रकार्यनिक ग्र	म्सों के एस्टर ग्रीर उनके सवण ग्रीर	29.35	सल्फ ोनोमा इड
	त, सल्फेसेटीकृत, नाइट्रोकृत या नाइट्रो-		
	व्युत्पाव ।	11. प्रोबिट	मिन, विटामिन ग्रौर हार्मौन
29,19	फास्फोरिक एस्टरं ग्रीर उनके लवण,		
	जिनके भन्तर्गत लक्टोफासफेट है, उनके	29.36	प्रं।विट।मिन ग्रीर विटामिन, प्राकृतिक
	हैलो ने नीकुन, सल्फोने टीकुन, नाइट्रोकुत		या संस्लेषण द्वारा पुनरुत्पादित (जिनके
	या नाइट्रोसेटोक्कृत व्युत्पाद ।		भ्रन्तर्गृत प्राकृतिक सांब हैं) उनकी
29.20	भ्रत्य भनार्वनिक भ्रम्लों के एस्टर		ब्युत्वत्तियां जी विद्यामिन के रूप में
	(जिनके भन्तर्गत हाइड्रोजन हैलाइड		मुख्यतया उपयोग में लाई जाती हैं श्रीर
	के एस्टर नहीं हैं) ग्रीर उनके लवण;		पूर्वगामी के ग्रंतर मिश्रण, चाहे वे किसी विकायक में हो या नहीं ।
	उनके हैलाजेनीकृत, सस्फोनेटीकृत,		विक्षायक में हो या नहीं।
	नाइट्रोकुत या नाइट्रोसेटीकृत व्युत्पाद।	29.37	हार्मीन, प्राकृतिक या संश्लेषण द्वारा
9. न	इंद्रोजन-फसन मिश्र		पुनषत्यादितः; उनको व्युत्यसियां जी
29.21	एमोन फलन मिश्र		मुख्यतया हार्मीन के रूप में उपयंग में
29.22	भ्राक्सीकान फलन एमीनी मिश्र		लाई जातो हैं, प्रन्य स्टेरायष्ठ जो मुख्य-
			त्या विटामिन के रूप में उपयंग में
	चतुष्क श्रमोतियम लवण और हाइडा-		_
29.23	चतुष्क श्रमोतियम लवण श्रौर हाइड्रा- क्साइड: लेसिथिन श्रौर श्रन्य फास्फो-		लाए जाते हैं।
			लाए जाते हैं।
29.23	क्साइडः लेसिथिन ग्रीर भ्रन्य फास्फो- एमीनोलिसिड	•	लाए जाते हैं। अरेर बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक
	क्माइड; लेसिथिन ग्रीर ग्रन्य फास्फी-	या संश्लेषण	लाए जाते हैं। इंग्रेंट बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक इंग्रेंट पुनदस्पादित और उनके लवण, ईंगर,
29.23	क्माइड: लेसिथिन ग्रीर ग्रन्य फारफो- एमीनोलिसिड फार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बो- निक ग्रम्ल के एमाइड फलन सिश्र	या संश्लेषण	लाए जाते हैं। अरेर बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक
29.23	क्साइड: लेसिथिन ग्रीर श्रन्य फारफी- एमीनोलिसिड कार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बी-	या संश्लेषण	लाए जाते हैं। इंग्रेंट बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक इंग्रेंट पुनदस्पादित और उनके लवण, ईंगर,
29.23	क्माइडः लेसिथिन ग्रीर अन्य फारफी- एमीनोलिसिड कार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बी- निक ग्रम्लं के एमाइड फलन सिश्र कार्बोक्सीमाइड-फलन यौगिक (जिसके	या संक्लेषण एस्टर ग्रौर	लाए जाते हैं। प्रांर बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक दारा पुनदस्पादित भौर उनके लवण, ईंथर, प्रत्य ब्युस्पतियां। ग्लाइकोसाइड, प्राकृतिक या संस्लेषण द्वारा पुनस्त्पादित भौर उनके लवण,
29.23	क्साइडः लेसिथिन ग्रीर ग्रन्य फास्फी- एमीनोलिसिड फार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बी- निक ग्रम्ल के एमाइड फलन सिश्र कार्बोक्सीमाइड-फलन यौगिक (जिसके ग्रन्तर्गत सैक्टीन ग्रीट इनके लवण	या संक्लेषण एस्टर ग्रौर	लाए जाते हैं। प्रारे बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक दारा पुनरस्पादित और उनके लवण, ईंबर, प्रत्य ब्युस्पतिया। ग्लाइकोसाइड, प्राकृतिक या संश्लेषण
29.24 29.25	क्साइड: लेसिथिन ग्रीर ग्रन्य फास्फी- एमीनोलिसिड फार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बो- निक ग्रम्ल के एमाइड फलन सिश्र कार्बोक्सीमाइड-फलन यौगिक (जिसके ग्रन्तर्गत सैक्टीन ग्रीट इनके लवण है) तथा इमीन-फलन यौगिक नाइट्राइल-फलन यौगिक	या संश्लेषण एस्टर घौर । 29.38	लाए जाते हैं। प्रमेर धनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक दारा पुनदस्पादित और उनके लवण, ईंथर, प्रन्य ब्युख्यस्यि। ग्लाइकोसाइड, प्राकृतिक या संग्लेषण दारा पुनस्त्यादित भौर उनके लवण, ईथर, ऐस्टर ग्रीर ग्रन्य ब्युस्पित्यां।
29.23 29.24 29.25	कमाइडः, लेसिथिन ग्रीर ग्रन्य फास्फी- एमीनोलिसिड फार्बोक्सीएमाइड-फलन मिश्र, कार्बो- निक ग्रम्ल के एमाइड फलन सिश्र कार्बोक्सीमाइड-फलन यौगिक (जिसके ग्रन्तगंत सैक्टीन ग्रीट इनके लवण है) तथा इमीन-फलन यौगिक	या संक्लेषण एस्टर ग्रौर	लाए जाते हैं। प्रांर बनस्पति एलकेलाइड, प्राकृतिक दारा पुनदस्पादित भौर उनके लवण, ईंथर, प्रत्य ब्युस्पतियां। ग्लाइकोसाइड, प्राकृतिक या संस्लेषण द्वारा पुनस्त्पादित भौर उनके लवण,

1	2	1	2
29.40	13 अन्य कार्बिमक यौषिक चीमी, रासायनिक रूप से णुद्ध जो सक्तोम, लेक्टोज, माल्टोज, म्लुकोज, श्रौर फक्टोज से भिन्न है; चीनी ईथर श्रौर चीनी ऐस्टर ग्रौर उनके लवण जो शीर्ष सं० 29.37, 29.38 या 29.39 के श्रन्तर्गत श्राने वाले		ग्राने वाले माल नहीं हैं) जिसमें चिकित्सीय या रोगिनरोधी उपयोग के लिए मिश्रित या ग्रिमिश्रित उत्पाद हैं जो मापित मानाग्रों में या रूपों में या पैकिंग या पैकिंग में फुटकर विकय के लिए रखें गए हैं,
00.41	उत्पादों से भिन्न हैं। एंटिबायोटिन्सः	30 . 05	तल्थी, गेज, पटिट्यां और वैसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ मरहम पट्टियां,
29.41 29.42	ए।टबायााटपसः स्रन्य कार्बनिक यौगिक		भ्रासंजक प्लास्टर पुल्टिस) जो भेषजिक पदार्थी से संसेचित या
	भ्रध्याय—- ३० भेषजीय उत्पाद		विलेपित हों या जो चिकिस्सीय शल्य दंत या पशु-चिकित्सा के प्रयोजनों के लिए फुटकर विक्रय
30.01	चिकित्सीय उपयोगों के लिए शुब्बित ग्रंथियां भौर श्रन्य श्रंग, चाहे चूर्णित		के लिए रूपों में या पैक्तिंग में रखे गए हों।
	हों या नहीं; कार्ब चिकित्सीय उपयोगों के लिए ग्रंथियों या भ्रन्य भ्रंगों या उनके स्नाय के सार; हैपौरिन भ्रौर उसके लवण; चिकित्सीय या	30 06	इस म्रध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट भेषजिक माल। म्रध्याय—-31
	रोगनिरोध उपयोगों के लिए तैयार किए गए ग्रन्य मानक या प्राणि- पदार्थ जो ग्रन्यत्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।	31.01	उर्थरक प्राणी या वनस्पति उर्वरक, (चाहे एक दूसरे के साथ मिश्रित या
30.02	चिकित्सीय, रोगिनरोधी या नैदानिक उपयोगों के लिए तैयार किया गया मानव रक्त, प्राणिरक्त; ऐन्टि- सीराऔर भ्रन्य रक्त भ्रंण; बैक्सीन		रामायनिक रूप से श्रिभिक्रियित हों या नहीं) प्राणी या वनस्पति उत्पाद को मिश्रित करके या रासायनिक श्रभिक्रमण द्वारा उत्पादित उर्वरक।
	जीव विष, सूक्ष्मजीव (थीस्ट को छोड़कर) के संवर्धन धौर वैसे ही उत्पाद।	31.02	खनिज या रासायनिक उर्वरक, नाइट्रोजनी।
30.03	भेषज (जिस में शीर्ष सं॰ 30.02, 30.05 या 30.06 के अन्तर्गत ग्राने वाले माल नहीं हैं) जिसमें दो	31.03 31.04	खनिज या रासायनिक उर्दरक फास्फेटी खनिज या रासायनिक उर्वरक पोटैशियमी ।
30.04	या अधिक ऐसे संघटक हैं जो विकित्सीय या रोगिनरोधी उपयोगों के लिए एक दूसरे के साथ मिश्रित किए गए हैं किन्तु जो मापित न'दाओं में या खाँ में पा पैकिंग में पुटकर विक्रय के लिए नहीं रखें गये हैं।	31.05	खनिज या रासायनिक उर्वरक जिनमें उर्वरक तत्वों, श्रर्थात नाइट्रोजन, फास्फोरन श्रीर पोटेशियम में से बो या तीन उर्वरक तत्व श्रंतिबष्ट हों; श्रन्य उर्वरक; इस श्रध्याय के श्रन्तर्गत श्राने वाले माल टिकियों में या वैसे ही रूपों में या पैकेजों में जिनका कुल भार 10 कि० ग्रा० से श्रिधक न हो।

1	2	1	2
·	म्रध्साय—- 3 <i>2</i>	32,07	निर्मित वणक, निर्मित शामक श्रौर
			निर्मित रंग, काचनीय इनेमल ग्रौर
	जन सार, टेनिनस श्रीर उनकी व्युस्पत्तियां,		ग्लेज, एनगोब (स्लिप), द्रव चयक
	, ग्रान्य रंगकारी बच्य; पेंट ग्रीर वानिश,		ग्रौर वैसी ही निर्मितियां जो इस
	श्रौर श्रन्य में स्टिक; स्याहियां		प्रकार की हैंजो चीनी मिट्टी,
32.01	वनस्पति उद्भव के चर्मगोधन सार;		इनैमल या कांच के कारखाने में
	टैनिन ग्रीर उनके लवण, ईथर,		उपयोग में लाई जाती हैं, कां च
	ऐस्टर ग्रौर ग्रन्थ व्युत्पत्तियां।		के फिट श्रीर चूण, कणिकाश्री या
32.02	संक्लिष्ट कार्बनिक चर्मशोधन पदार्थ;		पत्नकों के रूप में श्रन्य कांचा।
	श्रकार्बनिक चर्मशोधन पदार्थ;	32.08	पेन्ट ग्रौर वानिश (जिनके श्रन्तर्गत
	टैनिन निर्मित्तियां चाहे उनमें प्राकृतिक		इनेमल और प्रलाक्ष हैं) जो संश्लिष्ट
	टैनिन पदार्थ हों या नहीं; चर्म		बहुलक या रासायनिक रूप में
	शोधनपूर्व की एजाइ <u>सी</u> निर्मितिया।		ख्यान्तरित प्राकृतिक बहुल क पर
32.03	वनस्पति या प्राणी उद्भव के रंग-		श्राधारित हैं स्रीर जो निर्जल
	कारी द्रव्य (जिसके भ्रन्तर्गत वर्णक		माध्यम में परिक्षिप्त या धुले हुए
	रंजन सार हैं किन्तु प्राणी कज्जल		हों, विजयन (घोल) जो इस
	चारकोल नहीं है) चाहे थे रासा-		ग्रध्याय के टिप्पण 4 में परि-
	यनिक रूप से परिभाषित हीं या		भाषित हैं।
	नहीं, इस स्रघ्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट वनस्पति या प्राणी उदभव	32.09	पंत्र क्यार वार्तिश (जिनके अन्तगत
	विनादण्ड वनस्पात या प्राणा उदमव के रंगकारी द्रव्य पर श्राधारित	32.05	इनेमल श्रीर प्रलाक्ष हैं) जो संक्लिब्ट
	क रोकारा द्रव्य पर आवास्स निर्मितियां।		बहुलक ग्रीर राभायनिक रूप में
			म्पोतरिक प्राकृतिक बहुलक पर
32,04	संक्ष्लिप्ट कार्बनिक रगवारी द्रव्य,		स्राधारित हैं और जो जलीय माध्यम
	चाहे वे रामायनिक रूप से परिभाषित		में परिक्षिप्त या धूले हुए हैं।
	हों या नहीं; इस भ्रध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट संक्लिप्ट कार्वनिक	- 0 - 4 0	
	उ. स. विनिद्धः सम्बद्धः कावानक रंगकारी द्रव्यों पर श्राधारित निर्मितियां	32,10	श्रन्य पेन्ट और वार्तिश (जिनके श्रन्तर्गत
	रंगकारा द्रव्या पर आद्यार्ग्य निर्माणया इस प्रकार के संक्षिलब्ट कार्वनिक		इनेमल, प्रलाक्ष श्रीर डिस्टैम्पर हैं); इस प्रकार के निर्मित जल वर्णक जो
	इस अगर के त्रावराव्य उत्पाद जो प्रतिदीप्त प्रभासक या		चमड़े ं परिसज्जन के लिए उपयोग
	संदीपक के रूप में उपयोग में लाए		किए जाते हैं।
	जाते हैं।		•
39 05	णाल रु.र वर्णलाक्ष्यः, इस ग्रध्याय के टिप्प ण	32.11	निर्मित शोषक
32.05	वर्णलाब्द, इस अध्याय के दिल्ला 3 में विनिर्दिष्ट वर्णलाक्षक पर	32.12	द्रव्य या पेस्ट के रूप में, निर्जल माध्यम
	ग्राधारित निर्मातयाः ।		में परिक्षिपत वर्णक (जिसके श्रन्तर्गत
32.06	ग्रन्य रंगकारी द्रव्य; इस ग्रध्याय		धात्विक चूर्ण और पत्नक हैं) जो इस
32.00	के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट ऐसी		प्रकार के हैं जो पेंट (जिस के अप्सर्गत
	निर्मितियां जो शीर्ष सं० 32.03,		इनेमल हैं) के विनिर्माण में उपयोग में
	शीर्ष सं० 32,04 या शीर्ष सं०		लाए जाते हैं, स्टाम्प पणिकाएं; रंजन
	32.05 के श्रन्तर्गत श्राने वाली		श्रीर श्रन्थ रंजन द्रव्य जो रूपों में या
	निर्मितियों से भिन्न है; इस प्रकार		पैकिंग में फुटकर विअय के लिए रखें
	के श्रकार्वनिक उत्पाद जो संदीपक		जाते हैं।
	ंड रूप में उपयोग में लाग जाने	32,13	कलाक(रों, छात्रों या साइनत्रोई
	हैं, चाहे वे राशायनित रूप में		र्षेंडरों 🦮 रंग, रूपतरकारी श्राभा,
	परिभाषित हों या नहीं।		श्रामोद 🖟 रंग श्रीर वैसे ही पदार्थ

1	2	1	2
32.14	जो गोलियों, टम्बों, जारों, बोतलों, पैनों में या बैसे ही रूपों में या पैकियों में हों ग्लेजियर पृट्टी, रोपण पृट्टी, रेजिन सीमेंट, संविरोधी यौगिक श्रौर श्रन्य	33.05 33.06	केशों पर उपयोग के लिए निर्मितिया। मुखीय श्रीर दंत की स्वच्छता के लिए निर्मितियां, जिन हे श्रन्तगत कृतिम दंतावली स्थाबीकारक पेस्ट श्रीर चूण हैं।
32.15	मैस्टिक, पेंटर्स फिलिंग्य, भवनमुखों, श्रंत दीवारों, फशों, छतों या वैसी ही वस्तु श्चों के लिए गैर-उच्जतापसह पृष्टलेपन निमितियां। मुद्रण वाली स्वाही, लिखने वाली	33.07	शेव पर्व शोविंग या शेव-पश्वात् की निर्मितियां, शरीर निगन्धक स्नान निर्मितियां, बाल सफा झौर झन्य सुगंधित सामग्री, प्रनाधन सामग्री या प्रनाधन विनिर्मितियां, जो भन्यक्ष
32.13	स्याही या रेखाचित्र वाली स्याही श्रौर श्रन्य स्याहियां, चाहे सांद्रित या ठोस हों या नहीं।		विनिर्दिष्ट श्रीर सम्मिलित नहीं हु; निर्मित कक्ष गंधहारक, चाहे वे सुगंधित हों या नहीं या विसंकामक गुणों वाले हों या नहीं।
	मध्याय— ३३		- 10 700
	बाध्यशील तेल ग्रौर रेजिनायड, सुगन्धित सामग्री,		श्रष्टवाथ—— ३४
	ष्ट्रमाधन सामग्री या प्रसाधन निर्मितियां		त-पृष्ठ-सिक्तय कर्मठ, धोने की निर्मितियां,
33,01	याष्पगील तेल (जो टर्पिनरहित हो या नहीं) जिस <i>६ भ्र</i> न्तर्गत कंकीट श्रीर एन्सोल्यूट हैं; रेजिनाय ड ; चर्जी	निचवण निर्मितिय	; कृत्रिम मीन, निर्मित मीम, पालिश या i, मोमबल्तियां घौर वैसी ही वस्तुएं, प्रतिकषण हौरप्लास्टरके क्राधार सहित वंत निर्मितियां
33.02	में, श्रवाष्पशील तेल में श्रीर इसी प्रकार की श्रन्य वस्तुओं में बाष्प- शील तेल के सांद्र जो एनफ्ल्रेंस या द्रव संसर्वन से श्रभिप्राप्त किया जाता है; वाष्पशील तेलों का डिटपिनेशन के उत्पादों का टर्पिनिक; वाष्पशील तेल के जलीय श्रामुत श्रीर जलीय घोल! गंधयुक्त पदार्थी का मिश्रण श्रीर इस पदार्थी में से किसी एक या	34.01	साबुन, साबुन के रूप में उपयोग कें लिए कार्बेनिक-पृष्ठ-तिक्रय उत्पाद श्रीर निर्मितियां, जो डंडों, टिकियों, सांचे में ढले टुकड़ों या श्राकारों के रूप में हों, चाहे उनमें साबुन हो या नहीं; कागज, तलपी, नमदा श्रीर श्रव्युतित सामग्री जो साबुन या श्रपमार्जक से संसिक्त, विलेपित या श्रावेष्टित हों।
33 n3	श्रधिक के श्राधार सहित मिश्रण (जिसके श्रन्तर्गत एल्कोहाली घोल है) जो उद्योग में कच्चे माल के कद में उपयोग में लाए जाते हैं। सुगधित सामग्री श्रौर प्रपाधन जल	34.02	काबनिक पृष्ठ-सिक्रय कर्मक (साबुन) भिन्न); पृष्ठ-सिक्रय निर्मितियां, धीने की निर्मितियां (जिनके झन्तर्गत सहायक धीने की निर्मितयां ह) और साफ करने की निर्मितियां, चाहे उनमें साबुन हों या नहीं जो शीर्ष सं० 34.01 से भिन्न हीं।
33.0+	सींदय या रूप सज्जा की निर्मितियां श्रोर त्वचा की परिचर्या के लिए निर्मितियां (श्रोषध द्वस्यों से भिन्न) जिनके श्रन्तगैत सनस्कीम या धूप रंग निर्मितियां, नव प्रता- धन या पादप्रताधन की निर्मितियां है।	34.03	स्नेहक निर्मितियां (जिनके अन्तर्गत स्नेहकों पर आधारित कतन, तेल विनिर्मितियां, बोल्ट या नट मोचन निर्मितियां, जंग रोधी या संकारण प्रतिरोधो निर्मितियां और सांबा मोजा निर्मितियां है, और ऐसी

1	2	1	2
	निर्मितियाँ जो टैक्वटाङ्क सामग्री		अध्याय35
	त्सक, हरदार भर्मे या धरण		एटबमनाइडल पवार्थ
	सामग्रियों के लेख या ग्रीज श्रीभ-	*01	न्तरित स्टार्च, सरेस, एस्जाइम
	क्रयण क लिए उपयोग में लाई		
	जाती है, <mark>किन्तु इ</mark> सके अ न्तर्गत वे निर्मितियां नहीं हैं जिनमें	35,01	केसीन, केसीनेट ग्रोर ग्रन्य केसीन त्युत्पनियां, केसीन सरेस ।
	भार के क्रा धार पर 70 प्रति ग त या क्र <u>ाधिक पेट्रोलियम</u> तेल या	35,02	ए ल्वू भिन, ऐल्बूभिनेट ग्र ौर श्रन्य ऐल्बूभिन त्युत्पक्तियां ।
	त्रिटुमनी खनिजों से प्राप्त तेल ग्रा धारित रत्रकों के रूप में समा∙	35.03	जिलेटिन (जिसके अन्तर्गत आयताकार
	विष्ट है।		जिलेटिन भी हैं) शीटें, चाहे यह पृष्ठ कर्मित या रंगीन हों या नहीं
	जिनमें पेट्रोलियम तेल या विट्मती खनिजों से प्राप्त तेल समाविष्ट हैं।		ग्रीर जिलेटिन व्यत्पत्तियां; श्राइजि- ग्लाम; प्राणी ने उत्पन्न ग्रन्य सरेम, जिसके अन्तर्गत शीर्ष स० 35.01
34 04	कृत्निम मोम श्रौर निर्मित मोम।		के अन्तर्गत आने वाले के मीन स रेस नहीं हैं।
34 05	जुतों, फर्नीचर, कोचबर्क, कांच या धातु के लिए पालिश ग्रौर कीम; निर्वर्षण पेस्ट ग्रौर चूर्ण ग्रौर बैसी ही निर्मितियां (चाटे वे कागज, तलपी, नमदा, श्रट्यूतित सामग्री मेलूलर प्लास्टिक या सेलूलर स्वड़	35 04	पेपटोंस स्रौर उनकी व्युत्पत्तियां, स्रभ्य प्रोटीन पदार्थ स्रौर उनकी व्युत्पत्तिया जो श्रन्यत्न विनिद्दिट या सम्मिलित नहीं हैं; श्वाल चूर्ण चाहे क्रोम हो या नहीं।
	के रूप में हों या नहीं, जो ऐसी विनिर्मितियों से संसिक्त, विलेपित या द्यावेष्टित हों) जिनके अन्तर्गत शीर्ष सं० 34.04 के अन्तर्गत शाने वाले मोम नहीं हैं।	3 5 05	द्वेकस्ट्रीन श्रौर श्रन्य रूपाग्तरित स्टार्च (उदाहरणार्थ पूर्व जिलेटिनित या एस्टरफाइड स्टार्च); स्टार्च पर, या डेक्स्ट्रीन; पर, या श्रन्य रूपान्तरित स्टार्च पर श्राधारित सरेम।
34.06	सोसबत्ती, टेपर ग्रीर वैसी ही बस्तुएं।	35.06	निर्मित ारेस, श्रस्य निर्मित श्रासंजक, जो श्रन्थत्र विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है, ऐसे उत्पाद जो सरेस या
34.07	प्रतिरूपण पेस्ट, इनके ग्रन्तगंत ऐसे पेस्ट हैं जो बच्चों के ग्रामोद-प्रमोद के लिए रखे गए हैं ग्रीर ऐसी निर्मितियां जो "दंतमोम" या "दंत छाप यीगिक" कहलाती हैं; जो फुटकर विकय के लिए सैट में,		आसंजह के रूप में उपयोग के लिए उत्पृक्त है, जो सरेस या आसंजह के रूप में फुटकर विकय के लिए रखे गए हैं, जिनका स्छा भार 1 किए ग्रा॰ ने ग्राप्रिक नहीं हैं।
	र्विकर्ता में प्लेदत में घोड़े के नाल के श्राकार में, छड़ों या वैसे ही रूप में रखे गए हैं; (निब्तापित	35.07	एन्त्राइन, निर्मित एन्जाइम जो श्रन्यत्र वितिष्टिः या सम्मिलित नहीं हैं। श्रध्याय36
	जिष्डम या कैलिसयम सल्फेट के) 'लास्टर के श्राधार सहित देत विकित्सा के उपयोग के लिए श्रन्य		तिशवाजी उत्पाद; वियासलाई; ोल निवस्तुरा, कुछ बाह्य निर्मितियां
	निर्मितियां ।	36.01	नोदक चर्ग।

1	2	1	2
36.02	निर्मित विस्कोटक, नोडक चूर्ण से बिस्न।		सरेश, श्रासंजक श्रौर उसी प्रकार की विनिर्मितियों से भिन्न) फोटो-
36,03	सुरक्षाः, पंयुज, श्रक्षिम्फोटक पृयुज , धाधात या ग्रक्षिस्फोटक टोपी, प्रज्वालक, विद्युत ग्रक्षिस्कोटक।		चित्र के उपयोग के लिए समिश्रित उत्पाद, जिन्हें माप किए प्रभागों में रखा गया है या उपयोग किए
36.04	ग्रातिसम्राजी, संकेत श्वाला, वर्षा राकेट, छुहरा सकेत श्वौर ग्रन्थ श्रातिसम्बाजी की वस्तुए।		जाने के लिए तैयार रूप में रखा गया है।
36.05	दियासलाई, भीर्य सं० 36.04 के ग्रन्तर्गत ग्राने वाली ग्रातिश वाजी की		श्रध्याय 3.8 प्रकीर्ण रसायनिक उत्पाद
	अन्तन्त भान वाला भारतशबाजा का वस्तुओं से भिन्न।	38.01	फ़ुलिम ग्रेकाइट, कोलाइड या प्रर्ध ∼
36 .06	फेरोनिरिफ पौर राजी शकार की भ्राय रुवतः अवलनशील भिश्रधातुर्, इस स्रध्याय के टिपण 2 में यथा- विनिमित दाक्षा सामग्री की वस्तुर्ए।		कोलादकाल ग्रेफाइट; ग्रेफाइट भ्रन्य कार्यन के स्नाधार पर पेस्टों, ब्लाकों, प्लेटों के रूप में निर्मितियां या स्नन्य मिनिर्मीण।
	ब्रह्माय 3 7	38.02	सक्रियित कार्बन; सक्रियित प्राफृतिक खनिज उत्पाद; प्राणी काजल, जिनके
	फोटो खिल, पा चलचित्र वस्तुएं		श्रन्तर्गत मुक्तकोष प्राणी काजल भी
37.01	कागज, पेपर बोर्ड, टेक्सटाइल मे		है ।
	भिन्न किसी सन्मग्री की फोटोचित्र 'लेटें घौर चपटी सुग्राहीकृत, ग्रन्-	38.03	टाल तेल, चाहे परिष्∌त हो या न हो।
	्रद्रभाषित, फिल्मों, चपटी सुग्राहीकृत श्रनृदभाषित तुरन्ती प्रिन्ट फिल्म चाहे पैक में हो या नहीं।	38.04	लकड़ी की लुगदी के विनिर्माण से प्राप्त भवशिष्ट लाद चाहे वह मौद्रित विशकैरित या रासायनिक
37.02	कागज,पेपर बोर्ड , या टैक्सटाइल से भिन्न किसी सामग्री की रील की हुई सुष्ठातिज्ञत, श्रनुक्काणित फोटो किस पिरस, तुरस्ती क्रिस्ट फिस्म।		रूप से भ्रभिकियामित हो या नहीं, जिसके श्रन्तर्गत लिग्निस सल्फोनेट हैं, किन्तु जिसके भ्रन्तर्गत शीर्ष सं० 38 03 के टाल तेल नहीं
37.03	फोटोच्छि कागल, पेपरबोड श्रीर टैक्सटाइल, सुद्राहीकृत, श्रमुद्भाषित ।	38.05	हैं। शंक्षारी काष्ट <i>ः</i> आसवन या
37.04	उप्भापित किस्तु डेबेलप त की गई फोटोचिय 'लेटे, फिल्म वःगज ध्यौर टेबसटाइल ।		ग्रत्य सिकान से उत्पादित गोंद, या सहकेट तारपीन ग्रीर ग्रन्य तारपीन तेल; कच्या क्विपेन्टीन;
37.05	उद्भाषित धौर डेबेलप की गई फोटोस्थिय प्लेटें धौर फिल्म, चल- स्थि फिल्म से भिन्न ।		सल्फेट भार ीन और ध्रन्य कन्य पैराताइमीन; पाइप तेल जिसमें एरुफा-टेरपेनिया ल मुक्य रचक के रूप में हैं।
37.06	जदभाषित और डेबेलप की गई धलचिस फिल्म जिनमें ध्विन पट्टी हो या न हो, या जिनमें केवल इधिन पट्टी हो।	38.06	रोजिन और रेजिन भ्रम्ल और उनके ब्यूत्पार, रोजिन स्मिट श्रौर रेजिन तेल, रम गोंद ।
37.07	फोटोचित्र के उपयोग के लिए रासायनिक विनिमितियां (वानिश,	38.07	क्षयङ्ग टार, लकड़ी टार तेल; लकर्ट क्रियाजीट; लकड़ी नेपया

1	2	1	_ 2
38.08	वनस्पति पिच; निजवक पिच ग्रीर ऐसी ही विनिर्मितियां जो रोजिन रेजिन ग्रम्ल या ननस्पति पिच पर श्राधारित हैं। कीटनाशी, कृतंकनाशी, व बकनाशी, शाकनाशी, ग्रंकुरनाशी उत्पाद ग्रीर	38.12	निर्मित रखरात्पुरक या प्लास्टिक ें लिए योगिक प्लास्टिक जो अग्यत्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है; रवर या प्लास्टिक के लिए प्रतिभ्राक्सीकरण निर्मितियां भ्रौर अन्य यौगिक स्थायीकारक।
	पायत वृद्धि नियामक, बिसंकामक छौर ऐसे ही उत्पाद जो फ़ुटकर विकय के लिए स्पों में या पैकियों में या निर्मितियों में या वस्तुओं के रूपों में (उदाहरणार्थ	38 ,13	श्चरितशामकों के लिए निर्मितियां श्रौर यार्ज, चाज किए गए श्र रिनशामक; बेनेड ।
C8.G9	गल्फर से स्निकियित पहियां गितियां स्नोर सोमबत्तियां स्नौर सक्वी- भार कागण) रखे गए हों। परिसक्जा कर्मक, रंगाई या रजक	38.14	कार्बनिक संयुक्त विलायक ग्रीर पतला करने वाले; जो ग्रन्य त त्रिनिर्विष्ट या सम्मिलित नही है; निर्मित पेंट या वानिशों के मिटाने
	पदार्थी और अन्य उत्पादों तथा निर्मितियों के स्थिरीकरण को स्थ- स्ति करने हे लिए रोगाई कैरियर (उदाहरणार्थ प्रभावन और रंग-	38.15	वाले । ग्रभिकिया प्रारंभक, ग्रभिकिया त्वरक श्रौर उत्प्रेरक निमितियां, जो भ्रन्यत्न विनिदिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं ।
	वबक) जो बस्त्र, कागज, चमड़े या वैसे ही उद्योगों में उत्योग में लाए जाते हैं; जो श्रन्य विनि- विष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।	38.16	मीर्प सं० 38.01 के उत्पादों से भिन्न, उच्चताप सह सीमेंट, चूना- लेप, कंकीट ग्रीर वैसे ही संबटक।
38.10	धातु पृष्ठ के लिए पिकिसिंग निमितियां; सोल्डर करने, पक्का ठांका लगाने या बैल्ड करने के लिए फलस्क और अन्य आनुषंगी	38,17	मिश्रित क्षारीय बेन्जीन घौर मिश्रित क्षारीय नेपथेलीन उनसे भिष्म जो शीर्ष सं० 27.07 या 29.02 के यन्तर्गत घ्राते हैं।
	निर्मितिया; धातु श्रीर अन्य साम- श्रियों से मितकर बी, सोल्डर करने, पक्का टोका लगाने या बेल्ड करने के लिए चूर्ग श्रीर पेस्ट; कान्नड या राड को बैल्ड करने के लिए उपयोग में लाए ताने	38.18	ासायनिक तत्व, जो डिस्क, बैंफर या वैसे ही रूपों में; इसैक्ट्रानिकी में उपयोग के लिए माढ़ित हैं; इसै- त्रानिकी में उपयोग के लिए रासा- योनिक योगिक जो माढ़ित हों।
	संशे प्रकार की कोडेसा, ∂ापन शिशि तम ो≀	38.19	हाइड्रोलिक संवारण के लिए ह इड्रो- लिक बेक तरल आर अन्य निर्मित अव
8.11	श्राचित्र तेल के लिए या खिना तेलों हे क्ष्य में ऐसे ही प्रवेशना के कि उपयोग का गई प्रस्य देवी के रिष्ट अप्रकृतिकोडरीओं निर्मिन		जिनमें भार के अनुनार 70 प्रतिशन से कम पेट्रोलियत जेल या बिटुमनी खनिजों से शब्द पेट्रोलियम तेल नहीं है।
	ियां, श्राक्सीक ्ण निरोबी, गोंद- निरोबी, ग्या नता उक्षायंक, संशार- सोबी निर्मितियां भीर श्रन्य निर्मित	33.20	हिमीकरणरोधा निर्मितियां ग्रौर विभिन्न त्रिहिमि रण तरल ।
	ात्रा स्पानासक कार करू सामज भाग्य (जिस्रोड अलागेंत संसोत्रान	38.21	सुक्षम जीवों के जिसास के लिए तैयार सबधेन क क्ष्यम ।

1	2	1	2
38.22	मिश्रित नैरा तिक ग्रभिकमक या	39.08	प्राथमिक रूपों में पोलिएमाइड।
	त्रयोगणाला भ्रभिकर्मक, उनमे भिन्न जो णीर्ष सं० 30.02 या 30.06	39.09	प्राथमिक क्रों में एमिनो रेजित, फोनोलिक रेजिन और पोलियुरियेन।
	में है।	39.10	प्राथमिक रूपों में सिलिकान।
38.23	ढलाईनाल सांचे या कोड के लिए निर्मित बंधक, रासायनिक उत्पाद श्रौर रासायनिक या सहबद्ध उद्योगों की निर्मितियां (जिनके श्रन्तर्गेत शकु- तिक उत्पादों के मिश्रण भी हैं)	39.11	प्राथमिक रूपों में पेट्रोलियम रेजिन, कूमेरोन-इण्डेन रेजिन, पोक्षिटरपेन, पोलिसल्फाइड, पोक्षिसल्फोन ग्रीर इम ग्रध्याय के टिप्पण 3 में विनिर्दिष्ट ग्रन्य उत्पाद, जो ग्रन्यस विनिर्दिष्ट
	ातक उत्पादा के निवास ना त् <i>)</i> जो अन्यक्ष विनिधिष्ट या सम्मि-		या सम्मिलित नहीं हैं।
	लित नहीं हैं; रामायनिक या सहसद्ध उद्योगों क श्रवशिष्ट उत्पाद, जो श्रन्यक्ष विनिर्दिष्ट या सम्मिलित	39,12	प्राथमिक रूपों में सेनुवोस म्रीर उसके रासायनिक व्युत्पाद जो ग्रन्यह विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं।
	नर्ही है।	39,13	प्राथमिक रूपों में प्राकृतिक बहुलक (उदाहरणार्थ, ऐल्जिनिक श्रम्ल)
	अनुभाग7 प्लास्टिक ग्रोर उसको बस्तुएं		स्रौर रूपांतरित प्राकृतिक बहुलक (उसहरणार्थ दृढ़ीभृत प्रोटीन, प्राभु-
	रवड़ भौर उसकी वस्तुएं		तिक रवड़) के रासायनिक व्युत्पाद जो अन्यव यिनिर्दिष्ट या सम्मिलित
	ग्रध्याय ३	39,14	नहीं हैं। शीर्ष सं० 30.01 से 39.13 तक
	प्लास्टिक ग्रोर उसकी वस्तुएं	CU, 14	के प्राथमिक रूपों में बहुलकों पर
	1. प्रा थमिक रूप		श्राधारित ग्रायन-विनिमयके
39.01	प्राथमिक रूपों में एथिलीन के बहुसका		2─स्रवणिष्ट कतरने स्रौर <i>स्क्रै</i> प, स्र र्ट विनिर्माण वस्तुःगुं
39.02	प्रार्थामक रूपों में, प्रोपिलीन के या श्रन्य ग्रोलिफिन के बहुसका	अवशिष्ट, 39.15	कतरने तथा स्कैप, अर्थ निर्मित, सस्तुएं प्लास्टिक प्रविषठि कतरने स्रोर स्कैप ।
39.03	प्राथमिक रूपों से स्टि रिन के बहुलक ।	39,16	प्लास्टिक या माताफिलामेंट जिनकी
39.04	प्राथमिक रूपों में बाइनिल क्लो- राइड के या श्र न्य हेलो जनि त श्रोलि- फिन के बहुलका		कोई अनुप्रस्त काट विमा 1 मिती- मीटर से अधिक तै छड़, खड़ियाँ और प्रोकाईल आज़तियां चाहे वे
39.05	प्राथमिक रूपों में बाइनिल एसिटेट या श्रन्य बाइनिल एस्टर के बहु-	39.17	पृष्ठ ग्रमित हों या न हो किन्तु श्रन्थना कमित न हों।
	लक; श्राथमिक रूपों में श्रन्य बाइस्मित बहुलका	39.17	प्लास्टिक की ट्यूर्वे, पाइप श्रीर होज श्रीर जनके लिए किटिंग (उपाहुन्यार्व ऑप. एक्स. फर्वेगा)।
59.06 39.07	प्राथमिक रूपों में एकिइलिक अङ्गतन । प्राथमिक रूपों में भालिएसिटल, ग्रन्य	39.18	प्लास्टिक के पूर्व प्रा च्छा क, चा हे स्वयं प्रासंगक हो या न हो. रोलो
	पोलिएथर और ए पान्साइ ड रेकिन; पाथिसाः रूपो में बोलिकार्बनिः, एल्काइड रेजिन पोलिएलिल एट <i>ा</i> और अन्य पोलिएस्टर।		में या डाइओं के फ्ला में है। ब्रह्माय ने टिप्पन 5 में ब्रह्मा परिभाषित दोजार या सीजिय क प्लास्टिक की श्राष्ट्रादन।

[মাণ্ 1— অস 1]	भारत का र अ	पत्रः श्र सःधारण	45
1	2	1	2
39,19	प्लास्टिक की रखाँ ग्रासंत्रक प्लेटें पीटें, फिल्म पणिकाएं, टेन, पट्टी		उत्पाद का मिश्रण प्राथमिक रूप में या प्लेटों, शीटों या प ट्टि यों में।
	क्षांर श्रन्य चपटी क्राकृतिया, चाहें रोलों में हो या न हों।	40.03	उद्धारित रवड़ प्राथमिक रूप में प्लेटों, णीटों या पट्टियों में।
39.20	प्लास्टिक की घ्रन्य मीटे. प्लेटें. फिल्म-प्लेपणिकाएं ध्रीर पट्टी जो गैर सेलुलर ग्रीर पुनप्रवेलित, पट-	40.04	रबड़ (दृढ़ रबड़ से मिन्न) का अपशिष्ट, कतरन श्रीर स्कैप श्रीर उनसे प्राप्त चूर्ण श्रीर कणिकाएं।
	लित या भ्रवलंबित या श्रन्य सामग्री से वैसे ही संयुक्त नहीं हैं।	40.05	संयोजित र बड़, भ्रब ल्कनीकृत प्राथमिक रूप में या प्लेटों, शीटों या पट्टियों में
39.21	प्लास्टिक की अन्य प्लेटे, शीटें. फिल्म, पणिका और पट्टी।	40 06	अन्य रूप (उताहरणार्थ छड़ें, ट्यूबें श्रीर प्रोफाइल भाकार) ग्रीर श्रवल्क-
39.22	प्लास्टिक के बाथ, शायरबाथ, जाग वैसिन, विडे, शाँजालय, मृह्मपात्र सीट		नीकृत रबड़ की वस्तुएं (उदाहरणार्घ डिस्क श्रीर छल्ले) ।
	स्रोर ४क्कन , पसण करने के सिस्टर्न	40.07	वल्कनीकृत रबङ्धागा भौर रस्सी
39.23	श्रीर वैभे ही स्थच्छा सामान। माल के प्रवहण या उनकी पैकिंग	40.08	दृढ़ रजड़ से भिन्न बल्कनीकृत रजड़ की प्लेटें, गीटें, पट्टियां, छड़ें भीर
	के लिए प्लास्टिक की वस्तुएं, प्लास्टिक के ढककन, टोपियों ग्रीर	40.09	प्रोफाइल माकार । दृढ़ रवड़ से भिन्न वल्कनीकृत रवड़
39.24	श्रन्य वैष्टन । प्लास्टिक के खाने-पीने के लिए वर्तन, रसोईघर के वर्तन, गृहस्थी		की ट्यूबें, पाइप श्रौर होज चाहे वे उसकी फिटिंग के साथ हों या नहीं (उदाहरणार्थ जोड़, मोड़, फ्लेंज)
	की भ्रन्य वस्तुणं श्रीर प्रगाधन वस्तुणं।	40.10	वल्कनीकृत रखड़ की संवाहक या संचारण पट्टा या पट्टा कपड़ा।
39.25	प्लास्टिक की भवन निर्माण सामग्री	40.11	रबड़ के नए वातीय टायर ।
	जा श्रन्यद्म विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है।	40.12	रिद्रीड किए गए या उपयोग किये गए रजड़ के वातीय टायर, ठोस या कुशन
39.25	ष्लास्टिक की ग्रन्य वस्तुएं म्रीर शीष सं० 39.01 से 39.14		टायर, रबड़ के श्रंतरपरिवर्तनीय टायर ट्रीड भीर टायर फ्लैंगा
	तक के भ्रन्तर्गत भ्राने वाली प्रन्य	40.13	रबड़ की श्रान्सरिक ट्यूबें।
	सामग्री।	40.14	दृढ़ रसड़ से भिन्न बल्कनीकृत रखड़ की स्वच्छतया भेषजिक वस्तुएं(जिनके
	मध्याय40 रबड़ श्रीर उसकी बस्तुएं		भन्तर्गत ट्रीट हैं) साहे उनमें दृढ़ रबड़ को फिटिंगें हों या नहीं।
40.01	प्राकृतिक रुवड़, वैलाटा, गटा पार्चा.	40.15	पू ढ़ रवड़ से भिश्न वस्क्मीकृत र ब ड़
	स्थायुर्लाः, चिकल भीर वैसे हो प्राकृतिक गोंदः, पार्थामक रूप में या फ्लेटो, शीटों या पांट्रयों में।		की सभी प्रयोजनों के लिए सभी प्रकार की परिधान की वस्तुएं ग्रीर कपड़े। के उपसाधन (जिसके धन्तर्गेत दस्साने हैं)।
40.02	संक्लिप्ट रवड़ धीर तेलों से व्युत्पन्न फैटिक्स प्राथमिक क्यों में या	40.16	दृढ़ एवड़ से भिन्न वल्कनीकृत र वड़ की भ्रष्य वस्तुएं ।
	प्लेटों, मीटों या पट्टियों से; एस बीचे क किसी ज्याद के आय प्रीप सुरु 40.01 के किसी	40-17	सभी रूपों में दुक रजड़ (उदाहरणार्थ इबोनाइट) जिसके मंतर्गत भपशिष्ट सौर स्केंग है, दुढ़ ।

1	2	1	2
भ्रतुभाग8 कच्ची खालें, श्रीर चर्म, फरवार चर्म श्रीर उनकी वस्तुरं, जीनसाजी श्रीर साज, श्रीर यात्रा की वस्तुरं, हैंड श्रीम श्रीर वैसे ही ब्राधान (रेशम कीट की तांत से भिन्म, सांत की वस्तुरं)		41.07	श्रन्य प्राणियों का चमड़ा जिन पर बाल न हों ग्रीर जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के ग्रन्तर्गन श्राने जाने चमड़े से भिन्न हों।
	मध्याय—41		सांभर (जिसके भन्तर्गत समुख्यय सांभर हैं) चमड़ा ।
कडची खाल इ	गैर चर्म, (जो फरदारचर्महो) ब्रीरचनड़ा	41.09	पेटेंट चमड़ा श्रीर पेटेंट पटनित
41.01	गोवंशीय या भ्रप्तकुल प्राणियों की खालें या चर्म (ताजे, लवणित, णुष्कित, चूना मिले हुए, पिकल किए हुए या भ्रन्यथा परिरक्षित किंतु चर्मशोधित, पार्चमेंट परिसज्जित या भ्रोर निर्मित न किए गए हों) चाहे विरोपित या विभक्त हों	41.10	चमड़ा, धात्वीकृत चमड़ा । चमड़े या संगठन चमड़े की कसरनें श्रीर अन्य अपशिष्ट जो चमड़े की वस्तुओं, चमड़ा धूत; चूर्ण झौर श्राटा के विनिर्माण के लिए उपयुक्त न हो। चमड़े या चमड़े फाइबर के श्राधार
41.02	या नहीं । भेड़ या मेमने के कच्चे चर्म (ताजे या लवणित, शुष्कित चूना लगे, पिकल किए	*1.11	सहित संगठन चसड़ा, जो पट्ट शीट या पट्टी में हों, चाहे रोलों में हों या नहीं ।
	हुए या अन्यथा परिरक्षित, किंतु चर्म शोधित पार्चमेंट परिसज्जित या और निर्मित न हो) चाहे विरोपित या विभ ^{त्र} त हों या नहीं उनसे भिन्न जो	हेंड बैग, घाँ	म्रथ्याय—42 तुएं, जीनसाजी और साज यात्रा की वस्तुएं; ोर वैसे ही स्राधान (रेशम कोट की तौत से न); प्राणी तौत की वस्तुएं
41.03	इस मध्याय के टिप्पण 1 (ग) द्वारा मपर्वजित हैं। अन्य कल्की खालें और चर्म (ताजे या लव्यणित, मुब्बित, चूना लगे, पिकल किए या मन्यथा परिरक्षित किन्तु चर्म	42.01	किसी सामग्री की किसी प्राणी के लिए जीन साजी भ्रौर साज (जिनके मंतर्गश ट्रेस, लीड, मीपैड, मजल, सैंडल क्लाथ, सैंडल बैंग, डाग कोट भीर वैसी ही वस्तुएं)
	शोधित पार्चमेंट परिसण्जित या और निर्मित न किए गए हों) चाहे विरोपित या विभवत हो या नहीं, उनसे भिन्न जो इस अध्याय के टिप्पण 1 (ख) या 1 (ग) द्वारा श्रपवर्णित है।	42.02	चमड़े, संगठन चमड़े प्लास्टिक चादर, टैक्सटाइल सामग्री, वक्तनी∌ल, फाइवर, पंपर बोर्ड के ग्रथवा पूर्णतया या मुख्यतया ऐसी सामग्री चढ़ाए गए
41.04	गोवंगीय या अम्बमुल प्राणियों के समड़ जिन पर बाल न हों और जो मीर्प सं० 41.08 या 41.09 के यन्तर्गत आनं वाले समड़े से भिन्न हैं।		वक्से, सूटकेस, वेनिटीकेस, एकजीक्यूटिक, केस, बीफ केस, स्कूल साचेल, स्पेक्टेकल केस, बाइनोक्यूलर केस, कैमरा केस, वाद्य सेस केस, बन्दूक-केस, होलस्टर
41.05	भेड़ या मेमने की खाचा धमड़ा, जिन पर इन न हो, जो शीर्ष सं० 41.08 या 41.09 के श्रतगेंत श्राने थाने धमड़े स भिन्न हैं।		भीर वैसे ही आधार, यादी के लिए थैंले, प्रमाधन के लिए थैंसे, पीठ थैंले, हैडबैंग, खरीदारी के लिए थैंले, बलेट, पर्से, मैंपकेस, सिगरेट केस तम्साकूकी थैंलियां, भौजार के बैंले
41.06	वकरियों या धनके बच्चों की त्वचा, जमड़ा, जिन पर वाल न हों, जो शीर्ष सब कार, 08 मा कार, 09 के अन्तर्गत धाने वाले घमड़े से भिन्न हों।		श्रेल कूद के सामान के लिए अले बोतन रखने के लिए केस, आभूबण के बक्स, कटली केस और वैसे ही आधान।

1	2	1	2
42.03	वमके या संगठन चमड़े के परिधान की वस्तुएं ग्रीर चमड़े के उपनाधन ।		में हो, चिप्पी या कण, बुरादा या अप - जिस्ट लकड़ी और रक्रीप के रूप में
42,04	चमड़े और सगठन चमड़े की वस्तुएँ ज। इस प्रकार की हों जो मशीनरी		लक्ष्टी, चाहे वे लट्ठों, क्रिकेट, प्लेट या ऐसे ही क्ष्मों में संचित हो या नहीं ।
	या यांक्षिक साधितों में उपयोग की जाती हैं या जो ग्रन्य तकनीकी उप- योग के लिए हैं।	44.02	लकड़ी का कोयला, (जिसके अन्तर्गत योज या नट चारकोल भी है) चाहे संचित्रहोया नहीं ।
42,05	चमङ्गेया संगठन चमङ् की श्रन्य वस्तुएं	44.03	स्थूल, लकड़ी जिस पर से छाल या
42.06	तांत (रशम कौट से भिन्न तांत) की, गोल्ड-बोट२ चर्म की, क्लैडर या	11.00	नयकाष्ट हटाया गया हो या नहीं या जो मोटे तौर पर वर्गाकार है ।
	टेन्डन की वस्तुएं । ग्रथ्याय43	44 04	हुपबुड, कटे पोल, बल्ली, लकड़ी के पिकेट और खूंटे नुकीले किन्तु लंबाई में
फरदार क	र्वभीर कृतिम फर, उनकी वनिमितियां		विना चिरे, लकड़ी की छड़ियां जो मोटी काटी छांटी गई हैं किन्तु गढ़ी
43.01	कच्या फरदार चर्म (जिसके श्रन्तर्गत सिर, पूछ, पजे और श्रन्य भाग या कतरन हैं, जो फरियरों के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं) जो शीर्ष सं० 40.01, 41.02 या 42.03 के श्रन्तर्गत श्राने वाली कच्यी खालों और चमड़े		या मोड़ी नहीं गई है या अन्यथा खरीदी नहीं गई है और जो टहलने की छड़ियों, छाते, औजार के हैंडल और ऐसी ही अन्य यस्तुओं के विनिर्माण के लिए उपयुक्त है, जिप्पी और इसी प्रकार की अन्य लकड़ी।
	से भिन्न हैं।	44 05	काष्ठ ऊन, बुरावा ।
43.02	शोश्रित या परिसाधित फरदर चर्म (जिसके प्रन्तर्गत सिर, पूछ,, पंजे और	44.06	लकड़ी के रेल या ट्रामवे स्लीपर(कास टाई) ।
	ग्रन्य भाग या फतरन है) जो ग्रसमंजित या समंजित है (ग्रन्य सामग्रियों को जोड़ें विना) जो शीर्ष मं० 43.03 के ग्रन्तगैत ग्राने वाले से भिन्न हैं।	44.07	लम्बाई में चिरी या चिप बनाई गई लकड़ी, जो तराणी गई या छीली गई है, चाहे वह समक्षतित पालिण की गई या फिगर ज्वायदिख हो या नहीं किन्सु
43,03	फरवर चर्म के परिधान की वस्तुएं, कपड़ों के उपनाधन और ग्रन्य वस्तुएं।		जो मोटाई में 6 मिनी से प्रधिक नहीं है।
43.04	∌न्निम फर और उसकी वस्तुएं। श्रमुभाग—-9	44.08	पृष्ठावरण चादर और प्लाईवृ ड के लिए चादरें (साहे वे सम्बन्धित हों या नहीं)
काके और कार्य भीर प्रत्य प्लेबि	अनुसाय— अ र लकड़ी की बस्तुएं, लकड़ी का कोवला, र्किकी बस्तुएं, पुश्चाल की, एस्पादटों की टंगसामग्री की बिनिर्मितियां, बेंत के समान ग्रीर खपनी की चीजें		और प्रत्य लकड़ी जो लम्बाई में चिरी हुई, तराशी हुई या छिली हुई है, चाहे समतलित, पालिश की हुई या फिंगर जोड़दार हो या नहीं, फिन्तु जो मोटाई में 6 मि०मी० से अधिक नहीं हैं।
	सच्याय—— 4 4	44.09	लक्ष्मी (जिसके अन्तर्गत काष्ठ-कु हिम
लकड़ी भौ	र लक्ष्डीकी बस्तुएं, लक्ष्डीका कीयला		के लिए असमंजित पट्टियां और चिल्ल- बल्लरी भी हैं) जो निरन्तर (टंगदार,
44.01	डंधन लकड़ी जो, लट्टे पिण्डक, टहनी, गटठर के रूप में या इसी प्रकार के रूपों		खाँचदार, मूलदार, परवदार, वा- जोड़दार, मनकेदार, सांचे में इली हुई

	2	1	2
	गोलाकार या इसी प्रकार की) ग्रपने किसी सिरे या फलक के माथ-माथ रूपित है चाहे ममतलित, पालिश की हो या फिंगर जोड़दार हो या नहीं	A TO COLORED STORY	की वस्तुएं, लकड़ी को मूर्तिकाएं और स्रन्य अलंकारात्मक लकड़ी के फर्नीचर की वस्तुएं जो स्रध्याय-94 के स्रन्तर्गत नहीं स्राती हैं
44.10	लकड़ी या भ्रन्य काष्ठीय सामग्री के कर्ण बोर्ड या इसी प्रकार के बोर्ड चाहे वे रेसिन या भ्रन्य कार्बनिक	44.21	लकड़ी की ग्रन्य वस्तुएं ग्रध्याय4 5
	मंयोजी पदार्थ से संपीड़ित हों या नहीं		कार्कग्रीर कार्ककी वस्तुएं
44.11	लकड़ी के फाइबर बोर्ड या ग्रन्थ काष्ठीय सामग्री चाहे वह रेसिन या ग्रन्थ कार्बनिक पदार्थों से सम्बन्धित हो या नहीं	45.01	प्राकृतिक कार्क, ग्रपरिष्कृत या साधारण रूप से तैयार किया गया, ग्रपशिष्ट कार्क, संदलित, दानेदार या पिसा कार्क
44.12	प्लाईवुड, पृष्ठावृत्त पेनल और इसी प्रकार की स्तरित लकड़ी	45.02	प्राकृतिक काक, डिन्नेक्ड या स्थूलतः वर्गाकार, या स्रायतकार (जिसके
44.13.	सघनित लकड़ी, जो ब्लाकों, प्लेटों, पट्टियों और प्रोफाइल क्राकारों में है		स्रन्तर्गत वर्गाकार भी है) ब्लाक प्लेट, चादरें या पट्टियां (जिनके स्रन्तर्गत
44.14	रंगचित्रों, फोटोग्राफ, दर्पण या इसी प्रकार की ग्रन्य वस्तुओं के लिए लक्ष्डी		काक या डाट के लिए नुकीले ब्लेंक भी हैं)
	की चौखटे	4.5.03	प्राकृतिक कार्क की वस्तुएं
44.15	पैक करने के लकड़ी के केस, बक्से, केट, पीपे और इसी प्रकार की लकड़ी के पैकिंग, लकड़ी के केबल पीपे, पैलेट, बाक्स पैलेट और लकड़ी के श्रन्य लदाई बोर्ड	45.04	संपीड़ित कार्क (बंधक पदार्थ सहित या उसके विना) और संपीड़ित कार्क की वस्तुएं
44.16	लकड़ी के कास्क वैरेल, वट, टब और		ग्रध्याय—— 4 6
	ग्रत्य कूपर उत्पादन ग्रौर उनके भाग, जिसके ग्रन्तर्गत काष्ठिका भी है	•	की ग्रौर ग्रन्य संप्रथन सामग्रीको विनिर्मितियां, केट सामान ग्रौर खपच्चो की वस्तुर्
44.17	लकड़ी के औजार, त्रीजार बाडी, औजारों के हैंडल, झाड़्या बुश की बाडी और हैंडल, लकड़ी के बूट या जूतों के सांचे तथा कलबूत	46.01	संप्रथ और संप्रथन सामग्री के इसी प्रकार के उत्पाद चाहे वे पट्टियों में समंजित हों या नहीं, संप्रथन सामग्री, संप्रथ और समानान्तर गुफों में
44.18	राजगीर का लकड़ी का योजकर्म और बढ़ईगिरी जिसके स्रन्तर्गत सैलूलर लकड़ी के पेनल, समंजित पारक्वेट पेनल, शिगल और शेक भी हैं,		इकट्ठी बद्ध या चादर के रूप में व्युतित संग्रथन सामग्री के उसी प्रकार के उत्पाद चाहे वस्तुएं परि- सज्जित त्रस्तुएं हों या नहीं (उदाहर- णार्थ पायदान, चटाई, पर्दे)
4 4.19	लकड़ी के खाने-पीने के बर्तन और रसोई के बर्तन	46.02	संप्रथन सामग्री से प्रत्यक्षतः स्राकार के बने हुए या शीर्ष सं० 46.01 के
44.20	लकड़ी, पच्चीकारी और जड़ाऊ लकड़ी श्राभूषणों या छुरीकांटे के लिए कास्केट या केस और इसी प्रकार की लक ड़ी		श्रन्तगत श्राने वाले सामान से बने हुए, बत के सामान, खपच्ची की चीजें और श्रन्य वस्तुएं, लुफा की व स्तुएं

1	2	1	2
n stransfers (freezie reflesse <u>lege flegis</u> hettime entititive enterfement	श्रनुमाग10		ममुद्भुत छिद्रित, रंगीन सतह वाले,
कागज या	लकड़ी वा ग्रन्य रेशेंदार सेलुलोसी सामग्री की लुगड़ी कागज या पेपर बोर्ड का श्रपशिष्ट ग्रौर स्क्रैंप कागज ग्रीर पेपर बोर्ड श्रौर उनकी वस्तुएं		मतह मजे हुए या छपे हुए हों, चाहे व रोज किए हुए जिसकी चौड़ाई 36 से० मी० से अधिक हो
	मध्याय47		या ऐसे प्रायताकार (जिसके अन्तर्गत वर्ग हैं) शीटों में हो जिसकी कम
लक्डा या ग्रन्थ वेप	रेशेदार सेलुलोसी सामग्री की लुगदी कागज या र बीर्ड या अपशिष्ट और स्क्रैप		से कम एक भुजा अनवेलित अवस्था में 36 से० मी० की हो।
47,01	यांत्रिक लकड़ी की लुगदी	48.04	शीर्ष सं 48.02 या 48.03 के
47.02	रसायनिक लकड़ी की लृगदी श्रुलनगील श्रेणियां		श्रन्तर्गत श्राने वाले माल से भिन्न श्रवि- लेपित काफ्ट कागज और पेपर बोर्ड चाहे वह रोल या शीटों में
47.03	रासायनिक लकड़ी की लुगदी, श्रन्य घुलनशील श्रेणियों से भिन्न सोडा या सल्फेट	48,05	—- ग्रन्य अविलेपित कागज और पेपर बोर्ड जो रोल हो या शीटों में हो
47.04	रासायनिक लकड़ी की लुगदी, घुलन- शील श्रेणियों से भिन्न सल्फाइट	48.06	वनस्पति, चर्मपत्न, चिकनाई रोधी कागज, भ्रनुरेखण कागज और कांचमय
47.05	अर्ध-रासायनिक लकड़ी की लुगदी		और ग्रन्थ चमकदार पारदर्शीया
47.06	ग्रन्य रेंशेदार सेलुलोस सामग्री की लुगदियां		पारभासी कागज, जो रोल हो या शीटों में हो
47,07	कागज या पेपर बोर्ड का श्रपशिष्ट और स्क्रैप	48.07	निश्र काग जंधीर पेपर बोर्ड (जो कागज या पेपर बोर्ड की चपटी परतों को ग्रापस में किसी ग्रासंजक से चिपका
	ग्रध्याय 48		कर तैयार किया गया हो जो विलेपित
	ौर पेपर बोर्ड; कागजी लुगदी को, गंज की या पेपर बोर्ड की वस्तुएं		सतह वाले या श्रक्षेचित न हो, चाहे श्रांतरिक रूप से प्रबलित हो या नहीं, श्रौर चाहे वे रोल में या शीटों में हों
48.01	श्रखबारी कागज, रोल किए हों या शीटों में	48.08	शीर्ष सं० 48.03 या 48.18 के अन्तर्गत ग्राने वाले कागज ग्रीर पेपर
48 02	इस प्रकार का म्रविलेपित कागज और पेपर बोर्ड जिनका उपयोग लेखन, मुद्रण या मन्य म्रालेखी प्रयोजनों के लिए किया जाता है और शीर्ष सं• 48.01 या 48.03 के मन्तर्गत माने		बोर्ड से भिन्न ऐसा कागज ग्रौर पेपर बोर्ड जो नालोदार (सरेस सिहत या रहित चपटी पृष्ट चादरें) केपदार, शिकनदार समुद्भृत या छिद्रित हो, चाहे वह रोल में हो या शीटों में हो
	वाले कागज से भिन्न छिद्रित कार्ड स्टाक और छिद्रित टेप कागज जो रोल किया हुग्रा हो या शीट में हो; हस्त निर्मित कागज और पेपर बोर्ड।	48.09	कार्बन कागज, स्वतः प्रतिलिपि कागज भ्रौर भ्रन्य प्रतिलिपिकरण या भ्रन्तरण कागज (जिसके भ्रन्तर्गत भ्रनुलिपित्र, स्टेंसिल, या भ्राफसेट प्लेट के
48.03	शौच या भ्रानन ऊतक स्टाक, तौलिया या नेपिकन स्टाक और इसी प्रकार का कागज जिसका गृहस्थी या स्वच्छता प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है, सेलुलोस तल्पी और सेलुलोन फाइबर के जाल चाहे वे केपदार शिकनदार		लिए विलेपित या संसेचित कागज भी है) चाहे वह छपा हुआ हो या नहीं और चाहे ऐसा रोल किया हुआ हो जिसकी चौड़ाई 36 से० मी०, से अधिक हो या ऐसी आयाताकार (जिसके अन्तर्गत वर्ग है) सीटों में
947 GI790—7.			

1	2	1	2
	हो जिसकी कम से कम एक भुजा अन- येजिन अयस्था में 36 से० मी०		जिस में फाग ज लेखन सामग्री क प्रकीर्ण श्रन्तविष्ट हो
	की हो 36 से० मी० से ऋषिक चादरों (जिनमें वर्गभी है) की श्रवस्था में।	48.18	शीच कागज, रूमाल, शोधन अतक तीलिया, मेजपोश, सर्वियट, शिष्
8.10	कागज ग्रीर पेपर बोर्ड जो एक या दोनों ग्रोर से काग्रोलिन (चीनी मिट्टी) या किसी ग्रन्य ग्रकार्वनिक पदार्थ से विस्तपित हो, किसो वंधक के साथ या बिना बंधक के ही ग्रीर किसी ग्रन्य विलेपन रहित है काहे		नैपकिन, टैम्पन, विछायन की भाद और इसी प्रकार की गृहस्थी, स्वच्छन या ग्रस्पताल की वस्तुएं, कागज के लुगदी, कागज, सेलुलोन संस्पी य सेलुलोस काइबर, जाल परिधा की वस्तुएं और कपड़ों के उपसा
	वह रंगीन सत्तह वाली, सजी-ससह वाला या छपा हुन्ना हो चाहे रोल किया हुन्ना हो या शीटों में हो ।	48.19	कागज, पेयर बोर्ड, सैलुलोस, तल्पी य से लुलोस फाइबर जाल के डिब्बे, ब क्से केस , थैले धौर पैकिंग के श्रन्य श्राधान
48.11	पीर्ष सं० 48.03, 48.0,48.10 या 48.18 के अन्तर्गत आने बाले । माल से भिन्न कागज, पेपर बोर्ड, मेलुलोस तलपी और सेलुलोस फाइब के जाल, विलेपित, गंसेचित, प्रच्छादित, रंगीन सन्ध वाले, सतह सजी हुई या		इस प्रकार के कागज या पेपर व के बाक्स फाइल, पत्न ट्रे ग्रौर वैश ही बस्तुएं जिनका उपयोग कार्यालय दुकानों या वैसे ही स्थानों में किय जाता है
	छपे हुए, भाहरोल में हो या शीट में हीं –	48,20	कागत या पेपर बोर्ड के रजिस्ट लखा बही, नीटबुक, ब्रार्डर बुक, रसं बुक, पंत्रं पेड़, ज्ञापन पैड, डाय
48112	कागंज की लुगदी के फिल्टर ब्लाक, सिस्लिया ग्रीर प्लेट		भीर इसी प्रकार की वस्तुएं, श्रभ्य पृस्तिका, स्याही सीख पैड, बंध
48,13	सिग्नरेंट का कागज काहे वह ग्राकार मैं या पुस्तिकाश्ची श्रथीत् ट्यूब के रूप में कटा हो या नहीं		(लूब बीफ या श्रन्य) फोल्डर, फाइ कवर, बहुमुख व्यापारिक प्रर श्रन्तरापवित कार्वन सैट ग्रीर ले
48.14	भिति कागज और वैभा ही भिनि श्राक्तादन; खिडकी पारदर्णी कागज		सामग्री की घन्य बस्तुएं; का ग्रीर पेपरबोडका नमृनाया संग्र एसबम ग्रीर पुस्तिका कवर ।
48.15	कागज ग्रौर पेपर बोर्ड के ग्राधार पर फ़र्ज की बिछा यन चा हे वह ग्राकार में कटी हो या नहीं	48.21	सभी प्रकार के कागज या पेपर लेबल चाह छो हुए हों या न
48.16	आर्बन कागज, स्वयं प्रतिनिधि कागज श्रीर अन्य प्रतिलिधिकरणीय अन्तरण कागज (शीर्ष सं० 48.09 के अन्तर्गत श्राने वाल से भिन्न) कागज की अनु-	48.22	कागर्जा सुगर्दा, कागज या पेपर व के बोबित, स्पूल और वैसे ही आधा (चाहे छिदिल या दृड़ीकृत हो नहीं)
	लिपिन स्टेंसिल और प्राफसेट प्लेट चाहेवेबाक्सों में रखी हो या नहीं	48,23	श्रम्य कागज, पेपर बोर्ड, सेक्षु तल्पी धौर सेललोस फाइबर के
48.17	कागज या पेपर बोर्ड के लिफाफे, पत्न कार्ड, सादा पोस्ट कार्ड और पता- भार कार्ड; कागज या पेपर बोर्ड के बाक्स कोष्ट, छोला, लेखन काम्पेन्डियम		जो ग्राकार या ग्राकृति मैं कटे हुए कागजी लुगदी, कागज, पेपर सेल्लोस तल्पीया सेलुलोस का

`1	2	1	2
· · - -	भ्रध्याय49	49,10	किती भी प्रकार के मुद्रित कैलेण्डर, जिनके ग्रन्तर्गत कैलेण्डर ब्लाक है।
उत्पाद, पाण्डु	ाचार-पत्र, चित्रं चौर मुद्रण उद्योग के ग्रम्य लिपियां,टाइपलिपियां चौर रेखांक	49.11	श्रन्य मुद्रित सामग्री, जिसके श्रन्तर्गत मुद्रित चित्र श्रीप फोटो है।
49,01	मुक्रित पुरु _{पके} ं, विवरणिका, पर्चे और वैसो हो मुक्रित सा मग्री , चाहे वह एकल गीट में हों या नहीं	रेक्सकारक ग्रीप	मनुभाग11 टैक्सटाइल की बस्तुएं
49.02	र्गमाचार पत्र, पत्निकाएं और नियत-	GAGGIAN MIC	
	कालिक पत्रिकायें, चाहे वे मचित्र हो या नहीं चाहे उसमें विज्ञायन		न्नष्टवाय 5 0 रेशम
	सामग्री हो या नहीं	50.01	संऋग्वन के जिरे उस्तुस्त रेगम
49.03	त्रालकों के स्त्रिये मचित्र, द्वाइंग या रंगकारी पुस्तकें	50.02	कीट कोकून कच्चा रेगम (जो प्रक्षिप्त नहों)
49.04	मुद्रितया पाण्डुलिपि में संगीत, चाहे वह जिल्द बंधा हुन्ना या निदर्श चित्र	50.03	ग्रवणिष्ट रेणम (जिनके ग्रन्तर्गत संक्रुण्यन के तिरे प्रदुरमुक्त काक्रुन
49.05	में हो या नहीं। सभी प्रकार के नक्षो ग्रीट अलराशि शीय या वैसे ही चार्ट जिनके श्रन्तर्गत एटलस, भिक्ति नक्षो, स्थलाकृतिक	50.04	श्रविषिष्ट सूत श्रीर गःर्नेट किंा, हुन्ना माल है)। रेगम सूतः (ब्रागिष्ट रेगमः सं कते हुर्सुतंकित्र) जाफुटकर विकय
	रेखांक ग्रीर मुद्रित ग्लोब है।		के नित्रे नहीं रखा गया है।
49.06	स्थापत्य, इंजीनियरी, श्रौद्योगिक, वाणिज्यिक, स्थलाकृतिक या वैसेही प्रयोजनों के लिये रेखांक श्रीर ड्राइंग	50.05	भ्रपणिष्ट रेगम से कक्षासूत, जो फुटकर विकय के निए नहीं रखा गया है।
	जो हाय से तैयार की गई मूल प्रतियों में हों, हस्तलिखित पाठ, सूक्ष्म ग्राहोकृत कागज पर फोटोचित्र पुनरुत्पादन ग्रीर पूर्वावर्ती सामग्री	50.06	रेशमी सूत ग्रीर ग्रापिण्ड रेशम से कता सूत, जा फुटकर विकास के तिने रखा गया हो, रेशम कीड की सीत।
49.07	को कार्बन प्रतिलि <mark>पियां</mark> उस देश में जिसके लिए नियत किया गया है, चालुया नये जारी	50.07	रेगमया अप्रशिष्ट रेगम के व्यूतित फैक्किक
	किये गये डाक महसूल स्टाम्प,		मध्येत्य ५ १
	राजस्व स्टाप फ्रींर वैसे ही स्टा≄प जो उपयोग में न लाए गए हों,	अन, ध	हारोक या मोडेप्राणी काल;
	जा उपयाग म न लाए गए हा, लगे कागज, चैक फार्म; बैंक नोट	घोड़े के	सालों का सूत ग्रीर ग्यूसित फेलिक
	स्टाक, णेयर प्रमाण-पत्न या बन्ध पत्न और हक की वैसे हो दस्तावेज	51.01	ऊा, जो धूनित या कंकतकृत नहीं हैं।
49.08	श्रमुचित (डीकेल्क कोमेनिज) मृदित या निदर्ग-चित्र पोस्टकार्ड	51.02	वारीक या मोटे प्राणी बाल जी धूनित या कंकतकृत सहीं है।
49.09	मुद्रित या निद्यानात्र पास्ट्याड एस मुद्रित कार्ड जिनमें वयस्तिक णुभकामना, मन्देंश या सूचना दो गई हो चाहे वे निदर्श-चित्र हो या गहीं, घाहे वे लिफाफा या समाकर्तन सहित हो या उनसे रहित हो	51.07	का का या बारीन या मोटे प्राणी बालों को अपिष्ड, जिसके अन्तर्गत सूर अनेशिष्ट भी है किन्तु इसके अन्तर्गत गार्नेट किया हुआ स्टान नहीं है।

1	2	1	2
\$1.04 \$1.05	ऊनका, या बारीक या मोटे प्राणीबाल का गार्नेट किया हुन्ना स्टाक धूनित या कंकतकृत ऊन ग्रीर बारीक या मोटे प्राणी बाल (जिनके ग्रन्तर्गत हुकड़ों में कंकतकृत ऊन	52.05	कपास सूत (सिलाई धागे से भिन्न) नितमें भार में सूत 85 प्रतिगत या उससे ग्रधिक हो ग्रीर जो फुटकर विकय के लिये नहीं रखा गया हो
51.06	भी है) धूनिः ऊन का सूत, जो फुटकर विकय के लिये नहीं रखा गया है	52.06	कास सूत्र (तिताई धागा से भिन्न), जिसमें भार में करास 85 प्रतिशत से कम है ग्रौर जो फुटकर विक्रव के लिये नहीं रखा गया हो
51.07 51.08	कंकतकृत ऊन का सून, जो फुटकर विकय के लिये नहीं रखा गया है बारीक प्राणी बाल का सून (धूनित	52.07	कशस सूत (सिलाई धागे से भिन्न), जा फुटकर विकय के लिये रखा गया हो
\$1.09	या कंकतकृत), जो फुटकर विक्रय के लिये नहीं रखा गया है ऊन का सूत या बारीक, प्राणीबाल, जो फुटकर विक्रय के लिये रखें	52.08	कास के व्यक्ति, फैब्रिक, जिनमें कवास भार में 75 प्रतिशत या उत्तसे प्रविक है, जित्तका भार 200 ग्राम से ग्राधिक हो
51.10	गये हैं मोटे प्राणी बाल का या घोड़े के बात का सूत (जिसके ग्रन्तर्गत जिम्प किये हुए घोड़े के बाल का सूत भी है), चाहे फुटकर बिकय के लिये	52.09	करात के व्यूतित फैबिक, जिसमें भार में कपात 85 प्रतिसत या उतसे प्रविक्त है, जिसका भार 200 ग्राम से प्रविक्त हो
51.11	रखा गया हो या नहीं धूनित ऊन के या धूनित बारीक ब्राणी बाल के ब्यूतित फैब्रिक	52.10	करास के व्यूतित फैक्किक, जिनमें भार में करात 85 प्रतिशत से कम हो और जो मुख्यतः या एक- मात्र मानव निर्मित फाइवर के
51.12	कंकतकृत ऊन के या कंकतकृत बारीक प्राणी बाल के व्यक्तित के ब्रिक		साथ मिश्रित हों तथा जिसका भार 200 ग्राम से ग्रिधिक न हो
51.13	मोटेप्राणी बाल का या घोड़े के बाल का ब्युतित फैब्रिक	52.11	कवास के व्यूतित फोब्रिक, जिसमें भार में कवास 85 प्रतिशत से कन हो खौर जो मुख्यत: या
	बध्याय— 52 कपास		एकमात्र मानव निर्मित फाइवर के साथ मिश्रित हो तथा जित्तो भार 200 ग्राम से
52. 01	कपास, जो धू नित या कंकतकृत नहीं है	52.12	अधिक हो करास के अन्य व्युतित फैबिक
52.02	कपास अपिषष्ट (जिसके अन्तर्गत सूत अपिषष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक भी है)		श्रश्याय53 सटाइस फाइबर, कागज सूत और
52,03	धूनित या कंकतकृत कपास		त्रुत के ब्यृतित फैबिक
52.0 4	कपास का सिलाई धागा, चाहे फुट- कर विकय के लिये रखा हो या नहीं		सन, जो ग्रनिरिष्कृतं या प्रसंस्कृत हो किन्तु कता हुआ न हंः, सन के हृस्व ग्रीर तन्तु ग्रप

1	2	1	2
	शिष्ट (जिसके भ्रन्तर्गत सूत के भ्रपशिष्ट भीर गार्नेट किया हुआ -टाक है)।	53.10	शीर्ष 53.03 के अन्तर्गत भाने वाले जूट के या अन्य टैक्सटाइल बास्ट फाइवर के व्यूतित फाइबर
53.02	ट्रू हैम्प (कैनेबिस साटिवा, एल), जो ग्रपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हो किन्तु कता हुम्रा न हो, ट्रू हैम्प के हुस्व तन्तु ग्रीर ग्रपशिष्ट	53.11	श्रन्य वनस्पति टक्सटाइल फाइबरों के ब्यूतित फैब्रिक; कागज के सूर के ब्यूतित फैब्रिक
	(जिसके अन्तर्गत सूत के अपिकष्ट और गार्नेट किया हुआ स्टाक है)		ग्रट्याय—- 5 4 कृत्रिम फिलामेंट
53.03	जूट श्रोर श्रन्य टैनसटाइल बास्ट फाइबर (जिसके श्रन्तर्गत, सन, टू., हैम्प श्रोर रेमी नहीं है), जो	54.01	कृतिम फिलामैंट के सिलाई के धागे चाहे वे फुटकर विक्रय के लिए रखे जाते है या नहीं
	प्रपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हो किन्तु कते हुए न हों; इन फाइबरों के हुस्व तन्तु, श्रीर श्रपिषट (जिसके श्रन्तगत सूत के श्रपिषट ग्रीर गार्नेट, किया हुआ स्टाक है)।	54.02	संधिल व्ह फिनामेंट सूत (सिलाई के धागों से भिन्न) जो फुटकर विका के लिए नहीं रखें जाते हैं ग्रीर जिनके ग्रन्तर्गत 67 डेसिटेक्स से कम का संधिलब्ट मोनो फिलामेंट
53.04	जीनस अगेव के सीसल और अन्य टैक्सटाइल फाइबर, जो अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत हों किन्तु कते हुए न हों; इन फाइबरों के हुस्व तन्तु और अपशिष्ट (जिसकें अन्तर्गत सूत अपशिष्ट औ-गावेर्ट किया हुआ	54,03	है। कृतिम फिलामेंट सूत (सिलाई के धार्गे से भिन्न) जो फुटकर विक्रय के लिए नहीं रखे जाते हैं जिसके अन्तर्गत 67 डेसिटेक्स के कृतिम मोनो फिलामेंट है
53.05	टाक है)। नारियल भ्रबाका, (मनीला हैप या म्यूजा टैक्सटाइल नी) रेमी	54.04	67 डेसिटेक्स या श्रधिक के संशिलष्ट मोनो फिलामेंट (जिसकी श्रनुप्रस्थ काट वालो कोई विमा 1 मि०
,	योर अन्य वनस्पति टक्सटाइल फाइबर जो अन्यत विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है, अपरिष्कृत या प्रसंस्कृत है, किन्तु कता हुम नहीं है इन फाइबरों के हुस्य तन्तु, नाइल ग्रोर अपशिष्ट (जिसके	54.05	मी० से अधिक नहीं है; 5 मि० मी० से वे अनिधक की स्पष्ट नौड़ाई के संक्ष्तिष्ट टेक्सटाइल सामग्रियों के स्ट्रिप और वैसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ कृतिम पुत्राल)
	भन्तर्गत सूत भ्रपशिष्ट भौर गार्नेट किया हुम्रा स्टाक है)।		मोनो फिलामेंट जिसकी अनुप्रस्थ काट वाली कोईविमा 1 मि० मी०
53.06	सन का सूत		से ग्रधिक नहीं है, 5 मि० मी० से ग्रनधिक को स्पष्ट चौड़ाई के
53.07	शीर्ष सं० 53.03 के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले जूट के या ग्रन्य टक्स- टाइल बास्ट फाइबरों के सूत		कतिम टक्सटाइल के स्ट्रिप और वैसी हो वस्तुवें (उदाहरणार्थे कृतिम प्रभ्राल)
53.08	श्रन्य वनस्पति टक्सटाइल फाइबर का सूत्; कागज का सूत्र	54.06	कृतिम फिलामेंट सुत (सिलाई के धार्गों से भिन्न) जो फुटकर विक्रय
53,09	सन के ब्य्कित फैंबिक		के लिये रखे जाते हैं

(1)	(2)	1	2
54.07	संधिलष्ट फिलामेंट सूत के ब्युक्षित फैबिक जिनके ग्रन्तगत शीर्ष सं० 54.04 की सामग्रियों से प्राप्त ब्युतित फैबिक हैं।	55.11	कृतिम स्टेपल फाइवर का (सिलाई धागे से भिन्न) सूत जिसे फुटकर विकथ के लिये प्रस्तुत किया गया हो।
54.08	कृतिम फिलामेंट सूत के व्यक्तित फैक्रिक जिसके भ्रन्तर्गत शीर्ष संव 54.05 की सामग्रियों से प्राप्त व्यक्तित फैंक्रिक हैं।	55.12	संक्ष्लिष्ट स्टेपल फाइबर के व्युतिस फैंबिक जिसमें भार के श्राधार पर 85 प्रतिशत या श्रिधिक संक्ष्लिष्ट स्टेपक्ष फाइबर है।
	ग्रध्या य 55	35.13	संग्लिष्ट स्टैपल फाइबर के व्युक्तित फैब्रिक जिसमें भार के माधार पर
	कृतिम स्टेंपल फाइबर		काप्रक जिसमें भार के माधार पर 85 प्रतिशत से कम ऐसे फाइबर हैं, जो 170 ग्राम से प्रनिध क
55, U [£]	उपर्धार्ष स० फिलामट हृस्यतन्सु		भार के कपास के साथ मुख्यतः या पूर्णतः मिश्रित है।
55.02 55.03	कृत्निम फिलामेट ह्मस्वतन्तु संग्लिप्ट स्टेपल फाइबर, जो कताई के सिये धुनित, कंकतकृत या भन्यया प्रसंस्कृत न किया गया हो ।	55.14	संक्रिसप्ट स्टैपल फाइबर के ब्युतित फीक्रक जिसमें भार के ग्राधार पर 85 प्रतिशत से कम ऐसे फाइबर
55.04	कृतिम स्टेपल फाइवर, जो कताई के लिये घुनित कंकतकृत या अन्यया प्रसंस्कृत न किया गया हो ।		हैं, जो 170 ग्राम से श्रक्षिक भार के कपास के साथ मुख्यतः या पूर्णतः मिश्रित हैं।
35.05	कृक्षिम फाइबर का ध्रपनिष्ट (जिस के प्रस्तर्गत नायल सूत ध्रपणिष्ट और गार्नेट किया हुग्रा स्टाक भी	55.13 55.16	संग्रिल् ण्ट स्टे पल फा इब रों के श्रन्य इस्नुसिस फैकिक कृतिम स्टेपल फाइबरों के ब्युतिस
55. 06	है) संग्रिलस्ट स्टैपल फाइबर, जो कताई के लिये धुनित कंकतकत या अन्यया प्रसंस्कृत किया गया हो।		फेब्रिक सध्याय—- 5 6
5507	कृक्षिम स्टैपल फाइबर, जो कताई के लिये धुनित कंकतकृत या अन्यया प्रसंस्कृत किया गया हो।		तित, विशेष सूत, रज्जुक, रज्जु, रस्सी केबल भौर उनकी बस्तुएं
55.08	कृतिम स्टैपल फाइबर या क्रिलाई धागा, चाहे फुटकर विकय के लिये रखा गया हो या नहीं।	56.01	टैक्सटाइल सामग्रीकी तल्पी और उस की वस्तुयें टैक्सटाइल फाइबर जो 5 से०मी० से प्रधिक लम्बी महीं है
35.09	संक्लिप्ट फाइवर का (सिलाई धागे मे भिन्न) सून जो फुटकर विकय के लिये प्रस्तुत नहीं किया गया		(गुच्छा) टैक्सटाइल धूल और चक्की की छोटी गांठें।
55.10	हो । कुल्लिम स्टंपल फाइअर का (सिसाई	56.02	नमंदा, चाह संसेचित, विलेपित, आच्छादित या पटलित हो या नहीं।
	धागे से भिन्न) सूत जिसे फुटमर विकय के लिये नहीं रखा गया हो।	56,03	भययनित चाहे संसेचित, विलेपित, भाष्क्रादित या पटलित हो या नहीं

[भाग <u>1</u> खा 1]	मार्स का राज्य	्च <u>चसःचारण</u>	27
(1)	(2)	(1)	(3)
56,04	रबट धागा श्रीर रञ्जु, टैक्सटाइल श्राच्छादित; टेक्सटाइल सूत भौर स्ट्रीमृष श्रीर शीर्ष सं० 54.05 के		हों या नहीं जिसके ग्रन्तर्गत केले क 'स्क्यूमैक्य', "कारमानी' ग्रौर किसी प्रकार की हस्त ब्यूसित रग है
	त्रत्येत माने वाली वैसी ही वस्तुएं जो त्वड्याप्लास्टिक से संसेचित, विलेपित, घाच्छावित, या मावृत्त	57.03	गलीचे श्रीर टेक्सटाइल की श्रन्य फर्ग विख्योने गुच्छेवार, चाहे झनी हुई हों या नहीं
	· ·	57.04	गर्लाचे श्रौर टे⁴सटाइल की श्रस्य फर्ग
56.05	धारधीगत सूत चाह जिम्प हो या नहीं जो टेक्सटाइल सूत या स्ट्रीप या शीर्ष सं० 54.04 या 54.05		विष्ठौने नमदा की जो गुच्छेदार यापलाक की गई नहो चाहे बनीहो यानक्षीं
	के <mark>ग्रन्तर्गत ग्राने वाली व</mark> ैसी ही वस्तुएं जो <mark>धागे, स्ट्रीप या चूर्ण</mark> के रूप में धातु से संयु क ्त हो या घातु श्राच्छादिस	57.05	श्रन्य गलीचे भौर टेक्सटाइल के भ्रन्य फर्श बिछोने चाहे वने हो बा नहीं
	हो		न्नध्याय 58
56 06	जिम्प सूत श्रौर स्ट्रीप र मीर्ष सं० 54.04 या 54.05 के फ्रन्तर्गेत	विशेष व्यूतित फैलियत, गुच्छेबार, टेयसटाइल, फैलिय सेस टेपेस्टरी, झालर, कसीवाकारी	
	श्राने वाली वैसी ही वस्तुएं जो जिम्म की गई हों (शीर्ष सं० 56.05 भौर जिम्म घोड़े के बाल वाले सूत से भिन्न) शनील सूत (जिसमें गुच्छा शनील	58,01	शीर्ष सं० 58.02 58.06 के ब्रन्तर्गत स्नाने वाले या फैक्किक से भिन्न ब्यूसित मखमल फैक्किक स्नौर धानील फैक्किक
	सूत भी है) फंदा बेल	58.02	शीर्ष सं० 58.06 के श्रन्तर्गत ग्राने वाले
56.07	रज्जुक, डोरी, रस्सी धीर केवल चाहे संप्रथित या गुंफित हो या नहीं और चाहे रबड़ या प्लास्टिक से ग्रावृत या आच्छोवित हो या नहीं		संशरे फैक्रिक से भिन्न टेरी टावर्लिंग झौर वैसे ही ब्यूतित टेरी फैक्रिक, शीर्ष स० 57.03 के अन्तर्गत झाने वाले उत्पाद से भिन्न गुच्छेदार टेक्सटाइल फैक्रिक
56.08	रञ्जुक, डोरी या रस्सी की गांठदार	58.03	शीर्प सिं० 58.06 के ग्रन्तर्गट श्राने वाले संकरे फैक्टिक से भिन्न गेण
	मत्स्य पकड़ने का बना हुन्ना जाल धौर टेक्सटाइल सामग्री का भ्रन्य बना हुआ जाल	58.04	टल भीर श्रन्य जाली वाले फैंकिंग जिसके श्रन्तर्गत ब्यूतित, बुने हुए या कोशिया फैंबिक नहीं है लेस,
	भ्रष्टवाय ५७		खण्डों में पट्टियों में या मोटिफ में
गलीके क्री	र टेक्सटाइल की ग्राग्य फर्रा बिछावन	58,05	गोवेलिन, स्लैण्डर, ब्राब्क्यान ब्यूदरस् या उसी प्रकार की हस्त व्यूतिस टेपेस्टरी ब्रौर सुई के काम की टेपेस्टरी
5 7.01	गलीचे ग्रौर टेष्सटाइल की ग्रम्य फर्णे बिछायन, गांठ वाली, चाहे		(उदाहरण के लिए पेटिट प्यांझ काम (ढांका) चाहे बने हों या नही
	वनी हुई हों या नहीं	58.06	शीर्ष सं० 58.07 के माल से भिन्न संकरे व्यूतित भैन्निक; संकरे भैन्निक
\$7 _* 02	गलीचे और टेक्सटाइल की भन्य फर्ण विछोतें व स्यूतित, जो गुच्छेदार या प्लाक की गई न हों चाहे बनी हुई		तकर ज्याति कान्नक, सकर फाइक जिसमें म्रासंजक के माध्यम से समु क्वयित बाना के बिना दाना हूं (बोल्डक्स)

1	2	1	2
5 % . 07	लेबल, भैज धौर वैसी ही टैनसटाइल की वस्तुएं खण्डों में, पट्टियों में या श्राकृति या श्राकार में कटी हुई जिस पर कसीदाकारी न की गई हो	59.03	शीर्ष सं ० 5 9 , 0 2 के श्रम्तर्गत प्लास्टिक से भिन्न, प्लास्टिक से संसिक्त, विलेपित, श्राच्छादित या पटलित टैक्सटाइल फैब्रिक
58.08	ट्कड़ों में श्रेड (गुफित), ट्कड़ों में श्रनंकृत झालर, जिन पर बनी हुई या कोशिया की हुई से भिन्न कशीदा- कारी न हो, झब्बा, फुदना धौर वैसी ही वस्तुएं	59.04	लितोलियम, जो ग्राकारानुसार कटा है या नहीं, फर्श ग्राण्छादन जिसका विलेपित या ग्राण्छादित टैक्सटाइल पृष्ठ है चाहे वह ग्राकारानुसार कटी है या नहीं
38.09	धासुधागों के व्यूतित फैक्रिक धौर	59,05	टैक्सटाइस दीवार ग्राच्छादन
	धात्वीकृत सूत के व्यूतित फैक्किक जो शीर्ष सं० 56.05 के घ्रस्तर्गत हैं ग्रोर जो इप प्रकार हैं जिसका	59.06	्रबड़ी हत टैक्सटाइल फेंब्रिक जो शीर्ष स॰ 59.02 से भिन्न है
	उपयोग परिधानों में, साजसज्जा की फीबिक या वैसे ही प्रयोजनों के लिए किया जाता है श्रीर जो भ्रन्यव विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है	59.07	श्रन्यया संसिक्त, विलेपित या श्राच्छा- दित टैक्सटाइल फैब्रिक, रंगमंच के दृश्य वाले चित्रित कैनत्रास, स्टूडियो पिछवाई या वैसी ही वस्तुएं
58, 10	टुकड़ों, पट्टियों या मोटिफों पर कशीदा- कारी	59.08	तैंसों, स्टोबों, लाइटरों, मोमबत्तियों या वैसी ही वस्तुओं के लिए व्यूतित
58 11	टुकड़ों में क्विल्ट फिए हुए टैक्सटाइल उत्पाद, जो भराई करके सिल करके या प्रत्यथा पैड़ों को जोड़कर टैक्स- टाइल सामग्रियों की एक या प्रधिक		प्लेटित या बुनी हुई टैक्सटाइल, बिलायां, ताप दीप्त गैस के मैटिल और उनके लिए नलदार बुने हुए गैसों के मैटिल फैक्रिक चाहे वे संसिक्त हैं या नहीं
	पर्तों से मिलकर बना है तथा जो शीर्ष सं० 58.10 की कमीदाकारी से मिन्न है ग्रध्याम⊶–59	59.09	टैक्सटाइल होजपाइपिंग और वैसी हो टैक्सटाइल ट्यूबिंग, चाहे वह बख्तर या श्रन्थ सामग्री के शस्तर, कवच या उप साधन रहिंग हो या उसके सहित
	विकासित या पटलिल टैक्सटाइल फैक्कि,	50.00	उसक साहत टैक्सटाइल सामग्री के संचारण या
भौद्योगिक उपयोग के 59,01	लिए उपयुक्त प्रकार की टैक्सटाइल बस्तुएं गोंद या मंडिल पदार्थों से विलेपिस टैक्सटाइल जिनका उपयोग पुस्तकों	59.10	संवाहक पेटियां या पेटीवाले कपड़ें चाहे वे धातुया अन्य सामग्री से प्रवस्तित
	यार्थसी ही वस्तुओं के बाहरी आवरण		हैं या नहीं
	कं लिए किया जाता है; ग्रारेश्वन कपड़ा, तैयार चित्रित कैनवास; बकरम भौर वैसे ही कड़े किए गए	59.11	तकनीकी उपयोग के लिए टैक्सटाइल उत्पाद और वस्तुएं जो इस फ्रध्याय के टिप्पण 7 में विनिद्य्ट है
	इस प्रकार के टैक्सटाइल फैब्रिफ		ग्रध्याय 60
£0. 0.7	जिनका उपयोग हैट ग्राधार के रूप में किया जाता है नायलान या श्रप्त पौलिएमाइड,	बुना हुमा	श्रीर कोशिए से बना हुआ। फीश्रक
59.02	पोलिएस्टर या विस्कोस रेयान के उच्च लगिष्णुता सूत के टायर कार्ड कंत्रिक	60.01	बुने हुए या कोशिए से बने हुए दएंबार फैक्रिक, जिसके प्रन्तर्गत लम्बे दएंबार फक्रिक और टेरी फैक्रिक

(1)	(2)	1	2
60.02	अपन्य बने हुए ऋोशिया से दने हुए फैक्रिक	61.09	टी-शर्ट, सिग्लेटस और अन्य वेस्टे, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई
	श्रध्याय 61	61.10	जर्सी, पुलओवर, कार्डिंगन, वैस्टकोट और वैसी ही वस्सुएं, बुनी हुई या
बुने हुए या कोशिए	से बने हुए परिधान की वस्तुएं और वस्त्रों के		कोशिए से बनी हुई
61.01	उपसाधन पुरुषों और लड़कों के ओवरकोट,	61.11	ब ण्यों के वस्त्र और कपड़ों के उपसाधन, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
	कार कोट, कैप, क्लोक, भनोरक (जिसके भन्तर्गत स्की जैकेटें भी हैं), विड-शीटर, विड जेकेट और वैसी ही वस्सुएं बुने हुए या कोशिए से बुने हुए,	61.12	ट्रेक सूट, स्की सूट और तैरने की पोशाक, बुनी हुई या क्रोशिए से बनी हुई
61.02	जो गीर्ष सं० 61.03 से भिन्न है। स्त्रियों और लड़िक्समों के ओवरकोट,	61.13	षीर्प सं० 59.03, 59.06 या 59.07 के बुने हुए या क्रोशिए सें बने हुए फाइबर के वस्त्र
	कार कोट, कैंप अलोक, धनोरक (जिसके घन्तर्गत स्की जैकेटें हैं), विड-शीटर, विड जैकेट और	6.14	द्वर पाइयर पा परण श्रन्य वस्त्र, बुने हुए या कोशिए से बने हुए
	वैसे ही वस्त्र, बुने हुए या कोशिए से बने, जो शीर्ष सं० 61.04 से भिन्न हैं	61.15	पैटी होज,टाइट,मौज, जुराब (साक्स) और भ्रन्य होजरी, जिसके भ्रन्तर्गत
61,03	पुरुषों और लड़कों के सूट, समुच्चय, जेकेट, ब्लेजर, पतलून, बिब और क्रेस ओवर भ्राल, क्रिजिस और निकर		बेरोकोज वेन्स और बिना सोल के जूते के लिए मौजे हैं, बुने हुए या क्रोशिए से बने हुए
	(तैरने के कपड़ों से भिन्न), बुने हुए या कोशिए से बने हुए	61.16	दस्ताने, मिटन और मिट, बुनै हुए या क्रोणिए से बने हुए
61.04	स्त्रियों और लड़िकयों के सूट, समुख्यम, जैकेट, पोशाकों, स्कर्ट, विभक्त स्कर्ट, पतलून, बिख और क्रेस ओवरप्राल और निकरें (तैरनेकी पोशाक से भिन्न) बुने हुए या कोशिए से बने हुए	A1.17	ग्रन्य बने हुए कपड़ों के उपसाधनों, बुनै हुए या कोशिए से बने, वस्त्रों या कपड़ों के उपसाधनों के बुनै हुए या कोशिए से बने भाग
61.05	पुरुषों और लड़कों की कमी जें, बनी हुई या कोशिए से बनी हुई	o -:-A	श्रह्माय 6 2
61.06	स्त्रियों और लड़कियों के ब्लाउज, कमीजें और कमीज-ब्लाउज, बुनी हुई	पारधान_का वस्तु	एं झौर कपड़ों के उपसाधन जो बुने हुए या कोशिए से बने हुए न हों
	या क्रोशिए से बनी हुई	62,01	शीर्ष सं० 62.03 में भिन्न पुरुषों या लड़कों के ओवरकोट, कास्कोट, केप,
61.07	पुरुषों और लड़कों के अंडरपेंट, ब्रीफ, नाइटणर्ट, पाजामा, बाधरोब, ड्रैसिंग गाउन और वैसी ही वस्तुएं, बुनी हुई या कोणिए से बनी हुई	22.25	लबाक्षा, एनोराक (जिसके प्रन्तर्गत स्की-जाकिट है) विंड शीटर्स, विंड- जाकेट और ऐसी वस्तुएं शीर्ष सं० 62.04 के प्रन्तर्गत ग्राने
61.08	स्त्रियों और लड़िक्यों के स्थिप, पेटीकोट, श्रीफ, पैटी, नाइट ड्रेस, पाजामा, ढीले-ढाले कपड़े, बाघरोब, ड्रेसिंग गाउन और वैसे ही श्रन्य वस्त्र, बुने हुए या कोशिए रें। बने हुए	62.02	शाप सुरु 62.04 के अन्तर्गत आने वाली बस्तुकों से भिन्न स्वियों या लड़िकायों के बीवरकोट, कार-कोट, केप, लबादे, एनोराक (जिनके प्रन्तर्ग त स्की. जाकिट है) विड-शीटर्स, विड, जैकेट ग्रीप पेनी ही वस्तुएं

58	THE GAZETTE OF INDIA: EXTR	AORDINARY	[PART I—SEC 1]
1	2	1	2
62.03	पृ र षों या लड़कों के सूट, इन्सैम्बाल, जाकिट, ब्लेजर, पाजामे विव मौ र ब्रेस श्रो षर श्राल क्रि जिस श्रीर निकर (स्नास की पोशाक से भिन्न)	62.17	बने हुए कपड़ों के प्रन्य उपसाधन; शोर्ष सं० 62.12 के भन्तर्गत झाने वालों से भिन्न बस्त्रों या कपड़े के उप- साधनों के भाग
62.04	स्तियों, या लड़कियों के सूट, इन्सैम्बल, जाकिट, पोशाक, स्कटें, विभाजित स्कटें, पाजामे, बिब और पट्टा श्रोवरश्रल जांबिए श्रौर निकर (स्नान की पोशाक से क्षिन्न)		म्रध्याय63 बन्ध बस्तुएं, सेट, जीर्ग-भीर्ग कपड़े टैक्सटाइल बस्तुएं, चियड़े
	,	63.01	कम्बन और यात्रा वाले रंग
62.05	पुरुषों या लड़कों की कमीजें स्त्रियों या लड़कियों के ब्लाउज, कमीजें ग्रीप कमीज ब्लाउजें	63.02	विस्तर की लितेन, मेज की लितेन, शौचघर की जितेन धौर रसोईघ र की लि ने न
62.07	पुरुषों या लड़कों के बनियान श्रौर श्रन्य श्रन्तर्वसन, श्र ण्डरवे ट, श्रीफ, शयन	63.03	पर्दे, (जितके स्नन्तर्गत द्रैप है) स्रोर स्नन्दर के पर्दे, पर्दे या जिस्तर की क्रालर
	क्तमीज श्रीर पाजामा, स्नान के कपड़े, ड्रेलिंग गाउन श्रीर वैसी ही वस्तुएं	63.04	साज-सजना को म्रन्य वस्तुर्, जिनके मन्तर्गत शोर्ष सं० 94.04 के म्रन्तर्गत म्राने वालो वस्तुरं हैं
62,04	स्त्रियों या लड़कियों के बनियान श्रीर श्रन्य श्रन्तर्वसन, नहाने का जांघिया पेटीकोट, ब्रीफ, पेंटीज, शयन-पोशाह, पाजामा, सुगम वेशभूषा, स्नान के	63,05	श्रान वाला पत्पुर ह इत प्रकार को बोरियां या पै ले जो माख को पैकिंग करने के उपयोग में लाए जाते ह
	कपड़े, ड्रेसिंग, गाउन झौर वैसी ही वस्सुएं	63.06	तिर्याल, नाव के निए पाल, पालकोडं या भूपान ग्रानिंग, मतक्लाइंड, तम्ब् ग्रीर शिविर सम्बन्धी माल
62,09	शिशुम्रों के वस्त्र भ्रौर कपड़े के उप- साधन	63,07	भ्रत्य बारि हुई यस्तुरं, जितके भ्रन्तगैत
62,10	शोर्ष सं० 56. 02, 56. 03, 59. 03, 59. 06 या 59. 07 के श्रन्तर्गत आने		पोगाक पैटर्न हैं II सैट
62.11	वाले फैकिक से बने वस्त्र ट्रेग सूट, स्की सूट और तैरने की पोसाक, श्रन्य वस्त्र	63.08	रत, ट्रोस्ट्रो, कगोक्षकारी किए नए मेज- राश के ने आईटड वर वैसो हो टैक्स- टाईव वस्तुएं तैकार करने के जिए ब्युलिन फैलिक और सुरा से युक्त हों या
62.12	बेसरो, गर्जन, कासेंट, बेम, सस्पेंडर, गेटिस और वैसी वस्तुएं और उनके भ्रम्भ काहे वे युने हुए या कोशिए से ना हम हो जा नमें		नहीं हों, जिनका फुटकर विकय के वि विकिय किया गया हो । III जोर्ज-शोर्ण कपड़ और टैं। टाइल को जोर्ज-शोर्ण बस्तूएं, जि
6 2 · 1 3	रूमाल	63.09	जीर्ण-गोर्ण कपडे ग्रौर ग्रन्य मोण-गोर्ण
6 2 - 1 4	शाल स्कार्फ, मफलप, दुपट्टे, ओढ़नी श्रीप वैसी ही वस्तुएं	63.10	वस्तुएं उपयोग किए गए या तर् वि थड्, स्क्रै प
62.15	टाइयां, यो टाइयां ग्रीर ऋेट		रण्युक, रज्यु, रस्ता श्रीर केवल श्रीर
62.16	दस्ताने, मिटन ग्रीर मिट		रज्जुक, रज्जु, रस्सा या केवल की जीर्ण सीर्ण वस्सुएं, टैक्सटाइल सामग्री को

1	2	(1)	(2)
बैठने की छड़ी, ५	प्रतुभाग12 वा, छाते, ध्रूप के छाते, दहलने की छड़ी, बाबुक, धोड़े का चाबुक ग्रीर उनके भाग, उनते बनी हुई बस्तुएं, कृत्निम फूल, मानव बालों की बस्तुएं	65.03	नमदा हैट भ्रौर नमदे के श्रन्य सिर के पहनावे जो शीर्ष सं० 65.01 के हैट डॉचों, हुडों या ऐसे प्लेटों से निर्मित हों धाहे वे अस्तर लगी झालर लगी हो या नहीं
	षध्याय ६ ४	65.04	हैट ग्रौर सिर के ग्रन्य पहलावे, जो चुन्नट
जूते, मेटिस झौ	र बैसी ही बस्तुएं, ऐसी वस्तुओं के माग		दार हों या किसी भी सामग्री की पट्टियों को संगजित करके बनाए गए हैं, चाहे
64.01	जलसह जूते जिनके बाहरी तल्ले घौर अपर रवड़ या प्लास्टिक के हों,, जिनके घपर न तो तल्ले जुड़े हों घौर न ही		वे ग्रस्तर लो या धालर लगे हों या महीं
	तिलाई द्वारा, कील, पेच, प्लग लगाकर या वैसी ही प्रक्रियाधीं से संम जित किए गए हों।	65.05	हैट ग्रौर क्षिर के भ्रन्य पहनावे, <mark>युने या</mark> कसोदाकारी किए गए हों या सैस, नम दे या थान में (न कि पट्टियों में)
64.02	भ्रन्य जूते जिनके बाहरी स स्ले भीर श्र पर र बड़ या प्लास्टिक के हों ।		टैक्सटाइल फैक्रिक से निर्मित हल चाहे वे धस्तर लगे या झाजर लगे हुए या
64.03	जूते जिनके बाहरी हल्ले रखड़, प्लास्टिक भमड़े या संगठन चमड़े के हों ग्रीर ग्रपर चमड़े के हों		नहीं, किसी भी सामग्री के केश जाल; चाह्रे वे ग्रस्तर लगे या झालर लगे हीं या नहीं
64.04	जूते जिनके बाहरी तल्ले रबड़, प्लास्टिक चमड़े या संगठन घमड़े के घार श्रम र टैक्सटाइल्म सामग्री के हों	65.06	सिरके ग्रन्य पहनावेचाहे वे ग्रस्तरलगे या झालर लगे हों या नहीं
64.05	भन्य जूतें	65.07	सिर के पहनावे के लिए गीर्ष पट्टियां,
64.06	जूतों के भाग, उतारने योग्य भीतरो तल्ले, ऐडी तल्प भीर इसी प्रकार की वस्तुएं गुल्फकाण, टगदाण, भीर ऐसा		श्रस्तर, म्राच्छादन, हैट श्राधार, हैट पीक मौर चिनस्ट्रैप
	वस्तुएं घार उनके भाग		ष्मध्याय—— ६ ६
ť	श्रध्याय—−65 सिरके पहुनावे झौर उनके भाग	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	, टहलने की छ <i>ि</i> ड़याँ, बैठने की छड़ी, बा बु क का चाबुक सौर उनके भाग
65.01	हैड स्नाकार, हैट ढांचे स्नौर नमदे के हुड जो न तो झाक़ति में श्रवरुद्ध हों सौर न ही बाढ़ निमित हों नमदे के प्लैटों स्नौर मानचोन (जिसके सन्तर्गत स्लिट मान-	66.01	छाते भौर धूप के छाते (जिनके भ्रन्तर्गत टहनने की छड़ी, छाते, उद्यान छाते भौर इसी प्रकार के छाने हैं।)
65.02	चोन भी है) हैट आक्कुसियां जो चुनटदार है या किसी भी सामग्री की पट्टियों को समैजिस करके बनाई गई हैं भौर जो नतो ग्राकृति	66.02	टहलने की छड़ियां, बैठने की छड़ी वाबुक, घोड़े का चाबुक ग्रौर वैसी ही ग्रन्थ वस्तुएं
	में प्रवच्य हों और व ही बाढ़ निर्मित हों , ऋस्तर लगी हों और न झालर लगी हों	66.03	णीर्षं सं० 66.01 या 66.02 के श्रन्तर्गत भाने वाले भाग, मालर श्रीर उपसाधन

(1)	(2)	(1)	(2)
C.F	म्रध्याय—67		से रंगे दाने, चिप्पी ग्रौर चूर्ण (जिसके यन्तर्गत स्लेट भी है)
	ोमल पिच्छ या पंखों या कोमल पिच्छों से तुएं: कृतिम फूल, मानव बालों की वस्तुएं	68.03	र्गित स्लेट ग्रीर स्लेट या संपोड़ित
67.01	पक्षियों के चर्म और ग्रन्य भाग, जो	05.03	लेट की वस्तुएं
67.01	जनके पंख या कोमल पिच्छ सहित, पंख, कोमल पिच्छ के भाग श्रौर उनकी वस्तुएं शीर्ष सं० 05.05 के ग्रन्तर्गत श्राने वाले माल से भिन्न श्रौर कोमल पंखलेखनी तथा पुष्पदण्डी	68.04	ीसने, सान चढ़ाने, पालिश करने, हाइंग करने या कतन करने के लिए वेना ढांचे के चक्की के पाट पेषण पत्थर, सान चक्क ऐसी ही अन्य बस्तुएं हाथ के सान चढ़ाने या पालिश करने के
67.02	कृतिम फूल, पर्ण समूह श्रौर फल तथा उनके भाग; कृतिम फूलों, पर्ण समूह श्रौर फल से बनाई गई वस्तुएं		तत्यर और उनके भाग जो प्राक्तिक तत्यर के संपीड़ित प्राकृतिक या कृतिम प्रपद्यकों या चीनी मिट्टी के हैं जिनके भाग अन्य सामग्रियों के हों या न हों
67.03	सज्जित पनला, विरिचित या अन्यथा किंमत मानव बाल ऊन या अन्य प्राणी बाल या अन्य टेक्सटाइल की वस्सुएं जो विग या वैसी ही वस्तुओं को बनाने के लिए तैयार की गई हैं	68.05	माग अन्य सामाग्रया कहा या न हा देवसटाइल सामग्री, कागज, पेपर बोर्ड या ग्रन्य सामग्रियों के भ्राधार पर प्राकृतिक या कृतिम भ्रपघर्षक चूर्ण या दान, चाहे वे निश्चित ग्राकार; काटे या श्रन्यथा बनाए गए हैं या नहीं
67.04	मानव बाल या प्राणी बाल या टेक्स- टाइल वस्तुग्रों की विग, नकली दाढ़ी, भौहें, चश्मे, स्विच ग्रौर वैसी ही ग्रन्य वस्तुएं; मानव बाल की वस्तुएं जी ग्रन्यत विनिदिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	68.06	वातुमल कत, शैल कत श्रीर इस प्रकार के खिनज कत; अपशिलकत विमिन्यू-लाईट प्रसारित मिट्टी, फेनित धातुमल श्रीर इसी प्रकार की प्रसारित खिनज सामग्रियां; ताप रोधक, ध्वनिरोधक या ध्वनि स्वयोषी खिनज सामग्रियों के
	श्रनुभाग—13		मिश्र ग्रौर वस्तुएं, जो शीर्ष सं० 68. 11
पत्थर, प्लास्टर, स	नीमेंट, ऐस्बेस्टास, ग्राम्नक या वैसी ही सामग्रियों की वस्तुएं		या 68. 12 या मध्याय 69 के मन्तर्गत ग्राने वाली वस्तुम्रों से भिन्न हैं
चीनी मिट्ट	गर नरपुर ति के उत्पाद, कांच और कांच के सामान ग्रध्याय-68	68.07	एस्फाल्ट या श्रन्य सदृश सामग्रियों की वस्तुएं (उदाहरणार्थं पेट्रोलियम पिटु- मेन या तारकोल पिच)
=	•	6 8. 9 8	पैन प, बोर्ड, टाइनें, ब्लाक ग्रीर वनस्पति
बत्दर, प्लास्टर, स	ीमेंट, ऐस्बेस्टास, श्रश्नक या वैसी ही सामग्रियों की वस्तुएं	V 0.00	फाईबर के, पुत्राल के या सीमेंट,
68, 01	प्राकृतिक पत्थर के सेट्स, चक्का पत्थर और पहिया पत्थर (स्लेट को छोड़कर)		प्लास्टर या म्रन्य खनिज बंधकों से संगीड़ित लकड़ी की शेविंग्स, चिप्स,
€8.0 2	किंमित स्मारकीय या इमारती पत्थर (स्लेटको छोड़कर) ग्रीर उसकी वस्तुएं, जो शीर्ष स० 68.01 के ग्रन्तगैत ग्राने वाले माल से भिन्न है; प्रावृत्तिक	68.09	कण, बुरादा या ग्रन्य भ्रपणिष्ट की उसी प्रकार की वस्तुएं प्लास्टर या प्लास्टर पर ग्राधारित संघटमों की वस्तुएं
	पत्थर की मोजाइक क्यूब श्रोर उसी प्रकार की वस्तुएं (जिसके श्रक्तगंत स्लेट	68.10	सीमेंट, कंकीट या कृतिम पत्थर क बस्तुएं चाहे वे प्रबलित हों या नहीं
	भी है) वाहे वह पृष्ठाधार पर हो या नहीं प्राकृतिक पत्थर के कृत्निम रूप	68,11	ऐस्बेस्टास-सीमेंट की, सेलुलोस फाईब सीमेंट की वस्तुएं या वैसी ही वस्तुए

(1)	(2)	(1)	(2)
68.12	संविरिचित एस्बेस्टास फाईबर एस्बेस्टास के आधारिक सिहा या एस्बेस्टोस और मैगनीजियम कार्वोनेट के आधारिक सिहत मिश्रण शीर्ष सं० 68.11 य 68.13 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न ऐसे मिश्रणों या ऐस्बेस्टास की वस्तुएं (उदाहरणार्थ, धागा	69.03	अन्य उच्चतापसह चीनी मिट्टी माल (उदाहरणार्थ, रिटार्ट, कमिनल, सफल नाजल, प्लग, श्राधार, क्यूपेल, नली पाइप, शीर्य और छड़ी जो उनसे भिन्न है) जो सिलिकामय फासिल ग्रव- चूर्ग या वैसी ही सिलिकामय मिट्टी के हैं
	्ब्युतित फेंब्रिक, कपड़े, सिर के पहनावे	II.	ग्रन्य चीनी मिट्टी के उत्पाद
68.13	जूते गैस्केट वे चाहे प्रबक्तित हों या नहीं चर्षण सामग्री श्रौर उसकी वस्तुएं (उदाहरणार्थ, चादर, रोल, पट्टियां,	69.04	चोनी सिट्टी की इमारती ईंटें, फर्य के ब्लाक, आधार या भरक टाईलें और वैसी हो वस्तुएं
	्रियाहर्साय, पायर, राल, पाट्ट्या, सेगभेंट, डिस्क, वाशर, पैंड) जो ऐस्बेस्टास के, ग्रन्य खनिज पदार्थ के या सेलुलोस के ग्राधार सहित ब्रेक के लिए क्लच्च या उसी प्रकार की बस्तुओं	69.05	छत के टाइल, चिमनी पात्र, काउल, चिमनी-लाइनर, स्थापत्य अलंकरण और चीनी मिट्टी का अन्य निर्माण संबंधी माल
	के लिए, मढ़ी हुई न हों, चाहे वे टैक्सटाईल या भ्रन्य सामग्री से	69.06	चीनी मिट्टी के पाइप, कण्ड्यूट और गट- रन् और पाइप फिटिंग
68.14	संयुक्त हों या नहीं किंमित अभिक और अभिक की वस्तुएं जिसके अन्तर्गत संपीड़ित या पुनरचित अभिक है, चाहे वह कागज, पेपर बोर्ड या अन्य सामग्री के आधार पर हों या	69.07	बिना चमकी चीनी मिट्टी का पटिया ग्रीर खड़जे, चूल्हे भीर दीवाल के टाइल, बिना चमकी चीनी मिट्टी के मोजाएक क्यूप ग्रीर वैसी ही वस्तुएं, चाहे वे किसी पृष्ठाधान पर हों या नहीं
68.15	नहीं पर्याः या भ्रन्य खनिज पदार्थों कीट वस्तुएं (जिसके भ्रन्तर्गत पीट की वस्तुएं भी हैं), जो भ्रन्यत्र विनिद्दिट या सम्मिलित नहीं हैं	69.08	चमकदार चीनी मिट्टी का पटिया और खंड़ेजे, चूल्हे या दीवाल के टाईल, चमकदार चीनी मिट्टी के मोजाइक क्यूब भौर वैसी ही वस्तुएं, चाहे वे किसी पृष्ठाधान पर हों या नहीं
	ग्रध्याय-69	69.09	प्रयोगकाला, रसायनिक या प्रन्य
चीनी मिट्टी के उत्पाद J. सिलिशियस फासिल अवचूर्ण का या बैसी ही सिलि- शियस मिट्टी का माल और उच्च तापसह माल।			तकनीकी उपयोग के लिए चीनी मिट्टी का सामान, चीनी मिट्टी की द्रोणी, टब ग्रीर वैसे ही ग्राधान जो कृषि में प्रयोग में लाए जाते हैं चीनी मिट्टी के
69.01	सिलिकामय फ.सिल, ग्रवचूर्ण या वैसी ही सिलिकामय मिट्टी की (उदाहरणार्थ कांजेलगुर,द्रिपोलाइट या टायटामाइट इँटें, क्लाक, टाइल ग्रीर ग्रन्य चीनी	69.10	पान्न, जार और वैसी ही वस्तुएं जो माल को ले जाने या पैक करने में उपयोग में लाई जाती हैं चीनी सिट्टी के सिक, धावन कुंडी धावन
69.02	मिट्टी का माल क्लिकामय फासिल ग्रवपूर्णयावैसी		कुंडी की पीठिका, बाथ विडे, वाटर क्लोजेट पैन, पर्लाशग सिस्टर्न, मूतालय और वैसे ही स्वच्छता फिक्सचर
	ही सिल्लामय मिट्टी के माल से भिन्त उच्चतापसह इट, ब्लाक, टाईल श्रौर वैसी ही उच्चतापसह चीनी मिट्टी का निमिणी माल	69.11	काने-पीने के बर्तन, रसोई के बर्तन ग्रन्थ घरेलू वस्तुएं ग्रीर पासिलेन या पीनी मिट्टी की प्रसाधन वस्तुएं

(1)	(2)	(1)	(2)
69.12	चीनी मिट्टी के खाने-पीने के बर्तन, रसोई के बर्तन, यन्य घरेलू वस्तुएं धीर प्रसाधन वस्तुएं, उनसे भिन्न जो पार्सि-	70.09	पांच के दर्पण, चाहे क्रेम वाले हों या गहीं, जिसके अन्तर्गा पर दुश्य दर्गण है
6 9. 13	लेन या चीनी मिट्टी की हैं मूर्तिका भौर चीनी मिट्टी की ग्रन्थ सजा- वटी बस्तुएं	70.10	कांच के कारबाय, बोतर्ले, फ्लास्क, जार,पात, गीशी, एम्प्यूरुस भीर धन्य ग्राधान,जो माल के प्रवहण या
69.14	श्रन्य चीनी मिट्टी की वस्तुएं		पैक करने में उपयोग में लाए जाने याले प्रकार के हैं; कांच के परिरक्षण जार; कांच के डाट,
	ब्रध्भय≁७०		ढक्कनं, भौर संवरक
•	र्शेच क्रीर कॉच कासामान	70.11	कांच क्रावरण (जिसके ग्रन्तगत बस्य भीर द्यूब हैं) खुले भीर
70.01	भग्न कोच भीर भ्रन्य भ्रपणिष्ट श्रीर कांच की स्क्रेप, मास, कांच		उनके कांचा के भाग, बिना फिटिंग के, विद्युत् लैंगों के लिए, केथोड-
70.02	गोल कांच (गोर्प सं० 70.18 के	70.12	किरण द्युब या ऐसे ही सामान निर्वात फ्लास्क या म्रन्य निर्वात
	सूक्ष्मगोल कमे भिन्न, छ ड़ें या नलिकाएँ श्र कमि त	70.12	निपात पंतारक या अन्य निपात बर्त नों के लिए कांच की ग्र न्तर- वस् तु एं
70,03	ढलवां कांच घोर बेल्लित कांच, शीटों या प्रोकाइलों में, चाहु वे झवशंशक या परावर्ती वाले हों या न हों, किन्तु धन्यथा कर्मित न हों	70.13	इस प्रकार के कांच के सामान जिनका उपयोग खाने-पीने के, रसोई घर के, गौच के, कार्यालय के,
70.04	कर्मित काच भौर फुलाया, शीटो में, चाहे श्रवशोषक या परावसी पती वाले हों या नहीं किन्तु अन्यथा कर्मित न हों		ध्रान्तरिक सजावट के या ऐसे ही प्रयोजन के लिए किया जाता है (गीर्ष सं० 70.10 या 70.18 के सामानों से भिन्न)
70.05	प्लव कांच भ्रौर पृष्ठवर्षित या पालिश किया हुमा कांच, चादरों में, चाहे मयशेषक या परावर्ती पतों वाले हों या नहीं, किन्तु सन्यया कमित न हों	70.14	संकेतन कांच के सामान ग्रीर कांच के प्रकाशीय भवयव (उनसे भिन्न जो णोर्ष सं० 70.15 के अन्तर्गत भाते हैं) जो प्रकाशोय रूप से कमित नहीं
70.06 70.07	शीर्ष सं० 70.03, 70.04 या 70.05 के अन्तर्गत आने वाला, कांच मुझा हुआ, किनारा-कर्मित, उत्कीर्ण, बर्माया हुआ, एनेमल किया हुआ या अन्यया कर्मित, किन्तु जो अन्य सामग्रियों के साथ फ्रेम किया गया या फिट किया गया न हो मुरक्षा कांच, जो कठोर (पाना	70.15	वीवाल घड़ियों या कलाई घड़ियों के शीशे भीर इसी प्रकार के शीशे, नोन-करेक्टिश या करेक्टिश चप्रमों के शीशे, वक, मुद्दे, खोखले या बैसे हो, जो प्रकाशोय रूप से क्रिंगत नहीं हैं, खोखले कांच गोलक भीर उनके खंड, ऐसे कांच के विनि- मणि कें लिए
	चका) या पटिलत कांज से मिल- कर बना हो	70.16	संपीड़ित या संचित कांत्र के खंडजे, बंजाक, सिल्ली, ईंटें, वर्ग, टाइलें
70.08	कांचे की बहुभिसि रोधा यूनिट		या ग्रन्य वस्तुएं; चाहे उन में तार

[পান]—-আৰু i] 	भारत का रुल	पद्धाः असाधारण	03
(1)	(2)	(1)	(2)
	हाये हों या नहीं, जो ऐसी किस्म के हैं जिनका उपयोग भवन निर्माण या मित्रमीण के लिए किया जाता है, कांच के दृष्य और कांच के धन्य		गए न हों; क्रमबद्ध न किए गए मोती, प्राकृतिक या कल्चरी जो परिवहन की सुविधा के लिए ग्रस्थायीरूप से गूंथ दिए गए हो
	छोटे सामान पाहे वे पृष्ठाधान पर हों या नहीं मौजाइक या उसी प्रकार की मजाबट के प्रयोजन के लिए; सीसिट जाइटें धीर वैसे ही सामान;	71.02	हीरे, घाहे कर्मित हों या नहीं, विन्तु जेः मढ़े हुए या जड़े हुए न हों
	बहुल सेलुलर या फोम कांच, ब्लाकों, पेनलों, प्लेट, खोलों में या उर्सा प्रकार के रूपों में	71.03	रत्न (हीरे से भिन्न) और उपरत्न, चाहे वे कमित या कमबद्ध किए गए हों या नहीं, किन्तु जो गूंथ
70.17	प्रयंगणाला, स्वन्छता या भेष िक काम के कांच के साम न, राहे वे क्रमांकित या श्रंशीकित हो या नही		गए मढ़ेगए या जड़ेगए नहीं हों; श्रक्रमबद्धरत्न (हीरेसे भिन्न) और उपरत्न जोपरिवहनकी सुविधा केलिए श्रस्थाति रूप से गूंथ दिए
70,18	कांच के मनके, नकली मेंर्सी, गक्की रत्न या उपरत्त श्रीर समरूप कांच के छोट सामान, श्रीर	71.04	गए हों इन्द्रिम या पुर्तीनिमित रतन था
	समस्य काच के छाट सामान, आर नकति आभूषण से किस उन्की वस्तुएं प्रास्थेटिक वस्तुओं से भिन्न काच की मांखें; नकती माभूषणे से भिन्न लघु प्रतिभाएं और लैंग्य कर्मित कांच के झन्य द्याभूषण । मि० मी० ट्यास से अनिधिक कांच सूक्ष्मगोलका	71.04	उपरत्न, चाहे वे किंमत या क्रमबद्ध किए गए हों या नहीं किन्तु जो गृथे गए, मढ़े गए या जड़े गए नहीं हों, अक्रमबद्ध कृक्षिम या पुनर्निमित रत्न या उपरत्न, जो परिवहन की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से गृथ विए गए हों
70.19	कांच के फाइबर (जिनके श्रन्तर्गेन कांच ऊन भी है) और उनकी वस्तुएं (उदाहरणार्थं सून व्यृतिन फैंक्रिक)	71.05	प्राकृतिक या कृत्रिम रत्न या उपरत्न की धूल और चर्ण ^{II} - बहु ्र स्य धातु और बहुन्स्य धा त् से प्रधित्रहि ट धा तु
_	कांच की श्रन्य घम्तुम् श्रनुभाग 14 वरी मोती, रस्म या उपरस्म, बहुमूस्य धासुएं की परत चढ़ी धातुएं और उनकी बस्तुएं, नकसी	71.06	विना गढ़ी गई या भ्रधनिर्मित क्ष में या चूर्ण के रूप में चांदी (जिसके भन्तर्गत स्वर्ण या प्लेटिनम लेपित चांदी भ्राती है)
	ग्राभूषण, सिक्का ग्रध्याय-71	71.07	चांवी से अधिपद्वित प्राधार धातु जो अर्धवितिमित से माग कर्मित न
बहुमूल्य धातुबों ।	श्ररी मोती, रत्न या उपरस्म, बहुमूल्य धातुएँ, कोपरत बढ़ीधातुएँ घौर उन्की घस्तुएँ, नकसी ग्राभूषण , सिक्का इतिक या कल्चरी मोती ग्रौर रस्न या उपरस्म	71.08	हो बिता गढ़ा या श्रधविनिमित रूप में या चूर्ण रूप में स्वर्ण (जिसके श्रन्तर्गत प्लेटिनम से लेपित स्वर्ण श्राता है)
71.01	नाति, पाप्रतिति या करुनरी, चाहे, प्रतिति पा कसवद्ध हों या नहीं धिन्तु जो गूंथें गण, मढे गण, ज डे	71.09	स्वर्ण से ग्रधिपट्टित ग्राधार धातु या चांदी, जो ग्रधविनिमित से ग्रार कर्मित न हो

1	2	1 0	2
71.10	बिना गढ़ा या अर्धविनिभित रूप में या चूर्णरूप में प्लेटिनम		भार के स्राधार पर लौह की न्यूनतम मुद्धता 99.94 प्रतिशत पिडकों,
71.11	प्लेटिनम के ग्रधिपट्टित ग्राधार		फ्लिटों या वैसे ही रूप में हो ।
	धातु, चांदी या स्वर्ण जो ग्रर्ध- विनिमित से श्रागे कमित न हो	72.04	फैरस भपिशष्ट और स्क्रैप, पुनर्गलन- शील स्क्रैप, लौह या इस्पात की
1.12	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से		सिल्लियां
	श्रधिपट्टित धातु का ग्रपशिष्ट या स्क्रैप	72.05	कच्चे लौहकी कणिकाएं और चूर्ण, स्वीगल ग्राइजेन लौह या इस्पात
	III-आ भूषण, स्वर्णकार और रजतकार		Π . लोहे और अमिश्र धातु इस्पा
	के सामान तथा अन्य वस्तुएं	72.06	सिल्लियों में या ग्रन्य प्राथमिक
1.13	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्यं धातु से अधिपट्टित धातु के आभूषण की		रूपों में लौह और ग्रमिश्र धातु इस्पात (इसके ग्रन्तर्गत शीर्ष सं० 72.03 का लौह नहीं है)
	वस्तुएं और उनके भाग	72:07	लौह या ग्रमिश्र धातु इस्पात के अंश-
1.14	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से		परिसज्जित उत्पाद
	श्र धिपट्टि त धातु के स्वर्णकार या र जत कार के सामान की वस्तुएं	7 2.08	600 मिलीमीटर या ग्रधिक चौड़ाई के लौह या ग्रमिश्र धातु इस्पात के
1.15	बहुमूल्य धातु या बहुमूल्य धातु से ग्रधिपट्टित धातु की ग्रन्य वस्तुएं		चपटे वेल्लित उत्पाद जो तप्त- वेल्लित, विना परत चंढ़े हुए, विलेपित
1.16	प्राक्नुतिक या कल्चरी मोती, रत्न		या लेपित हों।
	या उपरत्न (प्राक्वतिक, कृतिम या पुनर्निमित) की वस्तुएं	72.09	600 मिलीमीटर या ग्रधिक चौड़ाई के लौह या ग्रमिश्र धातु इस्पात के
1.17	नकली श्राभूषण		चपटे-वेल्लित उत्पाद, जो शीत-वेल्लित
1.18	सिक्के		(शीतग्रपचित) बिना परत चढ़े
	श्रनुभाग-1 5	#9 10	हुए विलेपित या लेपित हों
	प्राधार धातु श्रोर श्राधार धातु को वस्तुएं	72 ·10	अधिपट्टित, विलेपित या लेपित, 600 मि० मी० या अधिक की चौड़ाई
	अध्यास-72		वाले लोहे या ग्रामिश्र धातु इस्पात के चपटे वेल्लित उत्पाद
	लोहा स्रोर इस्पात	72.11	600 मि० मी० से कम की चौड़ाई
	ज्ञार्थमिक सामग्रियां		कले लोहे और स्नमिश्रधातु इस्पात के चपट वेल्लित उत्पाद जो बिना
	कणिकामय या चूर्ण रूप में उत्पाद		परत चढ़े हुए नहीं, लेपित या
2,01	कच्चा लोहा और स्पिगेल ब्राइजेन		विलेपित हों
	पिगों, ब्लाकों या श्रन्य प्राथमिक रूपों में	72 .12	600 मि० मी० से कम की चौड़ाई वाले चपटे वेलित उत्पाद जो
2.02	लौंह मिश्र धातु		परत चढ़े हुए लेपित या विलेपित
2,03	लौह अयस्क का प्रत्यक्ष भ्रपचय		हों
	करके प्राप्त फेरस उत्पाद और पिडकों, पिलटों या वैसे ही रूपों में ग्रन्य स्पंजी फेरस उत्पाद जिनमें	72.13	लौह या ग्रमिश्रधातु इस्पात के ग्रनिय- मित रूप से, कुंडलित कुण्डलियों में तप्त-लेपित शलाकाएं भीर

(1)	(2)	(1)	(2)
72.14	लौह या ग्रमिश्रधातु इस्पात की ग्रन्य शलाकाएं और छड़ें जिन्हें गढ़ा, तप्त, वेल्लित, तप्त कषित या तप्त	72.26	अन्य मिश्रधातु इस्पात के चपटे-वेल्लित उत्पाद, जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० से कम हो
	वहिर्वेधित से भ्रागे कींमत न किया गया हो किन्तु इसके भ्रन्तर्गेत वे है जो वेलत्र करने के पश्चात् यार्वीतत हो गई हो	72,27	ग्रन्य मिश्रधातु इस्पात की शलाका एं और छड़ें जो तप्त वेल्लित और ग्रनिय- मित रूप से कुण्डलियों में लपेटी हु ई हों
72.15	लौह या ग्रमिश्रधातु इस्पात की ग्रन्य शलाकाएं और छड़ें	72.28	अन्य मिश्र धातु इस्पात की ग्रन्य शलाकाएं और छड़ें <mark>ग्रन्य मिश्रधातु</mark>
72.16	लौहे या भ्रमिश्रातु इस्पात के कोण, ग्राकृति और सैक्शन		इस्पात के क'ण, ग्राकृतियां और सैक्शन; मिश्रधातु या ग्रमिश्रधातु
72.17	लोहेया ग्रमिश्रधातु इस्पात के तार		इस्पात की खोखली प्रबंधन शलाकाए और छड़ें
11	🗓 स्टेनलैस स्टील	72.29	भ्रन्य मिश्रधातु इस्पात का तार
72 .18	सिलिका या ग्रन्य प्राथमिक रूप में स्टेनलैस स्टील, स्टेनलैस स्टील के परिरूपित उत्पाद		्श्रध्याय—-73 लोहे या इस्पात की वस्तुएं
72.19	स्टेनलेस स्टील के चपटे-वेल्लित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी०या ग्रधिक है	73.01	लोहे या इस्पात की शीट पाइलिंग, वाहे वे प्रबेधित, छिदित या समा- योजित तत्वों से बनाई गई हों या नहीं, लोहे या इस्पात के वैल्ड
72.20	स्टेनलेंस स्टील के चपटे-वेल्लित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० से कम हो	73.02	किए हुए कोण, म्राक्वति और सैक्शन रेल या ट्राम मार्ग के निर्माण की
72.21	मा ० स कम हा स्टेनलैंस स्टील की ग्रनियमित कुंडलित कुण्डलियों में तप्त वेल्लित शलाकाएं और छ ड़ें		लोहे या इस्पात की सामग्री, ग्रर्थात् निम्नलिखित : पटरियां, चैक पटरियां और रैक पटरियां, स्विच ब्लैड, कार्सिग फ़ाग, प्वाइट छड़ें और ग्रन्थ
72.22	स्टेनलैस स्टील की ग्रन्य शलाकाएं और छड़ें, स्टेनलैस स्टील के कोण, ग्राकृति और सैक्शन		क्रासिंग वस्तुएं, स्लीपर (क्रास-टाई) फिश प्लेटें, कुर्तियां, कुर्सियों के बेज, सोल प्लेटें (ग्राधार प्लेटें) रेलक्लिप,
72. 2 3	स्टेनलैंस स्टील के तार IV अन्य मिश्रधातु इस्पात, मिश्रधातु का निश्रयातु इस्पात का खोखली		बेंड प्लेटें, टाइयां और रेल की पटरियों को जोड़ने या लगाने के लिए विशिष्ट ग्रन्य सामग्री
	बर्माशलोकाएं और छड़ें सिलिकाओं या ग्रन्य प्राथमिक रूपों	73.03	ढलवां लोहे की नालियां, पाइपें और खोबले प्रोफाइल
72 24	ासालकाआ या भ्रन्य प्राथामक रूपा में भ्रन्य मिश्रधातु इस्पात; भ्रन्य मिश्रधातु इस्पात की अंश-परिरूपित उत्पाद	73.04	(ढलवां लोहे से भिन्न) लोहे या इस्पात की सीवनहीन निलयां, पाइपें और खोखले प्रोफाइल
72.25	ग्रन्य मिश्रघातु इस्पात के चपटे-वेलित उत्पाद जिनकी चौड़ाई 600 मि० मी० या उससे ग्रधिक है	73,05	लोहे और इस्पात की अन्य निलयां और पाइपें (उदाहरणार्थ वेल्ड की हुई, रिबेट लगी हुई या उसी प्रकार
947 GI/ 9 0—9.	નાહધા હત્તત ભાવ ^ન ફ		हुर, १८५८ समा हुर था उसा अन्यर

(1)	(2)	(1)	(2)
	से बंद), जिनके ग्रान्तरिक और बाहरी वृत्ताकार ग्रनुप्रस्य काट है, जिनका बाहरी घेरा 406.4 मि०		उष्मारोधक हो या नहीं किन्तु उनमें यांत्रिक या उष्मीय उपस्कर न लगाए गए हों
73.06	मी० से श्रधिक है लोहे या इस्पात की श्रन्य नलियां,	73, 11	संपीड़ित या द्रवित गैस के लिए लोहेया इस्पात के ग्राधान
	पाइपें और खोखले प्रोफाइल (उदाहरणार्थ, खुले सीवन, या वैल्ड किए, रिबेट लगे हुए या उसी प्रकार से बंध)	73.12	लोहे या इस्पात के गुंफित तार रस्पे, केबल, संग्रंथित बैंड, स्लिग और वैसी हो वस्तुएं, जो विद्युत मे रोधीनहों
73.07	लोहे या इस्पात की नली या पाइप फिटिगें (उदाहरणार्थः युग्मक, एल्बो, स्लीव)	73.13	लोहे या इस्पात के कंटकीय तार लौह या इस्पात की बाड़ लगाने के लिए प्रयोग किए जाने के
73.08	लोहे या ६स्पात की संरचनाए (शीर्ष संब 94.06के पूर्व संविर- चितभवनों के छोड़कर) और संरघ- नाओं के भाग (उदाहरणार्थ पुल,		लिए ब्यार्वीतत हुए या एकल चपटा तार, चाहे वहुं कंटकीय ही या नहीं और ढीजा व्यार्वीतत दोहरा तार
	पुल के सैंक्शन, जलपाश द्वार, मीनारें, जालक मस्तूल छत्तें, छत्त के ढांचे, दरवाजे और खिड़कियां और उनके ढाँचे तथा दरवाजों की चौखटें, शटर,	73.14	लोहे या इस्पात के तार का कपड़ा (जिसके श्रन्तर्गत बिना सिरे वाले बैंड है) जंगला, जालियों और बाड़, लौह या इस्पात की प्रभारित धासु
	जंगले, स्तंभ और लाट); लोहे या इस्पात की प्लेटें, छड़ें, कोण, ग्र <i>फ्र</i> -	73.15	लोहे या इ स्पात की जंजीर और उनके भाग
	तियां, सेक्शन नलियां और वैसी ही भ्रन्य वस्तुएं जो संरचनाओं	73.16	लौह या इस्पात के लंगर, कांय लंगर भ्रौर उनके भाग
	को तैयार करने में उपयोग के लिए निर्मित हैं	73.17	लोहे या इस्पात की कीलें, विरजी, ड्राइंग पिन, लहरदार कील, स्टेपस
73.09	(संपीड़ित या द्रविस गैस से भिन्न) किसी सामग्री के लिए लोहे या इस्पात के कुंड, टेकियां, नाक्ष और वैसे ही श्राधान, जिनकी क्षमता 300 लि॰ से श्रधिक हैं, चाहे		(गीर्ष सं० 83.05 से भिन्न) और वसी ही वस्तुएं, चाहे उनके सिरे अन्य सामग्री के हों या नहीं हों, किन्तु इनके ग्रन्तगंत ऐसी वस्तुएं नहीं हैं जिनके सिरे तांबे के हैं
	वे अस्तरित या ऊष्मा-रोधी हों या म हों, किन्सु जिनमें यांक्रिक या उष्नीय उपस्कर फिट नहीं किए गए हैं	73.18	लोहे या इस्पात के पच, बोल्ट, नट, कोचर्षेच, पेच हुक, कील, फफ्री, फफ्रीपिन, वाशर (जिनके अन्तर्गत स्प्रिय वाशर भाता है) और
73 .10	(संपीड़ित या द्रवित गैस से भिन्न) किसी सामग्री के लिए लोहे या इस्पात की टंकियां, पीपे, जूम, डिब्बे, बक्से, और वैसे ही ग्राधान जिनकी धारिता 300 लीटर से ग्रिधिक न ही चाड़े उनमें भ्रस्तर या	73.19	वैसी ही वस्तुएं सिलाई की सुइयों, बुनाई की सुइयों, सूभा, कोशिया हुक, कसीदाकारी स्टीलेटों और हाथ में प्रयोग के लिए लोहे या इस्पात की इसी प्रकार की वस्तुएं, लोहे या इस्पात

(1)	(2)	(1)	(2)
	के सुरक्षापिन और भ्रन्य पिन जो	74.05	तांबे की मास्टर मिश्रघातुएं
	भ न्यत्न विनि दि ष्ट या समाविष्ट	74.06	तांबा चूर्णऔरपञ्जक
	नहीं हैं ।	74.07	तांबा मलाकाएं, छड़ें और प्रोफाइल
73.20	लोहे या इस्पात की कमानियां और	74.08	तांबा तार
	कमानियों के लिए पत्तियां	74.09	0.15 मि॰ मी॰ से ग्रधिक मोटाई
73.21	लोहे या इस्पात के स्टोव, चूल्हे, झंझरी		की तांबे की प्लेटें, शीटें और पट्टियां
	कुकर (जिसके भ्रन्तर्गत [े] वेभी हैं	74.10	0.15 मि० मी० से भ्रन्धिक मोटाई
	जिसमें केन्द्रीय तापक के लिए धनुषंगी		(किसी पृष्टक को छोड़कर) की
	धायलर लगे हैं) बारनेक्यू अंगीठी ,		नांबे की पर्णी (चाहे मुद्रित या कागज
	गैसरिंग, प्लेट तापक और इसी प्रकार		गत्ता, प्लास्टिक या वैसी ही पृष्ठ
	के गैस विद्युत घरेलू साधित और उनके		सामग्री केपूष्ठवाली हों यान हों
	पुर्जे	74.11	तांबे की ट्यूब और पाइप
73.22	लो हेया इस् पात के केन्द्रीय तापन के	74.12	तांबेकी ट्यूबया पाइप फिटिगें
	लिए बिकिरक, जो विश्वतीय तप्त		(उदाहरणार्थ, युग्मक, ऐल्बो, बाहु)
	नहीं हों और उनके पुर्जे, वायु तायक	74.13	तांबे की गुम्फित तार, केबल, संग्रथित
	और उष्ण् वायु वितरक (जिनके		पट्ट और इसी प्रकार का सामान,
	भ्रन्तर्गत ऐसे वितरक भी भ्राते हैं	~	जो विद्युत रोधी नहीं किया गया है
	जो ताजी ग्रनुकूलित वायु का वितरण	74.1 4	तांबे के तार का कपड़ा (जिसके श्रन्तर्गत बिनासिरे वाले बैंड भी
	कर सकते हैं) जो विद्युतीय तापित		अन्तगत ।वना ।सर वाल वड मा हैं), जंगला और जाजी; तांबे का
	नहीं हैं, जिनमें लोहे या इस्पात का मोटर चालित पंखा या ब्लो ग र		ह), जगना आर जाना, ताब का प्रसारित धातु
	माटर चालित पखा या ब्लाम्सर लगा हो और उनके पुज	5 4 15	-
		74.15	तांबे की या तांबे के शीर्ष वाली
73.23	लोहे या इस्पात की, लोहे या इस्पात		लोहे या इस्पात की कीलें, विरंजी, ड्राइंग पिन, स्टेपिल (गीर्ष सं०
	ऊर्णकी मेज, रसोई या श्रन्य घरेलू वस्तुएंऔर उनके पुज; लौहाया इस्पात		83.05 की वस्तुओं से भिन्न) और
	वरपुर जार उनका युज, लाहा या इस्पात ऊर्ण; लोहे या इस्मात के पात परिमार्जक		वैसी ही वस्तुएं; तांबे के स्कू,
	और परिमार्जन या पालिशिंग पैड		बोल्ट, नट, स्कू, हु ह, रिबेट, फन्नी,
73,24	लोहे या इस्पात के स्वच्छता पान्न और		फर्फ़ा पिन, बाशर (जिनके भन्तर्गत
13,24	उनके भाग		कमानी वागर भी हैं) और वैसी
77 05			ही वस्तुएं
73.25	लोहेया इस्पात को ग्रन्य ढलवा वस्तुएं	74.16	तांबे की कमानियां
73.26	परपुर लोहेया इस्पात की भ्रान्य वस्तूएं	74.17	तांबे के घरेलू प्रयोजनों के लिए
73.20	राहि या १८मात ना क्रांच चरधुर	, ,	प्रयुक्त किस्म के प्रकाने के या तापक
	मध्याय-74		उपकरण, जो म विद्युत है ं और
	तां वा भौर उसकी वस्तुएं		उनके पुर्जे
	· _	74.18	तांबे की खाना परोसने की, रसोई
74.01	तां बा भैं ट; सीमेंट तांबा (भ्रवञ्जेपित		घर की या श्रन्य गृहस्थी की
	तांबा)		वस्तुएं और उनके भाग; तांब के
74.02	प्रारिष्कृत ताबा; विद्युत श्राबटनी		पाल निघर्षक और तांबे के निघर्षण
	परिष्करण के लिए तॉबा ऐनोड		या पालिश करने के पेंड, दस्ताने और
74.03	बिना गड़ा हुमा परिष्कृत तोबा और -		वै सीही वस्तुएं, तांबे का स्वच्छता
	मिश्र घातुएं		सामान और उनके भाग
74.04	तांबा भ्रयभिष्ट और स्क्रैप	74.19	तांबे की श्रन्य वस्तुएं

(1)	(2)	(1)	(2)
	श्रध्याय—75		ग्रीर संरचना के भाग (उदाहरणार्थ
	निकल भ्रोर उसकी वस्तुएं		पुल, पुल के भाग, मीनार (लाट) जालक मस्तूल, छत्तें छत्त ढ़ांचा,
75.01	निकल मेट, निकल श्रावसाइड		दरवाजे भ्रौर खिड़िक्यां भ्रौर उनके
75.01	सिंटर भीर निकल धातु के भ्रन्य		फ़्रेम, चौखट भ्रौर दरवाजों के
	मध्यवर्ती उत्पाद		लिए देंहली, जंगला, खंभा ध्रौ र
75.02	बिना गढ़ा हुग्रा निकल		स्तंभ);
	निकल ग्रधातु मिश्रित		एल्युमिनियम प्लेट, छड़ें, प्रोफाइल,
	—निकल मिश्रवातु		नली भौर वैसी ही वस्तुएं जो संरचना में उपयोग के लिए तैयार
75.03	निकल ग्रपशिष्ट भीर स्कैप		की जाएं
75.04	निकल चूर्ण धौर पत्र र	76.11	किसी सामग्री के लिए (संपीड़ित
75.05	निकल शलाकाएं, छड़ें, प्रोफाइल धौ र तार	76,11	या तरल गैस से भिन्न) एल्युमिनियम
75.06	निकल प्लेटें, शीटें, पट्टी ग्रौर पर्णी		कुंड, टंकियां, वैट श्रीर वैसे ही ग्राघान जो 300 लि॰ से ग्रधिक
75.07	निकल निलयां, पाइप श्रीर निलयां		धारिता के हों चाहे वे धस्त रित या
	या पाइप फिटिंगें (उदाहरणार्थ		उष्मारोधित हों या नहीं हों किस्तु
00	कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स निकल की ग्रन्य वस्तुएं		यांत्रिक या तापीय उपस्कर लगे हों
75.08	-	76.12	किसी सामग्री (संपीड़ित या तरल
	झध्याय—76		सि से भिन्न) के लिए एल्युमिनियम
	एल्य्मिनियम श्रौर उसकी वस्तुएं		हैस्क, ड्रम, पीपे, बक्से ग्रीर वैसे
76.01	विना गढ़ा एल्युमिनियम		ही आधान (जिनके अन्तर्गत अनम्य
76.02	एल्युमिनियम भ्रपशिष्ट भ्रौर स्कैंप		ग सिमटवां नलिकायुक्त ग्राधान है) जो 300 लि॰ से ग्रनधिक की
76.03	र्ल्युमिनियम चूर्ण ग्रौर पत्नक		शारित के हों चाहे उन पर ग्राधा-
76.04	_{र्ल्यु} मिनियम शलाकाएं, छड़ें श्रौर प्रोफाइल		रित या उष्मा रोधी हों या नहीं किन्तु उन पर यांत्रिक या तापीय
76.05	एल्युमिनियम तार		उपस्कर लगे हों
76.06	एल्युंमिनियम प्लेटें, शीटें श्रौर पट्टी जिनकी मोटाई 2 मि०मी० से श्रधिक है	76.13	संपीड़ित या तरल गैंस के लिए एल्यु- मिनियम के म्राधान
76.07	एल्युमिनियम पर्णी (चाहे वह मुद्रित	76.14	एल्युमिनियम के गुंफित तार, केबल,
, 0 . 0 .	या कागज, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक या		लेपित बैंड ग्रौर वै सी ही वस्तुएँ
	भ्रन्य पृष्ठावली पदार्थ से पृष्ठावली		जो विद्युत से रुद्ध न की गई ह
	किया गया हो या नहीं) जिसकी	76.15	एल्युमिनियम की मेज, रसोई की य
	मोटाई (पृष्ठावली छोड़ ∜र) 2 मि० मी० से ग्रधिक न हो		श्रन्य गृहस्थी की वस्तुएं श्रौर उनवे भाग, बर्तन माजने की मशीन
76.08	एल्युमिनियम नली ग्रौर पाइप		भौर एल्युमिनियम के रगड़ने य
76 09	एल्युमिनियम नली ग्रौर पाइप फिटिंग (उदाहरणार्थं कप्लिग, एल्बो, स्लीव्स)		पालिश करने के पैड, दस्ताने ग्रौ वैसी ही वस्तुएं, एल्युमिनियम
76.10	्एल्यूमिनियम संरचना शीर्ष सं० 94.06 के धन्तर्ग त माने वाले		स्वच्छता सम्बन्धी सामान श्रौर उन भाग
	पूर्व संविरचित भवनों को छोडकर	76 , 16	एल्युमिनियम की ग्रन्य वस्तुएं

मार्गीवंद रे] नारत का र		भारत का राजपक्क : असीधारण	
(1)	(2)	(1)	(2)
	ग्रध्याय-78		हों) जिसकी मोटाई (पृष्ठावर्ल
	सीसा ग्रौर उसकी वस्तुएं		को छोड़कर) 0.2 मिलीमिटर
8.01	बिना गढ़ा सीसा		से श्रधिक हो, रांगा चूर्ण श्रौ ः पत्नक
8.02	सीसा श्रपशिष्ट ग्रौर स्क्रैप	80.06	रांगे की नालिकाएं, पाइप श्रौर
8.03	सीसा की शलाकाएं, छड़ें प्रोफाइल श्रौर तार	00.00	नालिकाएं या पाईप फिटिंग (उदा हरणार्थं कप्लिंग, एल्बो, स्लीब्स
8.04	सीसा की प्लेटें, चादरें, पट्टियां ग्रौर पणियां—सीसा का चूर्णं ग्रौर	80.07	रांगा की ग्रन्य वस्तुएं ग्रध्याय -81
	पत्नक		
8.05	सीसे की नलिकाएं, पाइपों भौर		अग्य आधार धातुएं सीमेंट और उनकी वस्तु
	नलिकाझों या पाइपों की फिटिंग (उदाहरणार्थं, कप्लिंग, एल्बो, स्लीव्स)	81.01	टंगस्टेन, (बुल्फ़ेंम)ग्रौर उसकी वस्तु जिसमेँ ग्रपशिष्ट ग्रौर स्क्रैप है
8.06	सीसा की ग्रन्य वस्तुएं ग्रध्याय79	81.02	मालिबडेनम धौर उसकी वस्तु जिसके मन्तर्गत ग्रपशिष्ट अ
	जस्ता ग्रौर उसकी वस्तुएं		स्क्रीय है
		81.03	टेंटेलगमीर उनकी वस्तुएं जिसके ग्रन्तर्गत ग्रपशिष्ट स्क्रैप है
79.01	बिना गढ़ा जस्ता जस्ता धपशिष्ट श्रौ र स्क्रैप	81.04	मैग्नीशियम श्रीर उनकी वस्तुएं, जि
79.02		01.04	श्रन्तर्गत श्रपशिष्ट और स्त्रैप है
7 9.03 7 9.04	जस्ता की धूल, चूर्ण श्रौर पत्नक जस्ताकी छड़ें, शलाकाएं, प्रोफाइल श्रौर तार	81.05	कोबाल्ट मेट श्रीर कोबाल्ट धार कर्म के ग्रन्य मध्यवर्ती उत्पाद, कोबा श्रीर उसकी वस्तुएं जिसके श्रन्तर
79.05	जस्ता की प्लेटें, चादरें, पट्टियां ग्रौर पींणयां		भ्रपिशष्ट भ्रौर स्त्रैप है।
79.06	जस्ते की नलिकाएं, पाइपें स्रौर नलिकाएं या पाइप फिटिंग (उदा-	81.06	विस्मथ भ्रौर उसकी वस् जिसके भ्रन्तर्गत ग्रपशिष्ट स्क्रैप
	हरणार्थं किंप्लग, एल्वो, स्लीव्स)	81.07	कैडमियम भीर उसकी वस् जिसके भ्रन्तर्गत भ्रपशिष्ट क
79. 07	जस्ता की ग्रन्य वस्तुएं अध्या य 80		स्क्रैंप है
	दिन और उसकी वस्तुएं	81.08	टिटेनियम भौर उसकी वस्तु
80. 01	बिना गढ़ा रांगा		जिसके भ्रन्तर्गत भ्रपशिष्ट श्रं स्क्रैप है
80.02	रांगा श्रेपशिष्ट भ्रौर स्क्रैप	01 00	^{रकप ह} जिरकोनियम मौर उसकी वस
90.03	रांगा णलाकाएं, छड़ें, प्रोफाइल ग्रीर तार	81.09	जिसके ग्रन्तर्गत ग्रपशिष्ट ग्र स्क्रैप है
80.04	रांगा प्लेट, चादर ग्रौर पट्टियां जिसकी मोटाई 0.2 मिलीमीटर से ग्रधिक हो	81.10	एंटिमनी ग्रौर उसकी वस्त् जिसके ग्रन्तर्गत ग्रपशिष्ट ४ स्कैप है
80.05	रांगा पर्णी (चाहे छपा हो या नहीं या कागज़, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक या वैसी हीं बर्णित सामग्री से क्षेपित	81.11	मैंगनीज ग्रौर उसकी वस्त जिनके श्रन्तगैत श्रपशिष्ट ह स्कैप है ।

70	THE GAZETTE OF INDIA : EXTR	AORDINARY	[PART I—SEC 1]	
(1)	(2)	(1)	(2)	
81.12	बेरीलियम, क्रोमियम, जमनियम, वैनेडियम, गैलियम, हैफनियम, इंडियस, वायोनियम, (कोलो- म्थियम) रीनियम ग्रौर यैलियम ग्रौर इस धातुमों की वस्तुएं, जिनके ग्रन्सर्गत भ्रपणिष्ट ग्रौर		ब्लो लैम्प, यांक्षिक घौजारों के उपांग तथा उनके उपसाधनों से भिन्न शिकंजे घौर क्लैम्प; निहाई, सुवाद्य घंगीठी, हाथ से या पांव से चलाए जाने वाले ढांचे सहित सानचक्र	
81.13	स्क्रीय है सीमेंट भीर उसकी वस्तुएं, जिसके भन्तर्गत भपशिष्ट भीर स्क्रैप है सध्याय82 ग्राधार धाषु के ग्रीजार उपकरण कटलरी	82.06	खुदरा विकय के लिए सेट में रखे और गीर्ष सं० 82.02 में 82.05 में के दो या भिधक गोर्षों के भन्तर्गत भाने वाले भौजार	
82.61	चम्सच और कांटे; ग्राधार धातु के बने ग्रनके भाग निम्न प्रकार के हाथ के ग्रीजार,	82.07	हाय के मौजारों के लिए, या यांत्रिक मौजारों के लिए (उदाहर- णार्थ प्रेप करने, स्टाम्प लगाने,	
	फावड़े, बेलचे, कुदालें, गैसी खु कांटे भौर पटेले, कुल्हाड़ी, गण्डासा भौर इसी प्रकार के खुर्पाद भौजार, किसी भी प्रकार की कलम, केंची, हासियेव दरांती, घास काटने की कैंची, बाड़, कर्तरी, काष्ठ कील श्रौर इसी प्रकार के भौजार जिनका उपयोग कृषि, उद्यान कृषि, वानिकी में किय		िछत्र करते, टैप करते, बूड़ी बनाते, प्रवेधन, वेधन, मोडन, मिलियन, मोडन या पेच कसते के लिए जितिसय ख्रौजार चाहे शक्ति चालित हों या नहीं, जिसके अन्तर्गत धातु कर्षणया बहिर्वेधन के लिए डाइयां ख्रौर चट्टान प्रवधन या मृतिका बेधन ख्रौजार	
32.02	जाता है हाथ के भारे, सभी प्रकार हो	82.08	मशीनों या यांति र साधिनों के लिए धुरी श्रौर कर्तन स्लेख	
	भ्रारों के ब्लेड (जिनके भ्रन्तर्गत प्रकर्तन, छेद करने वाली मगीन या बिना दांतेदार भारों के ब्लेड हैं)	82.09	ग्रौजारों के लिए प्लेटें, छड़ें नोकें ग्रीर वैसी ही वस्तुएं जो चढ़ी हुई न हों तथा जो सिन्टरित धारिव∌ कार्वाइड या समट की हो ।	
82.03	रेतियां तथा मोटी रेतियां, प्लायर (जिसमें कर्तन प्लायर भी हैं) संदेशिका, चिमटी, कर्तनी, पाइप कर्त्तक, बोल्ज कापर्स, छिद्रण	82.10	ह्स्य चानित, यांत्रिक साधित्र जिनका भार 10 किलोग्राम या कम हो भौर जो इस प्रकार की	
A	पंच, भीर वैसे ही हाथ के श्रीजार		हो जिनका उपयोग भोजन ग्रीर पेय को तैयार करने, ग्रनुकूलित	
82.04	हुस्त चालित स्पेमर प्रौर रिच (जिनके भ्रम्लर्गत टॉर्कमीटर रिच है, किन्तु टेप रिच नहीं है) इस्थे वाले या बिना हस्थे वाले विनिमय स्पेनर साकेट	82.11	करने या परोसने के प्रयोजनों में लिए किया जाता है गीर्ष सं० 82.08 के भन्तर्गत भाने वाली छुरियों से भिन्न कर्तन	
82.05	हाथ के भौजार (जिसके श्रन्तर्गत ग्लेजिमर्स डायमंड है) जो भ्रन्यस विनिधिष्ट या सम्मिलिस नहीं है,		ब्लेड सहित छुरियां, चाहे कर्काचित हों या नहीं (जिसमें छटाई स छुरी भी है) भौर उनके लि ब्लेड	

(1)	(2)	(1)	(2)
82.12	रेजर और रेजर ब्लेड (जिनके श्रन्तर्गत पट्टियों में रेजर ब्लेड		वैसी ही वस्तुओं के लिए दरवाजे और सेफ डिपाजिट
82.13	ब्लैंक हैं) कैंची, टेलर कर्तनी और उसी प्रकार की कर्तनी और उसके ब्लेड ।	83 04	शीर्ष सं० 94.03 के घन्तर्गत ग्राने वाले कार्यालय फर्मीचर से भिन्न घाबार धातु के फाइलिंग कबिनेट, कार्डइंडेक्स कैबिनेट, पेपर
82.14	कटलरी की म्रन्य वस्तुएं (उदा- हरणार्थे केश कर्तक, बुक्पर या रसोई घर विदारक, कर्तक और		ट्रे, पेपर-रेस्ट, पैन-ट्रे, कार्यालय स्टाम्प स्टैण्ड और वैसे ही कार्यालय या डैस्क उपस्कर
	मिस करने वाली छुरियां, पेपर छुरियां) मेनिक्योर या पैडीक्योर और उपकरण (जिसमें नेल फाइल सेट भी है)	83.05	श्राधार धातु के लूज लीफ बंधकों या फाइलों के लिए फिटिंगें, पत्नों की किल्पें, इन्डैक्सिग-टैगो और वैसे ही कार्यालय की वस्तुएं, ग्राधार धातु के स्ट्रियों में स्टैपिल (उद्या-
82.15	चम्मच, कांटे, करछुल, ग्रपमाथिन्न केक परोसने वाली, मत्स्य छुरी, मक्खन छुरी, चीनी चिमटा और		वाषु क स्ट्रिक्स म स्टाबल (उदार हरणाथ, कार्यालयों, भ्रवहोल्सटरी, पैकेजिंग के लिए)
	रसोई या खाने-पीने के वैसे ही वर्तन हैं ।	83.06	भाधार घातु की घंटियां, घंटे और वैसे ही वस्तुएं, जो बिजली की नहीं हैं, श्राधार धातु की लघु
	ग्रध्याय-83 ग्राधार धातु की प्रकीर्ण वस्तुएं		प्रतिमाएं और मन्य भलकरण, ब्राधार धातु के फोटोग्राफ, चित्र
83.01	भाघार घातु के वियोज्य ताले और ताले (चार्बी संयोजन या बिजली		आवार वातु के जाडाकाक, क्या या वैसे ही फ्रोम, श्राधार धातु के दर्वण
	से प्रवालित); धातु के खटके और खटकों सहित फ़ेम जिनमें	83.07	र्फिटिंगों सहित या उनके बिना श्राधार धातु की नम्य नली
	ताले बने हुए हों, आधार धातु की पूर्वगामी वस्तुओं में मे किन्हीं के लिए पाबियां	83.08	श्राधार धातु के एसे खटके, खटकों ाहित फोम, बाकल, बक्कल खटके, हुक, शांब, अक्षिकाएं और वैसी
83.02	श्राधार धातु की मढ़ाई फिटिंगें और वैसी ही वस्तुएं जो फर्नीचर, दरवाजों, सीढ़ियों, खिड़कियों, धर्ण- नियों, कोच वर्क, जीनसाजी, ट्रकों, चैस्ट, संदूषांची या वैसी ही श्रन्य वस्तुओं के लिए उपयुक्त हों, श्राधार धातु के हैट रैंक, हैट		ही वस्तुएं, जी कपड़ों, जूतीं, सायवानों, हैण्डबगों, यात्री की वस्तुओं, क्रन्य तैयार वस्तुओं के लिए उग्योग किए जाते हैं, शाधार धातु के सक्तदे या द्विमुखी रिबट, ग्राधार धातु के मनके और सलमें
	खूंटी, बैंकेट और वैंसे ही फिक्स- चर, श्राधार धातु की मढ़ाई सहित कैंस्टर, श्राधार धातु के स्वचालित डोर क्लोजर	83,09	भाधार धातु की डाटें, टोपियां, और दक्कन (जिनके भन्तर्गत काउन कार्क, पेच टोपियां और स्रजःस्रावी डाटें हैं) बोतजों के
83 03	म्राधारधातुके कविषत या प्रवलित सेफ, तिजोरियां, और कोष- कक्ष नकदी या विलेख वक्से और		अवः आपा कट हुँ चाराणा क कप्तमूल, चड़ीदार बग, बग श्राच्छाद सील तथा पैकिंग स ब धी भ न्य उपसाधन

(1)	(2)	(1)	(2)
83.10	शीर्ष सं० 94.05 के ग्रन्तर्गत ग्राने वाली वस्तुओं को छोड़कर, ग्राधार धातु की हस्ताक्षर प्लेटें नाम प्लेटें, पता प्लेटें और वैसी		भित उपयोजित, श्रतितापित्र, कज्जल हटाने वाला यंत्र,गैस प्रति- तापक) भाप या ग्रन्य वाष्प शक्ति यूनिटों के लिए कडन्सर
	ही प्लेटें, संख्याएं. म्रक्षर, और म्रन्य प्रतीक	84.05	शोधकों सहित या रहित उत्पादक गैस या जल-गैस जनित्र शोधकों
83.11	ग्राधार धातु के या धातु कार्बाइड के तार, छड़ें, नली, प्लेट, इलेक्ट्रोड और वैसे ही उत्पाद, जो इस प्रकार		सहित या रहित ऐसीटिलीन गैस- जनित्र और वैसे ही जल-प्रिक्रया गैसजनित्र
	की फलक्स सामग्री से विलेपित और क्रोडित हैं और जो घातु के या घातु कार्बाइडों के सोल्डर	84.06	भाप टर्बाइन और ग्रन्य वाष्प टर्बाइन
	करने, पक्का टांका लगाने, वैल्डन या निक्षेपण के लिए उपयोग में	84.07	चिन्गारी ज्वलन प्रत्यागामी या रोटरी भ्रन्तदहन पिस्टन इंजन
	लाई जाती है, संपीड़ित ग्राधार धातु के चूर्ण के ऐसे तार और छड़ें, जिनका उपयोग धातु स्प्रे करने के लिए किया जाता है	84.08	संपीड़न ज्वलन अतदहन पिस्टन इंजन (डीजल या ग्रर्झ-डीजल इंजन)
पुर्जे, ध्वनि ग्रभिलेखि	श्रनुभाग 16 तिक साधित्र, विद्युती उपस्कर उनके त स्रोर पुनरुत्पादित दूरदर्शन प्रतिबिग्ब त स्रोर पुनरुत्पादित श्रोर ऐसी वस्तुओं	84.09	शीर्ष सं० 84.07 या 84.08 के इंजनों के साथ एकमात या मुख्यतया उपयोग के लिए उपयुक्त पुजें
के पुर्जे ग्रौर उपसाधन	अध्याय ८४	84.10	द्रवचालित टर्बाइन, जलचक और उनके नियामक
न्यूक्लीर रिएक्टर, उनके पुजें	बायलर, मशीनरी और यांत्रिक साधित्र	84.11	टर्बोजेट, टर्बो-नोदक और भ्रन्य गैस-टर्बाइन
84.01	न्यूक्लीय र रिऐक्टर, न्यूक्लीय र रिऐ- क्टर के लिए म्रकिरणित ईंधन	84.12	ग्र न्य इंजन और मोटरें
	तत्व (कार्टिज), समस्थानिक पृथक्करण के लिए मशीनरी और उपकरण	84.13	द्रव पदार्थों के लिए पम्प चाहे वे मापक युक्ति फिट किए हों या नहीं, द्रव उत्थापक
84.02	भाप या ग्रन्य वाष्पजनक बायलर (ऐसे केन्द्रीय तापन ऊष्ण जल बायलरों से भिन्न, जो निम्नदाब भाप के उत्पादन के लिए भी समर्थ	84.14	वायु या निर्वात पम्प,वायु या भ्रन्य गैस संपीड़क और पंखे, पंखों से युक्त संवातन या पुनः चक्रण हुड चाहे उनमें फिल्टर हो या नहीं
84.03	हैं); भ्रतितत्प जल बायलर केन्द्रीय तापन बायलर <mark>जो शीर्ष</mark> सं० 84.02 के अंतर्गत ग्राने वालों से भिन्न हों	84.15	वातानुकूल मशीनें, जिनमें मोटर चालित पंखा तथा तापमान और स्राद्वेता को बदलने के लिए तत्व समाविष्ट हों, जिनके स्रन्तर्गत ऐसी
84.04	शीर्ष सं० 84.02 या 84.03 के बायलरों के साथ उपयोग के लिए सहायक संयंत्र (उदाहरणार्थ		मशीनें भी हैं जिनमें मार्द्रता को पृथक रूप से नियंत्रित नहीं किया जा सकता

(1)	(2)	(1)	(2)
84.16	द्रव ईंधन के लिए संक्षीदित ठोस ईंधन के लिए या गैस के लिए भट्टी बर्नर, यांत्रिक स्टोकर, यांत्रिक घर्षणी, यांत्रिक भस्म विसर्जक और वैसे ही साधित		बोतलों, डिब्बों, बक्सों, थैलों या श्रन्य श्राधानों को भरने, बन्द करने, सील करने, कैप्सुल करने या उन पर लेबल लगाने की मशीनरी पैक करने या खपेटने की श्रन्य मशीनरी,
84.17	आँद्योगित या प्रयोगकाता कहियां और बन्द चूल्हे र्ॄिजिनके श्रन्तर्गत भस्मक भी हैं, जो बिजली से न चलते हों	84.23	सुपेयों को वातित करने की मशी- नरी; तोलने की मशीनरी (जिसके श्रन्त- गैत 5 सेंटी० ग्राम या ग्रधिक
84.18	प्रशीतित, हिमीव रण यंत्र और ग्रन्य प्रशीतन या हिम कारी उपस्कर, बिजली से चलने वाले या ग्रन्य, शीर्ष सं० 84.15 की वातानु-	84.24	की सुग्राहिता की तुला नहीं है) जिसके ग्रन्तर्गत भारचालित गणन या जांच मशीनें हैं, तोलने की मशीन के सभी प्रकार के बाट द्रवों या चूर्णों के प्रक्षेपण, परि-
84.19	कूलन मशीनों से भिन्न ऊष्मा पम्प मशीनरी, संयंत्र या प्रयोगशाला उपस्कर, चाहे वे ऐसी प्रिक्तिया द्वारा, जैसे कि ताषन, पकाना, भनना, ग्रासवन, परिशोधन, निर्जावाणाकरण, पास्तेरीकरण, शुष्कन, वाष्पन, वाष्पीकरण,	04.24	क्षेपण या छिड़काव के लिए यांत्रिक साधित (चाहे वे हाथ से चलते हों या नहीं), ग्रग्निशामक, चाहे वे चार्ज किए गए हों या नहीं, स्प्रेगन और वैसे ही साधित, भाष या रेत विस्फोटन मशीनें और वैसी ही जेट प्रक्षेपण मशीनें
	संघनन या शीतलन, जिससे तापमान का परिवर्तन होता है, सामग्रियों के स्रभिक्रियण के लिए विद्युत से तापित हो या नहीं और जो इसी प्रकार की मशीन या संयंत्र से भिन्न हों जिन्हें घरेलू प्रयोजनों के लिए उपयोग में लावा जाता है, तात्क्षणिक या संचयन जल	84.25	पुली टैकिल और स्किप उदवाहक से भिन्न उद्वाहक, विन्चें और कैंप्सटन, जैक—-पुली टैकिल और स्किप उद- वाहक से भिन्न उद्वाहक या उस प्रकार के उद्वाहक जिनका उपयोग यान उठाने के लिए किया जाता है;
	तापक, जो बिजली से न चलते हों धातु या कांच के लिए मशीनों से भिन्न कैलेडरण या ग्रन्य वेल्लन	84.26	डैरिक, केन, जिनके अन्तर्गत केबिल केन भी है, गतिशील उत्थापन फ़ेम, स्ट्रेडल वाहक और केन फिट किए गए सकर्म ट्रक
84.21	मशीनें, और उनके लिए सिलण्डर ग्रपकेन्द्रण यंत्र, जिसके ग्रन्तर्गत ग्रपकेन्द्रण सुष्कक भी हैं, द्रवों या	84.27	फोर्क-लिफ्ट ट्रक, ग्रन्य संकर्म ट्रक जिनमें उठाने या प्रहस्तन के लिए उपस्कर फिट किए गए हों
	अपकद्भग सुष्कक मा ह, द्रवा या गैसों के लिए फिल्टर या शोधन मशीनरी और साधित अपकेन्द्रण यंत्र, जिनके अन्तर्गत अपकेन्द्रण शुष्कक भी हैं	84.28	उढाने, प्रहस्तन, लादने या उतारने की ग्रन्य मशीनरी (उदाहरणार्थ लिफ्टें, एस्कलटर, संवाहक, टेली- फैरिक)
84.22	व्यंजन-पात्र धोने की मशीन, बोतलों या ग्रन्य ग्राघानों को साफ करने या सुखाने के लिए मशीनरी,	84.29	स्वतः नोदित बुलडोजर, ऐंगिल- डोजर, ग्रेडर, समतलक स्क्रैपर, यांतिक बेलचे, उत्खनक, बेलचे
47 GI/90—10.	ना पुजान क स्पर मसापरा,		બાહારા ગયાત્રા, પ ્રાચાન, ગ હાળ

(1)	(2)	(1)	(2)
84.30	ल:डर, टैम्पन मशीनें और रोड रोलर मिट्टी, खनिकों या ग्रयस्कों के लिए अन्य चल, श्रेणीकरण, सम- तलन, स्कैपिंग, उत्खनन, टैम्पन,		उद्योग के लिए या धान्य या शुष्कित फलीदार वनस्पतियों के कर्मकरण के लिए उपयोग में लाई जाती है फार्म टाइप मशीनरी से भिन्न मशीनरी
	सतहन, निष्यार्षण या वैधन मगीनरी, पाइलड्राइवर और पाइल- निष्कर्षक, हिमहल और हिमक्लोघर	84.38	औद्योगिक निर्मित या खाद्य य पेय के विनिर्माण के लिए मशीनर्र जो इस फ्रष्टयाय में विनिर्विष्ट य
34.31	पुर्जे जो उपशीर्ष सं० 84.25 से 84.30 तक के धन्तर्गत धाने वाली मशीनरी में पूर्णेतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उपयुक्त		भ्रन्यत्न सम्मिलित नहीं है प्राणी या नियत की गई वसा या तेल के निष्कर्षण या निर्मितिकरण के लिप मणीनरी से भिन्न मणीनरी
84.32	मृदा की तैयारी या खेती के लिए कृषि, उद्यान कृषि या वानिकी मशीनरी लान, या खेलकूद मैदान रोलर	84.39	फाइबरी सेलुलोसी सामग्री की लुगवी बनाने या कागज या पेपर बोर्ड बनाने या परिसज्जित करने की मशीनरी
34.33	फसल कटाई या श्रोशिंग मशीनरी, जिसके अन्तर्गत पुत्राल या चरा	84.40	जिल्बसाजी की मशीनरी जिस ^द ग्रन्तर्गत पुस्तक सीने की मशीन
	बेलर भी हैं;सूखी घास या घास कर्तेक; धण्डा, फल या धन्य कृषि उपज की सफाई, छटाई या श्रेणी- करण के लिए मशीनें जो शीर्ष सं० 84.37 की मशीनरी से	84.41	कागज की लुगवी कागज य पेपरबोर्ड बनाने की श्रन्य मशीनर जिसके श्रन्तर्गत सभी प्रकार क कर्तन मशीन है
84.34	भिन्न हैं दोहन मशीनें और डेरी मशीनरी	84.42	टाइप ढलाई और टाइप सेटिंग वे लिए मुद्रण ब्लाक प्लेटें, सिलिण्ड
	•		या धन्य मुद्रण संघटकों को तैया
84.35	दाबने के यंत्र, दलित तथा वैसी ही मशीनरी जिसका उपयोग, बाइन, लाइन, साइडर, फलों के रस या वैसे ही सुपेयों के निर्माण में होता है		करने या बनाने के लिए मशीनर साचित्र और उपस्कर (शीर्ष सं 84.56 से 84.65 तक के गशीन औगारों से भिन्न मशीनरी मुद्रण टाइप ब्लाक प्लेटें सिलिण्डर औ
84.36	कृषि, उद्यान भृषि, वानिकी, कुक्कुट पालन या मधुमक्खी पालन सम्बन्धी श्रन्य मशीनरी जिनके प्रन्तर्गत यांत्रिक या उपमीय उपस्कर के माथ फिट किए गए अंकुरण संयंत्र भी हैं; कुक्कुट पालन उष्मायित्र		श्रन्य मुद्रण संघटकः; मुद्रण प्रयोजने के निए नैयार किए गए ब्लाव् प्लेट सिलिंडर और लिथोमुद्र। पन्थर (उदाहरणार्थ समतल कि हुए दानेदार या पालिश कि हुए) ।
84.37	और बूडर बीज भ्रनाज या शुष्टिस्त फलीदार	84.43	मुद्रण मंगीतरी मुद्रण के सहाय उपयोगों के लिए मणीन
	वनस्पतियों की सफाई छटाई या श्रेणीकरण के लिए मशीनें इस प्रकार की मशीनरी जो मिलिंग	84.44	. कृतिम टेक्सटाइल सामग्री निष्कर्षण ड्राइंग बुमायट या कर्त के स्निष्ठ मधीने

(1)	(2)	(1)	(2)
84.45	टेक्सटाइल फाइबर तैयार करने के लिए मशीनें; कताई दुहरा करने की या व्यावर्तन मशीनें और टेक्सटाइल सूत का उत्पादन करने के लिए प्रन्य मशीनरी टेक्सटाइल संक्राज्यनया वेष्टन (जिसके भन्तर्गत बाना वेष्टन भी है) मशीनें और शीर्ष सं० 84.46 या 84.47 की मशीनों पर उपयोग के लिए टेक्सटाइल सूत तैयार करने के		इस्ती करने की, दबाई (जिसके प्रन्तर्गत नयूजिंग प्रेस भी हैं) विरंजन, रंगाई, द्रैसिंग परिसज्जन, विंगपन या संसेचन के लिए मणीनरी (णीर्वें सं० 84.50 की मणीनों से भिन्न मणीनरी) भीर भाषार फैंबिक या भ्रन्य भाषार पर पेस्ट लगाने के लिए ऐसी मणीनें जो कर्ण की बिछायतों, जैसे कि लिनोलियन के विनिर्माण में उपयोग की जाती हैं, टैक्सटाइल फैंबिक के संभू ज्वन,
84.46	लिए मशीनें व्यूतन मशीनें (करषा)		भसंऋज्वन, तहकरण, कर्तन या
84.47	बुनाई मशीनें टांका मासधन मशीनें और जिम्प सूत टूल फीता कशीदा झालरजेड या जाली बनाने के लिए मशीनें और गुच्छे बनाने के लिए मशीनें	84.52	पिकन के लिए मशीनें शीर्ष सं० 84.40 के प्रन्तर्गत प्राने वाली पुस्तक सीने की मशीन स भिन्न सिलाई मशीनें, सिलाई मगीनों के लिए विशेष रूप से
84.48	शीप स० 84.44, 84.45, 84.46 या 84.47 की मणीनों के साथ उपयोग के लिए सहायक मणीनरी उदाहरणार्थ डाबी जैकर्ड स्वचालित गतिरोधी शटल परि- वर्तनकारी यंद्रावली; इस णीर्ष की	84.53	प्रधिक प्रभिवास्तित कर्नी चर द्याधार, प्रौर प्रावरण सिलाई मशीन खाल, चर्म या चमड़ा निर्मित चर्म- शोधित या कर्मित करने के लिए या जूता या खाल, चर्म या चमड़े की प्रमय वस्तुएं बनाने या उनकी
	या शीर्ष सं० 84.44, 84.45, 84.46 या 84.47 की मणीनों के साथ पूर्णतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उपयुक्त पुर्जे और उपसाधन (अक्षाहरणार्थं तकुषा; तकुषा कलायसे पृष्ठाधार कंषी उत्तारण	84.54	मरम्मत करने के लिए मणीनरी, जो सिलाई मणीन से भिन्न है धातुकर्म में या धातु कलाई णाला में उपयोग में लाए जाने वाले संप- रिवर्नपा, कश्कुल, गिनिका; मचि धीर कलाई की मणीन
	निपिल गटल हील्ड और हील्डढांचा	84.55	धातु रोलिंग मिल ग्रौर <mark>उनके लिए</mark> शोल
84.49	हौजरी सुइयां) थान में या भाक्कित में नमदा या भ्रम्यूतित वस्सुओं के विनिर्माण या परिसज्जन के लिए मशीनरी जिसके भ्रन्तर्गत फैल्ट-हैट बनाने वाली मशीनरी और हैट बनाने वाले	84.56	नामग्री हटाकर, क्षेत्रर या धन्य किरण या फोटो पुंज, पराश्रव्य, बिद्युत विसर्जन, विद्युत रसायन, इलैक्ट्रान पुंज, घायनिक-पुंज या किरमा धार्क प्रक्रिया द्वारा किसी सामग्री के कर्मण के लिए मणीन
84.50	धरेलू या लःष्क्र प्रकार की धोने की मशीनें, जिनके झन्तर्गत धोने झौर सुखाने, की मशीनें भी हैं	84.57	के श्रीजार कर्मण धातु के लिए मशीनी केन्द्र, यूनिट सक्रिमणि मशीन (एक ल
84.51	टैक्सटाइल सूत, फैकिक या टैक्स टाइल की निर्मित वस्तुम्रों की		केन्द्र) श्रीर बहु केन्द्र भन्तरण मणीने
	धुताई, सकाई, निष्पीड़ग, सुखाई,	84.58	धातु हटानं के लिए लेख

1	2	1	2
34.59	धातु हटाकर प्रवेधन, बेधन, मिलिंग, चूड़ी बनाने या टेप करने के लिए		सामग्री के कर्मण या शीत कर्मण कांच के लिए मशीन-स्रीजार
	मग्रोन के श्रौजार (जिनके ग्रन्तर्गत वे-टाइप यूनिट हैड मग्रीन है), जो ग्रीर्ष सं० 84.58 के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले लेथ से भिन्न है	84.65	कर्मण लकड़ी, कार्क, हड़्डी, दृः रबड़, दृढ़ प्लास्टिक या वैसी ह्रं दृढ़ सामग्री के लिए मशीन-ग्रौजा (जिसके ग्रन्तर्गत कील लगाने स्टैपल करने, गोंद लगाने या ग्रन्यथ
4.60	पेत्रण पत्थर, ग्रपघर्षण या पालिश करने वाले उत्पादों द्वारा धातु,		समंजन की मशीनें भी हैं)
	सिटरित धात्विक कार्बाइडों या सीमेंट के अलोटन, नुकीला बनाने, पीसने, शाणन, सूक्ष्म घर्षण, पालिश करने या अन्यथा परिसण्जित करने के लिए मशान के औजार जो शीर्ष सं० 84.61 के अन्तर्गत आने वाले गिअर कर्तन, गिअर पेषण या गिअर परिसण्जन मशीन से भिन्न है	84.66	शीर्ष सं • 84.56 से शीर्ष 84.64 तक के अन्तर्गत आने वाली मंशीनी के साथ एकमात या प्रधानतय उपयोग के लिए प्रयुक्त पुर्जे या उपसाधन जिनके अन्तर्गत कार्य या औजार होल्डर, स्वतः खुलने वाले ठप्पे के अग्रभाग मंशीन-औजारों के लिए विभाजक अग्रभाग और अन्य विशेष संलग्नक, हाथ से कार्य करने
4.61	समतलन, भ्राकृति देने, खांचा बनाने, क्रोचन, गिश्रर काटने, गि श्रर		के किसी श्रौजार के लिए श्रौ जार होल्डर
	पीसने या गिम्रर परिसज्जन, चिराई करने, काटने की मशीन ग्रौर ग्रौजार ग्रपसाटक धातु, सिन्टरित धातु कार्बाइड या सीर्मेट द्वारा कर्मित ग्रन्य	84.67	हाथ से काम करने, वार्ताय या स्वयंपूर्ण श्रविद्युत मोटर के लिए ग्रौजार
	मशीन के भ्रौजार, जो भ्रन्यत्न विनि- दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं	84.68	स्रोल्डर करने, पक्का टांका लगा या वैल्ड करने की मशीनरी ग्रौ उपकरण, चाहे कर्तन करने के योग्य
d. 62	गढ़कर, घनताड़न या ठप्पा मुद्रांकन द्वारा कर्मित धातु के लिए मशीन के ग्रीजार (जिनके ग्रन्तर्गत दबाने के यंत्र भी हैं); बंकन, तहकरण, सीधा करके, चपटा करके, काटकर,		हों या नहीं किन्तु उनसे भिन्न जे शीर्ष सं 85.15 के श्रन्तर्गत हैं; गैस चलित सतह पायन मशीनें श्रीर साधित
	छिद्भित करके, खांच कर के धातु कर्मण के लिए मशीन के ग्रौजार	84.69	टाइपराइटर ग्रौ र श ब्द संसाधक मशीन
	(जिसके भ्रन्तर्गत बनाने केयंत्र भी हैं); कर्मण धातु या धात्विक कार्बाइड के लिए दाबने के यंत्र, जो ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं है	84.70	परिकलन मशीनें, लेखा मशीनें नकदी रिजस्टर, पोस्टेज फ्रैंकिंग मशीनें टिकट देने वाली ग्रौर वैसी ही ग्रन्य मशीनें, जिनमें परिकलन
4.63	सामग्री को बिना हटाए, कर्मण धातु, सिटरित धात्विक कार्वाइड या सर्मेट के लिए ग्रन्य मशोन ग्रौज।र	84.71	युक्ति लगी है । डाटा संसाधित्र स्वचालित मशीनों स्रौर उनके यूनिट-चुंबकीय या प्रका- शीय रीडर कोडलिपि डाटा को
4.64	पत्थर, चीनी मिट्टी, कर्काट, ऐस्बे स्टो स-सी में ट या वैसी ही खनिज		डाटा माध्यम में प्रतिलिखित करने की मशीनें ग्रौर ऐसे डाटा

1	2	1	2
84.72	संसाधित्र जो अन्यत्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं श्रन्य कार्यालय मशीनें (उदाहरणार्थ		विनिर्माण के लिए मशीन जो इस अध्याय में अन्यथा अविनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं हैं
	हैक्टोग्राफ या स्टैंसिल ग्रनुलिपित्न मशीनें, पता लेखन मशीनें, स्व- चालित बैंक नोट, डिस्पेंसर, सिक्का छंटाई मशीनें, सिक्का गिनने लपे-	84.78	तम्बाकू निर्मित करने या बनाने के लिए मशीनरी, जो इस म्रध्याय में ग्रन्यत्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है
84.73	टने की मशोनें, पेंसिल तराश मशीनें, छिद्रण या स्टेपिल मशीनें) शीर्ष सं० 84.69 से शीर्ष सं०	84.79	मशोन ग्रीर यांत्रिक साधित जो ग्रलग-ग्रलग काम के हों ग्रीर जो इस ग्रध्याय में ग्रन्यथा विनिर्दिष्ट
	84.72 तक के अन्तर्गत मशीनों के साथ एकमात्र या प्रधानतया उपयोग के लिए उपयुक्त पुर्जे और उपसाधन (ग्रावरणों, वहन केसों और उसी प्रकार की वस्तुओं से भिन्न)	84.80	या सम्मिलित नहीं हैं धातु की ढलाई के लिए संचन बक्स, संचन ग्राधार संचन पैटर्न, (सिलिका सांचों से भिन्न) धातु, धातु कार्बाइड, कांच, खनिज साम- ग्रियों, रबड़ या प्लास्टिक के लिए सांचे
84.74	मिट्टी, पत्थर, भ्रयस्क या ग्रन्य खिनज पदार्थों के जो ठोस रूप में हों (जिनके श्रन्तर्गत चूर्ण ग्रौर लेप भी हैं), छांटने, छानने, पृथक् करने, घोने, दलने, पीसने, मिलाने या गूंथने के लिए मशीनरी; ठोस खिनज इंधनों, चीनो मिट्टी के	84.81	पाइपों, बायलर शैलों, टंकियों, कुंडों या वैसी ही वस्तुओं के लिए टोंटियों, कार्क, बाल्व श्रौर वैसे ही साधित जिनके श्रन्तर्गत दाब कम करने वाले बाल्व ताप स्थायी नियंत्रित बाल्व हैं
	लेपों, ग्रदृढ़ी कृत, सीमेंट पलस्तर	84.82	बाल या रोलर बेर्यारंग
	सामग्री या चूर्ण ग्राँर लेप के रूप में ग्रन्य खिनज उत्पादों को संपी- ड़ित करने, ढालने या ग्राकार देने के लिए मर्शानरी; रेल के ढलाई सांचे बनाने के लिए मशीनें;	84.83	संचारण शैफ्ट (जिनके अन्तर्गत कैम शैफ्ट और केंक शैफ्ट हैं) और केंक, बेयरिंग हाउसिंग और प्लेन शेफ्ट बेयरिंग, गियर और गियरिंग; बाल पैच, गियर बाक्स
34.75	विद्युत या इलैंक्ट्रानिक लैम्प, ट्यूबों या बल्बों या पलैंश बल्बों को कांच के स्रावरण में समंजित करने की मशीनें, तप्त कर्मण कांच या कांच के बर्तनों के विनिर्माण के		ग्रौर ग्रन्थ चाल परिवर्तक जिसके ग्रन्तर्गत ग्रेवेयक संपरिवर्तक है, पलाई व्हील ग्रौर पुली, जिनके ग्रन्तर्गत पुलो ब्लाक है, क्लच ग्रौर शेपट कर्पालग (जिनके ग्रन्तर्गत सार्विक जोड़ हैं)
› ₹ 5	लिए मशीनें स्वचालित माल वेडिंग मशीन (उदाहरणार्थ डाक, महसूल टिकट, सिगरेट, खाद्य या सुपेय की मशीनें) जिनके अन्तर्गत मनी चेडिंग मशीनें भी हैं।	84.84	अन्य सामग्री या धातु की दो या अधिक पर्तों के साथ संयोजित धात्विक शीटिंग, के गास्केट ग्रौ र वैसे ही जोड़, गेस्केट के सैट या प्रकीर्ण ग्रौर वैसे ही जोड़, जिनकी संरचना एक जैसी न हो ग्रौर
4.77	कर्मण रबड़ या प्लास्टिक के लिए या इन सामग्रियों से उत्पादों के		जो कोष्ठों, लिफाफों या वैसी ही पैक्तिंग में रखे जाए

1	2	1	2
84.85	मशीतरी के पुर्जे जिनमें विश्वुत घनुयोजक या विश्वतरोधी, कुंडली	85.09	स्वयं पूर्ण विद्युत मोटर सहित विद्युत यात्रिक घरेलू साधित्र
	संस्पर्शया विद्युत संबंधी ग्रन्थ लक्षण श्रंतविष्ट न हो भीर जो कम ग्रध्याय	85.10	स्वयंपूर्ण विद्युत मोटर सहित क्षेत्रक फ्रांप
	में ग्रन्यव विनिद्दिष्ट या सम्मिलित न हो	85.11	ऐसा विद्युत ज्वला या प्रवर्तन उपस्कर जिसका उपयोग चिनगारी
	ग्रध्याच ८५		ज्वलन यासंपीड़न ज्वलन, भ्रन्त र्वह म इंजिनों केलिए किया जाला है
श्रीर पुनवत्पावित्र,	र उपस्कर ग्रौर उनके पुजें, ध्वानि ग्रामिलेखी दूरवर्गन प्रतिविम्य ग्रौर त्वनि ग्रामिलेखी ग्रौर ऐसी वस्तुग्रों के पुजें ग्रौर उपसाधन		(उदाहरणार्थ ज्वलन मैग्नेटर्स, नुम्ब- कोय डाइनेमों ज्वलन कुंडलियां, स्पार्केलिंग प्याग श्रीर दोष्तिक प्लग प्रवर्तक मोटरें हैं); यनिक्स (उदाहरणार्थं
85.01	विद्युत मोटर ग्रीर जनिम्न (जनित्र सेटों से भिन्न <i>)</i> विद्युत जनित्र सेट ग्रीर धृणी		डाइनेमों, प्रवर्तक) और ऐसे कट ग्राउट जो ऐसे इंजनों के साथ-साथ प्रयुक्त किये जाते हैं।
85.02	परिवर्तक हसपीड़न ज्वलन धन्तहर्देन पिस्टन इंजन लगा जनित्र सेट (डीजल या धर्ष डीजल इंजन)	85.12	ऐसे विद्युत प्रकाश और संकेतन उपस्कर (जिनके धन्तर्गत गीर्ष सं० 85.39 के भन्तर्गत ग्राने वाली
85.03	गोर्ष सं० 85.03 या शीर्ष सं० 85.02 के धन्तर्गत मगोनों के एकमाल या प्रधानतया उपयोग के लिए उपर्युक्त पुर्जे		वस्तुएं नहीं भाती हैं) विडस्कीन वाइपर, डिफोस्टरभीरडेसिस्टरओं साइकिलों या मोट्र यानों के लिए उपयोग में
85.04	विद्युत ट्रांपकारमर परिस्थटक्ष्यतंक उदाहरणार्थं परिशोधक भ्रौर प्रेरक	85.13	म्राते हैं ऐसे गुवाह्य विद्युत लीम्प जो म्रापने
85.05	विद्युत चुम्बक, स्थायी चुम्बक और चुम्बकन के पश्चात् स्थायो चुम्बक होने के लिए भाषायित वस्तुएं; विद्युत-चुम्बकीय या स्थायो चुम्बक बाले चक, कलैम्प भौर वैसी हो हॉल्डर युक्तियां; विद्युत-चुम्बक	63.13	ही उन्नी स्नोतिसे नार्यं नरते के लिए उद्दिष्ट हैं (उदाहरणार्थ शुष्क बैटरियों संचायन भेग्नेटों) ग्रीरजो शोर्षं सं० 85.12 के ग्रम्तर्गन ग्राने वाले प्रकाश उपस्कर से भिन्न हैं
	युग्मक क्लच ग्रीर क्रेक; विश्वह- चुम्बकीय उत्थापन हैड, चुम्बक ग्रीर स्थायी चुम्बक ग्रीर चुम्बकन के पश्चात् स्थायी चुम्बक होने के लिए ग्रागयित वस्तुएं	85,14	भौद्योगिक या प्रयोगशामा विद्युत (प्रेप्त श्रीर पेराविद्युत सहित) भट्टिगां भीर बंद चूल्हे, श्रन्य श्रोद्यो- गिक या प्रयोगशाला प्रेरण या पैरा- विद्युत तापन उपस्कर
85.06 85.07	प्राथमिक सेल भीर प्राथमिक बैटरियां विद्युत संचायक, जिसके भ्रन्तर्गत उसके पथकिल भी हैं, चाहे वे भ्रायताकार (जिसके भन्तर्गत वर्गाकार भी हैं) हो या नहीं	85.15	विद्युत (जिलके घन्तर्गत विद्युत से तप्त गैस भी हैं) लेसर या भन्य प्रकाश या प्रोटोन किरण, पराश्रद्य इसैक्ट्रान किरणगुंग, चुम्बकीय स्पद या प्राजना भाक सोल्डरिंग, पक्का टांका
65.08	स्वयं पूर्ण विद्युत मोटर सहित हाय से काम करने के लिए विद्युत यांत्रिक औजार		ागाने या वैल्डिंग की मणीनें मौर उत्तरण चाहे वे काटों में समर्थ हों या नहीं धातुषों या सिन्टस्टि धातु

माग 1व्यंड 1]	भारत का रा	ज्ञपस्रः ग्रस्भेधारण 	79
(1)	(2)	(1)	(2)
	कार्बोइडों के तप्त छिड़काब के लिए विद्युत मणीनें ग्रीर उपकरण		37 के प्रन्तर्गत ग्राने वाले उत्पादों से भिन्न, भ्रन्य दृश्य घटनाश्रों का वैसा ही भ्रभिलेखन
85.16	विश्वत तात्क्षणिक या संघयन जल तापक भ्रौर निमज्जन तापक, विश्वत स्पेस तापन उपकरण भ्रौर विश्वत मृदा तापन उपकरण विश्वत तापीय हेयर ष्ट्रीसग, उपकरण (उचाहरणार्थ हेयर ष्ट्रायर, हेयर कर्लक, किलग टोंगई।टर)	85.24	रिकार्ड टेप भीए घ्वनि के लिए भन्य श्रिभिलिखित माध्यम या भन्य वैसे ही श्रिभिलिखित दृश्य घटनाएं जिसके श्रन्तर्गत रिकार्डों के उत्पादन के लिए मैट्रिस भीए मास्टर्स है किन्तु जिसके भन्तर्गत भ्रष्ट्याय 37 के भन्तर्गत
	भीर हस्त ड्रायर; विद्युत मंत्रणन इस्त्री, श्रन्य विद्युत तार्पा, ऐसे साधित जो घरेलू प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाये जाते हैं; विद्युत तापन प्रतिरोधक जो उत्तसे भिन्न हैं जो कि गीर्ष सं० 85.45 के अस्तरोंन भाते हैं	85.25	श्राने बाले उत्पाद नहीं हैं रेडियो, टेलीफोन तंत्र, रेडियो टेली- ग्राफो तंत्र, रेडियो प्रसा रण या दूर- वर्णन के लिए संचारण साधित्र, चाहे उत्तमें भ्रभिग्रहण साधित्न या ध्वित ग्रामिलेखन या पुनरत्पादन
85.17	ला इन टेली फोन तंत्र या लाइन टेली- ग्राफी तंत्र के लिए विद्युत उपकरण जिनके भ्रन्तर्गत कैरियर करेंट लाइन	85.26	साधित्र समाविष्ट हों या नहीं, दूरदर्शन कैमरे रेडार साधित, रेडियो नौ परिवहन
8 5 .18	सिस्टमों के लिए ऐसे उपकरण हैं माइकोफोन श्रीप उनके स्टैण्ड; लाउडस्पीकर, धाहे वे श्रपने संवेष्टनों में श्राहढ़ हों या नहीं, हैंड फोन, ईयरफोन श्रीर संयुक्त माइकोफोन/ स्पाकर सैट, श्रम ग्रावृति विद्युत एम्पलीफायर, विद्युत ध्वनि	85.27	सहायक साधिज और रेडियो सुदूर नियंत्रण साधिज रेडियो टेलीफोन तंत्र, रेडियो टेली- ग्राफी तंत्र या रेडियो प्रसारण के लिए श्रमिग्रहण साधिज चाहे वे एक ही ढांचे में ध्यनि श्रमिलेखन या पुनर- स्पादा साधिज या दीवार घड़ी के साथ संयुक्त हो या नहीं
85 19	टर्नटेबिल (रेकार्ड डेक) रिकार्ड प्लेयर, कैंसट प्लेयर ग्रीप ग्रन्थ ध्वति पुनकत्पादन साधित्न, जिसके ग्रन्तर्गत ध्वति ग्रभिलेखन युक्ति संगायिष्ट नहीं है	85.28	दूरदर्णन ग्राही (जिसके ग्रन्तर्गत दूरदर्शन मानीटर ग्रीर वीडिये प्रक्षेपित भी है), चाहे वे एक ही ढांत्रे में, रेडियो प्रसारण ग्राहियो या ध्वनि ग्रथवा वीडियो ग्रभिलेखन या पुनरुत्पादन साधित्र के साथ
85 20	चुम्बकीय टेर रिकार्डर श्रौर श्रन्य श्वनि श्रभिलेखन साधिल चा हे उसमें ध्वति पुनरुत्यादा पुक्ति समाविष्ट हाया नहीं	85,29	संयुक्त हों या नहीं पुर्जे जो एकमात्र या प्रधानसया शीर्ष मं० 85.25 से 85.28 तक के ग्रन्तर्गैत ग्राने वाले साधिजों के साथ
85.21	वोष्टियो शभिलेखन या पुनक्रादन साधिस्र	8 5 .30	प्रयुक्त किये जाने के लिए उपपुक्त हैं रेल, ट्राम, सङ्क, श्रन्तवेंशीय जलमार्ग
85.22	शार्प मं० 85,19 से 85,21 के श्रन्तर्गत श्राने वाले साधिक्षों के पुर्जे ग्रीर उपसाधन	30,00	पार्किंग सुविधाग्रों, पत्तन संस्थापने या विमान क्षेत्रों, (र्शार्ष सं० 86.08 के भ्रन्सर्गत श्राने वालों से भिन्न
85 , 23	ध्वति श्रक्षिलेखन के लिए तैयार श्रनिभित्यित साध्यम श्रीरश्रध्याय		के लिए विद्युत संकेतन सुरक्षा य यातायात नियंत्रण उपस्भःर

1	2	1	2
85.31	विद्युत ध्विति या दृष्य संकेतन साधित (उदाहरणार्थं, घंटियां, साइरन, सूचक पैनल, चोर घंटी या अग्नि चेतावनी) उनमे भिन्न जो गीर्ष सं० 85.12	85.39	विद्युत फिलामेट लैम्प या विद्युत विसर्जन लैम्प जिनके श्रन्तर्गत सील की हुई बीम लैम्प, यूनिट भौर पराबैंगनी या भ्रवरक्त लैम्प है, धार्क लैम्प
85.32	या 85.30 के भ्रन्तर्गत भाते हैं बिसुत संधारित स्थिर विश्वलनीय	85.40	तापायनिक, शीत कैथोड या फोटो कैथोड बाल्य श्रीर ट्यूब (उदाहारणर्थ निर्वात या वाष्प या गैस भरी हुई वाल्य ग्रीर
85,33	या समायोजनीय (पूर्व सैट) विद्युत प्रतिरोधक (जिनके ग्रन्तर्गेत धारा नियंत्रक ग्रीर विमयमापी है) जो ताप प्रतिरोधकों से भिन्न है		या वाष्य या गस मरा कुश्र वाल्य आर द्यूब पारद झार्क परिशोधन वास्य और द्यूब कैथोड़-किरण द्यूब, टेली- विजन के कैमरे की द्यूब)
85.34 85.35	मुद्रित परिषय 1000 वोल्ट से ग्रधिक बोल्टता के लिए विद्युत परिषयों को स्थिच करने या उनकी संरक्षा के लिए या विद्युत परिषयों तक या उनमें कनेक्शन करने के लिए विद्युत उपकरण (उदाहरणार्थ स्थिन, प्यूज, तड़ित निवर्तक, वोल्टता	85.41	डायोड ट्रांजिस्टर भीर वैसे ही अर्ध- चालक युक्ति, सुग्राही अर्ध-चालक युक्ति, जिनके अन्तर्गेत फोटोवोल्टीय सेल हैं, चाहे वे मोडयुलों में समुच्ययित हों या नहीं भीर चाहे पैनलों में तैयार हों या नहीं, प्रकाश उत्सर्जक डायोड; श्रारूढ़ दाब विश्वत क्रिस्टल
	सोमक, महोर्मि निरोधक, प्लग जंकशन बाक्स)	85.42	इलैक्ट्रानिक समाक लित परिपथ ग्रीर सूक्ष्म समु ष ्चय
35.36	1,000 योल्ट से म्रानधिक बोल्टता के लिए विद्युत परिपथों को स्विच करने या उनकी संरक्षा के लिए विद्युत परिपथों तक या उनमें कनेक्शन करने के लिए विद्युत उपकरण (उदाहरणार्थ	85,43	ऐसी विद्युत मर्गानें भौर यंत्र जिनका ग्रनग-मलग काम है भौर जो इस ग्रध्याय में भ्रन्यत्न विनिदिष्ट या सम्मिलित नहीं है
	स्थिच, रिले, प्यूज महोमि निरोधक प्लग, साकेट लैम्पहोल्डर, जंक्शन बाक्स)	85.44	विद्युतरोधी (जिनके घन्तर्गत इनेमलित या एनोडीक्कत भी हैं) विद्युत तार, केबल (जिनके ग्रन्तर्गत समाक्ष केबल
85.37	विधुत नियंत्रण या विद्युत वितरण के लिए बोर्ड, पैनल, (जिनके ग्रन्तर्गत संख्यात्मक नियंत्रण, पैनल है) कंसोल, डेस्क, केविनेट श्रीर ग्रन्य श्राधार जिनमें शोर्ष सं० 85.35 या 85.36 के श्रन्तर्गत श्राने वाले एक या सधिक उपकरण लगे हों, जिनमें श्रध्याय 90 के श्रन्तर्गत श्राने वाले साधिक या		है) ग्रीर अन्य विद्युतरोधी विद्युत घालक चाहे उनमें अनुयोजक फिट हों या नहीं; प्रकाशीय फाइबर केबल जो ग्रलग-अलग श्राच्छाविस फाइ- वरों से बनाए गए हों चाहे के विद्युत घालक के साथ समुच्चियत हों या नहीं ग्रीर चाहे उनमें ग्रनुयोजिक फिट हों या नहीं
8 5. 2 #	उपकरण समाविष्ट करने वाले यंत्र भी हैं श्रौर जो शीर्ष संख्या 85.17 के श्रन्तर्गत श्राने वाले स्विचन उपकरण से भिन्न हैं ऐसे पुर्जे जो शीर्ष सं० 85.35,85.36 या 85.37 के श्रन्तर्गत श्राने वाले	85.45	इस प्रकार के कार्बन इलैक्ट्रोड, काबन बुध, लैम्प कार्बन, बैटरी, कार्बन भौर ग्रेफाइट की श्रन्य वस्तुएं या भन्य कार्बन जिनका उपयोग विद्युत प्रयो- जनों के लिए किया जाता है, चाहे
	उपकरणों से पूर्णतः या मुख्यतः उपयोग के लिए उपयुक्त हैं	85.46	वे धातु सहित हों या उसके विना किसी सामग्री के विश् _र तरोधी

	ومراد الشاريخ التي التي التي التي التي التي التي التي		
1	2	1	2
85.47	शीर्ष सं० 85.46 के विद्युतरोधी से भिन्न विद्युत मशीनों, साधिन्नों या उपस्कर के लिए विद्युतरोधी फिटिंगों	86.07	रेल या हाम लोकोमोटिय या जलस्टाक के पुर्जे
	हैं जो पूर्णतः विद्युतरोधी सामग्री की हों विश्वन को केवल समंजन के प्रयोजन के लिए संचन के दौरान जोड़े गए धातु के किन्हीं लघु घटकों के (उदाहरणार्थ चूड़ीदार साकेट) अतिरिक्त हो विद्युत रोधी सामग्री से अस्तरित आधार धातु के विद्युत तार टयूबिंग गौर उसके जोड़	86.08	रेल और ट्राम पथ फिक्सवर और फिटिंग रेल, ट्राम सड़कों, अस्तर्देशीय जलमार्गी पाकिए सुविधाओं, पत्तन संस्थापनों या विमान क्षेत्रों के यांतिक (जिसके अस्तर्गत विद्युत याँतिक भी है) संकेत देने वाले सुरक्षा या यातायात नियंत्रण उपस्कर पूर्वगामियों के पुर्जे
85.48	मगीनरी या उपकरणों के पुर्जे जो इस अध्याय में अन्यन्त्र विनिधिष्ट या सम्मिलित नहीं है।	86.09	आधान (जिनके अन्तर्गत तरल पवार्थी के परिवहन के लिए आधान भी हैं) जो परिवहन के एक या अधिक साघनों द्वारा ले
यान वाययान.	अनुभाग—17 जलपयान और सहभुक्त परिवहन उपस्कर		जाए जाने के लिए विशेष रूप से अभिकल्पित और उपस्कृत हों।
5 4	अध्याय ८६		
<u> </u>			अध्याय 87
111 At 2111 111	मामाद्य, जरा रनाम आर उत्तम पूज, रल जा		
ट्राम पथ फिक्क के यांत्रिक याता	कोमोटिय, चल स्टाक और उनके पूजें, रेल या र और फिटियों और उनके पुजें, सभी प्रकार यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत यांश्रिक	रेल या द्राम ५ उपसाधन	in स्टाक से मिल्त यान और उनके पुजें समा
ट्राम पर्थ फिक्च	र और फिटिंगें और उनके पुर्जे, सभी प्रकार	•	ाल स्टाक से मिन्न यान और उनके पुजें तथा ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87.09 के अन्तर्गत आते हैं)
ट्राम पर्थ फिक्क को यांत्रिक माता भी हैं)	र और फिटिंगें और उनके पुर्जे, सभी प्रकार व्यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत योख्रिक रेल लोकोमोटिय जो विद्युत के बाह्य स्त्रोत से या विद्युत संचायकों द्वारा शक्ति— मय हों। अन्य रेल लोकोमोटिय, लोकोमोटिय	उपसाधम	
द्राम पर्थ फिक्क के योजिक यात भी हैं) 86.01	र और फिटिंगें और उनके पुर्जे, सेमी प्रकार यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत यौद्रिक रेल लोकोमोटिय जो विद्युत के बाह्य स्त्रोत से या विद्युत संचायकों द्वारा शक्ति— मय हों।	उपसाधन 87.01	ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87.09 के अन्तर्गत आते हैं) लोक परिवहन प्रकार के यात्री मोटर यान मोटर कारें और मोटर यान जो मुख्य रुप से व्यक्तियों के परिन्हन के लिए अभि- कल्पित हैं (उन हो छोड़कर जो शीर्ष सं०
दूम पर्थ फिक्स के यक्तिक मात भी हैं) 86.01	र और फिटिंगें और उनके पुर्जे, सभी प्रकार यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत के बाह्य रेल लोकोमोटिय जो विद्युत के बाह्य स्त्रोत से या विद्युत संचायकों द्वारा शक्ति— मय हों। अन्य रेल लोकोमोटिय, लोकोमोटिय टेण्डर शीर्ष मं० 86.04 की वस्तुओं से भिन्न स्वतः नोदिन रेल या द्राम कोच, वैन और दृक्ष रेल या द्राम अनुरक्षण या सेवा यान, चाहे	उपसाधन 87.01 87.02 87.03	ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87.09 के अन्तर्गत आते हैं) लोक परिवहन प्रकार के यात्री मोटर यान मोटर कारें और मोटर यान जो मुख्य रुप से व्यक्तियों के परिन्हन के लिए अभि- कल्पित हैं (उन हो छोड़कर जो शीर्ष सं० 87.02 के अन्तर्गत आते हैं, जिनके अन्तर्गत स्टेणन वैगनें और दौड़ वाली कारे भी है)
हाम पथ फिक्च के यांत्रिक पात भी हैं) 86.01 86.02	र और फिटिंगें और उनके पुजें, सभी प्रकार । यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत योज्ञिक । देल लोकोमोटिय जो विद्युत के बाह्य स्त्रोत से या विद्युत संचायकों द्वारा शक्ति — मय हों। अन्य रेल लोकोमोटिय हैण्डर शिर्ष मंश्र 86.04 की वस्तुओं से भिन्न स्वतः नोदिन रेल या द्राम कोच, बैन और द्रक या द्राम अनुरक्षण या सेवा यान, चाहे स्वतः नोदित हों या नहीं (उवाहरणार्थ कर्मशालाएं, केनें, बेलास्ट टैपर, ट्रेकलाइनर,	उपसाधन 87.01	ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87.09 के अन्तर्गत आते हैं) लोक परिवहन प्रकार के यात्री मोटर यान मोटर कारें और मोटर यान जो मुख्य रुप से व्यक्तियों के परिन्हन के लिए अभि- कल्पित हैं (उन हो छोड़कर जो शीर्ष सं० 87.02 के अन्तर्गत आते हैं, जिनके अन्तर्गत
हाम पथ फिक्च के यांत्रिक पात भी हैं) 86.01 86.02	र और फिटिंगें और उनके पुजें, सभी प्रकार । यात संकेतन उपस्कर (जिसमें विद्युत योजिक । देल लोकोमोटिय जो विद्युत के बाह्य स्त्रोत से या विद्युत संचायकों द्वारा णिक्त— मय हों। अन्य रेल लोकोमोटिय होण्डर शिर्ष मं० 86.04 की वस्तुओं से भिन्न स्वतः नोदिन रेल या द्राम कोच, वैन और दूक रेल या द्राम कोच, वैन और दूक रेल या द्राम अनुरक्षण या सेवा यान, चाहे स्वतः नोदित हों या नहीं (उदाहरणार्थ	उपसाधन 87.01 87.02 87.03	ट्रैक्टर (उन ट्रैक्टरों से भिन्न जो शीर्ष सं० 87.09 के अन्तर्गत आते हैं) लोक परिवहन प्रकार के यात्री मोटर यान मोटर कारें और मोटर यान जो मुख्य रुप से व्यक्तियों के परिस्हन के लिए अभि- कल्पित हैं (उन हो छोड़कर जो शीर्ष सं० 87.02 के अन्तर्गत आते हैं, जिनके अन्तर्गत स्टेणन वैगनें और दौड़ वाली कारे भी है)

1	2	1	2
87.06	ऐसे चेसिम जिनमें इंजन लगे हों,		प्र ध्याय 88
	शीर्ष सं० 87.01 से 87.05 के	व्या	पुषान, शंतिधितयान भ्रौर उनके पुषों
	मोटर यानों के लिए	88.01	गुब्बारे भौर डिरिजिबल, ग्लाइडर, हैंग
7.07	बाड़ी (जिनके भ्रन्तर्गत कैंब है), पीर्ष		ग्लाइडर भीर अन्य शक्तिचालन
	सं० 87,01 से 87.05 के मोटर		रहित वायुयान
	गानों के लिए	88.02	ं ग्र न्य वायुवान (उदाहारणार्थ, हैली-
87.08	मीर्ष सं० 87.01 से 87.05 के		काप्टर विमान); भ्रांतरिक्षयान
	मोटर यानों के पुर्जे श्रौर उपसाधन		(जिनके भंतर्गत उपग्रह हैं) श्रौर भं त
87. 09	इस प्रकार के संकर्म ट्रक,स्वतःनोदित,		रिक्षयान प्रमोचन यान
	जिनमें उत्थापन या हथालन उपस्कर	88.03	शीर्ष सं० 88.01 या 88.02 के
	म लग हों, जिनका उपयोग कारखानों,		घन्तर्गत ग्राने वाले माल के पुजे
	भाण्डागारों, डॉक क्षेत्रों या विमान	88.04	पैराशूट (जिनके अन्तर्गत डिरिजियल
	पसनों में माल के कम दूरी के परि- बहन के लिए किया जाता है; इ स		पैराणूट हैं ग्रौर रोटोणूट, उनके पुर्जे ग्रौर उनके उपसाधन
	प्रकार के ट्रैक्टर जिनका उपयोग	00.05	
	रेल स्टेशन के प्लेटफार्मी पर किया	88,05	वायुयान प्रमोचा गियर, डेक प्रप्नाही या वैसे ही गियर, भूतल उड़ान
	जाता है; पूर्वगामी यानों के पुर्जे		प्रशिक्षक; पूर्वगामी वस्तुक्रीं के पूर्व
37.10	टेंक भीर भन्य बष्तरबंद लड़ाकू यान,		
	जिनमें मोटर लगी हो, चाहे उनमें		मध्या य ८९
	भ्रायुद्ध फिट किए गए हों या नहीं भौर		पोत, नार्वे, झौर प्लाबी संरचनाएं
	ऐसे यानों के पुर्जे		·
87,11	मोटर साइकिलें (जिनके भ्रन्तर्गत	89.01	समुद्री पर्यटन पोत श्रभियान नौका, फैरी नौका, स्थोरापोत, बजरा श्रीर
	मोपेड भी हैं) और ऐसी साइकिसें		वैसे ही जलयान जो व्यक्तियों या
	जिनमें सहायक मोटर फिट की गई		माल के परिवहन के लिए हैं
	हों, चाहे वे साइडकार सहित	89.02	मत्स्यन जलयान मत्स्य उत्पादों के
	हों या उनके विना; साइड कारें		प्रसंस्करण श्रोर परिरक्षण के लिए
37.12	बाइसाइकिलें श्रौर झन्य साइकिलें		कारखाना पोत श्रीर भ्रन्य जलयान
	(जिनके श्रन्तर्गत डिलीवरी ट्राइ-	89.03	ऋीड़ानीहायाधन्य जलमान जो
	स़ाइकिलें हैं) जिनमें मोटर न लगी हो		मनोरंजन या खेलकूद के लिए है; खेई
			जाने वाली नी हा धीर डोंगी
87.13	अशक्त व्यक्तियों के लिए गाड़ियां, चाहे	89.04	कणनावें श्रौर ककेजने वाले यान
	उनमें मोटर लगी हो या नहीं ग्रथवा	89.05	प्रकाण-जलयान, फायर फलोट, ट्रेजर
	जो ग्रन्यथा यन्त्रनोदित हों या नहीं		प्लवी केन ग्रीर ग्रन्य जलयान जिनकी
87.14	शीर्भ सं० 87.11 से 87.13 तक		नौगम्यता उनेके मुख्य कार्य की सम मुषंगी है; प्लकी डाक, प्लकी या
	के भन्तर्ग त श्राने वाले यानों के		नुषया है, जाया रा षा, जाया य निमज्जनीय प्रबंधन या उत्पादन
	पुर्जे भौर उपसाधन		प्ले टफार्म
87.15	शि णु गाड़ियां और उनके पुर्जे	89.06	ग्रन्य जलयान जिनके ग्रन्सर्गेत युद्धपीत
87.16	द्रेलर भौर भर्त- ट्रे लर ; श्रन्य यान जो	-	श्रीर रक्षा नौकाएं हैं जो खेर्द जान
	यंत्रनोदित नही है; उनके पूर्जे		बाली नीकाकों से भिन्न हैं

1	2	1	2
89.07	ग्रन्य प्लवी संरचनाएं (उदाहरणार्थ		किन्तु इसके भंतर्गत रेडियो, खगो-
	रैफ्ट, टैंक, काफर बांध घवतरण स्टेज,		लिको के यंत्र नहीं हैं
	बोया भ्रौर बीकन)	90.06	फोटोचित्रण कैंगरे (जो चलिबन
89.08	बै क श्रप के लिए अलयान श्रोर		कैमरे से सिन्न हों) फोटोचित्रण
	<u> प्रन्य</u> प्लाबी संरचनाएं।		पलैशला इङ उपकरण घौर शीर्ष सं०
	श्रनुभाग 18		85.39 के विसर्जन लैम्पों से
प्रकाशीय, फोटोप्रा	फिक, चलचित्रयीय मापने, जांचने प्रमितता		भिन्न पत्नैश बल्व
•	यचिकित्सीय यंत्र स्रौर उपकरण; बीवार	90.07	चलित्र कैमरे और प्रश्नेपित चाहे
घड़ियां ग्रीर कला	ई की घड़ियां, वाद्ययंत्र, उसके पुर्जे झौर-		उनमें ध्वति श्रभिलेखित या पुन- ग्रस्पादी उप∓रण हों या नहीं
उपसाधम ।		00.00	गरपाया उपकरण हा या गहा चलचित्र प्रक्षेपित्र से भिन्न प्रतिबिम्ब
	प्रध्याय १०	90.08	प्रक्षोपिह; (चलिख्न से भिक्स) फौटो-
वक्रातीय फ्रांटीया	फिक, चलचित्रीय, मापने, जांचने, प्रसितता		वित्र एनलार्जर भौर अपचालक।
•	स्य चिकित्सीय यंत्र ग्रीर उपकरण; उसके	90.09	फोटो की प्रतियां निकालने वाला
	मौर उपसाधन		उपकरण जिलमें प्रकाशीय पद्धति
90.01	प्रकाशीय फाइबर और प्रकाशीय		हो या वह <i>साम्टैक</i> ट टाइप का हो
	फा इबर बंडल; प्र काशीय फाइबर		ग्रौर ताप द्वारा प्रतियां निकालने
	केबलें उनसे भिन्न जो शीर्ष सं०		वाला उपकरण।
	85.44 के भन्तर्गत भाते हैं;	90.10	फोटोचित (जिसके ग्रन्तर्गत चल-
	घुवण सामग्री की शीटें भौ र प्लेटें,		चित्र भी हैं) प्रयोगशालाग्नों के लिए उपहरण श्रौर उपस्कर
	कांच के ऐसे भवययों से भिन्न जो प्रकाशीय रूप से तैयार नहीं है		(जिनके ध्रम्तर्गत सुप्राही कृत-भर्द
	किसी भी सामग्री के लेन्स (जिसके		चालक सामग्री पर परिपथ पैटनों
	धन्तर्गेत कांटैक्ट शेन्स भी है)		के प्रेअपण के लिए उपकरण भी
	प्रिष्म धर्पेण भौर भ न्य प्र _{का} शीय		है) जो इस श्रध्याय में भ्रन्यत्र
	ग्रवयव जो मढ़े हुए न हो।		विनिर्विष्ट या सम्मिलित नहीं है;
90.02	कांच के ऐसे घवयवों से भिन्न जो		नेगटोस्कोन; प्रक्षेपण स्क्रीन
	प्रकाशीय रूप में तैयार नहीं है,	90,11	संयोजित प्रधापीय सुक्ष्मदर्शी जिसके
	किसी भी सामग्री के लेन्स, प्रिज्म, दर्पण श्रीर भ्रन्य प्रकाशीय श्रवयव		श्रन्तर्गत वे भी है जो सूक्ष्म-फोटोचित्रण सुक्ष्म-चलचित्रण या सूक्ष्म-प्रक्षेपण
	जो महे हुए हैं भीर जो यंक्षों या		के लिए है
	उपकरणों के पुर्जे या उनकी	90,12	प्रकाशीय सुक्ष्मवर्शी से भिन्न सुक्ष्मवर्शी,
	फिटिंग हैं	00,22	विवर्तन उपकरण
90.03	चक्रमों, धूप के चण्मों या उसी	90.13	ऐसी द्रव ऋिस्टल युक्तियां, जिनमें
	प्रकार की बस्तुमों के लिए फ्रेम		ऐसी वस्तुएं नहीं हैं जिन्हें भ्रन्थ
	मौर मका ई मौर उनके पुर्जे।		शीर्षों से ग्रधिक विनिर्दिष्ट रू प से
90.04	धोषनिवारक, संरक्षात्मक या प्रत्य		उपबंधित किया गया है; लेसर
	भूषमे, धूप के चक्को ग्रौर वैसीही अस्टार्ग		डायोड से भिन्न लेसर; ऐसे मन्य प्रकाशीय साधित मौर यंत्र जो
	बस्सु एं		प्रकाशाय साधित भार यन जा इ.स. ग्रध्याय में ग्रन्यत्र विनिविष्ट
90 05	द्विनैली, एकनेली, श्रन्थ प्रकाशीय युरबीन श्रीर उनके लिए मढ़ाई की		वत अन्याय म अन्यक्ष निर्मापन्यः या सम्मिलित नहीं हैं
	पुरवान आर उनक लिए नढ़ाइ का वस्तुएं, श्रन्य खगोलीय यंत्र श्रीर	90.14	विका सूचम कम्पास; श्रन्य नौ-
	उनके लिए मढ़ाई की अस्तुएं ;	#11.3T	परिबद्धन यंत्र भीर साधित
	1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1		

1	2	1	2
90.15	सर्वेक्षण (जिसके ग्रन्तर्गत फोटो ग्रामिती सर्वेक्षण भी है) जलराशि- कीय, समुद्रविज्ञान, जलविज्ञान, मौसम विज्ञान या भू-भौतिकी यंत्र ग्रीर साधित जिनके ग्रन्तर्गत कम्पास नहीं है, परासमापी	90,22	ऐसे उपकरण जो ऐक्स-किन्ण के या एल्फा बीटा या गामा के विकिरणों के उपयोग पर घाधारिस हों, चाहे के चिकित्सा, शस्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा या पणु चिकित्सासंबंधी उपयोगों के लिए हों या नहीं,
90.16	5 सेंटीग्राम या उससे मधिक सुग्राहित की तुलाएं; चाहे वे बाटों के सहित हों या उनसे रहित।		जिसके प्रन्तर्गत रेडियोपाफी या रेडियोथिरेपी साधित, ऐक्स-किरण द्यूव गौर ग्रन्थ ऐक्स-किरण जनिल,
90.17	रेखण, चिन्हांकन भौर गणितपरिकलन यंत्र (उवाहरणार्थं ड्राफिटग मशीनें, पेन्टोग्राफ, प्रोट्टैंक्टर, रेखण सेट, स्ला- इंड रूल, डिस्क परिकलिस्र); लम्बाई		उच्च विभव जिनिस्न, नियंत्रण पैनल ग्रीर बैस्क, स्कीन, परीक्षा या उप- भार मेजें, कुर्सियो भीर वैसी ही अन्य थस्तुएं भी हैं।
	मापने के लिए यंत्र, हाथ में उपयोग के लिए (उवाहरणार्थ, माप, दंड और टेप, सूक्ष्म मापी केलिपर जो इस ग्रध्याय में भ्रम्यस्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलिस नहीं हैं)	90.23	ऐस यंत्र, उपकरण श्रीर माङल जो प्रदर्शन के प्रयोजनों (उदाहरणार्थ, शिक्षा भीर प्रदर्शन के लिए श्रीभ- किल्पत हैं जो अन्य उपयोगों के लिए श्रमुपयुक्त हों।
90.18	चिकित्सा, शस्य चिकित्सा, बन्स चिकि- त्सा या पशु-चिकित्सा विज्ञानों में प्रयुक्त यंत्र भौर साधित जिनके भन्तर्गत साइन्टग्राफिक उपकरण, श्रन्य विद्युस चिकित्सा उपकरण, भौर	90,24	मामप्रियों (उदाहरणार्थ, धासु काव्छ, टैक्सटाइल, कागज, प्लास्टिक) की कठोरता, वृद्धा, संपीष्टन, प्रत्यास्थता या श्रन्य योत्रिका गुणों का परीक्षण करने के लिए मशीनें श्रीर साधित।
●0.19	दृष्टि परीक्षण यंत्र भी हैं। यांत्रिक चिकित्सा साधित्र; मालिश के उपकरण; मनीवैज्ञानिक, धक्तिरुचि परीक्षण उपकरण, घोजीन चिकित्सा घाक्सीजन चिकित्सा; एरोसोल	90.25	उरूलबधनत्वमानी भौर वैसे ही प्लबोमान यंत्र, तापमानी, उत्तापमानी, वायुवाबमानी, श्राप्तीसामानी, श्रायु- वाष्पमानी, चाहे वे श्रभिलेखनरत हों या नहीं, इन उपकरणों का कोई समुख्यय।
	चिकिस्सा, कृतिम श्वास या भ्रन्य चिकित्सीय श्वसन उपकरण।	90.26	द्रवों या गैसों के प्रवाह, तस, दाव या श्रन्य परिवर्तिताएं, मापने गा
90.20	श्रन्य क्वास लेने के साधि त धौ र गैस मास्क, जिसके धन्तर्गत ऐसे संरक्षारमक मास्क, जिममें न तो यांतिक पुर्जे हैं धौर न ही बदलमे योग्य फिल्टर हैं।		जांचने के लिए उपकरण मीर साधित (उदाहरणार्थ, प्रवाहमापी, समतल गेज, दार्बातरमापी उदमा- मापी) किन्सु शीर्ष सं० 90.14, 90.15, 90.28 सा 90.32 के
90,21	विकलांग साधित जिनके अन्तर्गत वैज्ञाखी भी है, गल्य वैस्ट धौर हानिया गेटी, स्पलिंट धौर अन्य अस्थिभंग साधित, शरीर के कृत्निम भाग; श्रवण सहाय और अन्य ऐसे साधित जो शरीर में किसी सृदि पा नि:- शत्रपता की पूर्ति के लिए गईन मा लगाए या गोपित किए जाने हैं।	90.27	ग्रस्तर्गेत श्राने वाले यंत्र ग्रीक उपकरण इतके ग्रन्तगैत नहीं हैं। भौतिक या रासायनिक विश्लेषण के लिए यंत्र ग्रीव उपकरण (जैसे भूवणमापी, श्रपवर्तनोक-मापी, स्पै क्ट्रममापी गैस या धूम्प्र विश्लेषण उपकरण) श्यानता, मंरान्नता प्रसार पण्ड तनाव वैसीया ही श्रम्य प्

1	2	1	2
	की मापने या आंचने के लिए यंत्र खौर उपकरण, ताप, ध्वनि या प्रकाश को मालाधों की मापने या आंचने के स्लिए यंत्र खौर उपकरण (जिलके	91.02	कलाई बड़ी, जेब बड़ी ग्रीर ग्रन्थ बड़ियां जिनके श्रन्तर्गत विराम बड़ियां भी श्राती हैं श्रीर जो उनसे भिन्न हैं जो गीर्ष सं० 91.01 के ग्रंतर्गत श्राती हैं।
	मन्तर्गत उव्भासनमापी भी है) मणु- तक्ष ।	91.03	संचलन पुर्जी सहित दी वार वड़ियां उन दीवा र व ड़ियों को छोड़कर जो
90 28	गैस द्वव या विद्युत प्रदाय ग्रथवा उत्पादन मापी, जिसके ग्रन्तर्गत उनके		गोर्ष सं० 91.04 के प्रत्यर्ग त ग्राती हैं।
90.29	लिए श्रंगोकनमापी भी है। परिक्रमण गणिज्ञ, उत्पादन गणित्र, टैक्सीमीटर,मीलमापीपदगणिज्ञ ग्रौर वसी ही वस्तुएं गति उपवर्गक	91.04	यंत्र पेनल दीवार चड़ियां ग्रीर यानों, वायुयानों ग्रन्सरिक्ष यानों या ालयानों के लिए उसी प्रकार की दोबार चड़ियां।
	भौर ध्रुर्णवेग मापी, जो मीर्प सं०	91.05	श्रन्य दीवार चड़ियां।
	90.15 के धन्तर्गत श्राने वाली पस्तुओं से भिन्न अंतरितेका।	91.06	दिन का समय ग्राभिक्तिकार करने का उपकरण ग्रीर समय के ग्रन्तरालों की
90,30	विद्युत की मान्नाओं की मापने या जांचने के लिए दोलनदर्गी, स्पेक्ट्रम विक्लेशक और अन्य यंत्र तथा उप- करण किन्तु शीर्ष सं० 90.28 के अन्तर्गत आने वाले मीटरों को छोड़कर अल्फा, बीटा, गामा, एक्स-किरण,	•	मापने, ग्रभिलिखित करने या ग्रन्यथा उपविभित्त करने के लिए उपकरण दीयार धड़ियों या घड़ियों के संचलन पुर्जी या सुल्यकालिक मोटर के साथ (उदाहरणार्थ ममय रजिस्टर, समय ग्रभिलेखिन्न।
	ग्रतरिक्षी या भ्रग्य भागनकारी वि∽ किरणों को मापने या भ्रभिकात करने के लिए यंत्र या उपकरण।	91.07	दीवार घड़ियों या घड़ियों के संचलन पुर्नी वाले या तुल्यकालिक मोटर वाले टाइम स्विच।
90.31	ऐसे मापन या जां च यंत्र , उपकरण धौर मशीनें जो इस श्रध्याय में श्रन्यत विनिर्विष्ट या सम्मिलित नहीं हैं;	91.08	चिक्यों के संचलन पुर्जे, पूर्ण क्योर समंजित।
	प्रोफाइल प्रक्षेपित ।	91.09	दीवार षड़ियों के संघलन पुर्जे पूर्ण श्रीर समंजित।
90,32	स्वचालित ियामक या नियंत्रण यंत्र ग्रीर उपकरण।	91.10	पूर्ण घड़ी या बीवार घड़ी के संचलन पुर्जे, श्रसमंजित या भागत: समंजित
y 0,33	ऐसे पुर्जे और उपसाधन (जो इस अध्याय में अन्यत वििद्धिट या सम्मिलित नहीं है), जो अध्याय 90 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों,		(संचलन पुर्जी के सेट); झपूर्ण घड़ी या दीवार घड़ी के संघलन पुर्जे, समंजित बड़ी या दीवार घड़ी के स्थूल संचलन पुर्जे।
	जपकरणों, यंजों या साधित्र केलिए है।	11.16	षड़ियों के केस ग्रा र उनके पुर्जा।
	प्रस्ताय-११	91.12	र्वावार घड़ियों के केस श्रीर इस
*	वारवदियां धीरचड़ियां सथा उनके पुर्जे		श्रध्याय के ग्रन्थ माल के लिए
91.01	क लाई घड़ी, जैव घड़ी, गाँर ग्रन्य घ ड़ियां जि ाके श्रन्तर्गत विराम चड़ियां		उसी प्रकार के केस, तथा उनके पृ र्ज ी
	र्था है सौथ जिन में बहुमूल्ब धानु या बहुमूल्य धाष्टु से सण्जिन	91.13	बड़ों का स्ट्रेंप, बड़ी पहुँ, औ र घड़ ी बेमलेट तथा उनके पुर्जी।
	धातुका केस लगा हो।	91.14	ग्रन्थ योवार वड़िया या घड़ियों के पुत्रों

(1)	(2)	(1)	(2)
	ग्रध्याय-92	93.02	शीर्थ सं० 93.03 या 93.04
	वाद्य यंत्र		के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले ग्रायुधों से
ऐस	ती वस्तुम्रों के पुर्जे भीर उपसाधन		भिन्न रिवाल्वर ग्रौर पिस्तोल।
92.01	पियानो, जिनके श्रंतर्गत स्वचालित	93.03	म्रन्य म्रग्नाय् ध मीर वैसी ही
	पियानो हैं, वीणा श्रौर श्रन्य कुंजी		युक्तियां जिनका प्रचालन किसी
	फलक तार वाले यंत्र।		विस्फोटक चार्ज को दागने से
92.02	श्रन्य तार वाले वाद्य यंत्र (उदा-		होता है (उदाहरणार्थ खेलकूद
	हरणार्थ गिटार, बायलिन वीणा)।		संबंधी शाट गन ग्रौर राइफलें,
92,03	कुंजीफलक पाइप ग्रार्गन, हारमो-		नालमुखभरण ग्रग्नायुष्ठ, बैरी
	नियम ग्रौर खुली धातु की रीड		पिस्तौल ग्रीर वैसी ही ग्रन्य
	सहित वैसे ही कुंजीफलक यंत्र।		युक्तियां जो केवल संकेत प्रदीपक
92.04	ग्रका डिय न ग्र ौर वै से ही यंत्र,		के प्रक्षेपण के लिए ग्रभिकल्पित
	माउथ ग्रार्गन।		हो, ब्लेकगोलाबारूद को दागने के
92.05	म्रन्य हवा वाद्य यंत्र (उदाहरणार्थ		लिए पिस्तौल ग्रीर रिवाल्वर,
	शहनाई, तुरही, मशकबीन)।		केप्टीव नोल्ट ह्र्मनकिलर, लाइन
92.06	ताल वाद्य यंत्र, (उदाहरणार्थ ढोल,		धोइंग गन)।
	काष्ठतरंग, मंजीरा, करताल, मराकस)	93.04	शीर्ष सं० 93.07 के अन्तर्गत
92.07	वाच यंत्र (उदाहरणार्थ ग्रौरगेन,	,	त्राने वाले त्रायुधों को छोड़कर ग्रन्य
	गिटार स्रकोडिएन) जिनकी ध्वनि		ब्रायुध (उदाहरणार्थ स्प्रिंग, वा यु
	उत्पादित की जाती है, या विद्युत		या गैस गन और पिस्तील, दून्चेन)
	से विस्तारित की जानी चाहिए।	93.05	शीर्ष सं० 93.01 से 93.04 के
92.08	संगीत पेटी, फेयर बाउन्ड, श्रार्गन,		श्रन्तर्गत ग्राने वाली वस्तुग्रों के
	यांतिक स्ट्रीट ग्रार्गन, यांतिक	. 1	पुर्जे भीर उपसाधन।
	गायनबर्ड, म्युजिकल सा ग्रौर ग्रन्य	93.06	बम, हथगोले, (ग्रेनेड) तारपीडी,
	वाद्य यंत्र, जो इस अध्याय के		सुरंगें (माइन्स) प्रक्षेप णास्त
	किसी ग्रन्य शीर्ष के ग्रन्तर्गत नहीं		(मिसाइलें) ग्रीर वैसी ही युद्ध
	त्राते हैं, सभी प्रकार के डिकाय		सामग्री तथा उसके पुर्जे, कारतूस
	काल, सीटी, काल हार्न ग्रीर मुख से		ग्रीर ग्रन्य गोलाबारूद तथा प्रोजे-
	् बजा ए जाने वाले श्रन्य ध्विन संकेत		क्टाइल्स ग्रौर उसके पु र्जे जिस के
	यंत्र ।		अन्तर्गत शाट तथा कारतूस वाड है।
92.09	वाद्य यंत्रों के पुर्जे (उदाहरणार्थ,	93.07	तलवार, खड्ग, संगीन, बल्लम
	संगीत पेटी के लिए यंत्राकार)		श्रौर वैसे ही ग्रायुध तथा उसके
	ग्रीर उपसाधन (उदाहरणार्थ यांत्रिक		पुर्जे ग्रौर उनके लिए स्या नें ग्रौ र
	यंत्रों के लिए कार्ड, डिस्क ग्रीर शैल)		उनके ग्रावरण।
	सभी प्रकार के ताल मापी, स्वरित्र		धनुमाग-20
	कोर्क ग्रौर पिच पाइपें।		प्रकीर्ण विनिर्मित बस्तुएं
	813971T 1.0		नकाच जामाचा चरतुषु

भ्रनुभाग 19

आयुध और गोलाबारूद, उनके पुर्जे और उपमाधन

श्रध्याय 93

श्रायुध श्रौर गोलाबारूद श्रौर उनके पुत्रें श्रौर उपसाधन

93701

रिवालवरों) पिस्तीलों श्रौर गीर्ष संब 93707 के भ्रन्तर्गत आने वाले द्यायुत्रों से भिन्न सैन्य श्रायुध।

श्रध्याय-94

फर्नीचर, बिजीने, गद्दे, गद्दों के भाधार गहियां और वैसे ही भरे हुए साज-सामान, लैम्प ग्रौर प्रकाश वाली फिटिंग जो कहीं श्रौर विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है; प्रदोप्त, चिह्न, प्रदोप्त ताप-पर और वैसी ही बस्तुएं, पूर्व रचित भवन

94.01

शीटें (शीर्व संव 94.02 章 अन्तर्गत ग्राने वाली से भिन्न) वाह्ने

(1)	(2)	(1)	(2)
94.02	वे शैय्या रूपांतरित हो सकती हों या नहीं, ग्रौर उनके भाग। चिकित्सा, णल्य चिकित्सा, दन्त- चिकित्सा या पशु चिकित्सा सम्बन्धी	95.03	श्रन्य खिलौने, छोटे श्राकार "स्केल" के प्रतिरूप और वैसे ही मनोरंजक प्रतिरूप चाहे चालू हालत में हो या नहीं; सभी प्रकार की पहेलियां।
	फर्नीचर (जदाहरणार्थ शल्य टेबल, परीक्षण टेबल, यांत्रिक फिटिंगों सहित ग्रस्पताल शैंय्याएं, दंत चिकित्सक की कुर्सियां, हज्जाम की कुर्सियां ग्रौर वैसी ही कुर्सियां	95.04	खेल तमाशा (फनफेयर), टेबल या बैठक खेलों के लिए वस्तुएं, जिनके अन्तर्गत पिन टेबल, बिलियर्ड, केसिनो खेलों के लिए विशेष मेज और स्वचालित बालिंग एलि उपस्कर है।
	जिनमें घूर्षण के साथ-साथ लिटाने ग्रौर उठाने की कियायें भी हों; पूर्वगामी वस्तुग्रों के पुर्जे।	95.05	म्रानन्दमय, रगरेलियां या म्रन्य मनो- रंजक वस्तुएं जिनके म्रन्तर्गत जादू करतब और म्रनूठे परिहास भी हैं
94.03	ग्रन्य फर्नीचर ग्रौर उनके पुर्जे।	95.06	जिमनास्टिक, खेलकूद, ग्रन्य खेलकूद
94.04	गद्दे के आधार, बिछाने की वस्तुएं ग्रौर वैसा ही साज-सामान (उदा- हरणार्थ, गद्दे, रजाइयां, बड़ी समुद्री बत्तख के पंख, गद्दियां, पूफ ग्रौर		(जिनके अन्तर्गत टेबिल टेनिस भी है।) या बहिरंग खेलें जो इस अध्याय में अन्यत विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है; तरण ताल और पेंडलन ताल र्रं।
	तिकए, जिनमें स्प्रिंग लगे हुए हों या जो किसी सामग्री से भरे हुए हों या ग्रांतरिक रूप से सज्जित हों या कोशिकीय रबड़ ग्रथवा प्लास्टिक के हों, चाहे वे ग्राच्छादित हों या नहीं।	95.07	संबी, मत्स्यकांटा और ग्रन्य लाइन। मत्स्यन संभार, मत्स्य स्थलन जाल, तितली जाल और वैसे ही जाल; (शीर्ष सं० 92.08 या 97.05 से भिन्न) "पक्षी" प्रलोभक और वैसी ही शिकार करने और असन की
94.05	लम्प और प्रकाश वाली फिटिंग, जिन में सर्चेलाइट और स्पाट लाइट और उसके पुर्जे भी सम्मिलित हैं जो कहीं और विनिर्दिष्ट या सम्मि- लित नहीं हैं प्रदीप्त चिन्ह, प्रदीप्त नामपट्ट और वैसी ही ग्रन्य वस्तुएं	95.08	आवश्यक वस्तुएं । चकरियां, झूले, आखटन दीर्घाएं और अन्य मेलास्थल आमोद-प्रमोद, चल सकैंस, चल प्राणिशालाएं और चल- नाटयशालाएं ।
	जिनमें स्थायी रूप से लगे हुए प्रकाण स्रोत हों और उनके पुर्जे		ग्रध्याय १६
	जो कहीं और वि निर्दिष्ट या		प्रकीर्ण विनिमित बस्तुएं
94.06	सर्मिलित न हों । गुर्जित विनिर्मित	96.01	कमित हाथी दांत, ग्रस्थि, कछुए की खोपड़ी, सींग, मृगश्रंग, मूंगा-मुक्ता
	श्रध्याय 95		और अन्य प्राणी नक्काशी सामग्रियां
खिलीने, खेल ग्रौर	खेलकूद का सामान, उनके भाग और उपसाधन		और इन सामग्रियों की वस्तुएं (जिनके
95.01	बच्चों के चढ़ने के लिए ग्रभिकल्पित पहिए दार खिलौने (उदाहरणार्थ तीन पहियों वाली साइकिलें, स्कूटर, पादिक कार); गुड़िया वाहन ।	θ6.02	अन्तर्गत सचन से प्राप्त वस्तुएं आती हैं) । कर्मित वनस्पति या खनिज नक्काशी सामग्री और इन सामग्रियों की वस्तुएं:
95.02	गुड़ियां, जो केवल मानव प्राणियों का प्रतिरूपण करती है।		मोम की या स्टीएरिन की, प्राकृतिक गोंद या प्राकृतिक रेजिन की या प्रति- रूपण पेस्ट की संचित या नक्काशी की

1	2	1	2
	हुई वस्तुएं और अन्य संचित या नक्काशी की हुई वस्तुएं, जो अन्यत्न विनिर्दिष्ट या सम्मिलित नहीं है; कम्ति, अदृढ़ीकृत जिलेटिन (शीर्ष सं० 35.03 के अन्तर्गत आने वाली जिलेटिन के सिवाय) और अदृढ़ीकृत जिलेटिन की वस्तुएं।	96.11	तारीख, मुद्रांकन या संख्यांक व मोहरे (वैसी ही वस्तुएं जिनके अन्तर्गत लेबलों के मुद्रण या समुद्रभरण के लिए युक्तियां भी हैं) जो हस्त-वालन के लिए धिमकल्पित हैं हस्त-वालित कम्पोजन स्टिक और ऐसी कम्पोजन स्टिकों को अन्तर्विष्ट
96.03	झाड़ू और ब्रुण (जिनके ब्रन्तर्गत ऐसे		करने वाले हस्त मुद्रण सेट ।
	बुश भी हैं जो यतों, साधितों या यानों के भाग हैं) हस्तचालित यांत्रिक फर्श श्रपमार्जक, जिसमें मोटर नहीं लगी हो, झाड़न और पंख वाले डस्टर; बुश या बुश बनाने के लिए निर्मित गांठें और गुच्छे; पेंट पैड और रोलर; रबड़ झाड़ू (लिपटवां रबड़ झाड़ू से	96.12	टाइपराइटर और इसी प्रकार के रिवन स्याही युक्त या छाप प्रदान के लिए अन्यथा निर्मित चाहे वे स्पूलों पर हों या कारतुसों में हों या न हों; स्याही पैंड चाहे उसमें स्याही लगी हो या न लगी,हो, डिब्बों सहित या विला डिब्बों के।
	भिन्न) ।	£ 6.13	सिगरेट लाइटर और अन्य लाइटर, चाहे
96.04	हस्त छाननी और हस्त प्रचालनी।		वे यांक्षिक या बिजली के हों या न हों और उनके ऐसे पुर्जे जो फिलंट
96.05	वैयक्तिक प्रसाधन, सिलाई या जूतों या कपड़े साफ करने के लिए याता सेट।		और बत्ती से भिन्न हों।
96.06	बटन, प्रैस बधक, स्नैप बंधक और प्रैस स्टड, बटन धागे और इन वस्तुओं के ग्रन्य धागे, बटन ब्लैक ।	96.14	धूम्प्रपान पाइप (जिसके अन्तर्गत पाइप बाड भी हैं) और सिगार या सिगरेट होल्डर और उनके पुर्जे ।
96.07	स्ताइड वधक और उसके भाग ।	96.15	कंत्र, केश-स्लाइडें और वसी ही वस्तुएं; केशपिन, कॉलग पिन, कॉलग जिप्स,
96.03	त्रात कोइट लेखनी; फैल्ट-टिपदार और अन्य संरघ्नटिपदार लेखनी और मार्कर; फाउंटेन पैन, स्टाइलो- लेखन और अन्य लेखनियां अनुलिपित स्टाइलो, नोदक और स्लाइडिंग पेंसिलें,		हेयर क्लंर और वैसी ही वस्तुएं जो उनसे भिन्न हैं जो कि शीर्ष सं० 85.16 के अन्तर्गत आती है और उनके पुर्जे।
	रैन होल्डर, पेंसिल होल्डर और इसी प्रकार के होल्डर पूर्ववर्ती वस्तुओं (जिसके अन्तर्गत कैंग और क्लिप हैं) जो उनसे भिन्न है जो कि शीर्ष सं० 96.09 के अन्तर्गत आते हैं।	96.16	इत-स्प्रे और वैसे ही प्रसाधन स्प्रे और उनके श्राधार तथा शिप; प्रसाधन सामग्रियां या प्रसाधन निर्मि- तियों के प्रयोग के लिए पाउडर- पफ और पैड ।
96.09	पेंसिलें (जो शीर्ष सं०96.08 के अन्तर्गत आने वाली पेंसिलों से भिन्न है) फ्रेयान पेंसिल लेड, पैंस्टल, ड्राइंग चारकोल, लिखने के या ड्राइंग चाक	96.17	निर्वातफ्लास्क और ग्रन्य निर्वात पात जो केस सहित पूरे हों; उनके भाग जो कांच की ग्रन्तवस्तु से भिन्न है ।
	भीर दर्जी के चाक।	96.18	दर्भी की डिमियां और अन्य पुतले; दुकान की खिड़की की सजावट के लिए, उपयोग
96.10	स्लैटें और बोड, जिनकी लेखन या ड्राइंग सतह हो चा चौखटेदार या नहीं।		में लाए जाने वाले श्राटोमेटा और अन्त्र सजीव प्रदर्शन ।

(1) (2)(1)(2) विनिधिष्ट-घटक भ्रनुभाग 21 (1) औद्योगिक संयंत्र की, **कलाकृतियां, संग्राही वस्तुएं ग्रौर पुरा**धस्तुर् (2) निवाई परियोजना की, ग्रध्याय 97 (3) शक्ति परियोजना की, कलाकृतियां, संग्राही वस्तुएं ग्रीर पुरा वस्तुएं (4) खनन परियोजना की, पूणतया हाथ से बनाए गए चिव, ड्राइंग 97.01 (5) तेल या ग्रन्य खनिज की खोजा और पेस्टल जो शीर्ष सं० 49.06 की परियोजना की, के अन्तर्गत याने वाली इन्होंगों से भिन्न (6) ऐसी भ्रन्य परियोजनाओं की, है तथा हस्त चिन्नित या हस्तसज्जित जिन्हें केन्द्रीय सरकार विनिर्मित वस्तुओं से भिन्न हैं; कालेज के प्रार्थिक विकास को ध्यान में और वैसे ही सजावटी प्लेक। रखते हुए निमित्त राजपत्र में मौलिक उत्कीर्ण, प्रिण्ट और लियोग्राफ। 97.02 श्रिधसुचित करें। किसी भी सामग्री की मौलिक मर्तियां 97.03 किसी विद्यमान यूनिट की प्रारम्भिक और मृति संग्रह । स्थापना या जिसी विद्यमान यूनिट उपयोग में लाए गए डाक महसूल स्टाम्प 97.04 के विस्तार के लिए ग्रंथेक्षित हैं और या राजस्य स्टाम्प, स्टाम्प-मोहर छाप पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट माल के मूल्य के (फर्स्ट डे कवर, डाक सामग्री स्टाम्पित 10 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त पुर्जे, कागज) और वैसी ही वस्तुएं यदि भ्रन्य कच्ची सामग्री (जिसके भ्रन्तर्गत उपयोग में न लाई गई हों तो ऐसे **ग्रधंपरिस**ज्जित सामग्री देश में जिसके लिए उद्दिप्ट हैं चाल खपनेवाला परन्तु यह सामान, या नए जारी किए हुए न हों।. तब जब कि ऐसे अितरिक्त पूर्जे, कण्जी संग्रह और संग्राही वस्तुएं जो प्राणी 97.05 सामग्री या खपने वाला विज्ञान, वनस्पति विज्ञान खनिज विज्ञान पूर्वोक्त मद 1 से 6 में वर्णित संत्रेत्र शरीर रचना विज्ञान, इतिहास, या परियोजना के श्रन्रक्षण के लिए तत्व विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान, मानव म्रावस्यक हो जाति या सिक्कों संबंधी रुचि वाली हो। प्रयोगशाला रसायन । 98.02 एक सी वर्ष से अधिक की पुरायस्तूएं। 97.06 यात्री द्वारा या कर्मीदल के किसी सदस्य 98.03 द्वारा अपने सामान के रूप में श्रायात घध्याय 98 की गई सभी मुल्क्य वस्तुएं। परियोजना मायात, प्रयोगशाला, रसायन, यात्री सामान, वाय्यान या डाक द्वारा वैयक्तिक श्रायात; पोत सामग्री **वै**धक्तिक उपभोग 98.04 डाक्या वायुयान द्वारा आयात की मशीनरी की निम्तिलिखत सभी मद 98.01 गई तथा, श्रायात और नियति अर्थात्, जिनके अन्तर्गत प्राइम मुबर (नियंत्रण) श्रधिनियम, 1947 है, यंत्र, उपकरण और साधित्न, (1947 का 18) के प्रधीन उनके नियंत्रण गियर और संचरण उपस्कर. आयात के बारे में किसी भी प्रतिषेध पूर्वोक्त मदों के विनिर्माण के लिए से छूट प्राप्त सभी शुल्क्य वस्तुएं, सहायक उपस्कर (जिनके अन्तर्गत किन्तु उनके अन्तर्गत शीर्प सं० 98.03 वे भी आते हैं जो श्रनुसंधान और के भ्रन्तर्गत भ्राने वाली वस्तुएं नहीं हैं। प्रयोजनों, परीक्षण क्वालिटी नियंत्रण के लिए घ्रवेक्षित किसी जलयान या वायुयान के फलक 98.05 हैं), और साथ ही सभी पर के सामान की निम्नलिखित (चाहे परिसज्जित हो वस्तुएं जिन पर सीमाशुलक अधि-या नहीं) या कच्ची सामग्री उनके सथा नियम, 1962 (1962 का 52) 947 GI/90-12.

90	THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAG	ORDINARY [PART I—Sec. 1
(1)	(2)	(1) (2)
	के श्रधीन शृल्क उदेग्रहणीय है, श्रथीत्—	(22) ब्लेओमाइसिन इंजैक्शन इंडियम (111)।
	अध्याय ११	(2 3) एल-एस्परजिनेस (कोलै- स्पेस) इंजैक्शन ।
	प्रकीर्णमास ००० के के	(24) ल्युकोद्योरित कैल्शियम इंजैक्शन ।
99.01	निम्नलिखित कैंसर रोधी औषधियाँ श्रयात् :—— (1) ऐक्टिनो माइसिन डी इंजेक्शन।	(25) मेल्फाल≀न टिकिया और इंजैक्शन ।
	(2) एमी नो ग्लूटोयमिङो।	(26) मर्कापायोपुरीन टिकिया ।
	(३) ऐम्फोटेरिसिन-बी इजेक्शन्स । (४) ऐजाथायोशीन टिकिया और	(27) मेथोट्रक्सेट टिकिया और इंजैक्शन ।
	इंजेक्शन्स ।	(28) मिथामाइसिन इंजैक्शन ।
	(5) व्लेयोमाइसिन इंजेन्शन ।	(29) मिटोमाइसिन सी इंजैक्शन और कप्सूल ।
	(६) ब्यूसल्फन टिकिया।	्ष (30) मिटोटेन टिकिया ।
	(7) कार्म्यूस्टीन (बी०सी०एन यू) इंजेक्शन।	(31) मस्टाइन हाइक्रोक्लोगइड इंजैक्शन ।
	(৪) क्लोरेम्यूसिल टिकिया । (१) मी ध्राई एम–प्लैटिनम इंजेक्शन	इजम्मन । (32) फास्फोरस (32पी) इंट्राली स्फैटिक इंजैक्शन ।
	६०४गम (10) साहक्लोसाईटिडीन इजेक्शन ।	(33) प्रोकाबजोन हाइड्रोक्सोराइड कप्नूल ।
	(11) साइक्लोफास्फे माइडटिकिया और इंजेक्शन के लिए साइक्लोफास्फेमाइड ।	(34) 32-पी सोडियम फास्फट इंजैक्शन ।
	(12) साइटरेवाइन इंजेक्शन ।	(35) रेसेमिक फनिलएलेनाइन नाइट्रोजन मस्टर्ड, हाइड्रो-
	(13) डाकार्बेजाइन इंजेक्शन।	मलोराइड टिकिया और
	(14) डोनोरुविसिन इंजेक्शन ।	इंजैन्शन ।
	(15) डोक्सोरुबिसिन हा इड्रो - क्लोराइड इंजेक्शन ।	(36) रेडियो आइसोटोप टी० आई० 201
	(16) एटापोसाइड केंप्सूल/ इंजेक्शन ।	(37) इंजक्शन के रूप में सोडिय ग्रार्सेनेट 74 ।
	(ा ७) फ्लोक्सुरिडीन (एफ० यू० डी० श्रार०)	(38) स्ट्रोटियम क्लोरा इड (३ एस० आर०) इंजैक्शन
	इजेक्शन । (18) 5–फ्लूरोरेसिल कैप्सूल और	(39) टैमोक्सिफेन साइट्रट टिकिय (40) टस्टोलैंक्टोन इंजक्शन।
	इंजेक्शन।	(41) थायाटेपा इंजैक्शन।
	(19) फटोराफर इंजेक्शन और	(42) थायोग्युएनाइन टिकिया

कप्सूल ।

(20) हाइड्रोक्सी यूरिया कंप्सूल। (21) आइफोस्फमाइड इंजेक्शन।

(43) टेट्रामाइन टिकिया और इंजैक्शन।

(44) द्राफास्फोमाइड टिकिया ।

(1)	(2)	(1)	(2)
99.02	(45) विल्ब्लास्ट्रीन मत्फेट इंजैक्शन । (46) त्रिन्त्रिंस्ट्राइन नल्फेट इंजैक्शन । निस्तालेखित काडियो बैस्कुलर ग्रीषधियों, ग्रयोत्		एण्टी पा० आई०, एण्टी एस०, एण्टो मातव ग्लोबुलित सेरा, एण्टी- एफ, एण्टा केल, ऐण्टी सेलेल, एण्टी- जे० के० ए० और एण्टो आई।
	(1) डायाजीवमाइड इंजैक्शन ।	99.05	कृत्रिम प्याप्ता।
	(2) डिम्गाइरेमाइड फास्फेट	99.06	कृत्निम गुर्दा ।
	इंजैक्शन / कैप्सूल/टिकिया ।	99.07	समो प्रतार के गर्भ निरोधक।
	(3) डायेभाइन हाइड्राक्लोराइड इंजैक्शन ।	99.08	निम्नित्यित कलाकृतिया श्रर्थात् : (1) किसी सार्वजनिक स्थान में
	(4) श्राइसंप्रिनेलाइन इं जैक्श न।		सार्वजनिक फायदे के लिए रखें जाने
	(5) निफेडीयापीन कैप्सूल ।		वाले मूर्ति संग्रह श्रीर चित्र।
	(6) प्रेजोतित टिकिया ।		(2) सार्वेजनिक प्रक्राति के स्मारक जो
	(7) क्विनिडाइन ग्ल्यूकोनेट इंजैक्शन ।		क्षिया मार्वजनिक स्थान में रखे जाने के लिए प्राशियत है जिसके प्रन्तर्गत उनको संरचना में प्रमुक्त या प्रयुक्त
	(४) स्ट्रेप्टाक्षितेज ग्रॉटर स्ट्रेप्टा- डार्नेस निर्मितिया ।		को जाने पार्ला सामग्री भी है, चाहे वह कमित होया नहीं।
	(9) स्ट्राप्टाकिनेज इंजैक्शन ।	99.09	कलाकृतियां जो किसी सार्वजनिक
99,03	निमानिक्षित सेरा श्रोट टोका प्रया त्: (1) एण्डोन्को प्रतिरक्षा ग्लोक्युकित	33.03	संग्रहालय या राष्ट्रीय संस्थान में प्रदर्शन के लिए आशयित है ।
	(मानव) उपभाग के लिए तैयार रूप में	99.10	पुरावशेष जो किसी सार्वेयकि संग्र- हालय या राष्ट्रीय संस्थान में प्रदर्शन
	(2) गैय गैन्यान एण्टा टाक्सिन		के लिए प्राणियत है।
	ग्रेप्स ।	99.11	किया चिड़िय।घष द्वारः। स्रायादित
	(3) हेपेटाइटियाचा टालग ।		प्राणा ग्रांट पक्षी ।
	(4) होटाइटि। या प्रतिका राष्ट्रिता।	99.12	अगुपार पुर्वताच प्रौर विका य क परिक्रत ।
	(5) िष्कृत रैंबीज टीका (मानव डिंट ायड सेल) ।	99.13	भौक्षणिक प्रपेत्रता क लिए तसूत्र साङल, दोवार भिन्न स्रार स्रोरेख
	(6) खपरा टाका ।	99.14	डाक महस्ः अप्रयुक्त
	(७) ततुकारी घम्म सहित्सीनो-	99.15	कागजा मुद्राः।
	न्जीकोकोल ए यो सिश्चित टीका।	99.16	डाक द्वारा या विभाग भाड़ा के कप में 200 २० से अनबिक मूल्य के स्वाया-
	(৪) पक्ष्युम्येलिरित टोका (सबित स्रोर साज) ।		तिन सदमाविक बान जिसके भन्तर्गत एस्क्रोहातिक पय न हीं है।
	(9) विनि दि ष्ट विसुग्राहीक ्ण टोका । (10) एण्टो प्लेग सेरम ।	99.17	भारतोय रेड कास द्वारा दान के रूप में प्राप्त ऊन, ऊनी फैक्रिक फ्रांट उनी परिधान।
99.04	रका सपुड सेया, श्रशीत् एण्टा सा, एण्टो है, एण्टा सो, एण्टी ई, ऐण्टी एप, एण्टा एस, एण्टा एस, है,	99.18	सामान्य लंगण (जिनके अन्तर्गत खनिज लंबण, समुद्रा लंबण और खान कर संबण है) ।

धनुसूधी-2 (खण्ड-3 देखें)

प्रायात लाइसँव देने के लिए सवाम प्रश्निकारी

	1	2	1	2
1.	मुख्य नियंत्रक, मायात निर्यात	श्रनुसूची-1 के श्रम्तर्गत श्राने वाली किसी भी वस्तु के लिए।	एरिया (डी०टी०ए०) से माल के संभारण कर्ताघों का सम्बन्ध है)। 11. सहायक विकासायुक्त (झायात एवं	THE PARTY OF THE PARTY OF THE
2. 3. 4. 5. 6.	भार मुख्य नियंत्रक, आयात नियति . नियति-आयुक्त संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति उप मुख्य नियंत्रक, प्रायात-नियति सहायक मुख्य नियंत्रक आयात-नियति नियंत्रक, भाषात नियति	—बही— —बही— —बही— —बही— —बही— —बही—	निर्यात), साताकुज, बम्बई जहां तक साताकुज इलैक्ट्रोनिक निर्यात संसा- धन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीक्षि के भन्तगंत भायात, प्रतिपूति लाइसेंस लेने के लिए, ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ एरिया (डी ० टी ० ए ०) से मास के संभरण- कर्ताभ्रों का सम्बन्ध है)	वाली किसी भी वस्तुके
8.	मनुसूची-1 में दी गई वस्तुओं में से फिसी भी वस्तु के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भी भक्षिकारी	— - वर्हो —	12. उप विकास श्रामुक्त फैल्टा, निर्मात संसाधन क्षेत्र, फैल्टा। पश्चिम बंगाल	—व <i>ह</i> ी—
9.	सहायक मुख्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात/ नियन्त्रक, प्रायात-भिर्यात, स्यू कांडला, (अहां तक मुक्त व्यापार क्षेत्र कांडला का सम्बन्ध है।	— यही <u> —</u>	13. उप विकास फायुक्त, मद्रास नियति संगधन क्षेत्र, मद्रास	—वही —
10.	उप विकासायुक्त (विकास) सांताकुज, बम्बई (जहां तक सांताकुज इलक्ट्रोनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्या- तकों के लिए भाषात नीति के भन्सगैरा भाषात प्रतिपूर्ति लाइसेंस लेने के लिए ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ	74.	 14. संयुक्त विकास मायुक्त/उप विकास मायुक्त नोएडा निर्यात संसाधन क्षेत्र नोएडा (उ० प्र०) 15. उप विकास मायुक्त कोचीन निर्यात संसाधम क्षेत्र, कोचीन (केरल) ं। 	वही वही

धनुसूची-3 (खण्ड---4 देखें)

मारत का राजपक्ष : प्रशाधारण

श्रामात लाइसेंस के लिए दिए जाने वाले भ्रावेधन-पत्न के साथ निम्नलिखित शुल्क देना होगा:---

क साथ । नम्नालाखत शुल्क दना हागा	:
क०सं० स्पीरे	शुस्क की राशि
 जिन मामलों में भावेदन पत्र में निर्दिष्ट यस्तुमों का मूल्य 50,000/ रुपए से मधिक नहीं; 	100/ स्पए
 जिस मामलों में भावेदन पत्न में निर्विष्ट बस्तुओं का मूल्य 50,000 रुपवे से 	प्रत्येक एक हजार तथा उसके प्रांस रूपये पर एक रूपया

2. जिन मानवा न आवरन पन मानविष्ट बस्तुओं का मूल्य 50,000 रुपये से प्राप्तक ही परन्तु एक करोड़ रुपये से अधिक न हो।

 जहां भावेदन पत्न में निर्विष्ट माल का मूल्य एक करोड़ दाने से मिश्रिक हो । प्रत्यंक एक हजार तथा उसके
प्रंस रुपये पर एक रुपया
भीर पचान पैसे असर्ते की वह
एक सौ रुपए से कम न हो
प्रत्यंक एक हजार तथा
उनके प्रंस रुपये पर एक
रुपया भीर पचास पैसे
बगर्ते कि यह एक लाख
रुपये से प्रधिक न हो।

बशर्ते कि :--

(1) जहां अविदन-पत्न में विशिष्टिकृत माल का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक नहीं हो जाता, वहां कच्चे माल, विघटक या अतिरिक्त पुजी के आयात के लिए छोटे पैमान के वास्तविक उपयोक्ता या पंजोकृत निर्यातक दारा आयात लाइसेंस के लिए दिए गए अविदन-पत्न के सम्बन्ध में लगने वाले शुलक की राणि 100/-- रुपये होगी।

(2) आवेबन पन्न में विनिर्दिष्ट माल के मूल्य की ध्यान में रखें बिना निम्नलिखित के सम्बन्ध में देय राणि निम्नलिखित अनुसार होगीः

(I) गौण लाइसेंस देने के लिए आवेदन पत्न

100 হ০

(2) अनुलिपि लाइसेंस देने के लिए आवेषन पत

100 ₹0

(3) विखंडित लाइसेंस देने के लिए आवेदन-पत्न

500 ६० प्रत्येक विखंडित लाइसेंस के लिए

(4) म्रायातक-निर्यात कोड नम्बर (आई ईसी) देने के लिए आयेषन-पत्न

500 to

(5) स्पीड पोस्ट द्वारा आपेक्षित आयात लाइसेंस और अन्य पत्नाचार के आवेदन के मामले में

100 €∘

(6) (क) अध्यक्ष प्रबंध निदेशक, निवेशक या साझीदार या फर्म के प्राधिकृत कर्मचारी को पहचान पत्न जारी करने के लिए आवेदन पत्न

100 ₹0

(ख) मूल पहचान पक्ष खो जाने पर अनुलिपि पहुचान पत्न जारी करने के लिए

50 ₹०

- (3) ब्रावेदन-पत्न में निर्दिष्ट माल के लिए मूल्य के होते हुए भा अभोज/पुतरीक्षण वाले ब्रावेदन-पत्नों के लिए देय मुल्क को राशि निम्न प्रकार हंगी। :---
 - प्रथम प्रयोक 100/- वपर्
 - 2. द्वितीय ग्रपील---200/-हपए
- (4) किसी आयात लाइसेंस की पोत लदान की अविध में वृद्धि के लिए दिए जाने वाले आविदन-पत्न के साथ 100/-रुपये का गुल्क देना होगा चाहे कितना भी मुख्य हो।
- (5) स्कूटर/आटो साइकिल/मोटर साइकिल/मोपेड्स सहित एक वाहन के आयात के लिए आवेदन-पत्न के सम्बन्ध में अदा किए जाने वाले शुरुक की धनराणि 500/— रुपये होगी और यह प्रावेदन-पत्र में विशिष्टकृत ग्रेड के मूल्य को ध्यान में दिए बिना होगी।

वशर्ते कि निम्नलिखित के सम्बन्ध में कोई शुल्क नहीं दिया जाएगा:—

- (क) किसी भी वस्तु के लिए (वाहन को छोड़कर)
 यदि उस व्यक्ति विशेषको उन वस्तुओं का ध्रायात ध्रपने
 वैयक्तिक प्रयोग के लिए करना हो न कि व्यापार या
 विनिर्माण कार्यों के लिए तो उस सम्बन्ध में भ्रायात
 लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजा गया ब्रावेदन-पत्न ; या
- (ख) सनाचार प्रतिष्ठान द्वारा 40 टन की मात्रा से कम प्रविधारी कागज प्रायात करने के लिए प्रायात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रावेदन-पत्न।

शुल्क वसून करने के लिए सार्वजनिक जानकारी के लिए निम्नलिखित हिंदायतें दी गई हैं :—

- (1) मुल्क मुख्य शीर्षक '1453' विदेश व्यापार भौर निर्यात संवर्धन के भ्रष्ठीन लघु शीर्षक 102, 'भ्रायात लाइसेंस आवेदन-पत्र गुरुक' में जमा करना चाहिए।
- (2) मायात व्यापार नियंत्रण निक्षेप को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय बैंक की किसी भी एक शाखा में शुरुक जमा करना चाहिए।
- (3) यदि भावेदक ऐसे स्थान पर रहता है जहां आयात व्यापार नियंद्रण निक्षेप प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय कैंक की कोई गाखा नहीं है, तो आवेदन गुल्क एवं अग्य भायात व्यापार नियंवण निक्षेपों को कैंक झाफ्ट के माध्यम से जमा कराने की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- (4) इस भादेश के भ्रन्तर्गत निर्धारित गुल्क के भुगतान का प्रमाण जब तक भावेदन पत्र के साथ नहीं भेजा जाएगा, तब तक उस पर विश्वार नहीं किया जाएगा।

ग्रमुसूबी 4 (खण्ड---12 देखें)

- विगत वाणिज्य विभाग द्वारा जारी की गई यथा-संशोधित ग्रिधिस्चना सं० 23/श्राई० टी० सी० स० 43, दिनांक 1 जुलाई, 1943।
- 2. विगत वाणिज्य मन्नालय द्वारा जारी की गई स्रधिसूचना सं० 2/स्राई० टी० सी०/48, दिनांग 6 मार्च, 1948 ।
- 3. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई श्रधि-

- सूचना सं० 4-श्रार्थ० टी० सीं०/48, दिनांक 1 मई, 1948 ।
- 4. विगत वाणिज्य मलालय द्वारा जारी की गई श्रीध-सूचना सं० 51-श्राई० टी० सी०/50, दिनांक 15 नवस्थर, 1950।
- 5. बाणिज्य एवं उद्योग महालय द्वारा आरी विधा गया श्रादेश सं० 4/55, दिनांक 30 ज्न, 1955।

प्रनुसूची---5 (खण्ड---5 वेखें)

म्रायात आइसेंसों के लिए लागू शर्ते

- 1. निम्नलिखित शर्तें सभी श्रायात लाइसेंसों के लिए लागू होंगी:—
 - (1) यदि किसी मामले में, लाइमेंसधारी द्वारा लाइसेंस में गामिल किसी माल के श्रायात के वित्तदान के लिए श्रपरिवर्तनीय साखपत्र खोला जाए, तो विदेशी मुद्रा के जिस प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से साख खोला जाए वह भी साख में शामिल माल की सीमा तक संयुक्त लाइसेंयधारी माना जाएगा।
 - (2) लाइसेंस के मद्दे किए जाने वाले प्राधिश्वत भुगतानों में भारत में भायातक/एजेन्ट को विदेशी संभरक विनिर्माता द्वारा दिया गया कमीणन, बट्टा या छ्ट शामिल नहीं होंगे।
- 2. वास्तविक उपयोक्ताओं की "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के साथ जारी किए गए भ्रायात लाइसेंसों के लिए निम्नलिखित क्षतें लागू होंगी :—
 - (1) लाइसेंस के मद्दे भ्रायात विए गए माल का उपयोग लाइसेंसधारी द्वारा केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा जिसके लिए वह भ्रायात किया गया था भौर उसका उपयोग उसी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान संस्थान, श्यावसायिक कार्यालय या भ्रन्य सम्बद्ध परिसर में िया जाएगा जिसका पता उस भ्रावेदन पत्न में दिया गया है जिसके मद्दे यह लाइसेंस विया गया है। उस माल का कोई भी भाग कियी भ्रन्य पार्टी को न तो हस्तांतरित किया जाएगा, न उनके द्वारा उपयोग किया जाएगा भौर न ही किसी भी तरीके से उपयोग करने की भ्रनुमति दी जायेगी तेकिन, जिस मामले में बास्तव में भ्रावश्यक होगा

- तो जब तक वास्तविक उपयोक्ता गर्त का पालन हो तब तक वह भाल भ्रन्य कारखाने में संमाधित कराया जा सकता है या दूसरे प्रतिष्ठान में उपयोग के लिए रखा जा सकता है।
- (2) लाइसेंसधारी लाइसेंस के मद्दे ग्रायातित माल की खपत ग्रौर उपयोग का एक उचित लेखा निर्धारित प्रपत्न में ग्रौर निर्धारित तरीके से रखेगा ग्रौर उस लेखे को लाइसेंस प्राधिकारी या ग्रन्य सरकारी प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा निर्धारित किया गया हो ।
- (3) सभी वास्तविक उपयोक्ता (ग्रीद्योगिक एकक) महा-निदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली को या सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को उत्पादन का विवरण नियमित रूप से प्रस्तुत करेंगे।
- (4) वास्तिक उपयोक्ता (श्रौद्योगिक एक्क) महानिवेशक तक्षतीकी विकास, नई विल्ली को या सम्बद्ध प्रायो-जरु श्रिष्ठकारी को भीर इलैक्ट्रानिकी विभाग, नई दिल्ली (जो भी भ्रायातित मद के लिए उपयुक्त हो) को अपने द्वारा भ्रायातित मदों का श्रर्थ वार्षिक विवरण-पत्र भेजेगा।
- (5) यदि अनुसंधान और विकास एककों द्वारा किए गए आयातों का मूल्य किसी एक समय में एक लाख रुपये से अधिक हो तो सीमाणुन कार्यालय के माध्यम से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर सभी अनुसंधान और विकास एककों को विज्ञान और प्रौद्योक भिकी विभाग को मूचित करना होगा। किसी इलैक्ट्रानिक मद के बारे में उन्हें इलैक्ट्रानिक विभाग, नई दिल्ली को भी सूचित करना चाहिए।

- 3. पूंजीगत माल के निर्यात के लिए जारी किए गए लाइसेंसों के लिए निम्नलिक्ति शर्तों लागु होंगी :—
 - (1) लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल का उपयोग इस आवेदन-पत्र में दर्शाए गए पते पर लाइसेंसधारी की फैक्टरी में किया जाएगा जिसके मद्दे लाइसेंस जारी किया गया है और यह कि उसका कोई भी भाग न तो बेचा जाएगा, न किसी अन्य पार्टी को उसका उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकत व्यापारी बैंक और राज्य वित्तीय निगम के अतिरिक्त अन्य िसी वित्त दाता के पास बंब ह नहीं रखा जाएगा, वशर्ने कि बंध क रखे जाने वाले माल का न्यौरा लाइसेंसधारी द्वारा पहले ही लाइसेंस प्राधिकारी को भेज दिया गया हो।
 - (2) लाइसेंसधारी द्वारा सांख्यिकी निदेशक, मुख्य, नियं-वक प्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली को प्रत्येक वर्ष की 28 फरवरी श्रौर 31 ग्रगस्त को लाइ-सेंस के मद्दे किए गए वास्तविक ग्रायात श्रौर धन

- प्रेषण दर्णाते हुए इससे संलग्न प्रनुबंध में दिए गए प्रपत्न में एक प्रधीवाधिक विवरण पत्र भेजा जायेगा। जैसा कि बताया गया है प्रत्येक छमाही के लिए विवरण छमाही के समाप्त होने के 15 दिन की अविध के भीतर भेजा जाएगा।
- 4. सरकारी सिवदाओं के निष्पादन के लिए जारी किए गए श्रायात लाइसेंस इस शर्त के श्रधीन होंगे कि श्रायातित माल श्रापूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, रेलवे प्राधिकारियों श्रथवा रक्षा प्राधिकारियों, जैसा भी मामला हो, द्वारा दिए गए श्रादेश में निर्धारित तरीके से उपयोग में लाया जाएगा श्रथवा श्रेचा जाएगा श्रथवा उसका निपटान किया जाएगा, श्रीर श्रायातित माल लाइसेंस प्राधिकारियों की पूर्व श्रनृमित के बिना किसी भी श्रन्य प्रकार से उपयोग में नहीं लाया जाएगा श्रथवा उसका निपटान नहीं किया जाएगा।
- 5- लाइसेंम में सम्मिलित माल विना मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात, नई दिल्ली की लिखित अनुमित के आयात नहीं किया जायेगा।

अर्धवार्षिक समाप्ति पर उपयोक्ता रिपोर्ट	अनुसूची— 5 का अनुबन्ध	विन	मास	वर्षे
 लाइसेसछारी का नाम श्रीर पता 				
				,
		i		
 आयातक निर्यातक कोड सं० 				
3. पूर्व ग्रीर पब्चात : प्रत्ययों के साथ आयात लाइसेंस की क्रम सं०				

** ₁₂ . रिपोर्ट के अधीन अर्घ	वर्ष के दौरान	लाइसेंस	की मुद्रा	नियंक्षण प्रति	में शेष
अप्रयुक्त मूल्य (६०)	•	٠	•	•	

ग. विमे गए आवेश

13. बर्लं वर्षे में दिए गए अदिशों का मृत्य (रु०) -

14. आरेष मूल्य (रु०)

1	 1	 1 1	
1 1		j	 (

. ह्योंने ग ब् ताल—पत		वि ना मः		मास	वर्ष
. तिथि ['] , , ,					
	ī				
खोले गए साख मूल्य (५०) .					
2				:	<u> </u>
शेप मूल्य रू० . लाईसेंस की वैधता अवधि की समाप्ति होने	ः । की निधि (न वीक रण की अ	াৰ্থি		<u></u>	! '
सहित यदि कोई हैं)		दिस		मास	अर्थ
समाप्ति की तिथि . मास		<u> </u>		<u></u>	<u></u>
			•		
1	\	पुनर्वेधीकरण व	त्ते अवधि		
-फ़पया एक खाने में केवल मात्राश्चों सा भवन, नई दिल्ली-110011 इस प्रका		कं भरें जैसे कि निदेशक,	सारियकी मुख्य	नियंत्रक आयात	एवं निर्यात का कार्यालयः
		कि भरें जैसे कि निदेशक, सां	सांख्यिकी मुख्य	नियंत्रक आयात	एवं निर्यात का कार्यालयः : की
भवन, नई दिल्ली-110011 घ्म प्रका	रभराजाएगा।				
भवन, नई दिल्ली-110011 इस प्रका	श क	सो	िष	<u> </u>	ं की
भवन, नई दिल्ली-110011 घ्म प्रका नि वे	श क	सां यं ज	<u>हि</u>	आ	ः की
भवन, नई दिल्ली-110011 इस प्रका नि वे म् द य ए वं न र्द दि	र भरा जाएगा। श क नि यी	सां यं ल त :	<u>हि</u>	आ	ः की
भवन, नई दिल्ली—110011 इस प्रका नि वे म् इ य ए वं न दि दि	र भरा जाएगा। श क नि यी	सां यं ल त :	िष क का	्रम आ र्या	या त_ स्त्र य
भवन, नई दिल्ली—110011 इस प्रका नि वे स् इ य ए वं स ई दि	र भरा जाएगा। श क नि यी	यं व त :	िष क का	्रम आ र्या	या त_ स्त्र य
नि वे म् ६ य ए थं	श क नि यी टिक रिटर्ने के लिए निम्स प्रय	यं व त :	क क का	्रम आ र्या	या त स्व य

98

असबाच नियम, 1978

101 कस्टम दिनांक 16-5-78 द्वारा प्रवर्तित अधिसूचना 213 कस्टम, दिनांक 13-11-79, 247-कस्टम दिनांक, 26-12-80,57/83-कस्टम दिनांक 1-3-83, 166/83, कस्टम दिनांक 8-6-83,26/85 कस्टम दिनांक 4-2-85 20/86-कस्टम दिनांक 20-1-86, 141/86 कस्टम दिनांक 13-2-86, 467/86 कस्टम दिनांक 25-11-86, 245/87-कस्टम दिनांक 25-6-87, 1/88-कस्टम (एन०टी०) दिनांक 8-1-88 और 47/89 (एन०टी०) इस्टम दिनांक 14-8-89 द्वारा यथा संशोधित किया गया है।

2. जी० एस० आर० सं० 290(ई)—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खण्ड 79 उप-खण्ड (2)
द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और असबाब नियम
1970 और सीलोन असबाब नियम, 1930 का अधिक्रमण
करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा नेपाल या भूटान को छोड़कर
किसी अन्य देश से आने वाले यात्रियों (पर्यटकों को छोड़कर)
को सीमा शुल्क अधायगी के विना सामान का आयात करने की
अनुमति देने के लिए निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती
है:—

1. संकिप्त नाम, प्रारम्भः

- (1) यह नियमावली, सामान नियमावली, 1978 कहलायेगी ।
- (2) यह नियमावली, तत्काल से लागू होगी ।
- 2. प्रयुक्त क्यक्तिगत सामान: व्यक्तिगत पहनावे की प्रयुक्त वस्तुएं (गहनों को छोड़कर लेकिन केवल एक हाथ की घड़ी) जिसका मूल्य 500 रुपये से अधिक न हो, णामिल हैं (और जीवन की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए यात्री के व्यक्तिगत प्रयोग में आने वाली वस्तुओं को बिना शृहक के स्वीकृति दी जाए)।
- 3. सामान्य निशुस्क छूट:—नियम 2 में विशिष्टकृत वस्तुओं के प्रतिरिक्त भीर नियम 9 की शतों के प्रनुसार 12 वर्ष और इससे प्रधिक प्रायु के एक यात्री को वस्तुओं को बिना शुस्क के भायात करने के लिए भी इन मामलों में स्वीकृति दी जा सकती है:—
 - (क) तीन सौ रुपये मूल्य तक, श्रीलंक से श्राने वाले यात्री के मामले में, श्रीर :
 - (कक) मालद्वीप से म्राने वाले यान्नियों के मामले में :-
 - (i) सात सौ पचाल रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की श्रवधि तीन दिनसे श्रिधिक नहो
 - (ii) क्षारह सौ पचास रुपए मूल्य तक यदि भारत सै बाहर रहने की श्रवधि तीत दिन से श्रधिक हो
 - (ख) एक हजार दो सी पचास क्षये माल मूल्य तक, श्रीलंका या मालद्वीप या नेपाल भूटान से भिन्न देण से

नाने बाते यात्री के मामले में यदि उपयुक्त प्राधि-कारी संतुष्ट हो जाए कि ऐसी वस्तुएं यात्री मा उसके परिवार के उपयोग के लिए हैं या उपहार निधानी के रूप में देने के लिए हैं।

- (i) 12 वर्ष से कम आयु के यात्री को शुल्क मुक्त वस्तुओं का आयात करने की अनुमित, इन मामलों में दी जा शकती है:---
 - (क) पचहत्तर रूपये मूख्य तक, श्रीलंका से आने वाले याक्षियों के मामले में,
 - (कक) माल द्वीप से माने वाले यातियों के मामले में -
 - (1) दो सौ रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की अवधि तीन दिन से अधिक नही
 - (2) तीन सौ रुपये मूल्य तक यदि भारत से बाहर रहने की श्रवधि तीन दिन से ग्रधिक हो तथा
 - 'ख) तीन सी रुपये मूल्य तक, श्रीलंका या मालद्वीप या नेपाल अथना भूटान से भिन्न देश से धाने वाले यात्री के मामले में;
- (II) हवाई जहाज से याता करने वाले यात्री के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट पर यात्रा करते हैं और भारत से बाहर या श्रीलंका, मालद्वीप या दोनों में 10 दिनों से कम टहरने के पश्चात भारत में लौटते हैं, ऐसे वयस्क यात्री के मामले में 30 रू० मूल्य तक की वस्तुएं श्रीर साढ़े सात रू० की बस्तुएं ऐसे यात्रियों के मामले में जो 18 वर्ष की श्रायु से कम हों उन्हें प्रत्येक दिन भारत से बाहर रहने पर णुरुक पृक्त श्रायात करने की श्रनुमति दी जाएगी; श्रीर
- (iii) हवाई जहाज से याना करने नाले यान्नी के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट से याना करता है भीर दस दिनों से कम भारत से बाहर श्रीलंका या मालद्वीप या नेपाल अथवा भूटान से भिन्न वेश में ठहरने के पश्चात भारत लौटता है उसे भारत से बाहर प्रत्येक दिन ठहरने पर ऐसे वयस्क यान्नी के मामले में एक सौ पच्चीस रुपए मूल्य तक भीर 18 वर्ष में कम श्रायु के यान्नी के मामले में 30 द० मूल्य तक की वस्तुओं का शुल्क मुक्त श्रायात करने की अनुमति दी जाएगी।

स्पद्धीकरण:— इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ, "रियायती टिकट" का ग्रथं उस टिकट से है जो 75 प्रतिशत या इससे ग्रधिक की रियायन देने के बाद जारी किया गया है ।

इस नियम में निर्धारित शतों तथा सीमाओं के अध्यक्षीन एक याली को रंगीन टेलीनिजन सेट या जीजियो कैसेट रिकार्डर मा वीडियो कैसेट प्लेयर या केवल विजियो कैसरा जिसकी कीमत पांच सी रुखे तक हो, शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति है। इस निवम में जिस शर्त का उल्लेख नहीं है वह किसी भी साथ में त ते जाने टाले प्रसवाब के प्रायात के सम्बन्ध में सागू नहीं होगी।

- 4. प्रयुक्त घरेलू बस्तुमां के जिर् कति रिवर छूट --- हुन यात्री के सम्बन्ध में जो तीन मास से मिक्र अपिक अपिक के पिए विदेश में प्रपने व्यवसाय के लिए लगा हो, उसे बरेल कार्य चलाने के लिए वास्तव में प्रयुक्त बस्तुए जैसे लिनन, बर्तन, मेज पर रखने वाले बर्तन, रसोईघर के उपकरण और इस्त्री जिनका कुल मूल्य 1000/- रुपये हो, का भ्रायात करने की स्वीकृति दी जा सकती है।
- 4(क) यातियों की कुछ श्रेणियों के सम्बन्ध में प्रयुक्त व्यक्तिगत सामान और घरेलू वस्तुधों के लिए अतिर्वन्त भता—(1) पासपोर्ट श्रिधिनियम, 1967 (1967 का 15) के श्रधीन जारी किए गए वैध पासपोर्ट के घारक उस याती के मामले में जो विवेश में एक साल की ध्रवधि से कम न रहा हो भीर उसके बाद भारत में लीट रहा हो, उसका कुल पांच हजार रुपये तक के व्यक्तिगत सामान भीर घरेलू वस्तुधों के लिए जो विदेश में वम से कम 6 मास की श्रवधि तक उसके या उसके परिवार के पास रही हो धौर उसके द्वारा या उसके परिवार के द्वारा वहां उपयोग में लाई गई हों वे निम्नलिखित शतों के ध्रधीन किसी भी सीमा शुक्क कर के बिना भाषात की जा सकती हैं :—
 - (1) ऐसा याद्गी जो कम से कम एक वर्ष की धवधि से विदेश में कार्य कर रहा हो धौर वह उस कार्य को समाप्त करके भारत में लौट रहा हो,
 - (2) ऐसा यान्नी घोषणा द्वारा इस बाल की पुष्टि करें कि विषयाधीन सामान विदेश में कम से कम छः मास की भवधि के लिए या उसके लिए उसके परिवार के पास रहा है भीर उसका उपयोग उसके या उसके परिवार द्वारा किया गया है भीर ऐसे माल की यांच करने पर सम्बन्धित परिस्थितियां विपरीत नहीं पाई जाती हों।
- (2) इस नियम में निहित कोई भी बात निर्मातिखत वस्तुग्रीं के लिए लागू नहीं होगी :--
 - (क) **मोटर साईकिल, स्क्**टर **या** मापेड,
 - (ख) वातानुक्लक
 - (ग) प्रशांतक भौर डीप फीजर्स
 - (घ) प्रगन्यस्त्र
 - (थय) 50. में श्रधिक के श्र<mark>ग्ल्येस्त्र</mark> कार्टेजिज
 - (इ) 200 में यधिक सिगरेट मा 50 में अधिक सिगार या 250 सम में अधिक तस्वाकृ, स्रीर

- (भ) 0.95 लीटर से मधिक अल्कोहलिक लीकर
- (1) टेलीविजन रिसीवर
- (2) साउंड रिकार्डिंग या रिप्रोड्र्यूसिंग प्रप्रेट्स
- (3) वीडियो रिप्रोड्रयूसिंग अप्रेटस
- (छ) कम्प्यूटर तथा कम्प्यूटर पेरीफल कैसकूलेटिंग मशीन
 - (i) वर्ड शिक्षेत्रिय मशीन
- 4(ख) विदेश में उत्तरने की अविध के दौरान एक यात्री जिसने भारत का अल्पानिथ के लिए दौरा किया हो उसके संबंध में नियम 4क के प्रयोजनार्थ उसकी विदेश में ठहरने की अविध को गणना करने का सरिशा: —इन नियमों के नियम 4क के प्रयोजनार्थ विदेश में उत्तरों की अविध होता इस नियम के प्रयोजनार्थ विदेश में उत्तरों की अविध दौरे, यदि कोई हों, तो उन दौरों की कुल प्रविध प्रमण 15 कि से प्रधिक की नहीं है तो उसे ध्यान में नहीं रखा आयेगा वशर्ते कि भारत के दौरान कर, विदेश में उहरने की कुल प्रविध अवध को नियान कर, विदेश में उहरने की कुल प्रविध 365 दिनों से कम नहीं होनी चाहिए।
- 5. व्यावसायिक उपस्कर के लिए छूट: --एक यात्री जो विदेश में 3 महीने से अपना व्यवसाय कर रहा हो उसे ऐसे सुवाह्य उपस्कर, भीजार, यन्त्र और साधिक आदि जो साधारणतः ऐसे व्यवसाय में अपेक्षित हों, के लिए 5000 रुपए मूल्य तक बिना किसी कर के आयात करने की अनुमति दी जा सकती हैं।

धणते कि सामान्य उपयोग की वस्तुएं, जैसे कैमरा, टंकण मग्रीन, कैसेट रिकार्डर और डिकटाफोन के निक्कुक प्रायात की प्रनुभक्ति इस नियम के प्रन्तर्गत नहीं दी जाएगी।

- 6. आधूषण--उस याद्वी के वास्तविक उपयोग के लिए जो बाहर के देश में एक वर्ष से ग्रधिक से रह रहा हां, पुरुष याद्वी होने के मामले में 1500 रुपये के कुल मूल्य तक के और स्त्री यात्री होने के मामले में 3000 रुपये के मूल्य तक के महनों को जिना किसी शुल्क के श्रनुमित दी जा सकती है।
- 7. साथ न लाया गया सत्ता।——(1) इन नियमों में निर्धारित शतीं और प्रतिबन्धों के प्रधीन, उपयुंक्त प्रधिकारी भारत में यात्री के पहुंचने के प्रकात् साथ न लाये गए बास्तिबिक सामान के लिए बिना किसी मुल्क के या मुल्क के साथ प्रायात की स्वीकृति दे सकता है यदि यह सामान विदेश में उसके पास था और जो यात्री के भारत में पहुंचने के एक महीने के भीतर पोनलवान किया गण था या जो 15 दिन के भीतर ह्याई जहाज उसके पिका रामा गण या था।

किन्तु यदि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता, जैसा भी मामला हो, को यह सन्तुष्टि हो जाए कि बावजूद सभी उचित प्रयासों के यात्री अपने साथ न लाए गए वास्तविक सामान का उपयुक्त ग्रवधि के भीतर पोतलक्षान नहीं कर सका या प्रेपित नहीं कर सका तो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, एक महीने की समय सीमा श्रवधि को तीन मास तक बढ़ा सकता है या 15 दिनों की ग्रवधि को बढ़ाकर दो मास कर सकता है और सीमा शुल्क समाहर्ता ग्रामे किसी भी समय तक समय सीमा बढ़ा सकता है।

(2) यात्री के भारत में पहुंचनं से पहले किसी भी सीमा गुल्क स्टेशन पर दो महीने के भीतर उतरे हुए वास्त-विक सामान के लिए उपयुक्त श्रिधिकारी द्वारा इन नियमों में निर्धारित भर्तों और प्रतिबंधों के स्रधीन निगुस्क प्रायात की स्वीकृति दी जा सकती है।

बशर्ते कि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, लिखित रूप में रिकार्ड किए जाने वाले कारणों से सन्तुष्ट हो जाता है कि यान्नी को उमत दो मास की श्रवधि के भातर पहुंचने से उन्हें उन कारणों, से रोक लिया गया था जो उनके नियंत्रण से बाहर है जैसे यान्नी के या उसके परिवार के मदस्य का श्रचानक बीमार हो जाना, या प्राकृतिक श्रापदाएं ब्रा जाना, ब्रसामान्य परिस्थितियां ब्रा जाना, या प्राकृतिक श्रापदाएं ब्रा जाना, ब्रसामान्य परिस्थितियां ब्रा जाना, या देश में या सम्बन्धित देशों में परिवहन या यान्ना व्यवस्थाओं में वाधाएं ब्रा जाना या श्रन्य कोई भी कारण जिनके श्राधार पर यान्नी की निर्धारित याना में परिवर्तन करना श्रावश्यक समझा जाए, तो 2 मास की समय सीमा को——

- (1) सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा बढ़ाकर चार मास तक किया जा सकता है, और
- (2) सीमा णुल्क समाहर्ता द्वारा एक वर्ष तक बढ़ाया ा सकता है।
- 8. कर्मीदल के सदस्यों पर इन नियमों का लागू होना— नियम 2, 3, 5, 6, और 9 उन अधिकारियों और कर्मीदल के सदस्यों पर लागू होंगे जो अपनी नियुक्ति की समाप्ति के बाद अन्तिम बार अपने सामान की निकासी के लिए विदेश में जाने वाले पोतों में व्यस्त हैं;

किन्तु नियम 5 के अन्तर्गत दी गई रियायत पहली नियुक्ति की समाप्ति पर अन्तिम बार विदेश जाने वाले पोतों में व्यस्त अधिकारियों को छोड़कर अन्य के लिए नहीं होगी।

- 9. वे बस्तुएं जिण्हें युल्क से छूट नहीं है—इन अस्तुओं या नियम 3 और 4 के होते हुए भी निम्नलिखित वस्तुओं के लिए नियमों के अन्तर्गन आयात स्त्रीकृति नहीं दी जाएगी, अर्थात्:—
 - (1) मोटर साईकिल, स्कूटर और मोपिड;

- (2) भग्न्यस्स्र,
- (2क) 50. से अधिक प्रग्न्यस्त्र,
- (3) 200 से भिधिक सिगरेट या 50 से भिधिक सिगार या 250 ग्राम से भिधिक तम्बाकू; और
- (4) 0.95 लीटर से अधिक घल्कोहिलिक लीकर ।फाइल सं० 497/14/81—कस्टम

आवास स्थानांतरण नियम, 1978 के नियम 2 सं स्पर्ध-करण को संशोधन करने की भ्रावश्यकता समझते हुए यह भ्रधि-सूचना जारी की गई है।

10. इन नियमों और निवास के स्थानान्तरण नियमों, दोनों के अन्तर्गत एक ही समय पर छूट मुविधा का उपयोग न किया जाना ।

इन नियमों और सीमागुल्क मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा-79 के अन्तर्गत निर्मित असबाब स्थानांतरण नियमावली में कोई गर्त होते हुए भी एक यात्री इन नियमों के नियम-4क के उपबन्धों और असबाब स्थानान्तरण नियमावली, 1978 के उपबन्धों का एक साथ लाभ उठाने का पान्न नहीं होगा ।

> ह०|-पी० के० जैन -श्रुवर सचिव, भारत सरकार

भारत सरकार विस मंद्रालय (राजस्य विभाग) नई दिस्ली, दिसांक 1 मार्च, 1983 10 फास्गुन, 1904 (शक), श्रधिसूचना

सं॰ 58/83-स्सीमा णुल्क

जी० एस० ग्रार०—सीमा शुल्क ग्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के खण्ड 25 के उपखण्ड 1 द्वारा प्रदस्त ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, की ग्रधिमुचना सं० 142 सीमा शुल्क, दिनांक 15 जुलाई, 1980 का ग्रधिकमण करते हुए और इससे संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में भावण्यक है, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा सीमा शुल्क टैरिफ ग्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम भनुसूची की शीर्षक सं० 100.01 के श्रन्तांत माने वासी और प्रस्तुत सारिणों के कालम ()) में उल्लिखित बस्तुओं का श्रसवाव के रूप में किसी यात्री या कर्मादल के सदस्य द्वारा भारत में भायात करने पर उन वस्तुओं पर उगाहे जाने योग्य उक्त प्रथम अनुसूची में उल्लिखित सीमा शुल्क कर से उस सीम तक छूट प्रधान करती है जो उनन गारणी के कालम 2 की तदनुरूप प्रविद्धि में उल्लिखित है पर गिर्नी ह नराणि से श्रिक हो।

सारणी	
बस्तुओं का विधरण	दर
(1)	(2)

असबाब नियमावली, 1978 के नियम 3 के प्रन्ती-गत ऐसे यात्री या सदस्य के लिए अनुमेय कर मुक्त भत्ते से मूल्य में अधिक कोई वस्तु

(क) श्रकेले सामान से इतर सामान के प्रथम

2000 रुपए के लिए

130% यथा मूल्य

(कक) ग्रकेले सामान पर

200% यथा प्रतिशत

(ख) शेषपर

200% यथा मूल्य

स्पष्टीकरण 1:--जिस मामले में असवाब नियमावली, 1978 के नियम 3 के अन्तर्गत किसी एक बस्तु का कर मुक्त भत्ते से अधिक हो उसमें कर मृत्य ऐसे यात्री या सदस्य के लिए अनुभेय की धन-राशि केवल इस प्रकार अनुभेय कर मुक्त भत्ते के उस अतिरिक्त मृत्य पर उस सीमा तक गिनी जाएगी जो सीमा ऐसे यात्री या सदस्य द्वारा असवाब की अन्य बस्तु की निकासी करने के लिए उपलब्ध की गई ही ।

स्पर्धीकरण 2: -- जहां ऐसा यास्री या सवस्य किसी भी वस्तु का 2000 रुपए की सीमा तक के लिए उक्त सारिणी की धारा (क) के मधीन निहित दर को स्वयं उपलब्ध करना चाहता है, तो वह उस सीमा तक किसी भी मद के लिए उक्त को उपलब्ध करने के लिए हक्दार नहीं होगा।

 इस ग्रधिस्चना में निहित कोई भी बात निम्नलिखित के लिए लागू नहीं होगी:——

- (1) मोटर साईकिल स्कूटर या मोपेड,
- (2) ग्रम्बेस्स
- (2क) 50 से अधिक अन्येस्त्र कारतूस
 - (3) सम्बद्ध असमाब नियमामली के अन्तर्गत शुल्क मुक्त पायात के लिए निर्धारित मात्रा से अधिक सिगरेट, निगार या तम्याकू, और
 - (4) 500 रुपए से अधिक मृत्य के कपड़े।

्रत्याक्षारत/-चे० क्षीक्षरण, ग्रयशसचित्र,भारत सरकार भारत सरकार वित मंत्रालय (राजस्व विभाग)

> नई दिल्ली, 1 मार्च, 1986 10 फाल्गुन, 1907 (शक)

ग्रधिसूचना

सा० का० नि० सं० 183/86-सीमाशुल्क-केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क श्रीक्षित्यम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की 26 सितम्बर, 1980 की श्रीक्ष्म सं०-194-सीमा-शुल्क का अधिक्रमण करते हुए और इम बात से संतुष्ट होकर कि ऐसा करना सार्वजनिक हित में श्रायश्यक है, एत्रब्दारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष सं० 98.03 के अन्तर्गत आने वाली सभी मदों (ब्राइकास्ट टेलिविजन रिसीवर सेटों को छोड़कर) को, जब वे किसी यात्री अथवा कर्मीवल के किसी सदस्य द्वारा भारत में असबाब के रूप में लाई जाएं, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत लगने वाले समस्त अतिरिक्त सीमाशुल्क से छूट देती हैं।

हस्ताक्षर/-(गौतम राय) ग्रवर सम्बद्ग, भारत सरकार

श्रावास स्थानान्तरण नियमावली, 1978 (ग्रिधिसूचना सं० 124-सीमा गुल्क, विनांक 22-6-78 द्वारा यथा संशोधित)

> भारत सरकार वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग नई विश्ली, घिनांक 16 मई, 1978 26 वैशाख, 1900 स ह ग्रधिसूचना (सीमा शुल्क)

বাহ एस হ सार्व संब 392 (६०) — सीमासुरू स्रधि-नियम 1962 (1962 का 52) की धारा 79 द्वारा प्रदत्त अधि- कारों का प्रयोग करते हुए और धावास स्थानान्तरण नियमावली, 1969 का धिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा निम्न-लिखित नियमावली का निर्माण करती है, प्रर्थात् :--

- 1. संक्षिप्त नाम:——यह नियमावली स्थानांतरण नियमावली, 1978 कही जाए।
 - 2. ऐसा व्यक्तिगत घरेलू सामान जिसके द्यापात पर कुछ शतों के घंधीन गुरुक से छूद वी गई हो— व्यक्तिगत सामान (सीमा -शुरुक की छूट देने से सम्बन्धित शतों) नियमावली, 1975 और इस नियमावली के नियम 3 के उपबन्धों के प्रधीन ऐसे व्यक्ति के व्यक्ति और घरेलू सामान के धायात पर सीमा-शुरुक की द्यायगी से निम्नलिखित शतों के ध्रधीन छूट दी जाएगी जो व्यक्ति भारत में बास्तव में रहने के लिए ग्राया हो :---
 - (क) वह व्यक्ति भारत में रिहायण के लिए भाने के तत्काल पहले कम से कम दो वर्षों तक लगातार विदेश में रहा हो, और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के लिए भाया हो;
 - (ख) उस व्यक्ति का घोषणा द्वारा यह प्रमाणित करना होगा कि भाषातित सामान उसका या उसके परिवार का भ्रपना सामान है और कम से कम एक वर्ष से वह या उसका परिवार उस सामान का इस्तेमाल करता भाषा है और सामान की जांच करने से और परिस्थितियों की जांच करने से यही साबित होता हो;
 - (ग) पर्यटक के साथ न लाए गए असबाब का असबाय नियमावली, 1978 में विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर पोत लदान कर दिया गया हो अथवा प्रेषण कर दिया गया हो अथवा वहां पहुंच गया हो ।

स्पष्टीकरण: — इस नियम के प्रयोजन के लिए, "व्यक्तिगत और चरेलू मसबाब" की अभ्युक्ति में बहुत अधिक सोने के श्राभूषण शामिल नहीं होंगे, कहने का मर्थ है कि जिन श्राभूषणों का मूस्य सामान्यत: सोने की मास्रा के श्राधार पर पुरुष यात्री के सम्बन्ध में एक हजार पाँच सौ रुपए और स्त्री यात्री के सम्बन्ध में तीन हजार रुपए से श्रिधक न हों।

- 3. ऐसी बस्तुएं जिन पर शुल्क की अवायगी से छूट महीं को जाती:—नियम 2 में किसी अन्य नात के निहित होते हुए भी, इन नियमों के अन्तर्गत मोटर वाहन, पोत, वायुयान, 35 मि० मी० और इससे अधिक की सिनेमाटोग्राफ फिल्में, बातानुकूलक, रेफ्रीजिरेटर और डीप फीजर के आयात की अनुमति गुल्क की श्रदायगी के बिना नहीं ही जाएगी।
- 4. क्यावसायिक उपकरों आदि के लिए छूट:—नियम
 2 के श्रन्तर्गत श्रनुसित वस्तुओं और उस नियम के खण्ड (ग) में दी
 गई समय-सीमा के श्रधीन श्रनुमित वस्तुओं के श्रतिरिक्षत एक उच्च
 भीग्यता-प्राप्त लंकानिया, शिल्प विज्ञाती, अवदर अथवा इंजीनियर
 जो कम-से कम 2 वर्ष विदेश में रहने के पश्चात् स्थायी रूप से
 भारत में बसने के लिए लीट रहहो उसे श्रपने व्यवसाय में

साधारणतः प्रपेक्षित 30 हजार स्पए मूल्य तक के उपस्क रों जीजारों, यंत्रों और साधिकों को शुल्क की प्रवायनी के बिना श्रायात करने की छट होगी ।

स्पष्टीकरण :——इस नियम के उद्देश्य के लिए "उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिक, शिल्प विज्ञानी, डाक्टर प्रथया इंजीनियर" यह स्थित है जिसके पास भारतीय प्रथवा विदेशी विश्वविद्यालय की विज्ञान, शिल्प विज्ञान, चिकित्सा प्रथवा इंजीनियरी में स्नास-कोत्तर अथवा इसके समकक्ष, जैसा भी मामला हो, डिग्री हो और यह कम से कम एक वर्ष के लिए विदेश में प्रयने केंद्र प्रथवा विषय में नियुक्त प्रथवा कार्यरत रहा हो ।

5. अल्पाविध यात्रा के लिए सतें : इन नियमों के उद्देश्य के लिए, यदि कोई व्यक्ति उपयुक्त 2 वर्ष की अविध के दौरान छोटी भविध के लिए भारत की यात्रा पर आता है और इन याताओं की कुल अविध छ: मास से अधिक नहीं है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

शर्त यह होगी कि यदि संबंधित व्यक्ति भारत में छः मास से भ्राधिक रहने के यथेष्ट कारण बताए तो इस भ्रवधि के लिए भी सीमा-भुल्क समाहर्ता उन्हें क्षमा कर सकता है ।

6. विवेश में रहने की अवधि में कमी करने से संबंधित शक्तें :—दन नियमों के उद्देश्य के लिए, किसी व्यक्ति के विवेश में रहने की दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा- शुक्क समाहर्ता द्वारा इस शर्त पर क्षमा किया जा सकता है जबकि वह संपुष्ट हो कि व्यक्ति सेवान्त छुट्टी अथवा लम्बी छुट्टी विताने के लिए अथवा किसी विशेष परिस्थितियों में भारत लौट आया है।

इन नियमों और असबाय नियम 4-क बोनों पर एक ही समय रियायत का लाभ नहीं उठाया जा सकता।

सीमाणुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खण्ड 79 के अधीन बने असबाब नियम, 1974 के नियम प्रावधान, कुछ भी दिए गए के बावजूद भी यात्री इन नियमों के प्रावधानों और उक्त असबाब नियम, 1978 के नियम 4क के प्रावधानों का एक ही समय में लाभ उठाने का पान्न नहीं होगा ।

सं 124/कस्टम (फा० सं 49/6/78-कस्टम 6)

सं 260/कस्टम (फा॰ सं॰ 497/4/87-कस्टम 6) सं॰ 269/कस्टम (फा॰ सं॰ 495/5/85-कस्टम 6)

श्रिधसूचना सं० 19-कस्टम/86, दिन क 26-1-86 और श्रिधसूचना सं० 4/88 गैर टैरिफ सीमाशुल्क दिन क 21-1-88 श्रारा यथा संगोधित श्रिधसूचना सं० 84-कस्टम दिनांक 22-8 75 ।

जीव एसव ग्रारव संव 453 (ईव)—सीमाशुल्क ग्राध-नियम 1962 (1962 का 52) के उपखण्ड 79 के उप खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और श्रमवाब नियस (छूट की शतें) 1963 (बिस्त मंत्राखय, भारत सरकार की ग्रिधसूचना, राजस्व एवं वीमा विभाग). संव 19, दिनांक 23 जनवरी, 1963 का श्रधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियमों को निर्माण करती हैं, कमणे: (1) इन नियमों को असबाब (छूट की बार्से) नियम 1975 की संज्ञाबी जाए।

- 2. जहां सीमा गुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 79 के प्रन्तानंत किसी याद्री या कर्मीदल के किसी सदस्य के असबाय के किसी माल पर लगाए जाने वाले आयात गुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त होती हो तो छूट इस गर्त पर होगी कि ऐसा माल दुकान में न तो वेचा जाएगा, न प्रविधात िया जाएगा, न विज्ञापिन या बिकी के लिए विया जाएगा या दिखाया जाएगा।
 - (क) और अग्न्यस्त्र के मामले में भी ऐसे अग्न्यस्त्र तक्ष तक न तो उपहार में दिए जायेंगे था न रखने के लिए दिए जायेंगे और न ही छोड़े जायेंगे, यात्री के जीयन के जीवन काल में अथवा कर्मीदल के सदस्य, जैसा भी मामला हो, अथवा
 - (ख) और अन्य माल के मामले में भी यह कि ऐसा अन्य माल तब तक न तो उपहार में दिया जाएगा या प्रन्थथा रूप से छोड़ दिया जाएगा, जब तक ऐसे व्यक्तियों या धाक्षियों या कर्मीदल के सदस्यों ने निकासी की तारीख से 5 वर्षों की अविध तक ऐसे माल का उपयोग न कर लिया हो।

भारत सरकार विरत मंद्रालय राजस्व विभाग

नई बिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर, 1980 4 ग्रश्विन 1902 (शक)

ग्रक्षिमूचना सीमा शुल्फ

जी० एस० ग्रार० सं० 558(ई)—सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के खण्ड 25 के उपखण्ड (1) द्वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, विक्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की श्रिधसूचना सं० 230 सीमा शुल्क, दिनांक 5 दिसम्बर, 1979 का श्रिधक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना जनता के हित में है, एतव्दारा संलग्न तालिका के कालम (2)में विनिर्दिष्ट प्रत्येक माल के श्रायात की साम। शुल्क दर श्रिधनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम श्रनुसूची के श्रिधीन उस पर उगाहे जाने योग्य उतने अतिरिक्त सीमा शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के श्रिधीन छूट प्रदान करती है जितना कि उक्त तालिका के कालम (3) में संलग्न प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दरों से श्रिधक हो जविक वह व्यक्ति उन वस्तुओं का ग्रपने श्रसवाब के रूप में वास्तव में निवास स्थान स्थानांतरण के समय श्रायात कर रहा हो :—

(१) ऐसा व्यक्ति निवास का स्थानांतरण करने से ग़ुरन्त दो वर्ष पहले की न्यनतम श्रवधि से विदेश में रह रहा

- हो और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के किए अपना निवास बदल रहा हो;
- (2) ऐसा व्यक्ति एक घोषणा द्वारा इस बात की पुष्टि करता हो कि माल उसके अपने अथवा उसके परिवार के अधिकतर प्रयोग में कम से कम एक वर्ष के लिए रहा है और ऐसे माल की आंच और वर्तमान परिस्थितियां देश के विषद्ध प्रतीत न होती हों।
- (3) ऐसी वस्तुओं को बेचने, प्रवर्शन करने प्रथवा विज्ञापित करने या विकी करने की प्रनुसति तब तक नहीं दी आएगी जब तक कि उसका बाजार भाव नए माल के बाजार भाव के 50 प्रतिशत से कम न हो, और
- (4) सामान नियमायली, 1978 में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर याली के साथ न माने वाले माल का लवान भयवा प्रेषण कर दिया गया हो श्रयवा वह पहुंचा दिया गया हो ।

स्वण्टीकरण:--इस मधिसुचना के उद्देश्य के लिए-

- (क) यदि संबंधित व्यक्ति द्वारा उपर्युक्त 2 वर्ष की भ्रवधि के दौरान श्रव्यावधि के लिए भारत की ऐसी याद्वाएं की गई हो जिनकी श्रवधि 6 महीनों से श्रधिक न हो तो उस पर भ्यान नहीं थिया जाएगा।
- (ख) किसी व्यक्ति के विदेश में रहने की श्रविध में दी मास की श्रविध तक की कमी को सहायक सीमा-शुरुक समाहर्ता द्वारा इस गर्त पर क्षमा किया जा सकता है कि वह इस बात से संतुष्ट हो कि संबंधित व्यक्ति सेवान्स छुट्टियां अथवा लम्बी छुट्टी बिताने के लिए श्रयवा किसी श्रन्य विशेष कारण से भारत में पहले ही लौट श्राया है।

यार्त यह होगी कि छः मास से म्रश्रिक भारत में रहने की श्रवधि संबंधित व्यक्ति द्वारा सीमा शुरूक समाहर्ता को समृचित कारण बताए जाने पर ही क्षमा की जा सकेगी :---

सारणी

ऋ०सं० मालकाब्यौरा		सीमा शुल्क की दर	
1	2	3	
1. 100 लिटर तक की क्षमता के घरेलू रेफ़ीजरेटर्स		रेफ़ीजरेटर्स 15%	
2. 1001	लिटर से ग्र धिक और 165 वि	न्टर तक की क्षम ता	
वाले '	घरेलू रेफ़ीजरेटर्स	20 0.7	
3. झन्य घ	रेलू रेफ़ीजरेटर्म	40%	
4. जेष फ़ीजिज		40%	
5. वासानु	क्लक	50%	

हस्ताक्षरित/के**० कुमा**र अवर सचिव भारत सरकार

सं • 195--कस्टम/मिसिल सं • 495/92/79--कस्टम--6

भारत सरकार

बाणिज्य मंद्रालय

मार्बजनिक सूचना संख्या 27-आई० टी० सी० (पी० एन०)/80 मई विरुषी, 15 जुलाई, 1980

विषय : निजी श्रमुबाब के रूप में माल का आयात !

नेपाल को छोड़कर किसी भी देश से माने वाले यातियों के लिए लागू वित्त मंत्रालय, राजस्य विभाग, नई दिल्ली की मधिसूचना संख्या 101 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978, सं० 102 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978, सं० 103, कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978 एवं सं० 105 कस्टम, दिनांक 16 मई, 1978 की और ध्यान श्राकुष्ट किया जाता है ।

- 2. यथा संगोधित आयात (नियंत्रण) प्रावेश, 1955 की उप-धारा 11(1) (छ), पहले से ही थोड़े समय के लिए लागू असबाब नियमों के अन्तर्गत स्वीकृत सीमा तक याती असबाध के रूप में आयातित माल के लिए उक्त आदेश को लागू करने से खूट प्रदान करती है ।
- 3. किसी भी गैर-पर्यटक यात्री के बिना आयात लाइसेंस के, लेकिन सीमा-शुल्क कर चुकाने पर ही निजी या घरेलू सामान से संबंधित मेदों को निजी असवाब के अंग के रूप में उसके खुद के उपयोग के लिए या उसके परिवार के उपयोग के लिए या उसके परिवार के उपयोग के लिए यायात करने की अनुमति दी जा सकती है। बगर्ने कि अग्नेयस्व का आयात इन शतीं के अधीन होगा कि:——
 - (1) किसी यात्री ने पिछले यस वर्षों के वौरान इसी श्रेणी के विदेशी अग्नेयस्त्र का आयात नहीं किया हो या उसे अन्यथा रूप- से प्राप्त नहीं किया हो;

स्पष्टीकरण: इस प्रयोजनं के लिए रिबाल्वर और पिस्तौल एक ही श्रणी के घर्न्यस्त्र माने जाएंगे तथा बन्द्रक और राइफल दूसरी श्रेणी के घ्रग्नेयस्त्र माने जाएंगे;

- (2) रिवाल्वर या पिस्तील 32 या इससे कम बोर की हो; और
- (3) प्रतिधारक को अग्नेयस्य बेचा नहीं जाएगा, उपहार के रूप में नहीं दिया जाएगा या अन्यवा रूप से निकासी की तारीख से पाँच वर्ष की अविधि के लिए उसमे अलग नहीं किया जाएगा ।
- 4. भारत मूल का एक पर्यटक चाहे उसके पास भारतीय पासपोर्ट हो या विदेशी पासपोर्ट हो और जो सामान्यतया विदेश में रह रहा हो उसे निजी या घरेलू सामान की मदों को उपहार के रूप में या अपने मिलों या सम्बन्धियों को याधगार के रूप में देने के लिए सीमा-शुल्क कर का भुगतान करने पर विना किसी आयात लाइसेंस के निजी असबाब के मांग के रूप में आयात करने

की स्वीकृति दी जा सकती है बंशनें कि अग्नेयस्य का प्रयोग इस गर्हों के ग्रधीन होगा कि :---

(1) यात्री ने पिछले यस वर्षों के दौरान उसी श्रेणी के विदेग में निर्मित प्रग्नेयस्त्र का आयास न किया हो;

स्पण्टीकरण: इस प्रयोजन के लिए, रिवास्वर और पिस्तील एक ही श्रेणी के भ्रग्नेयस्त्र माने जाएगे तथा वन्दूक और राइफल दूसरी श्रेणी के श्रग्नेयस्त्र माने जाएंगे।

- (2) रिवाल्वर या पिस्तील . 32 बोर या इससे कम बोर की हो; और
- (3) श्रग्नेयस्त्र किसी भी उस व्यक्ति को उपहार के रूप में भेंट नहीं किया जाएगा जिसने पिछले दस वर्षों के दौरान उसी। श्रेणी के विदेशी झग्नेयस्त्र का झायात किया हो या जिसके पास उसी श्रेणी का विदेशी झग्नेयस्त्र हो। (उपहार प्राप्त करने वाले व्यक्ति यह भी सुनिश्चित करेंगे कि वे इस शर्त का उल्लंबन नहीं कर रहे हैं)।
- 5. उपर्युक्त रियायत तभी प्रदान की जा सकती है जब कि सीमागृहक कार्यालय का उचित अधिकारी संतुष्ट हो जाता है कि मदों का प्रायात बास्तव में यादी या उसके परिवार के उपयोग के लिए, जैसा भी मामला हो, उपहार या यादगार में देने के लिए किया जा रहा है और इस गर्त के अधीन कि उन्हें तब तक बेचने प्रविधात करने, विज्ञापित करने या बिकी नहीं करने दिया जाएगा या दुकान में प्रदर्शन के लिए नहीं रखा जायेगा जब तक कि:—
 - (क) ध्रग्नेयस्त्र और टी० वी० सेट्स की निकासी की तारीख से पांच वर्षों की अवधि तक के लिए ऐसे व्यक्ति या यात्री या कर्मीदल के एक सदस्य द्वारा उपयोग नहीं कर लिया गया है, या
 - (ख) भ्रन्य सामान के मामले में, जब तक कि उनका वाजार मूल्य उनकी खरीद के नए वाजार मूल्य की तुलना में बदकर 50% से कम नहीं रह जाता।
- 6. इसके साथ-साथ, एक कुत्ता और अन्य पालतू जानवर जैसे बिल्ली और पश्चिमों के आयात की स्वीकृति सीमा-शुल्क प्राधि-कारियों को निम्नलिखित स्वास्थ्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर बिना किसी आयात व्यापार नियंत्रण प्रनिबन्ध के दी जा सकती है:---
 - (1) सरकार की ओर से वैध प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत पशुचिकित्सा ग्रधिकारी से इस सम्बन्ध में एक स्थास्थ्य प्रमाणपत्न कि श्रायातित कुत्ते में श्रायुजेस्की डिजीज, डिस्टोम्पर, रबीज, लेश्मे- ओसस और लेप्टोसपिरोसस और बिल्ली के मामले में रेबीज और डिस्टेम्पर जैमी बीमारियां नहीं हैं।
 - (2) जिन देणों में कुत्तों और बिल्तियों में पागलपन का संकासक रोग है, उनमें पैदा हुए कुत्तों और बिल्लियों

के सायात के मामले में टीके के रिकार्ड, उपयोग की गई बैक्सीन, वैक्सीन के किणवन और उत्पादन प्रयोग-शाला के नाम सहित इस सम्बन्ध में एक स्वारध्य प्रमाणपत्र होना जाहिए कि क्ले/बिल्ली को प्राम्प्य के विक्द एक महीने से धिंधक टीके लगाए गए से, प्रश्त में टीजे स्नाव्बिय टिश बैक्सीम के गांध प्रास्त्रिक पान स्रारोहण से पहले 12 महीनों के भीतर पा चिकन एम्बोपो बैक्सीन के साथ 36 महीने के भीतर लगाए गए थें । दोनों बैक्सीनों का पहले पोटेन्सी परीक्षण सन्तीयजनक था ।

- (3) तोतों के मामले में, इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपद कि बास्तिबक पोत आरोहण से पहुँच 30 दिनों के भीतर तोतों को नकारात्मक परिणामों के गाम सिटकोशिस के लिए पूरक निर्धारण परीक्षण के लिये ग्राधिकार में रखा गया था।
- 7. सार्वजिनिक सूचना सं० 58 म्राई० टी॰ सी/(पी॰ एन)/ 79, दिनांक 13 नवम्बर, 1979 द्वारा यया संशोधित बाणिज्य मंत्रालय की पिछली सार्वजिनिक सूचना सं॰ 34 म्राई टी सी (पी एन)/78, दिनांक 16 मई, 1978 का यह सार्यजिनक सूचना म्राधिकमण करनी है।

स्परितिकरण :-- मार्वजनिक जुलना में 'ग्रानबाब' का वही धर्थं लिया गया है जो कि जयके लिए सीमाशुलक श्रिधिनियम, 1962 के खण्ड 2 की उप-घारा (3) में निर्धारित किया गया है।

> हस्ताक्षरित/-(विशेष नारायणस्वामी) मध्य नियंक्षकः स्राधान-निर्मात

चारत सरकार वाणिज्य मंद्रालय ग्रामात स्थापार निर्मेत्रण

नार्वजनिक सूचना सं॰ 44-आई० टी॰ (पी एन)/80,

तर्द दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

विषय: निजी असवाव के रूप में माल का आयात।
निजी असवाव के रूप में माल के आयान से सम्बद्ध
वाणिज्य मंत्रालय की सावजनिक सूचना मं 27~आईटीसी
(पी एन)/80, दिनांक 15 जुलाई, 1980 और सार्वजनिक
मूचना सं 46~आईटीसी (पी एन)/78, दिनांक 30 जून,
1978 की और ध्यान दिलाया जाता है।

2. पृतः विचार करने पर, उपश्वेकत सार्वजनिक स्चना सं० 27-आईटीमी (पी एन)/80, दिनांक 15 ज्नाई. 1980 के पैरा 4 में माने बाले वियेशी मुद्रा परिवर्तनीय शब्द को हुटाने का निश्चय किया गया है। उपत पैरा 4 को तपन्मार संगोधित किया जाएगान

3. अधिकारियों एवं ग्रहाण के कमें बारियों द्वारा निजी अपबाब के रूप में आभात के सम्बद्ध लाई जितक पूजना लंक 46-आई र्लाका (पी एए)/रत, िनाम 30 ज्वा: 1978 को भी एत्वद्वारा रह किया जासा है। इसके परिणामस्यक्ष, ऐसे व्यक्तियों द्वारा निजी अनुवाब के रूप-में माथ का आसात वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक गुनना सं०-27ल आई टी सी (पी एन)/80, दिनांक 15 जुलाई, 1980 के प्रायक्षानों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

> हस्ताक्षरित/-(मणि नारायणस्वामी) मन्त्र नियंत्रक, स्रायान निर्यात

भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय

धायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर, 1986

मार्वेजितिक सूचना सं 131 ग्राईटीसी (पीएन)/85-88 विश्वय: --व्यक्तिगत ग्रन्थां के रूप में माल का श्रायात। फा॰ सं॰ श्राई पी सी/3/37/79 --व्यक्तिगत ग्रन्थां के रूप में माल के श्रायात के संबंध में वाणिज्य मंज्ञालय की सार्वजितिक सूचना सं॰ 27--श्राईटीसी (पीएन)/80, दिनांक 15-7-1980 श्रीर सार्वजितिक सूचना सं॰ 44 श्राई टी सी (पीएन)/80, दिनांक 17 नंत्रम्बर, 1980 की श्रीर ध्यान दिलाया जाता है।

- 2. सार्वजिनिक स्चना सं० 44-आई टी सी (पी एन)/ 80, दिनोक 17 नवस्वर, 1980 द्वारा यथासंगोधित 27-प्राई टी सी (पी एन)/80 बिनोक 15-7-1980 के पैरा 3, 4 श्रीर 5 को निस्नोकिन द्वारा प्रनिस्वापित किया जाएगा:---
- 3. एक गैर-वर्षटक यास्री को भी बिता किसी आयात लाइमेंन के, परन्तु सीमा शुरुत का भुगतान करने पर उनके निजी प्रयोग के लिए मा परिवार के प्रयोग के लिए व्यक्ति-गत या घरेलू सामान (अन्नेयास्त्रों को छोड़कर) की किसी भी मह को उनके अनुवाब के भार के रूप में अगयान करने की अनुमति वी जा सकती है।
- 4. भारतीय मृत्य का एक पर्यटक चाहे उसके पास भारतीय या विदेशी पास शेर्ट हो जो सामान्यतः विदेश में रहता हों उसे लाइसेंस के बिना, परन्तु सीमा शुरुक बुकार्त पर उनके अनुभाव के भाग के रूप में न्यक्तिगत या अरेल् सामान (अन्यन्त्रों को छोड़कर) की किसी भी गा

को मिल्लों या सम्बन्धियों को उपहार वा यादगार के रूप में केंगे के लिए करने की घनुमति दी जा सकती है।

5 उपर्युक्त रियामत की अनुमति दी जा सकती है बगर्ते कि मीमा भुक्त का उपयुक्त अधिकारी एम बात में संसुद्ध हो जाए कि मवों का श्रायात यात्री या उपके परिशार के बास्तिषक उपयोग के लिए या उपकार या यादगार के रूप में देने के लिए है श्रीर यह इस गत के श्रायान है कि में मदें न तो बेची आएंगी श्रीर न बेचने के लिए प्रदिश्यत या बिकापित की अएंगी या दी आएंगी श्रीर न दुकान में स्वी आएंगी जम तक कि:---

(का) टी० बी० के मामले में, जब तक कि वे ऐसे

ध्यक्ति, अथवा यात्री अथवा वायुयाम दल के सदस्य द्वारा निकासी की तिथि से कम से कम 5 वर्ष की अवधि के किए प्रयोग म कर जी गई हों, अथवा

(अ) प्राथ माला के भामले में तब बहु माला तबा वा उत समय के बाजार मूख्य के 50 प्रतिशत से कम का बाजार मूख्य में ह्यात हो गता हो। 6 यह मंगोबन लोक हित में किए गए है।

> हस्ताक्षरित'-राजीव योजन सिय मु**ध्य नियंजक, श्रायात-निय**ति

भारत सरकार

बाजिय मंत्रालय

श्रावात भ्यापार नियंत्रण

नई विश्वी, विनांक 29 सरवरी, 1988

मं० 98/85-88--भ्रामात—निर्यात (नियंत्रण) श्रधि-नियम, 1947 (1947 का 18) द्वारा प्रश्त श्रधिकारीं का प्रयोग करते हुए श्रार वाणिश्य मंत्रालय के श्रादेश सं० 10/65 दिनांक 1-12-65 का भ्रतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतददारा संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रामात-निर्यात, उप मुख्य नियंत्रक श्रामात-निर्यात सीमाशुरुक श्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) के श्रधीन सीमाशुरुक समाहर्ता, धीर सीमाशुरक श्रधिकारी लोहा एवं इसात के विकान स्रायुक्त, लोहा तथा इस्पात के उर्शयकाम श्रायुक्त भीर केन्द्रीय जांच अपूरो की श्रायिक प्रपराय शाखा के पुलित अस्रोक्षकों को उक्त अधिनियम की धारा 5 के श्रन्तर्गत किसी वण्डनीय अपराध के संबंध में व्यायालयों में जिखित रूप में शिकायत करने के लिए प्राधिक्वत करती है।

> हस्ताकारित/-राजीव लोचन मिभ मुक्य नियंत्रक, यायात-निर्मात

मारत सरकार

बानिक्य नंत्रालय

ग्रायात-ध्यापार मिनंगण

काञ्चेण संख्या 1-/90---93

बुजा सामान्य जाइसेंस सं• 1/90

न**ई** विस्ली, 30 मार्च, 1990

का बा शायात एवं नियात (नियंत्रण) प्रक्रितम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा अदल प्रक्रिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एत्युद्धारा वक्षिणी प्रफीका/किजी को कोंक्कर किली भी देश से 1 अप्रैम 1990 से 31 नार्च 1993 तक प्रारत में कक्षे माल जीर संबद्धकों और उपयोज्यों को धास्तिक उपयोजता (औद्योगिक) हारा नियालिकित शर्दों के भ्रवीन प्रापात करने की सामान्य मनुमति वेती है :---

- (1) प्रावात की जाने वाली नवें सरकाधी राजपक्ष में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा बमा-संशोधित प्रायात एवं निर्वात नीति, 1990-93 (बण्ड-1) के परिकास्ट 2, 3, 5 और 8 के बस्तर्गत न भाती हों।
- (2) इस लाइनेंस के श्रधीन आयात-निर्वात नीति 1990—93 (खन्डा) के परिचिच्ट 6 की सूची में दिए नदीं के झलाचा बंबों को आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेंगी।
- (3) बास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के क्रज़ीन आयात की गई मदी के उपयोग एवं उपयोग का निर्वारित प्रयक्त एवं विविनुसार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखे की लाइसेंस प्राविकारी या क्रम्य सरकारी प्राविकारी की उनके द्वारा निविध्य समय के शीतर प्रस्तुत करेगा।
- (4) बास्तविक उपयोक्ता को इस लाइसेंस के प्रस्तर्गत प्रायातित माल को बपत तवा समुपयोजन का निर्वारित प्रका तथा विधि से उपयुक्त लंबा रखना होगा भीर ययानिर्विष्ट प्रविध के प्रन्यर लाइसेंसिंग प्राधिकारी प्रवचा प्रस्य सरकार के प्राधिकारी को प्रश्नुत करना होगा।
- (ह) याल को निकासी के समय बाल्तिंक उपयोक्ता (जीडोंगिक) बास्तिंक उपयोक्ता के रूप में संबद्ध प्राक्षिक पर के पास प्रपंभ जीडोंगिक लाइसेंस/पंजीकरण धर्मात् श्रीडोंगिक साइसेंस पंजीकरण की तं० और लापील, विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक बोचणा पत्न सजेगा कि (1) ऐसा साइसेंड/पंजीकरण रह नहीं किया गया है या बापस नहीं किया गया है या उसे धन्यमा कप से प्रभावहीन महीं किया गया है या बापस नहीं किया गया है या असे धन्यमा कप से प्रभावहीन महीं किया गया है या असे धन्यमा कप से प्रभावहीन महीं किया गया है या उसे धन्यमा कप से प्रभावहीन महीं किया गया है या उसे धन्यमा कप से प्रभावहीन प्रशिक्ष का बंदीकरण के नियम और सतीं और उनके धनुमोदिन चरणबद्ध विभिर्माण की सांव अपना से से प्रभावह को सेमा-शुल्क प्राधिकारी की सांवान के विव्हुल प्रनुसार है। विद्या प्रभावतक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संदुष्टि के लिये इस संबंध में धन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह शाहबेंसबारी है/बीडोगिक एकक के रूप में पंजीहत है और किये वह सायात के सिये पाड़ है। सांव की निकासी के समय बास्तिक विवे प्राप्त की सीये पाड़ है। सांव की निकासी के समय बास्तिक

उपयोक्ता (औद्योगिक), त्राबोजक प्राधिकारी या ग्रन्य संबक्षित प्राधिकारी हारा उनके लिये अनुमोदित चरणबद्ध विभिन्नीण प्रोधाम ग्रदि कोई हो ती उसकी एक प्रमाणित प्रति भी भेत्रेणा।

- (6) उन मामली में जश्र यूनिट स्ववंशीकरण के वरणबद्ध विभिन्नींग कार्यक्रम के प्रधीन है; वहाँ वास्तविक उपयोक्ता (श्रीकोशिक) द्वारा जुले सामान्य लाइसेंस के बढीन तंबटकों का ब्रामात सांध्यकिन सूची प्रतिया के ब्राधीन होगा। ऐसी यूनिटों को ब्रायात किये जाने वाले संबटकों की नुची उस प्राधिकारी द्वारा सत्यापित करा ली जानी चाहिये जिसने चरणबद्ध बिनिर्माण कार्यक्रम का अनुमौदम किया वा । लबु क्षेस्न की बृमिटी के मामक्षे में सूची सत्यापन विकास भायुक्त (लबु उद्योग) नई दिल्ली मा विकास भागुक्त (लाक् उद्योग), की ओर से लामु उद्योग विकास संबद्धारा होता चाहिये। सीमा शुरक प्राधिकारी संबंधित प्राधिकारी द्वारा सरयापिल सूची के प्राप्तार पर जुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन प्रायातिस संबदकों की निकासी अनुमित करेगें। जबकि बास्तविक उपयोक्ता को संबंधित काधिकारी से संबदकों की सांक्याकित सूची साक्ष्मांकित करने हेंसू जमा भारकाने के 45 दिन बाद सक सूची नहीं मिलती तो सीमा शुस्क प्राधिन कारियों द्वारा क्रायातित माल की निकासी की प्रमुमति असकी दस योगगा के झाबार पर देगी कि सूची संबंधित प्राधिकारी को जमा करा दी गई दी भीर निर्यातक प्राधिकारी, वरणवढ विमिर्माण कार्यकम से निर्वारित समय में निर्णय प्राप्त नहीं हुआ हैं।
- (7) स्वयेश(करण के जो मामसे घरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के बन्तर्गंत महीं बाते है, की बूनिटों के मामले में बास्तविक उपयोक्ता की सोमा शुस्क निकासी के समय ऐसी बोषणा सीमा शुस्क ब्राधिकारियों को धनी होती।
- (8) ऐसे सुनिट जिनका स्ववेशीकरण विनिर्माण कार्यक्रम समाप्त ही गया हैं, उन्हें भायातित माल की निकामी के समय, सीमा मुख्क ब्राधिकारियों की ऐसा बोबणा-पत देना होगा कि उनका चरणबढ़ विनिर्माण कार्यक्रम समप्त हो गया है तथा आधासित मर्वों में चरणबढ़ विनिर्माण कार्यक्रम के थीरान स्ववेशीकरण का मामला धनुसूचित नहीं है/या ।
- (9) खुले तामाध्य लाइसेंस के अझीन आरंग वालेक्नेक्ट्रॉनिक वनटकी वर कूकी काध्याकम प्रक्रिया लागू नहीं होरों।
- (10) जिन बास्तर्शक उपयोजसाओं (श्रीकोगिन) के वान जायोजस् जाविकारी के जस्वाई पंजीकरण है, वह नी इस लाइसेंस के प्रतीन कर्की नाल, संबदकों और उपयोजमां का भाषात करने के लिये पास होगा।
- (11) लच्च क्षेत्र में जिन कास्त्रविक उपयोक्ताओं (भौद्योगिक) के पास प्रयोजक प्राधिकारी हार। जारी किया गया ऐसा वंजीकरण प्रसाण पक्ष

- है जिसे बिशेष कर से "प्रमुख्या" चिन्हित किया गया है, तो वे भी करणे नाम, संबदकों और उपकीषमें का सामात करने के जिए इस लाइसेंस के प्रभीन पास हैं, जब निकासी भी समय यह साध्य प्रस्तुत किया जाये कि संबद्ध बास्राविक उपयोगता ने भागातित मान के लागत बीमा भाइ। भून्य के 25 प्रतिवात के बचाबर मूल्य के लिये बैंक गारण्टी के ताब इस लेवंस में एक बाण्ड भेजा है कि बास्तविक उपयोगता प्रायातित मान का उचित उपयोग करने बाले यूनिष्ट के समर्थन में प्रायोगक प्राधिकारी से एक प्रमाणवस संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी की प्रस्तुत करेगा।
- (12) ये लाइसेंस मायात (नियंक्षण) मादेश, 1955 की भनुसूची-5 की शरी-1 के मधीन भी क्षेणे।
- (13) मानव निर्मित रेशों, मोटे सन, तायों, कच्ची अन/चिकनी अल/ पटेंजा उत्त (जो कि साफ श्रवना कंक्री न की गई हो)/अंगीरा बकरी के बाल (कोहेयर)/अंगोरा बकरी के चिकन बाल (मोहेयर), अंगोरा बकरी के पटेलाबाल (मोहेयर) (साफ अथवा कंबी न किये हुए), उत्तीरिका/ लंक्सिक्ट रैग्स/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था से पहले की भगस्था में रही ऊन के संबंध में पाक धायातकों की अपनी संविदायें बस्क, धायुक्त, बम्बई के पास पंजीक्कत करवानी पड़ेंगी । श्रायात तभी किये जायेंगे अब संबंधित संविद्याओं पर वस्त्र सामुक्त, बस्वई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के कप में .मोहर लगा दी गई हो। इ.स उद्देश्य के लिने संविध की भे प्रतियां वस्स्र भायुभक्त के पास रखी जायेगी और वह आयातक को माल की निकासी क समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण 🖷 लिये एक प्रति बावस कर वेगा जिसके प्रत्येक पृष्ट पर विश्विवद् मोहर सगी होगी । साथ के डेकों के पंजीकरण के समय पान धामातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिये जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी डैशों के संबंध में भायानों में कीं गर्द प्रगति क्षोर भाषातिल माल का उपयोग/निष्**या**न वर्णाया जाना चाहिए ।
- (14) जैसा कि जनर पैरा (13) में विया गया है नस्स प्रायुक्त, बम्बाई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संविदा बात के प्रधीन पाल बास्ताबक उपयोक्ताओं की बितरण के लिये मानव निर्मित रेसे, मोटा सन और बागे भी इस लाइसंस के मजीन भारतीय राज्य क्यापार निगम (एस टीसी), नई विस्ती द्वारा कायात किये जा सकते है।
- (15) सोबा ऐंग, पी वी की रेजिन, और लांबा करारन /तांबा मिस स्केल के लिये पास बायातकों की बावनी संविदायें महानिदेशक, तकनीकी विकास (बायांस-निर्यात मीति लैस), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवानी चाहियें। महानिदेशक सवकीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया वही होगी जी ऊपर गैरा 12 में दी गई है।
- (16) उ फार्मिन रोफा एन की. 1-अमीमी-4-मियाइन पाइप-एक्सिन भीर रीका एस के मामलों में, संबंधित प्रायातकों की घपने ठेके प्रकृत सचिव तथा विकास प्रायुक्त (इस्स), रसायत तथा खाद मंत्रासय, विकास प्रायुक्त का कार्यात्र (इस्स), लास्स्रों प्रवन, नई विरुत्त-110001 के पास पंजीकृत करवाने होंगे। श्रायात केवल पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित ठेकों पर विकास श्रायुक्त (इस्स) के बार्यालय की मोहर लगने पर हो सकेगा। इस के लिए ठेके को दो पतियां विकास श्रायुक्त (इस्स) के पास जमा करवानी होंगी और वे एक अनि के प्रत्येक पुष्ठ पर मोहर लगा कर बादालक की वापस देंगे। यह प्रति माल के निकासी के समय लोगा गुल्क पाधिकारियों के गमध प्रस्तुत करनी होगी। परवर्ती ठेके के वजीकारण के साथ पास लाखानक की एक विवरण में पूर्व ठेकों ने बायातिश काल के बायात और उनके उपयोग के धार में फानकारी पंजीकरण प्राधिकारी की मुखाना/रिकार्ड के लिए देनी होगी।
 - (17) (1) जनी चित्रकों/रही जन/संघित्रकट चित्रकों के आयोत की धनुमति केथल त्या दी जायेगी जब कि इनका आयात पूर्णकप से मर्टी फट श्रवस्था से पहले की श्रवस्था में क्रिया जा रहा हो।
 - (2) इस प्रयोजन के लिये ऊर्ना सिंगकों की परिभाषा प्रकार की गई है:

- (क) "नए" ऊनी कपड़े के ध्रवणेष काह वह बुते हुए या सकाई किये हुए कपड़े के हो और जो बस्जों की बटाई करने के बाद बन जाने हो इतने दर्शी द्वारा काट दिये गये बास्तविक टुकड़े, त्याग दिये गये नमूने और सैमान के दुसड़े भी शामिल है।
- (का) "पुरानं" जनी कपड़े के वे चित्र हैं (कटाई किसे हुए और कांट्रे से मुने हुए कपड़ों सिंहा) जो रही यार्ग के विनिर्माण के लिये शासक्यक हों और उनमें सजाबटी मर्वे ग फटे हुए कपड़े, नैले कपड़े या ऐते कपड़े णामिल हों जिनकी सफाई या मस्मान न की जा सकती हो ।
- (ग) धिक्कति को सीमागुष्क प्राधिकारियों ग्रादा उनकी प्रधिसुचना में निर्दिष्ट प्राधिकारणनाओं के समनुष्या प्रधाप होना वाहिये।
- (3) यह परिभाषा सरिलध्ट विश्वकुं के लिये श्रावण्यक परिवर्तनों के साथ लागू होना ।
 - (4) करी रिम/मंतिष्ट रिमा/मांचे कत का प्रायास केवल यो पत्तनों अर्थात् बम्बाई मांग विल्ली, माई सी की के माध्यम में मनुमेय होगा ।
- (18) कच्चे माजू की चिरों के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुतार वास्पविक उपयोगता (संसाधन एककों) की बितरण करने के लिये इन खाइसंस के अन्तर्गत आयान करने के लिये पास होगा।
- (19) कच्चे काजू की निरी के मामले में ब्रायात समिवा उसके निष्पादन के 7 दिनों की श्रविध के भीतर भारतीय काजू निगम के पास अध्यात हारा पंजीकृत कराई जायेगी।
- (20) गैर-मिधित इत्पात भौर मिश्रित की भव (जो त्रिशेषतः साम्मान निर्मात मीति, 1990—93 (सण्ड-[के पैरा 23 (2) के उप पैरा (ii) क्षीर (tii) में बताए गए हैं। उनके श्रशाका] को मुले सानान्य ला**६**सेस के अर्थान मायात हो सकते है के मामन्ने में, पाक मायातकों की ऐसी संविदा करने की सारीका से 30 दिनों के भीसर या माल के पोतलवान की निथि की, इनमें जो भी पहले हों, उसी को लोहा एवं इस्पात निर्मेतक, कलकला या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पाम अपनी भाषाम संविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पान विकास मायुक्त के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया वहीं होगी जो उद्यय पैरा (11) में दी गई है। उन मामलों में बहां संबिदा के पंजीकरण के लिए निर्धारित अवधि के बाद घनुरोध किया गया हो बड़ा आयातक की पंजीकरण के लिए संविधा के पस्तावेज प्रस्तुन करने में हुए जिनस्ब की आमा करने के लिए विशास प्रायुक्त (लीड़ा एवं हस्पात) कलकत्ता में धार्वेदन करना चाहिए। विकास सामुक्त (लोहा एवं इस्पात) गुणावगुण के द्राधार पुर ऐसे मामलों पर विचार करेंसे श्रीर सींद संबुध्ट हुए सी विश्वमा क्षमा करने के बाद संक्रिता का पंजीकरण करेंने
- (21) महामारी नाणक और घास-पान नाणी सहित शीटनाणण के सामली में संबद्ध बारलिक उपयोक्ता (अधिगिक) प्रस्पेक माल के परेषण की सिकासी के नान दिनों के भीपर माजापित गई, उनकी माजा अर इबके लाल-बीमा-माहा मून्य के स्थार तृति विभाग (अनस्यति संरक्षण विभाग). नहें दिश्ली को मूचित करेगा।
- (22) पालितितिकान तिगल किस्टल मिलिकाम इत्याट/बार्स/राय्त्र/ और मेंटलुर्जीकल ग्रेंड सिलिकान के धलावा के मामले में धायात संविदा माजपत्र खोलने से पहले इलैक्ट्रोनिकी विभाग, शोकनायक भवन, नई दिल्ली के पास पंत्रीकृत कराई जाएंगी ऐसे रजिस्ट्रेगन के साध्य के कम में इलैक्ट्रोनिकी विधाग द्वारा संबंधित संविदाओं पर मोहर लगाने के पश्चान ही आयात किया आयेगा।

- (23) बीस भीर स्नेहक सेल को मामले में 50,000 द्वारी तक आयात श्रिया जा मकता है बणतें कि भारतीय तेल निगम. मार्किटिंग डिबीजन, बम्बर्ट ने बमापत्ति प्रमाणपुत्र जारी शर दिया हो।
- (24) मायात-निर्मात नीता' 1990—93 (खण्ड 1) के परिणिष्ट-6 की सूची 8 के भाग 1 में उस्तिवात कुछ मधों के मामले में विशेष उद्योग के लाभों का उल्लेख किया गया है। इन मधों के लिये संबंधित उद्योगों में लगे हुए केवल बास्तविक उपयोगता (भोद्योगिक) ही मायान के लिये पास होगे।
- (25) भाषातर-निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) भाग 1, सूची 8 पिकिंग्ट 6 के भीतर आने वाली मदें निर्यात आपार सदनों द्वारा वास्तविक उपयोगता (भौद्योगिक) को बिकी के लिए बास्तविक उपयोगता शक्तों की स्वान कर सकते हैं। वास्तविक उपयोगता की शतें को छोड़कर खूले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन मदों के भाषात पर लागू सभी शतें भीति तता सतें से मदे खुले सामान्य लाइसेंसों के मदे खुले सामान्य लाइसेंसों की मदों के मम्बन्ध में समान रूप से लागू होंगी।
- (26) प्रायात-निर्मात मीति, 1990—93 (अण्ड-1) के परिशिष्ट-6, सुन्ती-8 के भाग 2, के प्रधीम प्राने वाली मदें, खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन बास्तविक उपयोक्ता (प्रीद्योगिक) और प्रन्य द्वारा मण्डार एवं बिकी के लिये प्रायात की जा सकती है।
- (27) कतरम के रूप में आयातित पीतल ताबा, पाइन्त भीर ट्यूब्स के मामले में लम्बाई में उनका आकार 60 सें. मी. से अधिक नहीं होना आहिए अब तक कि उनका आयात हाइड्रोफिक सभी प्रेस्ड विक्सेट्स में कतरन के स्प में नहीं किया जाता।
- (28) द्यायात-निर्मास नीति, 1990-93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 सूर्था-11, के धन्तर्गत आने वाली मधों का वास्तविक उपयोक्ता (धीधोगिक) द्वारा कथल तभी द्यायात किया जा सकता है जबकि वह इलेक्ट्रानिक मधों के विनियमों/पंजीकरण लाइसेंस रखता है।
- (29) बायात-नियांत नीति, 1990—93 (खण्ड-1) सूची-II, परिशिष्ट-6 में माने वाली मधों का मायात तेल एवं प्राकृतिक गेस धायोग/ मायल इंडिया लि. (श्रो. माई. एल.) भारतीय गैस प्राधिकरण जो गेट्रोलियम ग्रोपरेशन के संबंध में डाडविंग सेवामों के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस मायाग/धायल इंडिया लिमिटेड/भारतीय गेस प्राधिकरण, से संबिदा प्राप्त कर रही है, कर सकती हैं। ऐसी यूनिटों को निकासी के समय सीमामुख्क प्राधिकारियों को तेल एवं प्राकृतिक गेस आयोग/धायल इंडिया लिमिटेड/भारतीय गैस प्राधिकरण से इस बात का प्रमाणवपन प्रस्तुत करना चाहिये का मायात की मधें उन्हें प्रदान की गई संविद्या के निष्पांचम के लिए मधिक सीमात की मधें उन्हें प्रदान की गई संविद्या के निष्पांचम के लिए मधिक हैं।
- (30) खुले सामान्य लाइसेंस के मधीन भागातित माल मुख्य-निर्यक्षक, भागात-निर्यात, नई दिल्मी की बिना भनुमति के निर्यात के लिए भनुष्ये नहीं है।

- (31) उन लाइसेंसों के मधीन मापात द्वारा संबद्ध मोद्योधिक एकक का उत्पादन स्वीहत प्राधिष्ठत क्षमता से प्रधिक नही होगा भौर सम्बद्ध एकक प्रपने प्रनुमोदित बरणबंद्ध विनिर्माण कार्यक्रमं के धनुपालन का मुनिध्यय करेंगे।
- (32) इस प्रकार भाषात किया जाने वाला माल दक्षिण प्रकीका संघ/ फिजी में तैयार श्रमका विनिमित नहीं किया गया हो ।
- (33) खुले सामान्य लाइसेंस के ध्रधीन प्राचात के लिए अनुमित कच्चा माल, संटटक धौर उपघोज्य का भारत की पोतलदान खेप के माध्यम के ध्राधार पर घायात व निर्यात नीति 1990—93 (खण्ड—1) की ध्रबधि के दौरान धायात करना ध्रमुमित होगा यदि सब खुले सामान्य लाइसेंस से नहीं बवला जाता। तथापि पक्के भावेश ध्रपरिवर्तनीय खोले गए साल-पन्न द्वारा समर्थित भीर 28 फरवरी, 1993 से पहले स्थापित धावेशों के बारे में उनका पीतलदान 30 जून, 1993 तक हो सकता है।
- (34) उपर्युक्त भर्त सं. 32 में बी गई व्यवस्था के बावजूब भी लोकहित में सरकारी राजपल में सार्यजितिक सूचना जारी कर के खुल सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मव के मामले में, सरकार की ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का प्रक्षिकार है जिसके द्वारा सार्वजितक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाल आयातकों द्वारा खोले गये भीर स्थापित किये गये अपरिवर्तनीय साखपल द्वारा समियत पकके मावेशों के मह पीत लदान किया जाना चाहिये। ऐसे संरक्षण के लिए अपरिवर्तनीय साखधकाल के मतिरिक्त मन्य कोई पक्की व्यवस्था नहीं होगी।
- (35) यदि किसी माल के प्रायात के समय उसके प्रायात पर प्रभाव कालते हुए, कोई अन्य निषेध या विकियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ेगा।
- (36) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्तामों (भौद्योगिक) मायासक को किसी ऐसे माबार/मनुपालन से किसी समय भी उन्युक्ति, रियायत या छूट प्रवान नहीं करतां जो इसे मन्य कानूनों या विभियमों की खंतों के तहत पूर्ण करने हों। मायातकों को उनके लिये लागू प्रन्य सभी कानूमों के प्रावमानों का ममुपालम करना चाहिये।

टिप्पणी:—इस मावेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" मौर "मगला "लाइसेंसिंग वर्ष" का जहां भी "श्रमल" धाता है उसका बही मर्थ है औ 1990—93 की प्रायात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

₹.

तंजेन्द्र समा

मुक्य नियंत्रक, प्रायात एवं नियति

([फाइल सं. माई पी सी/3/5/90)]

वाशिवय मंद्रालय

माप्रांत व्याचीर निसंग्रंग

प्रादेश सं. 2/90---93

बुला सामान्य जास्मेंम **सं०** 3/90

गई बिल्ली, 30 मार्च, 1940

का. श्रा.—भाषात-निर्यात (नियंत्रण) श्रष्टिनियम, 1947 (1947 का 18) ने खण्ड उद्वारा प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना हारा यद्यासंशोधित 1980—93 (खण्ड 1) की भाषात और निर्मात नीति के परिशिष्ट-1, मार्ग ल में निर्मिष्ट-त विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी भक्तीका संब/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 भन्ने 1990 से 31 मार्च 1993 तक निर्म्तर्शिवन भागे के अक्षीन भाषात करने की सामान्य अनुमित्त देती हैं :---

- (1) प्रायातक, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक या अन्य सन्बद्ध प्रयोजक या सरकारी प्राधिकारी, जो भी ही, के साथ पंजीकृत एक ऐसा वास्त्रविक उपयोक्ता (सौद्योगिक या ग्रेंट सौद्योगिक) हो जिसे ऐसी मदों को अपने निर्धा कारखाने, वाणिज्यक प्रतिकान, संस्थान अवाक्सायिक कार्यात्रय या अन्य सम्बद्ध परिसरों में "वास्त्रविक उपयोक्ता" शर्त के प्रधीन प्रावय्यकता हो। वूंजीगत माल के आयास की सुविधा प्राथम प्राय स्थान सुनिरों को भी उपलब्ध है।
- (2) इस प्रकार प्रायोधित माल नया होगा।
- (2) पिरिणिट-1, भाग-क की प्रविक्टि सं 2(1) के श्रद्धीय कम सं 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 88, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 भीर 135 के श्रद्धीय सूचीक्क मधीत उपकरणों के बाई सी/वाई/एन सी।
- (3) "बुली और कताई महीगीं" के भागात की केवन उन्हीं यूनिटें। की अनुमति हीशी जी पिछले वो वर्षों में सर्वश्रेष्ठ उत्पाद का नियात 20% (मूल्य तथा मांबा) तक कर रहे हैं। इस आध्य भा वस्त्रायुषत से एक प्रमाण पत्र णुक्क प्राधिकारी के समझ प्रस्तुन करना होगा।
- (4) पुराने पूंजीयत माल/तस्यूटर/कम्यूटर शक्त सिस्टम पैरीफ़िरल/ खूने सामान्य लाइतस के ब्रह्मीम का ब्रायान अनुमित नहीं किया कारगा।

- () प्रतिरिक्त पूर्वे (जाहें धनुमें या प्रतिविधिन (बरम के) जिसमें मुख्य उपरक्षर के भूरूप के 15% सक उन साधिज प्रीर दूक्तिम भी णामिल है का प्रापात भी खूले नामान्य लाइसेंस के बन्तर्गंत किया का सकता है। यदि ऐसे प्रतिरिक्त पूर्वे, उपसाधिक भीर दूक्तिम 15% से बिक्त मूल्य के लिए प्रपेक्तित है, तो वास्तविक उपयोक्ता ने उस वास्तविक मृत्य की निविद्ध करते हुए जिसके लिए खूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गंत मृक्य अग्रक्तर के बनिरिक्त पूर्वे/उगसाधिक पूर्वित्य के प्राचात की प्रतृमित दी जा सकती है कि लिखित प्रतृमित महानिवेसक, तकतीकी विकास से प्राप्त करती चाहिए भीर उसे निकासी के लिए सीमा-गृत्वं प्राधिकारी के पास प्रस्तुत किया आए।
- (5) प्रतिरिक्त पुर्वे, उपमाधिल और टूलिंग्स या तो मुक्ता उपस्थार के मार्च था उसके बाद प्राथात किए काने के लिए अमुमित किए जाएं, तेकिन मुख्य उपस्कर के पहुंचने से पहुंचे नहीं।
- (४) विषयाधीन प्रजीगत माल के भाषात द्वारा भाषां दन का अधादन लाइमेंग/प्राधिकृत क्षमता ने प्रधिक नहीं होगा ।
- (5) धांवासित माल की निकासी के समय वास्तिबक उपयोक्ति (ग्रैन-प्रोद्धोमिक) को सीमाणुरक प्राधिकारियों के दुकान एवं स्थापना प्रधिनियम, सिनेमा प्रधिनियम प्रयवा संबित स्थानीय काम्न जिनके द्वारा उनकी धायात करने का हक है, के भ्रन्तवीत वर्तमान वैद्या पंजीकृत प्रमाण-एन मूल कप में ध्रयवा प्रीदी प्रसि प्रस्तुत नारनी होती ।
- (6) माल को निकासी को समय वास्तिकत उत्योक्ता (श्रीखोशिक) प्रायोजक प्राधिकारियों के साथ ग्राँखोशिक एकक के रूप में अपने भौंखोशिक लाइसेंस प्राणय-पक्त पंत्रीकरण का क्यीरा देने हुए ग्रव्यांत् श्रौखोशिक लाइसेंस/पंत्रीकरण की संख्या श्रौर दिनोक ग्रौर विनिर्माण की ग्रांतिम उत्पाद (द) भौर यह पृथ्छि करते हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस श्रीणय-पत्न पंत्रीकरण म तो रह किए गए हैं या बापस लिए गए हैं या अध्यक्ष वप से प्रयत्न में है और (2) ग्रायाधिक माल श्रीखोशिक एकक के रूप में उनके भौंखोशिक लाइसेंस/प्रायोकक प्राधिकारी के पास पंत्रीकरण की गर्न के बिल्युल अनुमार है, एक श्रीवणा-पत्न मम्बद्ध सीमा गृत्क प्राधिकारियों को प्रस्तुन फरेगा। उन मामलों में जहां सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा ध्रमण से लाइसेंस पंजिकरण संख्या नहीं वा गर्व है, ग्रायोजक भो हीमा गृत्क प्राधिकारी वारा ध्रमण से लाइसेंस पंजिकरण संख्या नहीं वा गर्व है, ग्रायोजक भो हीमा गृत्क प्राधिकारी की सम्बद्ध से लिए इस सम्बन्ध में

- कन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है भौधोगिक एकक के स्प में पंजीकृत हैं और किए गए सामान के किए भी पाज हैं।
- (१) ऐसा सायात किया गया माल विक्षणी झक्का तथा किशी भेंवताया या विभिन्तित किया गया हो।
- (8) खुले मामान्य लाइनेंस के अन्तर्गत आधान के लिए अनुभित्त मंगीन और उपस्कर का पोतलवान आयान और नियंति नंगीन 1900--93 की अर्वाध के बीरान जब तक कि मब को खुले मामान्य लाइनेंस से इटा नहीं दिया जाता, अनुमित है। ऐसे मामलों में जहां पकती मंजिदा मिल गर्व है और किसी मुद्रा बीलर (बैंक) के साथ 28 करवरी 1983 से पूर्व पंजीकृत की गई है तो पोतलवान 31 मार्च 1994 तक किया का सकता है। विशेष मामलों में जहां माल की बिलीबरी का समय अधिक लक्षा हो, मुख्य नियंतक आयात-नियंत, मई दिल्ली खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन के पोनलवान की नियं भी आरों कहा सकते हैं।
- (9) उपयुक्त गर्स (3) में होते हुए भी यदि सरकारी राजपल में लोकहित में प्रकाणित सार्वजितिक सूचना हारा किसी मद की खने सामाध्य लाइसेंस से निकाला जाता है। सरकार यह ग्राध-

- कार सुरक्षित रखती है कि उस समय सीमा, जो कि नई पक्की संविदा के महे पोत लदान किया जाना चाहिए और सार्वजनिक सूचना को जारी करने की तिथि से पूर्व विदेशी मुद्रा वैक के साथ पंजीकृत होता चाहिए, को निक्षीरित कर सकती है।
- (10) यह लाइसेंस धायान (नियंत्रण) घावेश, 1936 की प्रनृसूची-5 में शर्मे-1 के प्रधीन होगा।
- (11) यदि किसी माल के भागात के समय उनके आयात पर प्रभाव दालते हुए कोई धन्य निवेश या जिनिसय लागू हो तो ६ग लाइसेंस का उसकी प्रायोज्यका पर कोई प्रभाव नहीं एड़ेगा।
- (12) प्रस्तुत लाइसेंस बास्तविक उपयोक्ताओं (श्रीबोधिक) झायामक का किसी ऐसे झामार अनुपालक से किसी समय जो उत्मुनित, रिवायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उने प्रत्य कानुनों वा बिनियमों की शर्तों के सहत पूर्ण करते हों। झायातकों को उनके लिए सागू प्रत्य ससी कानुनों के प्रावधानों का प्रवृपालन करना बाहिए।

छ -(लेजैन्द्र खन्ना) म च्य नियंक्रकः सामान-कियलि

(फाइल स•---माईपीसी-3/8/80)

भारत सरकार
बाणिज्य मंत्रालय
भाषात व्यापार नियंत
श्रादेश सं 3/90--93
खुला सामान्य लाइसेंस सं 3/90
नई दिल्ली 30 मार्च, 1990

का आ--1 मप्रैल 1990 से 31 मार्च, 1993 तक मायात तथा निर्मात (निर्मक्षण) भिधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 हारा प्रवेशक भिधिकारों को प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्वृहारा दक्षिण भिक्तिका और फिजी संघ को छोड़कर विण्व के किसी भी वेण से सरकारी राजपन्न में मार्चजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा-संगोधित 1 मर्प्रल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक की भ्रामात-निर्मात मीति (खण्ड-1) के भरिणिष्ट 2, 34 3 या 10 में प्रविधित मर्थों से लिस प्रयोत भितिरिक्त पुत्रों के कप में भविक्षित मन्ते भन्नोय पुत्रों, जो वास्तविक उपयोगनाओं हारा अपने निर्मा समा भन्नमेय पुत्रों, जो वास्तविक उपयोगनाओं हारा अपने निर्मा उपयोग के लिए उपमाधितों, समुचंगी उपस्कर, निर्मञ्जा और प्रयोगमाला, उपस्कर और सुरक्षा अपकरणों सहित, लाहसें(सग वर्ष के भन्नेल माह की पहली तिथि को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अमुरक्षण के लिए अपितित हों, वास्तविक उपयोगताओं (शीधोगिक भ्रया गैर-औधोगिक) हारा समके भ्रयात के सिए निम्निणिखिन ग्रतों के भ्रधीन भारत में स्थापत करने की सामान्य मनुमति वेती हैं:---

- (1) वास्तिविक उपयोगता (औद्योगिक) निकासी के समय तीमाशुष्क अधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंसों
 पंजीकरण प्रमाण-पत्नों अर्थात औद्योगिक लाइसेंसों
 पंजीकरण प्रमाण-पत्नों अर्थात औद्योगिक लाइसेंस औद्योगिक
 एकक के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारों के पाम पंजीकरण की
 मंत्रवा दिनंक और विनिधित प्रनिभ उत्पाद का विवरण देते
 हुए एक ऐसा योषणाए-पत्न देंगे जिससे इस बग्त की पृष्टि
 होगी कि ऐसा लाइसेंस जीकरण रू नहीं किया गया है
 ध्रयवा वापिस नहीं निया गया है प्रथवा उसका प्रम्यया रूप
 मं उपयोग नहीं किया गया है। जिस मामलों से सम्बन्धित
 प्राधीक प्राधिकारियों द्वारा पृथक गंजीकरण संख्या आवंदिन
 मही की गई है, प्रायानक सीमा-पूरक प्राधिकारियों की
 सन्तृष्टि के लिए प्रस्य कोई प्रमाणी-पत्न प्रस्तुत करेगा कि वह
 साइसेंसवारी औद्योगिक एकक के त्य में पंजीकृत है और
 किए गए खायान के लिए पान हो।
- (2) माल की निकासी के समय वास्तिक उपयोक्ता (गैर-औद्धोगिक) दुकान और स्थापना प्राधिनियम, सिनेमाटोप्राफिक प्रधिनियम, प्रथवा उपयुक्त स्थानीय प्रधिनियम के भन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण-पक्र की मूल भ्रथवा कोटोस्टेट (वर्तमान समय में बैध) प्रति जो उनको धायान के लिए ग्राधिकृत करेंने।
- (3) गंगणक प्रणाली के मामले में, अनुसेय प्रतिरिक्त पुर्धों के शायात की अनुमति आयातिक संगणक के लागत-बीमा-भारा मृत्य के 5 प्रतिशत पर या देती किनिमित संगणक प्रणाली खरीद मृह्य के 2 प्रतिशत प्रथवा संगणक जो कि फोटा बनाने वाली मशीनों का एक अभिन्न अंग है, के 5 प्रतिशत

पर दी जाएगी। प्रायापित माल की निकासी के समय जैसा भी मामला हो, प्रायातक की सीमा-मुल्क प्राधिकारी की तन्दी सेखापाल हो, प्रायातक की सीमा-मुल्क प्राधिकारी की तन्दी सेखापाल हो। का खापाल था कम्पनी सिखब (व्यवसायी) या सम्यन्धित प्रायोजित प्राधिकारी की लागत-प्रीमा-माड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली के खरीब मूल्य की प्रदक्षित करते हुए एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुन करना चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुन करना चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुन करना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जानी है उसके लागत-बीमा-भाइन मूल्य सात्र की प्रायात किए गए माल का लागत-बीमा-भाइन मूल्य प्रमुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हो। सनवी लागत लेखापाल या कम्पनी सिचय को प्रावेदक फर्म या उसकी सहायक साखाओं का भागीदार या संजालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

- (4) कस्प्यूटर मैन्टीनेन्स कारपोरेणन लि (मीएमसी) पुराने और री-कंडीणंड पृखीं उपभोज्य और तकसीकी प्रशिक्षण माल का आमात, मायातित कंस्प्यूटर सिस्टम के लागत-बीमा-माड़ा मूल्य की पोच प्रतिजन के समग्र मूल्य के भीतर अपनी खिम्मेदारी में धतुरिक्षत किए जाने वाले या ऐसे मालिकों द्वारा मानीटर, किए जाने वासे इसी प्रकार के सिस्टम जो कि अपने को सी. एस. सी. के साथ पंजीकृत कराएं। आयातित माल की निकासी के समय सी. एस. सी. को सीमा-मूलक प्राधिकारियों को सनवों लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (कार्यरत) का एक प्रमाणवल प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें उनकी अपनी जिम्मे-वारी के प्रन्तांन अनुरक्षित आयातित कम्प्यूटर सिस्टम या सी. एम. सी. के साथ पंजीकृत स्वामियों द्वारा अनुरक्षित इसी प्रकार के सिस्टमों का लागत-बीमा-भाड़ा मूह्य विया गया हो।
- (5) राज्य विजली बोर्डों, परियोजनाओं और नपक्रमों, जो बिजली जत्यादन और वितरण के कार्य में लगे हैं, परतम त्याम और सिखाई विभाग परियोजनाएं बिकागीय जपक्रम भी खु. सा.ना. के अक्षीन झापातकालीन झितिरिक्त पुर्जे (अनुमित और गैर-अनुमिल झितिरिक्त पुर्जे दोनों) बिरल मंत्रालय या प्रशासनिक मंत्रालय दारा विदेशों मुद्रा की रिहाई के शर्ताधीन आयात कर सकते हैं। तथापि, यदि ऐसे आयातों के झितिरिक्त पुर्जों का मूल्य 25 लाखें हर से श्रीधिक हो तो जमकी सुची महा-निदेशक, नकनीकी विकास से सांव्योकिन करवानी अपिक्षन होगी।
- (6) उपर्युक्त किसी बात के बावजूब भी, उपर्युक्त ३ में अस्थि खित ग्रन्थ मानों के प्रध्याद्यीन कम्प्यृटर सिस्टम ने मामले में गैर-ग्रनुमेय पुओं के भाषात की भ्रमुमित भी समग्र सीमा के भीतर वी आएगी।

947 GI/90 -15

- (2) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास सम्बद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के प्रत्तिम पंजीकरण हैं, वास्तिविक उपयोक्ताओं की ऊपर विनिर्विष्ट शतों के प्रधीन इस लाइसेंस के प्रस्तर्गत माल प्रायास करने के पान होंगे।
- (8) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के ध्रन्सर्गंत प्राथातित माल के उपयोग का निर्धारित कप धौर विधि से उजित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस अधिकारी या धम्य सरकारी प्राधिकारियों को उनके द्वारा विशिष्टिकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा
- (9) यह लाइसेंस भाषात (नियंत्रण) भादेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी भन्नीन होगा ।
- (10) इस तरह आयात किया जाने वाला माल वक्षिण आफीका संघ और फिजी में तैयार ग्रथवा विनिर्मित न किया गया हो ।
- (11) खुले सामान्य लाइसेंस के प्रस्तांत ग्रायात के लिए घनुमित ऐसे माल का पोतलवान भायात-निर्यात मीति, 1990-93 की भवधि के दौरान यदि ये ग्राइटम खुले सामान्य लाइसेंस, से बदल न दिए गए हों, किया जासकता है। उम मामलों में जहां पक्के ठेके कर लिए गए हैं ग्रीर विदेशी मुद्रा बीलर (बैंक्ष) के पास 28 फरवरों, 1993 से पहले पंजीकृत करा लिए गए हैं, पोतलवान 31 मार्च, 1994 तक किया जा सकता है। उन विशिष्ट मामलों में जहां बिलीवरी ग्रवधि लम्बी हो, मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात नई दिल्ली खुले सामान्य लाइसेंस के ग्रन्तगैत ग्रागे पोत लवान की तिथि में वृद्धि कर सकते हैं।
- (12) उपर्युक्त गर्ल सं. (11) में थी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपन्न में सार्वजनिक भूवना जारी करके खूले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार की ऐसी समय धीमा निर्धारित करने का प्रधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक भूवना जारी करने की तारीख से पहले पान्न धायातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख-पन्न द्वारा सम्बित पक्के धादेशों संविद्या बंधतें कि प्रश्नाधीन संविद्या सार्वजनिक भूवना जारी होने से पूर्व किसी विदेशी मुन्ना के व्यापारी (बैंक) के पाम विधिवत् कप में पंजीकृत हो या फर्म के महे पोनलवान किया जाना चाहिए। धादेशों की धन्य किस्मों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (13) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस को उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (14) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तिक उपयोक्ताओं (धौद्योगिक) गैर-भौद्योगिक भायातक को किसी ऐसे भाभार भनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति रियायत या छूर प्रदान नहीं करता जो उसे भन्य कानूनों या विनियमों की शर्तो के तहत पूर्ण करने हों। भायातकों को उनके लिए लागू भन्य सभी कानूनों के प्रावधान की भ्रमुपालना करनी चाहिए।

ह.-(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य नियंत्रक बायास-निर्यात

(माई. पी. सी. फाइल सं.-3/5/90)

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
वायात व्यापार नियंत्रण
वायेश सं. 4/90—93
बुधा सामान्य लाइसेंस सं. 4/90
नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का. था. — मानात तथा निर्यात (नियंत्रण) मधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रयत्त मधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण मफीका संम/फिजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से 1 मप्रैल, 1988 से 31 मार्च, 1990 तक सरकारी राजपन्न में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा यथासंशोधित नीचे विशिष्टकुत माल का मायात करने के लिए सामान्य मनुमति प्रदान करती है:—

- 1. विदेश में मरम्मत के पश्चात् लागत-बीमा-भाड़े के माधार पर
 निशुल्क प्रथवा मुगतान (लागत-बीमा भाड़ा) पर जो कि प्रायातित
 मशीनरी (इलैक्ट्रांसिक घौर कम्प्यूटर उप-जुड़नारों के लागत-बीमा-भाड़ा
 मूल्य का 30 प्रतिशत) के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत
 से प्रधिक न हो प्रथवा एक लाख रुपए, इनमें से जो भी कम हो, मवों
 का (टिकाऊ उपभोज्य को छोड़कर) पुनः ग्रायात किया जा सकता है
 बसर्वे कि सीमा शुल्क प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट हो कि पुनः श्रायातित
 मव बही है जिसकी विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।
- 2,000 रुपए भूरूप तक के भ्यापार संबंधी सूची पक्षों झीर परि-पक्षों के मुक्त उपहार ।
- 3. मझीनरी भीर संयंक्ष स्थानों कार्य और निर्माण, अनुसंधान आंकड़ों से संबंधित वे खाके और ब्राईग (माइकोफिल्स सहित) जो मुफ्त में संभारित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।
- 4. एक प्रेषण में प्रधिकतम 20,000 रुपए के लागत-बीमा-भाक्षा मूल्य तक के मुफ्त में संभारित किए जाने वाले मूल तकनीकी धौर व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मधु मिक्खिया, चायधौर नए भेषज वामिल नहीं हैं।
- 5. बास्तविक तकनीकी तथा चाय के व्यापारिक नम् में जो 1000 है. लागत भावा मूल्य से अधिक न हों और एक परेषण में हों चाय बोर्ड, कलकत्ता की सिफारिश पर मुक्त सप्लाई किए जा सकते हैं तो उसकी सिफारिश को माल की निकासी के समय सीमाशुस्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा ।
- 6. मुफ्त में संभारित की जाने वाली मूल विशापन संबंधी वह सामग्री वो एक ही परेषण में 2,000 रुपए के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से ग्रधिक न हो ।
- 7. विदेशी संभारिकों द्वारा मुक्त में संभरित माल या ऐसा माल औ पहले भाषात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए सुटिपूर्ण या अनुपयुक्त पाया गया हो या भाषात के बाद को गया हो टूट-फूट गया हो , उसके बदले में किसी बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री भीर विनिर्माता के दाने के महे भाषातित माल वगर्ते कि —

- (क) प्रिलस्थापम बाले माल का पोत लवान पहुने आयात किए गए माल के सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी की विधि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मंशीनों प्रथबा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी घवधि 24 मंशीनों से प्रधिक हो तो पोत लवान गांरन्टी प्रविधि के भीतर किया गया हो;
- (बा) जिल्ल मामले में विवेशी संगरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस गर्त पर किया गया हो कि भावातक प्रतिस्थापन के लिए बीमा भीर या भाड़े का भुगतान करेगा और धन परेषित करते समय स संबंध में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के प्रतिरिक्त किसी भी प्रकार के अन-परेषण की प्रनुपति नहीं वी जाएगी;
- (ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी समय निम्नलिखित वस्तावेज सौमा गुरूक प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे:—
 - (1) त्रुप्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्य के रूप में यह प्रविधित करते हुए मूल पक्त-कि माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है।
 - (2) लाइसेंस ऐजेन्ट से या किसी घन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक के सर्वेक्षण प्रमाणपत्न या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वावलम्बी, सनदी इंजीनियर (या सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाण-पत्न कि पहले घायात किया गया माल बास्तव में बुटिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की भावस्थकता थी;
 - (3) जिस मामले के उपर्युक्त उप खंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की घबिध के बाद पोत लवान किया गया हो तो उस भामले में मशीनों या उनके पुजौं के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारण्टी की घबिब प्रवर्शित करते हुए साक्य;
 - (4) नए सिरे से धन परेषण वाले प्रतिसायन प्रायात के सामले में बीमा कम्पनी द्वारा मांगे गए भुगतान का साक्ष्य । लेकिन, यह सरकारी विभागों के मामले में धावश्यक नहीं होगा बगार्ते कि प्रेषित धन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा वित मंत्रालय (अधिक कार्य विभाग) प्रणासनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो । प्रतिस्थापन प्रायात की अनुमति बीमा कम्प

ढ़ारा निर्णीत मांग के मूल्य तक की दी जाएगी, परन्तु इस धनराशि में 2 प्रतिशत की वृद्धि की श्रनुमति प्रति-स्थापन के रूप में झायात की जाने वाजी मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

- 8. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित प्रनृसोदन के साथ और उनके द्वार। निर्धारित किसी भनं के प्रधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संभरित मेथज और औषधिया/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल का निकासी के समय, सीमा णुक्क प्राधिकारियों की संयुद्धिट के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।
- 9. विदेशी संभरको द्वारा भारत में भीक एजेन्टो का मुक्त में संभरित भेषजों और श्रीषिधर्मी के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में 10 हजार स्थ्ये भिधकत हो और भारत में भीषिध नियंतक, नई दिल्ली के शिखित सिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमा मुख्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए इस्तुल की जाएगी।
- 10. भारत के आधि भियंत्रक नई विल्ली की लिखिल लिफारिश, माल की निकासी के समय सीमा गुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के छिए प्रस्तुत की जायगी, के भाषार पर मुक्त में या गृगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा।
- 11. पशुपालन मामुक्त, भारत सरकार, नई विस्ली की सिफारिश पर मुक्त प्रथवा भुगताम ५२ नेजे गए ५शु टोके जिसमें मुर्गी भावन-टोके भी शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।
- 12. कीटनाशी ध्रिधिनियम, 1968 के घन्तर्गत गठित पंजीकरण सिमिति द्वारा जारी किए गये पंजीकरण के धाधार पर और कीटनाशी घ्रिधिनियम, 1968 की घनुसूची के सम्मितित नदों के संबंध में सिमिति द्वारा विशिष्ट रूप में जीवनियम माता तथा उचत प्रधिनियम की धनुसूची में ध्रममितिल मतों के संबंध में भारत सरकार के संबंध सुरक्षा सलाहकार के लिखन धनुमोदन पर मुफ्त संखरित किए गये कीटमाशी (महामारी

- और षामपात नाशो सहित) के सकनोकी अार व्यापार नमूने साल के समाशोधन के लिए प्रस्तुस किए जाने हैं।
- 13. उपर्युक्त कम मं. (5), (10) से (12) में दर्शाई गई भदों के संबंध में, जहां पर मवें मुक्त में भेजी गर्नी हों, धनुमय माल के धायात की अनुभति उपभोदता या खुदरा पैतिःग में नहीं होंगी और प्रैतित माल पर साफ-साफ धक्षरों में नमूने बिकी के लिए नहीं, धकित होगी।
- 14. इस लाइसल के अंतर्गत भाषासित व्यापार सूची-पक्ष एवं परिपत्न खाके एवं क्रांका भीर तकनीकी अथवा व्यापार नमून के अध्यात के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा महीं आएगा भ्रष्या अध्या कर्या रूप से हस्तौतरित नहीं किया जाएगा।
- 15. इस व्यवस्था के अंतर्गत व्यापार नमूनों के रूप में अंतिम अपनोकता माल के प्रायास की अनुनित नहीं दी जायेगी तथापि जीद्योगिक लाइसेंत/पंजीकरण प्राथय-पलचारक वास्तिक उपनोकता देगके विनिर्माण के लिए ऐसी भवों को तकनीका के रूप में भागास करने के लिए पास होंगे।
- 16. यदि किसी भाग के श्रायात के समय उसके श्रायात पा प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विभियम लागू हो ती उस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पढ़िया ।
- 17. प्रस्तुत लाइसेस वास्तविक उपभोषताओं (अँबोनिक) आवातक को किसी एंडे काभार/अनुपालन से किसी समय भी उन्मूचित, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे भ्रष्ट्य कानूनों या विनियमों की मतीं के तहत पूर्ण करते हों। आयातकों को उनके लिए लागू श्रम्य सभी काल्मों के प्राथधानों का बन्यालन करना चाहिए।

है./-(सेकेन्द्र खना) सुक्य निवंशक, ज्ञायाध-निर्यात

भारत सरकार वाणिक्य मंत्रालय आयात व्यापार नियंत्रण

जावेश म 0 5/90—93 खुला मामाण्य लाइसेंस सं० 5/90 नई दिल्ली, 30 माची 1990

का. भ्रा. भ्रायात तथा निर्यात (निर्यक्षण) प्रथिनियम, 1947 (1947 का 18) को भ्राया 3 द्वारा प्रदत्त ग्रियशारों का प्रयोग नरते हुए केम्प्रीय एतर्द्वारा नि नश्लिखित शर्ती के भ्रपीन किसी भी

- (i) भारत सरकार, जिल्लान एव प्रोचोगिको विभाग उत्तर सन्दर्श मान्दरा प्राप्त अनुमधान एवं विकास यूनिटे '
- (ii) केन्द्राय प्रयक्षा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विज्ञानिक प्रयक्षा प्रमुक्तंभाव प्रयोगकालाएं उच्च णिक्षा लंग्याम स्था प्रस्ताल ।
- (iii) भारत सरकार द्वारा स्थापित टस्ट हाउस औद्योशिक माधक क्यूरों (वी झाई एस) द्वारा मान्यता प्राप्त ।

को उसके द्वारा अपेक्षित कच्चे माल, संघटकों, लपभोजयों, भशीनरी उपस्कर, यंत्रों, उपन्साधकों और श्रतिरिक्त पुत्रों की मदों का दिल ण सफीका और फिजी संघ को छोड़कर किसा भी देश से 1 सर्जेल. 1988 में 31 सार्च, 1990 तक भारत में आधात के लिए सामान्य शनुमति प्रदान करती हैं: ~

- (1) मायात निकासी के समय सोमा गुल्क अधिकारियों की केन्द्रीय भथवा राज्य सरकार जो भी हो, द्वारा प्रपत्ती मान्यता का विश्वरण देते हुए और यह घोषणा करते हुए कि आमातित मदे उनके निजी उपयोग के लिए अपेक्षित है, एक घोषणा पन्न प्रस्तुत करेगा। मनुसंधान और विकास एककों के मामले में बहु यह भी घोषणा करेगा कि मायातित माल अनुसंधान और विकास के लिए भाषण्यक है।
- (2) भारत सरकार, विकास एवं प्रोधोगिकी विभाग द्वारा माध्यता प्राप्त प्रमुखंधान एवं विकास सृमिटें भी प्रतिबंधित सृक्षियों में विए गए पूंजीगत माल तथा उपकरणों की प्रमुखंधान एवं विकास के उद्देश्य के लिए प्रायात करने के लिए प्रायात होंगी। प्रामुखंधान एवं विकास उद्देश्यों के लिए प्रपेक्षित व्यवसायिक यें इ उपभोक्ता माल का प्रायात भी खाने सामान्य लाक्षेंस के श्रन्तर्गत भागत किया जा सकता है वसते कि एक वर्ष में एक सम्बर से प्रिका कोई प्राइटन प्रायात किया जाए और उस एकल प्राइटम का मूल्य 5 लाख उपय से श्रिक्षक न ही। प्रमुखंधान और विकास संस्थान के प्रधान की यह प्रमाणित करना प्रपेक्षित होगा कि पूर्वरंगत माल औए उपकरणों की प्रतिबन्धित मदें प्राथाधा अध्यात किए जाने वाले यवसायिक ग्रेड उपभोक्ता कुरेबएस का प्रावध्यक्षणा ध्रमुखंधान एवं विकास पार्थों के लिए, अपेक्षित है।
- (3) इस प्रावधान के घन्तर्गन पुरानं। मणीनरी का प्राचात धनुमित नहीं किया जाएगा।

- (4) कस्प्यूटर/कस्प्यूटर सब-धिस्टम/कस्प्यूटर, पेरिफेरस्स या घाटात मी इलैक्ट्रानिकी विज्ञाग से पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने के परचान खूले सामान्य लाइसम के घटीन किया जा सकता है। तथापि, सभी व्यक्तियों द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस के घरतांत घनुमत कस्प्यूटर और कस्प्यूटर निस्टम के ग्रायात के लिए इलैक्ट्रानिक विभागकी पूर्व-स्वोकृति लेनी ग्रायएयक मही होगी।
- (5) इस प्रकार भाषातित माल का उत्पादन श्रथवा विनिर्माण विकाण भाकीका संघ और फिजी में न किया गया हो।
- (6) व्यवसायिक ग्रेड उपभोक्ता बुरेबल्स के मितिरस्त कार्यालय मणीनों और उपभोक्ता माल का भागत करना मनुमित नहां होगा ।
- (7) अनुसंघाम एवं विकास के प्रयोजनायं किसी मी प्रकार के जीवित एवं तनुकारी माइकोआर्थेनिज्य के मायात के मामले में, सीमाशुक्त निकासी के समय सीमाशुक्त प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि विभाग के पशुनासन मासुकत की पूर्व अनुसति प्रस्तुत करनी चाहिए।
- (8) भाषातक पत्तन से माल की निकासी के 30 दिनों के भीकर नीचे संकेतिक प्राधिकारों को प्रत्यक एक लाखा रूपए ग्राथवा इससे प्रधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा प्राथातित साल का विवरण प्रस्तुत करेगा: --
 - (1) मनुसंधान एवं विकास एकको आर नैज्ञानिक सथा मनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामल में विज्ञान एव प्रीयोगिक विभाग, नई दिल्ली एवं मुख्य नियंत्रक' पायान-नियंति को भी इसकी भुवना दी जाए।
 - (2) इलीक्ट्रानिक मदों के संबंध में, इनौक्ट्रानिक विभाग विल्ली की ।
 - (3) तकने की विकास महानिवेश नय नई विल्ली को उम सामलों में जिसमें एकक उनके पास पंत्रीकृत किया गया हो।
 - (→) चिकिस्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हो, के सामले में, केन्द्रीय प्रयक्षा राज्य सरकार के संबद्ध प्रशासकीय मझालय की ।
 - (अ) यह लाइमीस ग्राथात (नियंत्रण) प्राप्तेण, 1955 की धनुभूषी-5 में सर्वे । के भी धर्धान होगा ।
- (10) ऐसा गाल बिना किसी रियावर्ता धर्माध के, धाहे यह ध्रवधि कुछ भी हो 31 भार्च 1993 मेंने या उससे पहले भारत को लदान कर दिशा गया हो प्रथया फरवरी 1993

- की अंतिम तिथि को या उससे पहुसे की गई और विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साम पंजीकृत पक्की संविद्या के महे/मजीनरी/उपस्कर/अतिरिक्त पूर्जों के सामले में अगक्षे 31 मार्च 1994 को अथवा इससे पहुले आरत की परेषण के माध्यम से सवान कर विया गया हो।
- (11) उपर्युक्त मतं सं 10 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोक-हित में सरकारी राजस्व में सार्वजनिक सूचना जासी करके बुले सामान्य नाइसेंस में से ली गई किसी की मद के मामले में, मरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का प्रक्रिकार है जिसके द्वारा सार्वजितिक सूचना जारी करने की तारीज से पहले पाल आयातकों द्वारा जौले गए और स्थापित किए गए प्रपरिवर्तनीय साखपक द्वारा समर्पित पक्के प्रावेशों के मदे पीतलदान किया जाना चाहिए । प्रस्य प्रकार के प्रावेशों के मामले में ऐसी कोई सुरक्षा व्यवस्था खपलका नहीं है ।
- (12) यदि माल के माबात के समय उसके ब्रायात पर प्रमान ठासने बाता कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस माइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (13) यह लाइबेंस ऐसे किसी भी पाशार या ऐसी किसी भी सतें का प्रतृपालन करने से किसी भी समय उन्मृक्ति, रियायत या बोच्य प्रवान नहीं करता है जिस प्राक्षार या सतें के लिए बास्तविक उपयोक्ता (बीखोगिक) या भ्रायात प्रन्य कानूनों या विनियमों के प्रश्नीन हो । भ्रायातकों को उनसे लागू प्रन्य सजी कानुनों की मतों का पासन करना चाहिये।

ह*्रां-*(ते वेग्द्र सन्ता) मध्य निर्यसक, सामात-निर्यात

वाशिक्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

पारेम सं • 6/90--93

बुला सामान्य लाइलेंस सं० ७/९०

नई किल्ली, 30 मार्च, 1990

का० पा० प्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केण्डीय सरकार एनदकारा निम्निलिशित सर्सों के प्रधीन दक्षिण प्रफीका सप्त पिक्जी को छोड़कर किसी भी देश है 1 अप्रैल, 1990 से 31 भार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय-समा वर जारी की गई सार्वजनिक सूचना के बारा यपानशोधित प्रायात एवं निर्यात होति 1990—93 (खंड 1) के परिशिष्ट-3 में निहित संबद्ध मर्सों के आमने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीवद्ध) प्रभिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में बिष्ट-इत माल का भारत में प्रायात करने की सामान्य श्रमुप्त देती है।

- (1) भाषात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के महे किया जाएगा।
- (2) मार्थातित माल का मितरण संबद्ध सरणीबद्ध प्रतिकरण द्वारा निर्वारित नीनि और कियाबिधि के पनुसार किया जाएमा।
- (3) इस तरह भायात किया गया माल विकाश भ्रकीका सक/फिजी में तैयार भ्रथवा विनिमित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लवान बिना किसी रियायती समित के नाहे जो कुछ भी हो 30 सितम्बर, 1994 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर विए जाते हैं। बावर्ते कि 31 मार्च 1993 की या इससे पहले पक्के भारेश कर दिए गए हों।
- (5) उपर्युक्त शर्न सं० 4 में दी गई स्थंबस्या के बाबजूब भी लोक-हित में सरकारी राजपक्ष में सार्वजनिक सूचना जारी करके बुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में

सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार जिसके द्वारा सर्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय सावापत्र द्वारा धर्मित पक्के आदेशों के महे पोत्तकवान किया जाना चाहिए।

- (6) यह लाइसेंस पायात (नियंश्लण) भावेश, 1955 की मनुसूर्वा-5 शर्त-1 के मी मधीन होगा।
 - (7) इस प्रकार के माल का धायात करते समय लागृ कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के ग्रन्तगैन किसी भी प्रकार के माल के भायातों की प्रभावित नहीं करेगा।
- (s) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी भाषार या ऐसी किसी भी धर्त का भाषुराजन करने से किसी भी समय उम्मुक्ति, रियायत या किस प्रकार नहीं करता है जिस भाषार या धर्म के लिए बास्तविक उपयोक्ता (शौद्योगिक) या भागातक मन्य कानूनों या विनियमों के भाषीन हो । भायातकों की उनसे लागू भन्य सभी कानूनों की अली का पालन करना चाहिए।

ह्-/-(तेजेंग्द्र खश्ना) मुख्य नियंक्षक घायात-निर्यात

(फाइल मं. धार्ष.पी.सी. 3/5/90)

भारत गरफार

वाणिज्य मंत्रासय

आयात व्यापार निबंत्रण

.मादेश **त**० 7/90---93

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 7/90

नई दिल्ली, उंग मार्च 1990

का॰माः प्रापात निर्मात (नियंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रक्त अधिकारों का प्रयोग करते द्वार केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिमों, जुड़नारों, मोल्डस, डाइग एवं रेटनें (रंगीन रोलर डाईज सहित), मोल्डस (डाया क्रामिक के लिए मोल्डस सहित) और प्रेम सहित (और प्रेम औजारों) मरकारी राजपत्र में समयसमय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचना द्वारा ययासंकोधित [1990—93 की घायान निर्यात नीति (खंड-1) के परिशिष्ट-1, मागक, 2 और 3 चाग क में प्रविधित से किथे] और उनके पृजी के भारत में घायात की सामान्य, अनुमति 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्थ 1993 तक विधाण ध्रफीका संय/पिजो को छोड़कर विसी भी देण से निम्नलिखित करतें के घायीन वैती है:—

- (1) धायालक प्रवने निर्णा संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मदी की ध्रायव्यकता रखते हुए महानिवेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या संबद्ध राज्य के उद्योग निवेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्त-विक उपयोक्ता (श्रीधोगिक) हो,
- (2) इस प्रकार ग्रायास किया गया माल नए निर्माण का होगा।
- (3) अधिगिक लाइसेस पंजीकरण प्रयांत बीखोगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोक्ता को जारी किए गए भीखोगिक लाइसेंस/ पंजीकरण संख्या तथा दिलांक और धिनिर्माता अंतिम उत्पाद के ब्यौरे देते हुए संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संभद्ध सीमाणुक्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्न यह शपध लेते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/ पंजीकरण न ती रह किया गया है, न वापस लिया गया है और न ग्रन्थ प्रकार से मप्रभावी किया गया है, जिल मामलों में सबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रलग पंजीकरण संख्या माबंदित न की गई हो उनमें घायात्मक सीमा शुक्क प्राधिकारियों की संदृष्टि के लिए प्राय्य उचित्र गांक्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) यह लाइमेंस भायात (नियंक्षण) भादेश, 1955 की भनुसूची 3 में भर्त सं० 1 के भी भ्रधीन होगा।
- (5) इस प्रकार भाषात किया गया माल दक्षिण भक्तीका संघ और किजी में उत्पादिन या विनिर्मित न हों।

(6) ऐसे माप्त का पोतलवात 31 मार्च, 1993 को या इससे पूर्व भारत की प्रेयण के अधीन से या फरवरी की ग्रीतम तिथि को या इससे पहले खोले गए धर्पारवर्तनीय साख्यपत्तों के लिए पक्षे आदेशों के महैं 31 मार्च, 1994 को या इससे पूर्व कर विया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किसी किसमें की रियायतों अवधि की स्थीफ़ित नहीं थी जाएगी।

<u>and all the second and the second a</u>

- (7) उपर्युक्त कर्त संख्या 8 में दी गई क्यबस्था के बावजूद की सोकहित में सरकारी राजपत्र में सार्यजनिक सूचना आरी करके खुले सामान्य लाइसेंस मे से ली गर्ट विसी भी मद के मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का मामले में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का मधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी वरने की सारीख़ से पहले पात्र भागातकों हारा खोले गए भीर स्थापित किए गए भारिवर्तनीय साख पत्र हारा समर्थित पत्रके म्रादेशों के महे पोतलदान किया जाना चाहिए । अन्य प्रकार के भारेकों के माम के में किसी भी प्रकार की सुरका ध्यवस्था उपलक्ष्य मही होगी।
- (৪) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके भागात को प्रभावित करने वाला विशियम इस लाइसँस के भंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (भौद्योगिक) जब झन्य कामून या विभियमों की शतों के झछीन झाता हो उसे वाधिक या किसी झावस्यकता का अमुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, दृष्ट या ढील प्रचान नहीं करता है। सामातक को इस लिए लागू झन्य कानुमों का झनुपालन करना चाहिए।

ह०/-(तेजेन्द्र सम्ना) मुक्य निर्यंतक ग्रायात-निर्यात

(फाइल सं⇒ 3/5/90 माईं•पी॰सी॰)

मारत सरकार

वाणिज्य मंद्वालय

आयात-ज्यापार नियन्त्रण

आवेश सं. 8/90--93

खुणा लाइसेंस सं. 8/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का मा. प्रायात तथा निर्मात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रयत्त माक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा निम्नलिखिल शर्ती के प्रधीम विकाण अफीका सैंग/ फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 धप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक तेल सथा प्राकृतिक गैस भागोग (भो.एन.जी.सी.), भायल इंडिया लिं०, भारतीय गैस प्राधिकरण लिं०, में भारत स्वर्ण खान लि. भीर भारतीय रहील प्राधिकरण लिं० (एस०ए०६।ई०एल०) द्वारा कच्चे माल की मदो, संघटकों, उपभोज्य मगीनरी, उपकरण भौर यन्त्र, उपसाधकों, भोजारों भीर ग्रातिरकत पुर्जी (किन्तु उपभोज्य माल को छोड़कर, चाई उसका उल्लेख किसी भी प्रमार बयों न थिया गया हो) भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।

- (1) तेल एवं प्राकृतिक गैम अधीग (भी. एन. जी. भी.), आयल इंडिया लि. और भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमित मदें वे होंगी जिनकी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्राध्य के अधीन तेल उद्योग में देणीय क्षमता के दृष्टिकीण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देणीय दृष्टिकीण से अनुमित प्रदाम कर दी हो। इसके लिए साक्ष्य सीमा मुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। नीचे (4) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकीण से स्वीकृति अपेक्षित नहीं होगी। परिणिष्ट—1 भाग ख में दी गई मधीनरी, और अनुमेय असितिक पुर्जों के भाय।त के लिए तेल उद्योग में देशीकरण पर अधिकर प्राप्त सिमिति की भनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।
- (2) मैसर्स भारत स्वणं खनिज लि. द्वारा भायात करने के लिए अनुमित की गई थे भवें होंगी जिनकी महानिवेशक ठकनिकी विकास नई दिल्ली ने देशीय वृष्टिकीण से अनुमिन प्रदान कर दी हो। परिशाट-1, भाग-'खं में दी गई मशीन तथा अनुमेन प्रदान कर दी हो। परिशाट-1, भाग-'खं में दी गई मशीन तथा अनुमेन प्रतिस्कत पुजी के आयात के लिए स्ववेशी वृष्टिकीण से निकासी धावश्यक नहीं होगी। समुग्नी इनैक्ट्रानिक उपकरण और पुजें हैं, तथा ब्रूरसंचार उपकरण शामिल हैं किन्सु इस नीति के पैग 6(17) के प्रन्तर्गत प्रांग प्रांग वाले दूरसंचार उपस्करों के प्रशाव प्रायात केवल इनैक्ट्रानिक विभाग द्वारा अनुमति देने के प्रयान ही प्रमुपित किया जाएगा। यदि ऐसे नियंतों का मूल्य 25 क. से प्रधिक होगा सो पैरा 6(17) के प्रन्तर्गत धाने वाले दूर संचार उगस्करों के लिए दूर संचार विभाग (दूर संचार समिति) की पूर्व धनुमति धावश्यक होगी। इस बारे में साक्ष्य सीमा। गूल्क प्राधिकारियों का प्रमुत किया जाएगा।
- (3) भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि॰ द्वांरा ग्रायात के लिए प्रनुमित सदें वे होंगी जो दुर्गापुर, राउरकेला ग्रीर सुरनपुर (भारतीय लोहा एवं इस्पात कम्पनी में) इस्पात संयंक्षी भी परियोजनाओं के ग्राद्युनिकीकरण के लिए ग्रेपेक्षित है ग्रीर जो स्वयंशी कोण से सचिव की अध्यक्षता (इस्पात) के ग्रन्तगैत ग्रिधिका समिति द्वारा मुक्त है। इस प्रभाव का

प्रमाण सीमा शुक्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। परिशिष्ट-1, भाग-ख भीर भनुमित भतिरिक्त पुर्जे में दी गई मशीनरी के भागाल के लिए स्वदेशी निकासी भ्रपेक्षित नहीं होंगी। भागत केवल इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारो मुक्त विदेशी मुद्रा के महें ही किया ज.एगा। परि-शिष्ट-1 भाग-ख भीर भनुमित भतिरिक्त पुर्जे में दी गई मशीनरी के भागत के लिए सक्षिकृत समिति द्वारा निकासी भागण्यक महीं होंगी।

- (4) भाषात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशों मुद्रा के महे किए जाएंगे लेकिन नीचे के पैर। (5) भीर (6) में भ्राने वाले को छोड़कर।
- (5) जहां सर्विस संविदाएं उस विवेशी टेकेंदार को दी गयी है, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, बगतें कि (क) ऐसे उपकरणों के मायात के लिए मुगतान न किया जाना हो मौर (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस स्रायोग, मैसमें आयल इंयिया लि./भारतीय गैस प्राधिकरण लि. यह अचन दे कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे उन मुद्दों जिनकी खपत भ्रयंथा भ्रप्राप्य गुम भ्रथवा खराव भ्रथंवा स्केपड हो चुकी हैं, को छोड़कर जिन्हें तेल भीर प्राकृतिक गैस भ्रायोग, भारतीय तेल लि० तथा भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा प्रमाणित किया गया हो। यवि आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या कैमरा जो किसी मद के साथ जुड़ा दुधा हो भीर जो उसके पुजें के रूप में हो तो ऐसी कंज्युमर ख्यूरेवल्स का आयात, भी. एन. भी. सी. मुख्य उपकरण के साथ उसका पुन: निर्यात करने के लिए दिए गए चन्नन के मधीन होगा।
- (6) जहां सर्वश्री मजगांव डाक्स लि. अथवा सार्वजितिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अव्य उपक्रम की आफ-शोग/ग्रान-शोर संविदा दी जाती है और विवेशी इंजीनियरों/विशेषकों की सेवाएं कार्यों की पूरा करने में लगीं हुई हैं और ऐसे इंजीनियरों/विशेषकों, कार्यों के निष्पादन के लिए भौजार, यंत्र और उपस्कर लाते हैं, बशतें कि (क) विषयाधीन माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मझगांव डाक्स या अव्य सार्वजितिक क्षेत्र का मंगठन यह बचन देना है कि आयातित श्रोजार यंत्र और उपस्कर उन कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।
 - (7) भाषाम "बास्तविक उपयोक्ता" गर्त के मधीन होगा।
- (8) यह लाइसेंस भायात (नियंत्रण) भादेण, 1955 की भनुसूबी-5 की गर्त-1 के भन्नीन होगा।
- (9) इस तरह फ्रायात किया गया माल दक्षिण अफीका संघ में स्नौर फिजी में तैयार श्रयका विनिर्मित न किया गया हो।

- (10) घारत को ऐसे माल का लघान दिन किसी रियायती घर्वाध्र के धाहे जो कुछ भी हो, लाइसेसिंसग वर्ष की 31 मार्थ को या इससे पूर्व परेपण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मणीनरी घौर अतिरिक्त पुणों के मामले में इसका लवान लाइसेसिंग वर्ष की फरवरी की घंतिम तिथि को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के घ्यापारी (बैंक) के साथ पंजीहत की गई पक्की संविदा के महे झगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्थ को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।
- (11) उपर्युक्त भार्त सं. 10 में दी गयी व्यवस्था के बावजूद मी सोकहित में सरकारी राजपक्ष में सार्वजितक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार की ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का प्रधिकार है जिसके द्वारा सार्वजितक सूचना जारी करने की तारीख से पहले कच्चे माल, सचटको भौर उप-भोज्य के मामले में खीले गए और स्पापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्न द्वारा समर्पित पक्के आदेशो के महे भौर पूंजीगत माल भौर आतिरिक्त पुर्जों के मामले में विदेशी मुद्रा ब्यापारी (बैंक) के साथ किए गए और पंजीकृत किए गए पक्के ठेके के महे पौत-सदान किया जाना खाहिए ! मन्य प्रकार के झादेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा क्यारना उपलब्ध नहीं होगी ।
- (12) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कीई भी निषेष भयवा उसके आयात को प्रभावित करने बाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (13) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी श्राक्षार या ऐसे किसी भी गर्न का पालन करने के किसी भी समय उन्मुक्ति रियायस या बील प्रदान नहीं करता है जिस धाभार या गर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औधोपिक) या भायात भन्य कानूनों या विनियमों के भ्रष्टीन हो । भ्रायातकों की उसमें लागू भ्रन्य मभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

हः/--(तेजस्क्रावन्ता) मृण्य नियलक कानान निर्वात

(फाइल सं०--माई० वि०नी०-3/5/90)

वाणिज्य भंद्रालय

श्रायात स्थापार नियंत्रण

मादेश सं**० 9/80--9**3

खुला सामान्य पादेश सं० 9/90

नई विरुली, 30 मार्च, 1990

का०भा० मायात तथा निर्मात (नियंतण) मधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रवस प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्-द्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित गतों के प्रधीन 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइन्स वायुद्धत सि० पक्त हुंस लि० भीर प्रन्य उन एयर लाइनों को ओ धाई ए टी ए के सदस्य हैं, भीर इसके भन्तर्गत विशिष्टिकृत श्रीणयों को अतिरिक्त पुजी, उपभोज्य सामग्री 1990--93 (खंड-1) को भाषात-निर्यान नीति के परिशिष्ट-5 भाग-ख के भन्तर्गत थाने वाली ग्रीज भीर स्नेहक को छोड़कर एयरकापट के टायर और दयवस, पुस्तिकाभों तक्तनीको इाइंग भीर उनके द्वारा संचालित और रिशत एयरकापट के पलीट के सम्बद्ध निर्वेशन भीर अन्य सकतीकी साहित्य भीर संबंधित परिक्षण भीर प्रशिक्षण उपकरणों को भाषात करने की स्वीकृति प्रवान करती हैं:----

- कोई सी उपभोज्य सामान बाहे उसका किसी भी प्रकार से उल्लेख क्यों न किया गया हो, इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के घंधीन उसे भायात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- 2. भायातिल मर्दे "वास्तविक उपयोक्ता शर्त" के भेधीन होंगी ।
- 3. निकासी के समय प्रायातक एयरलाइन्स और प्राई ए टी ए के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के ब्यौरों को दशित हुए सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
- 4. एकजीक्यूटिव/ट्रीनग एयरकापट के मालिक बाहे निर्जा या सार्व-जिनक क्षेत्र के हों, खुला सामान्य लाइसेंस के मधीन प्रपने एयरकापट के रख-रखाब के लिए, सीमागुरूक को इस धाशय का साव्य प्रस्तुत करने पर, म्रतिरिक्त पुत्रों (मनुभेय भीर प्रतिबंधित वोमों) का भायात कर सकते है, कि मितिरिक्त पुत्रों के भायात की निकासी महानिदेशक नागरिक उक्टयन, नई विस्ती में कर वी है।
- ग्रायातित माल दक्षिण ग्रफीका सथ और फिजी से और या बहुं। उत्पादिस या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।

- 6. भारत को मास का लवान बिना किसी रियायती भविष के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च 1993 को या इससे पूर्व परेबण माध्यम से कर दिए जाते हैं।
- 7. उपर्युक्त गर्त सं० ७ में दी गई स्थवस्था के बावणूद भी लोकहित में सरकारी राजपल में सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार की ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का मिसकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाल आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपण द्वारा समिवत पक्के आदेशों के महे पोत लवान किया जाना चाहिए। प्रन्य प्रकार के आदेशों के मामले में किसी प्रकार की पुरका स्थवस्था उपलब्ध नहीं होगी।
- यह लाइसस प्रायात (नियंत्रण) प्रायेश 1955 की भनुस्वी-5
 की शर्त-1 के प्रधीन होगा।
- 9 इस प्रकार के माल का प्रायात करते समय लागू कोई भी निषेध शंथवा उसके धायात को प्रभाविस करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के धायास की प्रभावित नहीं करेगा ।
- 10. यह लाइसेंस ऐसं किसी भी भाभार या ऐसी किसी भी शर्त का भागुपालन करने से किसी भी समय जन्मुक्ति, रियायल या बील प्रदान महीं करता है, जिस भाभार या शर्त के लिए बास्तविक जपयोकता (औद्योगिक) भन्य कानृनों या विजियमों के अधीन ही भागातकों को जनके लागू भन्य सभी कानृनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह*्।-*(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य नियंत्रक सामात-निर्मात

वाणिश्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

पार्वेग सं० 10/90---93

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का० घा० आवात त्रा निर्मात (निर्मलण) प्रक्रिनियम, 1947 (1847 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपक्ष में एक सार्वजनिक सूचना जारी करके समय-समय पर यथा संशोधित इसमें संलग्न धनुसूची में विशिष्टिकृत क्यौरों की मवों का, प्रत्येक मव के सामने संकेतिक पात वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 सक दक्षिणी प्रक्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी वेश से निम्नलिखित शर्तों के घष्ठीन भारत में यायात करने को सामान्य धनुमित वेती है:—

- प्रनुस्वी में प्रत्येक मद के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिधिष्ट उद्देश्य के लिए मायात किया जाएगा;
- (2) संलग्न अनुसूची में कम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिक्तरमा औजार प्रादि वैज्ञानिक औजार और मोटर वाहन सथा कृषि ट्रैक्टरों के प्रतिरिक्त पुजों के मामले में, पात प्रायातक इस प्रावधान के प्रधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही प्रायातित ऐसे माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा मुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय पोषणा पत्न वेगा।
- (3) मोटर बाहुन और कृषि ट्रक्टरों के प्रतिरिक्त पुर्जों के मामले में प्रायातक की सीमा गुल्क प्राधिकारी की, मोटर बाहुन प्रधि-नियम, 1939 के प्रधीन करों के प्रधातन पुगतान/छूट के साक्ष्य सहित, संबदा बाहुन या ट्रैक्टर का वैष्ठ पंजीकरण प्रमाणपद्र भी प्रस्तुन करना होगा।
- (4) पुराने कम्प्यूटर/कमप्यूटर वैस्ड सिस्टम का ब्रायात प्रनुमित नहीं किया जाएगा ।
- (5) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती भविध के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के अस्पि भेजें गए हों,
- (6) उपर्युक्त शर्त सं० (5) में क्षी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपद में सार्वजांने ह सूचना जारी करके खूले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामने में, सरकार को ऐसी सगय सीमा निर्वारित करने का मोधकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय माला पन्न द्वारा सम्यित पन्के मादेशों के मेंदे पोत-लदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के धादेशों के मामले में किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी।
- (७) भाषात "वास्तविक उपयोक्ता" सर्त के अधीन होगा।
- (8) यह खाइसेंस भागात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूर्णी-5 की कर्त--1 के अधीन होगा।

- (9) इस प्रकार के माल का वास्तव में प्रायात करते समय लागू कीई भी निषेष्ठ श्रयका उसके श्रायात की प्रभावित करने वाला विभयम इस लाइमेंस के अंतर्गेत किसी भी प्रकार के माल के लायात को प्रभावित नहीं करेगा।
- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी धामार या ऐसी किसी भी गर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्भुक्ति, रियायत या बील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या गर्त के लिए बास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या आयातक प्रत्य कानूंमों या विनियमों के अधीन हो। श्रायातकों की उनसे लागू अस्य सभीकानूनों की गर्तों का पालन करना पाहिए।

ह०/-(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य नियंत्रक ग्रायात-निर्धात

(फ़ाइल सं० माई०पी०मी० 3/5/90)

श्रुले सामान्य लाइसेंस सं॰ 10/90, दिनांक 30 मार्च, 1990 लिए मनुसूची

3 (1) मस्पताल और चिकित्सा संस्था-
() अस्ताकास भीत विक्रिकार संस्था
(1) मस्ताल जार जाकरता सरपानीं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे भायातित माल का जागत बीमा भाड़ा मूल्य एक लाख क्ष्मण्य से भिष्टिक होता उसके निजी उपयोग के लिए बशर्त कि किसी भी एक समय में ऐसे भायातित माल का लागर बीमा भाड़ा मूल्य दम हजा क्षम महीं होगा और

में ऐसे हुजार रुपए से

2. (क) चिकित्सा असमे शस्य े चिकित्सा ग्राप्टिकल और वन्स चिकिरसा संबंधी औजार, उपकरण भीर यंक्ष और बदलाई के पुर्जे और उसके धनुषंगी एवं दन्त चिकित्सा सामान भी शामिल है।

2

- (ख) भायात निर्यात मीति 1990-- 93 (खण्ड-1) के परि-शिष्ट 6 की सूची में दर्शाई गई शाल्य चिकित्सा के लिए सीवत भीर मुद्दयां
- 3. एवस-रे-इन्टेंग्सीफाइग १कीन

4. वैज्ञानिक और मापम भौजार एवं रमायत

 परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार बोर रसायन

राज्य औषध नियंक्षक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में पन्नास हजार रुपए (लागत बीमा भाड़ा) तक के कूल मूल्य के लिए औषध तथा श्रुगार प्रसा-धन मधिनियम, 1940 में अन्त-र्गत धनुमोवित परीक्षण पयोग-शालाएं।

 मोटर बाहन और इवि दैवटों के (i) वह व्यक्ति जिसके पास झाया-मितिरिक्त पुजें

तित बाहन है, उसके द्वारा उसके स्थयं के उपयोग के लिए एक जित्तीय वर्ष के बौरान वस हजार स० सःगत बीमाभाडाम्स्कत्का

मायातित माल का लागत बीमा भाका मूल्य पचीस श्रिषक महीं होगा ।

3

- (1) प्रस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वंय के उपयोग भायाति माश का लागत बीमा भाड़ा भूल्य एक विसीय वर्षं के दौरान चार लाख रूपए से अधिक नहीं होगा।
- (2)पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बगर्ले कि ऐसे भागातित माल का लागत बीमा माहा मुल्य एक विसीय वर्ष के दौरान दस हजार रुपए से ष्मधिक नहीं होगा।

धस्पताल और रेडियोलाजिकन विश्वनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बगर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे भायातित माल का लागत बीमा माड़ा मुख्य एक लाख रुपए से मधिक महीं होगा।

विज्ञान तकमीकी इंजीमियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में भीमा गुल्क प्राधि-कारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बद्धार्ते कि एक वित्तीय वर्ष. के धौरान ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रूपमें से प्राधिक नहीं होगा ।

2

1

- (ii) बहु स्थक्ति जिसके पास मामातित बाहन/कृषि ट्रैक्टर हैं, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पाच हजार रुपए लागत बीमा माड़ा मूल्य तक।
- 7. प्रश्यवसायी रेडियो संचार उप-स्कर जिसमें क्टिस, उपसाधित (घन्टीना, रोटरी मोटर, फीड लाइन, स्टेडिंग वैव रेडियो पिज सहित) यंत्र, अतिरिक्त पुत्रें और संघटक शामिल हैं। उपस्कर निम्नलिखित फीमवेसी रेंज और पावर सीमाओं के भीतर समरूप हों।

लाइसेंसधारी रेजियो भन्यवसाईयों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिका-रियों को साध्य प्रस्तुत किया जाएगा) बशर्ते कि एक विसीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे माल का नागत बीमा भाड़ा मृत्य बोस हजार रुपए से अधिक न हो भारत सरकार संचार मंत्रालय वायरलैस योजना एवं समस्वय स्कल्ध की पूर्व अनुमति के बिना भागातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तौसरित नहीं किया जाएगा।

I. हाई फीकवैंसी वैंड (एच एफ)

T. 616 3114411 40 (44 44)	
1820 1860 किली हुटंज	150 बाट
35003708 किलो ह र्देज	150 বাত
3890 3900 किलो ह र्टंज	150 बाट
7000 7100 किलो हर्ट ज	150 बाट
14000 14350 किलो हुटैज	150 ਵਰਣ
18068 18168 किलो ह ै ज	150 वार
21000 21450 किलो हर्टज	150 बाट
2489024990 किलो हर्टज	150 बाट
2800029700 किलो हर्देज	150 बाट

IL वेरी हाई फोक्नैंसी (बी एच एफ)

फोक्वैंसी रेंज	प्राउट -प् ट
	निमिट
144 146 मेगा परेज	25 बाट

III. ग्रस्ट्रा हाई फीक्वैंसी (यु एच एफ) माइकोनेव

फ्रीक्वेंसी रेंज	प्राउट-पुट पाचर लिमिट
1266 1300 मेगा हटज	25 बाह
3300 3400 मेगा हर्ट ज	25 बाट
5725 5840 मेना हर्टज	25 बाह

टिप्पणी:--व्यासमापन के प्रयोजनार्थ हाई फीक्वेंसी ट्रान्सरिसीवरों में या 10 एम एच जैंड या 15 एम एच जैंड मानक फ्रीक्जेंसी रिसेपसन मुविद्या भी शामिल है।

अ जिम्तिविखित न्यूनतम विन्यास या प्रधिक के कम्प्यूटर ग्रीर कम्प्यूटर धाधारित सिस्टम, बपार्ते कि प्रायात एक खेप में सभी व्यक्तियों द्वारा अपने प्रयोग के लिए किया गया है:---

(क) द्वापरेटिंग सिस्टम सोफ्टवेयर:+के न्यतनम 32 बिट वर्ड लेंग्ब बाले सीं पी व पूर

1 Ţ (चा) प्रत्येक सी०पी० यू० पर 64 एन० बी० या प्रधिक की मेन भारतीय बाल फिल्म सोसायटी मेमोरी। भपने उपयोग के लिए , उनके नाम में सरकार द्वारा रिलीज (ग) 5090 एम०बी० या अधिक +की डिस्क स्टोरेज कैपसिटा की गई विदेशी मुद्रा के घाधार (घ) त्यासतम 100 एम बी ०/सेक की आई/मीर बैण्डविद्धा खले सामान्य लाइसेंस की इस सुविधा के ग्रधीन टर्मिनली की संख्या (2) बीडियो फिल्में दूरवर्णन भौर भाल इंडिया 10 तक सीमित होगी तथापि, विन्यास में वर्क स्टेशन शामिल रेकियो उनके नाम में सरकार द्वारा रिलीज की गई विदेशी "_{9.} निम्नलिखित विशिष्टिकरण (क) यानो की मूल चैसिस के मुद्रा के म्राधार पर । के बस घौर ट्रफ के टायर विनिर्माता जो ऐसे यानो के विनिर्माण में उक्त टीयरों भारतीय बास फिल्म सोसायटी (3) प्रधानत बच्चों के लिए 1000X 20-16 पी भार श्रपने उपयोग के लिए सरकार 1000x20--14पी भार का उपयोग करते है। भभीष्ट विदेशी रूपक (ख) मोटर यान प्रधिनियम, नीडियो द्वारा उनके नाम में रिलीज 900X20—16पी मार फिल्मों के की गई विदेशी मुद्रा के घाषार 1939 (1939 町 4) 900X20—14पी भार राष्ट्रम की द्वारा 68 के खण्ड (ख) 900x20---12पी घार पर । में निर्विष्ट राज्य सड़क परि-(रिष्यक लग मौर सेमि---लग प्रकार के नाइलान टायर) बहुन उपक्रम । 11. न्यूज किलपिंग सहित आहियो---केन्द्र सूचना एवं प्रसारण संज्ञालय द्वारा यथा प्रमाणित बास्तविक विज्युत्रल स्यूज या आहियो-(ग) राज्य सङ्क परिवहन उप-विज्युमल न्यूज मैटीरियल उपयोक्ता । कम संगम जो सोसाइटी रजिस्टीकरण मधिनियम 12. परिवहन उद्योग द्वारा अपेक्षित दुकान/प्रतिष्ठाम स्थानीय कानून 1860 (1860 軒 21) के भधीन पंजीकृत सरकारी निम्नलिखित उपस्कर उपकरण के प्रधीन रिजस्ट्रीकृत सोसा-थिभाग/गैराज भौर वर्तभाप इटी है वेखिए 1965-66 एगजौस्ट गैस एनालाईजर की रजिस्ट्रीकरण सं. एस-2815 तारीख 2 घरस्त, 2. स्मोकमीटर 1965 I 3. ब्रेक टेस्टिंग मशीन (ब्रेक बाइनेमों मीटर) (घ) यानों के स्वामिमों के ऐसे हैड लाइट एम टेस्टर संगम जिममें उक्त टायरों का उपयोग किया जाता है फ्रस्ट क्षीय एलाइनमेन्ट टेस्टर भीर वे उस रूप में भारत 6. शांक ए**बजोबं**र टेम्टर सरकार के भीषोगिक विकास विभाग द्वारा इस निमित्त 7. प्से डिटे**न्ट**र. उनके द्वारा बनाई गई स्कीम के भनुसार भनुमोदित है। 8. च्चील स्पाइनियर 9. इंजिन परफोर्मेन्स के बास्तविक (क) भ्र<mark>िषकारी, प्राधिकारी,</mark> उप-टेस्ट के लिए किंग टेस्टर कम किसी राज्य सरकार के द्यञ्जील विभाग या सन्य 10. सिगर्नालग इक्विपमेंट टैस्टर निकाय जो संबंधित संस्कार द्वारा स्थाबोमीटर टेस्टर उक्त टायरीं का ग्रायात करने के लिए प्राधिकृत है मौर जा 12. ब्रेच एनालाइजर (श्वास में घल्कोहल उस रूप में भारत सरकार के की माझा मापने के लिए) भीद्योधिक विभाग द्वारा इस

13. सिम्यलेटर (कुशल बुद्धिय के

14. कोलैपसिबल स्टीयरिंग कोलम

के गैडोग्राफ)

इक्विपर्मेट ।

रिफलेक्सन के प्रशिक्षण के लिए

सहायक के रूप में स्म्यिलेटर प्रकार

नी जांच के लिए भपेशित टेस्टिंग

10. (1) अपपक्ष फिल्में

दूरवर्गन भाल इंडिया रेकियों भारत का राष्ट्रीय <u> फिल्म</u> धभिलेखागार भारतीय फिस्म एवं दूरवर्णन संस्थान

निमित्त उसके द्वारा बनाई गई

स्क्रीम के अनुसार अनुमोवित

बाणिक्य मंद्रालय

श्रायात ज्यापार नियंत्रण

भावेश सं. 11/90-93

चुला सामान्य लाइसेंस सं. 11/90

विनोक 30 मार्च, 1990

का.मा. — मायात एवं निर्यात (नियंत्रण) मधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रवस्त मधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्सीय सरकार जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए बास्तविक उपयोक्ताओं को 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक निम्नलिखित गतों के प्रधीन (1) पूंजीगन माल, (2) कच्चे माल, (3) संघटकों, (4) उपभोज्यों एवं (5) मतिरिकत पूर्णों का किसी भी वेश से मायात की सामान्य प्रनुमनि वेती है, परस्तु विभिन्न संग्रीका संग्र और फिजी इसमें शामिल नहीं हैं:—

- (1) भाषातक, महानिदेशक, जहाजरानी, बभ्बई के पास जहाजों की च सरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।
 - (2) कस्टम बांडिड परिसर में माल का आयात किया जाएगा मायातकों को जहांजों की मरम्मत करने के उद्देश्य से माल को कस्टम बांडिड परिसर से बाहर झायात करने की अनुमति वी जाएगी। मरम्मत करने के बाव मयों को कस्टम बांडिड परिसर में बापस लाया जाएगा। जहांजों की मरम्मत के लिए प्रयोग की गई मदों के संबंध में क्षेत्र के सीमा शुक्क समाहतां और महा निदेशक (पीत परिवहन) अन्यई को भाषांचिक विवरणिका मेजी जाएगी। भाषांतक को उचित लेखा-जोखा रखना होगा जो मुख्य नियंद्रक भाषात-नियंति के निरीक्षण के लिए रहेगा।
 - (3) भाषातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए बाहे वे जहाज भारतीय हों या विदेशी विक्त मंद्रालय, राजस्व विभाग की मिश्रम्बना सं. 211/83-भस्टम और सं. 212/83-भस्टम, वोनों विनोक 23 जुलाई, 1983 के उपवन्धों के ग्रनुसार किया जाएगा ।
- (4) प्रस्थेक विक्तीय वर्ष के अंत में संबंद वास्तिक उपयोगता प्रायातित मदों का लेखा और उनका लागत शीमा भाड़ा मूल्य तथा जहां जो की मरम्मत से कमाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा शैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित कराकर

वंधित जाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिवेशक, जहाजरात्री, धम्बई को प्रस्त तु करेगा ।

- (5) भाषातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको आरी किए गण पंजीकरण प्रभाणपद्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।
- (8) इस प्रकार का माल धायात करते समय लागू कोई भी निषेध ध्रयवा उसके श्रायात को प्रभावित कड़ी वाले विनिमय इस लाइसेंस के अंतर्गेन किसी भी प्रकार में माल के श्रायातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (7) यह लाइनेंस ऐसे किसी भी ग्रामार या ऐसी किसी भी शर्त का ग्रनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति रियायत या डील प्रदान नहीं करता है, जिस ग्राभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्यो-गिक) ग्रन्य कानूनों या विनियमों के प्रधीन हो। ग्रायातकों की उनरी लागू ग्रम्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ह./-(ते डेस्ट्र खन्ना) मुख्य नियंद्रक आवात-निर्यात

(काश्रम सं -- शार्ट व्यी वसी 0-3) 5/90)

मारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

म्रायात स्थापार नियंत्रण

मावेश **सं. 12/90-93**

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 12/90

नई दिल्लो, दिनांक 30 मार्च, 1990

का. आ. :-- भाषात तथा निर्मात (तियंत्रण) प्रधिनियम 1947 (1947 वा 16) के खण्ड 3 द्वारा प्रस्त प्रधिकारो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 1 अप्रैल, 1690 से 31 भार्च, 1993 तक दक्षिणी प्रफीका संघ/फिजी के भ्रतिष्क्षि पिसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय भथवा राज्य) भयवा सरकारी भ्रथवा सरकार द्वारा नियंक्षित परियोजना से किसी भी माल के भारत में भाषात की निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन सामान्य प्रमुमित देती है:---

- (1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशृतक भागात किया जाता है।
- (2) प्रायातित माल भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के शीच किए भए संगत समझौते के प्रमुसार और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय प्रयवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपक्ष निकासी के समय सीम शुक्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएया।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण भारत में 31 ्रमार्थ 1993 की प्रथमा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती प्रविध के बाहे जो भी हो, लवाम किया जाता है।
- (4) ऐसा माल दक्षिण भ्रफीका संघतचा किजी में उत्पादित श्रयवा विनिर्मित नहीं हो ।
- 2. इस लाइसेंस के अंतर्गत वो सरकारों के बीच हुए समझौते के प्राचीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत भाने वाले बिदेशी विशेषकों के व्यक्तिगत सामान के प्रायात की प्रनुमित भी निकामी के समय प्रशासनिक मंत्रालय प्रयथा संबंधित परियोजना का इस संबंध में एक प्रमाणपक्ष प्रस्तुत करने पर दी जाएगी प्रायातिय माल जिसका

क्यौरा प्रमाणपत में विया जाता है, भारत सरकार और संबंधित विवेशी सरकार के साथ हुए समझौते के धनुसार किया गया है। धायात इस शर्म पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषका भ्रप्ता कार्य पूण कर मारत में जाने लगे तो (उपभोज्य माल से भिक्न) भ्रन्य माल का पुनः नियति किया जाएगा।

- 3- यदि माल के धायात के समय आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेघ या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस कर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- 4. यह लाइसेस ऐसे किसी भी प्राधार पर ऐसी किसी भी प्रार्त का भ्रमुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस भ्राभार या गर्ते के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्यो-गिक) या भ्रायातक भ्रन्य कानून(नो) या विनियनों के भ्रधीन हो। भ्रायातक की उनसे लागू भ्रन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालम करना चाहिए ।

हर्-|--(तेषेन्द्र खन्ना) भुष्य निषंत्रक स्रायात-निर्यात

(काइल सं.-माई.पी.सी. 3/5/90)

वाणिज्य मंत्रासय

धायात व्यापार नियंत्रण

पावेश सं. 13/90---93

चुला सामान्य लाईसेंस सं. 13/90

मई विल्ली, विनाक 30 मार्च, 1990

का. मा. :— आयात एवं निर्मात (नियंत्रक) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते क्षुए केण्डीय सरकार दक्षिण प्रफीका संख और फिजी को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखिस ग्रसों के द्यप्रीन वास्तिवक उपयोक्सा द्वारा 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक सरकारी राजपत्र में समय समय पर दी गई सार्वजनिक सूचना द्वारा गया संशोधित आयात एवं निर्मात नीति 1990—93 (खन्ड 1) के परिविष्ट-6 की सूची-1 में दिखाए गए रत्न एवं आमृषण उद्योग के लिए प्रवेसिन मणीनरी, उपस्कर, परीक्षण उपकरणों औतारों और सहायक पुजों के आधात के लिए सामान्य प्रनुसति देती है, जिनका संस्थापन रत्न एवं आभूषण निर्मात संवर्धन परिषद प्रिणिक्षण संस्थान और रस्त एवं धामूषण उद्योग से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रणिक्षण संस्थान और रस्त एवं धामूषण उद्योग से सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रणिक्षण संस्थानों के उपयोग हेतु रस्न एवं धामूषण के निए निर्मात संवर्धन परिषदीं द्वारा किया गया हो।

- (1) भ्रापात "बास्तविक उपयोक्ता" गर्तों के भक्षीन होगा,
- (2) इस सरह से झायास माल नया विनिर्मित होगा
- (3) रस्त एवं ग्रामूषण के पंजीकृत निर्मातक माल की निकासी के समय सीमा भुष्क प्राधिकारियों को भ्रपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एवं ग्रामूषण निर्मात संवर्धन परिषद के पास निर्मातक के रूप में पंजीकृत है और यह गप्य लेते हुए यह घोषणा पत्न प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रह किया गया है, न वापस लिया गया है, न प्रत्यथा स्प से भ्रप्रभावी किया गया है। स्वर्णकारों और णिल्पकारों की सहनारिता समिति भौर रत्न एवं ग्राभूषण में सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रशिक्षण मंस्थान इसी प्रकार से सहकारी ममिति के रूप में भ्रपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा-पत्न प्रस्तुत करेगी।
- (4) रत्न और आभूषण उद्योग से सम्बद्ध क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों रत्न एवं साभूषणों के लिए अनुसंक्षान एवं विकास प्रयोगभालाओं, रत्न प्रशिक्षण प्रवीयशालाओं को सीमा भुक्त प्राधिकारियों की संसुष्टिट के लिए संबंधित प्राधिकारी को मान्यता दर्णात हुए एक प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करना वाहिए।
- (5) इस प्रकार धायातित माल विक्षण धफीका संघ/फिजी में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो ।

- (6) ऐसा माल 31 मार्च, 1993 की प्रथवा उससे पहले किसी की रियायत प्रविधि के बिना भारत की परेवण के माध्यम से लाद दिया गया हो,
- (7) उपर्युक्त गर्त सं. (6) में बी गई व्यवस्था के बाबजूद भी लोकहित में सरकारी राजपक्त में सार्वजनिक सूजमा जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का मधिकार है जिस के द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पात्र भामातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए प्रपरिवर्तनिय साखपत्र द्वारा समर्थित पक्के मादेशों के महे पीत लदान किया जाना चाहिए। घन्य प्रकार के मामलों में इस प्रकार कोई संरक्षण उपलब्ध सहीं होगा।
- (अ) यह लाइसेंस भाषात (नियंत्रण) भादेश 1955 को भनुसूची--- 5 की भार्त--- 1 के भधीन होगा ।
- (9) यदि माल के भाषात के समय असके श्रायात पर प्रभाव कालने बाला कोई निषेघ या विनियम लागू होगा तो इस लाईमेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।
- (10) यह लाईसेंस ऐसे किसी भी भाषार या ऐसी किसी भी भार्त भा भन्पालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति दियायत या धीम प्रवान नहीं करता है जिस भाषार या मार्त के लिए भारतिषक उपयोक्ता (बौधोगिक) या भायात भन्न कानूमीं या भिनियमों के भ्रष्ठीन हो । भ्रायातकों को उनसे लागू ग्रम्थ सभी कानूनों की मतौं का पालन करना चाहिए ।

ह/० ते जेन्द्र खन्ना मुख्य नियंत्रक चायात-नियां अ

(फार्लं शाई०पी०सो०-3/5/90)

मारत सरकार

वाणिष्य मंद्रालय

बायात व्यापार नियंत्रण

ब्रादेश सं० 14/90—93

चुला सामान्य नाइसेंस सं॰ 14/90 नई विल्ली, 30 मार्च 1990

का. आ. :— आयात निर्मात (नियंत्रण) धिष्ठिनियम, 1947 '(1947 का 18) के अण्ड 3 द्वारा प्रदत्त सिंधकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 छप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक दिक्षण प्रक्रीका संघ धौर किजी को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्निलिखित शर्तों के प्रधीन (क) सरकारी विभाग (केन्द्रीय या राज्य), (ख) विभागीय संस्थान, (ग) रेलवे, (घ) बाक, (इ) दूर-संचार, (च) दूरदर्णन, (छ) प्राक्षाभवाणी, (ज) राज्य विश्वत बोर्ड सार्यजनिक क्षेत्र के अन्तर्गत उपकम परियोजनाओं, (झ) रक्षा मंत्रालय के प्रधीन सार्यजनिक क्षेत्र के प्रौद्योगिक संस्थानों को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोज्य भौर अतिरिक्त पुजौं का धायात करने की सामान्य अनुभित प्रवान करती है:—

1. परिणिष्ट 1 भाग-क में प्राने वाला पूंजीगत माल और परिणिष्ट-8 में प्राने वाले उपकरण धायात के लिए अनुमेय नहीं होंगे। घन्य पूंजीगत माल के प्रायात के लिए (परिणिष्ट 1, भाग-ख के घण्टार्गत धाने वालों को छोड़कर) महा निवेशक तकनीकी विकास की पूर्व निकासी धनिवार्थ होगी। मेरीन इलेक्ट्रोनिकम और दूर-संचार उपस्कर सहित किन्तु इसे नीति के पैरा 6(17) में घाने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर भिसी घण्य इलेक्ट्रोनिक मवों के मामले में यदि ऐसे घायातों का मूल्य 25 लाख रुपयें। से प्रधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रोनिकस निभाग से पूर्व निकासी प्रतिवार्य होगी। पैरा 6(17) में घाने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-मंचार घायोग) से पूर्व निकासी लोनी प्रावश्यक होगी यदि ऐसे घायात का मूल्य 25 लाख रुपए से घांधक है।

2. जिन्स, जुड़नारों, डाइज धीर नमूने (कंट्रर रोसर डाइज सहित) मोल्डस (डाईकास्टिंग के लिए मोल्ड महिन) और प्रैस टूल्स का बायात मी किया जा सकता है।

3. परिशिष्ट-2, माग-ख और 3 में माने वाले कच्छे माल, संघटकों, उनभोज्यों और म्रतिरिक्त पूर्जों के संबन्ध में महानिदेशक सकनीकी विकास और क्लेक्ट्रोनिकस थिभाग (यदि किसी क्लेक्ट्रोनिक मद किन्तु क्ष्म मीति के पैरा 6(17) में भाने वाले दूर-संवार उपस्कर को छोड़कर का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है) से पूर्व स्वीकृति लेनी मनिवार्य होगी। पैरा 6(17) में भाने वाले दूर-संवार उपस्कर के लिए दूर-संवार विभाग (दूर-संवार आयोग) से पूर्व निकासी लेनी मावप्यक होगी यदि ऐसे भायात का मूल्य 25 लाख रुपए से अधिक है।

सरणीबद्ध मदों का भाषात भनुमेय नहीं होगा ।

 प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (धार्थिक कार्य विभाग) द्वारा दी गई विदेशी मुद्रा के महे घायात किया जाएगा।

6. दृरदर्गन और आकाशवाणी, सूचना एवं प्रसारण मंजालय के अनुमोदन और उसके लिए दी गई जिदेशी मुद्रा के प्राधार पर प्रदक्षित फिल्मों, बीडियो और टेप साउण्ड टेपों के प्रायास के लिए भी पात होगा।

7. सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजनाएं/संस्थान जो विजली के उत्पादन में लगे हुए है वे प्रशासकीय मंद्रालय/किन्द्रीय विद्युत विभाग/जिल मंद्रालय (धार्षिक कार्य विभाग) द्वारा दी गई विदेशी मुद्रा के महे ही धार्तिरिक्त पुजों के धायात की सुविधा ले सकते हैं। परिशिष्ट 2, भाग ख, 3 और 10 में धाने वाले प्रतिबंधिन धार्तिरिक्त पुजों के धायात के लिए महा निवेशक तकनीकी विकास से पूर्व निकासी धानिवार्य होगी। किसी इलेक्ट्रानिक मद के सम्बन्ध में किन्तु इस नीति के पैरा 6(17) में धाने वाले दूर-संवार उपस्कर को छोड़कर यदि ऐसे धायातों का मूख्य 25 लाख रुपये से धाधक है तो इलेक्ट्रानिक विभाग की पूर्व धानुमति केनी धानिवार्य होगी। (पैरा 6(17) में धान बाले दूर-संवार उपस्कर के लिए दूर-संवार विभाग (दूर-संवार धायोग) धे पूर्ण निकासी लेनी धावश्यक होगी यदि ऐसे धायात का मूख्य 25 लाख रुपए से धाधक है। यह जुविधा पत्तन व्यासों, क्षिकाई विभाग परियोजना प्राधिकरणों, विभागीय रूप से चलाए जा रहे धौधौगिक संस्थानों धौर रेलब को भी उपलब्ध होगी।

8. रक्षा मंत्रालय के प्रधीन सार्वजनिक संस्थान, खुले सामाय्य लाइसेंस के प्रधीन परिशिष्ट 1, माग ख में प्राप्त काले पूंजीगत माल, परिशिष्ट 2,3,5 और 8 में प्राप्त नालों से प्रिन्न कच्चे माल, संघटकों, उपघोज्यों और प्रतिरिक्त पुर्जों का प्राप्तात करने के लिए पान्न होंगे। लाइसेंखिय वर्ष के वौरान इस प्रकार के भायातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंधित पूनिट को प्रावंदित विदेशी भुद्रा से प्रक्षिक मूल्य का भुल भायात नहीं होगा और सोमागुल्क से निकासी के समय प्राप्तातक पूनिट इस संबन्ध में एक घोषणा पन्न प्रस्तुत करेगा कि निकासी के प्रधीन/पहले ही निकासी किए गए माल का मूल्य लाइसेंसिंग वर्ष में संबन्धित प्राप्तातक पूनिट को रक्षा मंत्रालय द्वारा इस उद्देश्य के लिए दी गई कुल विदेशी मुद्रा की धनराश ज्यादा नहीं है।

9. (1) बाक्के माल, संघटकों, उपभोज्यों भीर भितिस्तित पुजीं का भागत खुले सामान्य लाइसेंस के भ्रधीन सार्वजिनक सेक्ष के उद्यमों रक्षा मैक्षालय के धर्मीन धाने वाले उद्यम भी ग्रामिल है, के द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई भीर परिशिष्ट--2, माग--ख भीर 3 में भाने वाले कक्के साल, संघटकों, उपभोज्यों भीर भितिरक्त पुजीं के लिए वेशीय विष्टकोण से पूर्व निकासी के ध्राधार पर किया जा सकता है। मेरीन इलेक्ट्रोनिक्स भीर दूर-संचार उपस्कर सहित किन्सु आयात नीति 1990---93 खण्ड-1 में पैरा 6(17) में भाने वाले दूर-संचार उपस्कर को छोड़कर किसी अन्य इलेक्ट्रोनिक मद के मामले में यदि ऐसे भायातों का मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो इलेक्ट्रानिक विभाग से पूर्व निकासी भनिवार्य होगी। भायात नीति 1990---93 (खण्ड-1) के पैराप्राफ 6((17) में भाने वाले दूर-वार उपस्कर के लिए दूर-संचार विभाग (दूर-संचार भायोग) से पूर्व निकासी केनी भावस्थक होशी यदि ऐसे भायात का मूल्य 25

लाख रुपये से प्रधिक हैं। परिशिष्ट-1, भाग-क प्रौर भाग-ख में प्राप्त काल के प्रलावा पूंजीगत भाल के प्रायात का मूल्य यदि 1.5 करोड़ रुपये से प्रधिक है तो सिवव (प्रौद्यागिक विकास) की प्रध्यक्षता में पूंजीगत माल की मुख्य समिति का प्रमुगीदन प्रपेक्षित होगा। खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन प्रायात तकनीकी विकास महानिदेशालय (श्री०जी०टी०डी०) द्वारा सूची साक्यांकम पौर विकास मंत्रालय (प्राप्तिक कार्य विभाग) द्वारा विवेशी मुद्रा की रिहाई के प्राधार पर प्रमुमित होगा। 1.5 करोड़ रुपये मूल्य तक के पूंजीगत माल का प्रायात परिशिष्ट 1 भाग-क गौर भाग-ख में प्राने वाले के धितरिक्त) देशीय मिकासी ग्रीर विक्त मंत्रालय (प्राप्तिक कार्य विभाग) द्वारा विवेशी मुद्रा की रिहाई के भ्राधार पर खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन प्रमुमित होगा। सीमाणुक्क प्राधिकारी इस सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रभाणों के बाबार पर निकासी धनुमित करेंगे।

(2) पंजीगत मास, कच्चे माल, संघटकों उपभोज्यों तथा प्रतिरिक्त पूजों के खुले सामान्य लाइसेंस के धन्तर्गत प्रायास की उपर्युक्त सुविधा विवेशी मुद्रा एवं स्ववेशी दृष्टिकोण से निकासी के श्राधार पर जैसाकि ऊपर विधा गया है, खुले सामान्य लाइसेंस के शन्तर्गत श्राधान के लिए धनुमित मदों के श्रलावा मदों का श्रायात करने के लिए रक्षा मंद्रालय के श्रधीन सरकारी उपक्रमों की भी उपबन्ध होगी।

10. निकासी के समय सीमाशुल्क प्राक्षिकारियों के समक्ष महानिदेशक सकनीकी विकास/इलैक्ट्रोनिकी विभाग दूरसंचार विशा द्वारा स्वीकृत देशीय वृष्टकोण से स्वीकृत एवं विमुक्त विदेशी मुद्रा का धावश्यक साक्य प्रस्तुत करना होगा।

ह०/-(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य नियंत्रक, बायात-निर्वात

(फाइल सं॰ धाई॰पी॰सी॰ 3/5/90)

भारत तरकार

वाणिज्य मंत्रालय

द्यायात स्थापार नियंत्रण

पारेश सं० 15/90---93

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/90 नई विल्ली, 30 मार्च 1990

हुईं। बा० शा॰—भागात एवं निर्यात (नियंत्रण) मधितिय म 1947 (1947 का 18) की खण्ड-3 के झन्तर्गेत प्रवक्त सिक्षकारों का प्रयोग करते हुए सरकारी राजपळ में समय-समय पर जारी की गई यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार एतवृद्दारा इस मावेश से संलग्न झनुसूची में विशिष्टिकृत विवरण की मदीं का फीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी वेश से 1 अप्रेल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तथ भारत में झायात करके की सामान्य धनुमति निम्नसिखित शतों के झधीन देती है:—

- (1) कम सं 1 में शामिल "घष्ट्यापन साहित्य" के मामले की छोड़कर इस द्वादेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मदें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टाफ करने और बिकी करने के छहेश्य के लिए आयात की जा सकती है।
- (2) "मध्यापन साहित्य" के मामले में मायात की धनुमित केवल मान्यताप्राप्त गैकिक, बैकानिक, सकनीकी और भनुसंधान संस्थाकों इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, धनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई भौद्योगिक यूनिटो, बंजीकृत चिकित्सकों, म्रून्यालों परामगैदाताओं, मान्यता प्राप्त-वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबन्ध संघों और व्याव। सायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी। फिल्मों के धायातक (चाहे बैकानिक था वीडियो हो) तकनीकी सहायता के रूप में फिल्म सेंसर के केन्द्रीय बोर्ब से प्राप्त एक प्रमाण-पत्न कि धायातित फिल्में "पूर्णतया निकाप्रव" हैं, सीमा मुक्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (3) वालों के मामले में, सभी पाल नियंतिकों को भारतीय राष्ट्रीय हुषि सहकारी विपणन संभ (नेफक) के पास स्थये को पंजीकृत कराना होगा । मायात तभी किए जायेंगे जबकि ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित संविदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो । इस उद्देश्य के लिए समुबन्ध की प्रति नेफड को दी जानी चाहिए । वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मुहर लगाकर धायातक की लौटा देंगे, जो माख की निकासी के समय सीमाभुष्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी ।
- (4) औषध मधों के मामले में, जहां कहीं घाषश्यक हो, औषध एवं श्वेगार असाधन सामग्री घांधिनियम, 1940 के अधीन श्रेष जाइसेंस रखने की धाषश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए ।
- (5) खजरीं, होम्योपैयिक औषधियों, कैंसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के सामले में, बरम्बरागत छोटे वैकिंग में भी प्रायात अनुमेय होगा।

- 6(1) भाषात-निर्यात नीति, 90---93 के परिशिष्ट-6 की सूची
 2 में भाने वाले जीवन रक्षी उपस्कर के भाषातकर्ता को
 महानिदेशक, तकनीकी विकास अथवा मुख्य विश्वंतक, भाषातनिर्यात दारा इस प्रयोजन के लिए नामित अन्य किसी प्रभिकरण
 दारा किये गए वैद्य प्रमाण-पन्न को सीमाभुस्क निकासी के
 समय प्रस्तुत करना भ्रमेकित होगा।
- 6(2) जीवन रक्षक उपस्करों के ग्रामालक भी मणीनों के साथ ग्रयवा ग्रलग से ऐसे उपस्करों के ग्रामाल के लिए पात होगा।
- (7) खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन प्रायातित मास का नियति मुख्य नियंत्रक प्रायात-निर्यात की लिखित प्रनुमित के खिना प्रनुमेय नहीं है।
- (a) इस प्रकार भाषात किया गया माल विकाणी अफीका/दक्षिणी पश्चिमी भफीका संच/फिजी में उत्पादित या विनिर्मित म हो।
- (9) ऊर्जा धषश/संरक्षण उपश्करों जिसमें ऊर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने/प्रमोग करने के सिस्टम और डिवाई-सिस भी शामिल है के मामले में भागासक नाम कल्बेंशन एनर्जी स्त्रोत विभाग, ब्लाक मं० 14, लोधी शेड़, सीजी को कम्मजेक्स नई दिल्ली-3 को सीमाशुल्क से मास की निकासी के 15 दिमों के भीतर भागासित उपस्कर से संबंधित निम्नलिखित सूचना
 - (1) प्राथातित उपस्कर का विवरण
 - (2) उसका लागत--नीना--भाहा मूहय
 - (3) जायातित उपस्कर पर भुकाई गई सीमा शुल्क की धनराणि
 - (4) वह वेश जिससे भागत किया गया।
- (10) केवल उन ज्यक्तियों, जो कि इम्सैक्टीसाइड प्रधिनियम, 1968 के धम्सगैत पंजीकृत हैं के द्वारा जित्तैलिक एसिड का धायात प्रमुमित किया जाएगा।
- (11) ऐसा माल मारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियावती भवधि के दिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च 1993 को या जससे पहले पोत पर लाक्षा गया हो।

- (12) उपर्युक्त शर्त सं० 10 में दी गई व्यवस्था के बावजूद भी लोकहित में सरकारी राजपत में सार्वजिनक सूचना जारी करके खुले सामान्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मद के मामले में, सरकार को किसी समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है जिसके द्वारा सार्वजिनक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पान्न आयातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साखपत्न द्वारा सम्थित पक्के घादेश के मद्दे पोतलदान किया जाना चाहिए। अन्य प्रकार के आदेशों के मामले में ऐसा संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (13) यह साइसेंस भायात (नियंत्रण) भादेश, 1955 की धनुसूची-5 में शर्स सं० 1 के भी भ्रधीन होगा।
- (14) यदि किसी माल के शायात के समय लागू उसके शायात को प्रभावी करने बाला कोई निषेध या विनियम लागू होंगे तो उस पर इस साइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा ।
- (15) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी श्राधार या ऐसी किसी भी भर्त का श्रनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या ढील प्रदान नहीं करता है जिस श्राभार या भर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या श्रायातक श्रन्य कानूनों या विनियमों के श्रधीन हो । श्रायातक को उनके लागू श्रन्य सभी कानूनों की शर्तों का पता करना चाहिए।

图/--

(तेजेन्द्र खन्ना)

मुद्ध नियंत्रक श्रायात-निर्यात

(फा॰ सं॰ बाई॰पी॰सी॰-3/5/90)

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/90 दिनांक 30 मार्च, 1990 के लिए प्रनुसूची

- 1. निम्नलिखित श्रष्ट्यापन सहायक साहित्य
- (1) श्रीक्षिक प्रकृति की रीडर एवं प्रिंटर सहित या रहित माइको-फिल्म और माइको-फिजिज; और
- (2) जोडियोकैसेट के साथ या बिना शैक्षिक प्रकृति के फिल्म स्ट्रिप्स/ सलाइड्स; शैक्षिक प्रकृति के ओडियो कैस्सेट/वीडियो टैप्स और शैक्षिक प्रकृति की वीडियो डिस्कें।
- ग्रेल टाइपराइटर सहित मन्छे व्यक्तियों के लिए , मेपिक्षत औज़ार और उपकरण
- 3. मायात और निर्यात नीति 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची-2 में माने वाले जीवनदायक उपस्कर और उनके प्रतिरिक्त पुर्जे ।
 - 4. परिवार कल्याण उपस्कर/यंत्र उपकरण धर्यात् निम्नलिखित:-
 - (1) (क) लग्नोस्कोप;
 - (ख) कल्ड स्कीप ;
 - (ग) हाइस्ट्री-स्कोप;
 - (व) वैक्यूम संकशन एपरेट्स
 - (ड) उनके उपसाधिक और मतिरिक्त पुर्ने भी, और

- (2) रबड़ कंट्रासैपटिव यंत्र (केवल डायफागाम्स),
- (3) टी फ्रेम, इन्सर्टर रोड, ट्यूब फवेज, पी ई मोनोफिल्मेन्ट धागे, कापर वायर तथा सनीवज एवं पुंच (रंगीन कंडाम्स, डायाफराम, जैली और फोम टिकिया, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।
- (4) फलेपिक रिंग्स (सिलास्टिक बैण्डस)
- 5 श्रायात निर्यात नीति, 1990—93 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 3 में श्राने वाले परिष्कृत भेषज की प्रिपरेशन, जीवनदायक और कैंसर रोधी भेषज ।
- 6. परिष्कृत रूप में होम्योपिथक औषिधयां या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेनसी के होम्योपिथक भेषज (सिंगल) 'दुग्ध चीनी'' सहित थोक में और बायोकीमकल औषिधयां।
- 7. श्रायात निर्यात नीति 1988--91 (खन्ड I) के परिशिष्ट-6 की सूची-4 के अनुसार श्रायुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए प्रपेक्षित श्रपरिष्कृत भेषज (जैड, मोतियों और मूंगों के श्रायात की श्रनुमित केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर श्राभूषण किस्म के लिए दी जाएगी):।
 - 8. दाल
 - 9. खजूर (गीले या सूखे) (भारतीय पोत लदानीं द्वारा आयातित)
 - 10. सैंधा नमक
 - 11 (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्में (चिकिस्सा)
 - (1) साइन एन्जियोग्राफिक फिल्में
 - (2) कार्पिग फिल्में (एक्स-रे रेडियोग्राफ कार्पिग के लिए)
 - (3) दन्तय एक्स-रे फिल्में
 - (4) डुपलीकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि. मी. निगेटिय एवं रिवर्सन टाइप
 - (5) निजी मोनीटरिंग फिल्में
 - (2) एरोग्राफिक फिल्में
 - (3) फोटो टाइप सैटिंग ग्रार पी स्टेबलाइजेशन पेपर
 - (4) मुद्रण उद्योग के लिए वर्षीग्राफिक पोलिमिड रेजिंग और एम्बोसिंग पाउडर
 - (5) माइको-फाइल फिल्में
 - (6) इनमा रेड और भाल्ट्रा वायलैट फिल्में
 - (7) गुर्दी शल्य चिकित्सा फिल्में
 - 12. हाम मड़ी/दीवार घड़ी और टाइम पीस के लिए स्नेहक तेल
 - 13. फिर्षिग हुक्स
 - 14. (क) 16 एम०एम० या कम के गेज में गैक्षिक एवं निर्देशात्मक फिल्में (विडियो फिल्मों सिंहत) / जिन्हें केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "प्री-डोमीनेंटली शिक्षाप्रद" प्रमाणित किया गया हो ।

- (ख) 16 एस० एस० या कम के गेज में विद्यियों फिल्मों सिहत बच्चों की फिल्में जो कि लम्बाई में 800 मीटर या कम हों तथा केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड द्वारा "बच्चों की फिल्म" के रूप में प्रमाणित की गई हो।
- 15. फोटो-ग्राफिक फिल्में (रंगीन)
- 16. फोटोग्राफिक कलर पेपर
- 17. 120 साइज रोस्स से भिन्न फोटोग्राफिक फिल्में (सादा)
- 18. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड
- 19. रहाक्ष ननके
- 20. निम्नलिखित सिनेमैटोग्राफिक फिल्में ग्रंगदर्शित :--
- (1) 8 एम० एम० (रंगीन) और
- (2) 8 एम० एम० (सादी नेगेटिय)
- 21. 1990-93 की श्रायात निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 में सूची सं० 6 के श्रनुसार दन्तय सामग्री !
- 22. भाषात निर्यात नीति, 1990-- 93 (बण्ड-1) के परिक्षिष्ट-6 की सूची 9 के मनुसार माध्यशालिक मर्दे ।
 - 23. ओओन जनरेटिंग ग्रपरेट्स
- 24. स्रमोक मीटर्स-हार्ट्रिज और बोस्च टाइव्-माटोमोबाइल एगजास्ट के सिए
- 25. ब्राटोमोबाइल इगजास्ट के लिए वाहनीय इगजास्ट से बाने वाहे सी बो, एच सी, एन वो एक्स, सी बी, 2 (इन पोलीटेन्टस के एक या ब्राधिक) के मापन के लिए—एगजास्ट गैस एनेलाइजर्स ।
- 26. निम्निसित ऊर्जा बचत/संरक्षण उपरकर जिनमें ऊर्जा के पुन: नवीकरण और वैकलिपक स्रोतों के लिए कार्य करने वाले सिस्टम एण्ड बिचाइसिज विकाग जान शामिल हैं: --
 - (1) बिंड ड्राईबन जनरेन्स
 - (2) विट पंस्प

- (3) फीटोबोल्टेइक सैल्स/पैनल्स/मोड्यूल्स सिस्टमस को कोइकर सौर ऊर्जा उपस्कर
- (4) फोटोइलैक्ट्रिक सेंसर्स सहित आटोमैटिक इलैक्ट्रानिक ट्रैकिंग किस्म के पैराबोलिक फोर्कासंग सिस्टम ।
- (5) पोर्टेबल एक्जास्ट गैस एण्ड कम्बूशन एनालाजर्स ;
- (6) स्टीम ट्रैप लीक डिटेक्टर
- (7) अस्ट्रासोनिक लीक डिक्टेक्टर
- (8) सौर ऊष्मा नियंत्रण फिल्में
- (9) एनेमोमीटर, डाटा लोगर्स ग्रादि जैसे बाबु मापक स्पकरण
- (10) बायोमास बेस्ड एवं सोलर बेस्ड स्टलिंग इंजिन
- (11) 50 कि.वा. से प्रधिक क्षमता वाले बायोमास गैसिफायसं
- 27. श्रायात-निर्वात नीति, 1990---93 (खंड 1) के परिशिष्ट 2, 3, भाग क, 8 और 10 में सम्मिलित पुत्रों की खीड़कर श्रतिरिक्त :--
 - (1) मुझण मशीमरी,
 - (2) त्रशीनी औजार धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने, विसने और पालिश करने के लिए, किसी भी मानक या अनुषंगी उपस्कर संद्वित ।
 - (3) निम्नलिखित सहित सिनेमाटोग्राफिक उपस्कर:--
 - (i) पिक्चर और साउन्ड प्रिंटिंग लैम्पस
 - (ii) प्रोजेक्शन लैम्पस-जेनोन या टंगस्टन
 - (iii) सिनेमास्कोप लैंसों सहित लैंस/जूम लैंस
 - (iv) प्रोजेक्शन बाल्यूम इंडीकेटर्स
 - (v) 10 किलो वाट, 5 किलों वाट, 2 किलो वाट, 1 किलो वाट तथा 500 किलो वाट क्षमता के स्ट्रियो सैम्प
 - (4) ट्रालर्स
 - 28. भाऊट बोर्ड मोटर्स
- 29. 1990--93 की ग्रायात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 ग्रीर परिशिष्ट-6 की किसी भी सूची में उल्लिखित से भिन्न प्रयोगशाला और रीजेन्ट केमिकल्स
 - 30 जिब्बरीलिक एसिड

वाणिज्य मंद्रालय

आयात भ्यापार नियंत्रण

मादेश सं. 16/90--93

बुला सामान्य लाइसेंस सं. 16/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का० मां० :मायात-निर्यात नियंत्रण छिषिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 हारा प्रवस्त प्रिविकारों का प्रयोग करते हुए, केग्द्रीय सरकार सरकारी राजपल में सार्वजनिक सूचना जारी करके समय समय पर यथा संशोधित, सार्वजनिक सूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार एतथहारा इसके माथ संशच्च चनुसूची में विणिष्टिकृत विवस्ण की मदों का विषणी ध्रमीका संव/फिजी को छोड़कर निम्निविद्या सर्वों के म्राधीन किसी भी देश से 1 अप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक भारत में भ्रायात की सामान्य मनुमति देती हैं.——

- (1) पास्ट्री वैक्सीन के भागत के मामले में :--
 - (1) सीमाणुल्क से माल की निकासी के समय भागातक पणु-पालन भायुक्त, भारत सरकार, कृषि विभाग से (विवरण/ भास्ना/मृत्य) की भनिवार्यता के संबंध में एक विधिष्ट सिकारिस पद्म प्रस्कृत करेगा।
 - (2) संबद्ध धायातक, सीमाशुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 विनों के भीतर कृषि विभाग को धायातित मधीं, जनकी माला और जनके लागत-भीमा-भावा मूल्य के क्यौरे के संबंध में सुखना भेजेगा।
 - (3) प्राथातित माल सम्बन्धित कुन्कट कार्म/भण्डजकाला के हाथों में "वास्तविक उपयोक्ता" कर्त के प्रधीन होगा।
- (2) प्रोस्टाग्लोंबन पी. जी. एफ-2 एल्फा के मामले में श्रायातक को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को पशुपालन श्रायुवत, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया "समिवार्यता प्रमाण-पक्ष प्रस्तुत करना होगा"।
- 3. चिकित्सा गैम सिलिंडरों के मामले में प्रायात की स्वीकृति उन वास्तिविकों उपयोगताओं (औद्योगिक) को दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (भ्रावसीजन) और नाकृत प्रावसाद्य के विनिर्भाण के लिए औद्यो-शिक लाइसेंस/पंजीकरण हैं और उनके पास औषध तथा शृंगार प्रसाधन प्रश्चितियम, 1940 के प्रश्चीन जारी किया गया वैश्व लाइसेंग है। यह निक्नकिखित करों के भी प्रश्नीन होगा:--
 - (1) भागासित चिकित्सा गैस सिलिंडरों का उपयोग केवल चिकित्सा प्रयोजनार्थ चिकित्सा गैस कम्प्रैसिंग और सप्लाई के लिए होगा।
 - (2) प्रायात किए आने वाले निर्णिकर और इसमें लगे बास्व मुख्य नियंत्रक विस्फोटक द्वारा धनुमोदित होने बाहिए और गैस सिर्णिकर नियम, 1981 के प्रधीन उपयोग के लिए स्वीकृत हों।
 - (3) गैस के आधानों के रूप में भाषातित गैम कि लिंडर ऐसी सामग्री से निर्मित होने चाहिये जो सामान्यतः ऐसी गैसों के लाने के जाने में प्रयुक्त की जाती है।

- (4) प्राथा तक मुख्य नियंत्रक विस्फोटक से गैस सिलिंबर नियम 1881 के प्रधीन अपेक्षित प्रायक्यक धनुमति प्राप्त करेगा।
- 4. प्राप्तिशामन के लिए 15 जीटर पानी की अमला लक के सी०ओ♦ श्रीस तिलिंबर के मामले में उपपैरा (2),(3) और (4) में उल्लिखित शर्तें कामू होंगी।
- 5. बोकल इलैबिट्रक मोटरों के मामले में बातु कररन व्यापार कार-पोरेशन लि०/मुख्य नियंश्रक सामात निर्मात, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित कोई श्रन्य राज्य सिकरण पास सामातक होगा । सामानित माल (एम०एस०टी०सी०) धातु कतरन व्यापार कार्पोरेशन, सम्बन्धित सभिकरण द्वारा रखा जाएगा । और पनास्तिक उपमोक्ताओं की वितरित किया जायेगा।
- 6. मैग्नेटिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वाटर कंडीश्रानिंग सिस्टम के मामले में स्वानीय विकाय (स्युनिसिपल कारपोरेशन बादि) सरकारी विभाग और अध्य सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान पात होंगे।
- 7. येप गार्व पेपर के मामले में पाल मायातक केन्द्र या राज्य सरकार/ संघ शासित क्षेत्र के कृषि विकास निगम, सरकार द्वारा माल्यताप्राप्त कृषक सहकारी समितियां, कृषकों के संघ होंगे । भायातित माल केवल अपूर के उत्पादों के विधरण के लिए होगा और भायातक अध्यातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखे को संबद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी और सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- 8. प्रनुसूणी की कम सं० 7 में उत्तिखित फोटो रक्षायतो के मामले में (1) माप इस्टेनिलममेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के प्रधीन पंजीकृत वास्तिबक उपयोक्ता और (2) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म स्टूडियों, फिल्म संसाधन प्रयोगणालाएं और परीक्षण प्रयोगणालाएं, पांत भाषातक होंगे।
- 9. प्रमुचनो की कम सं० s में उल्लिखित 3/4 इंच मुमैटिक और एक इंच कीडियो कैसेट्स/टेप्स के भामले में पाल झायातक बीडियो सापट-भेगर उत्पादन के लिए मूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पास पंजीकृत होंगे।
- 10. प्रनुसूची की कम सं० 9 में उल्लिखित किसी सरह के भी कम्प्यूट टर सापटवेयर्स के मामकें मे निम्नाकि जिस भागातक पात्र होगे:----
 - (क) प्रयने उपयोग के लिए सरकारी विभाग और कम्प्यूटर विनिर्मा-ताओं सहित बास्तविक उपयोक्ता।
 - (का) स्टाक और विकी के प्रयोजन के लिए क्रेक्ट्रिनिकी विकास के साथ पंजीकृत किए हुए साफ्टवेयर सदन।
 - (म) स्टाक और बिकी के लिए इलैक्ट्रानिकी विभाग।

11. श्रमुस्ती में कम तं । 12 के प्रस्तर्गत पाने वाले जीटनाली, कंपूर्यलागी, पासपातनाणी के मागले में, स्टाफ और विकी के प्रयोजन के लिए प्रायात केवल भारतीय कुषक उर्वरक महकारी संघ, कृषक भारतीय महकारी संघ, हिन्दुस्ताल इन्सेक्टीसाइड लिमिटॅंड और राज्य इति उद्योग निगम द्वारा पनुमिल किया जाएगा।

- 1.2. पाली यूरेथित खमड़े के मामले में, झायात-निर्यात के प्रयोजन के लिए इनफ्लेटेबल बालों के विनिर्माण में कार्यरन वास्त्रविक उपभोजना (औद्योगिक) को अनुमित किया जाएगा और राज्य व्यापार निगम को निर्यात प्रयोजन के लिए इन्प्लेटेबल बालों के विनिर्माण में वास्त्रविक उप-योक्ताओं को वितरण के लिए अनुमित किया भाएगा। यह भी निम्नितिबात शर्धों के अधीन होगा:—
 - (1) निर्यान के लिए इस्लेश्वेचल आलों के विनिर्माण में रत ऐसे सास्तविक उपयोक्ता जो राज्य व्यापार निगम (एस दी सी) में सीधी सद का भारान या प्राप्त करने के इक्कुक हैं तो उन्हें अपने ठेके खल सामान निर्यात संवर्धन परिवर्ग (एस जी ई. पी. सी.) के पाम पंजीकृत कराने अमेकित होंगे। आयात केवल ऐंगे पंजीकरण के साध्य के रूप में एस.जी.ई. पी. सी. इसरा मोहर लगाने के पश्चात् ही किए प्राप्ति। इस प्राप्तिन के लिए ठेके की दो प्रतिया एस.जी.ई पी.सी. के पास भेजी आएंगी और वे इसमें एक प्रति माल के निकासी के समय सीमागुल्क को प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पृष्ट पर विधिवस् मोहर लगाकर आयातक को लोटा हैंगे।
 - (2) प्राचात के समय प्राचातक का खेलकूद लामान निर्यात संवर्धन परिषद से सीमाणुक्क प्राधिकारी को इस प्राणय का प्रमाण पन्न प्रस्तुत करना होगा कि निर्यात के उद्देश्य के लिए प्राचातक इस्सेटेबल बाल का विनिर्माता है।
 - (3) परवर्ती संविदा के पंजीयरण के समय पाल निर्यातक को यह निर्यिष्ट करने हुए एक घोषणा प्रस्तुन करनी होगी कि इन्येन-टैबल बालों के निर्यात एवं चिनिर्माण के प्रबोधन के लिए पहले से ही पंजीकृत संविदा के बायातित मान की उपयोगिता एवं श्रायात का विवरण दिया हो।
 - (4) राज्य व्यापार निगम के लिए खेल कूद तामान निर्मांत संबर्धन परिषद के साथ प्राप्तत सर्विदा का पंजीकरण करवाना धनिवार्य होगा।
- 13. बेकिंग के लिए इंडियन फलैंग बैंशल के मामले में, निस्ता-नुसार सीमाशुरूक प्राधिकारियों की एक प्रभाण-पत्र प्रस्तृत करना होगा जिसमें बैसल की स्कैपिंग प्राधिकृत की गई हो :---
 - (i) महानिदेशक, शिपिण, अस्त्रई से एक अमाण-पत्न जिन मामलों में वैसल्य उनके साथ पंजीकृत हों; (भीनेना मुख्यालय
 - (ii) रक्षा मंजालय (नौसेना भूडपालय) में एक प्रमाण-पद्म िं।) मामलों में वैसल्स उनके स्वयं के हों; और
 - (1ii) पोर्ट ट्रेस्ट, कोस्ट गार्ड आदि के वैसल्म के सामले में संबंधित संगठनों से एक अमाण-पत्न ।

14. सिक्यमें/कूलों के बीजों, सजाबटी पौद्यों के बीजों, कूलों के द्युवर्स और वल्ब्स और प्रनुसूची की मद सं. 15 में संदिभित कूलों की किंटिंग्ज, सेपिलिम्स, वडयुद्ध प्राद्ध के मामले में (क) राज्य सरकार के हृषि | बागबानी विमाग, राज्य कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय हृषि प्रमुसंद्राल परिवद (प्रार्द्ध सी ए प्रार्ट)।(ख) बीज का उत्पादन करने वाली वै भारतीय कम्पियां/कर्म जो राष्ट्रीय बीज निगम के पास पंजीहत हैं (ग) राष्ट्रीय बीज निगम , राज्य बीज निगम (ष) खाद्य संसाधन अंथोंगिक यूनिटस और (इ) राज्य सरकारों के कृषि/वागकानी निदेशक की पास पंजीहत होंगे।

- 15 (1) लाई (1)क) में संदर्भिय पाल धामाएकों द्वारा सिकामी/कृला के बीजों, नाजाबटी पीधों के बीजों, कूलों के द्यूबर्स और वश्वस का श्रामात, पादप, फल एवं बीज (भारत में धामात करने के लिए वितियमन) श्रादेश, 1984 (जिसे धामे उक्त धादेश कहा गमा है), के श्रावधानों द्वारा ऐसे संगरोध वितियमनों को पूरे करने के बाद तियित किया जाएगा जो प्रस्थक निरीक्षण, प्रयोगशाक्षा निरीक्षण और पृति परीक्षण के उद्देश्य के लिए उक्त धारेश के तहत निर्धारित किए गण हों। परेयण तथ तक बीधन भीवाम में श्रामातक की लागत पर रखा जाएगा जब तक संगरोध/सीमाशुक्क निकासी न दे दी जाए। सिकामी/कूर्ली/मजाबटी पौधों के बीजों कूलों के द्यूबर्स और बर्लों की सीमा शुक्क से निकासी उक्त धारेण में उक्लिखतानुसार संगरोध निकासी पत्र की प्राति होने पर की जाएगी।
 - (2) प्रगर परेषण को देखने से यह पता चले कि उत्तमें किसी बीमारी, या महामारी या बिदेशी बीमारी के गोलकृषि लगे हुए हैं या प्रकट हैं तो सम्पूर्ण परेषण को प्रस्वीकार कर दिया जाएगा और इसे निर्धारित प्रक्रिया के धनुसार नष्ट कर दिया जाएगा।
 - 16. (1) फूलों की कटिंग्छ और सेपलिंग्स के पात ग्रामातकों के पास पादप संरक्षण सलाहकार द्वारा यथानिर्धारित पीस्ट एस्ट्री क्वारंटाइन मृतिधाएं होनी काहिए।
 - (2) फूलों के कटिया, सेपीलग्म, वहबुद्ध झादि के झामात के लिए बास्तविक निरीक्षण एवं प्रयोगशाला निरीक्षण के भतिरिक्त पोस्ट एल्ट्री क्वारंटाईन भनिवार्य होगा। उक्त झावेश द्वारा यया निर्मारित या उसके भन्नीन पोस्ट एन्ट्री क्वारंटहरान सुविद्याएं अर्त (13क) में विष् गए के झनुसार पास आरावीं द्वारा स्वापित की जानी होगी।
 - (3) मीताणुरक प्राधिकारी द्वारा पायप संरक्षण सलाहकार से क्यारंटइन निकासी प्राप्त होने पर परेषण की सीमागृरक निकासी दी जाएगी ।
 - (4) फूलों के कटिंग्स, सेपिलग्स बहवुह इस्यादि जिनके लिए पी. ई. क्यू. निरीक्षण की प्रावश्यकता होती है उन्हें पी.ई. क्यू. मुविधा में लगाया जाएगा। पीछे, फल और बीज (भारत में श्रायात के लिए विनियमन) प्रादेश, 1984 के प्रधीन निर्धारित प्राधिकारी द्वारा धनुमोदित किए जाएंगे। यवि संगरोध/सीमाशुल्क निकासी के उपरान्त उक्स प्राधिकारी निरीक्षण के दौरान यह देखता है कि इसमें कोई विदेशी कीड़ा था बीमारी है तो निर्धारित इंग से उसी समय सामग्री की नष्ट कर दिया जाएगा।

17. मान की निकासी के समक्ष प्रायापक संबद्ध प्राधिकारी के पास मान्यता/पंजीकरण के ब्यौरे धर्मान् मान्यता/पंजीकरण प्रमाण की संख्या एवं विनोक के ब्यौरे देते हुए सीमाणुल्क प्राधिकारी की एक घोषणा पन्न प्रम्युत करेगा कि ऐसी मान्यता/पंजीकरण एह नहीं किया है या बापस नहीं सिया गया है या बाच्या रूप से ध्रप्रमावी नहीं किया गया है ऐसे मामलों में जहां संबद्ध प्राधिकारी द्वारा घलग मान्यता पंजीकरण सं. आबंदिस नहीं की गई है तो भागानक सीमाणुक्क प्राधिकारी को संवृद्धि के लिए अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

18. ताजे फलों के मामले में राष्ट्रीय कृषि विषणन फेडरेशन (नेफड़) क्वारत विल मंत्रालय (श्राधिक कार्य विभाग) द्वारा विदेशी मुद्रा की उन्मृक्ति पर श्री शायात समुक्तेय होगा। सायातित माल की निकासी

के समय नेफड़ को सीमाणुल्क प्राधिकारियों के पास इससे संबंधित श्रावण्यक साक्ष्म प्रस्तुत करवा होगा।

- '(1) विश्वविद्यालय जिनमें माने गए विश्वविद्यालय धौर मान्यता प्राप्त शैक्षिक भीर धनुसंधान संस्थान शामिल है;
- (2) पश्लिक, राष्ट्रीय भीर राज्य पुस्तकालय;
- (3) उच्च शिक्षा के संस्थान;
- (4) पुस्तक विकेता जिनकी न्यूनतम वार्षिक विकी ग्राय 5 लाखांच. है:
- (5) भौधोगिक स्थापनाओं की अनुसंधान और विकास इकाईयां;
- (6) प्रयते व्यावसायिक प्रयोग हेतु वैज्ञानिक, ष्टाक्टर, इन्जीनियर, विश्वविद्यालय के प्रौफैनर, एक्वोकेट, सनवी लेखापाल प्रयावि जैसे व्यावसाकिय, संगतें कि उनका एक विलीय वर्ष में प्रायान लायत बीमा भाड़ा मृल्य के 10,000 घ. से प्रधिक का न हो।
- 19. ग्रैक्षिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी पुस्तकों के मामले निस्नीक्त शर्ने लागू होगीं :---
 - (क) पुस्तकों के विवेशी संस्करण जिनका प्राधिकत भारतीय पुनर्म्द्रण संस्करण उपलब्ध है, का भाषात भनुमेय नही होगा ।
 - (ख) भागतीय प्रकाशन के बिदेशी पुनर्भुद्रण के आधात की शिक्षा बिभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली की विभिन्ट पूर्व लिखित अनुमति के बिना अनुमेय नहीं किया जाएगः।
 - (ग) भारतीय कोस्टलाइन्स के केवल ऐसे नौसंचालन सम्बन्धी चाटों के झायात को झनुमेय तभी किया जाएगा जबकि उनकी विशिष्टतः निकासी नुख्य हाइब्रोप्राफर, भारत सरकार, देहरादूत द्वारा की आएगी।
 - (घ) विवेशी में प्रकाशित पुस्तकों के प्रप्राधिकृत पुनर्मुद्वणों के ग्रावात को प्रनुसेय नहीं किया जाएगा।
 - (क) पूर्णतः गैक्षिक स्वरूप कं रिकाडों या प्री-रिकाडिंक भाषियो तथा वीडियो कैसेटों या विडियो डिस्क तथा प्री-रिकाडिंक पलोपी हिस्क, जोकि पुस्तक के अभिन्न भंग हैं, का भायात किया जा मकता है बगतें कि सप्लायर ने प्रमाणित कर दिया है कि रिकार्ड या प्री रिकाडिंक कैसेट या वीडियो डिस्क या प्री-रिकार्डिंक पलापी डिस्क पुस्तक के अभिन्न भंग है और सम्बद्ध बीजक में रिकार्ड प्री रिकाडिंक माडियो तथा वीडियो कैसेट या प्री-रिकाडिंक पलापी किस्को या बीडियो हिस्कों का स्योग दिया गया है।
 - (भ) पुस्तक विकेता माल की तिकामी के समय सीमाधालक प्राधिकारियों के समक्ष बहरहाल बुकान तथा प्रतिष्ठान के पंजीकरण
 सम्बन्धी सम्बद्ध विधि के अन्तर्गत अपने पंजीकरण की मूल
 कापी (जो इस समय वैध है) या ऐसे मूल की फोटो कापी
 प्रस्तुत करेंगे या प्रकाशकों या पुस्तक विकेताओं के किसी
 व्यावसायिक संघ की सदस्यता का प्रमाणपन्न प्रस्तुत करेंगें।
 सत्तवी या लागत लेखाकार या कम्पनी सचिव, जोकि फर्म का
 माझेबार वहीं है निवेशक या फर्म के किसी कर्मचारी या इसके
 किसी सहसोगी द्वारा पुस्तकों की वार्षिक विकी की प्राय को
 वशति हुए विया गया प्रमाणपन्न भी प्रस्तुत करना अपेक्षित
 होगा।

- (जज) पुस्तक विकेता खुले साजात्य लाइसेंस के घष्टीन प्रायातित पुस्तकों के मूल्य के बारे में , मूल श्रुवेश का घ्योरा, क्या पुस्तकें तकनीकी है या गैर तकनीकी घीर प्रत्येक को दो का मृल्य बताते हुए तिमाही विवरण केवीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को भेजेगा। ऐसा विवरण न भेजने पर ग्रायात-निर्मात को बनस्वर गई हो सकता है।
- (छ) गैक्षिक ग्रीर प्रनुसंधान संस्थानों, उच्च णिक्षा के संस्थानों तथा पश्चितक लाहबेरी को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष, केन्द्र या राज्य सरकार अथवा विश्वविद्यालय द्वारा, जैसा भी मामला हो, उन्हें मान्यता दिए जाने से सम्बन्धी प्रमाणपत्र प्रस्तुन करना होगा ग्रीर उन्हें इस ग्राशय की एक बोषणा करनी होगी कि ग्रायानित पुस्तकों उनके स्वयं के इस्तेमाल के लिए हैं। निजी रूप से जिल्ल-पोषित ग्रनुसंधान मंम्यानों को जिन्हें केन्द्र या राज्य मरकार से ग्रीपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, इस ग्रागय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उन्हें उनके ग्रारा किए जा रहें ग्राप्यत या ग्रनुसंधान परियोजनानों के लिए सरकार से ग्रनुदान प्राप्त हुन्ना है।
- (ज) व्यावसायिकों को निकामी के समय सीमाणुल्क प्राधिकारियों को संगत व्यावसायिक निकाय या मंघ की ध्रपनी सदस्यता के सम्बन्ध में साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें वर्ष के दौरान किए गये ध्रायातों का निवरण और इस ध्राशय की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइसेसिंग वर्ष के दौरान उनका कुल ध्रायात 10,000/- य. के मूल्य से ध्रिधिक का नहीं हुआ है।
- (झ) सीमागुल्क से निकामी के समय प्रायातक को इस प्राथाय का प्रोषणा वेनी होगी कि प्रायातित पुस्तकों में वे पुस्तकों शामिल नहीं हैं जो प्रायास-निर्मात नीति (आप्य-1) । 1990---93 के प्रनुसार प्रमुमेय महीं हैं ।
- 20. ग्रीक्षक वैज्ञानिक भीर तकतीकी पत्निकाओं, त्यूज मैग्जीन भीर प्रख्यवारों के मामले में खुले सामान्य लाइसेंस के प्रन्तर्गत सभी व्यक्तियों को उनका भाषात करने की भनुमति होगी।
- 21. माल की निकासी के समय आयातक को सीमाणुल्क अधिकारी को यह घोषणा अस्तुत करनी होगी जिसमें संबंधित प्राधिकारी के साथ मान्यता प्राप्त पंजीकरण के विवरण दिये गये हों जैसे मान्यताप्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्न की संख्या सथा तारीख फ़ौर यह बचनशद्धता कि ऐती मान्यता गंजीकरण को रह मथवा वापिम तथा भन्य प्रकार से अप्रभावी नहीं बनाया गया हो। जिन मामलों में, संबंधित प्राधिकारी द्वारा मान्यता पंजीकरण संख्या भलग से नहीं दी गई हो तो आयातक को सीमाणुल्क आधिकारी की संसुध्द के लिए कोई भन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा।
- 2.2. झायानक को इस लाइसेंस के झन्तर्गत झायात किये गये माल की खपत उपयोग का उचित लेखा-जोखा निर्धारित प्रपत्न एवं विधि में रखना होगा धौर जैसा कि निर्धारित किया गया हो, उस झविध के भीतर लाइसेंसिंग प्राधिकारी अथवा किसी अन्य सरकारी प्राधिकारी को। करना होगा।
- 23. खुले सामान्य लाइसेंस के प्रधीन प्रायाति मान का निर्यात मुक्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात, नई दिल्ली की धनुमति के बिना प्रनुमेय वहीं है ।
- 24. इस प्रकार भागात किया गया माल विकाणी भ्रमीका और किजी में उत्पादित या विमिर्मित न हों।
- 25. ऐसे माल किसी भी रियायती भवधि , वाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना साइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च 1993, को या इससे पहले परेवण के माध्यम से धारत के लिए सावा गया हो।

26. उपमृक्ति शर्त सं० 25 में दी गई व्यवस्था के बावजूब भी लोक हित में सरकारी राजपक्ष में सावजितक सूचना जारी करके कुले सामाध्य लाइसेंस में से ली गई किसी मद के मामले में सरकार को ऐसी समय मीमा निर्धारित करने का इक्षिकार है जिसके द्वारा सार्वजितक सूचना जारी करने की तारीख से पहले पाल झामातकों द्वारा खोले गए और स्थापित विए गए इपिवर्तनेंग्र साखदि द्वारा समित पश्के झारेकों के महे पोस लदान किया जामा चाहिए इन्य प्रकार के झारेकों के मामले में कोई सुरक्षा स्थवस्था प्रवान नहीं की आएगी।

27. यह लाइसेंस भागात (नियंत्रण) मादेश 1955 की अनुसूची 5 की मत सं० 1 के भी भाषीन होगा।

28 विसी माल के लिए उसके प्रायात को प्रभावी करने वाला कोई प्रन्य निवेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़िया।

29. अन्य कानून या विनिधमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ता को को अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं, यह लाइसेस उमसे कोई उन्मृक्ति छूट या रियायस पिसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आषासकों को सभी अन्य कानूनों के उपवधों का पालन करना खाहिए जो उन पर लागू है।

> हस्ताक्षर तेजेग्द्र खन्ना मुक्य नियंत्रक, मागात निर्भात

(फाइल सं॰ मार्चिपी. सी. अ/5/90)

खुके मामान्य लाइसँस सं० 16/88---91 दिनांक 30 मार्च 1988 की घनसूची

- 1. पाल्डी वैनसीन (सभी किस्में)
- 10,2 लीडर पानी की क्षमता और कम क्षमता के मैंकिकल पैस सिलेन्डर
- भ्राप्ति शमकों के लिए 15 लीटर तक की पानी की कमता बाले बायक्साइड मैस सिलेन्डर
- 4. शोकत-इलैक्ट्रिक मोटर्म
- मैगनेटिक /इलीवट्रोमैक्नेष्टिक बाटर कंडीमिनिय सिस्टम
- 6 ग्रेप गाई पेपर
- फोटोग्नाफिक केनिकल्स-डिबेलपरस, फिक्सजरस, इन्टेशिसीकायरस रिड्ब्सरस, टोनर्स और क्लीनिंग एजेन्ट।

- 8. 🖁 इंच यू-मैटिक और एक इंच बीडयो कैसेट/टिग्स ।
- 9. किसी मीडिया में कम्प्यूटर सापटवेयर, जिसमें 50 क्ष्यवेया अससे कम के लागत-बीमा-भाषा मूल्य प्रति विसकेटे सिंहत पलोध्यी विककेटे सापटवेयर शामिल हैं।
- 10. पोलियूरीबेल श्रीकर ।
- 11. वैकिंग के लिए इंडियन फ्लैंग वैसल।
- 12 निम्नलिखित कीटनाशी, फर्जूबीमाशी, भीर वासपात नाक्षी:--
 - (1) मोनोकोटोकीस
 - (2) भिषाइल वैराधियोन
 - (3) हिमियोपेट
 - (4) बी. एच. सी.
 - (त) मेलाभियोत
 - (6) एन्डोसरकाम
 - (7) फोरेट
 - (६) विवेत
 - (८) जिलेक
 - (10) पिराम
 - (11) 2,4-10
 - (12) भ्यूटा-मनोरी
 - (13) वैषियोकार्य
 - (14) भाइसोबोद्यूरीन
 - 13. नाजे फल
 - 14 प्रोस्टाग्लॅकिन पी जी एफ 2 एएका
- "15(1) सम्जिमों/फूलों के बीज, सजाबटी पीक्षों के बीज, फूली के द्मृबर्सजीर मस्बसः।
- (2) फूलों के कटिंग्स, सैपलिंग्स, बडबुढ शाबि।"
- "16. (क) शैक्षिक, वैज्ञानिक स्रौर सकतीकी पुस्तकें (श्रामाद-तिर्मात नीति, 1990--93 (खण्ड-I) के परिशिष्ट-6 की सूची-7में विषमों की जिस्तृत सूजी दी गई है।
- (च) शैक्षिक, वैज्ञानिक भीर तकनीकी पिक्रकाएं, समावार पिक्रकाएं भीर समावार-वस्रा'

मारत सरकार

बाणिज्य मंत्रालय

आयात ज्यापार नियंत्रण

ग्रादेश संख्या 17/90--93 बुला सामान्य साहसेंस स. 17/90

विनोक 30 मार्च, 1990

का. मा. मायात एवं निर्मात (अ) (भावात व्यक्षित्यम, 1947 (1947 का 18) (अ) के खण्ड 3 द्वारा प्रवस्त मधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 1 मप्रैल, 1990 से 31 मार्च, 1993 तक एतच्छारा निम्मलिखित वार्तों के मधीन विकास मफ्रीका संग/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से पूंजीगत मान का भारत में मायात करने की सामाध्य मजुमति देती हैं:---

- (1) पाळ मायातक सिम्नलिकित होंगे :--
 - (1) कोल इंडिया लि.
 - (2) नेबेली लिगनाइट कार्पोरेजन लि.
 - (3) भारत कोकिंग कोस लि.
 - (4) सेंद्रम कोन फील्ड्स वि.
 - (5) ईस्टर्न कोस फील्डस लि.
 - (6) बेस्टरन कोल फीलबस जि.'
 - (7) सेंद्रल मार्डन प्लानिंग एक विजादन इस्टीटयूट लि.
 - (8) सिंगरेणी कोलरीज कम्यमी लि.
- (9) साजय ईस्टर्न कोल फील्ब्स लि.
- (10) नार्वन कील फील्क् लि.
- (2) भाषात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा आरी की गई किवेसी सुद्रा के महे किया आयेगा।
- (3) सरकारी राजपक्ष में समय-समय पर जारी की गई मार्बजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंजीधित ग्रायास निर्मात शील, 1990-93 (बाध्य~1) के परिशिष्ट 1 भाग क के उल्लिखित पूंजीगत माल और परिक्षिष्ट 8 के अस्तर्गत बाले ग्रंत्र के मायात की अनुमति नहीं दी जावनी, पूंजीगत माल की प्रस्य मदों के संबंध में (परिकाद 1 भाग ख में दर्शाई गई मदों को छोड़कर), धायाल महानिदेशक, तकलीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशीय वृष्टिकोण से निकासी के ग्रशीन, होगा । मेरीन इलेक्ट्रोनिक्स भौर संचार उपस्कर सहित किन्तु इस मीति के पैरा ७(17) में बाने वाले दूरसंचार उपस्कर को छोड़कर किसी भ्रन्य इलेक्ट्रानिक मदों के मामले में यदि ऐसे भागातों का मुख्य 25 साख रुपये से अधिक हो जाता है तो इसेक्ट्रानिक्य विभाग से पूर्ण निकासी अनिवार्य होगी। पैरा ६(17) में आने वाले दूर-संचार उपस्कर के लिए दूरमंचार किमाग (दूरसंचार ग्रायोग) से पूर्ण निकासी लेनी प्रावश्यक होगी यदि ऐसे प्रायात का मूल्य 25 लाख कपये से ग्रधिक है। सरकारी राजपत्र में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सुबनामां के द्वारा ययासंशोधित परिशिष्ट-1, भाग-ख में दर्शाई गई मदों के लिए देशीय वृष्टिकोण में निकासी की घाषश्यकसा नहीं होगी:--

- (4) ऐसा बायात किया गया मास नया विनिधन होगा।
- (5) धायात (वास्तविक उपयोक्ता) गर्त के प्रशीम होगा।
- (8) यह लाइसेंस मायात (नियंक्षण) मारेश, 1955 की मनुसूची 5 की सर्ते 1 के भी मधीन होगा।
- (7) इस तरह बायात किया गया माल वीकाण अभीका तथा फिओ में तैयार अथवा विमिमित न किया गया हो।
- (8) भारत को ऐसे माल का लवान किसी भी रियायती ग्रवधि के बिना 31 मार्च, 1993 को या इससे पूर्व, या 1994 की फरवरी की ग्रास्तिम तिथि को या इससे पूर्व विवेशी मुझा के व्यापारी (बैंक) के साम पंजीकृत और की गई पक्की संविवा के महे ग्रामें 31 मार्च 1993 को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो।
- (9) उपर्युक्त ग्रातं के 8 में दी गई व्यवस्था के बाबजूद भी लोकहित में सरकारी राजपन्न में सार्वजितिक सूचना जारी करके खुले सामान्य
 लाइसेंस में से ली गई किसी मद के मामले में, सरकार की ऐसी समय
 सोमा निर्धितिक करने का धिकार है जिस के द्वारा सार्वजितक सूचमा ।
 जारी करने की तारीख से पहले पाळ झायातकों द्वारा किए गए पक्के
 ठेके और विदेशी विनियय डीसर द्वारा धादेशों के मद्दे पोत लवान किया
 जाना शाहिए। ग्रम्य प्रकार के ग्रावंशों के मामले में कोई ऐसी मुरक्षा
 व्यवस्था उपसम्ध मही होगी।
- (10) यदि माल के भाषात के समय उसके भाषात पर प्रभाव बालने बाला कोई निषेध या बिनियम लागू होगा तो इस लाइसेस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (11) यह आद्रमेंस किसी भी वास्तविक उपभोक्ता (बीदोगिक) जब अध्य कानून या विनियमों की शतों के मधीन भाता हो, सो उसे उसके दायित्व या किसी भावस्थकता का धनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति सुट या ढील प्रदान नहीं करता है। भाषातक को इसके लिए लागू भन्य सभी कानुनों के उपबन्धों का भनुपालन करना चाहिए।

हं./-(तेजेन्द्र खन्ना) युक्य नियसक सायात-निर्वात

वाणिक्य मंत्रालय

आयांत व्यापार नियंत्रण

पादेश सं. 18/90--93

ब्रुबा सामान्य लाइसेंस संख्या 18/90

मर्ड विल्ली, 30 मार्चे, 1990

का. था. (अ) धायात-निर्मात (नियंत्रण) षाधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदर्श प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्दारा सरकारी राजपन्न में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा यथासंगोधित प्रायात-निर्मात नीति 1990—93 (अण्ड 1) के प्रत्यांत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के प्रधीन वास्तविक उपयोक्ताओं (औषोगिक) द्वारा पूंजीयत साल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोज्यों और प्रतिरिक्त पूजीं का दक्षिण प्रफ्रीका संघ/फिजी को छोड़कर किसी भी देश से 1 प्रप्रैल, 1990 से 31 प्रार्च 1993 तक प्रायात करने की निम्नलिखित गर्ती के प्रधीन सामान्य प्रमुत्तत देती हैं:—

- (1) पात्र प्राथातक भारतीय प्रप्रवासी होगे (जिसमें वह प्राविवासी भारतीय शामिल है, जिसने विदेशी राष्ट्रीयता प्राप्त कर ली है) और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय हो।
 - (2) धायाल की गई मवें सरकार की औद्योगिक नीति के धनुरूप मया औद्योगिक यूनिट लगाने धववा वर्तमाम यूनिट के विस्तार विविधता, धाधुनिकीकरण के लिए या सेवा उद्योग लगाने के लिए होगी।
- (3) भ्रायात में सिम्मिलत सारी विवेशी मुद्रा की भ्रायातक द्वारा व्यवस्था की जाएगी। भ्रायात में भारत द्वारा कोई प्रेषण सम्मिलत नहीं है।
- (4) धायातक द्वारा न तो निवेश की गई पूंजी और न ही लाभीश स्वदेश मेजने के लिए धनुमित होगा।
- (5) घायाल "बास्तविक उपयोक्ता" की शतों के प्रधीन होगा । घायात की लिथि से 5 वर्ष की घविष्ठ तक के लिए उस पूंजी गल माल को बेचने की घनुमित महीं दी जाएगी । तस्पश्चात, ऐसी बिकी केवल मुख्य निर्यक्षक धायात-निर्यात, की दिल्ली की पूर्वानुमित से ही की जाएगी ।
- (6) सीमाशुस्क के माध्यम से मिकासी के समय घावालक को एक घोषणा प्रस्तुत करनी होगी कि:---
 - (क) धायातित मशीमरी और अन्य माल ग्रायानक द्वारा विवेश में कमाई से/श्रोतों से खरीवा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण लामिल नहीं है, और;
 - (ख) सीमा शुरूक के मान्यम से निकासी की तिथि से तील महीने के भीतर झायातक विषयाधीन मशीनरी और धन्य माल के झायात के बिषय में उस राज्य उद्योग निवेशालय को सुधित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। परश्तु इसैक्ट्रानिक मंद्रों के मामलों में

सूत्रमा इलेक्ट्रानिक विभाग, लोक तायक स्वतः, नई विस्ली को भेजी जाएगी। ऐसी सूत्रमा की प्रति सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारी तकतीकी प्राधिकारी को भी भेजसी काहिए। जिसकी एक प्रति सम्बन्धित उद्योग मिदेशक को भेजी जाएगी।

- (7) पाल व्यक्ति परिशिष्ट-1, भाग-कं में निर्विष्ट पूंजीगत माल का भागात कर सकते हैं। किसी औद्योगिक यूनिट को लगाने के लिए 35 लाख (भवतरित लागत) रुपये मूल्य तक के प्रति-वंधित सूची में निर्विष्ट मदों के मितिरक्त, भ्रष्य पूंजीगत माल का भागत किया जा सकता है।
- (8) इस साइसेंस के भ्रम्सगैत पुरानी मशीनरी के भ्रायात की भ्रमुमति महीं वी जाएगी।
- (9) जिस उद्योग में धायातित मशीनरी का प्रयोग किया आएगा, उसमें प्राथात-निर्यात, मीति 1990-93 के पैरे 8(5) में सब्बु उद्योग के लिए तथ की गई ऊपरी सीमा से प्रविक्त मूक्ष्य का संग्रंव भीर मशीनरी में पूंजीगत निवेश नहीं होगा।
- (10) पहले वर्ष में धावस्थक कच्ची सामग्री, संबदकों, उपमोज्यों की धम्मृति इस लाइसेंस के धम्मग्रीत विशेष धमुमोषन समिति (एन.धार.धाई.) उद्योग संव्राजय द्वारा धमुमित के झाझार पर दी जाएगी। धावातक द्वारा धायातित कच्चा माल, संघटक बीर अपभोज्य भारत में लगाए जा रहे उद्योग में प्रयोग किए जाएंगे।
- (.11) संबद्ध औद्योगिक यूमिट को (याँव वे सई हैं), निर्धारित मीति के प्रमुसार पूंजीगत साल के प्रायात की तिथि से एक वर्ष की प्रविध के प्रश्वर संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के पास स्वयं को पंजीकृत करवामा प्रयक्षित होगा।
- (12) पाल पायातक, विवेशी मुद्रा विनियमों का धनुपालन करेगे और लागू नियमों के प्रधीन यथाप्रपेक्षित विवेश में शेष विवेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की भावस्थक धनुमति भारत करेना।
- (13) इस प्रकार प्राथातित माल दक्षिण ध्रफीका संव/फिजी में निर्मित न हो।
- (14) भारत को ऐसे माल का लवान परेवण के माळ्यम से किसी भी रियायती भवधि के बिना, काहे जो कुछ भी हो, की 31 मार्क 1993 को या इससे पूर्व या नीचे सकितिक तिथियों की कर विया जाता हो:—
 - (क) उन कच्चे माल, संबंधकों और उपमोज्य सामग्री के मामले में 30 जून 1993 को या इससे पूर्व जिसके लिए जहां फरवरी 1993 मास की अंतिम तिथि को इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साक्ष-पत्न कोल दिए जाते हैं।

- (का) जल पूंजीगत माल और श्रातिरिक्त-पुर्जों के मामसे में श्रगले 31 मार्च 1994 को या इससे पूर्व जहां फरवरी मास 1993 की अंतिम तिथि को इससे पूर्व एक पवकी संविदा कर की गई हो और उसे विदेशी मुद्दा का लेसदेस करने वाले बैक के पास पंजीइस कर दिया गया हो ।
 - (18) उपर्युक्त कर्त स. 14 मे वी गई व्यवस्था के बावजूव भी लोकहित में सरकारी राजपक्ष मे सार्वजनिक सूचना जारी करके खुले सामाध्य लाइसेंस में से ली गई किसी भी मध के मामसे में, सरकार को ऐसी समय सीमा निर्धारित करने का मधिकार है जिसके द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी करने की सारीख से पहले पाज भागातकों द्वारा खोले गए और स्थापित किए गए मपरिवर्तनीय साल-पल द्वारा समीवत पक्के मादेशों के महे पोतजवान किया जाना चाहिए। भ्रष्य प्रकार के मादेशों के मामले में ऐसा कोई संरक्षण उपलब्ध नहीं होगा।
- (16) यदि इस प्रकार के माल की धनुमति के समय उसके धायात पर प्रभाव कालने वाला कोई निवेश या विभिन्नय सागू होगा सो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ेगा।
- (17) यह लाइसंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (श्रीकोगिक) या भ्रायातक जब भ्राय कानून या विनियमों की कर्तों के स्मक्षीन भ्राता हो सो उसे उसके वायित्व या किसी भ्रावत्यकता का भ्रापालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढोल भ्रवान नहीं करता है। भ्रायातक को उसके लिए लागू भ्रम्य सभी कानूनों के उपवन्त्रों का धनुपासन करना काहिए।

ह./-(तेजेख खझा) मुख्य नियंत्रक, भागान नियति

(আরে ভাঁ০ সাহিত দী লনী ল- বু/5/90)

बाणिस्य महासय

घायास-निर्मान नियंत्रण

भावेल सं**० 1990** - - 93

जुना मामान्य साइमेन सं० 19/90

मर्ड विस्त्रो, 30 मार्च, 1995

का॰बा॰ (भ्र) :---ब्रायात निर्यात नियुत्तण ब्रक्षिनियम, 1947 (1947 का 18) के खड 3 द्वारा प्रवत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा ग्रामला झादेश जारी होने तक विदेश में परियोजनाएँ लंगे वाले परियोजना ठैकेदारो को, भारतीय रिजर्व बैंक, या एक्जिम बैंक ग्राफ इडिया गाई की बी गाई से अपेक्षित सन्मति लेने के बाद भारत से लिए गए या विदेश से खरीदे गए (i) संबंधित उपस्करों, (ii) मणीनरी ग्रीर सम्बद्ध ग्रतिरिक्त पुजी (iii) संबंधित मौजारों मौर (iv) संबंधित उपसाधिजों या विकाणी मफीका संब, तचा वक्षिणी पश्चिमी भ्रमीका तथा फिजी को छोड़कर विशव के किसी भी देश से, परियोजनाएं पूर्ण हो जाने पर देश में पून: ग्रायात/श्रायात करने की सामान्य अनुमति देती है। लेकिन ऐसे पुनः मायातिस/प्रायापित माल की निकासी चाहते समय परियोजना ठेकेवार को सम्बद्ध सीमा गुल्क प्राधिकारियों के पास इस संबंध में एक घोषणापत्न वाखिल करना ध्रपेक्षित होगा कि इस संबंधित उपस्करों, मशीनरी भौर संबंधित भेतिरिक्त पुजी, मर्गिधत भौजारों भीर संबंधित उपसाधिकों का परियोजना (परियोजना का नाम देना है) के निष्पादन के लिए प्रयोग किया गया था भीर या तो भारत के लिए गए थे या विदेश से खरीवे गए थे जिसके लिए भार-तीय रिजर्भ बैंक सर एक्जिम बैंक घाफ इंडिया/झाई डी बी झाई से अप्पेक्षित मनुमति प्राप्त कर ली गई थी।

2. उपर्युक्त अनुमित सीमा शुक्ल प्राधिकारियों को इस संबंध में मंसुष्टिपद साध्य प्रस्तुत करने पर उस कार्यालय उपस्कर के मामले में भी उपलब्ध होनी चाहिए जिसका प्रयोग कम से कम एक वर्ष के लिए विदेश में धरियोजना के निष्पादम के दौराल किया गया था।

पुनः भाषात/आयात प्रस शर्त के भन्नीम होगा कि:--

(1) ऐसे माल का लाइसेस बर्ध की 31 मार्थ की या इससे पहले

भारत के परेचण के मध्यम में पीतलवात कर दिया गया हो,

- (2) यदि किसी माल के भाषात के समय उसके भाषात पर प्रभाव डालते हुए कीई धन्य निषेध या विनिधम लागू होंगे । इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (3) प्रस्तुत लाइसेंस शस्तिवक उपयोक्ताओं (ग्रोकोगिक) आयातक को किसी ऐसे ग्राधार ग्रनुपालन से किसी समय भी उध्युष्ति रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे ग्राप्य कामूनों या विनियमों की मतौं के तहल पूर्ण करने हों। ग्रायासकों को उनके लिए लागू ग्रन्थ सभी कानूनों के प्रावधानों का अनु-पालन करना चाहिए।
- (4) उपयुक्त प्रनुमति उस ग्रम्य शतौं के भी प्रधीन होती जो विषयाधीन माल की खरीत के लिए प्रभुमति देते समय भारतीय रिजर्व बैक/एक्जिन बैक ग्राफ इंडिया/प्राई की बी आई दारा लगाई गयी थी।

टिप्पणी: इस भादेण के प्रयोजनाथे "लाइरोसिंग वर्ष" ग्राँर "भगला लाइमेसिंग वर्ष" जहां भी संवर्भ में भाता है उसका वही अर्थ है जो 1990-93 की भायात एवं निर्यात मोति (अप्ड 1) में उल्लिखित है।

> ते जेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक स्रायात निर्मात

[मिं oसं o 1/2/74-ईपी सी] .

वाणिज्य संवालय

प्राथात व्यापार नियंक्षण

मादेश सं. 20/90---**9**3

कला सामाध्य लाइसेंस सं. 20/90

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का. जा. — (द्य) ग्रामात एवं निर्मात (नियंत्रण) ग्रिशिनियम, 1947 (1947 का 18) की क्षारा 3 द्वारा प्रदात शिक्तयों का प्रयोग करते हुए के ग्रीम सरकार संबंधित के लों में स्थापित वास्तविक उपयोधताओं को (1) पूजीगत माल (शष्टे तया हो या पुराना) (2) कच्चा माल (3) संघटक, (4) ग्रीतिरिक्त पुर्जे (5) उपभोज्य सामग्री (6) पैकिंग सामग्री (7) औगार जिग्स फिक्सचर्स और गेजिज था (8) ग्रावि क्य और तकनीकी समूने को उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूर्याकन के लिए प्रत्येक किस्म के वो से ग्रीथक नहीं हों (9) मुक्स व्यापार क्षेत्र निर्यात संसाधन क्षेत्र में छीजल अनरेटिंग सैट का ग्रायात करने के लिये ग्रागे के भावेश होने तक सामान्य अनुसीत प्रवान करती हैं जो प्रत्येक मामले में उस माल के लिए लागू वास्तिक उपयोक्ता ग्रातों के ग्रावील होगी। तथापि, ग्रायात-निर्यात नीति 1990-93 खण्ड-एक के परिशिष्ट 2, भाग क के प्रधीन थरेलू वर सूर्ण 4. प्र में धायात के लिए निर्मेश मदों की इस खुले सामान्य लाइनेम के भारतीत मुक्त व्यापार क्षेत्र में ग्रायात करने के लिए प्रनुमिन नहीं को जाएगी।

- 2. पुराने पूंजीयत माल के घायात के लिए, घायातक माल की निकासी के समय सीमा गूंक घटिकारी की जिस देश से घायात किया जाता है उस देश के रजतात व्यवसायी समग्री ग्रिभियन्ता/इभके समतुत्य संस्था से एक प्रमाण-पह प्रजिया पुरतक, 1890-93 के परिशिष्ट 3 में दिए गए प्रपक्त मे प्रस्तुत करेगा। घायातक से मशीन की शेष घायू के संबंध मे एक निजी घोषणा-पक्त भी घपेक्षित होगा।
- 3. संबंधित क्षेत्र के विकास सायुक्त द्वारा सिकारिण करने पर, ऐसे बास्तिबिक उपयोक्ता धापने स्वयं के उत्पादन/उपयोग, उत्पाद विविधीकरण और विकास पर या मृत्यिकन के प्रयोजनार्थ (1) पैरा 1 में न माने वाले कादि हुए और तकने की नमृत्यो (2) क्रारंग कत्यु फिन्ट, कार्टस, माधको फिल्मो सहित सकर्णको बाटा और (3) कार्यालय उपकरण, सितियत पुर्जे और उसके उपभोक्यों का भी सायान कर सकते हैं।

- 4. ऐसे वास्तविक उपयोक्ता (1) क्षेत्र में उनके द्वारा मरम्मत/सुधार करने के बाद पुनः निर्मात किए जाएंगे या (2) विदेशी प्रेषिति को बास्तविक उपयोक्ता द्वारा प्रेवित माल की तिथि से तीन वर्षों की प्रविध के भीतर (विवेशी मुद्रा विनियमन प्रधिनियम 1973 (1973 का 46) के प्रधीन संबद्ध औपश्रारिकताएं पूर्ण करने के बाद) उससे माल की बापसी के लिए प्राप्त माल कां भी प्रायात कर सकते हैं।
- 5. भायातक, श्रायात, खपत और सारे श्रायातित माल का उपयोग और उसके द्वारा किये गए निर्यातों का निर्धारित प्रपन्न में ठीक प्रकार से लेखा रखेगा और उसे क्षेत्र के विकास श्रायुक्त को और संबंधित लाइसींसिंग प्राधिकारी को उनके द्वारा यथा श्रयेक्षित श्राविक रूप से भेजेगा। श्रायातक इस मासले में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य वर्धन की शर्त का श्रनुपालन करेगा। बह उसे जारी किए गए श्रनुमोबन पत्न/श्रायय पत्न/ श्रीक्षोगिक लाईसेंस में जोड़ी गई झन्य सभी शतों की पुष्टि का भी पालन करेगा। किसी भी उक्त कर्त का पालन करने में श्रममर्थता को खुले मामाध्य लाइसेंस का उल्लेखन माना जाएगा और श्रायातक पर श्रायात (नियंद्रण) श्रिविचम, 1947 के प्रावधानों और उसके श्रधीन बनाए गए नियमों के प्रधीन की जाने वाली कार्रवाई की जानेगी।
- 6. इस लाइसेंस पर किसी माल के लिए उसके माल को प्रभावी करने वाला कोई अन्य प्रतिबन्ध या विनियमन जो ऐसे माल के घायात करने के समय लागू होंगे उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (7) यह लाइसेंस ग्रायात व्यापार नियंक्षण भावेण सं ० 19/88-91, विनोक 30 मार्च, 88 के ग्रामिकमण मे है।

ह./~ (तेजेन्द्र सम्मा) मु≋ष नियंज्ञक, आमात-नियाँत

(का० मं० त/108/87-ई० पी० सी०)

बाणिज्य मंद्राक्षय

भागात स्थापार नियंत्रण

भाषेण चं • 21/90-93

ब्ला भागान्य लाइसेंसे सं ० 21/90

नई दिल्ली, विनांक 30 मार्च, 1990

का॰मा॰--(म्र) म्नायात एवं निर्यात (निर्यंत्रण) प्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 ढारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्हारा मुक्त व्यापार क्षेत्रों और निर्यात संसाधन क्षेत्रों में स्थित यूनिटों द्वारा विनिमित्त 'रिजेक्टस' को निम्निलिखित शर्तों के मधीन धरेल् टैरिफ क्षेत्र में माथात करने के लिए मगला मादेग होने तक, सामान्य मनुमनि देती है, प्रयोत् :--

- सभी भ्यक्तियों की "रिजेक्टम" के भ्रायान करने के लिए भनुमित वी जाएगी।
- 2. रिजैक्टम शन्द में वे उत्पाद माते हैं जिनमें निष्चित विनिर्माण की लुटि हो और इस प्रकार से मुक्स व्यापार क्षेत्रों और निर्मात मूल्यांकन क्षेत्रों में यूनिटों की घोषणा के अनुसार मिर्यात करने के योग्य नहीं है। "रिजेक्टस" में उप मानकीइन उत्पाद भी शामिल हैं लेकिन इनमें मितिरिक्त पुर्जे, औजार, छीजन (वेस्ट) प्रथमा मह उत्पाद शामिल नहीं है। "रिजेक्टस" का निश्चय करने के लिए निस्नलिखित दिशा निर्देश अपनाये जाएं :----
 - (1) यृतिट को यह प्रमाणित व न्ता चाहिए कि १६के उत्पादों के जिनिर्माण में यृतिष्ट द्वारा लगाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकतीकी की कमी के कारण "रिजेक्टस" का होना अपरिहार्य था।
 - (2) बरेलू टैरिफ क्षेत्र में इसकी श्वीकृति के समय यूनिट द्वारा "रिजेक्टस" पर "रिजैक्टस" की मोहर लगाई जाए और बीजक पर भी "रिजेक्टस" लिखा जाए।

- (3) सीमा मुल्क सहायक समाहता और केन्द्रीय ग्रांबकारी जिनके क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार में ऐसे गूनिट ग्रांते हैं उनकी संतुष्टि के लि ही 'रिजेक्टस' का निर्णय किया जायेगा । सहायक समाहता यह निश्चय करेगा कि निम्नलिखित के संदर्भ में अमुक म रिजेक्टस है:---
 - (क) केया द्वारा विशिष्टिकृत कोटि नियंत्रण मापवण्ड,
 - (ख) यूनिट की मांतरिक कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट, और
 - (ग) भन्य तकनीकी राय जिसे वह भाजश्यक समझे।
- 3. यदि इस प्रकार के माल की भनूमति के समय उसके भ्रायात पर प्रभाव वालने वाला कोई निजेप या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस के उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- 4. यह लाइसेंस किसी भी समय जब मायातक भ्रन्य कानून या बिनि-मों की शर्तों के मधीन भाता हो तो उसे उसके वायित्व या किसी माबश्यकता यका मनुपालम करने से कीई उन्मृक्ति, छूट या डील प्रवान महीं करता है।
- मायातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना शाहिए ।

हु०/-(तेजेन्द्र खन्ना) मुक्य नियंजक, ग्रायान एवं निर्यात

(फा॰ सं॰ 6/108/**87**~ **६**० पी०सी०)

मस्ति हरकार

वाणिज्य मंज्ञालय

ग्रामान ज्यापार नियंखण

भारे**ण सं**० 22/96—92

खुला सामाप्य लाइसेंस सं॰ 22/90

नई दिल्ली, विनांक 30 मार्च, 1990

का०आ०--(अ) आयात निर्मात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, अगला आदेश होने तक एतव्हारा मुक्त ब्यापार केन्न और निर्मात संसाधन केन्न में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित माल को घरेलू टिएफ क्षेत्र में आयात करने की मामाध्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन वेती है, अर्थात्:--

- (1) सभी व्यक्तियों को स्टाक करने एवं विकी के लिए आधात की अनुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्यात संसाधन क्षेत्र में स्थित यूनिटों द्वारा विनिर्मित्त माल के बरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे भायात केवल तब किए जा सकते हैं जबकि सम्बद्ध मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्मात संसाधन क्षेत्र के विकासायुक्त ने घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे बास की विकी की प्रनुसनि दे दी हो।

- (3) यदि इस प्रकार के माल की प्रमुमित के समय उसके प्रायात पर प्रभाव डालने बाला कोई निषेष्ठ या बिनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब भाषातक अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के भ्रष्टीन झाता ही सो उसे उसके वायित्व या किसी भावश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या ठील प्रवान नहीं करता है। भाषातक को इसके लिए लांगू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालम करना चाहिए।

हं ०/-(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य निर्मक्रक, सायात-निर्मात

(फा० गं० त/108/87--ई० पी०मी०)

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

धायात व्यापार निवंदाण

मारेग सं• 23/90—93

जुला सामान्य लाइसेंस सं० 23/90

नई दिल्ली, विनाक 20 मार्च, 1990

का०मा०——(म) मामात निर्यात (निर्यंतण) ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त शिंदतमों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, मगला भादेश होने तक एतद्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्र और निर्यात संसाधन केन्न में स्थित यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान उत्पन्न स्त्रैंप/विस्ट/अवशिष्टों का घरेलू टेरिफ क्षेत्र में मागास करने की सामान्य अनुसक्ति निम्नलिखित शर्तों के भ्रधीन देती है, अर्थातु:——

- (1) भण्डार करने एवं विकी के लिए सभी व्यक्तियों को आयात की श्रमुमति दी जाएगी।
- (2) मुक्त व्यापार क्षेत्र/निर्मात संसाधन क्षेत्र में स्थित मूनिटों द्वारा उत्पादन के वीरान उत्पन्न स्त्रीय/वेस्ट/प्रविशाष्टों का वरेलू टिप्फ क्षेत्र में ऐसे प्रामात केवल तब किए जा सकते हैं जब सम्बद्ध मुक्त व्यापार क्षेत्र या निर्मात संताधन के क्षेत्र विकासायुक्त ने स्त्रीय/वेस्ट/प्रविशाष्टों की विकी की प्रमुमति वे दी हैं।

- (3) यदि इस प्रकार के माल को प्रनुमित के समय उसके घाया। पर प्रभाव डालने वाला कोई निवेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब धायातक ध्रन्य कानून या भिनियमों की मतों के ध्रधीन घाता हो तो उसे उसके वायित्व या किसी धावस्यकता का अनुवालन करने से कोई उम्मुक्ति, छट या बील प्रवान नहीं करता है। घायातक को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

हरू/-(तेजेन्द्र खनाः) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(फा॰ सं॰ 6/108 / 87-६० पी॰ मी॰)

भारत सरकार

बाणिज्य नैज्ञालय

गामास स्वापार नियंक्षण

ब्रावेश नं • 24/90—93

्युता सामान्य लाइसेंस सं. 24/90 वर्ष जिल्ही, दिनोक्त 30 मॉर्स, 1990

कां•मा•---(अ) प्रायात नियंति नियंत्रण प्रिक्षित्रम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रवत्त प्रक्षिकारों का प्रयोग करते द्वुए, केन्द्रीय सरकार शत प्रतिशत नियंति प्रिमुख यूनिटों के रूप में सरकार द्वारा प्रनृमोदित वास्तविक उपमोक्ताओं को पागे पादेश जारी होने तक निय्निलिखित के प्रायात की सोमान्य प्रनुमति वेती है :---

- (1) पूंजीगत नाल (चाहे नए हों या पुराने), जनरेटिंग सेट सहित,
- (2) उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकम के लिए प्रोटी-टाइप और तकतीकी नमूने, जो प्रत्येक टाइप की संख्या को से भक्षिक न हों,
- (३) कम्ब्रा भारत, संबदक, खबनाच्य और मध्यस्थी,
- (4) प्रतिरिक्त पुर्जे,
- (5) पैंकिंग सामग्री,
- (6) सामान संचालन उपकरणों से संबंधित सामान जैसे फोर्क लिपट भोवर हैन केंस (केवल यूनिट की प्रारम्भिक स्थापना के लिए),
- (7) (कं) स्वयं उत्पादन करने के लिए, उपयोग या उत्पाद विविधी करण या विकास या मूल्यांकन के लिए निम्मलिखित में प्रत्येक का एक कग :---
 - (1) सी सी भाई टी टी जी 2 जी 3 भयदा सी सी भाई टी टी जी-3 के नमूने के साथ फेसीमाइल मशीन
 - (2) विक्टेशन टेप रिकार्डर
 - (3) पैपर शेरकिंग मगीन
 - (4) सिन्कोमाइजड जलाइड प्रोजेक्टर
 - (3) बार्ड कापी लेने के लिए प्रवस्थ सहित श्रयका पहिल इसेक्ट्रानिक नहाइट धोर्ड
 - (स) कंग्र कारहर विकीजन पैजर
 - (४) डिक्राइस वैश्वर
 - (स) टेलीशदटर
 - (३) गाहको फिल्मिंग जयस्कर रीका प्रिक्टर
 - (10) इलैक्ट्रानिक आयरी मीमा राइटर
 - (11) टेलीकन्फेसिंग उपस्कर (सूचना एव श्रक्षारण मंक्षालय की सिफारिश पर भीर संचार विभाग के मनुमेंदन पर
 - (ख) फोटोकापिंग पेपर, कैंककुलेटिंग मशीन पेपर रोल्स, टोनर और फोटोकापिंग प्रयोजनों के लिए डिस्पसेंट, जपर्युक्त 7(क) में (1) से (11) तक मशीनों के अति-

रिक्त पुत्रें और इन मगीनों के लिए अपेक्षित प्रतिवर्ष 5000 रु० से कम के मून्य के उपभोष्य औजार,

(8) उपभोक्ताओं को बाश्स्टी कबरंज उपलब्ध कराने के प्रयोजन या बिजी बाद सेवा (चाहे निःमुत्व हो अथवा मृत्य पर हो) के लिए मात प्रतिमत निर्मात अधिमृख यूनिटों ग्रारा विनिमित परिष्कृत उत्पाद संबंधी पुर्जी का प्राप्रात, इसके वार्षिक उत्पादन के पैक्ट्री मृख्य के 1.5 प्रतिमत की दूर से या भाषातित संघटकों के जागत-श्रीमा-भाड़ा मृत्य के 2 प्रतिमत, इनमें से जो भी अधिक हो, अनुमित किया जायगा।

निम्नलिखित सतीं के सधीन :---

- (क) भाषात बास्तविक उपयोक्ता शर्तों के मधीन होगा।
- (च) भास कस्टम **वांडिड** फैक्टरी में ग्रायात किया आएगा।
- (ग) एकक सभी शतों की प्रनुपालना करेगा जो कि इस मामले में ग्रायातिल माल पर सीमा शुरूक के भुगतान की जूट की शर्त के ग्राधीन हो।
- (च) पत्तन से फैक्टरी तक माल के बाहन। त्तरण के प्रयोजन के लिए ट्रांजिट बांड सहित कस्टम बांबिड कलिए लागू होने वाली सामान्य प्रक्रिया अपनाई जाएगी।
- (क) पूरा उत्पादन और कार्य संचालन कस्टम बांडिड फैक्टरी के प्राचीन होगा ।
- (च) ग्रायात एवं निर्मात नीति, 1990-93 (खण्ड-एक) के भाग-क, परिणिट-2 के ग्रन्सर्गत घरेलू दर सूची क्षेत्र में ग्रायात के लिए प्रतिबंधित मधों के ग्रायात की ग्रनुमति नहीं दी जाएगी।
- 2. पुराने पूंजीगत माल के झायात के लिए भाषातक निकासी के समय जहां से धापात किया जाता है उस वेश के स्वसंत्र व्यावसायिक समयी ध्रमियौता/किसी समयुख्य संस्था से एक प्रमाणपत्र प्रेकिया पुस्तक 1990-93 (खण्ड-एक) में विए गए प्रपन्न में भीमा गुल्क प्राधिकारी की प्रस्तुत करेगा । धायश्तक द्वारा मधीनरी की सर्वाष्ट्र समयावधि के कारे में एक व्यक्तियत घोषणा करना भी प्रयोक्षित होगा ।
- 3. मुख्य नियंत्रक, ग्रध्यात-निर्यात के काशांलय, भई दिल्ली में निर्वात ग्रामुन्त की पूर्व भनुमति पर ऐसे एककों को निम्नलिखित के भायात की भनुमति वी जाएगी :---
 - (1) उपर्युक्त पैरा 1 के प्रस्तर्गत न माने बाले पोटोटाएप्स सीव तकनीकी नमूने ;

भारत सरकार

काणिज्य में कोलंब

मायात स्थापार निर्मंत्रण

भाषेत सं 26/90--- 93

चुंजा सामान्य लाइसेस सं 26/90

नई विल्ली, दिनांक 30 मार्च, 1990

का. आ.-(ध) भाषात एवं निर्धात (निर्यंत्रण) घिषिनियम, 1947(1947 का 18) की घारा उद्यारा प्रवस मिन्त्रयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा निम्निलिखित गतों के भ्रष्टीन केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे यूनिटों को शत-अतिशत निर्यात भ्रमिसुख यूनिटों को विए गए भनुभोवन पत्र में वी गई अनुभति के भनुभति होते हैं, अर्थात्:--

- (1) सभी व्यक्तियों को "बहिष्कृत माल" के प्राथात करने के लिए प्रतुमित वी जाएगी।
- (2) "बहिष्कृत माल" शब्द में वे उत्पाद झाते है जिसमें निक्षिण विनिर्माण की तृष्टि है और इस प्रकार से संबंधित अस-प्रतिशत निर्यात स्रिभभुव यूनिटों की घोषणा के अनुसार निर्यात करने के योग्य नहीं है सथा "बहिष्कृत माल" में उप-मानकीकृत उत्पाद भी शामिल है क्षेकिन इसमें स्रतिरिक्त पुर्ज, औजार, छीजभ (वैस्ट) स्ववा सह-उत्पाद शामिल नहीं हैं। "बहिष्कृत माल" का निश्चय करने के लिए मिस्निलिखित भानवण्डों को अपनाया जाए:---
 - (1) एकक को यह सस्यापित करना चाहिए कि इसके उत्पादों के विनिर्माण में एकक द्वारा लगाया गया माल या प्रौद्योगिकी एवं तकतीक की कमी के कारण "बहिष्कृत माल" का होना अपरिहार्य था।
 - (2) घरेलू टैरिफ क्षेत्र में इसकी स्वीकृति के समय एकक द्वारा "बहिष्कृत माल" पर "बहिष्कृत" की मोहर लगाई जाए और बीजक पर भी "बहिष्कृत" लिखा जाए।

- (3) सीमा-शुल्क सहायक समाहर्ता और केन्द्रीय प्रावकारी जिनके क्षेत्राधिकार में ऐसे यूनिट ग्राते हैं, उनकी संतुष्टि के लिए कि "बहिष्कृत माल" को स्थापित किया जाएगा। सहायक समाहर्ता, क्षेता द्वारा विशिष्टिकृत कोटि नियंत्रण मापवण्ड, एकक की श्रांतरिक कोटि नियंत्रण विभाग की रिपोर्ट और प्रस्य तकनीकी राय जिसे सहायक समाहर्ता मामले की ग्रांवर्यकरानुसार निर्णय से पूर्व जकरी समझे, तो इस संवर्ध में निर्णय लेने स पूर्व कि यह मद बहिष्कृत है, उपर्युक्त की जानकारी मंगवा सकता है।
- (3) यदि इस प्रकार के माल की धनुमति के स्नभ्य अस्त धायास पर प्रभाव कालने बाला कोई निषेध या विशियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय प्रायातक जब प्रस्य कानून या विनियमों की शतों के प्रधीन आता हो तो उसे उसके वायित्व मा किसी आवश्यकता का धनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या ढील प्रवान नहीं करता है भागातक को इसके लिए लागू प्रत्य सभी कानूनों के उपबंधों का धनुपालन करना चाहिए।

ह०/-(तेजेश्व खका) मुक्य नियंक्षक भाषात एवं निर्मात

(फा॰ सं॰ 6/108/87-ई पी सी)

मारत सरकार

नाणिण्य मेशालम

भागात स्वश्यार निमंत्रण

मावेग सं : 27/90--93

बुला सामान्य जाइसेंस मं 27/90

नई दिल्ली, विनोक 30 मार्च, 1990

का. था. --(भ) आयात-निर्यात (नियंत्रण) मिश्रिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवत्त मिश्रिकारों का प्रयोग करते हुए केल्बीय सरकार, भगला भावेण होने तक एतद्द्वारा शत-प्रतिशत निर्यात मिश्रिक् यूनिटों द्वारा धरेलू टैरिक क्षेत्र में उत्पावन के वौरान बचे स्प्रैप/वेस्ट/रिमेनेस्ट के मायात की सामान्य चनुमति निम्नलिखित शर्तों के प्रयीन देती है, नामणः :---

- (1) सभी अधिक्तयों को भण्डार एवं विक्री के लिए झायात की अनुमति वी जायेगी।
- (2) शत-प्रतिशत निर्यात प्रभिमुख यूनिटों द्वारा उत्पादन के दौरान बजे स्कैप/नेस्ट/रिमेन्ट्स के घरेलू टैरिफ क्षेत्र में ऐसे प्रायात तभी प्रभावी हो सकते हैं जबकि वाणिष्य मंत्रालय ने घरेलू टैरिफ श्रेत्र में ऐसे स्कैप/बैस्ट/रिकेस्ट्म की बिकी की प्रनुमित देदी हो।

- (3) यदि इस प्रकार के माल की घ्रमुमित के समय उसके आयात पर प्रभाव डाझने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (4) यह लाइसेंस किसी भी समय जब झाथातक अच्य कानून या विनियमों की शातों के अजीन झाता हो तो उसे उसके वायित्य या किसी झावश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुलिस, छूट या बील प्रवाम नहीं करता है। झायातक को इसके लिये लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिये।

ह्∙/-(तेजेन्द्र खन्ना) मुख्य नियंत्रक, सायात-निर्यात

(फा॰ सं॰ 6/108/87-ई पी सी)

IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL) ACT

Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended upto 30th April, 1979.

An Act to prohibit or control imports and exports

Whereas it is expedient to prohibit, restrict or otherwise control imports and exports.

- It is hereby enacted as follows:-
- 1. Short title, extent, commencement and duration.—(1) This Act may be called the Imports and Exports (Control) Act, 1947.
 - (2) It extends to the whole of India.
 - It shall come into force on the 25th day of March, 1947,
- 2. Definitions.—In this Act, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Adjudicating Authority" means the authority specified in, or under, section 4K;
 - (b) "Appellate Authority" means the authority referred to in section 4M;
 - (c) "Chief Controller" means the Chief Controller of Imports and Exports:
 - (d) "Control Order" means a control order made or deemed to have been made under this Act;
 - (e) "Customs Station" has the meaning assigned to it in the Customs Act, 1962;
 - (f) "Deputy Chief Controller" means a Deputy Chief Controller of Imports & Exports;
 - (g) "Import" and "Export" means, respectively, bringing into, and taking out of India by sea, land or air;
 - (h) "Letter of Authority" means a letter authorising the licensee to permit another person, named in the said letter, to import goods against the licence granted to the licensee;
 - (i) "Licence" means a licence granted, includes a customs clearance permit issued, under any control order;
 - (j) "Prescribed" means prescribed by rules made under this Act;
 - (k) "Recognised Agency" means an agency to which the functions of distribution of imported goods have been assigned by the Chief Controller.
- 3. Powers to prohibit or restrict imports and exports,—(1) The Central Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions for prohibiting, restricting or otherwise controlling in all cases or in specified classes of cases and subject to such exceptions, if any, as may be made by or under the order:—
 - (a) the import, export carriage costwise or shipment as ships stores of goods of any specified description;
 - (b) the bringing into any port or place in India of goods of any specified description intended to be taken out of India without being removed from the ship or conveyance in which they are being carried.
- (2) All goods to which any order under sub-section (1) applies shall be deemed to be goods of which the import or

- export has been prohibited under section 11 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), all the provisions of that Act shall have effect accordingly.
- (3) Norwithstanding anything contained in the atoresaid Act, the Central Government may, by order published in the Official Gazette, prohibit, restrict or impose conditions on the clearance, whether for home consumption or for shipment abroad of any goods or class of goods imported into India.
- 4. Continuation of existing orders.—All orders made under rule 84 of the Defence of India Rules, or that rule as continued in force by the Emergency Provisions (Continuance) Ordinance, 1946 (Continuance of Existing Orders, XX of 1946), and in force immediately before the commencement of this Act shall so far as they are not inconsistent with the provisions of this Act, continue in force and be deemed to have been made under this Act.
- 4A. Fee for applications for and issue or renewal of licences.—The Central Government may, by order levy, subject to such exceptions, if any, in respect of any person or class of persons as may be specified in the order, any fee in respect of any application or in respect of any licence granted or renewed under any order made or deemed to have been made under this Act.
- 4B. Power to enter and inspect.—Any person authorised in writing in this behalf by the Chief Controller or any officer serving under him, not being an officer below the rank of a Deputy Chief Controller (hereinafter in this Act called the "authorised person"), may enter, at any reasonable time any premises in which—
 - (i) any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act, or
 - (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for or relevant to, any proceeding under this Act.

are suspected to have been kept or concealed and inspect such imported goods, materials, books of account, other documents or things and may take such notes or extracts from such books of account or other documents as he may think fit.

- 4C. Power to search.—If the authorised person has any reason to believe that—
 - (i) any imported goods or materials liable to confiscation under this Act, or
 - (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to any proceeding under this Act.

are secreted in any place, he may enter into and search such place or premises for such imported goods, materials, books of account, other documents or things.

4D. Power to seize imported goods or materials,—(1) if the authorised person has any reason to believe that any imported goods or materials are liable to confiscation under this Act, he may seize such goods or materials together with the package, covering or receptacle, if any, in which such goods or materials are found to have been mixed with any other goods or materials, he may seize such goods or materials together with the goods or materials with which they are so mixed:

Provided that where it is not practicable to seize any such goods or materials, the authorised person may serve on the owner of the goods or materials an order that he shall not remove, part with or otherwise deal with, the goods or materials except with the previous permission of such authorised person.

(2) Where any goods or materials are scized under subsection (1) and no notice in respect thereof is given under Section 4L within six months of the seizure of the goods or materials the goods or materials shall be returned to the person from whose possession they were seized:

Provided that the aforesaid period of six months may, on sufficient cause being shown, be extended by the Chief Controller by a further period not exceeding six months.

- (3) The authorised person may seize any documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to, any proceedings under this Act.
- (4) The person from whose custody any documents are seized under sub-section (3) shall be entitled to make copies thereof or take extracts therefrom in the presence of the authorised person.
- (5) If any person legally entitled to the documents or other things seized under sub-section (3) objects, for any reason, to the retention by the authorised person of the documents or things, he may make an application to the Central Government stating therein the reasons for such objection and requesting for the return of the documents or things.
- (6) On receipt of an application under sub-section (5), the Central Government may after giving the applicant an opportunity of being heard, pass such order as it may think fit.
 - (7) Where any document-
 - (a) is produced or furnished by any person or has been seized from the custody or control of any person under this Act or any other law for the time being in force, or
 - (b) has been received from any place outside India (duly authenticated by such authority or person and in such manner as may be prescribed) in the course of the investigation of any offence alleged to have been committed by any person against this Act.

and such document is tendered in evidence against the person by whom it is produced or from whom it was seized or against such person any other person who is jointly tried, or proceeded against, with him, the court, or as the case may be the adjudicating authority shall notwithstanding anything to the contrary contained in any other law for the time being in force:—

- (i) presume, unless the contrary is provided that the signature and every other part of such document which purports to be in the handwriting of any particular person or which the court or the adjudicating authority may reasonably assume to have been signed, by, or to be in the handwriting of any particular person, is under that person's handwriting, and in the case of a document executed or attested, it was executed or attested by the person by whom it purports to have been so executed or attested;
- (ii) admit the document in evidence notwithstanding that it is not duly stamped, if such document is otherwise admissible in evidence.
- 4E. Power to stop and scize convevances.—Any authorised person may, if he has any reason to suspect that any conveyance or animal is being or is about to be used for the transportation of any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act and that by such transportation any provision of this Act has been, is being or is about to be contravened at any time stop such conveyance or animal or in the case of an aircraft, compel it to land, and
 - (a) rummage and search the conveyance or any part thereof.
 - (b) examine and search any goods or materials in the conveyance or on the animal.

947 GI/90-20.

(c) it it becomes necessary to stop any conveyance or animal, he may use all lawful means for stopping it and where such means fail, the conveyance or animal may be fired upon,

and where he is satisfied that it is necessary to do to prevent the contravention of any provision of this Act or of any control order or condition of any licence or letter of authority, he may seize such conveyance or animal.

Explanation—Any reference in this section to a conveyance shall, unless the context otherwise requires, be construed as including a reference to an aircraft, vehicle or vessel.

- 4F. Search and seizure to be made in accordance with the Code of Criminal Procedure, 1973.—The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to searches and seizures shall so far as may apply to every search or seizure made under this Act.
- 4G. Confiscation—Any imported goods or materials in respect of which—
 - (a) any condition of the licence or letter of authority, under which they were imported, relating to the utilisation or distribution of such goods or materials, or
 - (b) any condition relating to the utilisation or distribution of such goods or materials subject to which they were received from, or through, a recognised agency, or
 - (c) any direction given under a control-order with regard to the sale of such goods or materials,

has been, is being or is attempted to be, contravened, shall together with any package, covering or receptacle in which such goods are found, be liable to confiscation, and, where such goods or materials are so mixed with any other goods or materials that they cannot be readily separated such other goods or materials shall also be liable to confiscation:

Provided that where it is established to the satisfaction of the adjudicating authority that any goods or materials, which are liable to confiscation under this Act, had been imported for personal use, and not for any trade or industry, and that they belong to a person other than the person who has, by any act or omission, rendered them liable to confiscation, and such act or omission was without the knowledge or connivance of the person to whom they belong such goods or materials shall not be ordered to be confiscated, but such other action is authorised by this Act may be taken against the person who has by such act of omission, rendered such goods or materials liable to confiscation.

4H. Confiscation of conveyance—Any conveyance or animal which has been, is being or is attempted to be, used for the transport of any imported goods, or materials which are liable to confiscation under this Act, shall be liable to confiscation unless the owner of the conveyance or animal proves that it was, is being, or is about to be so used without the knowledge or connivance of the owner himself, his agent, if any, and the person in-charge of the conveyance or animal and that each of them had taken all reasonable precautions against such use:

Provided that in the case of a conveyance or animal used for the transport of goods of passengers for hire, the owner of the conveyance or animal shall be given an option to pay, in lieu of confiscation of the conveyance or animal, a fine not exceeding the value of the imported goods or materials which have been, are being or attempted to be, transported by such conveyance.

- 41. (1) Liability to penalty.—Any person who,-
 - (a) In relation to any goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority, uses or utilises such goods or materials otherwise than in accordance with the conditions of such licence or letter of authority; or

- (b) being a person to whom any imported goods or materials have been delivered by recognised agency, uses or utilises such goods or materials or causes them to be used or utilised, for any purpose other than the purpose for which they are delivered to him; or
- (c) having made a declaration for the purpose of obtaining—
 - (i) a licence or letter of authority to import any goods or materials, or
 - (ii) any amendment of such licence or letter of authority, or
 - (iii) allotment of any imported goods or materials, is found to have made in such declaration, any statement which is incorrect or false in material particulars; or
- (d) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the conditions of any licence or letter of authority in pursuance of which such goods or materials had been imported;
- (e) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the terms of any allotment made by any recognised agency;
- (f) contravenes any direction given under a control order with regard to the sale of goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority or which have been received from, or through, a recognised agency.

shall be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials or one thousand rupees, whichever is more, whether or not such goods or materials have been confiscated or are available for confiscation.

Explanation.—For the purposes of this section, "value" has the meaning assigned to it in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act, 1962.

- (2) If any person abets the commission of any act or omissions, which act or omission would render any person liable to a penalty under sub-section (1) or attempts to commit any act aforesaid, the person so abetting or attempting should be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials in respect of which such abetment or attempt has been made, or one thousand rupces, whichever is more whether or not such goods have been confiscated or are available for confiscation.
- (3) A penalty imposed under sub-section (1) or sub-section (2), may, if it is not paid, be recovered as an arrear of land revenue:

Provided that the adjudicating authority may, by order attach any money belonging to, or owed to, the person on whom any penalty has been imposed under sub-section (1) of sub-section (2), and such attachment shall be made in the same manner in which an attachment is made by a civil court.

- 4J. Confiscation or penalty not to interfere with other punishments.—No confiscation made or penalty imposed under this Act shall prevent the infliction of any other punishment to which the person affected thereby is liable under the provisions of this Act or under any other law for the time being in force.
- 4K. Adjudication.—Any confiscation may be adjudged or penalty may be imposed under this Act.—
 - (a) by the Chief Controller, or where he so directs, by a general or special order, by the Additional Chief Controller.

- (b) subject to such limits as may be specified in this i shalf, by such other officer not below the rank of a Deputy Chief Controller, as the Central Government may, by notification in the Official Gazette authorise in this behalf.
- 4L. Giving of opportunity to the owner of goods, etc.—140 order of adjudication of confiscation or imposing a penalty shall be made unless the owner of the goods, materials, conveyance or animal, or other person concerned, is given a notice in writing—
 - informing him of the grounds on which it is proposed to confiscate such goods. materials, conveyance or animal or to impose a penalty.
 - (ii) giving him a reasonable opportunity of making a representation in writing within such reasonable time as may be specified in the notice against the confiscation or imposition of penalty mentioned therein, and, if he so desires of being heard in the matter.
- 4M. Appeal.—(1) Any person aggreed by any decision or order made under this Act may prefer an appeal :---
 - (a) where the decision or order has been made by the Chief Controller or Additional Chief Controller to the Central Government;
 - (b) where the decision or order has been made by any officer below the rank of the Additional Chief Controller, to the Chief Controller or where he so directs, to the Additional Chief Controller.

within a period of forty-five days from the date on which the order is served on such person:

Provided that the Appellate Authority may, if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from proferring the appeal within the aforesaid period of forty-five days allow such appeal to be preferred within a further period of forty-five days:

Provided further that in the case of an appeal against an order imposing a penalty, no such appeal shall be entertained unless the amount of the penalty has been deposited by the appellant:

Provided also that, where the Appellate Authority is of the opinion that the deposit to be made will cause undue hardship to the appellant, it may, at its discretion dispense with such deposit either unconditionally or subject to such conditions as it may impose.

(2) The Appellate Authority may, after giving to the appellants a reasonable opportunity of being heard, if he so desires and after making such further inquiries, if any, as it may consider necessary, pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the decision or order appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a fresh adjudication or decision as the case may be, after taking additional evidence, if necessary:

Provided that an order enhancing or imposing a penalty or confiscating goods or materials of a greater value shall not be made under this section unless the appellant has had an opportunity of making a representation and if he so desires of being heard in his defence.

4N. Powers of revision of the Chief Controller.—The Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceedings in which an order or adjudication or confiscation or imposing any penalty has been made by any officer euhordinate to him and against which no appeal has been preferred for the purpose of satisfying himself as to the correctness legality or propriety of such order or decision and pass such orders thereon as he may think fit:

Provided that no decision or order shall be varied under this section so as to prejudically affect any person unless such person:—

(a) has within a period of two years from the date of such decision or order, received a notice to show cause why such decision or order shall not be varied, and

_________...___....

- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, it he so desires, of being heard, in his defence.
- 40. Power of adjudicating and other authorities.—(1) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have all the powers of civil court, under the Code of Civil Procedure, 1908, while trying a suit, in respect of the following matters, namely:—
 - (a) summoning and enforcing the attendance of witnesses:
 - (b) requiring the discovery and production of any document;
 - (c) requisitioning any public record or copy thereof from any court or office;
 - (d) receiving evidence on affidavits; and
 - (e) issuing commissions for the examination of witnesses or documents.
- (2) Every authority making any adjudication or bearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall be deemed to be a civil court for the purposes of sections 345 and 346 of the Code of Criminal Procedure, 1973.
- (3) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have the power to make such orders of an interim nature as it may think fit and may also, for sufficient cause, order the stay of operation of any decision or order.
- 4P. Continuance of proceedings in the event of death or insolvency,—(1) Where a penalty has been imposed by the adjudicating authority and:—
 - (a) no appeal against the order imposing such penalty has been preferred to the Appellate Authority and the person entitled to file such appeal dies or is adjudicated an insolvent before the expiry of the period within which the appeal can be preferred, or
 - (b) an appeal has been preferred to the Appellate Authority against the order imposing such penalty but the appellant dies or is adjudicated an insolvent during the pendency of the appeal,

then, it shall be lawful, for the legal representatives of such person or the Official Assigned or the Official Receiver, as the case may be, to prefer an appeal to the Appellate Authority, or, as the case may be, to continue the appeal before the Appellate authority, in place of such person and the provisions of section 4M shall so far as may be, apply or continue to apply to such appeal.

- (2) The powers of the Official Assignee or the Official Receiver under sub-section (1) shall be exercised by him subject to the provisions of the Presidency Towns Insolvency Act, 1909, or the Provincial Insolvency Act, 1920 as the case may be.
- 5. Fenalty.—If any person contravenes or attempts to contravene or abets a contravention of, any order made or deemed to have made under this Act or any condition of a licence granted under any such order, or any authority under which imported goods were received from or through a recognised agency, he shall without prejudice in any confiscation or penalty to which he may be liable under the provisions of the Castons Act, 1962 (52 of 1962) be punishable:
 - (a) where the value of the goods, in relation to which such contravention or attempted contravention or

- abetment of contravention has been made, exceeds ten lakh rupces, with imprisonment for a term which may extend to seven years and also with fine,
- (b) in any other case, with the imprisonment for a term which may extend to three years and also with fine:

Provided that in the absence of special and adequate reasons to the contrary to be recorded in the judgment of the Court such imprisonment shall not be for less than six months.

- 5A. Penalty for contravention of order made by Adjudicating Authority and Appellate Authority.—If any person fails to pay the penalty imposed by the adjudicating or the Appellate authority or fails to comply with any direction or order made, or deemed to have been made, under this Act, he shall, upon conviction by a court, be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with interior with both.
- 5B. Correction of clerical or arithmetical mistakes.—Clerical or arithmetical mistakes in any decision or order of errors arising therein from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the authority by which the decision or order was made either on its own motion or on the application of the aggreeved person;

Provided that where any correction proposed to be made under this section will have the effect of prejudically affecting any person, no such correction shall be made except after giving to that person a reasonable opportunity of making a representation in the matter and no such correction shall be made after the expiry or a period of two years from the date on which such decision or order was made.

- 6. Cognizance of offences.—No Court shall take cognizance of any offence punishable under section 5 except upon complaint in writing made by an officer authorised in this behalf by the Central Government by general or special order, and no Court inferior to that of a Presidency Magistrate or a Magistrate of the First Class shall try any such offence.
- 7. No order made or deemed to have made under this Act shall be called in question in any Court, and no suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against any person for anything on good faith done or intended to be done under this Act or any order made or deemed to have been made (percunder.)
- 8. Power to make rules.—(1) The Contral Government may, by notice along in the Official Gazette, make rules for carrying out the provisions of this Act.
- (1) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely:—
 - (a) the Person by whom, and the manner in which, any document received from a place outside India shall be authenticated.
 - (b) any other matter which is required to be, or may be authenticated.
- (3) Every rule made by the Central Government under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made before each House of Parliament, while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive session aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the cose may be 80, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

IMPORTS (CONTROL) ORDER, 1955

Government of India

MINISTRY OF COMMERCE

Imports (Control) Order, 1955 (No. 17/55) dated the 7th December, 1955 (as amended upto 30th March, 1990).

No. 17/55.—In exercise of the powers conferred by sections 3 and 4A of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) as in force in India and as applied to the State of Pondicherry, the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

ORDER

- 1. Short title and Commencement.—(1) This order may be called the Imports (Control) Order, 1955.
 - (2)-It shall come into force at once.
- 2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires:—
 - (a) 'the Act' means the Imports and Exports (Control)
 Act, 1947 (18 of 1947);
 - (aa) application for 'licence' includes any application made under the Import Trade Control regulation;
 - (aaa) licence includes a Customs Clearance Permit issued under this Order;
 - (b) 'licensee' means a person to whom a licence or a Customs Clearance Permit is granted under this Order.
 - (c) 'Licensing Authority' means an authority competent to grant a licence or Customs Clearance Permit under this Order;
 - (d) "An Authorised Officer" means an officer not below the rank of Deputy Chief Controller of Imports and Exports authorised by the Chief Controller of Imports & Exports.
 - (e) 'Schedule' means a schedule to this Order;
 - (f) 'Value' has the same meaning as in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act 1962 (52 of 1962).
 - (g) Words and expressions used in this order and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.
- 3. Restriction of Import of certain goods.—(1) Save as otherwise provided in this Order, no person shall import any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance, with a licence or a customs clearance permit granted by the Central Government or by any Officer specified in Schedule II.
- (2) If in any case, it is found that the goods imported under licence do not conform to the description given in the licence or were shipped, prior to the date of issue of the licence under which they are claimed to have been imported then, without prejudice to any action that may be taken against the licensee under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), in respect of the said importation the licence may be treated as having been utilised for importing the said goods.
- (3) If, in any case, it is found that the goods imported under a licence do not conform in every respect:—
 - to the description or value of the goods as contained in the licence; or
- (ii) to the other conditions relating to such goods, as contained in, or applicable to the licence.
 the import of such goods shall be deemed to be prohibited

- 3A. In cases where the importer is unable to produce the licence which has already been granted to him at the time of arrival of goods, the proper officer of customs may at his discretion allow the importer to secure the clearance, of goods on execution of a bond or letter of guarantee to the effect that he holds a valid licence in respect of the imported goods and shall produce the same within a period to be specified by the proper officer of customs, failing which he shall pay to proper officer of customs such amount as may be stipulated in the bond or letter of guarantee, without prejudice to any action that may be taken against him under Customs Act, 1962 (52 of 1962) for unauthorised importation of the goods concerned.
- 4. Fees on Application of Licence.—(1) Every application for a licence shall be made to the appropriate licensing authority
- (2) A fee as indicated in Schedule III shall be paid in respect of every application in the manner provided in the said Schedule:

Provided that no fee shall be payable in respect of any application when made by:—

- (a) the Central Government, a State Government or any department or office of the Central Government or State Government;
- (b) any local authority for the import of goods required for its own consumption;
- (c) any educational, charitable or missionary institution for the import of goods required for its own consumption;

*The fee once received will not be refunded under any circumstances except :---

- (i) where the fee has been deposited in excess of the prescribed scale;
- (ii) where the fee has been deposited but no application has been made.
- (iii) where the fee has been deposited in error but the applicant is exempt from payment of licence fee.

Note—Fees paid in respect of Appeals made to the Chief Controller of Imports and Exports and its Regional Licensing Authoritics shall not be refunded under any circumstances.

- 5. Conditions of Licences.—(1) The licensing authority issuing a licence under this Order may issue the same, subject to one or more of the conditions stated below:—
 - (i) that the goods covered by the licence shall not be disposed of except in the manner prescribed by the licensing authority or otherwise, dealt with without the written permission of the licensing authority of any person duly authorised by it;
 - (ii) that the goods covered by the licence on importation shall not be sold or distributed at a price exceeding that which may be specified in any direction attached to the licence;
 - (iii) that the applicant for a licence shall execute a bond for complying with the terms subject to which a licence may be granted.
- (2) A licence granted under this Order shall also be subject to the conditions contained in Schedule $V_{\rm c}$
- (3) It shall be deemed to be a condition of every such licence that:—
 - (i) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granter

- the needed of of any other person empowered in this behalf by such authority.
- (ii) that the goods for the import of which a licence is granted shall be the property of the heensee at the time of import and thereafter upto the time of creatance through Customs.

riovided that the conditions under items (1) and (11) of this succitaese shall not apply in relation to needees issued to the state fracing Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India and other similar institutions or agencies owned of controlled by the Central Covernment and which are entrusted with canalisation of imports.

Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to (a) incinces issued to engine export houses, trading houses of star trading houses for import of goods meant for disposal to Actual Users under the import policy for registered exporters; and (b) licences issued to Public Sector agencies owned or controlled by the Central or State Government for disposal of goods to the Actual Users, under the import policy in force.

- (iii) the goods for the import of which a licence is granted shall be new goods, other than disposal goods unless otherwise stated in the licence.
- (4) A licence granted under this Order may contain such other conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.
- (4A) Any person importing goods from the United States of America in accordance with the terms of the fudo-US Meinorandum of Understanding on Technology Transfer shall also comply with all the conditions and assurances specified in the Import Certificate issued in terms of such Memorandum, and such other assurances given by the person importing those goods to the Government of the United States of America through the Government of India.
- (4B) that the goods covered by the licence shall not be exported without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (5) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.
- 6. Refusal of licence.—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may refuse to grant a licence or direct any other licensing authority not to grant a licence:—
 - (a) if no foreign exchange is available for the purpose;
 - (b) if the grant of a licence to an applicant is prejudicial to the interests of the State;
 - (c) if it has been decided to canalise imports and distribution thereof through special or specialised agencies or channels;
 - (d) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a director of a Private Limited Company which is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
 - (dd) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
 - (e) if the applicant is a partnership firm or a limited Company, any partners or whole time director or managing director whereof as the case may be, is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
 - (f) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months; and
 - (g) if applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.
- (2) The refusal of a licence under sub-clause (1) shall be without prejudice to any other action that may be taken in respect of an application by a licensing authority under the relevant import policy and procedure in force.

- 7. Amendment of Licence.—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provision of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any error or omission in the licence provided that the licensing authority may, on request by the licensee, amend the licence in any manner consonant with the import Trade Control Regulations.
- 8. Power to debar from unporting goods or from receiving licences or allotment of imported goods.—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an anthorised officer may debar a licensee or importer or any other person from all or any of the following i.e. importing any goods or receiving licences or allotment of the imported goods through the State Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf, that no licence or allotment of imported goods shall be granted to him and he shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order:—
 - (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provision of this Order; or
 - (b) if such application is found to contain any false, traudulent or misleading statement; or
 - (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
 - (d) if he has, on any occasion, tampered with an import licence or has imported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealing or in obtaining a licence, or is found to have solicited any licence by offering an inducement to the holder of the licence or otherwise; or
 - (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence on his behalf; or
 - (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any conditions embodied in, or accompanying a licence or an application for a licence; or
 - (g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or
 - (h) If he fails to produce any documents or information that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or any other licensing authority; or
 - if he fails to submit production returns regularly to the D.G.T.D. or any other sponsoring authority concerned; or
 - (i) if he fails to comply with the distribution control in respect of imported goods where such control is applicable.
- (2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may, by special order in writing:—
 - (a) debar-
 - A person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974 Act); or
 - (ii) a partnership firm or a Private Limited Company of which such person is a partner or full-time director or managing director as the case may be, from importing goods or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals & Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency; and

(b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no importation of goods shall be permitted and no licence or allotment of goods shall be granted to such person, partnership firm or company, for such period as may be specified in such special order:

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board, or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9 of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A of that Act; or
- (iv) has been set aside by a Court of competent jurisdic-
- (3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may debar an importer or a licensee or any other person from importing any goods or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Traing Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence of allotment of imported goods shall be granted to such person and such person shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order if, in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of imports & Exports, or an authorised officer.
 - (a) such licensee, importer or other person; or
 - (b) where such licensee, importer or other person in a partnership firm or a limited company, any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be; or
 - (c) where such licensee, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company such partnership firm or limited company, as the case may be:
 - (i) has failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any import licence granted to such licensee, importer or other person or such partner or whole time director or managing director or such partnership firm or limited company, as the case may be; or
 - (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 7 of the Export (Control) Order, 1977.
- 8A. Power to suspend importation of goods of grout of licences or allotments of imported goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or an authorised officer may suspend the importation of goods by any person or grant of

licences or allotment of imported goods through the Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency, to a licensee or importer or any other person pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 8 without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf;

Provided that grant of a licence or allotment of imported goods, shall not ordinarily be suspended under the clause for a period exceeding twelve months.

frowheld further that on the withdrawal of such suspension, a licence or allotment of imported goods may be granted to him for a period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid, keeping in view the foreign exchange position, indigenous production and other relevant factors.

8B. Power to keep in abeyance applications for licences or allotments of imported goods.—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 8 is pending against licensee or importer or any other person, and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation, the grant of licence or allotment of imported goods will not be in the public interest, then notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer may keep in abeyance any application for grant of licence from such person, or direct the State Trading Corporation of India, or any other similar agency to keep in abeyance allotment of imported goods to such person, withcut assigning any reason and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf:

Provided that the period for which the grant of such licence or allotment is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

- 8C. Publicity of action taken under clause 8 or 8A .-
- (i) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 8 or 8A is tell n n may publish or cause to be published, the name of auch person or class of such persons and such particulars in such manner it thinks fit.
- (ii) has parameter under sub-clause (i) shall be made in relation to any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented has been disposed of.

Explanation.—In the case of a firm, company or other association of persons, the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or managers of the company or the members of the association as the case may be, may also be published if in the epinion of the Central Government, the circumstances of the case justify it.

- 9. Cancellation of licences (1).—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may cancel any licence granted under this Order or otherwise render it ineffective:
 - (a) if the licence has been granted through inadvertance or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation;
 - (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order;
 - (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence;
 - (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not said the purpose for which it has been granted;

- (e) If the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the tules and regulations relating to the imports or exports of goods or of any law relating to the regulations of foreign exchange.
- (2) The Central Government or the Chief Controller of Innorts & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing ronder ineffective any beence granted under this order to—
 - (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person, or
 - (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a full time director or managing director, as the case may be;

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director when the order of detention made against such persons:—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or Section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of Advisory Board under Section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974 Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8 read with subsection (6) of section 12A of that Act; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.
- (3) The Central Government or the Chief Controller of imports & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing render ineffective or suspend the operation of any licence granted under this Order, where proceedings of cancellation of such licence have been initiated under sub-clause (1) so however, every such special order, shall be revoked where a decision is taken to cancel the liggue after the completion of such proceedings.
- 10. Opportunity of being heard to be given.—(1) No action shall be taken under clause 7 or sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or clause (1) of clause 9 against a licensee or an importer or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.
- (2) Where any person is aggrieved by any action taken under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or sub-clause (1) of clause 9 he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the Official Gazette constitute for the purpose of hearing appeals, within forty five days from the date of communication of the action taken.
- (3) The authority referred to in sub-clause (2) may after giving to the appellant a reasonable opportunity of being heard if he so desires, and after making such further inquiries if any, as it may consider necessary pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the action appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a first proceedings or action as the case may be after taking additional evidence, if necessary.

Provided that an order to increase the period for which an applicant is debarred under clause 8, shall not be made

under this sub-clause unless he has had an opportunity of making a representation, and if he so detired, or being heard in his defence.

- 10A. Declaration as to value, quality etc. of Imported goods.—On the importation into any customs ports of any goods whether liable to duty or not, the owner of such goods shall in the Bill of Entry or any other documents prescribed by rules, state the value, sort, quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or documents.
- 10AA. Declaration as to Importer-Exporter Code Number (IEC): On the importation into or exportation out of any Customs port of any goods, the importer or exporter shall in the Bill of Entry or Shipping Bill or, as the case may be, in any other documents prescribed by rules, made under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), state the Importer-Exporter Code Number allotted to him by the licensing authority in accordance with the procedure prescribed by the Chief Controller of Imports and Exports, and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or Shipping Bill, or any other documents. Where such importer or exporter is exempted from obtaining Importer-Exporter Code Number he shall specify exemption order issued by the Chief Controller of Imports and Exports, granting him such exemption.
- 10B. Utilisation of imported goods.—(1) No person shall use any imported goods received by him during allotment or distribution made by the State Trading Corporation of India or any other recognised agency in a manner and for the purpose, otherwise than as declared by him in his application for such allotment or distribution or in any document submitted by him in support of such application.
- (2) Subject to the provisions of clause 10C, no person shall use or dispose of any goods imported by him against a licence on the strength of a letter of authority issued in his favour under the Import Trade Control Regulation except in accordance with the terms and conditions of such letter of authority.
- 10C. Power to make direction for the sale of imported goods in certain cases.—(1) Where, on the importation of any goods or at any time thereafter, the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer is satisfied after giving a reasonable opportunity to the license of being heard in the matter, that such goods cannot or should not be utilised for the purpose for which they were imported he may by order direct the importer of the goods (in case the goods were imported under Open General Licence or Special General Licence) or the licensee or any other persons having possession or control of such goods to sell such goods to such person within such time, at such price and in such manner as may be specified in the direction.
- (2) The price that may be specified under sub-clause shall be the aggregate of the landed cost of the goods clearing and transportation charges and such other incidental charges incurred in relation thereto as are considered reasonable in the circumstances of the case by the Chief Controller of Imports and Exports or an authorised officer.
- (2-A) Where goods are imported through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India or other similar institutions or agencies owned or controlled by the Government or any other recognised agency, and such goods are allotted to any person, opportunity of being heard in the matter shall be given to such person also.
- (3) The licensee or the person to whom any direction has been made under sub-clause (1) shall be bound to comply with such direction.

- 10D. Prohibition regarding making, signing etc. of any declaration, statement or documents.—(1) No person shall make sign or use or cause to be made signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence or in importing any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.
- (2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in importing any goods.
- 10E. Powers of revision of the Chief Controller/Addl. Chief Controller.—The Chief Controller or Additional Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceedings in which any action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8, or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 9, has been initiated or completed (whatever the result may be) by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass orders thereon as he may think fit:

Provided that no action shall be varied under this subclause so as to prejudicially affect any person unless such person:

- has, within a period of two years from the date of such action, received a notice to show cause why such action shall not be varied and;
- (ii) has been given a reasonable opportunity of making representation and if he so desires of being heard, in his defence.
- 11. Savings—(1) Nothing in this Order shall apply to the import of any goods:—
 - (a) by the Central Government or agencies, undertakings owned and controlled by the Central Government for Defence purposes.
 - (b) by the Central Government or any State Government, Statutory Corporation, public body or Government Undertaking run, as a Joint Stock Company through the agency of the Purchase Organisations of the Ministry of Supply i.e. India Supply Mission, London and India Supply Mission, Washington;
 - (c) by the Central Government, any State Government or any statutory corporation or public body or Government undertaking run as a Joint Stock Company, orders in respect of which are placed through the Directorate General, Supplies and Disposals, New Delhi.
 - for re-export as ships stores to any country outside indua except Nepal. Tibet and Phutan or Imported and bonded on arrival for re-export as aforesaid but subsequently released for use of Diplomatic personnel, Consular Officers in India and the officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempt from payment of duty under Ministry of Finance (D.R.) Notification No 3 dated the 8th January, 1957 and United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947, respectively;
 - (dd) imported and bonded on arrival for sale at approved duty-free shops, whether to outgoing or incoming passengers, against payment in free foreign exchange.
 - (e) which are in transit through India by post or otherwise, or are redirected by post or otherwise to a destination outside India, except Nepal, Tibet and Bhutan provided that such goods while in India are always in the custody of the postal/customs authorities;

- (f) for transmission across India by air to Afghanistan or by land, to any other country outside India, except Nepal, Tibet and Bhutan under claim for exemption from duty or for refund of duty either in whole or in part, provided that such goods are imported by or on behalf of the Government of a country bordering on India or that the importer undertakes to produce within a specified period evidence that such goods have crossed the borders of India or in default to pay such penalty as the proper officer of customs may deem fit to impose on such goods and provided further that nothing therein contained entitles any goods to exemption from the Export Trade Control Regulations;
- (g) by the person as passengers baggage to the extent admissible under the Baggage Rules for the time being to force except quintine falling under Heading number 29 of Schedule I exceeding five hundred tablets or 11b, powder or one hundred ampoules;
- Provided that in the case of imports by tourists, articles of high value whose re-export is obligatory under Rule 7 of the Tourist Baggage Rules, 1978 shall be re-exported on his leaving India, failing which they shall be deemed to be goods of which the import has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- Provided further where any goods are exempted under this sub-paragraph, the exemption shall be subject to the condition that such goods shall not be sold, advertised or offered for sale or displayed in a shop, until (a) in the case of T.Vs. which have been used for a period not less than 5 years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew, or (b) in the case of other goods when market price has depreciated to less than 50% of their market price when new, except fire arms which cannot be sold or transferred during the life time of the importer for consideration or otherwise;
- (gg) by any person through the post or otherwise for his personal use, or by any institution or hospital for its own use except:
 - (i) Vegetable seeds falling under Heading number 12 of Schedule I, exceeding—one Th in weight,
 - (ii) Bees falling under Heading number 01 of Schedule I.
 - (iii) Tea falling under Heading number 09 of Schedule I.
 - (iv) Books, magazines, journals and literature which are not allowed to be imported under the import policy for the time being in force.
 - (v) Goods, the import of which is canalised under the import policy in force.
 - (vi) Alcoholic beverages.
 - (vii) Fire arms & ammunition.
 - (viii) Consumer electronic items (except hearing aids and life saving equipments, apparatus and appliances and parts thereof).
- Provided that the c.i.f. value of coods imported as aforesaid at any one time shall not exceed rupees two thousand.
- Noises—The payment in respect of such goods other than those received as gift will be remittable through authorised dealers in foreign exchange with the permission of the Reserve Bank of India.

- (h) covered by an executive instruction issued by the Chief Controller of Imports and Exports to the customs authorities;
- by or on behalf of Diplomatic personnel, consular officers and Trade Commissioner in India who are exempt from payment of Customs duty under Notification 3 dated the 8th January, 1957 of the Government of India in the Ministry of Finance (Deptt. of Revenue);
- (j) from any country, which are exempt from Customs duty on reimportation under Section 20 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) or under Customs Notification Nos. 113 dated 16th May, 1957, 103 dated 25th March. 1958, 260 and 261. dated 11th October, 1958, 269, 271. 273, 274, 275 and 276, dated 25th October, 1958, and 204 dated 2nd August. 1976, of the Government of India. Ministry of Finance (Department of Revenue), or Notification No. 174, dated 24th September, 1966 as amended or Notification No. 103 dated 16th May, 1978 of the Government of India. Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) or Notification No. 80 dated 29th August, 1970.
- (k) of Indian manufacture and foreign made parts of such goods, exported and received back by the manufacturer(s) from the consignee for repair and reexport, provided that:—
 - (i) the customs authorities are satisfied with the bona fide of the case, and
 - (ii) in the case of goods other than those exempt from customs duty on re-importation under Customs Notification No. 132 dated 9th December, 1961. a bond is executed by the importer with the Import Trade Control Authority at port concerned to the effect that the goods thus imported will be re-exported after repair within six months;
- (1) by officials of the United Nations Organisation and its specified agencies who are exempt from payment of Customs duty under the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947;
- (m) being vehicles as defined in Articles I of the Customs Convention on the Temporary Importation of Private Road Vehicles or the component parts thereof referred to in Article 4 of the said convention and are exempt from payment of customs duty under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 296 dated the 2nd August 1976 as subsequently amended by Notification No. 63-Cus dated the 1st May, 1977, provided that:—
 - such vehicles or component parts are re-exported within the period specified in the said notification or within such further period as the customs authorities may allow;

- (ii) the provisions of the said nonflection of of his Triptyque or Carnet-De-Passage' permit are not contravened in relation to such vehicle of component parts;
- failing which the provision of this Order shall apply to such vehicles or component parts and such vehicles or components shall be deemed to be goods the imports of which has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);
- Provided that nothing in these exceptions shall prejudice the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import of goods that may be in force at the time such goods are import ed.
- (n) covered by an import licence issued by Hi-Majesty's Government of Nepal and the importer furnishes a bond to the proper officer of customs in the form prescribed by the proper officer of customs with a Scheduled Bank as surety to the effect that he shall pay the duty and pay penalty imposed for contravening Import Trade Control restrictions in respect of the whole or any portion of the acoust which is not proved to have entered the territory of Nepal.
- (c) of Indian manufacture or otherwise by the Central Government or any State Government for repair and re-export to Indian Embassies abroad or to pay other office of the Central Government or State Government in a foreign country
- (2) Nothing in this Order shall apply to the import of foodgrains by Food Corporation of India provided that at the time of clearance, a declaration to the effect that the import, in question has been approved by Central Government, is furnished by the importer to the Customs authorities.
- (3) Nothing In this Order shall apply to the import of articles of free & edible material, which was supplied as free eift by the agencies approved by the United Nations Organisation and which are exempt from payment of customs duty under the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) Notification No GSR 766 dated 21st June 1975
- (4) Nothing in this order except clause 5, clause 8 clause 8A, clause 8C and clause 10C, shall apply to the import of any goods covered by Open General Licence or Special General Licence issued by the Central Government
- 12 Repeals.—The orders contained in the notification specified in Schedule IV are hereby repealed

Provided that any thing done or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the aforesaid Orders, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provision of this Order

02.01

вСНВ**DU**Л.В 1

(See Clause 3)

1

1	Each heading number in Column (1) corresponds to the respective Chapter and heading number of the first Schedule to the Customs Tariff Amendment Act, 1985 as amended on 24-1-1986 and each entry in Column (2) has the same scope and meaning as the corresponding Chapter and heading of the said first Schedule.
1	of the said first Schedule.

Heading No.	 Description of article	
1	2	

SECTION I

LIVE ANIMALS: ANIMAL PRODUCTS

CHAPTER 1

Live Animals

00.01	Live horses, asses, mules and hinnies.
01.02	Live bovine animals.
01.03	Live swine.
01.04	Live sheep and goats.
01.05	Live poultry, that is to say, fowls of the species Gallus domesticus, ducks, geese, turkeys and guinea fowls.
01.06	Other live animals.

CHAPTER 2

Meat and edible meat offal Mest of having animals, fresh or chilled

QZ.01	Meat of positie animals, tresh of chiled.
02.02	Meat of bovine animals, frozen.
02.03	Meat of swine, fresh, chilled or frozen.
02.04	Meat of sheep or goats, fresh, chilled or frozen.
02.05	Meat of horses, asses, mules or hinnies, fresh, chilled or frozen.
02.06	Edible offal of bovine animals, swine, sheep, goats, horses, asses, mules or hinnies, fresh, chilled or frozen.
02.07	Meat and edible offal, of the poultry of heading No. 01.05, fresh, chilled or frozen.
02.08	Other ment and edible meat offal, fresh, chilled

- or frozen. 02.09 Pig fat free of lean meat and poultry fat (not rendered) fresh. chilled, frozen, salted, in brine, dried or smoked.
- 02.10Meat and edible meat offal, salted, in brine, dried or smoked; edible flours and meals of meat or meat offal.

CHAPTER 3

Pish and crustaceans, molluses and other aquatic Invertebrates

- 03.01 Live fish.
- Fish, fresh or chilled, excluding fish fillets and other fish meat of heading No. 03.04. 03.02

03.03	Fish, meat	frozen, of head	excluding No.	ng fish 03.04.	fillets	and	other	fish

Salarata - Galerilai italia -----

- 03.04 Fish fillets and other fish meat (whether or not minced), fresh, chilled or frozen.
- Fish, dried, salted or in brine; smoked fish, whether or not cooked before or during the smoking process; fish meal fit for human consumption. 03.05
- Crustaceans, whether in shell or not, live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine; crustaceans, in shell, cooked by steaming or by boiling in water, whether or not chilled, frozen, dried, salted or in brine. 03.06
- Molluscs, whether in shell or not, live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine; acquatic 03.07 invertebrates other than crustaceans and molluscs. live, fresh, chilled, frozen, dried, salted or in brine.

CHAPTER 4

Dairy produce; birdi eggs; natural honey; edible products of animals origin, not elsewhere specified or included.

- 01.01 Milk and cream, not concentrated nor containing added sugar or other sweetening matter.
- 04.02 Milk and cream, concentrated or containing added sugar or other sweetening matter.
- Buttermilk, curdled milk and cream, yogurt, kephir and other fermented or addified milk and 04.03 cream, whether or not concentrated or containing added sugar or other sweetening matter flavoured or containing added fruit or cocoa.
- 04.04 Whey, whether or not concentrated or containing added sugar or other sweetening matter; products consisting of natural milk constituents whether or not containing added sugar or other sweetening matter, not elsewhere specified or included.
- 04.05 Butter and other fats and oils derived from milk.
- 04.06 Cheese and curd.
- 04.07 Bird's eggs, in shell, fresh, preserved or cooked.
- 04 08 Bird's eggs. not in shell and egg yolks, fresh. dried, cooked by steaming or by boiling in water moulded, frozen or otherwise preserved, whether or not containing added sugar or other sweetening matter.
- 04.09 Natural honey.
- Edible products of animal origin, not elsewhere specified or included. 04.10

CHAPTER 5

Products of animal origin, not elsewhere specified or included.

- 05 01 Human halr, unworked, whether or not washed or sconred; waste of human hair.
- Pigs, hogs or boar's bristles and hair; badger hair and other brush making hair; waste of such 05 02 bristles or balr.

1	2	1	<u>2</u>
05.03	Horse hair and horse hair waste, whether or not put up us a layer with or without supporting	07.04	Cabbages, cauliflowers, kohirabi, kale and similar edible brassicas, fresh or chilled.
	material.	07.05	Lettuce (Lectuca Sativa) and chicory (Chichorium 1992), fresh or chilled.
05.04	Guts, bladders and stomachs of animals (other than fish), whole and pieces thereof.	07.06	Carrots, turnips, salad beetroot, salsify, coleriac,
05.05	Skins and other parts of birds, with their feathers or down, feathers and parts of feathers (whether	07.06	radishes and similar edible roots, fresh or chilled.
	or not with trimmed edges) and down, not further worked than cleaned, disinfected or treated for	07.07	Cucumbers and gherkins, fresh or chilled.
	preservation, powder and waste of feathers or parts of feathers.	07.08	Leguminous vegetables, shelled or unshelled, fresh or chilled.
05,06	Bones and horn-cores, unworked, defatted, simply	07.09	Other vegetables, fresh or chilled.
	prepared (but not cut to shape), treated with acid or degelatinised; powder and waste of these products.	07.10	Vegetables (uncooked or cooked by steaming or boiling in water), frozen.
05.07	Ivory, tortoise-shell, whalebone and whalebone hair, horns, antlers, hooves, nails, claws and beaks unworked or singly prepared but not cut to shape; powder and waste of these products.	07.11	Vegetables provisionally preserved (for example, by Sulphur dioxide gas, in brine, in sulphur water or in other preservative solutions), but unsuitable in that state for immediate coasumption.
80.20	Goral and similar materials, unworked or simply prepared but not otherwise worked; shells of	07.12	Dried vegetables, whole, cut, sliced, broken or in powder, but not further prepared.
	molluses, crustaceans or echinoderm and cattle- bone, unworked or simply prepared but not cut to shape, powder and waste thereof.	07.13	Dried leguminous vegetables, shelled, whether or not skinned or split.
05.09	Natural sponges of animal origin.	07.14	Manioc, arrowroot, salep, jetusalem artichokes,
05.10	Ambergirs, custoreum, civet and musk cantha- rides; bile, whether or not dried; glands and other animal products used in the preparation of pharmaceutical products, fresh, chilled, frozen		sweet potatoes and similar roots and tubers with high starch or insulin content, fresh or dried, whether or not sliced or in the form of pellets; sago pith.
	or otherwise provisionally preserved.		CHAPTER 8
05.11	Animal products not elsewhere specified or in- cluded; dead animals of Chapter 1 or 3, unfit for human consumption.		Edible Fruit and Nuts; Feel of Citrus Fruit or Melons
	SECTION II	08.01	Coconuts. Brazil nuts and cashew unts, fresh or dried, whether or not shelled or peeled.
	VEGETABLE PRODUCTS	08 02	Other nuts, fresh or dried, whether or not shelled or peeled.
	CHAPTER 6	08.03	
ive tree	s and other plants; bulbs, roots and the like; cut flowers and ornamental follage	08.03	Bananas, including plantains, fresh or dried. Dates, figs. pineapples, avocados, guavas, man goes and mangosteens, fresh or dried.
10.60	Bulbs, tubes, tuberous roots, corns crowns and rhizomes, dormant, in growth or in flower;	08.05	Citrus fruit, fresh or dried.
	chicory plant and roots other than roots of head-	08.06	Grapes, fresh or dried.
06.02	ong No. 12.12. Other live plants (including their roots), cuttings and slips; mushroom spawn.	08.07	Melons (including watermelons) and papawe (Papayas), fresh,

08.08

08.09

- 06.02 other live plants (including their roots), cuttings and slips; mushroom spawn.
- Cut flowers and flower buds of a kind suitable for bouquets or for ornamental purposes, fresh, dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise 06.03 prepared.
- Foliage branches and other parts of plants, without flowers or flower buds and grasses, mosses and lichens, being goods of a kind suitable for bonquets or for ornamental purposes, fresh, 06,04 dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise prepared.

CHAPTER 7

Edible vegetables and certain roots and tubers

- 07.01 Potatoes, fresh or chilled.
- 07.02 Tomatoes, fresh or chilled.
- 07.03 Onions, challets, garlie, leeks and other sidere-

08.10 Other fruits, fresh. 08.11 Fruit and nuts, uncooked or cooked by steaming or boiling in water, frozen, whether or not containing added sugar or other sweetening matter.

Apricots, cherries, peaches (including nectarines)

Apples, pears and quinces, fresh,

plums, and sloes, fresh.

- 08.12 Fruit and nuts provisionally preserved example, by sulphur dioxide gas, in brine, in sulphur water or in other preservative solutions), but unsuitable in that state for immediate consumption.
- Fruit, dried, other than that of heading Nos. 08.01 to 08.06 mixtures of nuts or dried fruits 08.13 of this Chapter.
- 08.14 Peel of citrus fruit or melons (including melous), fresh, truzen, dried, or provisionally processed in brine, in sulphus water or in other preservative salutions

2 ı 1 CHAPTER 9 CHAPTER 12 Oil Seeds and Oleaginous Fruits, Miscellaneous Grains, Seeds and Fruits, Industrial or Medicinal Plants; Straw and Conject Lea, Mate and Spices Fodder 9 11 Coffee, whether or not roasted or decaffemated; coffee husks and skins, coffee substitutes con-12.01 Soya Beans, whether or not broken. taining coffee in any proportions. 12.02 Ground-nuts, not rousted or otherwise cooked, 09.02 Tea. whether or not shelled or broken. 09.03 Mate. 12.03 Copra Pepper of the genus piper; dried or crushed or ground fruit of the genus Capsicum or of the 12.04 Linseed, whether or not broken. genus Pimenta. 12.05 Rape or colza seeds, whether or not broken. 12.06 09 05 Vanilla Sunflower seeds, whether or not broken. 12.07 Other oil seeds and oleaginous fruits whether or 19.06 Cinnamon and cinnamon-tree flowers. not broken. 09 07 (loves (whole fruit, cloves and stems). 12.08 Flours and meals of oil seeds or oleaginous fruits. 14 150 Nuture, made and cardamous other than those of mustard. **JY.UY** Seeds of anise badian, fennal, corlander, cumin. 12.09 Seeds, fruit and spores, of a kind used for sowing. caraway or judiper. Ginger, Saffron, turnmeric (curcuma), thyme, bay 09.10 Hop cones, fresh or dried, whether or not ground, 12.10 powdered or in the form of peilets; lupulin. leaves, curry and other spices, Plants and parts of plants (including seeds and fruits), of a kind used primarily in perfumery, in pharmacy or for insecticidal, fungicidal or similar 12.11 CHAPTER 10 Cereals purposes, fresh or dried whether or not cut, crushed or powdered. .0.01 Wheat and meslin. 12.12 Locust beans, seaweeds and other algae, sugar beet 10.02 and sugar cane, fresh or dried, whether or not ground; fruit stones and kernels and other vege-.003Barley table products (including unroasted chicory roots of the variety Clchorium intybus sativum) of a 10.04 Dala kind used primarily for human consumption, not 10.03 Maize (con.) elsewhere specified or included. Cereal straw and husks, unprepared, whether or not chopped, ground, pressed or in the form of 10.06 12.13 Rice 10.07 Grain sorghum. pellets. 10.08 Swedes, mangolds, fodder roots, hay, lucerne, (al fal fa), clover, sainfoin, forage, kale, lupines, Buckwheat, millet and canary seed; other cereals. 12.14 vetches and similar forage products, whether or not in the form of peliets. CHAPTER 11 recoducts of the Milling Industry; Malt; Starches; Inulin; Wheat Gluten. CHAPTER 13 Lac, Gums, Resins and other Vegcable Saps and Extracts 11.01 Wheat or meslin flour 13.01 Lac; natural gums, resins, gum-resins and balsams Cereal flour other than of wheat or meslin. 11.02 13.02 Vegetable saps and extracts; pectic substances, +1.03Cereal groats, meal and pellets. pectinates and pectates; agar-agar and other muci-lags and thickeners, whether or not modified, derived from vegetable products. Cereal grains otherwise worked (for example, 11.04 hulled, rolled, flaked, pearled, sliced or kibbled), except rice of heading No. 10.06; germs of cereals, whole, rolled, flaked or ground. CHAPTER 14 11.05 Vegetable Plaiting Materials; Vegetable Products not Else-Flour, meal and flakes of potatoes. where Specified or Included 11.06 Flour and meal of the dried leguminous vegetables of heading No. 07.13, of sago or of roots or tubers of heading No. 07.14; flour, meal and Vegetable materials of a kind used primarily for plaiting (for example, bamboos, rattans, reeds, rushes, osier, raffia, cleaned, bleached or dyed cereal straw, and lime bark). 14.01 powder of the products of Chapter 8. 11.07 Mait, whether or not roasted. Vegetable materials of a kind used primarily as stuffing or as padding (for example, kapox, vege-14.02 11.08 Starches: inulin. table hair and celgrass whether or not put up Wheat gluten, whether or not dried. as a layer with or without supporting material. 11.09

	धण्डे ा]		
1	2		
14.03		15.17	
14.04	Vegetable products not elsewhere specified or included.	15.18	Animal or vegetable fats and oils and the fractions, boiled, oxidised, dehydrated, sulphurised blown, polymerised by heat in vacuum o
43/73/	SECTION III		in inert gas or otherwise chemically modified excluding those of heading No. 15.16; inedibly mixtures or preparations of animal or vegetable.
THER (L OR VEGETABLE FATS AND OILS AND CLEAVAGE PRODUCTS; PREPARED EDIBLE ATS; ANIMAL OR VEGETABLE WAXES		fats or oils or of fractions of different fats oils of this Chapter, not elsewhere specified oincluded.
	CHAPTER 15	15.19	Industrial monocarboxylic fatty acids; acid of from refining industrial fatty alcohols.
	OR VEGETABLE FAIR AND OILS AND	15.20	Glycerol (glycerine), whether or not pure glycerolwater and glycerol Lyes.
	CLEAVAGE PRODUCTS; PREPARED EDIBLE ATS; ANIMAL OR VEGETABLE WAXES	15.21	Vegetable waxes (other than triglycerides), bee wax, other insect waxes and spermaceti, whether
15.01	Lard; other pig fat and poultry fat, rendered, whether or not pressed or solvent-extracted.	15.22	or not refined or coloured. Degras; residues resulting from the treatment of
15.02	Fats of bovine animals, sheep or goats, raw or rendered, whether or not pressed or solvent-extracted.		fatty substances or animal or vegetable waxes.
15.03	Lard stearin, lard oil, oleostearin, oleo-oil and tallow oil, not emulsified or mixed or otherwise prepared.	PREPAR VIN	SECTION IV ED FOODSTUFFS; BEVERAGES, SPIRITS AN EGAR; TOBACCO AND MANUFACTURED TOBACCO SUBSTITUTES
15.04	Fats and oils and their fractions, or fish or marine mammals, whether or not refined, but not chemically modified.		CHAPTER 16
15.05	Wool grease and fatty substances derived there- from (including lanolin).	Preparati	ons of meat, of fish or of crustaceans, molluscs of other acquatic inverte-brates.
15.06	Other animal fats and oils and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.01	Sausages and similar products, of meat, me offal or blood; food preparations based on the products.
15.07	Soyabean oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.02	Other prepared or preserved meat, meat offal blood.
15.08	Ground-nut oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.03	Extracts and juices of meat, fish or crustacear molluses or other acquatic invertebrates.
15.09	Olive oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	16.04	Prepared or preserved fish; caviar and cavisubstitutes prepared from fish eggs.
15.10	Other oils and their fractions, obtained solely from olives, whether or not refined, but not chemically modified, including blends of these	16.05	Crustaceans, molluscs and other acquatic invert brates, prepared or preserved.
	oils or fractions with oils or fractions of heading No. 15.09.		CHAPTER 17
15.11	Palm oil and its fractions, whether or not refined, but not chemically modified.	1 7.01	Sugars and Sugar Confectionery Cane or beet sugar and chemically pure sucros
15.12	Sunflower seed, saflower or cotton-seed oil and their fractions, whether or not refined, but not	17.02	in solid form. Other sugars, including chemically pure lactor
15.13	chemically modified. Coconut (copra), Palm kernel or babassu oil and their fractions, whether or not refined, but not		maltose, glucose and fructose, in solid form suggesting not containing added flavouring or colouing matter; artificial honey whether or not mixe with natural honey; caramel.
15.14	chemically modified. Rape, colza or mustard oil and their fractions,	17.03	Molasses resulting from the extraction or refinit of sugar.
18.15	whether or not refined, but not chemically modified.	17.04	Sugar confectionery (including white chocolate not containing cocoa.
15.15	Other fixed vegetables fats and oils (including jojoba oil) and their fractions, whether or not refined, but not chemically modified.		CHAPTER 18
15.16	Animal or vegetable fats and oils and their frac-		Cocoa und Cocoa Preparations
	tions, partly or wholly hydrogenated, inter- esterified, re-esterified or elaidinised, whether or	18.01	Cocon beam, whole or broken raw or roaded
	not refined, but not further prepared.	18.02	Cocoa shells, husks, skins and other Cocon wast

1	2	1	2
18.03	Cocoa paste, whether or not defatted.	20.08	Fruit, nuts and other edible parts of plants, other
18.04	Cocoa butter, fat and oil.		wise prepared or preserved, whether or not con taining added sugar or other sweetening matter of
18.05	Cocoa powder, not containing added sugar or other sweetening matter.	20.09	epirit, not elsewhere specified or included. Fruit Juices (including grape must) and vegetable
18.06	Chocolate and other food preparations containing cocoa.		julces, unfermented and not containing adderspirit; whether; or not containing added sugar of other sweetening matter.
	CHAPTER 19		CHAPTER 21
^p reparatio	ons of Cereuls, Flour, Starch or Milk; Pastrycooks' products	MI	SCELLANEOUS EDIBLE PREPARATOINS
19.01	Malt extract; food preparations of flour, meal, starch or malt extract, not containing cocoa powder or containing cocoa powder in a proportion by weight of less than 50% not elsewhere specified or included; food preparations of goods of heading Nos. 04.01 to 04.04, not containing	21.01	Extracts, essences and concentrates, of coffee, ter or mate and preparations with a basis of these products or with a basis of coffee, tea or mate roasted chicory and other roasted coffee substitutes, and extracts, essences and concentrates thereof.
	cocoa powder or containing cocoa powder in a proportion by weight of less than 10%, not elsewhere specified or included.	21.02	Yeasts (active or inactive); other single cell micro- organisms, dead (but not including vaccines, of heading No. 30.02); prepared baking powders.
19.02	Pasta, whether or not cooked or stuffed (with meat or other substances) or otherwise prepared, such as spagnetti, marconi, poodles, lasagne,	21.03	Sauces and preparations therefor; mixed condiments and mixed seasonings; mustard flour and meal and prepared mustard.
	gnocchi, ravioli, cannelloni; couscous whether or not prepared.	21.04	Soups and broths and preparations therefor, homogenised composite food preparations.
19.03	Tapioca and substitutes therefor prepared from starch, in form of flakes, grains, pearls, siftings or in similar form.	21.05	Ice creams and other edible ice, whether or not containing cocoa.
19.04	Prepared foods obtained by the swelling or roasting of cereals or cereal products (for example, corn flakes); cereals, other than maize (corn), in grain form, pre-cooked or otherwise prepared.	21,06	Food preparations not elsewhere specified or included.
19.05	Bread, pastry, cakes, biscuits and other bakers'		CHAPTER 22
	wares, whether or not containing cocoa; commu- nion wafers, empty cachets of a kind suitable for		Beverages, Spirits and Vinegar
	pharmaceutical use, sealing wafers, rice paper and similar products.	22.01	Waters including natural or artificial mineral waters and aerated waters, not containing added sugar or other sweetening matter not flavoured; ice and snow.
	CHAPTER 20	22.02	Waters, included mineral waters and aerated
	ons of Vegetables Fruit Nuts or other parts of Plants		waters, containing added sugar or other sweeten- ing matter or flavoured, and other non-alchoholic beverages, not including fruit or vegetable juices of heading No. 20.09.
20.01	Vegetables, fruit, nuts and other edible parts of plants, prepared or preserved by vinegar or acetic	22.03	Bee made malt.
20.02	Tomatoes prepared or preserved otherwise than	22.04	Wine of fresh grapes, including fortified wines; grape must other than that of heading No. 20.09.
20.03	by vinegar or acetic acid. Mushrooms and truffles, prepared or preserved	22.05	Vermouth and other wine of fresh grapes flavoured with plants or aromatic substances.
20.04	otherwise than by vinegar or acetic acid. Other vegetables prepared or preserved otherwise	22.06	Other fermented beverages (for example, cider, perry, mead).
20.05	than by vinegar or acetic acid, frozen. Other vegetables prepared or preserved otherwise than by vinegar or acetic acid, not frozen.	22.07	Undenatured ethyl alcohol of an alcoholic strength by volume of 80% vol or higher; ethyl alcohol and other spirits, denatured, of any strength.
20.06	Fruit, nuts, fruit-peel and other parts of plants, preserved by sugar (drained, glace or crystallised).	22.08	Undenatured ethyl alcohol of an alcoholic strength by volume of less than 80% vol; spirits, liquers and other spirituous beverages; compound alcoholic preparation of a kind used for the
20.07	Jams, fruit jellies, marmalades, fruit or nut purce and fruit or nut pastes, being cooked preparations, whether or not containing added super or other presentains matter	55.09	manufacture of beverages. Value a and sobationes for vinegal obtained from areful sold

Limestone flux; limestone and other calcareous stone, of a kind used for the manufacture of lime or cement

Tailet Y de	-			197
	<u>namentana sa App</u> ing Ap ril a na ing milang at ing mengalan Tanggaran	2	1	2
	CHAPTER 23		25.06	Quartz (other than natural sands); quartzite,
Residues	and waste from the Food Industries, p	repared	25.70	whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise into blocks or slabs of a rectangular including square) shape.
23 01	Flours, meals and pellets, or meat or rof fish or of crustaceans, molluscs or oth invertebrates, unfit for human con	er aquatic	25.07	Kaolin and other kaolinic clays, whether or not calcined
	greaves.	oci En priori,	25.08	Other clays (not including expanded clays of heading No. 68.06), and alusite, kyanite and silimanite,
23.02	Bran, Sharps and other residues, wheth in the forms of pellets, derived from ti milling or other working of cereals or le	he sifting,		whether or not calcined; mullite; chamotte or dinas earths.
	plants.		25.09	Chalk.
23.03	Residues of starch manufacture and sir dues, beet-pulp, bagasse and other waste manufacture, brewing or distilling of	of sugar lregs and	25.10.	Natural calcium phosphates, natural aluminium calcium phosphates and phosphatic chalk.
23.04	waste, whether or not in the form of a Oil-cake and other solid residues, wheth ground or in the form of pellets, resul	er or not	25.11	Natural barium sulphate (barytes); natural barium carbonate (witherite), whether or not calcined, other than barium oxide of heading No. 28.16.
	the extractions of soyabean oil.		25.12	Siliceous fossil meals (for example, kieselguhr,
23.05	Oil-cake and other solid residues, wheth ground or in the form of pellets, result the extractions of ground nut oil.	er or not ting from		tripolite and diatomite) and similar siliceous earths, whether or not calcined, of an apparent specific gravity of 1 or less.
23.06	Oil cake and other solid residues, wheth ground or in the form of pellets, result the extractions of vegetable fats or of than those of heading No. 23.04 or	ting from ls, other	25.13	Pumice stone; emery, natural corundum, natural garnet and other natural abrasives, whether or not heat-treated.
23.07	Wine lees; argol.		25.14	Slate, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs
23.08	Vegetable materials and vegetable waste.	vegetable		of a rectangular (including square) shape.
2,770	residues and by-product, whether or reform of pellets, of a kind used in anim not elsewhere specified or included.	ot in the	25.15	Marble, travertine, ecaussine and other calcareous monumental or building stone of an apparent specific gravity of 2.5 or more and Alabaster,
23 09	Preparations of a kind used in animal	feeding.		whether or not roughly trimmed or merely cut. by sawing or otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape.
	CHAPTER 24		25.16	Granite, porphyry, basalt, sandstone and other
To	bacco and manufactured Tobacco substi-	tutes		monumental or building stone, whether or not roughly trimmed or merely cut, by sawing or other-
24.01	Unmanufactured tobacco; tobacco refus	e.		wise, into blocks or slabs of a rectangular (in- cluding square) shape.
24.02	Cigars, cheroots, cigarillos and ciga tobacco or of tobacco substitutes.	rettes, of	25.17	Pebbles, gravel, broken or crushed stone, of a kind commonly used for concrete aggregates, for road
24.03	Other manufactured tobacco and ma tobacco substitutes; "homogenised" or tuted" tobacco extracts and essences.	nufactured "reconsti-		metalling or for railway or other ballast shingle and flint, whether or not heat-treated; macadam of slag, dross or similar industrial waste, whether or not incorporating the materials cited in the first part of the heading, tarred macadam; gra- nules chippings and powder, of stones of heading
	SECTION V			No. 25.15 or 25.16, whether or not heat-treated.
	MINERAL PRODUCTS		25.18	Dolomite, whether or not calcined; dolomite roughly trimmed or merely cut, by sawing or
	CHAPTER 25			otherwise, into blocks or slabs of a rectangular (including square) shape; agglomerated dolomite
Salt; Sulp	hur: Furths and Stone; Plastering Mater and Cement	ials, Lime	25.19	(including tarred dolomite). Natural magnesium carbonate (magnesite); fused
25.01	Salt (including table salt and denatured pure sodium chloride; whether or not isolution; sea water.			magnesia; dead-burned (sintered) magnesia, whe- ther or not containing small quantities of other oxides added before sintering other magnesium oxide; whether or not pure.
25.02	Unroasted iron pyrites.		25.20	Gypsum; anhydrite: plasters (consisting of cal-
25.03	Sulphur of all kinds other than sublim precipitated sulphur and colloidal sulph			cined gypsum or calcium sulphate (whether or not coloured, with or without small quantities of accelerators or retarders.
25.04	Natural graphite.		25.21	Limestone flux; limestone and other calcareous

Natural sands of all kinds, whether or not coloured, other than metal bearing sands of Chapter 26

25.05

1 Quicklime, elsked lime and hydraulic lime, other 25.22 CHAPTER 27 than calcium oxide and hydroxides of heading No. 28.25. Mineral fuels. Mineral Oils and products of their distillation; Portland cement, aluminous cement ("ciment fondu") alag cement, supersulphate cement and 25.23 Bituminous substances; Mineral Waves similar hydraulic cements, whether or not coloured 27,01 Coal briquettes, ovoids and similar solid fuels or in the form of clinkers. manufactured from coal. 25.24 Ashestos. Lignite, whether or not agglomerated, excluding 27.02 25.25 Mica, including splittings; mica waste. 25.26 Natural steatite, whether or not roughly trimmed 27.03 Peat (including peat litter), whether or not aggloor merely cut, by sawing or otherwise, into blocks or slabs or a rectangular (including square) shape, merated. Coke or semi-coke of coal, of lignite or of peat whether or not agglomerated; retort carbon. 27.04 talc. 25,27 Natural cryolite; natural chiolite. Coal gas, water gas, producer gas and similar gases, other than petroleum gases and other 27.05 25.28 Natural borates and concentrates thereof (whether or not calcined) but not including borates separated from natural brine; natural boric acid containing not more than 85% of H3B03 calculated on the dry weight. gascous hydrocarbons. Tar distilled from coal, from lignite or from peat, and other mineral tars, whether or not dehydrated or partially distilled, including reconstituted 27.06 25.29 Felspar; leucite; nepheline and nepheline syenite; tare. Oils and other products of the distillation of high 27.07 Mineral substances not elsewhere specified or 25.30 temperature coal tar; similar products in which included. the weight of the aromatic constituents exceeds that of the non-aromatic constituents. CHAPTER 26 27.08 Pitch and pitch coke, obtained from coal tar or from other mineral tars. Ores, Slag and Ash Iron ores and concentrates including roasted iron 26.01 Petroleum oils and oils obtained from bituminous 27.09 minerals, crude. Petroleum oils and oils obtained from bituminous Manganese ores and concentrates, including man-27.10 26.02 ganiferous iron ores and concentrates with a manganese content of 20% or more, calculated minerals, other than crude; preparations not elsewhere specified or included, containing by weight 70% or more of petroleum oils or of oil obtained from bituminous minerals, these oils being the on the dry weight. 26.03 Copper ores and concentrates. basic constituents of the preparations. 26.04 Nickel ores and concentrates. 27.11 Petroleum gases and other gaseous hydrocarbons. 26.05 Cobalt ores and concentrates. 27.12 Petroleum jelly; paraffin wax, micro-crystaline petroleum wax, slack wax, ozokerite, lignite wax, peat wax, other mineral waxes, and similar products obtained by synthesis or by other processes, 26.06 Aluminium ores and concentrates. 26.07. Lead ores and concentrates. whether or not coloured. 26.08 Zinc ores and concentrates. Petroleum coke, petroleum bitumen and other residues of petroleum oils or of oils obtained 27.13 26.09. Tin ores and concentrates. from bituminous minerals. 26.10. Chromium ores and concentrates. Bitumen and asphalt, natural; bituminous or oil shale and tar sands; asphaltities and asphaltic 27.1426.11 Tungsten ores and concentrates. 26.12. Uranium or thorium ores and concentrates. Bitumen and asphalt, natural; bituminous or oil natural bitumen, on petroleum bitumen or mineral tar or on mineral tar pitch (for example bituminous mastles, cut-backs). 27.15 26.13. Molybdenum ores and concentrates. 26.14. Titanium ores and concentrates. 26.15 Niobium, tantalum, vanadium and zirconium ores 27.16 Electrical Energy. and concentrates. SECTION VI Precious metal ores and concentrates. 26.16. 26.17. Other ores and concentrates. PRODUCTS OF THE CHEMICAL OR ALLIED **INDUSTRIES** 26.18. Granulated slag (slag cand) from the manufacture of iron or steel.

Slag, dross (other than granulated elag), ecaling and other waste from the manufacture of iron

Ash and residues (other than from the manufacture of iron or steel), containing metals or

Other slag and ash, including seaweed ash (kelp).

26.19

26.20.

26.21

or steel.

metallic compounds.

CHAPTER 28

Inorgaic Chemicals; Organic or inorganic compounds of precious metals of Rareearth Metals, or Radioactive Elements or of Isotopes

I. CHEMICAL ELEMENTS

28.01 Fluorine, Chlorine, bromine and lodine,

À		1	2
28 02	Sulphur, sublimed or precipitated; colloidal sulphur.	28.29	Chlorates and perchlorates; bromates and per- bromates; iodates and periodates.
28.03	Carbon (Carbon blacks and other forms of car-	28.30	Sulphides; polysulphides.
30.04	bon not elsewhere specified or included).	28.31	Dithionites and sulphoxylates.
28.04 28.05	Hydrogen, rare gases and other non-metals. Alkali or alkaline-carth metals; rare-earth metals,	28.32	Sulphites; thiosulphates.
26.05	scandium and yttrium, whether or not intermixed	28.33	Sulphates; alums; peroxosulphates (Persulphates).
	or interalloyed; mercury.	28.34	Nitrites; Nitrates,
II. INOR	GANIC ACIDS AND INORGANIC OXYGEN COMPOUNDS OF NON-METALS	28.35	Phospinates (hydrophosphites), Phosponates (Phospites), Phosphates and Polyphosphates.
28.06	Hydrogen chlorid: (hydrochloric acid); Chloro- sulphuric acid	28.36	Carbonates; peroxcarbonates (percarbonates; commercial ammonium carbonate containing ammo-
28.07	Sulphurie acid; okuna	00.27	nium carbonate.
28.08 28.09	Nitrie acid; sulpisanitrie acids. Diphosphorus pentaoxide; phosphoric acid and	28.37 28 38	Cyanides, Cyanide oxides and complex cyanides.
40.03	polyphosphoric acids.	28,39	Fluminates, cyanates and thiocyanates. Silicates; commercial alkali metal silicates.
28.10	Oxides of boron; boric acide.	28.40	Borates; peroxoborates (perborates).
28.11	Other inorganic acids and other inorganic com- pounds of non-metals.	28.41	Salts of oxometallic or peroxometallic acids.
		28.42	Other salts of inorganic acids or peroxoacids.
III. HA	LOGEN OR SULPHUR COMPOUNDS OF NON-METALS	20172	excluding azides.
2 8.12	Halides and halide oxides of non-metals.		VI. MISCELLANEOUS
28.13	Sulphides of non-metals; commercial phosphorus trisulphide.	28.43	Colloidal precious metals; inorganic or organic compounds of precious metals, whether or not
28.14	AND PEROXIDES OF METALS Antonia, aphydrous or in aqueous solution.	28.44	chemically defined; amalgams of precious metals. Radioactive chemical elements and radioactive isotopes (including the fissile or fertile chemical
28.15	Sodium hydroxide (Caustic soda); potassium hydroxide (caustic potash); peroxides of sodium or potassium.		elements and isotopes) and their compounds; mixtures and residues containing these products.
28.16	Hydroxide and peroxide of magnesium; oxides, hydroxides and peroxides, of strontium or barium.	28.45	Isotopes other than those of heading No. 28.44; compounds, inorganic or organic, of such isotopes, whether or not chemically defined.
28.17	Zine Oxide; Zine peroxide.	28.46	Compounds inorganic or organic, of rare-earth metals, of yttrium or of scandium or of mixtures
28.18	Aluminium Oxide: (including artificial corundum); Aluminium Hydroxide.	28.47	of these metals. Hydrogen peroxide, whether or not solidified with
28.19	Chromium oxides and hydroxides.	20.47	urea.
28.20	Manganese oxides.	28.48	Phospides, whether or not chemically defined, excluding ferrophosphorous.
28.21	from oxides and hydroxides; earth colours con- taining 70% or more by weight of combined from	28.49	Carbides, whether or not chemically defined.
28.22	evaluated as Fe ₂ O ₂ . Cobalt oxides and hydroodes; commercial cobalt oxides.	28,50	Hydrides, nitrides, azides, silicides and borides, whether or not chemically defined.
28.23	Titanium oxides.	28.51	Other inorganic compounds (including distilled or conductivity water and water of similar purity)
28.24	Lead oxides; red lead and orange load.		liquid air (whether or not rare gases have been
28.25	Hydrazine and hydroxylamine and their inorganic salts: other inorganic bases; other metal oxides, hydroxides and peroxides.		removed); compressed air; amalgams, other than amalgams of precious metals.
V. SALTS	AND PERGXYSALTS OF INORGANIC ACIDS AND MITALS		CHAPTER 29 Organic Chemicals
28,26	Fluorides flourosilicates flouroaliminates and other complex fluorine salts.	29.01	Acyclic hydrocarbons.
28.27	Chlorides, chloride oxides and chloride bydro-	29.02	Cyclic hydrocarbons.
	oxides; bromides and bromide oxides jostides and jodide oxides.	29.03	Halogenated derivates of hydrocarbons.
		29 04	Sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives or

II. ALCOHOLS AND THEIR HALOGENATED, NULPHONATED NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES

- Acyclic alcohols and their balogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives. 29.05
- 29.06 Cyclic alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.

PHENOLS PHENOL-ALCOHOLS AND TITEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DL. VIVATIVES III. PHENOLS

- 29.07 Phenois: phenoi-alcohols.
- Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of phenols or phenol-alcohols. 29.08

IV. ETHERS, ALCOHOL PEROXIDES, ETHER PEROXIDES, KETONE PEROXIDES, EPOXIDES WITH A THREE MEMBERED RING, ACETALS AND HEMI-ACETALS AND TUEIR HALOGENATED, SULPHONATED, NITRATED OR NITROSATED DERI-VATIVES

- 29.09 Ethers, ether-alcohols, ether-phenols, ether alcohol phenols, alcohol peroxides, ether peroxides, ketone peroxides (whether or not chemically defined), and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives
- Epoxides, epoxyalcohols, epoxyphenols and epoxy-ethers, with a three membered ring, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated 29.10 derivatives.
- Acetals and hemiacetals, whether or not with other oxygen function, and their halorenated, sulphonated, pitrated or nitrosated derivatives. 29.11

V. ALDEHYDE FUNCTION COMPOUNDS

- Aldehydes, whether or not with other oxygen function; cyclic polymers of aldehydes; para-29.12 form aldehyde.
- Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of products of heading No. 29.12. 29.13

VI. KETONE-FUNCTION COMPOUNDS AND QUINONE-FUNCTION COMPOUNDS

Kerones and quinones, whether or not with other oxygen function, and their halorenated, sulphonated, nitrated or nitrocated derivatives. 29.14

VII. CARBOXYLIC ACIDS AND THEIR ANHYDRIDES. HALIDES, PEROXIDES AND PEROXYACIDS AND THEIR HALOGENATED. SULPHONATED. NUTRATED OR NITROSATED DERIVATIVES.

- 29 15 Saturated acyclic monocarboxylic acids and their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids: their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives
- Unsaturated acyclic monocarboxviic acids, cyclic 29.16 monocarboxylic acids, their anhydrides, balides, peroxides and peroxyacids, their balogensted, sulphoneted nitrated or nitrosated derivatives.
- Polycarboxylic acids, their anhydrides, halides, peroxides and peroxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives 29.17
- 29.18 Carboxvlic acids with additional oxygen function and their anhydrides, halides, peroxides and per-oxyacids; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.

VIII. ESTERS OR INORGANIC ACIDS AND THEIR SALTS AND THEIR HALOGENATED, SULPHONATED NITRATED OR NITROSATED DERIVATIVES

- 29.19 Phosphoric esters and their salts, including lactophosphates; their helogenated, sulphonated, nitra-ted or nitrosated derivatives.
- Esters of other inorganic acids (excluding esters of hydrogen halides) and their salts; their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated deri-29.20

IX. NITROGEN-FUNCTION COMPOUNDS.

- 29.21 Amine-function compounds.
- 29.22 Oxygen-function amino compounds.
- 29.23 Quarternary ammonium salts and hydroxides; lecithins and other phosphoaminolipids.
- Carboxyamide-function compounds; 29.24 amide-function compounds of carbonic acid.
- Carboxyamide-function compounds (including saccharin and its salts) and imine-function com-29.25 (including pounds.
- 29.26 Nitrile-function compounds.
- 29.27 Diazo, azo-or azoxy-compounds.
- 29 28 Organic derivatives of hydrazine or of hydroxi lamine
- 29 29 Compounds with other nitrogen function.

X ORGANO-INORGANIC COMPOUNDS, HETEROCY-CLIC COMPOUNDS, NUCLEIC ACIDS AND THEIR SALTS AND SULPHONAMIDES

- 29.30 Organo-sulphur compounds.
- 29,31 Other organo-inormaic compounds.
- 29.32 Heterocyclic compounds with oxygen hetero-atom (s) only.
- Heterocyclic compounds with nitrogen hetero atom(s) only; nucleic acids and their salts. 29.33
- 29.34 Other heterocyclic compounds.
- 29 35 Sulphonamides.

ML PROVITAMINES, VITAMINS AND HORMONES

- 29.36 Provitamins and vitamins, natural or reproduced by synthesis (including natural concentrates) derivatives thereof used primarily as vitamins, and intermixtures of the foregoing, whether or not in any solvent.
- Hormones, natural or reproduced by synthesis; derivatives thereof used primarily as hormones other steroids used primarily as hormones. 29 37

XII. GLYCOSIDES AND VEGETABLE ALKALOIDS, NATURAL OR REPRODUCED BY SYNTHESIS AND THIFR SALTS ETHERS AND OTHER DERIVATIVES

- Glycosides, natural or reproduced by synthesis, 29.38 and their salts, ethers, esters and other deriva-
- Vegetable alkaloids, natural or reproduced by synthesis and their salts, ethers, esters and other 29,39 derivatives.

2

1

2

XIII. OTHER ORGANIC COMPOUNDS

- 29.40 Sugars, chemically pure, other than sucrose, lactose, maliose, glucose and fructose; sugar eithers and sugar esters, and their salts, other than products or heading No. 29.37, 29.38, or 29.39.
- 29.41 Antibiotics.
- 29.42 Other organic compounds.

CHAPTER 30

Pharmaceutical Products

- 30.01 Glands and other organs for organo-therapeuticuses, dried whether or not powdered; extracts of glands or other organs or of their secretions for organotherapeutic nses; heparin and its salts; other human or animal substances prepared for therapeutic or prophylactic uses, not elsewhere specified or included.
- 30.02 Human blood, animal blood prepared for therapeutic, prophylactic or diagonistic uses; antisera and other blood fractions vaccines, toxins, cultures of micro-organisms (excluding yeasts) and similar products.
- 30.03 Medicaments (excluding goods of heading No. 30.02, 30.05 or 30.06) consisting of two or more constituents which have been mixed together for therapeutic or prophylactic uses not put up in measured doses or in forms or packing for retail sale.
- 30.04 Medicaments (excluding goods of heading No. 30.02, 30.05 or 30.06) constiting of two or more mixed products for therapeutic or prophylactic uses, put up in measured doses or in forms or packing for retail sale.
- 30.05 Wadding, gauze, bandages and similar articles (for example, dressings, adhesive plasters, poultices), impregnated or coated with pharmaceutical substances or put up in forms or packings for retail sale for medical; surgical, dental or veterinary purposes.
- 30.06 Pharmaceutical goods specified in Note 3 in this Chapter.

CHAPTER 31

Fertilisers

- 31.01 Animal or vegetable fertiliser, (whether or not mixed together or chemically treated; fertilisers produced by the mixing or chemical treatment of animal or vegetable products.
- 31.02 Mineral or chemical fertilisers, nitrogenous.
- 31.03 Mineral or chemical fertilisers, phosphatic.
- 31.04 Mineral or chemical fertilisers, potassic.
- 31.05 Mineral or chemical fertilisers containing two or three of the fertilising elements nitrogen, phosphorous and Potassium; other fertilizers; goods of this chapter in tablets or similar forms or in packages of a gross weight not exceeding 10 Kg.

CHAPTER 32

Tanning or dyeing extracts; tannins and their derivatives; dyes, pigments and other colouring matter; paints and varnishes; putty and other mastics; inks

32.01 Tanning extracts of vegetable origin; tannin and their salts, ethers, esters and other derivatives.

- 32.02 Synthetic organic tanning substances: inorganic tanning substances; tanning preparations, whether or not containing natural tanning substances; enzymatic preparations for pre-tanning.
- 32.03 Colouring water of vegetable or animal origin (including dyeing extracts but excluding animal black), whether or not chemically defined; preparations based on colournig matter of vegetable or animal origin as specified in Note 3 to this chapter.
- 32.04 Synthetic organic colouring matter, whether or not chemically defined; preparations based on synthetic organic colouring matter as specified in Note 3 to this chapter; synthetic organic products of a kind used as fluorescent brightening agents or as luminophores, whether or not chemically defined.
- 32.05 Colour-lakes; preparations based on colour lakes as specified in Note 3 to this chapter.
- 32.06 Other colouring matter; preparations as specified in Note 3 to this chapter other than those of heading No. 32.03, 32.04 or 32.05; inorganic products of a kind used as luminophores, whether or not chemically defined.
- 32.07 Prepared pigments, prepared opacifiers and prepared colours, vitrifiable enamels and glazes, engobes (slips), liquid lustres and similar preparations of a kind used in the ceramic enamelling or glass industry; glass frit and other glass, in the form of powder, granules or flakes.
- 32.08 Paints and varnishes (including enamels and lacquers) based on synthetic polymers or chemically modified natural polymers, dispersed or dissolved in a nonaqueous medium; solutions as defined in Note 4 to this chapter.
- 32.09 Paints and varnishes (including enamels, and lacquers) based on synthetic polymers or chemically modified natural polymers, dispersed or dissolved in an aqueous medium.
- 32.10 Other paints and varnishes (including enamels, lacquers and distempers); prepared water nigments of a kind used for finishing leather.
- 32.11 Prepared driers.
- 32.12 Pigments (including metallic powders and flakes) dispersed in non-aqueous media. in liquid or paste form of a kind used in the manufacture of paints (including enamels); stamping foils; dyes and other colouring matters put up in forms or packing for retail sale.
- 32.13 Artists' students or signboard nainters' colour, modifying tints, amusement colours and the like, in tablets, tubes, jars, bottles, pans or similar forms or packings.
- 32.14 Glaziers' putty, grafting putty, resin cements, caulking compounds and other mastics; paintern, filling non-refractory surfacing preparation, for facades indoor walls, floors, ceilings or the like.
- 32.15 Printing ink, writing or drawing ink and other inks, whether or not concentrated or solid.

CHAPTER 33

Essential oils and resinoids; perfumery, cosmetic or toilet preparations

33.01 Essential oils (terpeneless or not), including comerctes and absolutes; resinoid; concentrates of

2

2

essential oils in fats, in fixed oils, in waxes or the like, obtained by enflourage or maceration; terpenic by-product of the deterpenation of essential oils; aqueous distillates and squeous solutions of essential oils.

- 33.02 Mixture of odoriferous substances and mixtures (including alcoholic solutions) with a basis of one or more of these substances, of a kind used as raw materials in industry.
- 33.03 Perfumes and toilet waters.
- 33.04 Beauty or make-up preparations and preparations for the care of the skin (other than medicaments), including sunscreen or sun tan preparations; manicure or pedicure preparations.
- 33.05 Preparations for use on the hair.
- 33.06 Preparations for oral or dental hygiene, including dentre fixative paste and powders.
- Pre-shave shaving or after-shave preparations, personal deodorants, bath preparation, depilatories and other perfumery, cosmetic or toilet preparations, not elsewhere specified or included; prepared room deodorisers, whether or not perfumed or having disinfectant properties.

CHAPTER 34

Soap, organic surface-active agents, washing preparations, lubricating preparation, or scouring preparations, candles and similar, articles, modelling pastes, "dental waxes" and dental preparations with a basis of plaster

- 34.01 Soap; organic surface-active products and preparations for use as soap, in the form of bars, cakes, moulded pieces or shapes whether or not containing soap; paper, wadding, felt and nonwovens, impregnated, conted or covered with soap or detergent.
- 34.02 Organic surface-active agents (other than soap); surface-active preparations, washing preparations (including auxillary washing preparations) and cleaning preparations, whether or not containing soap, other than those of heading No. 34.01.
- 34.03 Lubricating preparations (including cutting-oil preparations, bolt or nut release preparations, anti-rust or anti-corrosion preparations and mould release preparations, based on lubricants) and preparations of a kind used for the oil or grease treatment of textile materials, leather, furskins or other materials but excluding preparations containing as basic constituents, 70% or more by weight of petroleum oils or of oils obtained from bituminous minerals.
- 34.04 Artificial waxes and prepared waxes.
- Polishes and creams, for footwear, furniture, floor, coachwork, glass or metal, scouring pastes and powders and similar preparations (whether or not in the form of paper, wadding, felt, non-wovens, cellular plastics or cellular rubber impregnated, coated or covered with such preparations) excluding waxes of heading No. 34.04.
- 34.06 Candles tapers and the like.
- 34.07 Modelling pastes, including those put up for children's amusement; preparations known as "dental wax" or as "dental impression compounds", put up in sets in packings for retail sale or in plates, horseshoe shape, sticks or

similar forms; other preparations for use in dentistry, with a basis of planter (of calcined gypsum or calcium sulphate.

CHAPTER 33

Astunismostal substances, modified starches; glues; enzymes

- 35.01 Casein, cascinates and other casein dervatives, casein glues.
- 35.02 Albumins, albuminates and other albumin derivatives.
- 35.03 Gelatin (including gelatin in rectangular including square) sheets, whether or not surfaceworked or coloured and gelatin derivative; isinglass; other gives of animal origin, excluding casein glues of heading No. 35.01.
- 35.04 Peptones and their derivatives; other protein substances and their derivatives not elsewhere specified or included, hide powder, whether or not chromed.
- 35.05 Dextrins and other modified starches (for example, pregelatimized on esterified starches); glues based on starches, or on dextrins or other modified starches.
- Prepared glues and other prepared adhesives, not elsewhere specified or included; products suitable for use as glues or adhesives, put up for retail sale as glues or adhesives, not exceeding a net weight of 1 Kg.
- 35.07 Enzymes; prepared enzymes not elsewhere specified or included.

CHAPTER 36

Explosive pyrotechnic; products; matches; pyrophoric alloys; certain combustible preparations;

- 36.01 Propellent powders.
- 36.02 Prepared explosives, other than propellent powders.
- 36.03 Safety fuses; detonating fuses; percussion or detouating caps; igniters; electric detonators.
- 36.04 Fireworks, signalling flares, rain rockets, fog signals and other pyrotechnic articles.
- 36.05 Matches other than pyrotechnic articles of heading No 36.04.
- 36.06 Ferro-cerium and other pyrophoric alloys in all forms; articles of combustible materials as specified in Note 2 to this chapter.

CHAPTER 37

Photographic or cinematographic goods

- 27.01 Photographic plates and film in the flat, sensitised, unexposed, of any material other than paper, paperboard or textiles; instant print film in the flat, sensitised, unexposed, whether or not in packs.
- 37.02 Photographic film in rolls, sensitised, unexposed, of any material other than paper, paperboard or textiles; inscent point film in rolls, sensitised, unexposed.
- 37.03 Photographic paper. paperboard and textiles, sensitised, unexposed.

1	2	1	2
37.04	Photographic plates, film, paper, paperboard and textiles, exposed but not developed.	38.12	Prepared rubber accelerators; compound plasti- cisers for rubber or plastics, not elsewhere speci-
37.05	Photographic plates and film, exposed and developed, other than cinematograph film.		fied or included; unti-oxidising preparations and other compound stablisers for rubber or plustics.
36.06	Photographic plates and film, exposed and deve- loped whether or not incorporating sound track or consisting only of sound track.	38.13	Preparations and charges for fire-extinguishers; charged fire-extinguishing grenades.
37.07	Chemical preparations for photographic uses other than varnishes, glues, adhesives and simi-	38.14	Organic composite solvents and thinners, not elsewhere specified or included; prepared paint or varnish removers.
	lar preparations; unmixed products for photographic uses, put up in measured portions or put up for retail sale in a form ready for use.	38 15	Reaction initiators, reaction accelerators and catalytic preparations, not elsewhere specified or included.
	CHAPTER 38	38.16	Refractory cement, mortars, concretes and simi-
	Miscellaneous Chemical Products		lar compositions, other than products of heading No. 38.01.
38.01	Artificial graphite, colioidal or semi-colloidal gra- phite; preparations based on graphite or other- carbon in the form of pastes, blocks, plates or	38.17	Mixed alkylbenzenes and mixed alkylnaphthalenes other than those of heading No. 27.07 or 29.02.
38.02	other semi-manufactures. Activated carbon; activated natural mineral pro-	38.18	Chemical elements, doped for use in electronics, in the form of discs, wasers or similar forms; chemical compounds doped for use in electronics.
20.02	ducts; animal black; including spent animal black.	38.19	Hydraulic brake fluids and other prepared liquide for hydraulic transmission, not containing or con-
38.03	Tall oil, whether or not refined		taining less than 70% by weight of petroleum oils or oils obtained from bituminous minerals.
38.04	Residual lyes from the manufacture of wood pulp, whether or not concentrated, desugared or chemically treated, including lignin sulphonates, but excluding tall oil of heading No. 38.03.	38.20	Anti-freezing proparations and propared de-icing fluids.
38.05	Gum, wood or sulphate turpentine and other	38.21	Prepared culture media for development of mi- croorganisms.
	terpenic oils produced by the distillation or other treatment of coniferous woods; crude dipentene; sulphate turpentine and other crude paracymene;	38.22	Prepared binders for foundry moulds or cores; other than those of heading No. 30.02 or 30.06.
	pine oil containing alphaterpinol as the main constituent.	38.23	Propaged binders for foundry moulds or cores; chemical products and proparations of the chemi-
38.06	Rosin and resin acids, and derivates thereof; rosin splt and rosin oils; run gums.		cal or allied industries (including those consisting of mixtures of natural products) not elsewhere specified or included; residual products of the
38.07	Wood tar; wood tar oils, wood creosote; wood naphtha; vegetable pitch; breweres pitch and similar preparations based on rosin, resin acids or on		chemical or allied industries, not elsewhere apeci- fied or included.
	vegetable pitch.		SECTION VII
38.08	Insecticides, rodenticides, fungicides, herbicides, anti-sprouting products and plant-growth regulators, disinfectants and similar products, put up in	PLASTI	CS AND ARTICLES THEREOF; RUBBER AND ARTICLES THEREOF
	forms or packings for retail sale or as prepara- tions or articles (for example, sulphur treated bands, wicks and candles, and fly papers).		CHAPTER 39
38.09	Finishing agents, dye curriers to accelerate the		Plastics and articles there of
50.05	dying or fixing of dyestuff and other products and preparations (for example, dressings and mordants of a kind used in the textile, paper,	39.01 39.02	Polymers of ethylene, in primary forms. Polymers of propylene or of other olefins, in pri-
	leather or like industries, not elsewhere specified	39,03	mary forms. Polymers of styrene, in pimary forms.
38.10	or included. Pickling preparations for metal surfaces; fluxes	39.04	Polymers of viryl chloride or of other halogena-
and braz	and other auxiliary preparations for soldering brazing or welding; soldering, brazing or weld-	30.05	ted olefins, in primary forms. Polymers of vinyl scetate or of other vinyl ester
	ing powders and pastes consisting of metal and other materials, preparations of a kind used as cores or coatings for welding electrodes or rods.		in primary forms; other vinyl polymers in pri- mary forms.
20 11	Anti-knock preparations, oxidation inhibitors	39.06	Acrylic polymers in primary forms.
38.11	gum-inhibitors, viscosity improvers, anti-corro- sive preparations and other prepared additives, for macrat oils the hiding gasoline) or for other liquids used for the same purposes as mineral	39.07	Polyacetals, other polyethers and epoxide resins, in primary forms; polycarbonates, alkyed resins, polyallyl esters and other polyesters, in primary forms
	olls	39.08	Polyamides in primary forms.

	<u> </u>		······································
39,09	Amino-resins, phenolic resins and polyurethanes, in primary forms.	40.04	Waste, parings and scrap of rubber other than hard rubber and powders and granules obtained
39.10	Silicones in primary forms.		therefrom.
39.11	Petroleum resins, coumarone-indene resins poly- terpenes, polysulphones and other products speci-	40.05	Compounded rubber, unvulcanised, in primary forms or in plates sheets or strip,
40.43	fied in Note 3 to this Chapter, not elsewhere specified or included, in primary forms.	40.06	Other forms (for example, rods, tubes and profile shapes) and articles (for example, discs and lings), of unvulcanised rubber.
39.12	Cellulose and its derivatives, not elsewhere speci- fied or included, in primary forms.	40.07	Vulcanised rubber thread and cord.
39.13	Natural polymers (for example, alginic acid) and modified natural polymers (for example, hardened proteins, chemical derivatives of natural	40.08	Plates, sheets, strip rods and profile shapes, of vulcanised rubber other than hard rubber.
	rubber) not elsewhere specified or included in primary forms.	40.09	Tubes, pipes and hoses, of vulcanised rubber other than hard rubber, with or without their
39.14	Ion-exchangers based on polymers of headings Nos. 39.01 to 39.13 in primary forms.	40.10	fittings (for example, joints, elbows flanges). Conveyor or transmission belts or belting, of vulcanised rubber.
II. WAST	E, PARINGS AND SCRAP; SEMI-MANUFAC- TURES; ARTICLES	40.11	New Pneumatic tyres, of rubber.
39.15	Waste, parlings and scrap, of plastic.	40.12	Retreaded or used pneumatic tyres of rubber:
39.16	Monofilament of which any cross-sectional di- mension exceeds 1 mm, rods, sticks and profile	40.13	solid or cushion tyres, interchangeable tyre treads and tyre flaps, of rubber.
	shapes, whether or not surface-worked but not	40.13	Inner tubes, of rubber.
39.17	otherwise worked or plustics. Tubes, pipes and hoses, and fittings therefor (for example, joints, elbows, flanges of plustics.	40.14	Hygienic or pharmaceutical articles (including teats) of vulcanised rubber other than hard rubber, with or without fittings of hard rubber.
39.18	Floor covering of plastics, whether or not self-adhesive, in rolls or in the form of tiles; wall or ceiling covering of plastics, as defined in Note 9	40.15	Articles of apparel and clothing accessories (including gloves) for all purposes, of vulcanised rubber other than hard rubber.
39.19	to this Chapter. Self-adhesive plates, sheets, film foil, tape, strip	40.16	Other articles of vulcanised rubber other than hard rubber.
39.20	and other flat shapes, of plastics, whether or not in rolls. Other plates, sheets, film, foil and strip, of	40.17	Hard rubber (for example, ebonite) in all forms, including waste and scrap; articles of hard
39.20	plastics non-cellular and not reinforced, lawinated, supported or similarly combined with other materials.		SECTION VIII
39.21	Other plates, sheets, film, foil and strip, of plastics.	RAW HIDES AND SKINS, LEATHER, FURSKIN ARTICLES THEREOF; SADDLERY AND H	
39.22	Baths, shower-baths, wash-basins, bidets, lavatory pans, seats and covers, flushing cisterns and similar sanitary ware, of plastics.	TRAVEL	GOODS, HANDBAGS AND SIMILAR CON- ERS ARTICLES OF ANIMAL GUT (OTHER THAN SILK-WORM GUT)
39.23	Articles for the conveyance or packing of goods, of plastics; stoppers, lids caps and other closures, of plastics.	,	CHAPTER 41
39.24	Tableware, kitchenware, other household articles	Raw lil	des and skins (other than jurskins) and leather
39,25	and toilet articles, of plastics. Builder's were of plastics, not elsewhere specified	41.01	Raw hides and skins of boving or equine animal (fresh or salted, dried, limed, pickled or other
39.26	or included. Other articles of plastics and articles of other		wise preserved, but not tanned, parchment- dressed or further prepared), whether or not dehaired or split.
	materials of heading Nos. 39.01 to 39.14. CHAPTER 40	41.02	Raw skins of sheep or lambs (fresh, or salted, diled, limed, pickled or otherwise preserved, but
	Rubber and articles thereof		not tanned, parchment dressed or further pre- pared) whether or not with wool on or split,
40.01	Natural tuber, balata, gutta percha, guuyule- chicle and similar natural gums, in primary forms or in plates, sheets or strip.	41.03	other than those excluded by Note 1(c) to this chapter. Other your hides and china (fresh or salted dried)
40.02	Synthetic subber and factice derived from oils, in primary forms or in plates, sheets or strip; mixtures of any product of heading No. 40.01 with any product of this heading, in primary forms or	41.03	Other raw hides and skins (fresh or salted, dried, limed, pickled or otherwise preserved, but not tanned, parchment dressed or further prepared) whether or not dehaired or spllt, other than those excluded by Note 1(b) or 1(c) to this chapter.
40.03	in plates, sheets or strip. Reclaimed rubber in primary forms or in plates, sheets or strips.	41 04	Leather of botton or equine animals, without hair on other than leather of heading No. 41.08 or 41.09.
	•		

41.05 Sheep or lamb skin leather, without wool on other than leather of heading No 41.08 or 41.05.

41.06 Goat or kid skin leather, without hair on, other than leather of heading No. 41.08 or 41.09.

41.07 Leather of other animals, without hair on, other than leather of heading No. 41.08 or 41.09.

41.08 Chamois (including combination chamois) leather.

41.09 Patent leather and patent laminated leather; metallised leather.

41.10 Parings and other waste of leather or of composition leather, not suitable for the manufacture of leather articles, leather dust, powder and flour.

41.11 Composition leather with a basis of leather or leather fibre, in slabs, sheets or strip, whether or not in rolls.

CHAPTER 42

Articles of leader; saddlery and harness; travel goods, handbags and similar containers; articles of animals gut (other than silk-worm gut)

42.01 Saddlery and harness for any animal (including traces, leads, knee pads, muzzles, saddle cloths, saddle bags, dog coats and the like) of any material.

42.02 Trunks, suit-cases, vanity-cases, executive-cases brief-cases, school satchels, spectacle cases, binocular cases, camera cases, musical instrument cases, gun cases, holsters and similar containers; travelling bags, toilet bags, rucksacks, hand bags, shopping-bags, wallets, purses, map-cases, cigarette cases, tobaceo-pouches, tool bags, sports bags bottle-cases, jewellery boxes, powder-boxes, cutlery cases and similar containers, of leather or of composition leather of plastic sheeting, of textile materials, of vulcanised fibre or of paperboard, or wholly or mainly covered with such materials.

42.03 Articles of apparel and clothing accessories, of leather or of composition leather.

42.04 Article of leather or of composition leather of a kind used in machinery or mechanical appliances or for other technical uses.

42.05 Other articles of leather or of composition leather.

42.06 Articles of gut (other than silk-worm gut), of goldbeater's skin, of bladders or of tendons.

CHAPTER 43

Furskins and artificial fur; manufactures thereof

43.01 Raw furskins (including heads, tails paws, and other pieces or cuttings, suitable for furriers' use), other than raw hides and skins of heading No 41.01, 41.02 or 41.03.

43.02 Tanned or dressed furskins (including heads, tails, paws and other pieces or cuttings), unassembled, or assembled (without the addition of other materials) other than those of heading No. 43.03.

43.03 Articles of apparel, clothing accessories and other articles of furskin.

43.04 Artificial fur and articles thereof.

WOOD AND ARTICLES OF WOOD; WOOD CHARCOAL; CORK AND ARTICLES OF CORK; MANUFACTURES OF STRAW, OF ESPARTO OR OF OTHER PLATING MATERIALS; BASKETWARE AND WICKERWORK

SECTION IX

CHAPTER 44

Wood and articles of wood; wood charcoal

44.01 Fuel wood, in logs, in billets, in twigs, in faggots or in similar forms; wood in chips or particles; sawdust and wood waste and scrap, whether or not agglomerated in logs, briquettes, pellets or similar forms.

44.02 Wood charcoal (including shell or nut charcoal) whether or not agglomerated.

44.03 Wood in the rough, whether or not stripped or bark or sapwood, or roughly squared.

44.04 Hoopwood; split poles, piles, pickets and stakes of wood pointed but not sawn lengthwise; wooden sticks, roughly trimmed but not turned, bent or otherwise worked suitable for the manufacture of walking sticks, umbrellas, tool handles or the like; shipwood and the like.

44.05 Wood wool; wood flour.

44.06 Railway or tramway sleepers (crossties) of wood.

44.07 Wood sawn or chipped lengthwise, sliced or peeled, whether or not planed, sanded or finger-jointed, of a thickness exceeding 6 mm.

44.08 Veneer sheets and sheets for plywood (whether or not spliced) and other wood sawn lengthwise sliced or peeled, whether or not planed, sanded or finger-jointed, of a thickness not exceeding 6 mm.

Wood (including strips and friezes for parquet flooring not assembled) Continuously shaped (tongued, grooved, rebated chamfered, V-joined, beaded, moulded, rounded or the like) along any of its edges or faces, whether or not planed, sanded or finger-jointed.

Particle board and similar board of wood or other ligneous materials, whether or not agglomerated with resins or other organic binding substances.

44.11 Fibreboard of wood or other ligneous materials, whether or not bonded with resins or other organic substances.

44.12 Plywood, veneered panels and similar laminated wood.

44.13 Densified wood, in blacks plates, strips or profile shapes.

44.14 Wooden frames for paintings, photographs, mirrors or similar objects.

Packing cases, boxes, crates, drums and similar packings, of wood; cable-drums of wood; pallets, box pallets and other load boards, of wood.

44.16 Casks, barrels, vats, tubs and other coopers' products and parts thereof, of wood including staves.

44.17 Tools, Tool bodies, tool handles, broom or brush bodies and handles, or wood; boot or shoe lasts and trees, of wood.

. . -

2

1	<u>k</u>
44 18	Builders' joinery and carpenizy of wood, including cellular wood panels, assembled parquet panels, shingles and shakes.
44.19	Tableware and kitchenware of wood.
44.20	Wood marquetry and inlaid wood; caskets and cases for jewellery or cutlery and similar articles of wood; statuettes and other ornaments, of wood; wooden articles of furniture not falling in Chapter 94.

44.21 Other articles of wood.

CHAPTER 45

Cork and article of cork

45.01	Natural cork, raw or simply prepared; waste cork; crushed, granulated or ground cork.
45.02	Natural cork, debucked or roughly squared, or in rectangular (including square blocks, plates, sheets or strip, (including sharp-edged blanks for corks or stoppers).

- 45.03 Articles of natural cork.
- 45.04 Agglomerated cork (with or without a binding substance and articles of agglomerated cork.

CHAPTER 46

Manufactures of straw, of esparto or of other plating materials, baskerware and wiekerwork

- Plaits and similar products of plaiting materials, whether or not assembled into strips; plaiting materials, plaits and similar products of plaiting materials, bound together in parallel stands or woven, in sheet form, whether or not being finished articles (for examples, mats, matting, screens).
- 46.02 Basketwork, wickerwork and other articles, made directly to shape from plaiting materials or made up from goods of heading No. 46.01; articles of loofah.

SECTION X

Pulp of wood or other fibrous cellulesic material; waste and scrap of paper or paperhoard; paper and paperboard and articles thereof

CHAPTER 47

Pulp of wood or of other fibrous cellulosic material, waste scrup of paper or paperhoard

- 47.01 Mechanical wood pulp.
- 47.02 Chemical wood pulp dissolving grades.
- 47.03 Chemical wood pulp, soda or sulphate, other than dissolving grades.
- 47.04 Chemical wood pulp, sulphite, other than dissolving grades.
- 47.05 Semi-chemical wood pulp.
- 47.06 Pulps of other fibrous cellulosic material.
- 47 07 Waste and scrap of paper or paperboard

CHAPTER 48

Paper and paperboard; articles of paper of pulp, of paper or of paperboard

48 01 Newsprint in rolls or sheets.

- 48.02 Uncoated paper and paperboard, of a kind used for writing, printing or other graphic purposes, and punch card stock and punch tape paper in rotts of steeds other than paper of Heading No. 48.01 or 48.03; hand-made paper and paperboard.
- 48.03 Toilet or facial tissue stock, towel or napkin stock and similar paper of a kind used for household or sanitary purposes, cellulose wadding and webs of cellulose fibres whether or not creped, crinkled, embossed, perforated, surface-coloured, surface-decorated or printed, in rolls of a width exceeding 36 cm or in rectangular including square) sheets with at least one side exceeding 36 cm in unfolded state.
- 48.04 Uncoated Kraft paper and paperboard, in rolls or sheets, other than that of Heading No. 48.02 or 48.03.
- 48.05 Other uncoated paper and paperboard, in rolls or sheets.
- 48.06 Vegetable parchment, greaseproof papers, tracing papers and glassine and other glazed transparent or translucent papers, in tolls or sheets.
- 48.07 Composite paper and paperboard (made by sticking flat layers of paper or paperboard together with an adhesive) not surface-coated or imprepriated, whether or not internally reinforced, in rolls or sheets
- 48.08 Paper and paperboard; corrugated (with or without glued hat-surface sheets), cropped, clinkled, embossed or perforated, in rolls or sheets, other than that of Heading No. 48.03 or 48.18.
- 48.09 Carbon paper, self-copy paper and other copying or transfer papers (including coated or impregnated paper for duplicator stencils or offset plates), whether or not printed, in rolls of a width exceeding 36 cm or in rectangular (including square) sheets with at least one side exceeding 36 cm in unfolded state.
- 48.10 Paper and paperboard, coated on one or both sides with kaolin (China clay) or other inorganic substances, with or without a binder, and with no other coating, whether or not surface-coloured, surface-decorated or printed, in rolls or sheets.
- 48.11 Paper, paperhoard, celullose wadding and webs of cellulose fibres, coated, impregnated, covered surface-coloured, surface-decorated or printed in rolls or sheets, other than goods of Heading No. 48.03 48.0, 48.10 or 48.18.
- 48.12 Filter blocks, slabs and plates, of paper pulp.
- 48 13 Cigarette paper, whether or not cut to size or in the form of booklets or tubes.
- 48 14 Wallpaper and similar wall covering; window transparencies of paper.
- 48.15 Floor covering on a base of paper or of paperboard whether or not cut to size.
- Carbon paper, self-copy paper and other copying or transfer paper (other than those of Heading No. 48.09), duplicator stencils and offset plates, of paper, whether or not put up in boxes.
- 48.17 Envelopes, letter cards, plain postcards and correspondence cards, of paper or paperboard; boxes, pouches, wollets and writing compendiums, of paper or paperboard, confaining an assortment of paper stationers

1 1 2 Toilet Paper, handkerchiefs, cleaning tissues, towels, tablecloths, serviettes, napkins for babies, tampons, bed sheets and similar household, sanitary or hospital articles, articles of apparel and clothing accessories, of paper pulp, paper, cellulose wadding or webs of cellulose fibres. SECTION XI 48.18 Textiles and textiles articles CHAPTER 50 Silk Cartons, boxes, cases, bags and other packing containers of paper, paperboard, cellulose wadding or webs of cellulose fibres; box files, letter trays, and similar articles, or paper or paperboard of a kind used in offices shops or the 48.19 Silk-worm cocoons suitable for reeling. 50.01 50.02 Raw silk (not thrown). 50.03 Silk waste (including cocoons unsuitable reeling, yarn waste and garnetted stock). like. 50.04 Silk yarn (other than yarn spun from silk waste) not put up for retail sale. Registers, account books, note books, order books, receipt books, letter pads, memorandum pads, diaries and similar articles, exercise books, blotting pads, binders (looseleaf or other), folders, file covers, manifold business forms, in-48.20 50.05 Yarn spun from silk waste, not put up for retail terleaved carbon sets and other articles of stationery, of paper or paperboard; albums for samples or for collections and book covers. of paper or paperboard. 50.06 Silk yarn and yarn spun from silk waste, put up for retail sale; silk-worm gut. 50.07 Woven fabric of silk or of silk waste. Paper or paperboard labels of all kinds, whether or not printed. 48.21 CHAPTER 51 Wool, fine or coarse animal hair; horse-hair yarn and woven Bobbins, spools. cops and similar supports of paper pulp, paper or paperboard (whether or not perforated or hardened). 48.22 fabric 51.01 Wool not carded or combed. Other paper, paperhoard, cellulose wadding and webs of cellulose/fibres, cut to size or shapes; other articles or paper pulp, paper, paperhoard, cellulose wadding or webs of cellulose fibres. 48.23 51.02 Fine or coarse animal hair, not carded or comb-51.03 Waste of wool or of fine or coarse animal hair, including yarn waste but excluding granted stock. CHAPTER 49 51.04 Garnetted stock of wool or of fine or course ani-Printed books, newspapers, pletures and other products of mal hair. the printing industry; manuscripts, typescripts and plants 51.05 Wool and fine or coarse animal hair carded or 49.01 Printing books, brochures, leaflets and combed (including combed wool in fragments). printed matter, whether or not in single sheets. 51.06 Yaro of carded wool, not put up for retail sale. Newspapers, journals and periodicals, whether or not illustrated or containing advertising material. 49.02 Yarn of combed wool, not put up for retail sale. 51.07 49 03 Children's picture drawing or colouring books. 51.08 Yarn of fine animal hair (carded or combed) not put up for retail sale. Music, printed or in manuscript, whether or 49.04 not bound or illustrated 51.09 Yarn of wool or fine animal bair, put up for retail sale. Maps and hydrographic or similar charts of all kinds including atlases, wall maps, topographical 49 05 Yarn of coarse animal hair or of horse-hair (including gimped horsehair yarn) whether or not put up for retail sale. 51.10 plans and globes, printed Plans and drawings for architectural engineering, industrial, commercial, topographical or similar purposes, being originals drawn by hand; hand 49.06 Woven fabries of carded wool or carded fine 51.11 animal hair. written texts photographic reproductions on sensitised paper and carbon copies of the foregoing. 51.12 Woven fabrics of combed wool or of combed fine animal hair. 49.07 Unused postage, revenue or similar stamps of current or new issue in the country to which they are destined; stamp-impressed paper, cheque forms; banknotes, stock, share, or bond certificates and similar documents of title. Woven fabrics of course animal hair or of horse-51.13 hair. CHAPTER 52 Transfer de calcomanias. 49.08 Cotton Printed or illustrated post-ards: printed cards 49 09 bearing personal greetings, messages or announce-ments, whether or not illustrated, with or without 51.01 Cotton not carded or combed. envelopes or trimmings. 52,02 Cotton waste (including varn waste and granted

Calendars of any bind, printed, including colen-

Calendars of any kind, printed including colen-

49.10

49 11

947 GI/90-23.

dar blocks.

due and photographs.

- stock).
- 52.03 Cotton, carded or combed.
- 52,04 Cotton sewing thread, whether or not put up for retail sale.

Woven fabrics of synthetic staple fibres, containing less than 85% by weight of such fibres, mixed mainly or solely with cotton, of a weight not exceeding $170~\rm g/m$.

1	2	1	2
52.05	Cotton yarn (other than sewing thread), containing 85% or more by weight of cotton, not put up for retail sale.		CHAPTER 54 Man-made Filaments
52.06	Cotton yarn (other than sewing thread), containing less than 85% by weight of cotton, not	54.01	Sewing thread of man-made filaments, whether or not put up for retail sale.
52.07	put up for retail sale. Cotton yarn (other than sewing thread) put up more by weight of cotton, weighing more than 85% by weight of cotton, mixed mainly or soled	54.02	Synthetic filament yarn (other than sewing thread), not put up for retail sale, including synthetic monofilament of less than 67 decitex.
52.08	Woven fabrics of cotton, containing 85% or more by weight of cotton, weighing not less than	54.03	Artificial filament yarn (other than sewing thread), not put up for retail sale, including artificial monofilament of less than 67 decitex.
52.09	200 g/m. Woven fabrics of cotton, containing 85% or more by weight of cotton, weighing more than 200 g/m.	54.04	Synthetic monofilament of 67 decitex or more and of which no cross-sectional dimension exceeds 1 mm; strip and the like (for example, artificial straw) of synthetic textile materials of an apparent width not exceeding 5 mm.
52.10 52.11	Woven fabrics of cotton containing less than 85% by weight of cetton, mixed mainly or solely with man-made fibres, weighing not more than 200 g m. Woven fabrics of cotton, containing less than	54.05	Artificial monofilament of 67 decitex or more and of which no cross-sectional dimension exceeds 1 mm; strip and the like (for example, artificial straw) of artificial textile material of apparent width not exceeding 5 mm.
32.11	85% by weight of cotton, mixed mainly or solely with man-made fibres, weighing more than 200 g/m.	54.06	Man-made filament yarn (other than sewing thread) put up for retail sale.
52.12	Other woven fabrics of cotton.	54.07	Woven fabrics of synthetic filament yarn, including woven fabrics obtained from materials of heading No. 54.04.
	CHAPTER 53	54.08	Woven fabrics of artificial filament yarn, including woven fabrics obtained from materials of heading No. 54.05.
Other ve	getable textiles fibres; paper yarn and woven fabrics of paper yarn		CHAPTER 55
53.01	Flax, raw or processed but not spun; flax tow and waste (including yarn waste and garnetted		Man-made staple fibres
	stock).	55.01	Synthetic filament tow.
53.02	True hemp (Cannable Sativa L), raw or process	55.02	Artificial filament tow.
	ed but not spun; Tow and waste of true hemp (including yarn waste and garnetted stock).	55.03	Synthetic staple fibres, not carded, combed or otherwise processed for spinning.
53.03	Jute and other textile bast fibres (excluding flax true hemp and ramie), raw or processed but no	55.04	Artificial staple fibres, not carded, combed or otherwise processed for spinning.
	spun, tow and waste of these fibres (including yarn waste and garnetted stock).	55.05	Waste (including noils, yorn waste and garnetted stock) of man-made fibres
53.04	Signal and other textile fibres of the genus agave, raw or processed but not spun, tow and waste of these fibres (including vain waste and garnetted	55.06	Synthetic staple fibres, carded, combed or other wise processed for spinning.
53.05	stock). Coconut abaca (Manila hemp or Musa textiles	55 07	Artificial staple fibres, carded, combed or other- wise processed for spinning.
J3.03	Nee), ramie and other vegetable textile fibres, not elsewhere specified or included, raw or processed but not spin: tow, nolls and waste of these fibres (including varn waste and garnetted stock).	55.08	Sewing thread of man-made staple fibres, whether or not put up for retail sale.
		55.09	Yarn (other than sewing thread of synthetic staple fibres, not put up for retail sale.
53.06	Flax yarn.	55.10	Yarn (other than sewing thread) of artificial
53.07	Yarn of jute or of other textile bast fibres of heading No. 53 03	55 11	staple fibres, not put up for retail sale. Yarn (other than sewing thread) of man-made
53.08	Yarn of other vegetable textile fibres: paper yarn.	55.12	staple fibre, put up for retail sale. Woven fabrics of synthetic staple fibres, contain-
53.09	Woven fabrics of flax	⇒ 7-1 ∠	ing 85% or more by weight of synthetic staple
53.10	Woven fabrics of interounce other textile bust		fibres.

55,13

Woven fabrics of jute or of other textile, bust fibres of héadin No. 53.03

Woven fabrics of other venetable textile fibres;

woven fabries or paper varn.

53 10

53.11

1	2	1	2
55.14	Woven fabrics of synthetic staple fibres, contain-	case or over the constant	CHAPTER 58
	ing less than 85% by weight of such fibres, mixed mainly or solely with cotton, of a weight exceeding 170 G/M .	Special	Woven Pabrics; Tufted Texiste Fabrics Lace; 1aj stries, Trimmings; Embroidery
55.15	Other woven fabrics of synthetic staple fibres.	58.01	Woven pile fabrics and chenille fabrics, of than fabrics of Headings No. 58.02 or 58.06.
55.16	Woven fabrics of artificial staple fibres.	58.02	Terry towelling and similar woven terry fabri other than narrow fabrics of Heading No. 58.0 tufted textile fabrics, other than products Heading No. 57.03.
	CHAPTER 56	58. 03	Gauge, other than narrow fabrics of Heading N 58.06.
	, Felt and Non-Wovens; Special Yarns; Twine, Cordage, Ropes and Cables and Article Thereof	58.04	Tulles and other net fabrics, not including wove knitted or crocheted fabrics; Lace in the piece, strips or in motifs.
56.01	Wadding of textile materials and articles thereof; textile fibres, not exceeding 5 MM in length (flock), textile dust and mill neps.	58.05	Hand-woven tapestries of the type gobelins, fla ders, aubusson, beauvais and the like, and needle worked tapestries (for example, petit point cru stitch), whether or not made up.
56.02 56.03	Felt, whether or not impregnated, coated, covered or laminated. Non-wovens whether or not impregnated, coated,	58.06	Narrow woven fabrics other than goods of Hea- ing No. 58.07; Narrow fabrics consisting of wa without weft assembled by means of an adhesi
	covered or laminated.	58.07	(bolducs). Labels badges and similar articles of textile man
56.04	Rubber thread and cord, textile covered, textile yarn and strip and the like of Heading No. 54.04		rials, in the piece or strips or cut to shape size, not embroidered.
	or 54.05, impregnated, coated, covered or sheathed with rubber or plastics.	58.08	Woven fabrics of metal thread and woven fabri piece, without embroidery, other than knitted crocheted, tassels, pompons and similar articles
56.05	Metallised yarn, whether or not gimped, being textile yarn, or strip or the like of Heading No. 54.04 or 54.05, combined with metal in the form of thread, strip or powder or covered with metal.	58.09	Woven fabrics of metal thread and woven fabriof metallised yarn of Heading No. 56.05, of kind used in apparel, as furnishing fabrics or f similar purposes, not elsewhere specified or inclued.
56.06	Gimped yarn, and strip and the like of Heading	58.10	Embroidery in the piece, in strips or in motifs.
	No. 54.04 or 54.05, gimped (other than those of Heading No. 56.05 and gimped horse-hair yarn); chenille yarn (including flock chenille yarn); loop-wale-yarn.	58.11	Quilted textile products in the piece, compose of one or more layers of textile materials a sembled with padding by stitching or otherwise other thin embroidery of Heading No. 58.10.
56.07	Twine, cordage, rope and cables, whether or not plaited or braided and whether or not impregnated,		CHAPTER 59
	coated, covered or sheathed with rubber or plas- tics.		ted, coated, covered or laminated textile fabric e articles of a kind suitable for industrial use
56.08	Knotted netting of twine, cordage or rope; made up fishing nets and other made up nets, of textile materials.	59.01	Textile Fabrics coated with gum or amylace substances of a kind used for the outer covers books or the like; tracing cloth; prepared painting canvas; Buckram and similar stiffened textile faries of a kind used for that foundations.
	CHAPTER 57	59.02	Tyre cord fabrics of high tenacity yarn of nylo or other polyamides, polyesters or viscose rayo
(Carpets and other Textile Floor Coverings	59.03	Textile fabrics impregnated, coated, covered laminated with plastics, other than those Heading No. 59.02.
57.01	Carpets and other textile floor covering, knotted, whether or not made up. Carpets and other textile floor coverings, wovens	59.04	Linoleum, whether or not cut to shape; flo covering consisting of a coating or coveri- applied on a textile backing, whether or not co
57.02	not tufted or flocked, whether or not made up, including "Klem", "Schumacks", Karamanie",	59.05	to shape. Textile wall coverings.
	and similar hand-woven rugs.	59.06	Rubberised textile fabrics, other than those
57:03	Carpets and other textile floor coverings, tufted, whether or not made up.	59.07	Heading No. 59.02. Textile fabrics otherwise impregnated, coated covered painted canvas being theatrical scene:
57.04	Carpets and other textile floor coverings, of felt, not tufted or flocked, whether or not made up.	59.08	studio backcloths or the like. Textile wicks, woven plaited or knitted, for lamp
57 ME	Other carpets and other textile floor coverings, whether or not made-up.		stoves, lighters, candles or the like; incandesce gas mantles and tubular knitted gas mantle fab therefor, whether or not impregnated.

1	2	1	2
59.09	Textile Housepiping and similar textile tubing with or without lining, armour or accessories of other materials.	61.16 61.17	Gloves, mittens and mitts, kultted or crocheted. Other made up clothing accessories, knitted crocheted, knitted or crocheted parts of garments
59. 10	Transmission or conveyor belts or belting, of tex- tile material, whether or not reinforced with metal or other material.		or of clothing accessories.
59.10			CHAPTER 62
39.10	Textile products and articles, for technical uses, specified in note 7 to this Chapter.	Articles o	of apparel and clothing accessories, not knitted or Crocheted
	CHAPTER 60	62.01	Mens' or Boys' overcoats, car-coats, capes, clocks,
	Knitted or crocheted fabrics		anoraks (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, other than those of Heading No. 62.03.
60.01	Pile fabrics, including "long pile" fabrics and terry fabrics, knitted or crocheted.	62.02	Womens' or Girls' overcoats, car-coats, capes,
60.02	Other knitted or crocheted fabrics.		cloaks, anotaks (including ski-jackets), wind-cheaters, wind-jackets and similar articles, other than those of Heading No. 62.04.
	CHAPTER 61	62.03	Mens' or Boys' suits, ensembles, jackets, blazers, trousers, bibs and brace overall, breeches and
Articles	of apparel and clothing accessories, knitted or crocheted		shorts (other than swimwear).
61.01	Men's or Boy's overcoats, carcoats, capes, clocks, anoraks (including ski-jackets), wind-cheaters,	62.04	Womens' or Girls' suits, ensembles, jackets dresses, skirts, divided skirts, trousers, bib and brace overalls, breeches and shorts (other than swimwear).
	wind-jackets and similar articles, knitted or crocheted, other than those of Heading No. 61,03.	62.05	Mens' or Boys' shirts.
61.02	Womens' or Girls' overcoats, carcoats, capes,	62.06	Womens' or Girls' blouses, shirts and skirt-blouses,
(cloaks, anoraks, (including ski-jackets). wind- cheaters, wind-jackets and similar articles, knitted or croacheted, other than those of Heading No. 61.04.	62.07	Mens' or Boys' singlets and other vests, under- pants, briefs, nightshirts, pyjamas, bathrobes, dress gowns and similar articles.
61.03	Mens' or Boys' suits, ensembles, jackets, blazers, trousers, bib and brace overalls, breeches and shorts (other than swimwear) knitted or crocheted.	62.08	Womens' or Girls' singlets and other vests, slips, petticoats, briefs, panties nightdresses, pyjamas, negliges, bathrobes, dressing gowns and similar articles.
61.04	Womens' or Girls' suits, ensembles, jackets, dresses, skirts, divided skirts, trousers, bib and	62.09	Babies' garments and clothing accessories.
	brace overalls, brecches, and shorts (other than swimwear), knitted or crocheted.	62.10	Garments, made up of fabrics of Heading No. 56.02, 56.03, 59.03, 59.06 or 59.07.
61.05	Mens' or Boys' shirts, knitted or crochered.	62.11	Track suits, skirt-suits and swimwear; other gar-
61.06	Womens' or Girls' Blouses, Shirts and shirt- blouses, knitted or crocheted.	62.12	ments. Brassieres, girdles, corsets, braces, suspenders,
61.07	Mens' or Boys' underpants, briefs. Nightshirm, pyjamas (bathrobes, dressing gowns and similar		garters and similar articles and parts thereof, whether or not knitted or crocheted.
	articles, knitted or crocheted	62.13	Handkerchiefs.
61.08	Womens' and Girls' slips, petticoats, briefs, panties, nightdresses, pyjames, negliges, bathrobes, dressing gowns, nad similar articles, knitted or crocheted.	62.14	Shawls, scarves, mufflers, mantillas, veils and the like.
61.09	T-shorts, singlets and other vests, knitted or	62.15	Ties, bow ties and cravets.
	crocheted.	62.16	Gloves, mittens and mitts.
61.10	Jerseys, pullovers, cordigans, waistcoats and similar articles, knitted or crocheted.	62.17	Other made up clothing accessories; parts of garments or of clothing accessories, other than those of Heading No. 62.12.
61,11	Balies' garments and clothing accessories, knitted or crocheted.		CHAPTER 63
61.12	Track suits, ski-suits and swimwear, knitted or crocheted.	Other made up textile articles; sets; worn clothing and wor textiles articles; rags	
61.13	Garments, made up of knitted or crocheted fabrics of Heading No. 59.03, 59.06 or 59.07.	I—OTHER MADE UP TEXTILE ARTICLES	
61.14	Other garments, knitted or crocheted.	63.01	Blankets and travelling rugs.
61.15	Panty bose, tights, stockings, socks, and other hosiery, including stockings for varicose yeins and	63,02	Bed linen, table linen, toilet linen and kitchen linen. Curtains (including drapes) and interior blunds;
	footwoar without applied soles, knitted or crocheted.	63.03	curtain or bed valances.

1	La Company	1	
63.04	Other furnishing articles, excluding those of Heading No. 94.04.	ö5.05	Hats and other headgear, kni or made up from lace, felt
63.05	Sacks and bags, of a kind used for packing.		fabrics, in the piece (but not
63.06			or not lined or trimmed; hai rial, whether or not lined or t
	craft. awnings, sunblinds, tents and camping goods.	65 06.	Other headgear, whether or no
63.07	Other made up articles, including dress patterns.	65.07	Head-bands, linings, covers, h
	II SETS	JD. 07	frames, peaks and chinstraps,

63.08 Sets consisting of woven fabric and yarn, whether or not with accessories, for making up into rugs, tapestries, embroidered table cloths or servicites, or similar textile articles, put up in packings for retail sale.

III-WORN CLOTHING AND WORN TEXTILE ARTICLES: RAGS

- 63.09 Worn clothing and other worn articles.
- 63.10 Used or new rags, scrap twine, cordage, rope and cables and worn out articles or twine, cordage, rope or cables, of textile materials.

SECTION XII

FOOTWEAR, HEADGEAR, UMBRELLAS, SUN UMBRELLAS, WALKING-STICKS, SEAT-STICKS, WHIPS, RIDING-CROPS AND PARTS THEREOF, PREPARED FEATHERS AND ARTICLES MADE THEREWITH; ARTIFICIAL FLOWERS, ARTICLES OF HUMAN HAIR

CHAPTER 64

Footwear gulters and the like, parts of such articles

- 64.01 Waterproof footwear with outer soles and uppers of Rubber or of plastics, the uppers of which are neither fixed to the sole nor assembled by stitching, riveting, nailing, screwing, plugging or similar processes.
- 64.02 Other footwear with outer soles and uppers of rubber or plastics.
- 64.03 Footwear with outer soles or rubber, leather or composition leather and uppers
- Footwear, with outer soles of rubber, plastics, 64.04 leather or composition leather and uppers of textile materials.
- 64.05 Other footwear.
- Parts of footwear; removables in soles, heel cushions and similar articles, leggings and similar 64.06 articles, and parts thereof.

CHAPTER 65

Headgear and parts thereof

- Hat-forms, hat bodies and hoods of felt, neither blocked to shape nor with made brims; plateaux and manchons (including slit manchons), of felt. 65.01
- Hat-shapes, plaited or made by assembling strips of any material, neither blocked to shape, nor with made brims, nor lined, nor trimmed. 65.02
- 65.03 Felt hats and other felt head-gear, made from the hat bodies, hoods or plateaux of Heading No. 65.01, whether or not lined or trimined.
- Hats and other headgear, plaited or made 65.04 assembling strips of any material, whether or not lined or trimmed.

- nitted or crocheted, or other textile t in strips), whether ir-nets of any matetrimmed. not lined or trimmed.
- hat foundations, hat , for headgear.

CHAPTER 66

Umbrellas, sun umbrellas, walking-sticks, seat-sticks whips, riding crops and parts thereof

- Umbrellas and sun umbrellas (including walking-66.01 sticks umbrellas, garden umbrellas and similar umbrellas).
- 66.02 Walking-sticks, seat-sticks, whips, riding-crops and
- Parts, trimmings and accessories of articles of Heading No. 66.02. 66.03

CHAPTER 67

Prepared feathers and down and articles made of feathers or of down; artificial flowers; articles of human hairs

- 67.01 Skins and other parts of birds with their feathers or down, feathers, parts of feathers, down and articles thereof (other than goods of Heading No. 05.05 and worked quills and scapes).
- Artificial flowers, foliage and fruit and parts thereof; articles made of artificial flowers, foliage 67.02 or fruits).
- Human hair, dressed, thinned, bleached or other-67.03 wise worked; wool or other animal hair or other textile materials, prepared for use in making wigs or the like.
- Wigs, false beards, eyebrows and eyelashes, switches and the like, of human or animal hair or of textile materials; articles of human hair not elsewhere specified or included. 67.04

SECTION XIII

ARTICLES OF STONE, PLASTER, CEMENT, ASBESTOS, MICA OR SIMILAR MATERIALS; CERAMIC PRODUCTS; GLASS AND GLASSWARE

CHAPTER 68

- Articles of stones, plaster, cement, asbestos, mica, or similar materials
 - 68.01 Setts, curbstones and flagstone, or natural stone (except slate).
 - Worked monumental or building stone (except 68.02 slate) and articles thereof other than goods of Heading No. 68.01 mosaic, cubes and the like of natural stone (including slate, whether or not on a base of textile material, of paper, of paper and powder, of natural stone (including slate).
 - Worked slate and articles of slate or of agglomerated slate. 68.03
 - 68.04 Milstones, grandstones, grinding wheels and the like, without frameworks, for grinding, sharpening, polishing trueing or cutting, hand sharpening or polishing stones, and puts thereof, of natural stone, of agglomerated natural or artificial abrasives, or of ceramics, with or without parts of other materials.

1	2	1	2
68.05	Natural or artificial abrasive powder or grain, on		II-OTHER CERAMIC PRODUCTS
	a hase of textile material, of paper, of paper- board or of other materials, whether or not cut to shape or sewn or otherwise made up.	69.04	Ceranic building bricks, flooring block: support or filler tiles and the like.
68.06	Slag wool, rock wool and similar mineral wools; exfoliated vermiculite, expanded clays, foamed slag and similar expanded mineral materials; mixtures and articles of heat-insulating sound-insulating or sound-absorbing mineral materials, other than those of Heading No. 68.11 or 68.12 or of	69.05	Roofing tiles chimney-pots, cowls, chimney lines, architectural ornaments and other ceramic constructional goods.
		69.06	Ccramic pipes, conduits, guttering and pipe fittings.
68.07	Chapter 69. Articles of asphalt or of similar material (for	69.07	Unglazed ceramic flags paving, hearth or wall tiles; unglazed ceramic mosaic cubes and the like, whether or not on a backing.
68.08	example petroleum bitumen or coal tar pitch). Panels, boards, tiles, blocks and similar articles	69.08	Glazed ceramic flags and paving, hearth or wall tiles; glazed ceramic mosaic cuhes and the like
	of vegetables fibre, of straw or of shavings, chips, particles, sawdusts or other waste, of wood, agglomerated with cement, plaster or other mineral	69.09	whether or not on a backing. Ceramic wares for laboratory, chemical or other
68.09	Articles of plaster or of composition based on plaster.		technical uses; ceramic troughs, tubs and similar receptacles of a kind used in agriculture; ceramic pots, jars and similar articles of a kind used for the conveyance or packing of goods.
68.10	Articles of cement, of concrete or of artificial stone, whether or not reinforced.	69.10	Ceramic sinks, wash basins, wash basin pedestals, baths bidets, water closet pans, flushing cisterms, urinals and similar sanitary fixtures.
68.11	Articles of asbestos-cement, of cellulose fibre-cement or the like.	69 11	Tableware, kitchenware, other household articles and toilet articles, of porcelain or china.
	Fabricated asbestos fibres; mixtures with a basis of asbestos or with a basis of asbestos and magnesium carbonate; article of such mixtures or of asbestos (for example, thread, woven, fabric, clothing, headgear, footwear, gaskets), whether or not reinforced, other than goods of Heading No.	69.12	Ceramic tableware, kitchenware, other household articles and toilet articles, other than of porcelain or china.
		69.13	Statuettes and other ornamental ceramic articles.
	68.11 or 68.13.	69.14	Other ceramic articles.
68.13	Friction material and articles thereof (for example, sheets, rolls, strips, segments, discs, washers, pads), not mounted, for brakes, for clutches or the like, with a basis of asbestos, of other mineral substances or of cellulose, whether or not com-		CHAPTER 70
			Glass and Glassware
	bined with textile or other materials.	70.01	Cullet and other waste and scrap of glass; glass in the mass.
68.14	Worked mica and articles of mica, including agglomerated or reconstituted mica, whether or not on a support of paper, paper board or other	70.02	Glass in balls (other than microspheres of Heading No. 10.18), rods or tubes, unworked.
68.15	Articles of stone or of other mineral substances including articles of peat), not elesewhere speci-	70.03	Cast glass and rolled glass, in sheets or profiles whether or not having an absorbent or reflecting layer, but not otherwise worked.
	fied or included.	70.04	Drawn glass and blown glass, in sheets, whether or not having an absorbent or reflecting layers, but not otherwise worked.
	CHAPTER 69	70.05	Float glass and surface ground or polished glass,
	CERAMIC PRODUCTS		in sheets, whether or not having an absorbent or reflecting layer, but not otherwise worked.
GOODS IMILAR	OF SILICEOUS FOSSIL MEALS OR OF SILICEOUS EARTHS, AND REFRACTORY GOODS	70.06	Glass of Heading No. 70.03, 70.04 or 70.05, bent, edges worked, engraved, drilled enamelled or otherwise worked, but not framed or fitted with
69.01	Bricks, clocks, tiles and other ceramic goods of siliceous fossil meals (for example, kieselguhr, tripolite or diatomite) or of similar siliceous earths.	70.07	other materials. Safety glass, consisting of toughened (tempered) or laminated glass.
	Refractory bricks, blocks, tiles and similar refractory ceramic constructional goods, other than those of siliccous fossil meals or similar siliceous earths.	70. 0 8	Multiple-walled insulating units of glass.
		70.09	Glass mirrors whether or not framed, including rear-view mirrors.
69.03	Other refractory ceramic goods, (For example, retorts, crucibles, muffles, nozzles, plugs, supports, cupels, tubes, pipes, sheaths and rods), other than those siliceous fossil meals or of similar siliceous earths.	70.10	Carbovs, bottles, flasks, iars, pots phials, ampoules and other containers of glass, of a kind used for the conveyance or packing of goods preserving jars of glass; stoppers, lids and other closures of glass.

2

72 7. 1

1

2

-- --

not strung, mounted or set; ungraded synthetic or reconstructed precious or semi-precious stones, Glass envelopes (including bulbs and tubes), open, and glass parts thereof, without fittings, for electric lamps, cathode-ray tubes or the like. 70.11 temporarily strung for convenience of transport. 71.05 Dust and powder of natural or synthetic precious 70.12 Glass inners for vacuum flasks or for other vacuum or semi-precious stones. II-Precious metals and metals clad with precious Glassware of a kind used for table, kitchen, toilet, office, indoor decoration of similar purposes (other than that of Heading No. 70.10 or 70.18). 70.13 metal. Silver (including silver plated with gold or platinum), unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form. 71.06 70.14 Signalling giassware and optical elements of glass (otherthan those of Heading No. 70.15) not optically worked. 71.07 Base metal clad with silver, not further worked than semi-manufactured. 70.15 Clock or watch glasses and similar glasses, glasses Gold (including gold plated with platinum) unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form for non-corrective or corrective spectacles, curved bent hollowed or the like; not optically worked, 71.08 hollow, glass spheres and their segments for the manufacture of such glasses. 71.09 Base metals or silver, clad with gold, not further Paving clocks, slabs, bricks, squares, tiles and cother articles of pressed or moulded glass, whether or not wired, of a kind used for building, or worked than semi-manufactured. 70.16 Platinum, unwrought or in semi-manufactured forms, or in powder form. 71.10 construction purposes; glass cubes and other glass small-wares, whether or not on a backing, for mosaics or similar decorative purposes; leaded lights and the like; multicelluler or foam glass in blocks, panels, plates, shells or similar forms. 71.11 Base metals, silver or gold, clad with platinum, not further worked than semi-manufactured. Waste and scrap of precious metal or of metal 71.12 clad with precious metal. 70.17 Laboratory, hygienic or pharmaceutical glassware, whether or not graduated or callibrated. III—Jewellery, Goldsmiths' and Sliversmiths' wares and other articles. 70.18 Glass beads, imitation pearls, initation precious or semi-precious stones and similar glass small-wares, and articles thereof other than imitation jewellery, Articles of jewellery and parts thereof, of precious metal or of metal clad with precious metal, 71 13 glass eyes other than prosthetic articles; statuettes and other ornaments of lamp-worked glass, other Articles of goldsmiths' or silversmiths' wares and 71.14 parts thereof, of precious metal or of metal clad with precious metal. than imitation jewellery; glass microspheres not exceeding 1 MM in diameter. Glass fibres (including glass wool) and articles 70.19 Other articles of precious metal or of metal clad 71.15 thereof (for example, yarn, woven fabrics). with precious metals. Other articles of Glass. 70.20 Articles of natural or cultured pearls, precious or 71.16 semi-precious stones (natural, synthetic or recons-SECTION XIV tructed). NATURAL OR CULTURED PEARLS, PRECIOUS OR SEMI-PRECIOUS STONES PRECIOUS METALS, METALS CLAD WITH PRECIOUS METALS, AND ARTICLES THEREOF IMITATION JEWELLERY; COIN 71.17 Imitation jewellery. 71.18 Coin. SECTION XV CHAPTER 71 BASE METALS AND ARTICLES OF BASE METALS Natural or cultured pearls, pr. cioux or semi-precious stones, preclous metals, metals, clad with precious metals, and articles thereof: imitation jewellery: coin CHAPTER 72 tron and Steel I-Natural or cultured pearls and precious or I-Primary materials; products in Granular or semi-precious stones. Powder form. 71.01 Pearls, natural or cultured, whether or not work-Pig iron and spiegeleisen in pigs blocks or other ed or graded but not strung, mounted or set; un-72.01 graded pearls, natural or cultured, temporarily primary form. strung for convenience of transport 72.02 Ferro-alloys 71.02 Diamonds, whether or not worked, but not moun-Ferrous products obtained by direct reduction of iron ore and other spongy ferrous products, in lumps, pellets or similar forms; iron having a 72.03 Precious stones (other than diamonds) and semi-71.03 minimum purity by weight of 99.94% in lumps, pellets or similar forms. precious stones, whether or not worked or graded but not strung, mounted or set; ungraded precious stones (other than diamonds) and semi-precious stones, temporarily strong for convenience of Ferrous waste and scrap; remelving scrap ingots of 72.04 transport. Granules and powders, of pig iron, spiegeleisen,

72.05

iron or steel.

Synthetic or reconstructed precious or semi-pre-

cious stones, whether or not worked or graded but

71.04

CHAPTER 73

II—Iron and non-alloy Steel.

	** ***** **** **** ***** *************		
72.06	Iron and non-alloy steel in ingots or other primary forms (excluding iron of Reading No. 72.03).	73.01	Articles of iron or steel Sheet piling of iron or steel, whether or not drilled, punched or made from assembled ele-
72.07	Semi-finished products of iron or non-alloy steel.		ments; welded angled, shapes and sections, of iron or steel.
72.08	Flat-10lled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, hot-rolled. not clad, plated or coated.	73.02	Railway or tramway track construction material of iron or steel, the following: rails, check-rails and rack rails, switch blades, crossing frogs.
72.09	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, cold-rolled (cold-reduced), not clad, plated or coated.		point rods and other crossing pieces, sleepers (cross-ties), fish-plates, chairs, chair wedges, sole plates (base plates), rail clips, bedplates,
72.10	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of 600 MM or more, clad, plated or coated.	73.03	ties and other material specialized for jointing or fixing rails Tubes, pipes and hollow profiles, of cast iron.
72.11	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of less than 600 MM, not clad, plated or coated.	73.04	Tubes, pipes and hollow profiles, seamless, of iron (other than cust iron) or steel.
72.12	Flat-rolled products of iron or non-alloy steel, of a width of less than 600 MM, clad, plated or conted.	73.05	Other tubes and pipes (for example, welded, riveted or similarly closed), having internal and external circular cross-sections, the external diameter of which exceed 406.4 MM, of iron or steel.
72.13	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel.	73.06	Other tubes, pipes and hollow profiles (for example, open seam or welded, riveted or simi-
72.14	Other bars and rods of iron or non-alloy steel, not further worked than forged, hot-rolled, hot-drawn or hot-extruded, but including those twisted after rolling.	73.07	larly closed), of iron or steel. Tubes or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves) of iron or steel.
72.15	Other bars and rods of iron or non-alloy steel.	73.08	Structures (excluding prefabricated buildings of
72.16	Angles, shapes and sections of iron or nor-alloy		Heading No. 94.06) and parts of structures (for example, bridges and bridge sections, lock-gates, towers, lattice masts, roofs, roofing frameworks,
72 .17	Wire of iron or non-alloy steel.		doors and windows and their frames and thresholds for doors, shutters, balustrades, pillars and
	IIIStainless steel		columns), of iron or steel; plates, rods, angles, shapes, sections, tubes and the like prepared for use in structures, of iron or steel.
72.18	Stainless steel in ingots or other primary forms; semifinished products of stainless steel.	73.09	Reservoirs, tanks, vats and similar containers for any material (other than compressed or liquified
72.19	Flat-rolled products of stainless steel, of a width of 600 MM or more.		gas), of iron or steel, of a capacity exceeding 300L, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equip-
72.20	Flat-rolled products of stainless steel. of a width of less than 600 MM.	73.10	ment. Tanks, casks, drums, cans, boxes and similar
72.21	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of stainless steel.		container, for any material (other than com- pressed or liquified gas), of iron or steel, of a capacity not exceeding 300 L, whether or not
72 22	Other bars and rods of stainless steel; angled, shape and sections of stainless steel.		lined or Heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
72.23	Wire of stainless steel.	73.11	Containers for compressed or liquified Gas, of iron or steel.
IV—OTH AND	ER ALLOYS STEEL; HOLLOW DRILL BARS RODS, OF ALLOY OR NON-ALLOY STEEL	73.12	Stranded wire, ropes, cables, plainted banks, slings and the like, of iron or steel not electrically insulated.
72.24	Other alloy steel in ingots or other primary forms; semi-finished products of other alloy steel.	73.13	Barbed wire of iron or steel; twisted hoop or single flat wire, barbed or not, and loosely twisted double wire, of a kind use for fencing of iron or steel.
72.25	Flat-rolled products of other alloy steel, of a width of 600 MM or more.	73.14	Cloth (including endless bands) grill, netting and fencing of iron or steel wire; expanded
72 26	Flat-rolled products of other alloy steel, of a width of less than 600 MM.	73.15	metal of iron or steel. Chain and parts thereof, of iron or steel.
72.27	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, or other alloy steel.	73.16	Anchors, grapuels and parts thereof, of iron or steel.
72.28	Other bars and rods of other alloy steel; angles, shapes and sections, of other alloy steel, hollow drill bars and rods of alloy or non-alloy steel.	73.17	Noils, tacks, drawing plus, corrugated nails, staples (other than those of Heading No. 83.05) and similar articles, of iron or steel, whether or not with heads of other material, but excluding
72.29	Wire of other alloy steel.		such articles with heads of copper.

1	2	1	2
73 18	Screws, bolts, nuts, coach-screw, hooks, rivets, cotters, cotter-pins, washers (including spring washers) and similar articles, of iron or steel.	74 17	Cooking or heating apparatus of a kind used for domestic purposes, non-electric and parts there- of, or copper.
73.19	Sewing needles, knitting needles, bodkins, crochet books, embroidery stilettos and similar articles, for use in the hand of iron or steel; safety pins and other pins, of iron or steel, not elsewhere specified or included.	74.18	Table, kitchen or other household articles and parts thereof, of copper; pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like, of copper; sunitary ware and parts thereof, of copper.
73.20	Springs and leaves for springs, of iron or steel.	74.19	Other articles of copper.
73 21	Stoves, ranges, grates, cookers (including those		CHAPTER 75
	with subsidiary boilers for central heating) bar-		Nickel and articles thereof
	becues, braziers, gas-rings, plate warmers and similar non-electric domestic appliances, and parts thereof; of iron or steel.	75.01	Nickel matters, nickel oxide sinters and other intermediate products of nickel metallurgy.
73.22	Radiators for central heating not electrically	75.02	Unwrought nickel.
	heated, and parts thereof, of iron or steel, air	75.03	Nickel waste and scrap.
	heaters and hot air distributors (including distri- butors which can also distribute fresh or condi-	75.04	Nickel powders and flakes.
	tioned air) not electrically heated, incorporating a motor-driven fan or blower, and parts thereof,	75.05	Nickel bars, rods, profiles and wire.
	of from or steel.	75.06	Nickel plates, sheets, strip and foil.
73.23	Table, kitchen or other household articles and parts thereof; or iron or steel; iron or steel wool;	75.07	Nickel tubes, pipes and tube or pipe fitting (for example, couplings, elbows, sleeves).
	pot scourers and scouring or polishing pads, gloves and the like of iron or steel.	75,08	Other articles of nickel.
73.24	Sanitary ware and parts thereof, of iron or steel.		CHAPTER 76
73.25	Other cast articles of iron or steel.		Aluminium and articles thereof
73.26	Other articles of iron or steel.	76.01	Unwrought aluminium.
	CHAPTER 74	76.02	Aluminium waste and scrap.
	CHAFTER 14	76.03	Aluminium powder and flakes.
	Copper and articles thereof	76.04	Aluminium bars, rods and profiles.
74.01	Copper matters; cement copper (precipitated copper).	76.05	Aluminium wire.
74.02	Unrefined copper; copper/anodes for electrolytic refining.	76.06	Aluminium plates, sheets and strip, of a thick- ness exceeding 0.2 mm.
74.03	Refined copper and copper alloys, unwrought.	76 07	Aluminium foil (whether or not printed or backed with paper, paperboard, plastice or
74.04	Copper waste and scrap.		similar backing materials) of a thickness (ex-
74.05	Master alloys of copper.		cluding any backing) not exceeding 0.2 mm.
74.06	Copper powders and flakes.	76.08	Aluminium tubes and pipes.
74.07	Copper bars, rods and profiles.	76.09	Aluminium tubes or pipe fittings (for example,
74.08	Copper wire.	56.10	couplings, elbows, sleeves).
74.09	Copper plates, sheets and strip, of a thickness exceeding 0.15 mm.	76.10	Aluminimum structure (excluding prefabricated buildings of heading No. 94.06) and parts of structures (for example, bridges and bridge-
74.10	Copper foil (whether or not printed or backed with paper paperboard, plastics or similar backing materials) of a thickness (excluding any backing) not exceeding 0.15 mm.		sections, towers, lattice masts, roofs, roofing frameworks, doors and windows and their frames and thresholds for doors, balustrades, pillars and columns); aluminium plates, rods.
74.11	Copper tubes and pipes.		profiles, tubes and the like, prepared for use in
74.12	Copper tube or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).	76 11	structures. Aluminium reservoirs, tanks, vats and similar
74.13	Stranded wire, cables, plated bands and the like, of copper not electrically insulated.		containers, for any material (other than com- pressed or liquified gas) of a capacity exceeding
74.14	Cloth (including endless bands), grills and net- ting, of copper wire; expanded metal of copper.		300-L, whether or not line or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
74.15 74.16	Nails, tacks, drawing pins, staples, (other than those of Heading No 83.05) and similar articles, of copper or of iron or steel with heads of copper; screws, bolts nuts, screws, hooks, rivets, softer, cotterpins, washers (including spring washers) and similar articles, of copper. Copper springs.	76.12	Aluminium casks, drums, cans, boxes and similar containers (including rigid or collapsible tubular containers), for any material (other than compressed or liquified gas) of a capacity not exceeding 300-L, whether or not lined or heat insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.

=====	The State of Maria Land	— <u>. </u>	[FART 1 —SEC 1)]
1	2	1	2
76.13	Aluminium containers for compressed or lique- fied gas.	81 04	Magnesium and articles thereof, including waste
76.14	Stranded wire, cables, plaited bands and the like of aluminium, not electrically insulated.	81.05	Cobalt matter and other intermediate products
76.15	Table, kitchen or other houhehold articles and parts thereof, of aluminium; pot scourers and scouring of polishing pads, gloves and the like,	81.06	including waste and scrap. Bismuth and articles thereof
	of aluminium, sanitary ware parts thereof, of uluminium.	81.07	Cadmium and articles thereof inclusion
76,16	Other articles of aluminium.	81.08	Titanium and articles thereof in the
	CHAPTER 77 Reserved for possible future use	81.09	and scrap. Zirconium and articles thereof, including waste and scrap.
	CHAPTER 78	81.10	Antimony and articles thereof including waste
	Lead and articles thereof	81.11	
78.01	Unwrought lead.		Manganese and articles thereof, including waste and scraps.
78.02	Lead waste and scrap.	81.12	Berylium, chromium, germanium, vanadium, gal-
78.03	Lead bars, rods, profiles and wire.		rhenium and thellium and anti-i (columbium),
78.04	Lead plates, sheets, strip and foil; lead powder and flakes.	81.13	and scrap.
78.05	Lead plates, sheets, strip and foil; lead powder example, couplings elbows, sleeves).	61.13	Cermets and articles thereof, including waste and scrap.
78.06	Other articles of lead.		CHAPTER 82
	CHAPTER 79	Tools,	implements, cutlery, spoons and forks, of
	Zinc and articles thereof	82.01	Tien 1 and a strategy base metal
79.01	Unwrought zinc.		Hallocks, Dicks, hose forke and
79.02	Zinc waste and scrap.		of any kind sevther sighter have by
79.03	Zinc dust, powder and flakes.		shears, timber wedges and other tools of a kind used in agriculture, horticulture or forestry.
79.04	Zinc bars, rods, profiles and wire.	82.02	Hand saws: blades for saws of all leads (1-1-1-1
79.05 79.06	Zinc plates, sheets, strlp and foil. Zinc tubes, pipes and tube or pipe fittings (for	82.03	Tiles and the state of the stat
79.07	example, couplings, elbows, sleeves). Other articles of zinc.	02.03	Files, rasps, pliers (including cutting pliers), pincers, tweezers, metal cutting shears, pipe cutters, bolt croppers, perforating punches and
,,,,,,		02.04	similar hand tools
	CHAPTER 80 Tin and articles thereof	82 04	Hand-operated spanners and wrenches (including torque meter wrenches but not including tap
80.01	Unwrought tin.		Wichelies /: Hiterenangeanle enanner gogleste will.
80.02	Tin waste and scrap.	82.05	or without mandies.
80.03	Tin bars, rods, profiles and wire.	52175	Hand tools (including glaziers diamonds) not elsewhere specified or included; blow lamps, vices clamps, and the like or lamps.
80.04	Tin plates, sheets and strip, of a thickness exceeding 0.2 mm.		and parts of, machine tools, anvils, portable forges; hand or pedal operated grinding
80.05	Tin foil (whether or not printed or backed with paper, paperboard, plastics or similar backing materials), of a thickness (excluding any back-	82.06	Tools of two or more of the headings No. 22.02.
	ing not exceeding 0.2 mm; tin powders and flake.	โกล ค.ส	to 62.03, put up in sets for retail sale.
80.06	Tin tubes, pipes and tube or pipe fittings (for example, couplings, elbows, sleeves).	82.07	Interchangeable tools for hand tools, whether or not power-operated, or for machine-tools (for example, for pressing, stamping punching, tap-
80.07	Other articles of tin.		ing turning or screw driving) including dies for
_	CHAPTER 81		drawing or extruding metal, and rock drilling or earth boring tools.
81.01	ther base metals; cremets; articles thereof Tungsten (wolfram) and articles thereof, including waste and scrap.	82.08	Knives and cutting blades, for machines or for mechanical appliances.
81.02	Molybdenum and articles thereof, including waste and acrap.		Plates, sticks, tips and the like for tools, un- mounted, of sintered metal carbides or cermets.
81.03	Tantalum and articles thereof, including waste and scrap	82.10	Hand-operated mechanical appliances, weighing 10 Kg. or less, used in the preparation, conditioning or serving of food or drinks.

....

82.11

23.10

94.05.

1

83.11

Knives with cutting blades, serrated or not

Sign plates, name plates, address plates and similar plates, numbers letters and other symbols, of base metal, excluding those of beading No

Wire, rods, tubes, plates, electrodes and similar products, of base metal or of metal carbides, coated or cored with flux material, of a kind (including pruning knives) other than knives of heading No. 82.08, and blades therefor. used for soldering, brazing, welding or deposi-tion of metal or of metal carbides; wire and rods of agglomerated base metal powder, used for 82.12 Razors and razor blades (including razor blade blanks in strips). metal spraying. 82.13 Scissors, tailors shears and similar shears, and blades thereof. Section XVI Other articles of cutlery (for example, hair clip-82.14 Machinery and mechanical appliances; electrical equipment; pers, butchers or kitchen cleavers, choppers and mincing knives, paper knives); manicure or pedicure sets and instruments (including nall parts thereof; sound recorders and reproducers, television image and sound recorders and reproducers; and parts and accessories of such articles. CHAPTER 84 Spoons, forks, ladles, skimmers, cake-servers, fish-knives, butter-knives, sugar tongs and similar 82.15 Nuclear reactors, bollers, muchinery and mechanical applikitchen or tableware. ances; parts thereof. 84.01 Nuclear reactors fuel elements (cartridges), nonirradiated, for nuclear reactors; machinery and apparatus for isotopic separation. CHAPTER 83 Miscellaneous articles of base metal Steam or other vapour generating boilers (other than central beating hot water boilers capable also of producing low pressure steam); super-84.02 Padlocks and locks (key, combination or electrically operated), of base metal; clasps and frames with clasps, incorporating locks of base metal; 83.01 heated water boilers. Central heating boilers other than those of head-84.03 keys for any of the foregoing articles, of base ing No. 84.02. Base metal mountings, fittings and similar articles suitable for furniture, doors, staircases, windows, blinds, coachwork, saddlery, trunks, chests, caskets or the like; base metal hat-racks, hat-pegs, brackets and similar fixtures, castors with mountings of base metal; automatic door closers of base metal. Auxiliary plant for use with boilers of heading No. 84.02 or 84.03 (for example, economisers, super-heaters, soot removers, gas recoverers); condensers for steam or other vapour power 84.04 83.02 unita. Producer gas or water gas generators, with or without their purifiers; acetylene gas generators 84.05 and similar water process gas generators, with or Armouted or reinforced safes, strong boxes and doors and safe deposit lockers for strong-rooms, cash or deed boxes and the like, of base metal. without their purifiers. 83.03 Steam turbines and other vapour turbines. 84.06 Spark-ignition reciprocating or rotary internal 84.07 Filing cabinets, card-index cabinets, paper trays, paper rests, pen trays, office-stamp stands and similar office or desk equipment of base metal other than office furniture of heading No. 94.03. 83.04 combustion piston engines. Compression-ignition internal combustion piston 84.08 engines (diesel or semi-diesel engines). Parts suitable for use solely or principally with the engines of heading No. 84.07 or 84.08. 84.09 Fittings for loose-leaf binders or files, letter clips 83.05 letter corners, paper clips, indexing tags and similar office articles, of base metal; staples in strips (for example, for offices, upholstery packaging) of base metal. Hydraulic turbines, water wheels, and regulators, 84.10 therefor. Turbo-jets, turbo-propellers and other gas tur-84.11 Bells, gongs and the like, non-electric, of base metal; statuetes and other ornaments, of base metal; photograph, picture or similar frames, of base metal. 83.06 84.12 Other engines and motors. Pumps for liquids, whether or not fitted with a measuring device liquid elevators. 84.13 Flexible tubing of base metal, with or without 83.07 Air or vacuum pumps, air or other gas compressors and fans; ventilating or recycling hoods incorporating a fan, whether or not fitted with 84,14 Clasps frames with clasps, buckles, buckle-clasps 83.08 hooks, eyes, eyelets and the like, of base metal of a kind used for clothing, footwear, awnings. handbags, travel goods or other made up article tubular or bifurcated rivets, of base metal; beads Air conditioning machines, comprising a motor driven fan and elements for changing the tem-85.15 perature and humidity including those machines in which the humidity cannot be separately reguand spangles of base metal. 83.09 Stoppers, caps and lids (including crown corks screw caps and pouring stoppers), capsules for bottles, threaded bungs, bung covers, seals and Furnace burners for liquid fuel, for pulverised solid fuel or for gas, mechanical stockers, mechanical grates, mechanical ash discharges and similar appliances. 84.16 other packing accessories, of base metal.

54.17

industrial or laboratory formaces and ovens, in

cluding incinerators, non-electric.

1	2	1	2
84.18	Refrigerators, freezers and other refrigerating or freezing equipment, electric or other; heat pumps	84.34	Milking machines and dairy machinery.
	other than air conditioning machines of heading No. 84.15.	84.35	Presses, crushers and similar machinery used in the manufacture of wine, cider, fruit juices or similar beverages.
-64.19	Machinery, plant or laboratory equipment, whether or not electricity heated, for the treatment of materials by a process involving a change of temperature such as heating, cooking, roasting, distilling, rectifying, sterilising pasturising, steaming, drying, evaporating, vaporising, condensing or cooling, other than machinery or plant of a kind	84.36 84.37	Other agricultural, horticultural, forestry, poultry-keeping or bee-keeping machinery, including germination plant fitted with mechanical thormal equipment; poultry incubators and brooders.
44.70	used for domestic purposes; instantaneous or storage water beaters, non-electric.	64.37	Machines for cleaning, sorting or grading seed grain or dried leguminous vegetables; machinery used in the milling industry or for the working of cereals or dried leguminous vegetable other
84.20	Calendaring or other rolling machines, other than for metals or glass, and cylinders therefor.		than farm-type machinery.
84.21	Centrifuges, including centrifugal dryers; filtering or purifying machinery and apparatus, for liquids or gases.	84.38	Machinery not specified or included elsewhere in this Chapter for the industrial preparation or manufacture of food or drink, other than machinery for the extraction or preparation of animal or fixed vegetable fats or oils.
84.22	Olsh washing machines, machinery for cleaning or drying bottles or other containers, machinery for filling, clothing sealing, capsuling or labelling bottles, cans boxes, bags or other containers; other packing or wrapping machinery; machinery	84.39	Machinery for making pulp of fibrous cellulosic material or for making or finishing paper or paperboard.
84.23	for acrating beverages. Weighing machinery (excluding balances of a	84.40	Book-binding machinery, including book-sewing machines.
5 1125	sensitivity of 5 cg or better), including weight operated counting or checking machines; weighing machine weights of all kinds.	84.41	Other machinery for making up paper pulp, paper or paperboard including cutting machines of all kinds.
84.24	Mechanical appliances (whether or not hand- operated) for projecting, dispersing or spraying liquids or powders; fire extinguishers, whether or not charged; spray guns and similar appliances; steam or sand blasting machines and similar jet projecting machines.	84.42	Machinery, apparatus and equipment (other than the machine tools, of heading Nos. 84.56 to 84.65) for type-founding or type-setting, for preparing or making printing blocks plates, cylinders or other printing components; printing type blocks, plates, cylinders and other printing components; blocks, plates, cylinders and lithographic
24.25	Pulley tackle and hoists other than skip hoists; winches and capstans; jacks.		stones, prepared for printing purposes (for example, planed, grained or polished).
84.26	Derricks, cranes, including cable cranes; mobile lifting frames, straddle-carriers and works trucks fitted with a crane.	84.43	Printing machinery; machines for uses ancillary to printing.
84.27	Fork-lift trucks; other works trucks fitted with lifting or handling equipment.	84.44	Machines for extruding, drawing, texturing or cutting man-made textile materials.
84.28	Other lifting, handling, loading or unloading machinery (for example, lifts, escalators, conveyors, teleferics).	84.45	Machines for preparing textile fibres; apinning, doubling or twisting machines and other machinery for producing textile yarns; textile reeling or winding (including weft-winding) machines and machines for preparing textile yarns for use on the machines of heading No. 84.46 or 84.47.
84.29	Self-propelled buildozers angledozer, graders, levellers, scrapers, mechanical shovels, excava-	84.46	Weaving machines (looms).
	tors, shovel loaders, tamping machines and road rollers.	84.47	Knitting machines, stitch-bonding machines and
84.30	Other moving, grading, levelling, scraping, excavating, lamping, compacting, extracting or boring		machines for making gimped yarn, tulie, lace embroidery, trimmings, braid or net and machines for tufting.
	machinery, for earth minerals or ores; pile- drivers and pile-extractors, anow-ploughs and anow blowers.	84.48	Auxiliary machinery for use with machines of heading Nos. 84.44, 84.45, 84.46 or 84.47 (for example, dobbies, jacquards, automatic stop
84.31	Parts suitable for use solely or principally with the muchinery of heading Nos. 84.25 to 84.30.		motion shuttle changing mechanisms); parts and accessories suitable for use solely or principally with the machines of this heading or of heading
84 32	Agricultural, horticultural or forestry machinery for soil preparation or cultivation; lawn or sports ground rollers.		Nos. 84.44, 84.45, 84.46 or 84.47 (for example, spindles' and spindle flyers, card clothing combs, extruding alpples, shuttles, healds and heald-frames hosiers needles.
\$4 :33	Harvesting or threshing machinery, including straw or fodder balers; glass or hay mowers; machines for cleaning, sorting or grading eggs, fruit or other agricultural produce, other than machinery of heading No. \$4.37.	84.49	Machinery for the manufacture or finishing of felt or non wovene in the piece or in shapes, including machinery for making felt hats blocks for making hats.

	·		
1	2	1	2
84.50 84.51	Household or laundry-type washing machines, including machines which both wash and dry. Machinery (other than machines of heading No. 84.50) for washing, cleaning wringing drying, ironing, pressing (including fusing presses	84.66	Parts and accessories suitable for use solely or principally with the machines of heading No. 84.56 to 84.65 including work or tool holders seff-opening dicheads, dividing heads and other special attachments for machine tools, tools holders
	bleaching, dyeing, dressing, finishing, coating or impregnating textile yarns, fabrics or made up textile articles and machines for applying the	84.67	for any type of tools for working in the hand. Tools for working in the hand, pneumatic or with
	paste to the base fabric or other support used in the manufacture of floor coverings such as linoleum; machines for reeling, unreeling, fold- ing, cutting or pinking textile fabrics.	84.68	self-contained non-electric motor. Machinery and apparatus for soldering, brazing or welding, whether or not capable of cutting, other than those of heading No. 85.15 gas-ope-
84.52	Sewing machines, other than book-sewing		rated-surface tempering machines and appliances.
	machines of heading No. 84.04 furniture bases and covers specially designed for sewing mach-	84.69	Type-writers and word-processing machines.
84.53	ines; sewing machine needles. Machinery for preparing tanning or working hides skins or leather or for making or repairing footwear or other articles of hides, skins or leather, other than sewing machines.	84.70	Calculating machines, accounting machines, cash registers, postage franking machines, ficket-issuing machines and similar machines, incorporating a calculating device.
84.54	Converters, ladies, logot moulds and casting machines, of a kind used in metallurgy or in metal foundries.	84.71	Automatic data processing machines and units thereof, magnetic or optical readers, machine for transcribing data onto data media in coded form and machines for processing such data, not else- where specified or included.
84.55	Metal rolling mills and rolls therefor.	84.72	Other office meahine (for example, hectograph
84.56	Machine-tools for working any material by removal of material by laser or other light or photon beam, ultrasonic, electro-discharge electro-chemical electron beam, ionic beam or plasme are processes.	54172	or stencil duplicating machines, addressing machines, automatic banknote dispensers, coinsorting machines, coin-counting or wrapping machines pencil-sharpening machines, perforating or stapling machine.
84.57	Machining centres, unti construction machines (single station) and multi-atation transfer machines, for working metal.	84.73	Parts and accessories (other than covers, carrying cases and the like suitable for use solely oprincipally with machines of heading Nos. 84.69
84.58	Lathes for removing metal.		to 84.72.
84.59	Machine-tools' (including way-type unit head machines) for drilling, boring milling, threading or tapping by removing metal, other than lathes of heading No. 84.58.	84.74	Machinery for sorting, screening, separating washing, crushing, grinding, mixing or kneading earth, stone, ores or other mineral substances, in solid (including powder or paste) form machinery for agglomerating, shaping or moulding solid
84.60	Machine-tools for deburring, sharpening, grinding, honing, lapping, polishing or otherwise finishing metal, sintered metal carbides or cormets by means of grinding atones, abrasives or polishing product other than gear cutting, gear grinding or		mineral fuels, ceramic paste, unhardened cement plastering materials or other mineral products it powder or paste form; machines for forming foundry moulds of sand.
84.61.	gear finishing machines heading No. 84.61. Machine-tools for planing, shaping, sloting, broaching, gear cutting gear grinding or gear	84.75	Machines for assembling electric or electronic lamps, tubes or valves or flashbulbs, in glass envelopes; machines for manufacturing or hot working glass or glassware.
	finishing, sawing, cutting off and other machine tools working by removing metal, sintered metal carbides or cermets, not elsewhere specified or included.	84.76	Automatic goods-vending machines (for example postage stamp, cigarette, food or beverage machines) including money changing machines.
84.62	Machine tools (including presses) for working metal by forging hammering or die-stamping, machine-tools (including presses) for working metal by bending, folding straightening, flatten-	84.77	Machinery for working rubber or plastics of for the manufacture of products from these materials, not specified or included elsewhere in this Chapter.
	ing, shearing, punching or notching; presses for working metal or metal carbides, not specified above.	84.78	Machinery for preparing or making up to supply not specified or included elsewhere in this Chapter
84.63	Other machine-tools for working metal, sintered metal carbides of cermens, without removing material.	84.79	Machines and mechanical appliances having indi- vidual functions, not specified or included else- where in this Chapter.
84.64	Machine-tools for working stone, ceramics, concrete, asbestos-cement or like mineral materials or for cold working glass.	84.80	Moulding boxes for foundry, mould bases: moulding patterns; moulds for metal (other than ingo-moulds, metal carbides, glass, mineral materials rubber or plastics.
84 65	Machine tools (including machines for nailing stapling, glueing or otherwise assembling) for working wood, cork, bone, hard materials.	8481	Taps, cocks, valves and similar appliances to capes, boiler shels, tanks, vats or the like, includ- ing pressure reducing valves and thermostatically controlled valves.

THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY 1 ' 1 2 85.14 84.82 Ball or roller bearings. Transmission shafts (including cam shafts and 84.83 crank shafts) and cranks; bearing housing and plain shaft bearing; gears and gearing ball screws; gear boxes and other speed changers, including torque converters; flywheels and pulleys, including pulley blocks; clutches and shaft couplings (including universal joints). heating equipment. 85.15 84.84 Gaskets and similar joints of metal sheeting combind with other material or of two or more layers of metal; sets or assortments of gaskets and similar joints, dissimilar in composition, put up in pouches, envelopes or similar packings. 85.16 Machinery parts, not containing electrical connectors, insulators coils, contacts or other electrical features, not specified or included elsewhere in this Chapter. 84.85 CHAPTER 85 85.17 Electrical machinery and equipment and parts thereof; sound current line systems. 85.18 85.01 Electric motors and generators (excluding generating sets).

recorders and reproducers, television image and sound re-corders and reproducers, and parts and accessories of such articles.

- 85.02 Electric generating sets and rotary converters.
- Parts suitable for use solely or principally with the machines of heading No. 85.01 or 85.02. 85.03
- Electrical transformers, static example, rectifier and inductors). static converters (for 85.04
- 85.05 Electro-magnets; permanent magnets and articles intended to become permanent magnets after magnetisation; electromagnetic or permanent magnet chucks, clamps and similar holding devices; electromagnetic couplings, clutches and brakes, electromagnetic lifting heads.
- Primary cells and primary batteries. 85.06
- Electric accumulators, including separators there-85.07 for, whether or not rectangular (including square).
- Electro-mechanical tools for working in the hand, 85.08 with self-contained electro motor.
- 85.09 Electro-mechanical domestic appliances, with self-contained electric motor.
- Shavers and hair-clippers with self-contained 85.10 electric motor.
- Electrical ignition or starting equipment of a kind used for sparkignition or compressionignition internal combustion engines (for example, 85.11 ignition magnetos; magneto-dynamos, ignition coils, sparking plugs and glow plugs starter motors); generators (for example, dynamos, alternators) and cut-out of a kind used in conjunction with such engines.
- Electrical lighting or signalling equipment (excluding articles of heading No. 85.39), windscreen wipers, defrosters and demisters, of a kind used for cycles or motor vehicles. b5.12
- Portable electric lamps designed to function by their own source of energy (for example, dry batterles, accumulators, magnetos) other than lighting equipment of heading No. 85.12. 85 13

- Industrial or laboratory electric (including induction or dielectric) furnaces and ovens; other industrial or laboratory induction or dielectric
- Electric (including electrically heated gas), laser or other light or photon beam, ultrasonic, electron beam, magnetic pulse or plasma are soldering, brazing or welding machines and apparatus, whether or not capable of cutting; electric machines and apparatus for hot spraying of metals or sintered metal carbides.
- Electric instantaneous or storage water heaters and immersion heaters electric space heating apparatus and soil heating apparatus; electrothermic hair-dressing apparatus (for example, hair dryers, hair curlers, curling tong heaters) and hand dryers; electric smoothing irons; other electro-thermic appliances of a kind used for domestic purposes; electric heating resisters, other than those of heading No. 85.45.
- Electrical apparatus for line telephony or line telegraphy, including such apparatus for carrier-
- Microphones and stands therefor; loud-speakers, whether or not mounted in their enclosures; headphones; earphones and combined microphone/speaker sets; audio-frequency electric amplifiers; electric sound amplifier sets.
- 85.19 Turntables (record decks), record-players, cassette-players, and other sound reproducing ap-(record decks), paratus, not incorporating a sound recording de-
- Magnetic tape recorders and other sound recording apparatus, whether or not incorporating a 85.20 sound reproducing device.
- 85.21 Video recording or reproducing apparatus.
- 85.22 Parts and accessories of apparatus of heading Nos. 85.19 to 85.21.
- Prepared unrecorded media for sound recording or similar recording of other phenomena, other than products of Chapter 37. 85.23
- Records, tapes and other recorded media for sound or other similarly recorded phenomena, 85.24 including matrices and masters for the production of records, but excluding products of Chapter 37.
- 85.25 Transmission apparatus for radio-telephony, radio-telegraphy, radio-broadcasting or television, whether or not incorporating reception apparatus or sound recording or reproducing apparatus; television cameras.
- Radar apparatus, radio navigational aid apparatus and radio remote control apparatus. 85.26
- Reception apparatus for radio-telephony, radio-85.27 telegraphy or radio-broadcasting, whether or not combined, in the same housing, with sound recording or reproducing apparatus or a clock.
- Television receivers (Including video monitors and video projectors) whether or not combined, in the same housing, with radio-broadcast receivers or sound or video recording or repro-* 85.28 * ducing apparatus.
- Parts suitable for use solely or principally with the apparatus of headings Nos. 85.25 to 85.28. 35 29

1 2 1

- 85.30 Electrical signalling, safety or traffic control equipment for railways tramways, roads, inland waterways, parking facilities, port installations or airfields (other than those of heading No. 86.08).
- 85.31 Electric sound or visual signalling apparatus (for example, belts, sirens, indicator panels, burglar or fire alarms) other than those of heading No. 85.12 or 85.30.
- 85.32 Electrical capacitors, fixed, variable or adjustable (pre-set).
- 85.33 Electrical resistors (including rheostats and potentiometers other than heating resistors.
- 85.34 Printed circuit.
- 85.35 Electrical apparatus for switching or protecting electrical circuits, or for making connections to or in electrical circuits (for example, switches, fuses, lightning arresters, voltage limiters, surge suppressors, plugs, junction boxes) for a voltage exceeding 1,000 volts.
- 85.36 Electrical apparatus for switching or protecting electrical circults, or for making connections to or in electrical circuits (for examples, switches, relays, fuses, surge suppressors, plugs, sockets, lamp-holders, junction boxes) for a voltage not exceeding 1,000 volts.
- 85.37 Boards, panels (including numerical control panels, consoles, desks, cabinets and other bases, equipped with two or more apparatus of heading No; 85.35 or 85.36 for electric control or the distribution of electricity, including those incorporating instruments or apparatus of chapter 90, other than switching apparatus of heading No. 85.17.
- 85.38 Parts suitable for use solely or principally with the apparatus of heading No. 85.35, 85.36 or 85.37.
- 85.39 Electric filament or discharge lamps including scaled beam lamp units and ultra-violet or infrared lamps; arc-lamps.
- 85.40 Thermionic, cold cathode or photocathode valves and tubes (for example, vacuum or vapour or gas filled valves and tubes, mercury are rectifying valves and tubes, cathoderay tubes, television camera tubes).
- 85.41 Diodes, transistors and similar semi-conductor devices; photosensitive semi-conductor devices, including photovoltaics cells whether or not assembled in modules or made up into panels; light emitting diodes, mounted piezo-electric crystals.
- 85.42 Electronic integrated circuits and mlcro-assemblies.
- 85.43 Electrical machines and apparatus, having individual functions, not specified or included elsewhere in this chapter.
- 85.44 Insulated (including enamelled or anodised) wire, cable including co-axial cable) and other insulated electric conductors, whether or not fitted with connectors; optical fibre cables, made up of individually sheathed fibres, whether or not assembled with electric conductors or fitted with connectors.
- 85.45 Carbon electrodes, carbon brushes, lamp carbons, battery carbons and other articles of graphite or other carbon, with or without metal of a kind used for electrical purposes.
- 85.46 Electrical insulators of any material.

- Insulating filling for Electrical machines, appliances or equipment being fitting wholly of insulating material apart from any minor components of metals (for example, threaded sockets) in corporated during moulding soley for purposes of assembly other than insulators of Heading No. 85.46, electrical conduit tubing and joints therefor of base metal line with insulating material.
- 85.48 Electrical parts of machinery or apparatus, not specified or included elsewhere in this Chapter.

SECTION XVII

Vehicles, aircrafts, vessels and associated transport equipment

CHAPTER 86

Railway or tramway locomotives, rolling-stock and parts thereof; railway or tramway track fixtures and fittings and parts thereof; mechanical (including electro-mechanical) traffic signalling equipment of all kinds.

- 86.01 Rail locomotives powered from an external source of electricity or by electric accumulators.
- 86.02 Other rail locomotives; locomotive tenders.
- 86.03 Self-propelled railway or tramway coaches, vans and trucks, other than those of heading No. 86.04.
- 86.04 Railway of tramway maintenance or service vehicles, whether or not self-propelled (for example, workshops, cranes, ballast tampers, trackliners, testing coaches and track inspection vehicles).
- 86.05 Railway or tramway pussenger coaches, not self-propelled; luggage vans, post office coaches and other special purpose railway or tramway coaches, not self-propelled (excluding those of heading No. 86.04).
- 86.06 Railway or tramway goods vans and wagons, not self-propelled.
- 86.07 Parts of railway or tramway locomotives or rolling stock.
- Railway or tramway track fixtures and fittings; mechanical (including electro-mechanical) signal-ling, safety or traffic control equipment for railways, tramways, roads, inland waterways, parking facilities, port installations or airfields; parts of the foregoing
- 86.09 Containers (including containers for the transport of fluids) specially designed and equipped for carriage by one or more modes of transport.

CHAPTER 87

Vehicles other than rallway or tramway rolling-stock, and parts and accessories thereof.

- 87.01 Tractors (other than tractors of heading No. 87.09).
- 87.02 Public-transport type passenger motor vehicles.
- 87.03 Motor cars and other motor vehicles principally designed for the transport of persons (other than those of heading No. 87.02) including station wagons and racing cars.
- 87.04 Motor vehicles for the tran-port of goods.
- 87.05 Special purpose motor vehicles, other than those principally designed for the transport of persons or goods (for example, breakdown lorries, crane lorries, fire fighting vehicles, Concrete-mixer lorries, road sweeper lorries, spraying lorries, mobile work-shops, mobile radiological units).

	2	1	
87 06	Chassis fitted with engines, for the motor vehicles of heading Nos. 87.01 to 87.05.	89.05	
87.07	Bodies (including cabs), for the motor vehicles or heading Nos. 87.01 to 87.05.		floating or submersible drilling or production platforms.
87.08	Parts and accessories of the motor vehicles of heading Nos. 87.01 to 87.05.	89.06	Other vessels, including warships and lifebout other than rowing boats.
87.09	Works trucks, self-propelled, not fitted with lift- ing or handling equipment, of the type used in	89.07	Other floating structures (for example, saft tanks, coffer-dams, landing stages, buoys and beacons).
	factories, warehouses, dock areas or airports for short distance transport of goods; tractors of the type used on railway station platforms; parts of the foregoing vehicles.	89,08	Vessels and other floating structures for breakin up.
87.10	Tanks and other armoured fighting vehicles,		SECTION XVIII
67.10	motorised, whether or not fitted with weapons, and parts of such vehicles.	ing, precl	photographic, cinematographic, measuring, check sion, medical or surgical instruments and apparatu. nd watches; musical instrument; parts and acce.
87.11	Motorcyles (including mopeds) and cycles fitted with an auxiliary motor, with or without side-cars; side-cars.	sories the	reof.
			CHAPTER 90
87.12	Bicycles and other cycles (including delivery tri- cycles not motorised).	pre cisi on.	hotographic, cinematographic, measuring, checking medical or surgical instruments and apparatus accessories thereof.
87.13	Invalid carriages, whether or not motorised or otherwise mechanically propelled.	90.01	Optical fibres and optical fibre bundles; optical fibres cables other than those of heading No.
87.14	Parts and accessories of vehicles of headings Nos. 87.11 to 87.13.		85.44; sheets and plates of polarising material lenses (including contact lenses) prisms, mirror and other optical elements, of any material, un
87.15	Baby carriages and parts thereof.		mounted other than such element's of glass no optically worked.
87.16	Trailers and semi-trailers; other vehicles, not mechanically propelled; parts thereof.	90.02	Lenses, prisms, mirrors and other optical element of any material, mounted, being parts or fittings for instruments or apparatus, other than such elements of glass not optically worked
	CHAPTER 88	90.03	Frames and mounting for spectacles, goggles of
	Aircraft, spacecraft and parts thereof	20.04	the like and parts thereof.
88.01	Balloons and dirigibles, gliders, handgliders and other non-powered aircraft.	90.04 90.05	Spectacles, goggles and the like, corrective, protective or other. Binoculars, monoculars, other optical telescope
88 02	Other nircraft (for example, helicopters, aero- planes); spacecraft (including satellites) and spacecraft launch vehicles.	90.03	and mountings therefor; other estronomics instruments and mounting therefor; but no including instruments for radio-astronomy.
88.03	Parts of goods heading No. 88.01 or 88.02.	90.06	Photographic (other than cinematographic cameras; photographic flashlight apparatus an
88.04	Parachutes (including dirigible parachutes) and rotochutes parts thereof and accessories thereto.		filesh bulbs other than discharge lamps of heading No. 85.39.
88 05	Aircraft launching gear; deck-arrestor or similar gear; ground flying trainers; parts of the foregoing articles.	90.07	Cinematographic cameras and projectors whether or not incorporating sound recording reproducing apparatus.
	CHAPTER 89	90.08	Image projectors, other than cinematographic photographic (other than cinematographic) et largers and reducers.
	Ships, bouts and floating structures	90 0 9	Photo-coping apparatus incorporating an optical system or of the contact type and thermo
89.01	Cruise ships, excursion boats, ferry-boats, cargo ships, barges and similar vessels for the transport of persons or goods.	90:10	copying apparatus. Apparatus and equipment for photographi (including cinematographic) laboratories (including cinematographic)
89.02	Fishing vessels; factory ships and other vessels for processing or preserving fishery products.		ing apparatus for the projection of circu patterns on sensitised semi-conductor materials, not specified or included elsewhere in this Char
89,03	Yachts and other vessels for pleasure or sports; rowing boats and canoes.	90.11	ter negatoscope projection screens. Compound optical microscopes, including thes
89.04	Tugs and pusher craft.		for microphotography microcinematography of microprojection.

[ाग I —_ ।	आपक 1] भारत की री	अपन्न विश्वाधारः 	193
1	2	,	2
90.12	Microscopes other than optical microscopes; diffraction apparatus.	90.27	Instruments and apparatus for physical or chemical analysis (for example, polarimeters, re-
90.13	Liquid crystal devices not constituting articles provided for more specifically in other headings; lasers, other than laser diodes; other optical appliances and instruments; not specified or included elsewhere in this Chapter.		fractometers, spectrometers, gas or smoke analysis apparatus); instruments and apparatus for measuring of checking viscosity, porosity expansion surface tension or the like instruments and apparatus for measuring or checking quantities of quantities of heat, sound or light
90.14	Direction finding compasses; other navigational instruments and appliances.	90.28	including exposure meters micrometomes). Gas liquid or electricity supply or production
90.15	Surveying (including photogrammetrical survey-		meters, including calibrating meters therefor.
	ing), hydrographic, oceanographic, hydrological, meterological or geophysical instruments and appliances, excluding compasses, rangefinders.	90.2 9	Revolution counters, production counters, taximeters, mileometers pedometers and the like; speed indicators and tachometers; other than those of heading No. 90.15; stroboscopes.
90.16	Balances of a sensitivity of 5 cg or better, with or without weights.	90.30	Oscilliscopes, spectrum analysers and other in-
00.17	Drawing marking-out or mathematical calculating instruments (for example, drafting machines, pantographs, protractors, drawing sets, slide rules, disc calculators); instruments for measuring length, for use in the hand (for example,	30.30	struments and apparatus for measuring or checking electrical quantities; excluding meters of heading No. 90.28; instruments and apparatus for measuring or detecting alpha, beta, gamma, x-ray, cosmic or other ionising radiations.
	measuring rods and tapes, micrometers, calli- pers), not specified or included elsewhere in this chapter.	90.31	Measuring or checking instruments, appliances and machines, not specified or included elsewhere in this chapter; profile projectors.
90.18	Instruments and appliances used in medical, sur- gical, dental or veterinary sciences, including scintigraphic apparatus, other electro-medical	90.32	Automatic regulating or controlling instruments and apparatus.
	apparatus, and sight-testing instruments.	90,33	Parts and accessories (not specified or included elsewhere in this Chapter) for machines, appli-
0.19	Mechano-therapy appliances; massage apparatus, psychological aptitude testing apparatus; ozone		ances, instruments of apparatus of Chapter 90.
	therapy, oxygen therapy, aerosol therapy, artifi- cial respiration or other therapeutic respiration		CHAPTER 91
	apparatus.		Clocks and watches and parts thereof
00.20	Other breathing appliances and gas masks ex- cluding protective masks having neither mechani- cal parts nor replaceable filters.		Wrist-watches, pocket-watches and other watches, including stop-watches, with case of precious metal or of metal clad with precious metal.

crutches,

rcof

- other watches, case of precious metal or of metal clad with precious metal.
- 91 02 Wrist-watches, pocket-watches and other watches, including stop-watches, other than those of heading No. 91.01.
- 91.03 Clocks with watch movements excluding clocks of heading No. 91.04.
- Instrument panel clock and clocks of a similar type for vehicles, aircraft, spacecraft or vessels. 91.04
- 91.05 Other clocks.
- Time of day recording apparatus and apparatus for measuring recording or otherwise indicating intervals of time, with clock or watch movement 91.06 or with synchronous motor (for example, time registers, time-recorders).
- Time switches with clock or watch movement or 91.07 with synchronous motor.
- Watch movements, complete and assembled. 91.08
- 91.09 Clock movements, complete and assembled.
- Complete watch or clock movements, unassem-91.10 bled or partly assembled (movement incomplete watch or clock movements, bled; rough watch or clock movements. sets): assem-
- 91.11 Watch cases and parts thereof.
- Clock cases and cases of a similar type for other 91.12 goods of this chapter, and parts thereof.
- Watch straps, watch bands and watch bracelets 91.13 and parts thereof.
- Other clock or watch parts. 91.14

90.22 Apparatus based on the use of X-ray or of alpha, beta or gamma radiations, whether or not for medical, surgical, dental or veterinary uses, including radiography or radiotherapy apparatus, X-ray tubes and other X-ray generators, high tension generators, control panels and desks, screen, examination or treatment tables. chairs and the like.

surgical belt and trusses; splints and other fracture appliances; artificial parts of the body;

hearing aids and other appliances which are worn or carried, or implanted in the body, to compensate for a defect or disability.

including

Orthopaedic appliances,

- Instruments, apparatus and models, designed for demonstrational purposes (for example, in education or exhibitions) unsuitable for other uses. 90.23
- Machines and appliances for testing the hardness, strength, compressibility, elasticity or other 90.24 mechanical properties or materials (for example, metals, wood, textiles, paper, plastics).
- Hydrometers and similar floating instruments, thermometers, pyrometers, barometers, hydrometers and psychrometers, recording or not and 90.25 any combination of these instruments.
- Instruments and apparatus for measuring or checking the flow, level, pressure or other variables of liquids or gases (for example, flow meters, level gauges, manometers, heat meters), excluding instruments and apparatus of heading No. 90.14, 90.15, 90.28 or 90.32. 90.26

947 GI/90-25.

90.21

2

CHAPTER 92

Musical instruments; parts and accessories of such articles

- 92.01 Pianos, including automatic pianos; harpsichords and other keyboard stringed instruments.
- Other string musical instruments (for example, 92,02 guitars, violins, harp).
- Keyboard pipe organs; harmoniums and similar 92.03 keyboard instruments with the free metal reeds.
- 92.04 Accordions and similar instruments; mouth
- Other wind musical instruments (for example, 92.05 clarinets, trumpets, bagpipes).
- Percussion musical instruments (for example, 92,06 drums, xylophones, eva-bals castanets, maraccas).
- Musical instruments, the sound of which is pro-92.07 duced. or must be amplified, electrically (for example, organs, guitars, accordions).
- Musical boxes, fairground organs, mechanical street organs, mechanical singing birds, musical saws and other musical instruments not falling within any other heading of this chapter; decoy calls of all kinds; whistles, call horns and other mouth-blown sound signalling instruments. 92.08
- 92.09 Parts (for example, mechanisms for boxes) and accessories (for example, cards, discs and rolls for mechanical instruments) of musical instruments; metronomes, tuning forks and pitch pipes of all kinds.

SECTION XIX

Arms and ammunition; parts and accessories thereof

CHAPTER 93

- Military weapons, other than revolvers, pistols and arms of hending No. 93.07. 93.01
- 93.02 Revolvers and pistols, other than those of heading No. 93.03 or 93.04.
- 93.03 Other firearms and similar devices which operate by the firing of an explosive charge (for example, sporting shotgons and rifles. muzzle-loading fire arms, very light pistols and other devices designed to project only signal flares pistols and revolvers for firing blank ammunition, captive-bolt humane killers, line-throwing guns).
- Other arms (for example, spring, air or ga's guns and pistols, truncheons), excluding those of heading No. 93.07. 93,04
- Parts and accessories of articles of heading Nos. 93.01 to 93.04. 93,05
- 93.06 Bombs, grenades, torpedoes, mines missiles, and similar munitions of war and parts thereof; cartridges and other amounition and projectiles and parts thereof, including shot, and carteidge wads.
- 93,07 Swords, cutlasses, bayonets lances, and similar arms and parts thereof and seabbards and sheaths therefor.

Section XX

Miscellaneous manufactured articles

CHAPTER 94

Furniture; bedding, mattresses, mattress supports, cushions and similar stuffed furnishing, lamps and lighting fittings, not elsewhere specified or included; illuminated signs, illuminated name-plates and the like; prefabricated buildings

- Seats (other than those of heading No. 94.02) whether or not convertible into bcds, and parts 94,01
- 94.02 Medical surgical, dental or veterinary furniture (for example, operating tables, examination tab-les, hospital beds with mechanical fittings, den-tists chairs); barbers' chairs and similar chairs, having rotating as well as both reclining and elevating movements; parts of the foregoing articles.
- 94.03 Other furniture and parts thereof
- Mattress supports; articles of bedding and similar furnishing (for example, mattresses, quilts eiderdowns, cushions, pouffes and pillows) fitted with any springs or stuffed or internally fitted 94.04 with material or of cellular rubber or plastics. whether or not covered.
- 94.05 Lamps and lighting fittings including searchlights and spotlights and parts thereof, not elsewhere specified or included; illuminated signs, illuminated ed name-plates and the like, having a permanently fixed light source, and parts thereof not elsewhere specified or included.
- 94.06 Prefabricated building.

CHAPTER 95

Toys, games and sports regulsites: parts and accessories thereof

- 95.01 Wheeled toys designed to be ridden by children (for example, tricycles, scouters, pedal cars) dolls' carriages.
- 95.02 Dolls representing only human beings,
- 95.03 Other toys; reduced size ("scale") models and similar recreational models working or not; puzzles of all kinds.
- Articles for funfair, table or parlour rames, including pintables, billiards, special tables for casino games and automatic bowling alley equip-95,04 ment.
- 95,04 Festive, carnival or other entertainment articles, including conjuring tricks and novelty jokes.
- 95.06 Articles and confirment for gymnastics, athletics other sports (including table tennis) or outdoor games, not specified or included elsewhere in this chapter, swimming pools and paddling pools.
- Fishing rods (fish-hooks and other line fishing tackle; fish landing nets, butterfly nets and similar nets; decoy "birds" (other than those of heading No. 92.08 or 97.05) and similar hunting or shoot-95.07 ing requisites.
- 95.08 Roundabouts, swings, shooting galleries and other fairground amusements; travelling circuses, travelling menageries and travelling theatres,

1 2 1 2

CHAPTER 96

Miscellaneous manufactured articles

- 96.01 Worked ivory, bone, tortise-shell, horn, antlers, coral mother-of-pearl, and other animal carving material, and articles of these materials (including articles obtained by moulding).
- 96.02 Worked vegetable or mineral carving material and articles of these materials; moulded or carved articles of wax of stearin of natural gum or natural resins or of modelling pastes, and other moulded or carved articles, not elsewhere specified or included; worked, unhardened gelatin (except gelatin of heading No. 35.03) and articles of unhardened gelatin.
- 96.03 Brooms, brushes (including brushes constituting parts of machines appliances or vehicles), hand-operated mechanical floor sweepers not motorised, mops and feather dusters; prepared knots and tufts form broom or brush making; paint pads and rollers; squeegees (other than roller squeegees).
- 96.04 Hand sieves and hand riddles.
- 96.05 Travel sets for personal toilet, sewing or shoe or clothes cleaning.
- 96.06 Buttons, press-fasteners, snap-fasteners and pressstuds, button moulds and other parts of these articles; button blanks.
- 96.07 Slide fasteners and parts thereof.
- 96.08 Ball point pens; felt tipped and other porous-tipped pens and matkers, fountain pens, stylograph pens and other pens; duplicating stylos; propelling or sliding pencils; pen-holders, pencil-holders, and similar holders; parts (including caps and clips) of the foregoing articles, other than those of heading No. 96.09.
- 96.09 Pencils (other than pencils of heading No. 96.08) crayons, pencil leads, pastels, drawing charcoals, writing or drwaing chalks and tailors' chalks.
- 96.10 Slates and boards, with writing or drawing surfaces, whether or not framed.
- 96.11 Date, sealing or numbering stamps, and the like (including devices for printing or embosing labels), designed for operating in the band; hand-operated composing sticks and hand printing sets incorporating such composing sticks.
- 96.12 Typewriter or similar ribbons, inked or otherwise prepared for giving impressions, whether or not on spools or in carridges; ink-pads, whether or not on spools or in catridges; ink-pads, whether or not inked, or without boxes.
- 96.13 Cigarette lighters and other lighters whether or not mechanical or electrical, and parts thereof other than flints and wicks.
- 96.14 Smoking pipes (including pipe bowls) and cigar or cigarette holders, and parts thereof.
- 96.15 Combs, huir-slides and the like; hairpins, curling pins, curling grips; hair-curlars and the like, other than those of heading No. 85.16 and parts thereof.
- 96.16 Scent sprays and similar toilet sprays, and mounts and heads therefor; powder-puffs and pads for the application of cosmetics or toilet preparations.
- 96.17 Vacuum flask and other vacuum vessels, complete with cases; parts thereof other than glass
- 96.18 Tailors' dummies and other lay ligures; automata and other animated displays used for shop window dressing.

Section XXI

Works of art, collectors' pieces and antiques

CHAPTER 97

Works of art, collectors' pieces and antiques

- 97.01 Paintings, drawings and pastels, executed entirety by hand, other than drawings of heading No. 49.06 and other than hand painted or hand-decorated manufactured articles: collages and similar decorative plaques.
- 97.02 Original engravings, prints and lithographs.
- 97.03 Original sculptures and statuary, in any material.
- 97.04 Postage or revenue stamps, stamps-postmarks first-new issue in the country to which they are and the like, used or it unused not of current or new issue in the country to which they are destined.
- 97.05 Collections and Collectors pieces of zoological botanical, mineralogical anatomical, historical archaeological, palacontological, ethnographic or numismatic interest.
- 97.06 Antiques of an age exceeding one hundred years.

CHAPTER 98

Project Imports: Laboratory Chemicals; passengers' Baggage; Personal Importations by air or post; ship stores;

- All items of machinery including prime movers, instruments, apparatus and appliances, control gear and transmission equipment auxiliary equipment (including those required for research and development purposes, testing and quality control) as well as all components (whether finished or not) or raw materials for the manufacture of the aforesaid items and their components, required for the initial setting up of a unit, or the substantial expansion of an existing unit, of a specified;
 - (1) Industrial plant
 - (2) Irrigation project
 - (3) Power project
 - (4) Mining project
 - (5) Project for the exploration for oil or other minerals; and
 - (6) Such other projects as the Central Government may, having regard to the economic development of the country notify in the official Gazette in this behalf;

And spare parts, other raw material. (including semilinished material) of consumable stores not exceeding 10% of the value of the goods specified above provided that such spare parts, raw material or consumable stores are essential for the maintenance of the plant or project mentioned in 1 to 6 above.

- 98.02 Laboratory chemicals.
- 98.03 All dutiable articles imported by a passenger or a member of a crew in his baggage.
- 98.04 All dutiable articles, intended for personal use, imported by post or air, and exempted from any prohibition in respect of the imports thereof under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) but excluding articles falling under Heading No. 98.03.
- 98.05 The following articles of stores on Board a vessel or aircraft on which duty is leviable under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) namely, prepared or preserved mear fish and vegetables dairy products; soup lord; fresh fruits and all other consumable stores excluding fuel, lubricating oil, alcoholic drinks and tobacco products.

2

CHAPTER 99

Miscellaneous Goods

The following ann-cancer drugs, panaly

- (i) Actinomycm D injection.
- (2) Ammoglutothemido.
- (3) Amphotencin-B injection.
- (4) Azathioprine Tablets and tojection
- (5) Bleomycin injection.
- (6) Busulphan Tablets.
- (7) Carmustine (BCNU) injection
- (8) Chlorambucin Tablets.
- (9) Cis-plannum injection.
- (10) Cyclocytidine injection.
- (11) Cyclophosphamide Tablets and Cyclophosphamide for injection.
- (12) Cytarabine injection.
- (13) Dacarbazine injection
- (14) Daunorubicin injection
- (13) Doxorubicin Hydrochioride injection
- (16) Istoposide Capsules/Injection.
- (17) Floxuridine (FUDUR) Injection.
- (15) 5-Flurouracil Capsules and injection
- (19) Horaful injection and capsules.
- (20) Hydroxyurea Capsules.
- (21) Ifostamide injection.
- (22) Indium (111) in Bleomycin injection
- (23) L-Asparaginase (Colapuse) Injection
- (24) Leucovorin Calcium injection.
- (25) Melphalan Tublets and injection.
- (25) Mercapiopurine Tablets.
- (2)) Methotrexate Tablets and injection
- (28) Mithramycin injection.
- (29) Mitomycia C Injection and Capsules.
- (30) Mitotane Tablets.
- (31) Mustine Hydrochloride injection.
- (32) Phospherous (32p) Intralymphatic injection
- (33) Procarbazine Hydro-Chloride Capsules.
- (34) 32 P Sodium Phosphate Injection.
- (35) Racemic Phenylalanine Nitrogen Mustard, Hydrochlordic Tablets and mjection.
- (36) Radioisotope TI 20
- (37) Sodium Arsenate 74 As Injection.
- (38) Strontium Chloride (85 Sr.) Injection
- (39) Tamoxfen Citrate Tablets
- (40) Testolactone injection.
- (41) Thiotepa injection.
- (42) Thioguanine Tablets.
- (43) Tretamine Tablets and injection
- (44) Profosfamide Tablets.
- (45) Vinblastrine Sulphate injection.
- (46) Vineristrine Sulphate Injection.

99.02 The following cardiovascular drugs, namely:

(1) Disoxide injection.

1

- (2) Dispyramide phosphate injection/capsules/tablets.
- (3) Dopamine Hydrochloride injection.
- (4) Isoprenaline injection.
- (5) Nifedipine Capsule.
- (6) Prazocine Tablets.
- (1) Quinidine gluconate injection.
- (8) Streptokinase and streptodornase Preparations.
- (9) Streptokinase injection.
- 99.03 The following Sera and Vaccines, namely:
- (1) Anti-D Immunoglobulin (Human) in a form ready for use.
- (2) Gasgangrene Anti-toxin Serum.
- (3) Hepatitis B vaccine.
- (4) Hepatitis B Immunoglobulin.
- (5) Inactivated Rables Vaccine (Human Deploid Cell)
- (6) Measles Vaccine.
- (7) Meningococoal A+C combined Vaccine with Diluent Solvent.
- (8) Poliomyelitis Vaccine (Sabin and Salk).
- (1) Specific Desensitizing Vaccine.
- . (0) Anti-Plague Serunt.

99.04 The blood group sera, namely:

Anti C, Anti E, Anti C, Anti e.,

Anti M, Anti N. Anti Le., Anti rL.

Anti S. Anti human Globulin.

Sera, Anti F, Anti Kell,

Anti Cellane,

Anti JKa, and Anti 1.

- 99.05 Artificial Plasma.
- 99.06 Artificial Kidney.
- 99.07 All types of contraceptives.
- 9908 The following works of art, namely:-
 - (1) Statuary and pictures to be put up for public benefit in public place.
 - (2) Memorials of a public character intended to be put up in a public place including materials used, or to be used in their construction, whether worked or not.
- 99.09 Works of art intended for exhibition in a public museum or national institution.
 - 99.10 Antiques intended for exhibition in public museum or national institution.
 - ⁸¹²,11 Animals and birds imported by a 200.
 - 99.12 Trade catalogues and advertisement circulars.
 - 99.13 Specimens, models, wall pictures and diagrams for instructional purposes.
 - 93.14 Postage stamps, unused.
 - 99.15 Paper money.
 - 99.16 Bonafide gifts not exceeding Rs. 200/- in value imported by post or as air freight, excluding alcoholic drinks.
 - 99.17 Wool, woollen fabrics and woollen apparels received as gifts by the Indian Red Cross.
- 99.18 Common salt (including rock salt, sea salt and table salt).

SCHBDULE-U

(See Clause 3)

OPFICERS COMPETENT TO GRANT IMPORT LICENCES

2	3	1 2	3
The Chief Controller of Imports and fixports	For any goods Covered by Schedule I.	10. Deputy Development Commissioner (Development) Santa Cruz Bombay in- so for as the Santa Cruz Electronics Ex- port Processing Zone and the suppliers of	For any goods covered by Schedule I
Additional Chief Controller of Imports Exports.	De.	goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import repienishment licence under the import policy for regis- tered exporters against such supplies are	
, Export Commissioner.	D6.	concerned)	
A Juliat Chief Controller of Imports and Paports.	t Kile	11. Assistant Development Commissioner (Imports and Exports) Santa Cruz Bom- bay [in so far as the Santa Cruz Eleo-	Do.
A Deputy Chief Controller of Impura- and Exports.	Ďa,	tronic Exports processing Zone and the suppliers of goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import re- plenishment licences under the Import policy for registered exporters against	
5 An Asstt. Chief Controller of Imports &	Do.	such supplies are concerned).	
itaports. 1. A Controller of Imports and Exports	Do.	12. The Deputy Development Commissioner, FALTA Export Processing Zone, FALTA, West Bengal.	Do
s hay officer authorised by the Central		 The Dy. Development Commissioner, Madras Export Processing Zone, Madras 	Do
Gevernment for any goods as described in Schedule I.		14. The Jt. Development Commissioner/Dy. Development Commissioner, New Okhia Industrial Development Authority	Da
 Assit. Chief Controller of imports & Exports. Now Kandla (in so far as Kandle Free trade Zone is concerned). 	. Ου,	Export Processing Zone NOIDA, U.P. 13. The Dy. Development Commissioner, Cochin Export Processing Zone, Cochin, Kerala.	Do

SCHEDULE III

(See Clause 4)

The following fee shall be leviable in respect of the application for an import licence.

So	rial D.	Particula _i s	Amount of Fee
1	. صو ه هر ي سپ ر يحسب	2	٦.
l.		of goods specified in is not exceed Rupea; hey	Ropes, tondred
1.	in the applicati	of the goods specified on exceeds Rupeus into our exceed Rs one	paise lifty per thousand or part thereof subject to a minimum of Rupces one hundred
3,		e of the goods specified ation exceeds. Re-one	Rupees one and paise fifty the thousand or part thereof subject to maximum of K ₃ , one takh.

Provided that --

- (1) The amount of fee payable shall be rupees one hundred in respect of an application for import licence by a small scale actual user or a registered exporter, for the import of taw materials, components and spares where the value of the goods specified in the application does not exceed rupees two akhs.
- (2) The amount of fee payable shall be as indicated because, irrespective of the value of the goods specific in the application, in respect of : -

(i) an application Licence.	for grant of Subsidiary	Rugges one bundred
(il) an appileation Licence.	for grant of duplicate	Rupees one hundred

(fir) an application for grant of whitesp Runces fiv. hundred per Licenco split-up

(iv) an application for issue of Importer-Exporter Code Number (IEC)

Rupeos live hundred

(vi) (a) an application for issue of Identity

(v) an application in case Import Licence

and other correspondence are required

Card to the Chairman/Managing Director, Director or Partner or nuthorised employee of the applicant

(b) an application for issue of duplicate Identity Card in the event of loss of original Card.

Rupper (ne

bundre.

Russics, one barbunc

Rueve fifty

- (3) Irrespective of the value of goods specified in the application, the amount of fees payable for appeal applies tion shall be as under :-
 - (1) First appeal

Rupees one hundred

(ii) Second appeal

by Speed post.

Rupees two hundrest

- (4) The amount of fee payable shall be rupees one hundred the respect of an application for extension of the period of shipment of an import licence irrespective of the value of the
- (5) The amount of fee payable shall be rupees five hundred is respect of an application for import of a vehicle meluding Scooter, Auto Cycle/Motor Cycle/Mopeds, nr.4 pective of the value of goods specified in the application

Provided further that no fee shall be payable in respect of...

- (a) an application for an import beence for any goods (other than a vehicle) if the import of the goods a required by an individual for his own personal use unconnected with trade or manufacture: or
- (b) an application for an import because from a pracpaper establishment for newsprint for a value coing a quantity of not more than 40 tonnes.

For the purpose of collection of fee, the following instrunous are for general information

- (i) The fee should be credited under the Head 115 Foreign Trade and Export Promoton Minor H. 102—Import Licence application teen;
- (ii) Fee should be deposited in any one of the branches of Central Bank of fudia which have been anti-
- (iii) If the applicant is located in a place which does not have a branch of Central Bank of India authorized to receive Import Trade Control deposits, the facility of remittance of application fee and other Import Trade Control deposits through a bank draft will be available;
- (iv) No application will be entertained which is not at companied by such proof of payment of the 1cc prescribed under this order.

APPI NDIX I-B (Contd.)

licence-

SCHEDULE IV

(See Clause 12)

- Notification No. 23 ITC/43, dated the 1st July, 1943, issued by the late Department of Commerce as amended.
- 2 Notification No. 2-ITC/48, dated 6th March, 1948, usued by the late Department of Commerce as amended.
- 3. Notification No. 4-ITC/48, dated 1st May, 1948, issued by the late Ministry of Commerce.
- 4. Notification No. 51-ITC/50, dated 15th November. 1950 issued by the late Ministry of Commerce.
- 5 Order No. 4/55, date__00th June, 1955, issued by the Ministry of Commerce and Industry.

SCHEDULE V

(See Clause 5)

CONDITIONS APPLICABLE TO IMPORT LICENCES

- i The following conditions shall apply to all import licences:---
 - (1) Where an irrevocable letter of credit is opened by the holder of the licences to finance the import of any goods covered thereby, the authorised dealer in foreign exchange, through whom the credit is opened, shall be deemed to be a joint holder of the licence to the extent of the goods covered by the credit.
 - (2) Payment authorised to be made against the licence shall not cover any commission, discount or like rebate(8) allowed by foreign supplier(5)/manufacturer(5) to the importer/agent(8) in India.
- 2. The following conditions shall apply to import licences issued to Actual Users with 'Actual User' conditions:—
 - Gools imported under the licence shall be used be the licensee only for the purpose for which they were imported at the factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned at the address given in the application against which the licence is grouted. No portion thereof shall be transferred to any party or utilised or permitted to be utilised in any other manner; however, where necessary boundide it may be got processed in another factory or putous in another establishment, so long as the Actual User condition is complied with.
 - (2) The licensee shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the license in the form and manner laid down, and product such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
 - (3) All Actual Users (Industrial units) shall submit production returns regularly to the Directoral General of Technical Development, New Delhi of the concerned sponsoring authority.
 - (4) Actual Users (Industrial units) shall submit to the Directorate General of Technical Development New Delhi or the sponsoring authorities concerned and the Department of Electronics. New Delhi as

appropriate to the item imported, half yearly returns of the items imported by them.

- 15) All research and development units shall inform Department of Science and Technology if the value of imports made by them at any one time exceeds Rs. 1 lakh within 30 days of clearance of the goods, through the customs. In case of any electronic items they should also inform Department of Electronics, New Delhi.
- 3 The following conditions shall apply to licences assued for import of Capital goods:—
 - (1) The goods imported under the licence shall be utilised in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and that no portion thereof shall be sold to or be permitted to be utilised by another party or pledged with any financier other than banks authorised to deal in the foreign exchange and State Financial Corporations, provided that particulars of goods to be pledged are reported by the licencee in advance to the licensing authority.
 - A half-yearly return in the proforms given in Annexure hereto shall be furnished by the licensee to the Director of Statistics, Office of the CCI&B, New Delhi, indicating the actual imports and remittance made against the licence as on 28th February and 31st August each year. The return for each half-year shall be furnished within a period of 15 days from the close of the half-year as indicated.
- 4 The import licences issued for execution of Government contracts shall be subject to the condition that the goods imported shall be used or sold or disposed of in the manner as stipulated in the order placed by Directorate General of Supplies and disposals. Railway Authorities of the Defence Authorities, as the case may be, and the imported goods shall not be utilised or disposed of in any other manner without the prior approval of the licensing authority.
- 5. The goods covered by the licence shall not be exported without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

ANNEXURE TO SCHEDULE V

	Otilication (ep	ort for the i	alf year endir	rg			Day	Month	Year	
							1			-
î Nan	no and address o	of the licence	ėe.		1	<u> </u>				1
1										1
-, - - 										1
<u>.</u>			-	 		- :			; -— <u>-</u> ;	. !
<u>-</u>					!	-	. İ <u>.</u> . 1.	- '	. <u>.</u> J	

Customs Copy				,	Day	Month	 Year
Date of Imports							
Value utllised (Rs.)							
Port of clearance							
Balance value utilised in the Cu	<u>'</u> stoms Copy of	f the licence	at the end	of the		.	<u>, </u>
	stoms Copy of	f the licence	at the end	of the			<u>'</u>
Bulance value utilized in the Cu half year under report (Rs.) Foreign Exchange Remittances		f the licence	at the end	of the			
Balance value utilised in the Cu	alast the	f the licence	at the end	of the			

C. Order placed				
13. Value of orders placed during the half year (Rs.)				
14. Balance value (Rs.)				
D. Letters of Credit Opened.				
Da	y Month	Year		
15. Date				
16. Value of the letters of credits opened (Rs.)				
17. Balance value (Rs.)				
 Date of expiry of the validity period of the the period of revalidation, if any). 	he licence (including			
		Day	Month	Year
	Date of oxpiry		1	
Month Year	Period of revalidation	·		
Note 1 Please insert only one alphabet or one of Chief Controller of Imports and Exports				tistics, office of the
D I R E C T O R	O F S T A T	IST	CS	
OFFICEOFTH	ECHIBFCO	N T R O L	LER	
O F I M P O R T	S A N D E X	P O R T	S	
N E. W D E L H I	- 1 1 0 0 1	1		
*For example for the return for the half year en	ding 28-2-90 please insert as fo	ollows:	Month	Year
	ĺ	2 8	0 2	9 ()
	1_			

^{*}Please indicate only the value of remittances actually made, value of Letters of Credit Opened should not be mentioned against this column:

^{**}The value balance un-utilised after actual comittances must be mentioned against this column. 947 GI/90—26.

BAGGAGE RULBS-1978

(Promulgated by 101-Cus. dated 16-5-78 as amended by Notification 213-Cus. dated 13-11-79, 247-Cus. dated 26-12-80, 57/83-Cus. dated 1-3-83, 166/83-Cus. dated 8-6-83, 26/85-Cus. dated 4-2-85, 20/86-Cus. dated 20-1-86, 141/86-Cus. dated 13-2-86, 467/86-Cus. dated 25-11-86, 245/87-Cus. dated 25-6-87, 1/88-Cus.-(N.T.) dated 8-1-88 and 47/89-N.T.)-Customs dated 14-8-89).

G.S.R. No. 290(E)—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Baggage Rules, 1970 and the Ceylon Baggage Rules, 1930, the Central Government hereby makes the following rules, for importing free of duty, baggage of passengers (other than tourists) who arrive from any country other than Nepal or Bhutan namely:—

1, Short Title, Commencement :

- (1) These rules may be called the Baggage Rules, 1978.
- (2) They shall come into force at once.
- 2. Used Personal Effects: The used articles of personal wear (excluding jewellery but including not more than one wrist watch of viaue not exceeding five hundred rupees) and articles in personal use of passengers for satisfying daily necessities of life may be passed free of duty.
- 3. General Free Allowance: In addition to the articles specified in rule 2 and subject to the provisions of rule 9, a passenger of and above the age of twelve years, may also be allowed to import free of duty articles:—
 - (a) upto a value of three hundred rupees, in the case of a passenger arriving from Sri Lanka, and
 - (aa) in the case of passengers arriving from Maldives-
 - (i) Upto a value of Rs. 750/- in case the period of stay outside India does not exceed three days.
 - (ii) Upto a value of Rs. 1250/- in case the period of such stay exceeds three days, and
 - (b) upto a value of one thousand two hundred and flifty rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan if the proper officer is satisfied that such articles are for the use of the passenger or his family or for making gifts or souvenirs;

Provided that-

- a passenger below twelve years of age may be allowed to import free of duty articles—
 - (a) upto a value of seventy five rupees. in the case of a passenger arriving from Sri Lanka,
 - (aa) In the case of passengers arriving from Maldives-
 - upto a value of Rs. 200/- in case the period of stay outside India does not exceed three days;
 - (ii) upto a value of Rs. 300/- in case the period of such stay exceeds three days, and
 - (b) upto a value of three hundred rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan.
- (ii) In the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after stayin outside India or in Srl Lanka or Maldives or both, for less than ten days, articles

- upto a value of thirty rupees in the case of such adult passenger and seven rupees fifty paise in the case of such passenger below eighteen years of age may only be allowed to be imported free of duty for each day's stay outside India;
- (iii) In the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India in a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal or Bhutan for less than ten days, articles upto a value of one hundred and twenty five rupees in the case of such adult passenger and thirty-rupees in the case of such passenger below eighteen years of age, may only be allowed to the imported free of duty for each day's stay outside India.

Explanation

For the purposes of this proviso, "concessional ticket" means a ticket issued after allowing a concession of seventy five per cent or more.

Provided further that subject to the conditions and limitations laid down in this rule, a passenger shall be allowed to import free of duty a Colour Television set or Video Cassette Recorders or Video Cassette Player or Video Cantera only upto five hundred rupees of its value;

Provided also that nothing contained in this rule shall apply to any unaccompanied baggage.

4. Additional Allowance for used Household Articles

In the case of a passenger who was engaged in his profession abroad for over three months, articles actually used for running his household namely linen, utensils, tableware, kitchen appliances and iron, upto an aggregate value of one thousand rupees may be imported free of duty.

- 4A. Additional Allowance for used Personal Effects and Household articles in respect of certain categories of passengers
- (1) In the case of a passenger holding a valid passport issued under the Passports Act, 1967 (15 of 1967) and returning to India after a period of not less than one year of stay abroad, his personal effects and hosehold articles upto an aggregate value of twenty thousands rupees, which have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of six months may be imported free of duty subject to the following conditions, namely:—
 - (i) Such passenger has been working abroad for minimum period of one year and is returning to India on termination of such work;
 - (ii) Such passenger affirms by a declaration that the goods in question have been in his or in his family's possession and use abroad for a minimum period of six months and the examination of such goods and the attendent circumstances do not indicate to the contrary; "provided that such passenger shall be allowed to avail himself of the provisions of this rule only once in every three years"
- (2) Nothing contained in this rule shall apply to the following articles, namely:—:
 - (a) motorcycles, scooters or mopeds;
 - (b) airconditioners;
 - (c) Refrigerators and deep freezers;
 - (d) fire arms;
 - (dd) catridges of fire arms exceeding 50;
 - (e) cigarettes exceeding 200 or clgars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 grams; and

- (f) alcoholic liquor in excess of 0.95 litres.
- (g) video cameras or the combination of any such video camera with one or more of the following goods, namely:—
 - (i) television receivers;
 - (ii) sound recording or reproducing apparatus;
 - (iii) video reproducing apparatus;
- (h) computers and computer peripherals (other than calculating machines).
- (i) word processing machines.
- 4B. Manner of Computing the Period of Stay Abroad for the Purposes of Rule 4A in case a passenger has made short visits to India during his stay Abroad

For the purpose of Rule 4-A of these rules, short visits, if any, made by the passenger concerned to India during the entire period of his stay abroad relevant for the purposes of that rule shall be ignored if the total duration of stay in India on these short visits does not exceed 45 days subject to the condition that total period of stay abroad, excluding the period spent in India on such short visits, is not less than 365 days."

5. Allowance for Professional Equipment

A passenger who was engaged in his profession abroad for over three months may be allowed to import free of duty such portable equipments, instruments, apparatus and appliances as are ordinarily required in such profession, upto a value of five thousand rupees.

Provided that items of common use like camera, type-writer, cassette recorder and dictaphone shall not be allowed to be imported free of duty under this rule.

6. Jewellery

Jewellery in the actual use of a passenger who has been residing abroad for over one year may be allowed to be imported free of duty to the aggregate value of one thousand and five hundred rupees in the case of mule passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger.

7. Unaccompanied Buggage

(1) Subject to the conditions and limitations laid down in these rules, the proper officer may allow import free of duty bona fide unaccompanied baggage arriving in India after the arrival of the passenger, if it was in his possession abroad and was shipped by sea within the one month or despatched by air within a fortnight of the passenger's arrival in India;

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied that the passenger could not ship or despatch his bona fide unaccompanied baggage within the period aforesaid, inspite of his having taken all reasonable steps for the purpose, the Assistant Collector of Customs may extend the time limit of one month to three months or of a fortnight to two months as the case may be, and the Collector of Customs may extend the time limit upto any further time.

(2) Bona fide baggage of a passenger landed at any customs Station within two months before his arrival in India may be allowed to be imported free of duty by the proper officer subject to the conditions and limitations laid down in these rules:

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied for reasons to be recorded in writing, that the passenger was prevented from arriving in India within the aforesald period of two months due to circumstances beyond his control, such as, endden illness of the passenger or a member of his family, or natural calamities or disturbed conditions, or disruption of the transport or travel arrangements in the country or countries concerned or any other reasons, which necessitated a change in the travel schedule of the passenger,

the time limit of two months may be extended upto period of —

- (i) four months by the Assistant Collector of Customs; and
- (ii) one year by the Collector of Customs.
- 8. Application of these Rules to Members of the Crew

Rules 2, 3, 5, 6 and 9 shall apply in respect of officers and members of the crew engaged in a foreign going vessel for importation of their baggage at the time of final pay off on termination of their engagement.

Provided that the concessions under rule 5 shall not be allowed except at the time of final pay off on termination of first engagement in foreign going vessel.

9. Articles not Exempted from duty

Notwithstanding the provisions of rule 3 and 4, the following articles shall not be imported free of duty under these rules, namely:—

- (i) motorcycles, scooters or mopeds;
- (li) fire-arms;
- ii (a) cartridge of fire arms exceeding 50;
- (iii) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 gms; and
- (iv) alcoholic liquor in excess of 0.95 litres.
- 10. Allowance not to be availed of both under these rules and the Transfer of Residence Rules at the same time

Notwithstanding anything contained in these rules and the Transfer of Residence Rules, 1978, made under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962); a passenger shall not be eligible to avail himself of the provisions of rule 4-A of these rules and the provisions of the said Transfer of Residence Rules, 1978, at the same time.

Sd/-P. K. JAIN Under Secy. to the Govt. of India

NOTIFICATION NO. 58/83 DATED 1-3-83 AS AMEND-ED BY NOTIFICATION NO. 18-CUS/86 DATED 20-1-86 EFFECTIVE FROM 15-2-1986

G.S.R. In exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142-Cus, dated the 15th July, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts articles, falling under Heading No. 100.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) specified in column (1) of the Table hereto annexed, when imported into India by a passenger or a member of a crew as baggage from so much of the duty of customs leviable there on which is specified in the said First Schedule, as in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (2) of the said table.

1 8016		
Description of articles	Rate	_
(1)	(2)	

Any article of a value in excess of the duty free allowance admissible to such passenger or member under rule 3 of the Baggage Rules 1978:—

- (a) for the first Rs, 2,000 130 per cent ad valorem on the baggage other than the unaccaompanied baggage
- (aa) On the unaccompanied

buggage

200 per cent

(b) on the balance

200 per cent

ad valorem

Explanation 1: Where the value of any one article exceeds the duty free allowance admissible to such passenger or member under rule 3 of the Baggage Rules, 1978, the amount of duty shall be calculated only on the value in excess of the duty free allowance so admissible to the extent not availed of by such passenger or member for clearing any other article of baggage, if any.

Explanation II: Where such passenger or member avails himself of the rate under clause (a) of the said Table to the extent of Rs. 2000/- on any article, he shall not be entitled to avail the said rate on any other article to that extent.

- 2. Nothing contained in this notification shall apply to :--
 - (i) motor cycles, scooters or mopeds;
 - (ii) fire arms;
 - ii (a) cartridge of fire arms exceeding 50;
 - (iii) cigarettes, cigars or tobacco in excess of the quantity prescribed for importation free of duty under relevant baggage rules; and
 - (iv) textile fabrics in excess of rupees five hundred in value.

Sd/J. SRIDHARAN
Under Secy. to the Govt. of India

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 1st March 1986 10th Phalguna, 1907 (Saka)

NOTIFICATION

G.S.R. No. 183/86-Customs.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 194-Customs, dated the 26th September, 1980, the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all goods (other than broadcast television receiver sets) falling under Heading No. 98.03 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India by a passenger or a member of the crew as baggage, from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act.

Sd/-GAUTAM RAY Under Secy. to the Govt. of India

TRANSFER OF RESIDENCE RULES, 1978
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 16th May 1978 26 Vaisakha, 1900 (SAKA)

NOTIFICATION

(CUSTOMS)

GS.R. No. 292(E).—In exercise of the powers conferred by Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Transfer of Residence Rules, 1969, the Central Government hereby makes the following rules namely:—

Short Title

1. These rules may be called the Transfer of Residence Rules, 1978.

Personal and Household Effects Exempted from duty Subject to Certain Conditions,

- 2. Subject to the provisions of the Baggage (Condition of Exemption) Rules, 1975 and Rule 3 of these rules the personal and household effects of a person on bona-fide transfer of residence to India, shall be exempted from duty subject to the following conditions, namely:—
 - (a) Such person has been residing abroad for a minimum period of two years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year.
 - (b) Such person affirms by a declaration that the goods have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of one year and the examination of the goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary.
 - (c) The goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the limits specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation: For the purpose of this Rule, the expression "personal and household effects" shall not include so much of gold jewellery that is to say jewellery of which the value is mainly on account of gold content, as in excess of the value of one thousand five hundred rupees in the case of male passenger and three thousand rupees in the case of female passenger and the said limits shall not, however, apply to the jewellery in respect of which the Assistant Collector of Customs is satisfied on the basis of the evidence produced that it had been taken out of India by the passenger or by a member of his or her family.

Article not Exempted from duty

3. Notwithstanding anything contained in rule 2, Motor Vehicles, Vessels, Aircrafts, Cinematograph films 35 mm and above, air-conditioner, refrigerators and deep freezers, shall not be allowed to be imported free of duty under these rules.

Allowance for Professional Egylpment etc.

4. In addition to articles allowed under rule 2, and subject to the time-limit mentioned in clause (c) of the rule, a highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer, returning to India for permanent settlement after a stay abroad for a minimum period of two years, may also be allowed to import free of duty such equipment, instrument, apparatus and appliances, upto a value of fifty thousand rupees as are ordinarily required by him in his profession.

Explanation: For the purpose of this rule a "highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer" is a person who holds a post-graduate degree or its equivalent in science, technology, medicine or engineering, as the case may be, from an Indian or foreign university and has been employed or engaged abroad in his field of specialisation for at least one year.

5. For the purpose of these rules, short visits if any, made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months;

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

Condition of Short-fall in the Period of stay Abroad

- 6. For the purpose of these rules, short-fall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs, if he is satisfied that the person's early return to India had been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstances.
- 7. ALLOWANCE NOT TO BE AVAILED OF BOTH UNDER THESE RULES AND RULE 4A OF THE BAGGAGE RULES AT THE SAME TIME.

"Notwithstauding anything contained in the provisions of rule 4A of the Baggage Rules, 1978, made under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), a passenger shall not be eligible to avail himself of the provisions of these rule and the provisions of the said rule 4A of the said Bagagge Rules, 1978, at the same time.

- No. 103/Cus. (F. No. 497/6/78-Cus. VI).
- No. 124/Cus. (F. No. 49/6/78-Cus.VI).
- No. 260/Cus. (F. No. 497/4/87-Cus.VI).
- No. 369/Cus. (F. No. 495/5/85-Cus.VI).

NOTIFICATION NO. 84-CUS. DATED 22-8-75 AS AMEND-ED BY NOTIFICATION NO. 19-CUS./86 DATED 20-1-86 AND NOTIFICATION NO. 4/88-NON-TARIFFS CUSTOMS DATED 21-1-88.

- G.S.R. No. 453(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the Section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Baggage (Conditions of Exemption) Rules, 1963 (Notification of the Government of Exemption) ernment of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 19 dated the 23rd January, 1963) the Central Government hereby makes the following rules, namely :-
 - These rules may be called the Bagagge (Conditions of Exemption) Rules, 1975.
 - Where any goods in the baggage of a passenger or a member of the crew are exempted under section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) from pay-ment of import duty leviable thereon, the exemption shall be subject to the condition that such goods shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in shop;
 - a) and, in the case of fire-arm also that such fire-arm shall not be gifted, or given to a retainer or otherwise parted with, in the life time of such passenger or member of the crew, as the case may be; or
 - (b) and in the case of other goods, also that such other goods shall not be gifted or otherwise parted with, until they have been used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew.

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE)

New Dolhi, the 26th September 1980 4 Asvina, 1902 (SAKA)

NOTIFICATION CUSTOMS

G.S.R. No. 558 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No 230-Customs, dated the 5th December, 1979, the Central Government, being satisfied that it is

necessary in the public interest so to do, hereby exempts each of the goods specified in column (2) of the Table annexed hereto, when imported by any person as part of his baggage, on a bona-fide transfer of residence of India, from so much of the duty of Customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as in the excess of the rates specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, subject to the following conditions, namely :-

- (i) Such person has been residing abroad for a minimum period of 2 years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year;
- (ii) Such person affirms by a declaration that the goods have been in his family's possession and use for a minimum period of one year and examination of the goods and attendant circumstances do not indicate to the contrary;
- (iii) Such goods shall not be sold, displayed or advertised or offered for sale until their market price has depreciated to less than 50 per cent of the market price when new; and
- (iv) The goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limit specified in the Baggage Rules, 1978. Explanation: For the purposes of this notifica-
- tion -(a) short visits, if any made by the person concerned to India during the aforesald period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on
- these visits does not exceed six months;

(b) Shortfall upto period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India has been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by another special circumstances.

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned, the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

Sl. No.	Description of goods	Rate of Duty of Customs
1	2	3
100 lit	-	
2. Domesi litres b	tic refrigerators capacity exceeding 100 out not exceeding 165 litres.	20%
Other	40%	
4. Deep	40%	
5. Air Conditioners		50 %

Sd /-(K. KUMAR) Under Secretary to the Govt. of India

No. 195/Cus. (F. No. 495/92/79-Cus. VI).

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 27-ITC(PN)/80 New Deibi, the 15th July 1980

Subject: Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to the Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, Notification No. 101-Cus. dated the 16th May, 1978, No. 102 Cas. deted 16th May, 1978, No. 103-Cus dated the 16th May, 1978 and No. 105-Cus. dated the 16th May, 1978 applicable to passengers arriving from any country other than Nepal.

- 2. Sub clause 11(1) (2) of the Imports (Control) Order, 1955 as amended, already exempts from the operation of the said order the goods imported as passenger baggage to the extent permissible under the Buggage Rules for the time being in force.
- 3. A non-tourist passenger may also be allowed to import as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty any items of personal or household effects, for his own use or for use of his family :-

Provided that the import of a firearm shall be subject to the conditions that :-

 The passenger has not imported or otherwise acquired a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten years;

For this purpose, revolver and pistol will Explanation: be considered as fire-arm of one category and gun and rifle as fire-arm of another category;

- (ii) In the case of revolver and pistol, they are of .32 or smaller bore; and
- (iii) The fire-arm shall not be sold, gifted or given to a retainer or otherwise parted with for a period of five years from the date of clearance.
- 4. A tourist of Indian origin, whether holding an Indian passport or a foreign passport, who is normally resident abroad, may be allowed to import, as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty in convertible foreign currency any items of personal or bousehold effects for presentation as gifts or souvenirs to friends and relatives-

Provided that the import of fire-arm shall be subject to the conditions that :--

(i) The passenger has not imported a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten Vents:

Explanation: For this purpose, revolver and pistol will be considered as lice arm of one category and gun and rifle as fire-arm of another category.

- (ii) In the case of revolver and pistol, they are of .32 or smaller bore; and
- (in) The fire-arm shall not be presented as gift to a person who has imported or acquired a foreign-made fire-arm of the same category during the last ten years. (The person receiving the gift shall also ensure that he is not violating this condition).
- 5. The above concessions may be allowed provided the proper officer of the customs is satisfied that the items are being imported for bona-fide use of the passenger or his family or for making a gift or souvenir, as the case may be, and subject to the condition that they shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in a shop until:
 - (a) in the case of fire-arm and TV, they have used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person, or passenger or member of the crew, or
 - (h) in case of other goods, when the market price is depreciated to less than 50% of their market price when new.
- o. In addition, clearance of one dog and other domestic pets like cats and birds in a limited number may be allowed

without Import Trade Control restrictions on furnishing the following health certificates to the customs authorities:-

- (i) A health certificate from a veterinary officer authorised to issue a valid certificate by the Government in the country of export to the effect that the dog imported is free from Aujossky's disease, Distemper, Rabies, Leishmaoiasis and Leptospirosis and in the case of cats from Rabies and Distemper.
- (ii) In the case of import of dogs and cats originating from countries where Rabies infection is known to exist, a health certificate containing a record of vaccination, vaccine used, brew of the vaccine and the name of the production laboratory and to the effect that the dog/cat was vaccinated against Rabics more than one month, but within 12 months prior to actual embarkation with pervous tissue vaccine or within 36 months with chicken embryo vaccine, both the vaccines having previously passed satisfactory potency tests.
- (iii) In the case of that the parrots parrots, a certificate to the effect were subjected to compliment fixation test for psitaposis with negative results within 30 days prior to actual embarkation.
- 7. This Public Notice is in supersession of the earlier Public Notice of the Ministry of Commerce No. 34-ITC (PN)/78 dated 16-5-1978 as amended by Public Notice No. 58-ITC (PN)/79 dated 13-11-1979,

Explanation: In the Public Notice the term 'baggage' will have the same meaning as is assigned to it in sub-clause (3) of Section 2 of the Customs Act. 1962.

Sd /-MANI NARAYANSWAMI Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 44-ITC(PN) /80 New Delhi, the 17th November 1980

Subject: Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN)/80, dated the 15th July, 1980, and Public Notice No. 46-ITC(PN)/78, dated the 30th June, 1978, pertaining to import of goods as personal baggage.

- 2. On reconsideration, it has been decided to delete the word "in convertible foreign currency" appearing in para 4 of the aforesaid Public Notice No. 27-ITC(PN)/80, dated the 15th July, 1980. The said para 4 shall stand amended accordingly.
- 3. Public Notice No. 46-ITC(PN) /78, dated the 30th June, 1978 pertaining to import as baggage by officers and members of the crew, is also hereby cancelled. Subsequently, import of goods as baggage by such persons will be governed by the provisions of Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN) /78. dated the 15th July, 1980.

MANI NARAYANSWAMI Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 131—ITC(PN)/85—88

New Delhi, the 13th November 1986

Subject: Import of goods as personal baggage.

Attention is invited to Ministry of Commerce Public Notice No. 27-ITC(PN)/80 dated the 15th July, 1980 and Public Notice No. 44-ITC(PN)/80 dated the 17th November, 1980 pertaining to import of goods as personal baggage

- 2. Paragraphs 3, 4 and 5 of Public Notice No. 27-ITC(PN) / 80 dated 15th July, 1980 as amended by Public Notice No. 44-ITC(PN) / 80 dated the 17th November, 1980 shall be substituted by the following:—
- "3. A non-tourist passenger may also be allowed to import as a part of his baggage, without an import licence, but on payment of customs duty any items of personal or house-hold effects (except fire-arm) for his own use or for use of his family.
- 4. A tourist of Indian origin whether holding an Indian passport or a foreign passport who is normally a resident

abroad, may be anowed to import, as a part of his baggage without an import licence, but on payment of Customs duty any items of personal or household effects (except fire-arms) for presentation as nifts or souvenirs to friends and relatives.

- 5. The above concessions may be allowed provided the proper officer of the customs is satisfied that the items are being imported for bona-fide use of the passenger or his family or for making a gift or souvenir as the case may be and subject to the condition that they shall not be sold, displayed, advertised or offered for sale or displayed in a shop until:
 - "(a) in the case of TV, it has been used for a period of not less than five years from the date of clearance by such person, or passenger or member of the crew, or
 - (b) in the case of other goods, when the market price is depreciated to less than 50% of their market price when new'."
 - 3. This amendment is made in the public interest.

Sd /-

R. L. MISRA
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE

ORDER No. 98/85-88

New Delhi, the 29th February 1988

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and in supersession of the Ministry of Commerce Order No. 10/65 dated the 1st December, 1965, the Central Government hereby authorises the Joint Chief Controllers of Imports and Exports, the Deputy Chief Controllers of Imports and Exports, the Customs Collectors and the Officers of Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Development Commissioner for Iron and Steel, the Deputy Development Commissioner for Iron and Steel and the Superintendents of Police in the Economic Offences Wing of the Central Bureau of Investigation, to make complaints in writing in Courts in respect of any offence punishable under section 5 of the sald Act.

Sd/R. L. MISRA
Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 1/90—93

OPEN GENREAL LICENCE NO. 1/90

NEW DELHI: THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial) subject to the following conditions:—
 - (1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5 and 8 of Import & Export Policy for 1990—93 (Volume I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette.
 - (2) Instruments other than those listed in Appendix 6 of the Import & Export Policy for 1990—93 (Volume-I) shall not be allowed to be imported under this Licence.
 - (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition.
 - (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.
 - (5) Actual User (Industrial) at the time of clearance of the goods, shall furnish to the Customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (ii) the

items imported under this Licence strictly in accordance with the terms and conditions of their Industiral Licence Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and approved phased manufacturing programme. In cases where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce_other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed registered as an industrial unit and eligible to the import made. The Actual Users (Industrial shall also furnish at the time of clearance of goods, a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.

(6) Import of components under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) shall be subject to List Attenstation procedure in cases where the unit is under a Phased Manufacturing Programme of Indi-genisation. Such units should get the list of components to be imported attested by the authority which approved the Phased Manufacturing Programme. In the case of Small Scale units the list attestation should be by the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi or by the Small Industries Development Organisation (SIDO) on behalf of DC(SSI). The Customs authorities will allow clearance of imported components under Open General Licence on the basis of list attested by the concerned authority. Where an Actual User does not receive the list of components duly attested by the concerned authority within 45 days of the date on which the list was submitted for attestation, the Customs authorities shall allow clearance of the imported consignment on the basis of a declaration by the Actual User to the effect that the list was submitted to the concerned authority and that they have not got the decision from the Phased Manufacturing

(OGL | Contd.)

Programme approving authority within the prescribed time limit. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity value shall be intimated by the Actual User to DGTD Textile Commissioner DC(SSI) within 30 day of clearance through Customs.

- (7) In the case of units which are not subject to the Phased Manufacturing Programme of Indigenisation, the Actual User shall furnish a declaration to that effect to the Customs authorities at the time of Cu toms clearance.
- (8) In the case of units whose Phased Manufacturing Programme of Indigenisation is over shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance of the imposed consignment a declaration to the effect that their Phased Manufacturing Programme fo Indigenisation is over and that the imported items do not include those which have been were scheduled to have been indigenised during the Phased Manufacturing Programme period.
- (9) The List Attestation Procedure will not be applicable for import of electronic components allowed under Open General Licence.
- (10) The Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under the Licence.
- (11) The Actual Users (Industrial) in the small scale sector having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "provisional" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a Bank gurantee for a value equal to 25 per cent of the c.i.f. value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material or a certificate from the Director of Industries that it has gone into production.
- (12) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (13) In respect of man made fibre, two, yarns, raw woollgreasy woollscoured wool (not carded combed)langora goat hair OT (mohair) | greasy angora goat hair (mohair) scoured angora goat hair (mohar) (not carded or combed), woollen rags synthetic ragis shoddy wool in completely premutilated condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commis-

- Imports shall be made sioner, Bombay. only after the connected contract has been the Textile Commissioner, by stamped Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation disposal of the imported material ir respect of all contracts earlier registered.
- (14) Import of man-made fibres, tow and yarn under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution, to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in condition (13) above;
- (15) In the case of Soda Ash, PVC Resin and Copper Scrap|Copper Mill Scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export Policy Cell). Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (condition (13), above.
- (16) In the case of 3 Formyl Rifa SV, 1-Amino 4-methyl Piperazine and Riaf-S. the concerned importer shall be required to register their contracts with the Joint Secretary and Development Commissioner (Drugs). Department of Chemicals and Petrochemicals Office of the Development Commis-(Druge), Shastri Bhavan. Delhi-110001 Imports shall be made only after the connected contracts have stamped by the office of the Development Commissioner (Drugs), as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract should be lodged with of the Development Commissioner (Drugs) and they will return one copy to the importer, duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of a subsequent contract, the cligible importer should also furni h a statement indicating the progress made in import and utilisation of the imported material in resnect of contracts earlier registered for information/record of the registering authority.
- (17) (i) Import of woollen randshoddy wooll synthetic rang will be allowed only when these are imported in completely premutilated condition.
 - (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :—

(OGL 1 Contd.)

- (a) 'New'-waste woollen cloth woven or knitted which is left after garment had been cut out includ-ing genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits,
- (b) 'Old'-Rags of woollen textiles fabrics including knitted and crochetted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles ef furnishing or clothing or other clothing so worn out, solied torn as to be beyond cleaning or repair,
- The mutilation must conform to the requirements specified by Customs authorities in their notifications.
- definition shall apply (iii) This mutatis mutandis to synthetic rags.
- (iv) Imports of Woollen rags|synthetic rags| Shoddy wool will be allowed through two ports only viz. Bombay and Delhi ICD.
- (18) In the case of raw cashewnuts Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to the Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (19) In the case of raw cashewnuts the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (20)In the case of non-alloy steel and alloy steel items (except those specifically mentioned in sub-paras (ii) and (iii) of para 26(2) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume-I), importable under Open General Licence, all eligible importers shall be required to register their imports contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta, or with any of his regional offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration of contracts with the Development Commissioner (Iron & Steel) shall be the same as in condition (13) where the request for above. In cases registration of contract is made after the stipulated period, the importer shall apply to the Development Commissioner (Iron & Steel), Calcutta for condoning the delay in submission of the contract documents for registration. The Development Commissioner (Iron & Steel) may consider cases on merits and, if satisfied, register the contract after condonation of delay.

- (21)In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, send to the Department of Agriculture (Plant-Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- In the case of Polysilicon, single crystal silicon ingots bars rods import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics, as an evidence of such registration.
- In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 50,000 provided Indian Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate
- In respect of certain items mentioned in (24)Appendix 6, List 8, Part I, of Import & Export Policy 1990—93 (Volume I) the names of specific categories Industries eligible for import have been mentioned for these items; only those categories the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under this licence.
- (25) Items covered under Appendix 6, List 8, Part-I of the Import and Export Policy, 1990-93 (Volume I) can also be imported against Additional Licences by Export Houses Trading Houses as per policy. All the conditions applicable to import of items under Open General Licence, except the Actual User condition, will equally be applicable in respect of import of Open General Licence items against Additional licences.
- Items covered under Appendix 6. List 8, (26)Part II of the Import and Export Policy, 1990-93 (Volume I) can be imported under Open General Licence by the Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (27)In the case of brass copper pipes and tubes imported as scrap their size shall not exceed 60 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes.
- Items covered under Appendix 6, List 10 of the Import & Export Policy, 1990—93 (Volume I) can be imported only by the Actual User (Industrial) holding a Manufacturing Licence Registration Certificate for electronic items.

(OGL 1 Contd.)

- (29) Items appearing in Appendix 6, List 11, of the Import & Export Policy for 1990—92 (Volume I) can be imported by Oil & Natural Gas Commission|Oil India Limited (OIL)|Gas Authority of India Limited (GAIL) and by units receiving contracts for diving services in support of petroleum operation from ONGC|OIL|GAIL. Such Units should produce to the Customs authorities, at the time of clearance, a certificate from ONGC|OIL|GAIL to the effect that the items imported are required for execution of the contracts awarded to them.
- (30) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.
- (31) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed authorised capacity, and the unit concered shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme.
- (32) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (33) Shipment of raw materials, components and consumables under Open General Licence can be made on through consignment basis to India during the currency of the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume-I) unless the item has been shifted from the Open General Licence. However, in respect of firm orders backed by irrevocable letters of credit opened and established before the

- 28th February, 1993 by Actual Users (Industrial) for use in his factory, shipment can be made upto the 30th June, 1993.
- (34) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (33) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Nouce in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No firm commitment other than irrevocable letters of credit will be eligible for such protection.
- (35) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (36) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 2/90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. .(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the, Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods of the description specified in Appendix 1, Part B of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions:—
 - (1) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition. The facility for import of capital goods is also available to units holding letters of intent.
 - (2) The goods so imported shall be new.
 - (3) (i) Capital goods listed for a particular category can be imported by the Actual Users falling under the same category. However, items appearing under the heading 'Machine tools', 'Measuring instruments'; 'Testing instruments'; 'Packaging machinery', and 'Miscellaneous items', import can be made under Open General Licence by all Actual Users. If an Actual User wants to import an item of capital goods permissible for import under Open General Licence by another category, its import shall be allowed by the Customs on the basis of a certificate from the DGTD that the item is also required for use in his industry.
 - (ii) NC/CNC versions of the machine tools 1, 17, 28, 29, 34, 35, 45, 47, 52, 63, 64, 73, 75, 76, 77, 78, 81, 82, 88, 92, 93, 101, 107, 122, 127, 130 and 135 under Entry No. 3(i) of Appendix 1, Part B will not be permitted.

- (iii) Import of "Open end spinning machines" will be allowed under OGL, only to units exporting 20% (by value or by volume) of the best year's production during the preceding two years. A certificate to this effect from Textile Commissioner may be produced before the customs authorities.
 - (iv) Import of second-hand capital goods, computer/computer based systems and peripherals will not be allowed under Open General Licence.
 - (v) Spares (whether permissible or restricted types) including accessories and toolings upto 15 per cent of the value of the main equipment can also be imported under Open General Licence. If such spares, accessories and toolings are required for a value more than 15 per cent, the Actual User should obtain written clearance from the DGTD, New Delhi, indicating the actual value upto which such spares accessories toolings may be allowed for the main equipment under Open General Licence, and produce the same to the customs authorities for clearance.
- (vi) Spares, accessories and toolings may be allowed to be imported either alongwith the main equipment or subsequent thereto, but not before the arrival of the main equipment.
- (4) By import of the Capital Goods, in questron, the production of the applicant shall not exceed the licensed authorised capacity.
- (A) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods furnish to the Customs authorities the original or a photostat copy of the currently valid Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import.

(OGL 2-Concld.)

- (6) The Actual Users (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his Industrial Licence Letter of Intent Registration as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence Letter of Intent|Registration and the end product(s) of manufacture, and affirming that (i) such Licence Letter of Intent Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative; and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence Letter of Intent Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate regisration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed registered as industrial unit and is eligible to the import made.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (8) Shipment of machinery and equipment allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the Import & Export Policy 1990—93 (Volume I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer, the Chief Controller of

Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.

- (9) Notwithstanding anything provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazetie, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available for contracts other than those duly registered with a foreign exchange dealer (Bank).
- 10) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (11) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or the regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported;
- (12) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-

(TEJENDRA KHANNA)
Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC|3|5|90)

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 3|90--93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 3|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji "permissible" spares, i.e. all those parts required as spares, other than the items and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, centrol and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April of the licensing year, by the Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions :-

sauce of the same and the first

- (1) The Actual Users (Industrial) will furnish to the Customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of their Industrial Licence Registration Certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence Registration with concerned authority as industrial unit and endproduct(s) manufactured and solemnly affirming that such Licence Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authorities that he is licensed)registered as an industrial unit and is eligible to the import made.
- (2) The Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the Customs authorities, the original or a photostat copy of the Registration Certificates (Currently valid) held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.
- (3) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 per cent of the c.i.i. value of imported computers or two per cent per annum of the

- purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five per cent of the cost of the photocomposing machines of which computer is an integral part. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the Customs authorities, a certificate from Chartered Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, a, the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a director or an employee of the applicant firm or its associaties.
- (4) The Computer Maintenance Corporation Limited (CMC) shall be eligible to import tools, consumables and technical training material, testing equipment as also second-hand and reconditioned spares within the overall value of 5 per cent of the c.i.f. value of the imported computer systems being maintained by them. At the time of clearance of the imported goods CMC should furnish to the Customs authorities a certificate from a Chartered Cost Accountant or Company Secretary (in practice) showing the c.i.f. value of the imported computer systems maintained under their own responsibility or similar systems maintained by owners who registered themselves with the CMC.
- (5) State Electricity Boards, Projects and undertakings engaged in production and distribution of electricity, Port Trusts and Irrigation Departments Projects, Departmentally run undertakings shall be eligible to import emergency spares, both permissible and non-permissible spares, under Open General Licence subject to release of foreign exchange by the Administrative Ministry or the Ministry of Finance. Such imports will, however, required list attestation by DGTD if the value of spares exceeds Rs. 25 lakhs.

(OGL 3—Concld.)

- (6) Notwithstanding anything provided above import of non-permissible spares will also be allowed in the case of computer systems within the overall limits mentioned in condition (3) above subject to other conditions.
- (7) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to the Actual User condition.
- (8) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 & 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (11) Shipment of such goods allowed for import under Open General Licence can be made during the currency of the Import and Export Policy 1990—93 (Volume-I) unless the item has been shifted from Open General Licence. In cases where firm contract has been entered into and registered with the foreign exchange dealer (bank) before the 28th February, 1993, shipment can be made upto the 31st March, 1994. In specific cases where delivery period is still longer the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may allow shipment under Open General Licence upto a further extended period.

- (12) Notwithstanding anything provided in Condition No. (11) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts provided the contract in question has been duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) before the date of issue of the Public Notice or firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (13) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (14) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & FXPORTS

. 22

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

<u>and the state of </u>

ORDER NO. 4|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 4|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993 for importation of the goods specified below, (as amended from time to time by issue of Public Notice in the Official Gazette), from any country, except the Union of South Africa and Fiji:
 - (1) Re-import of items (excluding consumer durables) after repairs abroad, free of charge on c.i.f. basis or on payment (c.i.f.) not exceeding 10 per cent of the c.i.f. value of the imported machinery (30 per cent of the c.i.f. value of the imported parts or sub-assemblies in the case of electronic and computer sub-assemblies) or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the customs authority that the item reimported is the same which was sent abroad for repairs.
 - (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000.
 - (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value.
 - (4) Bona fide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, been and new drugs.
 - (5) Bonafide technical and trade samples of tea supplied free of charge not exceeding Rs. 1,000 in c.i.f. value, in one consignment, on the recommendation of the Tea Board, Calcutta, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
 - (6) Bona fide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2.000 in c.f.f. value, in one consignment.
 - (7) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance

- claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that:—
- (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;
- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;
- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods:—
 - (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements;
 - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent Chartered Engineer (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;
 - (iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers of consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;

(OGL 4---Concld.)

- (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be neces. sary in the case of Government departments, provided foreign exchange been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement.
- (8) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (9) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (10) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of customs authorities at the time of clearance.
- (11) Animal vaccines including poultry vacancies, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendations of the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the Customs authorities at the time of clearance.
- (12) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the

- registration issued by the Regulation Committee set up under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968) and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), and on the written approval of the Plant Protection-Adviser to the Government of India in respect of items not included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (13) In respect of items covered by Sl. Nos. (5) and (10) to (12) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale".
- (14) Trade catlogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise.
- ((15) Import of finished consumer goods as trade samples will not be allowed under this provision. However, import by actual users holding Industrial Licence Registration Letter of Intent for manufacture of the same will be eligible to import such items as technical samples.
- (16) This Licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) impotrer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA) Chief Controller of Imports & Exports

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 5|90-93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- (E).—In exercise of the powers conferred S,O. by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares, required by any (i) Research and development units recognised by the Department of Science & Technology, Government of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India, (ii) Scientific or research laboratories, institutions of higher education and hospitals recognised by the Central or State Government, and (iii) Test Houses set up by the Government of India or recognised by the Bureau of Industrial Standards (B.I.S.) subject to the following conditions :-
 - (1) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government or Bureau of Industrial Standards, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purposes.
 - (2) Research & Development units recognised by the Deptt, of Science & Technology. Govt. of India or the Department of Scientific and Industrial Research, Government of India also be eligible to import, for research and development purposes, capital goods and instruments appearing in the Restricted lists Import of professional grade consumer goods required for research and development purposes can also be made under OGL subject to the condition that not more than one number of an item is imported in a year and the value of a single item does not exceed Rs. 5 lakhs. The head of the Research and Development institution will be required to certify that the Restricted items of Capital goods and instruments

- or professional grade consumer durables sought to be imported are required for research and developments purposes.
- (3) Import of second-hand machinery will not be allowed under this provision.
- (4) Import of computer computer sub-system computer peripherals can also be made under OGL after obtaining prior clearance of the Department of Electronics. However, prior clearance of the Department of Electronics will not be necessary for import of computers and computer systems allowed under Open General Licence by all persons for their own use.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Import of office machines and consumer goods other than professional grade consumer durables will not be permitted.
- (7) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (8) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more:—
- (i) Department of Science & Technology Deptt, of Scientific & Industrial Research New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E. New Delhi.
 - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
 - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them

(OGL 5—Concla.)

- (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (9) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (10) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March 1993 or, in the case of machinery|equipment|spares shipped on or before 31st March 1994 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February 1993 without any grace period whatsoever.
- (11) Notwithstanding any thing provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette; the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers

- before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/(TEJENDRA KHANNA)
Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPG|3|5|90)

ORDER NO. 6|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 6|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions:—
 - (1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.
 - (2) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the Policy and Procedures laid down.
 - (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
 - (4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1994 without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March 1993...

- (5) Notwithstanding anything provided in Condition number (4) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice.
- (6) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the (Control) Order, 1955.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.
- (8) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

SZ/-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 7|90---93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 7|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Jigs, Fixtures, Dies and Patterns (including contour roller dies), Moulds (including moulds for diecasting), and Press Tools (other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part-A of the Import and Export Policy, 1990—93, (Volume-I) and Parts thereof, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions:—
 - (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, or the concersed State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking.
 - The goods so imported shall be of new manufacture.
 - (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance a declaration giving particulars of his Industrial Licence Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence Registration issued to the Actual User as an industrial unit and manufactured. end-product(s) the affirming that such Licence Registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities.
 - (4) This Licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Such goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1994 against firm orders for which irrevocable Letters of Credit are opened on or before the last date of February 1993, without any grace period, whatsoever.
- (7) Notwithstanding anything provided in Condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other probibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (9) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Sd -(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(Issued from Fife No. IPC|3|5|90).

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 8|90-93

OPEN GENERAL LICENCE: NO. 8|90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, items of raw materials, components, consumbables, Machancy, equipment, instruments accessories, tools and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited, Gas Authority of India Limited, Mis. Bharat Gold Mines Limited and Steel Authority of India Limited (SAIL) subject to the following conditions, namely
 - (1) The items permitted for import by the Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., Oil and Natural Gas Commission (ONGC) shall be those cleared by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Chemicals (rom: indigenous angle. dence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (5) and (6) below. Clearance by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spares and for imports under World Bank funding.
 - The items permitted for import by M's. Tharat Gold Mines Ltd. shall be those fleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle. It indigenous clearance will be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1, Part B and permissible spaces. In respect of any electronic tem, including marine electronics and Communications equipment, but excluding teleformmunication equipment covered under gara 7(13) of the Import and Exponsolicy, 1990—93 (Volume-I), prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under para 7(13)

- prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.
- (3) The items permitted for import by the Steel Authority of India Limited shall be those required for the modernisation projects of the Steel Plants at Durgapur. Rourkela and Burnpur (Indian Iron and Steel Company) and cleared by the Empowered Committee under the chairmanship of Secretary (Steel) from indigenous engle. Uvidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose. Clearance by the Empowered Committee will not be necessary for import of machinery appearing in Appendix 1 Part B) and permissible spares.
- (4) The import shall be made only against foreign exchane released by the Government for the purpose, except under (5) and (6) below.
- (5) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil and Natural Gas Commission Oil India Ltd. Cas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work except those items consumed or irretrievably lost or damaged or scrapped, duly certified to this effect by Oil and Natural Gas Commission, Oil India Limited and Gas Authority of India Limited as the case may be. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its past, the import of such consumer durables shall

(OGL 8 Concid.)

be subject to ONGC/Oil India Ltd./GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.

- (6) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M|s, Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of Foreign Engineers| Specialists are engaged for completion of the work, and such Engineer|Specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M|s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (7) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fijl.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993 without any grace period what-so ever.
- (11) Notwithstanding anything provided in Condition number (10) above, in case any item is taken out of Open General Licence in public interest by issue of a Public

Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established in the case of raw materials, components and consumables and against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) in the case of capital goods, before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported.
- (13) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from any obligation or compliance with any requirement of which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER NO. 9/90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to Air India, Indian Airlines, Vayudoot Limited, Pawan Hans Limited and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 5, Part B to the Import and Export Policy, for 1990—93 (Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associated test and training equipment, subject to the following conditions, namely:—

- (1) No consumer goods how-so-over described shall be imported under the provisions of this Open General Licence.
- (2) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition.
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA.
- (4) Owners of executive/training aircrafts, whether in private or public sector, can import spares (both permissible and restricted) under Open General Licence, for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that import of the spares has been cleared by the Director General of Civil Aviation, New Delhi.
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 without any grace period whatsoever.
- (7) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (6) above, in case any item

is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (8) This licence shall also be subject to the Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER NO. 10/90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazetie, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified.
 - (2) In the case of medical instruments, etc., scientific instruments and Chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors referred to at Serial No. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer, shall, at the time of clearance, give a declaration to the Customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year.
 - (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the Customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of uptodate payment|exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939. Importers of Motor Vehicle spares will be required to produce the Pass Book issued by the Chief Controller of Imports and Exports at the time of customs clearance, of motor vehicle spares.
 - (4) Import of second-hand computer/computer based system shall not be allowed.

- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1993 without any grace period, whatsoever.
- (6) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (5) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (7) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS 226

OGL 10-Conta.

	Schedule to O.G.L. No. 10/90, dated the 30th	March, 1990			
S. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import			
1.	Drugs and medicines	 (i) Hospitals and medical institutions for their ow use, provided the c.i.f. value of such good imported at any one time shall not excee one lakh rupees; 			
		(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed ten thousand rupees; and			
		(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty five thousand rupees;			
2.	(a) Medical including Surgical, Optical and Dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.	(i) Hospitals and Medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed four lakes rupees, in a financial year.			
	Sutures and needles for surgical purposes appearing in List 5 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).	(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed ten thousand rupees, in a financial year.			
3.	X-ray intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one lakh rupees.			

Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the Customs authorities) provided the c.i.f. value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand in a financial year.

Testing Laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000 (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.

- (i) Persons owning imported vehicles for their own use, upto a c.i.f. value of Rs. ten thousand in a financial year.
- (ii) Persons owning imported agricultural tractors for their own use, upto c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.

By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 20,000. Goods imported shall not be transferred to any individual or any party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communications, Government of India.

- Scientific and measuring instruments and chemicals.
- 5. Testing equipment, testing instruments and chemicals.
- Spare parts of motors vehicles and agricultural tractors.
- Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antennas, retarary motors, feed lines standing wave ratio bridge) instruments, spare and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and or limitations:

Schedule to OGL 10—Contd.							
S. Item No.	Eligible importers, value limit and purpose of impor						
1. Uigh Frequency Band (H.F.)							
Frequency Range	Output power limit						
1820-1860 KHz	150 Watts.						
3500- 3700 K11z	150 Watts.						
3890-3900 KHz	150 Watts.						
7000—7100 KHz	150 Watts.						
14000—14350 KHz	150 KHz						
18068-18168 KHz	150 KHz						
21000—21450 KHz	150 KHz						
24890-24990 KHz	150 Watts.						
28000—29700 KHz	150 Watts.						
II. Very High Frequency (VHF)							
Frequency Range	Output power limit						
144146 KHz	25 Watts.						
ក្រេ. Ultra High Frequency(UHF							
Frequency Range	Output power limit						
1266—1300 MHz	25 Watts.						
3300-3400 MHz	25 Watts.						
5725—5840 MHz	25 Watts.						

NOTE: The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

- 8. Computers and computer based systems of the follow- By all persons for their own use. ing minimum configuration or above, provided import is made in one consignment :

 - (a) CPU with minimum of 32 bit word length with the operating systems software + (b) the main memory of 64 MB or above on each CPU+(c) the Disc. storage capacity of 5000 MB or above + (d) I/O Bandwidth of minimum 100 mb/Sec.

Under this facility of Open General Licence, the number of terminals will be restricted to 10 only. However, the configuration will not include any Workstation.

(Schedule to OGL 10 concid.)

Bus and truck tyres of the following specifications:—

 $1000 \times 20 - 16 PR$

 $1000 \times 20 - 14 PR$

 $900 \times 20 - 16 PR$

 $900 \times 20 - 14 PR$

 $900 \times 20 - 12 PR$

(nylon tyres in ribbed, lug and semi-lug varieties).

- 10. (i) Feature films
 - (ii) Video films
 - (iii) Video rights of foreign feature films primarily intended for children.
- 11. Audio-Visual News or Audio-Visual Views material including News Clippings.
- Equipment/instrument required by Transport-Industries, namely :—
 - (1) Exhaust gas analyser
 - (2) Smokemeter
 - (3) Brake testing machine (Brake Dynamo Meter).
 - (4) Head light aim tester
 - (5) Front wheel alignment tester.
 - (6) Shock absorber tester
 - (7) Play detector
 - (8) Wheel spinner
 - (9) King tester for actual test of engine performance.
- (10) Signalling equipment tester.
- (11) Speedometer tester.
- (12) Breath analyser (for measuring alcohol content in breath).
- (13) Simulator (Shadowgraphs types of simulator as an aid for training the reflection of efficient driving).
- (14) Testing equipment required for testing collapsible steering column.

- (a) Manufacturers of original chasis of vehicles and use the said tyres in the manufacture of such vehicles.
- (b) State Road Transport Undertaking referred to in Clause (b) of section 68A of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).
- (c) Association of State Road Transport Undertakings, being a society registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), vide Registration No. S-2815 of 1965-66, dated the 2nd August, 1965.
- (d) Associations of owners of vehicles in which the said tyres are used and approved as such by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.
- (e) Officer, authority, undertaking, Department of other body under a State Government, authorised by the concerned Government to import the said tyres and approved as such also by the Department of Industrial Development of the Government of India in accordance with the Scheme framed by them in this behalf.

Doordarshan, All India Radio, National Film Archives of India, Film and Television Institute of India and Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Doordarshan and All India Radio on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Children's Film Society of India for their own use on the basis of foreign exchange release by the Government in their favour.

Actual Users as certified by the Union Ministry of Information and Broadcasting.

Government Departments/Garages and Workshops registered under the local law applicable to Shop & Establishment.

ORDER NO. 11/90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by aection 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) The importer is registered with the Director General of Shipping, Bombay as a ship repairing unit;
 - (2) The goods shall be imported in Customs bonded premises. The importer shall be allowed to take the imported goods outside the Customs bonded premises for the purpose of carrying out ship repairs. The items shall be brought back to the Customs bonded premises after carrying out the repairs. In respect of items consumed for the purpose of carrying out ship repairs, a periodical return shall be submitted to the Collector of Customs of the area and Director General of Shipping, Bombay. The importer shall maintain a proper account which will be open to inspection by the Chief Controller of Imports and Exports.
 - (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in accordance with the provisions of Ministry of Finance, Department of Revenue, Notifications No. 211|83-CUSTOMS and 212|83-CUSTOMS both dated the 23rd July, 1983.

- (4) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their c.t.f. value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the Bank, to the licensing authority concerned, and the Director General of Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the Unit concerned.
- (5) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General of Shipping.
- (6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (7) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-(TFJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

ORDER NO. 12/90—9.3 OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa, and Fiji, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) The goods, in question, are imported free of cost, in pursuance of an agreement betwen the Government of India and the foreign Government concerned.
 - (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the Customs authorities at the time of clearance.
 - (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March, 1993, without any grace period whatsoever.
 - (iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.

- 2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are to be re-experted as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.
- 3. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- 4. This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC/3/5/90)

ORDER NO. 13/90—93 -OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- (E).—In exercise of the powers conferred S.O. by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April 1990 to the 31st March, 1993, for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and Implements, required for Gem and Jewellery Industry appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990-93 (Volume I), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, by Actual Users as certified by Gem and Jewellery Export Promotion Council. Training Institutes and Research & Development Laboratories for Gem and Jewellery, Gem Testing Laboratories, Registered Exporters of Gem and Jewellery, Cooperative Societies of Goldsmiths and artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for use in the Institutes set up by the Council, and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:-
- (1) The Import shall be subject to "Actual User" conditions.
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture.
- (3) Registered Exporters of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of their registration as exporters with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or with drawn or otherwise made inoperative. A Co-operative Society of goldsmiths and artisans and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry will, likewise, furnish a declaration about registration as a co-operative Society, etc.
- (4) Regional Training Institutes connected with the Gem and Jewellery Industry, Research and Development Laboratories for Gem and Jewellery and Gem Testing Laboratories shall furnish a certificate indica-

ting recognition by the concerned authority to the satisfaction of the Customs authority.

- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March 1993 without any grace period whatsoever.
- (7) Notwithstanding what has been provided in condition No. (6) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.
- (8) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order 1955
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof inforce at the time when such goods are imported.
- (10) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd/-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER NO. 14|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 14|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to (a) Government Departments (Central or State), (b) Departmentally run Undertakings, (c) Railways, (d) Department of Posts, (e) Department of Telecomunications, (f) Doordarshan, (g) All India Radio, (h) State Electricity Boards/Undertaking/Projects under the public sector, and (i) Public Sector Industrial undertakings to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions, namely:—
- (1) Capital Goods appearing in Appendix I Part A and Instruments appearing in Appendix 8 will not be allowed for import. For import of other Capital Goods (except those appearing in Appendix I, Part B) prior clearance of DGTD will be necessary. In the case of any electronic items, including marine electronics and communication equipment, but excluding telecommunicaion equipment covered under 7(13) of Import-Export Policy, 1990-93 (Volume-I) prior clearance from the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13), prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs,
- (2) Import of jigs, fixtures, dies and patterns (including contour roller dies) moulds (including moulds for diecasting) and press tools can also be made.
- (3) In respect of raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B) and 3, prior clearance from DGTD and Department of Electronics (if the value of any electronics item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990—93 (Volume I) exceeds Rs. 25 lakhs) will be necessary. For telecommunication equipment covered under para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunications (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs.
 - (4) Import of canalised items will not be allowed.
- (5) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry Ministry of Finance (Department of Feonomic Affairs) for the purpose.
- (6) Doordarshan and All India Radio shall also be eligible to import exposed films, video tapes and

sound tapes on the basis of release of foreign exchange therefor.

- (7) State Electricity Boards Projects Undertakings in the Public Sector and engaged in the production of electricity will have the facility for import of spares only against release of foreign exchange by the administrative Ministry Central Electricity Authority Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Prior clearance from DGTD will be necessary for import of Restricted Spares appearing in Appendices 2 (Part B), 3 and 10. In espect of any electronic item excluding telecommunication equipment covered under para 7(13) of Import-Export Policy, 1990-93 (Volume I), prior clearance of Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceed Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13) prior clearance of Department of Telecommunication (Telecommunication Commission) will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. This facility will also be available to Porst Trusts, Irrigation Departments/Project Authorities, Departmentally-run-Undertakings and Railways.
- (8) Public Undertakings under the Ministry of Defence will be eligible to import under Open General Licence Capital Goods appearing in Appendix 1 (Para B), raw materials, components, consumables and spares other than those appearing in Appendices 2, 3, 5 and 8. The fotal value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through Customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.
- (9) (1) Import of raw materials, components consumables and spares can be made under Open General Licence by Public Sector undertakings on the basis of release of foreign exchange. Prior clearance from indigenous angle will be necessary for raw materials, components, consumables and spares appearing in Appendices 2 (Part B), and 3. In respect of any electronic item including marine electronics and communications equipment covered under Paragraph 7(13) of the Import-Export Policy for 1990—93 (Volume I), prior clearance from Department of Flectronics will be necessary, if the value of such imports exceeds Rs. 25

OGL 14-Concld.

lakhs. For telecommunications equipment covered under the said paragraph 7(13) of the Import-Export Policy for 1990—93 (Volume I). Prior clearance of Department of Telecommunications (Telecom Commission) is necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. Import of Capital goods other than those appearing in Appendix 1, (Part A and Part B) of a value higher than Rs. 1.5 Crores will require the approval of Capital Goods Main Committee headed by Secretary (Industrial Development). Import will be allowed under Open General Licence on the basis of list attestation by the Directorate General of Technical Development (DGTD) and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). Import of Capital goods upto a value of Rs. 1.5 Crores (other than those appearing in Appendix 1 (Para A and Part B) will be allowed under Open General Licence on the basis of indigenous clearance and release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). The customs authorities shall allow clearance on the basis of evidence produced to this effect.

- (2) The above facility for import of capital goods raw materials, components consumables and spares under Open General Licence on the basis of release of foreign exchange and indigenous clearance, as detailed above, will also be available to public sector undertakings under the Ministry of Defence for import of items other than those allowed for import under Open General Licence.
- (10) Necessary evidence of release of foreign exchange and indigenous clearance from DGTD] Department of Electronics Department of Telecommunications as mentioned above will be required to be produced to the customs authorities at the time of clearance.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA)

Chief Controller of Imports & Exports

(Issued from File No. IPC|3|5|90)

ORDER NO. 15|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 15|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country except the Union of South Africa and Fiji goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1 all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale.
 - (2) In the case of "Teaching Alds", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in Research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised Chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use. Importers of films (whether scientific or video) as teaching aids, shall produce to the Custom authorities a certificate from the Central Board of Film Certification that the films imported are 'predominantly educational'.
 - (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the Customs authorities at the time of clearance of goods.

- (4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, (23 of 1940) wherever necessary, should be complied with.
- (5) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing.
- (6) (1) Importers of Life Saving Equipment appearing in List 2 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) shall be required to produce the valid Certificate issued by the Director General of Technical Development or by any other agency designated for the purpose by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, at the time of customs clearance.
 - (2) Importers of Life Saving Equipment shall be eligible to import spares of such equipment either alongwith the machines or separately.
- (7) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (9) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on used for Renewable and Alternate Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from Customs:

OGL 15-Contd.

- (i) Description of the equipment imported;
- (ii) Its c.i.f. value;
- (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment;
- (iv) Country from which imported.
- (10) Import of Gibberellie Acid will be allowed only by persons having valid registration under the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968).
 - (11) Such goods are shipped on through consignment to India on or before the 31st March 1993, without any grace period, whatsoever.
- (12) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (11) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.

- (13) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (14) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (15) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd!-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(Issued from File No. IPC|3|5|90)

OGL 15--Conta.

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/90 DATED THE 30TH MARCH, 1990

- 1. Teaching Aids, namely:---
 - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature with or without readers-cum-printers; and
 - (ii) Film strips slides of educational nature with or without audio cassettes, audio cassettes video tapes of educational nature and video discs of educational nature.
- Instruments and equipment required by blind, including Braile typewriters.
- Life-saving Equipment appearing in List No. 2 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1990-93 (Volume-I) and their spares.
- Family welfare equipment/instruments, appliances, namely :--
- (i) (a) Laproscope;
 - (b) Culdscope;
 - (c) Hysteroscope;
 - (d) Vacuum Suction apparatus;
 - (e) Accessories and spares of the above items;
- (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only).
- (iii) Intrauterine contraceptive devices, T-Frame, insertor rod, tube, flange, PE monofilament thread, copper wire and sleeves and pouch, coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by the Drugs Controller (India), New Delhi; and
- (iv) Falope rings (silastic bands).

Finished drug preparations, life saving and anticancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import and Export Policy for 1990-93 (Volume I).

Homoeopathic medicines in finished form of Homocopathic drugs (single) in basic form and or of any potency, including Sugar of Milk in bulk.

- Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 of Appendix 6 of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I) (Import of jade, pearls and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
- 8. Punes.
- 9. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing vessels).
- 10. Rock Salt.
- 11. (i) X-Ray films (medical), namely:-
 - (1) Cine angiographic films.
 - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 - (3) Dental X-ray film.
 - (4) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 - (5) Personal monitoring films.
- (ii) Aerographic films.
- (iii) Photo type setting RC|Stabilisation paper.
- (iv) Thermographic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.

SCHEDULE TO OGL 15-Conta.

- (vii) Kidney surgery films.
- 12. Lubricating oils for watches, clyocke, timepieces and house service meters.
- 13. Fishing hooks.
- 14. (a) Educational and instructional films (including video films) in a gauge of 16 mm, or less certified by the Central Board of Film Certification to be "pre-dominantly educational".
- (b) Children's films including video films in 16 mm gauge or less of 800 metres or less in length certified by the Central Board of Film Certification to be "Children's films".
- 15. Photographic films (colour).
- 16. Photographic colour papers.
- 17. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
- 18. Records for learning languages.
- 19. Rudraksha beads.
- 20. Cinematographic films, not exposed, the following:—
 - (i) 8mm (colour) and
 - (ii) 8mm (black and white negative)
- 21. Dental items as per List No. 6 of Appendix 6 of Import and Export Policy for 1990—93 (Volume I).
- 22. Items of ophthalmic use as per List 9 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I).
- 23. Ozone generating apparatus.
- 24. Smoke metrcs—Hertridge and Bosch Types—for automobile exhaust.
- 25. Exhaust Gas analyses for measurement of CO, HC, NOX, CO₂ one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
- 26. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on used for Renewable and Alternate Sources of Energy, namely:—
 - (i) Wind driven generators.
 - (ii) Wind Pumps.

- (iii) Solar energy equipment excluding photovoltaic cells panels modules systems.
- (iv) Parapolic focussing systems of the automatic electronic tracking type including photoelectric sensors,
- (v) Portable exhaust gas and combustion analysers.
- (vi) Steam trap leak detector.
- (vii) Ultrasonic leak detector.
- (viii) Solar heat control films.
- (ix) Wind measuring instruments such as an emometers, data loggers etc.
- (x) Biomass-based and Solar-based stirling engines.
- (xi) Biomass gasifiers of capacity above 50 KW.
- 27. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 (Part A), 8 and 10 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I) of:
 - (1) Printing machinery.
 - (2) Machine tools for cutting forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastic including any standard or ancillary equipment; and
 - (3) Cinematograpic equipment including :---
 - (i) Picture and sound printing lamps.
 - (ii) Projection lamps—Xenon_or tungsten.
 - (iii) Lenses/zoom lenses including cinemascope lenses.
 - (iv) Projection volume indicators.
 - (v) Studio lamps of capacity 10 KW, 5 KW, 2 KW, 1 KW and 500 watts.
 - (4) Trawlers.
- 28. Out board Motors.
- 29. Laboratory and Reagent Chemicals other than those appearing in Appendices 2, 3 and 5, and in any of the Lists of Appendix 6 of the Imports and Export Policy for 1990—93 (Volume-I).
- 30. Gibberellic Acid.

ORDER NO. 16|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 16|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Centrol) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, for import of the items of description specified in the Schedule annexed hereto as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, from any country except the Union of South Africa and Fiji, subject to the following conditions namely:—
 - (1) In the case of import of poultry vaccines:-
 - (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the Customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentiality of the material (description|quantity|value) to the party concerned.
 - (ii)) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from customs, send to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and c.i.f. value.
 - (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm|hatchery concerned.
- (2) In the case of Prostaglandin PGF₂ Alpha, the eligible importer shall produce to the Customs authorities, at the time of clearance an 'Essentiality Certificate' issued by the Animal Husbandry Commissioner, New Delhi.
- (3) In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial Licence Registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940). It shall also be subject to the following conditions namely:—
 - (i) Imported medical gas cylinders shall be used, only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.

- the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinders Rules, 1981.
- (iii) Gas cylinders imported as containers of gas must be made of such material as is normally used for transporting such gases.
- (iv) The importer shall obtain necessary per.nission from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.
- (4) In the case of CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers, the condition referred to in sub-para 3 (ii), (iii) and (iv) above shall apply.
- (5) In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd. any other State agency approved by CCI&E, New Delhi. The imported material shall be salvaged by concerned agency and distributed to the eligible Actual Users.
- (6) In the case of Magnetic Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Munincipal Corporations, etc.), Government Departments and other Public Sector Undertakings.
- (7) In the case of Grape Guard Paper, the eligible importers will be Agriculture Development/Corporation of the Central or State Government|Union Territory, Cooperative Societies of Farmers and Associations of Farmers, recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.
- (8) In the case of photographic chemicals referred to in Serial No. 7 of the Schedule, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to Shops and Establishments and (ii) Film Studies, Film Processing Laboratories and Testing Laboratories certified as such by the State Director of Industries.

that is comes.

- (9) In the case of 3|4 inch U-matic and 1 inch video cassettes tapes referred to in Serial No. 8 of the Schedule the eligible importers will be unit registered with the Ministry of Information and broad casting for video software generation.
- (10) In the case of computer software in any media referred to in Serial No. 9 of the Schedule the eligible importers will be:—
 - (a) actual users, including Government Departments, and computer manufacturers for their own use;
 - (b) Software Houses registered with the Department of Eelectronics for the purpose of stock and sale.
 - (c) Department of Electronics for stock and sale.
- (11) In the case of Insecticides, Fungicides, Weedicides covered by Serial number 12 in the Schedule, import will be allowed only by Indian Farmers Fertiliser Co-operatives, Krishak Bharati Co-operative, Hindustan Insecticides Limited, Horticulture Corporation of Himachal Pradesh, Horticulture Corporation of Jammu and Kashmir, MARKFED (Punjab) and State Agro-Industries Corporations, for stock and sale.
- (12) In the case of Polyurethane leather, import shall be allowed to actual users (industrial) engaged in the manufacture of inflatable balls for the purpose of exports, and STC for distribution to actual users for manufacture of inflatable balls for export purposes. It shall also be subject to the following conditions namely:—
 - (i) Actual Users engaged in the manufacture of inflatable balls for exports who wish to import directly or procure the item from State Trading Corporation (STC) shall be required to register their contracts with the Sports Goods Export Promotion Council (SGEPC). Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by SGEPC as evidence of such registration. For this purpose two copies of the contract shall be lodged with the SGEPC, and they will return one copy to the importer duly stamped on each page for production to the Customs at the time of clearance of goods.
 - (ii) Importer shall also produce to the Customs authorities at the time of importation, a certificate from the SGEPC to the effect that the importer is a manufacurer of inflatable balls for the purpose of exports.
 - (iii) At the time of registration of a subsequent contract the eligible importer should also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation of the material imported against contracts registered earlier for the purpose of monitoring of manufacture and export of inflatable balls.
 - (iv) It shall not be necessary for STC to register the import contracts with SGEPC.

- (13) Import of Indian Fiag vessels for breaking will be subject to the condition of production by the importer of a certificate authorising the scrapping of the essel to the Ct. doms authorities at the time of clearance as mentioned below:—
 - Shipping, Bombay, in the case of vessels registered with them.
 - (ii) A certificate from the Ministry of Defence (Naval Headquarters) in respect of vessels owned by them.
 - (tu) in the case of vessels belonging to Port Trusts, Coast Guard etc., a certificate from the concerned organisation.
- (14) In the case of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flower and cuttings, saplings, budwood, etc. of flowers referred to in Serial number 15 of the Schedule, the eligible importers shall be—(a) Departments of Agriculture|Horticulture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR); (b) Seed producing Indian companies firms which are registered with the National Seeds Corporation; (c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporations; (d) Food Processing Industrial Units; and (e) Growers of flowers and vegetables registered with the Director of Agriculture/Horticulture of the State Governments.
- (15) (i) Import of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers by the eligible importers referred to in condition (14) above shall be regulated by the provisions of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984 (hereinafter referred to as the said Order), after satisfying such quarantine regulations, as prescribed under the said Order for the purpose of visual inspection, laboratory inspection and grow-out tests. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the importers, until quarantine|customs clearance is given. The customs clearance of vegetables, flowers ornamental plant seeds, tubers and bulbs of flowers will be given on receipt of quarantine clearance as provided in the said Order.
- (ii) In case the consignment shows the presence of manifestation of any disease or pest or nematode of exotic origin, the entire consignment shall be rejected and destroyed in the prescribed manner.
- (16) (i) The eligible importers of cuttings and saplings etc., of flowers should possess post entry quarantine facilities as may be approved by the Plant Protection Adviser.
- (ii) For import of cuttings, saplings, budwood etc., of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine shall be essential. The post entry quarantine facilities, as prescribed by or under the said. Order shall have to be

Oct., 16 Contd.

e tablished by the eligible importers referred to in condition 14.

- (iii) Customs clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from the Plant Protection Advisor.
- (iv) Cuttings, saplings, budwood etc., of flower-which require post entry quarantine inspection shall be grown in the post entry quarantine facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India). Order, 1984. If after quarantine cuttoms clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during post entry quarantine inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner.
- (17) In the case of fresh fruits, import will be allowed only by the National Agricultural Marketing Federation (NAFED) against release of foreign exchange by the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs). At the time of clearance of the imported goods NAFED will be required to produce necessary evidence to this effect to the Customs authorities.
- (18) In the case of educational, scientific and technical books referred to in item under 16 of the Schedule, the parsons eligible to import shall be,—
 - (i) Universities, including deemed Universities and recognised eucational and research institutions:
 - (ii) Public, National and State Libraries;
 - (iii) Institutions of higher learning;
 - (iv) Booksellers having a minimum annual sales turnover of Rs. 10 lakhs;
 - (v) Research and development units of industrial establishments; and
 - (vi) Professionals like scientists, doctors, engineers, University professors, advocates, chartered accountants etc., for their own professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000 in a financial year.
- (19) In the case of import of educational scienand technical books, the following conditions shall apply:—
 - (a) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed.
 - (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Department of Education, Government of India, New Delhi.

- (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun,
- (d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.
- (e) Import of records or pre-recorded audio and video cassettes or video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made subject to the condition that the supplier has certified that records or pre-recorded cassettes or video disks or pre-recorded floppy diskettes form an integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records or pre-recorded audio and video cassette, or pre-recorded floppy diskettes or video disks.
- (f) Booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original currently valid registration under relevant law relating to registration of shops and establishments for the time being in force or a photo-copy of such original or evidence of membership of oue of the professional associations of booksellers. A certificate from Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.
- (g) The booksellers shall send quarterly returns to the concerned licensing authority in whose jurisdiction they are located about the value of books imported by them under Open General Licence giving the details of country of origin, whether the books are technical or non-technical and value in each category. Failure to send such returns may lead to cancellation of Import Export Code Number.
- (h) Educational and research institutions, Institutions of Higher Learning and public libraries shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by the Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies or research projects undertaken by them.

OGL 16-Contd.

- (1) Processionals shall produce to the customs authorities at the time of clearance, evidence of their membership of the relevant professional body or association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000 during the licensing year.
- (j) At the time of clearance through roustoms, the importer shall furnish a declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I).
- (20) In the case of educational, scientific and technical journals, news magazines and newspapers, import under Open General Licence can be made by all persons.
- (21) At the time of clearance of goods, the importer shall furn sh to the customs authority a declaration giving particulars of recognition registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition registration certificate and affirming that such recognition registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the Customs authority.
- (22) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods, imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (23) Goods imported under Open General Licence are not permissible for export without the written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi.

- (24) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, and Fiji.
- (25) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 without any grace period, whatsoever.
- (26) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (25) above in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which slipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Credit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.
- (27) This Licence shall also be subject to the Condition Nos. 1 and 5 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (28) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (29) This Licence does not confer any minumity, exemption or relexation at any time from an obligation or complience with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other lays or regulations. The importer should comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd';(TEJENDRA KHANNA)
Chief Controller of Imports & Exports
(Issued from File No. IPC[3|5]90)

OGL 16—Concld.

SCHEDULE 10 OPEN GENERAL LICENCE NO. 16,90 DATED 30TH MARCH, 1990

- 1. Poultry vaccines (all types).
- 2. Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below.
- 3. CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers.
- 4. Broken Electric Motors.
- Magnetic Electromagnetic water conditioning system.
- 6. Grape Guard Paper.
- 7. Photographic chemicals—developers, fixers, intensifiers, reducers, toners and cleaning agents.
- 8. 3₁4 inch U-Matic and 1 inch video cassettes|tapes.
- Computer software in any media including software floppy disskette with average c.i.f. price of Rs. 50 or less per diskette.
- 10. Polyurethane leather.
- 11. Indian Flag vessels for breaking.
- 12 Insecticides, Fungicides and Weedicides, namely:—
 - (1) Monocrotophos
 - (2) Methyl Parathion
 - (3) Dimethoate
 - (4) BHC

- (5) Malathion
- (6) Endosultan
- (7) Phorate
- (8) Mancozeb
- (9) Zmeb
- (10) Thiram
- (11) 2, 4-D
- (12) Butachlor
- (13) Benthiocarb
 - (14) Isoproturon
- 13. Fresh Fruits.
- 14. Prostaglandin PGF, Alpha.
- 15(i) Seeds of Vegetables flowers, seeds of orgamental plants tubers and bulbs of flowers.
 - (ii) Cuttings, Saplings, budwood etc. of flowers.
- 16(a) Educational, scientific and technical books (an illustrative list of subjects is given in List 7 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1990—93 (Volume 1);
 - (b) Educational, scientific and technical journals; news magazines and newspapers.

ORDER NO. 17|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 17|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st March, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital Goods, subject to the following conditions namely:—
 - (1) The eligible importers will be :-
 - (i) Coal India Limited.
 - (ii) Neyveli Lignite Corporation Limited.
 - (iii) Bharat Coking Coal Limited.
 - (iv) Central Coalfields Limited.
 - (v) Eastern Coalfields Limited.
 - (vi) Western Coalfields Limited.
 - (vii) Central Mine Planning and Design Institute Limited.
 - (viii) Singareni Collicries Company Limited.
 - (ix) South Eastern Coalfields Limited.
 - (x) Northern Coalfields Limited.
- (2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.
- (3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 Part A and instruments appearing in Appendix 8 of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume-I) as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix-I Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix-1. Part-B. In respect of any electronics item, including marine electronic and communications equipment but excluding telecommunications equipment covered under para 7(13) of the said policy prior clearance of the Department of Electronics will be necessary if the value of such imports exceeds Rs. 25 lakhs. For telecommunication equipment covered under the said para 7(13), prior clearance of Department of Telecommuniaction (Telecommunication Commission) will be necessary if the such imports exceeds Rs. 25 lakhs. The Customs authorities will allow clearance under Open General Licence on production of evidence to this effect.

- (4) The goods so imported shall be of new manufacture.
- (5) The import shall be subject to Actual user condition.
- (6) This Licence shall also be subject to the Condition No. (1) and 5 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (8) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1993 or on or before 31st March, 1994 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February 1993, without any grace period whatsoever.
- (9) Notwithstanding what has been provided in Condition No. (8) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Government reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm contracts entered into and duly registered with a foreign exchange dealer (Bank) by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in the case of other types of orders.
- (10) Nothing in this Licence shall effect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (11) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Sđ!-

(TEJENDRA KHANNA)
Chief Controller of Imports and
Exports

-:=- :==

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 18|90 =93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18|90

New Delhi, the 30th March, 1990

- S.O (E).—In exercise of the power conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Covernment hereby give, general permission, with effect from the 1st April, 1990 to the 31st Match, 1993, to import into India from any country, except the Union of South Africa and Fiji, Capital goods, raw materials components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to Non-resident Indians Persons of Indian origin in the Import and Export Policy for 1990—93 (Volume 1), as amended from time to time by issue of a Public Notice in the Official Gazette, subject to the following conditions:—
 - (1) The eligible importers shall be Non-resident Indians (which includes Non-resident Indians who have acquired foreign nationality) and Persons of Indian origin residing abroad.
 - (2) The items imported will be for setting up a new industrial unit or for expansion, diversification or inodernisation of an existing unit it conformity with the industrial policy of the Government or setting up a service industry.
 - (3) The entire foreign exchange involved on the import will have to be provided by the importer. The import does not involve any remittance from India.
 - (4) Neither the capital invested nor the profits would be allowed to be renatriated by the importer.
 - (5) Imports shall be subject to 'Actual User' condition. No permission to sell the capital goods will be allowed for a period of 5 years from the date of import. Thereafter, such sale may be made only with the prior permission of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delbi.
 - (6) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that.
 - (a) The imported machinery and other materials have been nurchased out of importer's earningstresources abroad, and do not involve any remittance from India; and

- (b) Within three months of the date of clearance from the Curonis, the importer shall send information about the import of the machinery and other materials, in question to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. In the case of electronic items the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhawan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries. Copy of such information should be sent to the concerned sponsoring authority/technical authority also.
- (7) Eligible importers can import capital goods appearing in Appendix I Part B. Import of other capital goods except those in the Restricted List, can also be made upto a value of Rs. 35 Lakhs cif for setting up an industrial unit.
- (8) Import of second hand machinery will not be allowed under this Licence,
- (9) The industry, in which the imported machinery shall be used, will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for Small Scale Industries. in paragraph 7(5) of Import and Export Policy, 1990—93 (Volume I)
- (10) Raw materials, components, consumables and spares required during the first year will be allowed under this Licence on the basis of approval by the Special Approvals Committee (NRI), Ministry of Industry. The imported raw materials, components and consumables shall be used in the industry being set up by the importer in India.
- (11) The industrial units concerned (if they are new) will be required to get themselves registered with the sponsoring authorities concerned within a period of one year from the date of import of capital goods.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank

OGL 18- Concld.

of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.

- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa and Fiji.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March 1993 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever:—
 - (a) On or before the 30th 1993 in the case of raw materials, components and consumubles for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February, 1993.
 - (b) On or before the 31st March 1994 in the case of capital goods where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February, 1993.
- (15) Notwithstanding what has been provided in Condition No. ((4) above, in case any item is taken out of Open General Licence in the public interest by issue of a Public Notice in the Official Gazette, the Govern-

ment reserves the right to stipulate a time limit by which shipment should be made against firm orders backed by irrevocable Letter of Ctedit opened and established by eligible importers before the date of issue of the Public Notice. No such protection will be available in case of other types of orders.

- (16) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (17) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importers may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Sd|-

TEJENDRA KHANNA, CHIEF CONTROLLER
OR IMPORTS AND FXPORTS

(Issued from File No IPC|3|5|90)

ORDER NO. 19|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 19|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the project contractors taking up projects abroad for reimport import from any country in the world except the Union of South Africa and Fiji of (i) related equipments. (ii) machinery and related spares, (iii) related tools, and (iv) delated accessories as were either taken from India or purchased abroad after taking necessary permission of the Reserve Bank of India, or Export-Import Bank of India Industrial Development Bank of India, into the country, after completion of the projects. At the time of seeking clearance of such re-imported imported goods, the project contractor shall, however, be required to file a declartion with the Customs Authorities concerned to the effect that these related equipments, machinery and related spares, related tools and related accessories were used for execution of the project (name of the project to be mentioned) and were either taken from India or purchased abroad for which necessary permission of the Reserve Bank of India or Export-Import Bank of India Industrial Development Bank of India, was obtained.
- 2. The above permission should also be available in the case of office equipments which had been used during the course of the execution of the projects abroad for at least one year, subject to the production of satisfactory evidence to this effect to the customs authorities.
- 3. The re-import import shall be subject to the conditions that.
 - (1) such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March of the licensing year;

- (2) nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported or re-imported; and
- (3) the licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer would comply with the provisions of all other laws applicable to him.
- 4. The above permission shall also be subject to the conditions, if any, as may have been imposed by the Reserve Bank of India Export-Import Bank of India Industrial Development Bank of India, at the time of granting permission for purchase of the goods in question.

Note.: For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", wherever appears in this Order shall have the meaning assigned to it in the Import and Export Policy (Volume I) for 1990—93.

Sal-

(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(Issued from file No. 1'2'74 FPC)

ORDER NO. 20|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 20|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users located in the respective Free Trade Zones and Export Processing Zones for import of (1) Capital Goods (whether new or second hand), (2) raw materials, (3) components, (4) spares, (5) consumables. (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototypes and technical samples not execeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation, (9) Diesel Generating set, into the Free Trade Zones Export Processing Zones, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case. However, items, banned for import in Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2 Part-A of the Import and Export Policy 1990—93 (Vol. I) shall not be allowed to be imported in the Free Trade Zones and Export Processing Zones under this Open General Licence.
- 2. For import of second hand Capital Goods, the importer shall produce to the Customs authority at the time of clearance, a Certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Instition of Engineers in the Country from which import is made in the proforma given in the Handbook of Procedures, 1990—93. The importer would also be required to give a personal declaration about the again and the residual life of the machinery.
- 3. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own use, product diversification and development or evaluation (i) prototypes and technical samples not covered in para 1, (ii) drawings, blue prints, charts. technical data including micro-films and (iii) office equipment, spares and consumables thereof.

- 4. Such Actual User may also import goods received (i) for repairs or reconditioning by them in the Zone and to be re?exported thereafter, or (ii) back from the overseas consignees within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the related formalities under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).
- 5. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically, as required, to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions iincorporated in the Letter of Approval or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) and rules framed thereunder.
- 6. Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- 7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 19!88-91 dated the 30th March, 1988.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

(Issued from File No. 6|108|87-EPC)

ORDER NO. 21|90-93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Centrol) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' manufactured by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones subject to the following conditions, namely :-
 - (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
 - (2) The term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defect and as such are not exportable as per declaration of the units in Free Trade Zones and Export Processing Zones. 'Rejects' shall include sub-standard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following guidelines may be observed for determining 'Rejects', namely :--
 - (i) the unit must certify that the 'Rejects' were unavoidable on account of flaws of technology, techniques or material deployed by the unit in the manufacture of its products;
 - (ii) the 'Rejects' are also invoiced and stamped by the unit as 'Rejects' at the time of clearance into the Domestic Tariff Area;
 - (iii) the 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having

- jurisdiction over such units. The Assistant Collector may decide that an item is a 'Reject' with reference to-
- (a) the quality control yard-sticks specified by the buyer;
- (b) the report of the internal quality control department of the unit; and
- (c) other technical opinion which he may consider necessary.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations.
- (5) The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

ORDER NO. 22|90-93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 22|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by the units located in Free Trade Zones, and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
 - (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of such goods in the Domestic Tariff Area,
- (3) Nothing ir (F.) Licence shall affect the application in any goods, of any other prohibition in regulation affecting import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
ORDER NO. 23|90—93
OPEN GENERAL LICENCE NO. 23|90
NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import scraps waste remnants generated in the course of production by the units located in Free Trade Zones and Export Processing Zones, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale.
 - (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps waste remnants generated in the course of production by units in Free Trade Zone or Export Processing Zone can be effected only on the basis of permission granted by the Development Commissioner of the concerned Free Trade Zone or Export Processing Zone for sale of scraps waste remnants in the Domestic Tariff Area.

- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd.!-

(TEJENDRA KHANNA)
CHIFE CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

(Issued from File No. 6|108|87-EPC)

ORDER NO. 24|90—93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 24|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by the Government as 100 per cent export oriented units for the import of—
 - (1) Capital Goods (whether new or second-hand) including Generating sets.
 - (2) Prototype and technical samples, not exceeding two in number, of each type for product diversification or development or evaluation.
 - (3) Raw materials, components; consumables and intermediates.
 - (4) Spares.
 - (5) Packing materials.
 - (6) Materials handling equipment like Fork lifts, Overhead Cranes (for initial setting up of the unit only).
 - (7) (a) One number each of the following for ats own production, use or product diversification or development of evaluation:—
 - (i) Fascimile machine meeting with specifications of CCITT G2|G3 or CCITT G3.
 - (ii) Dictation tape recorder.
 - (iii) Paper shredding machine.
 - (iv) Synchronized slide projector.
 - (v) Electronic White Board with or without arrangements for taking hard copy.
 - (vi) Cam Corders.
 - (viii) Digial pager.
 - (viii) Telewriter.
 - (ix) Microfilming equipment Reader-printer.
 - (x) Electronic diary Memo-writer.
 - (xi) Teleconferencing equipment (on the recommendation of Ministry of information & Broadcasting and approval of Deptt. of Telecommunications).
 - (b) Spares of the machine from (i) to (xi) in 7(a) above and consumable tools required

- for these machines for a value not exceeding Rupees five thousands per year.
- (8) import of spares related to finished product manufactured by 100 per cent Export oriented units will also be allowed at the rate of 1.5 per cent of the ex-factory value of its annual production or 2 per cent of the c.i.f. value of imported components whichever is higher, for the purpose of providing warranty coverage or after sale service (whether free of cost or at a price) to their customers;

subject to the following conditions, namely:

- (a) Import shall be subject to actual user conditions,
- (b) the goods shall be imported in customs bonded factory,
- (c) the unit shall comply with all the conditions subject to which payment of Customs duty on the imported materials is exempt,
- (d) the normal procedure that is applicable for Customs bonding will be followed including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory,
- (e) the entire production and operations shall be by under Customs bonded factory,
- (f) import of items which are banned for import in the Domestic Tariff Area as specified in Appendix 2, Part A of the Imports and Exports Policy 1990—93 (Vol. I) will not be allowed.
- 2. For import of second hand Capital Goods the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, certificate from a professional independent Chartered Engineer or an Institution of Engineers in the country from which import is made in the proforma given in the Hand Book of Procedure 1990—93 (Volume-I). The importer would also be required to give a personal declaration about the age and the residual life of the machinery.
- 3. On prior clearance of the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and

Exports, New Delhi, such units may also be allowed to import the following, namely:—

- (i) prototypes and technical samples not covered by para I above;
- (ii) drawings, blue prints, charts, technical dota including micro slms.
- 4. Such units will also be allowed to re-import after repairs abroad, machinery|equipments exported by them for this specific purpose. Any foreign exchange payment necessary for this will also be allowed.
- 5. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second hand) by monstrial units exporting 100 per cent of their production already, at least during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100 per cent export oriented units, on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions, namely:—
 - (i) the importer shall produce at the time of clearance through customs, the certificate referred to in pora 2 above, when importing second hand Capital Goods;
 - (ii) at the time of slearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, in accordance with the procedures aid down in the relevant import policy, is an evidence of having exported 100 perfect of its production in the previous three mancial years;

- (iii) the importer should also give a declaration to the effect that the import of capital goods under this provision will not result in exceeding his licensed approved capacity;
 - (iv) the import shall be subject to Actual User condition,
- 6. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports madt by him and submit them periodically, as required, to the Ministry of Commerce, Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports and the licensing authority concerned. The importer shall adhere to the minimum value added condition stipulated by the Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to penal action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act. 1947 (18 of 1947) and rules framed thereunder, without prejudice to any other action, such as cancellation or revocation of permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence.
- 7. This Licence is in supersession of the Government of India in the Ministry of ommerce Import Trade Control Order No. 23 88-91 dated the 30th March, 1988.

Sd[-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

ORDER NO. 25|90-93 OPEN GENERAL LICENCE NO. 25|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units, into the Domestic Tariff Arca, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
 - (2) Such imports into Domestic Tariff Area of goods manufactured by 100 per cent Export Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exprts, Udyog Bhawan, New Delhi for sale of such goods in the Domestic Tariff Area;
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd|-(TEJENDRA KHANNA) CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6]108]87-EPC)

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 26|90---93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 26|90 NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hertby gives general permission, till further orders, to import into the Domestic Tariff Area 'Rejects' as permitted in the Letter of Approval of the 100 per cent Export Oriented Units issued to such units by the Central Government, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) 'Rejects' shall be permitted to be imported by all persons.
 - (2) the term 'Rejects' shall cover the products which have definite manufacturing defects and as such are not exportable as per declaration of the 100 per cent export-oriented unit concerned and shall include substandard products but shall not include spares, tools, wastes or bye-products. The following parameters shall be kept in view for determining 'Rejects', namely :--
 - (i) the unit must certify that the rejects were an unavoidable feature on account of flaws of technology, techniques or material deployed by unit in the manufacture of its products;
 - (ii) 'Rejects' are also invoiced and stamped by the manufacturer as "REJECTS" at the time of clearance into the Domestis Traiff Area; and

- (iii) 'Rejects' shall be established as such to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs and Central Excise having jurisdiction over such units. Assistant Collector shall decide that an item is indeed a 'Reject' with refedenc to quality control yardsicks prescribed by the buyer, report of the internal quality control department of the manufacturer, and other technical opinion which the Assistant Collector may consider necessary to call upon before deciding the matter.
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any ther prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (4) This Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd|-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6|108|87-EPC)

-----<u>-</u>---

GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 27|90—93

OPEN GENERAL LICENCE NO. 27|90

NEW DELHI, THE 30TH MARCH, 1990

- S.O. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to import, scarps waste remunants generated in the course of production by 100 per cent Export-Oriented Units, into the Domestic Tariff Area, subject to the following conditions, namely:—
 - (1) Import shall be permitted to all persons for the purpose of stock and sale;
 - (2) Such imports into Domestic Tariff Area of scraps waste remunants generated in the course of production by 100 per cent Export-Oriented Units can be effected only on the basis of permission granted by the Ministry of Commerce for sale of such scraps waste remnants in the Domestic Tariff Area;
- (3) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (4) This Licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the importer may be subject to under other laws or regulations. The importer shall comply with the provisions of all other laws applicable to him.

Sd]-

(TEJENDRA KHANNA)

CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(ISSUED FROM FILE NO. 6|108|87-EPC)

	'		
•			